www.examisthan.com

सम्यक्

Towards Excellence...

An Institute for Civil Services

आर.ए.एस. मुख्य परीक्षा हेतु

दैनिक भास्कर में प्रकाशित प्रश्नोत्तर शृंखला

Welcome to SAMYAK

www.examsthan.com

SAMYAK has been established to train IAS/RAS aspirants to achieve their Goal, through the winning combination of hard work with effective guidance. The institute offers high quality and time bound classroom programme.

Faculty member of the institute include visiting lecturers/ professors/ Bureaucrats, who are accomplished educationists and academicians that have considerable experience of teaching to candidates interested in joining Civil Services and equipped with necessary professional skills. The Guidance Programme has been chalked out carefully and has been designed scientifically. Since it employs novel teaching methods that are dynamic in nature. Quality education and specialized professional studies are two highlights of the SAMYAK.

In order to achieve perfection and utmost proficiency, SAMYAK has designed a unique model for teaching and learning. It features open interactive session with successful candidates who successfully cracked IAS and RAS examinations and rank holders in the examination, bureaucrats, noted journalists and professionals, who share present-day topic and themes. The Academy focuses at on scientific teaching and contemporary exam trends. The student attending coaching at SAMYAK gain clarity of concepts in all topics as they go through their in-depth analysis.

Rigorous written tests are conducted at regular intervals to help the students with their analytical, critical thinking and precise writing skills. The Academy also offers an extensive and integrated personality development programme.

सम्यक् की विशेषताएँ

1. नये पाठ्यक्रम के अनुसार पूर्णत: अप-टू-डेट अध्ययन सामग्री।
2. सफल, दक्ष व अनुभवी विषय विशेषज्ञों की पूर्ण टीम द्वारा मार्गदर्शन।
3. अवधारणात्मक स्पष्टता (Conceptual Clarity) एवं वैज्ञानिक मनोवृत्ति के विकास पर विशेष बल।
4. तैयारी के दौरान Motivation & Confidence Building हेतु विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन।
5. क्या पढ़ें ? कैसे पढ़ें ? पर विशेष बल।
6. समय-समय पर ब्यूरोक्रेट्स, प्रोफेसर्स व मैनेजमेंट एक्सपर्ट्स से परिचर्चाएँ।
7. Time Management & Stress Management हेतु विशेष मार्गदर्शन।
8. नियमित टैस्ट व टॉपिक वाइज अवधारणात्मक परिचर्चा।
9. व्यक्तिगत स्तर पर प्रत्येक छात्र हेतु विशेष मार्गदर्शन।
10. परीक्षा होने तक सतत् मार्गदर्शन ।
11. Reading Room Facility
12. सफलतम क्लास रूम कार्यक्रम व टैस्ट सीरीज का संचालन ।
13. दैनिक भास्कर के माध्यम से RAS मुख्य परीक्षा हेतु सबसे बड़ी प्रश्नोत्तर शृंखला का लेखन व प्रकाशन।
14. क्लास रूम, टैस्ट सीरीज, व दैनिक भास्कर सीरीज से RAS परीक्षा 2016 में 90%+ प्रश्न सीधे ही प्रश्नपत्र में।

www.examisthan.com

लेखक की कलम से...✍

प्रिय अभ्यर्थियो .....

राज्य प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा दे रहे प्रत्येक परीक्षार्थी की यह उत्कट अभिलाषा होती है कि वह अपने प्रयास में सफल हो। इसका सारा दारोमदार इस बात पर टिका होता है कि उसका लेखन कितना सटीक एवं प्रभावी है। अंतिम रूप से सिविल सेवा परीक्षा अच्छी लेखन शैली की परीक्षा है। अगर आप कम शब्दों में सटीक प्रभाव के साथ अपनी बात रखने का कौशल जानते है तो यह परीक्षा बहुत आसान हो जाती है। इस हेतु प्राय: यह सुझाव दिया जाता है कि परीक्षार्थी को नित्य 2 से 4 प्रश्नों का लेखन अवश्य करना चाहिए परन्तु उसके सामने मानक प्रश्नोत्तरों का सदैव अभाव रहता है।

सम्यक् ने दैनिक भास्कर के सहयोग से इस दिशा में आगे कदम बढ़ाया एवं छात्र हित में इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए परीक्षार्थियों तक राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा हेतु मानक प्रश्नोत्तरों को सतत् रूप से छ: माह तक (181 अंक) परीक्षार्थियों तक पहुँचाया। यह मुख्य परीक्षा हेतु भारत में प्रकाशित किसी भी समाचार-पत्र की सबसे बड़ी शृंखला थी। विशेष रूप से ऐसे समय में जब राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव किया जा रहा था तथा इस हेतु बाजार में विद्यार्थियों के लिए मानक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री का अभाव था।

इस दौरान सुधि परीक्षार्थियों से भी निरंतर प्रोत्साहन मिला। प्रतिदिन लगभग 80-90 ई-मेल राजस्थान के विभिन्न भागों से प्राप्त होते थे। लम्बे समय से छात्रों की यह लगातार माँग बनी रही कि दैनिक भास्कर में प्रकाशित इन सभी अंकों का संकलन प्रकाशित किया जाए, पर समयाभाव के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। अंतत: सम्यक् टीम ने इसे संपादित कर प्रकाशन का बीड़ा उठाया और यह पुस्तक रूप में आप सभी के सामने है। उम्मीद है कि यह संकलन आप सभी के लिए अत्यंत मददगार साबित होगा।

प्रश्नोत्तर शृंखला के लेखन व प्रकाशन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी समस्त साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ

सद्भावी

कौशल भारद्वाज

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-1)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

15 शब्द

प्रश्न : गूगल लून परियोजना

उत्तर : गूगल द्वारा गुब्बारों के माध्यम से सुदूर क्षेत्रों में इन्टरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु चलाई गई योजना।

प्रश्न : सोलर इम्पल्स - 2

उत्तर : स्विट्जरलैण्ड द्वारा निर्मित सौर ऊर्जा द्वारा चालित विमान। सम्पूर्ण पृथ्वी का चक्कर लगाने के कारण हाल ही मे चर्चा में रहा था।

प्रश्न : जंक डी.एन.ए.

उत्तर : गैर कोडिंग डी.एन.ए. जंक डी.एन.ए. कहलाता है अर्थात् इनका कोई प्रोटीन कोड नहीं होता है।

50 शब्द

प्रश्न : अंतरिक्ष स्टेशन से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : अंतरिक्ष स्टेशन एक अंतरिक्ष यान है जो पृथ्वी के चारों ओर घूमता है और अनुसंधान मंच के रूप में कार्य करता है। यह स्टेशन एक विस्तृत समय के लिए अंतरिक्ष में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की सहायता करता है। वर्तमान में 2 अंतरिक्ष स्टेशन है।

- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन
- चीन का तियांगोंग - I

प्रश्न : टेलीमेडीसीन और टेलीएजुकेशन क्या होते हैं ?

उत्तर : **टेलीमेडीसिन :** दूरसंचार और आई.टी. का उपयोग करके सुदूर क्षेत्रों में चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु प्रयुक्त तकनीक। आपातकाल एवं विपरीत परिस्थितियों में चिकित्सकीय सेवाएँ उपलब्ध कराने में सक्षम।

टेलीएजुकेशन : एक नवीन लर्निंग तकनीक, जिसमें शारीरिक उपस्थिति अनिवार्य नहीं है। इसके माध्यम से सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इस हेतु इसरो द्वारा एडुसेट (EDUSET) उपग्रह छोड़ा गया।

प्रश्न : रोबोटिक्स क्या है ? भारत में रोबोटिक्स के विकास की संभावनाएं बताइये।

उत्तर : रोबोटिक्स मेकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस का मिश्रित रूप है जो कि रोबोट के डिजाइन, निर्माण, संचालन और उपयोग के साथ ही कंप्यूटर सिस्टम द्वारा उनके नियंत्रण और सूचना संग्रहण इत्यादि से संबंधित है। भारत में रोबोटिक्स के विकास की निम्नलिखित संभावनाएं :-

- सुपर मार्केट, मॉल आदि में वितरण हेतु
- दवा एवं सर्जरी हेतु
- ऑटोमोबाइल क्षेत्र में
- टेक्सटाईल क्षेत्र में
- विनिर्माण क्षेत्र में
- जोखिम पूर्ण उद्योगों में
- मनोरजंन,
- अंतरिक्ष अनुसंधान
- घरेलू कार्य
- नाभिकीय तकनीक सेवा में
- आपदा प्रबंधन स्वास्थ्य क्षेत्र में (हॉस्पिटल, दवा निर्माण)
- सैनिक कार्य व युद्ध क्षेत्र/रक्षा क्षेत्र

प्रश्न : 'यदि शैवाल न होते तो समुद्र में मछलियाँ भी न होती' टिप्पणी करें।

उत्तर : यह अनुमानित है कि वायुमंडल की 70-80 प्रतिशत ऑक्सीजन का निर्माण समुद्री पादपों द्वारा किया जाता है तथा लगभग सभी समुद्री पादप एक कोशिकीय प्रकाश संश्लेषक शैवाल हैं। वे प्रकाश संश्लेषण से स्वयं भोजन तैयार करते हैं तथा कई छोटे समुद्री जीवों के लिए भोजन का कार्य करते हैं। शैवाल, छोटी मछलियों तथा छोटी मछलियाँ बड़ी मछलियों के लिए भोजन हैं। इस प्रकार एक खाद्य श्रृंखला का निर्माण होता है।

प्रश्न : कार्बन व्यापार

उत्तर : उत्सर्जन व्यापार और कार्बन ट्रेडिंग क्योटो प्रोटोकॉल में स्थापित एक व्यवस्था है, जिसके अधीन उन देशों जिनके पास उत्सर्जन इकाई शेष है। (उत्सर्जन जिसकी अनुमति थी लेकिन नहीं किया गया) उन्हें, उन देशों जिन्होंने अपनी उत्सर्जन सीमा को लांघ दिया है, को बेच सकते है। इस प्रकार उत्सर्जन को कम करने हेतु, एक नई योजना का निर्माण किया गया। चूंकि कार्बन डाइऑक्साइड प्राथमिक प्रदूषक है, इसलिए इसे कार्बन ट्रेडिंग नाम दिया गया।

प्रश्न : जैव नैतिकता

उत्तर : जैव नैतिकता, चिकित्सा व स्वास्थ्य क्षेत्र में नैतिक नियमों का अनुप्रयोग है। जैव नैतिकतावादी इस क्षेत्र में नैतिक नियमों के अनुपालन का पक्ष रखते हैं। जैव नैतिकता, नैतिक दर्शन के स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रयोग हेतु ज्ञान और समझ को बढ़ावा देती है। यह इस बात पर ध्यान देते हैं कि किस प्रकार चिकित्सा विज्ञान ने हमारे जीने के तरीकों को परिवर्तित किया है तथा यह हमारे जन्म व मृत्यु चक्र तक को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-2)

नीतिशास्त्र

15. शब्द

प्रश्न : मूल्य क्या होता है ?

उत्तर : व्यक्ति के कर्मों को निर्देशित करने वाले सिद्धान्त मूल्य हैं। प्रशासन में अखंडता, ईमानदारी, सहिष्णुता इत्यादि आवश्यक मूल्य हैं।

प्रश्न : 'सत्य' से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : सत्य वास्तविकता अथवा तथ्य का पर्यायवाची है। एक प्रशासक को सत्यवादी होना चाहिए अर्थात् उसे प्रशासनिक नैतिकता को ही आत्मसात करना चाहिए।

प्रश्न : असंलग्नता

उत्तर : वस्तुनिष्ठ रूप से पक्षपात रहित न्याय अर्थात् किसी व्यक्ति अथवा संस्था के हित में न्याय किए बिना निष्पक्षतापूर्वक न्याय करने की नीति को असंलग्नता कहते हैं।

प्रश्न : नागरिक अधिकार पत्र

उत्तर : सेवा, सूचना, विकल्प एवं परामर्श, गैर-विभेदन और शिकायत एवं हर्जाना आदि के मानकों के संदर्भ में संगठन का इसके नागरिकों के प्रति वचनबद्ध एवं क्रमबद्ध प्रयास। नागरिकों को समयबद्ध एवं पारदर्शिता पूर्ण शासन उपलब्ध करवाने हेतु।

50 शब्द

प्रश्न : अभिवृत्ति से आप क्या समझते है?

उत्तर : अभिवृत्ति किसी निश्चिय कार्य को एक निश्चित स्तर पर निष्पादित करने की योग्यताओं का एक अंश है, जिसे 'प्रतिभा' भी कहा जा सकता है। अभिवृत्ति शारीरिक अथवा मानसिक हो सकती है। अभिवृत्ति से ज्ञान, समझ, ज्ञात और प्राप्त क्षमताओं (कौशल) का विकास होता है। अभिवृत्ति की अंर्तजात प्रकृति, उपलब्धियों की तुलना में निहित है, जो ज्ञान से क्षमता और अवबोधन को प्रदर्शित करती है।

प्रश्न : पर्यावरणीय नीतिशास्त्र

उत्तर : मानव और पर्यावरण के मध्य संबंध और इसमें नीतिशास्त्र की भूमिका के अध्ययन को पर्यावरणीय नीतिशास्त्र कहते हैं। इसके अनुसार मानव भी अन्य जीव-जंतुओं और पादपों की भाँति समाज का एक भाग है। ये अंश विश्व के अत्यधिक महत्त्वपूर्ण भाग हैं और मानव जीवन के क्रियाशील भाग हैं इस प्रकार यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रत्येक मनुष्य इसका सम्मान करे और इनके प्रति नैतिकता का पालन करें।

प्रश्न : कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

उत्तर : कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कंपनियों का उस समुदाय और पर्यावरण (पारिस्थितिकी और सामाजिक) के प्रति विवेकपूर्ण उत्तरदायित्व है, जिसमें यह क्रियाशील है। कंपनी अपनी उत्तरदायित्वता कचरा और प्रदूषण को कम करने वाली प्रक्रियाओं को अपनाकर, शिक्षा अथवा सामाजिक कार्यक्रमों में सहयोग कर और नियोजित संसाधनों से पर्याप्त पुर्नप्राप्ति कर व्यक्त करती है।

प्रश्न : 'जो यह कहते हैं की धर्म का राजनीति से लेना देना नहीं है, वे नहीं जानते है कि धर्म क्या हैं' व्याख्या करें?

उत्तर : सांप्रदायिक रेखा के आधार पर भारत का विभाजन और किसी निश्चित धार्मिक विचारधारा की पालना करने के कारण राजनैतिक दलों का अस्तित्व आदि उदाहरण-महात्मा गाँधी के उपर्युक्त कथन की पुष्टि करते हैं। भारत जैसे विकासशील समाज में जहाँ आधुनिक कार्यप्रणाली और परंपराओं का सहअस्तित्व है, समाज में शक्ति के विभाजन में धर्म एक महती भूमिका निभाता है। इस प्रकार यह विचार की राजनीति, धार्मिक विचारधाराओं से उन्मुक्त है, पूर्णतः अनभिज्ञता दर्शाता है। इस प्रकार यह कहना उचित होगा कि भारतीय जनता के एक बड़े भाग के राजनैतिक रवैये को धर्म आज भी आकार देता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-3)

प्रबंधन

15 शब्द

प्रश्न : अनौपचारिक संगठन किसे कहते है?

उत्तर : संचार प्रत्यक्ष एवं मल्टी डायरेक्शन होता है। इसमें उच्चस्थ-अधीनस्थ संबंध लचीले होते है।

प्रश्न : सुशासन के तत्व

उत्तर : जबावदेहिता, पारदर्शिता, विधि का शासन, समानता, दक्षता एवं प्रभावशीलता, उत्तरदायित्वता एवं जागरूकता।

प्रश्न : समन्वय

उत्तर : किसी संगठन के विभिन्न भागों का सद्भावपूर्ण निर्माण समन्वय कहलाता है।

प्रश्न : नेतृत्व से आप क्या समझते हैं।

उत्तर : संगठन के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु लोगों एवं संसाधनों का निर्देशन, प्रोत्साहन, संचालन नेतृत्व कहलाता है।

50 शब्द

प्रश्न : संगठन में स्टाफिंग के लाभ

उत्तर : (i) नए लोगों का समावेशन होता है।
(ii) अच्छे एवं कुशल लोगों को प्रोत्साहन मिलता है।
(iii) काम की माँग की प्रेरणा से कार्य में प्रभावशीलता आती है।
(iv) काम की माँग की पूर्ति दक्षता पूर्वक की जाती है।
(v) स्टॉफ की क्षमता में वृद्धि होती है।

प्रश्न :प्रत्यायोजन तथा विकेन्द्रीकरण में क्या अंतर है?

उत्तर :

प्रत्यायोजन	विकेंद्रीकरण
एक इकाई से दूसरी इकाई में	सदैव एक ही इकाई में
टॉप डाउन अथवा बॉटम अप	सदैव टॉपडाउन
जवाबदेहिता सदैव प्रत्यायोजक की होती है।	जवाबदेहिता सदैव निम्न स्तर के व्यक्ति की होती है।
यह अस्थायी होता है।	यह स्थायी होता है।

प्रश्न : सुशासन लाने में स्वयंसेवी संगठनो की भूमिका पर चर्चा करें।

उत्तर (i) लोगों की भागीदारी में वृद्धि होती है। (ii) सामाजिक अंकेक्षण के द्वारा सरकार को अधिक जवाबदेही बनाया जाता है।
(iii) लोगों में जागरुकता के प्रसार से समाज के प्रति जिम्मेदारी और कर्त्तव्यों के निर्वहन का आभास कराया जाता है।
(iv) महिला सशक्तीकरण के लिए अधिक प्रभावी बनाया जाता है।
(v) समाज के वंचित वर्ग तक लाभ पहुँचाया जा सकता है।

प्रश्न : अभिप्रेरणा तथा मनोबल के बीच के अंतर को लिखें।

उत्तर :

अभिप्रेरणा	मनोबल
अभिप्रेरणा व्यक्तिगत अथवा सामूहिक प्रक्रिया हो सकती है।	मनोबल अधिकतम सामूहिक प्रक्रिया है।
अभिप्रेरणा नकारात्मक अथवा सकारात्मक दोनों ही प्रकार से हो सकती है।	मनोबल केवल सकारात्मक ही संभव है।
अभिप्रेरणा किसी निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयोग में लाई जाती है।	मनोबल आंतरिक भावना है जो किसी कार्य के प्रति स्वतः ही उत्पन्न होती है।

प्रश्न : भावनात्मक बुद्धिलब्धि और नेतृत्व के बीच क्या सम्बन्ध है?

उत्तर (i) भावनात्मक बुद्धिलब्धि उच्च होने से नेतृत्व में भी सर्वोच्चता प्राप्त होती है
(ii) उच्च भावनात्मक बुद्धिलब्धि से अनुशरणकर्ताओं को समझने, समानुभूति, सहानुभूति विकसित करने और संचार को सुचारू रूप से चलाने में सहायता मिलती है। अतः एक नेता में ये सभी गुण होना आवश्यक है।
(iii) अतः भावनात्मक बुद्धिलब्धि के बिना कुशल नेतृत्व संभव नहीं है।

प्रश्न : संगठन की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर (i) यह विभिन्न व्यक्तियों का समूह है, चाहे वह छोटा अथवा बड़ा हो।
(ii) यह समूह कार्यकारी नेतृत्व के निर्देशन के अधीन संगठित होकर कार्य करता है।
(iii) यह समूह के उत्तरदायित्वों को परिभाषित करता है।
(iv) यह प्रबंध का यंत्र है। इसके अभाव में प्रबंध अपना कार्य व्यवस्थित ढंग से नहीं कर सकता है।
(v) समूहों के प्रयासों को निर्देशन के द्वारा नियन्त्रित किया जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-4)

इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : ब्रह्मदेय

उत्तर : प्राचीनकाल में ब्राह्मणों को धार्मिक कार्यों के बदले अनुदान में दी गई भूमि ब्रह्मदेय कहलाती थी। इस पर किसी प्रकार का कर देय नहीं होता था।

प्रश्न : डिक्की बर्ड प्लान

उत्तर : जून योजना से पूर्व लॉर्ड बेटन की योजना जिसमें 'भारत संघ' अथवा भारत-पाक के रूप में दो डेमिनियन राज्यों की स्वतंत्रता से पहले प्रांतों को स्वतंत्र किया जाना प्रस्तावित था।

प्रश्न : दीवान-ए-बंदगान

उत्तर : फिरोह शाह तुगलक के काल में दासों के कल्याण से संबंधित मामलों की देख-रेख हेतु स्थापित एक पृथक् विभाग।

प्रश्न : मार्कोपोलो

उत्तर : इटली का यात्री जो चीन के कुबलई खान के दरबार में था, अपनी पुस्तक 'द ट्रैवलर' में उसने तमिल राज्य (तंजौर के पाण्ड्य राज्यों) का वर्णन किया है।

50 शब्द

प्रश्न : क्या कारण है कि ब्रिटिश शासन काल में जमींदार भू-राजस्व भुगतान समय पर नहीं कर पाते थे?

उत्तर : कर की प्रारंभिक मांग अत्यधिक थी और ऐसे समय पर आरोपित किये गये थे जब कृषि उत्पादों की कीमत अधोमुखी थी। फलस्वरूप किसान जमींदार को भुगतान नहीं कर सकते थे और इस कारण जमींदार कंपनी को भुगतान नहीं कर पाते थे। कर संग्रह की विधियाँ भी अत्यधिक कठोर थीं। स्थायी बंदोबस्त व्यवस्था ने किसानों से राजस्व वसूली में जमींदारों की शक्तियों को सीमित किया।

प्रश्न : भारत में 'भीमबेटका' को एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल क्यों माना जाता है?

उत्तर : मध्य प्रदेश में भोपाल के 45 कि.मी. दक्षिण में स्थित रायसेन जिले में गुफायें भीमबेटका के नाम से प्रसिद्ध हैं। विशाल बलुआ पत्थरों में पाँच प्राकृतिक गुफाऐं अपनी मध्यपाषाण चित्रकला से ऐतिहासिक काल तक की चित्रकला से प्रसिद्ध है। यह गुफा चित्र एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

प्रश्न : अलाउद्दीन खिलजी की 'बाजार सुधार नीति'

उत्तर : अलाउद्दीन खिलजी द्वारा कम वेतन पर विशाल शाही सेना रखने के कारण बाजार सुधार नीति को लाया गया। जिससे असन्तुष्टता जन्म ना ले और जमाखोरी जैसी कुप्रथाओं को हतोत्साहित किया जा सके। इस हेतु उसने विभिन्न विभागों की भी स्थापना की। जैसे :-

1. दीवान-ए-रसालतः व्यापारियों पर नियंत्रण
2. शाहन-ए-मंडी : बाजार अधीक्षक
3. मुहत्तसिब : नाप-तौल अधीक्षक

प्रश्न : उत्तर वैदिक काल की सामाजिक व्यवस्था का परिचय दें।

उत्तर : उत्तर वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था जन्म आधारित हो गयी। जाति व गोत्र व्यवस्था का प्रथम साक्ष्य इसी काल से प्राप्त होता है। समाज पूर्णतः पुरूष प्रधान हो गया तथा महिलाओं की सर्वांगीण स्थिति में गिरावट हुई। उनकी शिक्षा प्राप्ति का निषेध हो गया। इसके अलावा उत्तर वैदिककाल में लौहे की खोज के परिणामतः कृषि का विकास हुआ। सभा, समिति का महत्त्व कम हुआ व विदथ नामक ऋग्वैदिक संस्था का पतन हो गया।

प्रश्न : हड़प्पाकालीन लोगों की शवाधान की प्रक्रिया क्या थी?

उत्तर : सिंधु सभ्यता में अंत्येष्टि की तीनों विधियां प्रचलित थी। समाधीकरण, आंशिक समाधीकरण एवं दाह संस्कार। शव सामान्यतः उत्तर दक्षिण दिशा में लिटा कर दफनाएं जाते थे। (कालीबंगा में दक्षिण-उत्तर, लोथल में पूर्व-पश्चिम) युग्म समाधियों के साक्ष्य भी मिले हैं। शवाधान ईंटों/पत्थरों से अस्तरित आयताकार/अंडकार गड्ढों में किया जाता था।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-5)

राजव्यवस्था एवं अंर्तराष्ट्रीय संबंध

15 शब्द

प्रश्न : भारत के नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक के अंकेक्षण व लेखांकन कार्यों में अंतर कीजिये?

उत्तर : नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक केंद्र तथा राज्य सरकारों के लिए अंकेक्षण का कार्य करता है परंतु लेखांकन का कार्य वह केवल राज्य सरकारों के लिए करता है। (केंद्र के लिए लेखांकन का कार्य लेखा महानियंत्रक करता है)

प्रश्न : चाबहार बंदरगाह

उत्तर : ईरानी बंदरगाह जिसे अफगानिस्तान व मध्य एशिया से व्यापार करने के लिए भारत द्वारा विकसित किया जा रहा है।

प्रश्न : नाटो

उत्तर : अटलांटिक संधि के बाद 1949 में गठित 'उत्तर अटलांटिक संधि संगठन' राजनीतिक व सैन्य साधनों से अपने सदस्य देशों की स्वतंत्रता व सुरक्षा उनके राज्य क्षेत्र व अन्यत्र सुनिश्चित करता है।

प्रश्न : पृथक्करण का सिद्धांत

उत्तर : यह सिद्धांत सुप्रीम कोर्ट को किसी कानून के कुछ भागों के बीच, (संवैधानिक वैधता के आधार पर) अंतर करने के समक्ष बनाता है। यदि कोई भाग संविधान के विरूद्ध है, तो उसे असंवैधानिक घोषित किया जाता है।

प्रश्न : किन अवसरों पर भारत का राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट से राय प्राप्त कर सकता है?

उत्तर : राष्ट्रपति किसी भी व्यापक महत्त्व के मुद्दे अथवा किसी विधि । के प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट की राय (अनुच्छेद 143 के अंतर्गत) माँग सकता है। यह राष्ट्रपति की परामर्श माँगने की शक्ति है।

50 शब्द

प्रश्न : डॉ. भीमराव अंबेडकर के अनुसार संवैधानिक उपचार का अधिकार हमारे संविधान का हृदय एवं आत्मा है, समझाइये।

उत्तर : संवैधानिक उपचार अत्यधिक महत्वपूर्ण मूल अधिकार है क्योंकि संविधान निर्माताओं ने नागरिकों के अधिकार की रक्षा के उपबंध करना अतिआवश्यक समझा। किसी भी भारतीय नागरिक के द्वारा मूल अधिकारों के हनन के संदर्भ में न्यायालय में अपना पक्ष रखा जा सकता है। इस तरह के मामलों में न्यायालय को विभिन्न याचिकाओं जैसे - बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, उत्प्रेषण, प्रतिरोध और अधिकार पृच्छा जारी करने का अधिकार है।

प्रश्न : संविधान के उन प्रावधानों का उल्लेख कीजिए जो उच्चतम न्यायालय को न्यायिक समीक्षा की शक्ति प्रदान करते हैं।

उत्तर : संवैधानिक प्रावधान जो SC को न्यायिक समीक्षा की गारंटी प्रदान करते हैं, इस प्रकार है :-

- **अनुच्छेद 13** : किसी कानून का मूल अधिकारों के सापेक्ष संवैधानिक अस्तित्व
- **अनुच्छेद 32** : मूल अधिकारों का संरक्षण
- **अनुच्छेद 131-136** : उच्चतम न्यायालय की सिविल, आपराधिक अथवा संघ - राज्य या राज्यों के मध्य किसी विवाद पर निर्णय करने की शक्ति।
- **अनुच्छेद 143** : राष्ट्रपति की परामर्श शक्ति
- **अनुच्छेद 145** : न्यायालय के नियम
- **अनुच्छेद 246, 251 व 254** : संघ -राज्य के मध्य प्रशासनिक संबंध
- **अनुच्छेद 372 (1)** : पूर्व संवैधानिक कानून के संदर्भ में

प्रश्न : नाभिकीय हथियारों की प्रथम प्रयोग निषेध की नीति पर चर्चा करें।

उत्तर : क्यूबा मिसाइल संकट के बाद सोवियत संघ द्वारा 'प्रथम प्रयोग निषेध' नीति को सर्वप्रथम अपनाया गया। यह परमाणु हथियार एक ऐसा विकल्प है जो परमाणु शक्तियों को अन्य देशों के आक्रमण से सुरक्षित रखता है। यह हथियार से अधिक एक निवारक के रूप में अधिक कारगर है। इस नीति को अपनाने पर भारत विश्व में शांति का परिचायक बना।

प्रश्न : संयुक्त समन्वित प्रबंधन योजना (CBMP)

उत्तर : बांग्लादेश एवं भारत द्वारा 2011 में हस्ताक्षरित इस समझौते का मुख्य उद्देश्य सीमा एवं सीमा पार हिंसा एवं अपराधों को रोकना है। इसके तहत दोनों देशों के बॉर्डर गार्ड्स आरक्षित क्षेत्रों के संबंध में सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। इससे विभिन्न प्रकार की तस्करी पर रोक लगाने में सहायता मिलेगी।

प्रश्न : जनहित याचिका

उत्तर : जनहित याचिका, सार्वजनिक हितों की रक्षा करने वाले नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों के लिए न्यायिक उपचार उपलब्ध कराने का एक माध्यम है। 'न्यायाधीशों के हस्तांतरण' वाद में उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णय दिया कि कोई भी आम व्यक्ति, जो स्वयं गरीबी, असमर्थता या अक्षमता या सामाजिक अथवा आर्थिक रूप से एक 'वंचित स्थिति' में हैं, समस्याओं के समाधान हेतु न्यायालय में अपील दर्ज करा सकता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-6)

वर्तमान संवेदनशील मुद्दे

15 शब्द

प्रश्न : डिजिटल वारफेयर या साइबर युद्ध क्या है?

उत्तर : किसी देश, संगठन अथवा व्यक्ति विशेष द्वारा अन्य के कम्प्यूटर नेटवर्क को नष्ट कर क्षति पहुँचाना।

प्रश्न : कामतपुर लिब्रेशन ऑर्गेनाइजेशन (KLO)

उत्तर : उत्तर-पूर्वी भारत में स्थित एवं आंतकवादी संगठन है जिसका उद्देश्य एक अलग कामतपुर राज्य की स्थापना है।

प्रश्न : भारत में तटीय सुरक्षा की चुनौतियाँ कौनसी हैं।

उत्तर : निरन्तर बढ़ती घुसपैठ, तस्करी, हथियारों एवं विस्फोटकों का आदान-प्रदान, समुद्री लूट-पाट, तटवर्ती प्रमुख औद्योगिक नगरों की सुरक्षा आदि।

प्रश्न : सामाजिक न्याय की अवधारणा।

उत्तर : यह व्यापक अवधारणा है जिसमें विधि के समक्ष समानता के सिद्धान्त का पालन करना तथा न्यायपालिका की स्वतन्त्रता से संबंधित होने के साथ सामाजिक कुरीतियों को दूर करना शामिल है।

50 शब्द

प्रश्न : देश में सामाजिक सुरक्षा के उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर : देश में सामाजिक सुरक्षा का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा राज्य के तमाम लोगों को उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु मदद देना होता है। इसके तहत गरीबी को समाप्त करने तथा रोजगार के अधिकाधिक सृजन पर विशेष बल दिया जाता है। साथ ही, भ्रष्टाचार एवं अन्य नकारात्मक पहलूओं से जनता को दूर रखने का प्रयास किया जाता है।

प्रश्न : स्लीपर सेल

उत्तर : यह स्लीपर एजेंटो का पृथक ग्रुप है जो तब तक शिथिल रहता है। जब तक उन्हें सक्रिय होने का आदेश नहीं मिलता या सक्रिय होने का निर्णय नहीं लिया जाता। स्लीपर सेल जासूसों का ग्रुप है जिसे लक्षित देश या संगठन में रखा जाता है, इसे तुरन्त कार्य नहीं करना होता बल्कि वक्त पड़ने पर इसे कार्य में लगाया जाता है।

प्रश्न : संगठित अपराध की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : (i) यह अवैध उद्देश्यों वाला एक व्यावसायिक ढाँचे वाला समूह है।

(ii) इस प्रकार के संगठन में पदानुक्रम पाया जाता है।

(iii) इसमें पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हिंसात्मक तरीकों को अपनाया जाता है।

(iv) इस प्रकार के अपराध नियम एवं संगठन के कानून पर अधारित रहते है।

(v) इसमें संगठनात्मक ढाँचा विद्यमान रहता है।

प्रश्न : सेरोगेसी (विनिमय) विधेयक 2016

उत्तर : केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में वाणिज्यिक सेरोगेसी की रोकथाम के लिए सेरोगेसी (विनिमय) विधेयक 2016 को मंजूरी दी। यह कानूनी सेरोगेसी का प्रभावी विनियमन, वाणिज्यिक, सेरोगेसी की रोकथाम और जरुरतमंद बांझ दम्पत्तियों के लिए नैतिक सेरोगेसी की अनुमति सुनिश्चित करेगा। सेरोगेसी नियमन के लिए स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में एक नेशनल सरोगेसी बोर्ड का गठन किया जाएगा।

प्रश्न : शहरों में झुग्गियों से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की चर्चा करें।

उत्तर : (i) विभिन्न प्रकार के प्रदूषण में वृद्धि

(ii) अपराधों में वृद्धि

(iii) शहरों में जनसंख्या वृद्धि

(iv) गंदगी के कारण बीमारियां

(v) मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में संलग्नता।

(vi) शहरों के विकास में रुकावट

(vii) स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में वृद्धि

प्रश्न : भारत में आरक्षण संबंधी संवैधानिक प्रावधान बताइए।

उत्तर : **अनुच्छेद 15 (3)** : इसके तहत राज्य बच्चों एवं महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है।

अनुच्छेद 15 (4) : राज्य सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों या अनुसूचित जाति और जनजाति के नागरिकों के उत्थान के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है।

अनुच्छेद 16 (4) : राज्य नागरिकों के किसी भी पिछड़े वर्ग के पक्ष में नियुक्तियों या पदों के लिए आरक्षण का प्रावधान कर सकता है।

अनुच्छेद 46 : इसका संबंध अनुसूचित जातियों जनजातियों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने से है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-7)

अर्थव्यवस्था एवं भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : आयात प्रतिस्थापन

उत्तर : आयात प्रतिस्थापन विदेशी विनिमय बचत करने की वह रणनीति है जिसके द्वारा उन वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाता है जिसका देश शेष विश्व से आयात करता है।

प्रश्न : सीमान्त स्थायी सुविधा

उत्तर : सीमांत स्थायी सुविधा से तात्पर्य केन्द्रीय बैंक द्वारा वाणिज्यिक बैंकों को कम समय के लिए (12 घंटो के लिए) अपनी कुल निवल जमा का एक प्रतिशत देने की सुविधा से है।

प्रश्न : ऑरोरा

उत्तर : आरोरा (ध्रुवीय प्रकाश) एक प्राकृतिक प्रकाश पुंज है, जो ऊँचे अंक्षाशों वाले स्थानों (आर्कटिक-अंटाटिका) पर सर्वाधिक दिखाई देता है। आरोरा का निर्माण सौर पवनों द्वारा चुंबकीयवृत्त को पर्याप्त विक्षुब्ध करने से होता है।

प्रश्न : मिस्ट्रल

उत्तर : मिस्ट्रल सशक्त, ठंडी और उत्तर पश्चिमी हवायें होती हैं जो फ्रांस के दक्षिणी भाग से भूमध्यसागर में 'लायन की खाड़ी' की ओर चलती है यह सामान्यतः साफ मौसम के साथ चलती है।

प्रश्न : की स्टोन प्रजाति

उत्तर : पारिस्थितिकी में एक प्रजाति जो उस समुदाय, जिसमें ये रहती है पर असंगत रूप से अधिक प्रभाव डालती है। इस प्रकार की जातियाँ अन्य प्रजातियों की जनसंख्या पर नियंत्रण करती हैं।

50 शब्द

प्रश्न : एडियाबैटिक (समोष्ण) पतन दर

उत्तर : आरोही अथवा अवरोही वायु समूह के द्वारा तापमान में परिवर्तन की दर समोष्ण पतन दर कहलाती है। यदि कोई अन्य विषेमोष्ण क्रियायें (जैसे : ऊष्मा का प्रवेश अथवा निकास नहीं) न हों (जैसेः- संघनन, वाष्पीकरण, विकिरण) तो विस्तार के कारण वायु एक निर्धारित दर (0.98 प्रतिशत 100 मी.) पर शीतित होती है। वातावरण में वायु के अवरोह होने पर इसका उल्टा होता है। अवरोह क्रम में वायुखण्ड संपीड़ित होते हैं। संपीड़न के कारण वायुखंड का तापमान 0.98^0 प्रति 100 मी. की दर से बढ़ता है।

प्रश्न : ग्रीन शील्ड क्या हैं?

उत्तर : मैंग्रो वनस्पति को 'ग्रीन शील्ड' कहा जाता हैं। ये समुद्र तथा स्थल के मध्य एक बफर क्षेत्र बनाती है जो मृदा अपरदन तथा चक्रवातों से बचाव में सहायक है चूँकि तटीय क्षेत्र (जहाँ नदियों के मुहाने हों) अत्यधिक आबादी वाले क्षेत्र हैं यहाँ थोड़ा पारिस्थितिक परिवर्तन भी अत्यधिक प्रभाव डाल सकता है। मैंग्रोव इन क्षेत्रों की परिस्थिति को स्थाई करने में सहायक हैं।

प्रश्न : भारत में जी.डी.पी. वृद्धि दर तथा बेरोजगारी दर, दोनों ही अधिक है। ऐसी विपरीत स्थितियों के कारण क्या हो सकते हैं?

उत्तर : भारत में जीडीपी वृद्धि के साथ-साथ बेरोजगारी दर के लगातार अटल बने रहने के निम्नलिखित कारण हैं :-

(i) जनसंख्या के बढ़ी तेज दर से बढ़ने के कारण कार्यबल में अत्यधिक दर से वृद्धि हो रही है।

(ii) भारत में महिलाएं अब किसी प्रकार के सामाजिक वर्जना का शिकार नहीं हैं जैसे : रोजगार के लिए घर से बाहर न निकलना इत्यादि। इस कारण श्रम बल के पूर्ति में और भी वृद्धि हुई है।

(iii) समृद्धि की व्यूह रचना ऐसी है कि हम पश्चिमी प्रौद्योगिकी पर अधिक निर्भर रहने लगे हैं। यह प्रौद्योगिकी श्रम बचत वाली है। इसके कारण अर्थव्यवस्था में रोजगार रहित संवृद्धि पायी जाती है।

प्रश्न : कृषि विपणन के वैकल्पिक माध्यम के महत्त्व की संक्षेप में व्याख्या करें।

उत्तर : कृषि विपणन के वैकल्पिक माध्यम उन सभी छोटे और सीमांत किसानों के लिए एक आशा की किरण है जो दलालों एवं मध्यस्थों के हाथों में शोषित हो रहे हैं। किसानों द्वारा उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष बिक्री एक ऐसा ही माध्यम है। राजस्थान में "अपनी मंडी" द्वारा वैकल्पिक माध्यम उपलब्ध करा जा रहा है। राष्ट्रीय अथवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किसानों के साथ प्रत्यक्ष बिक्री संपर्क कृषि विपणन के अन्य वैकल्पिक माध्यम है। ये कंपनियाँ पूर्व निर्धारित दरों पर कृषि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए किसानों को अग्रिम भुगतान दे रही है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-8)

राजस्थान का इतिहास एवं कला संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : ओझियाना

उत्तर : ओझियाना भीलवाड़ा जिले में स्थित आहड़ संस्कृति से संबंधित पुरातत्त्व स्थल है। यहां से लाल एवं काले रंग के मृद्पात्र जो सफेद रंग से चित्रित हैं, प्राप्त हुए हैं।

प्रश्न : मोरचंग

उत्तर : लोहे का बना छोटा सुषिर वाद्य यंत्र है जो होंठों के बीच रखकर बजाया जाता है।

प्रश्न : किराड़िया

उत्तर : राजस्थान में किसानों द्वारा खेतों में बनाये जाने वाले परम्परागत झोपड़ीनुमा अवशीतन भण्डारगृह किराड़िया कहलाते है

प्रश्न : तमन्चा शाही

उत्तर : धौलपुर में प्रचलित सिक्कों को तमंचाशाही सिक्कों के नाम से जाना जाता था क्योंकि इन पर तमंचे का चिन्ह अंकित होता था।

प्रश्न : राजस्थान की प्रमुख पॉटरी

उत्तर : (i) ब्लू पॉटरी - जयपुर
(ii) ब्लैक पॉटरी - कोटा
(iii)कागजी पॉटरी - अलवर
(iv) सुनहरी पेन्टिंग पॉटरी - बीकानेर

50 शब्द

प्रश्न : राजा उम्मेद सिंह के काल में कोटा चित्रकला शैली में आये परिवर्तनों की व्याख्या करें।

उत्तर : कोटा शैली बूंदी कला शैली की ही एक शाखा है। जिसका स्वतंत्र अस्तित्व राजा रामसिंह के काल में स्थापित हुआ। राजा उम्मेदसिंह के काल में कोटा कला शैली की मूल भावना में एक विशेष परिवर्तन हुआ। राजा उम्मेद सिंह के शिकार खेलने के विशेष प्रेम के कारण कोटा शैली में इस समय शिकार का बहुरंगी वैविध्यपूर्ण चित्रण हुआ जो कोटा शैली का प्रतीक बन गया। इस शैली में हल्के हरे, पीले और नीले रंग का प्रयोग बहुतायत में हुआ है।

प्रश्न : 'राजस्थान यूनियन' की असफलता के कारणों को लिखें।

उत्तर : मेवाड़ महाराणा भूपालसिंह में छोटे-छोटे राज्यों को मिलाकर एक बड़ी इकाई राजस्थान यूनियन बनाने के उद्देश्य से जून 1946 में उदयपुर में एक सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें जोधपुर, जयपुर, बीकानेर आदि बड़े राज्यों को छोड़कर राजस्थान के शेष राज्यों ने इस प्रस्ताव को सिद्धान्त रूप से स्वीकार कर लिया। लेकिन इन बड़ी रियासतों की निष्क्रियता और पारस्परिक अविश्वास के कारण राजस्थान यूनियन असफल हो गई।

प्रश्न : जेन्टलमैन एग्रीमेन्ट

उत्तर : जयपुर में जयपुर प्रजामण्डल की स्थापना के बाद इसके अध्यक्ष हीरालाल शास्त्री ने 16 सितम्बर, 1942 को जयपुर राज्य के प्रधानमंत्री सर मिर्जा इस्माइल को पत्र लिखकर कुछ शर्तें रखी जिनकी पालना न करने पर आन्दोलन की चेतावनी दी। जयपुर सरकार ने समझौता किया और आश्वासन दिया कि अंग्रेजों को युद्ध में मदद नहीं की जाएगी और राज्य में उत्तरदायी शासन की स्थापना की कार्यवाही शीघ्र शुरू की जायेगी। यह समझौता 'जेन्टिलमेन एग्रीमेण्ट' कहा गया।

प्रश्न : राजस्थान के लोकसंगीत में कालबेलिया जाति का योगदान बताइए।

उत्तर : कालबेलिया जाति के जीवन में संगीत व नृत्य का विशिष्ट स्थान है। इनका पारंपरिक वाद्य बीन तथा डफ है। कालबेलिया महिलाओं के नृत्य करते समय शरीर की लोच का प्रदर्शन देखते ही बनता है। इनके प्रमुख नृत्य - इंडोणी, पणिहारी, शंकरिया, बागड़िया इत्यादि। इसके प्रमुख कलाकार - रूमालनाथ कालबेलिया एवं गुलाबो हैं। हाल ही में गुलाबो को पद्मश्री अवार्ड से नवाजा गया है।

प्रश्न : बीकानेर षड़यंत्र अभियोग

उत्तर : महाराजा गंगासिंह की दमनकारी नीतियों के विरोध में चंदनमल बहड़, स्वामी गोपालदास, सत्यनारायण सर्राफ, खूबचंद सर्राफ, मधाराम वैद्य, मुक्ता प्रसाद आदि ने बीकानेर में हो रहे जुल्मों का ज्ञापन 'बीकानेर एक दिग्दर्शन' नाम से तैयार किया। गंगासिंह गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने लंदन गए। वहाँ सम्मेलन में ये पर्चे बाँटे गए जिससे महाराजा की सम्मेलन व अन्य स्थानों पर आलोचना हुई। महाराजा ने सार्वजनिक सुरक्षा कानून लगाया। बहड़ व साथियों पर राजद्रोह का मुकदमा चलाकर सजाएं सुनायी गयीं। इसे 'बीकानेर का षड्यंत्र अभियोग' नाम से जाना जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-9)

राजस्थान की अर्थव्यवस्था एवं भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : अमृता सोसाइटी

उत्तर : राजस्थान में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के विक्रय हेतु सरकार द्वारा उपलब्ध कराया गया मंच जो कि राजस्थान सोसाइटी पंजीकरण एक्ट द्वारा पंजीकृत है।

प्रश्न : ददनी प्रथा

उत्तर : ब्रिटिश व्यापारियों द्वारा भारतीय उत्पादकों, कारीगरों और शिल्पियों को अग्रिम पेशगी (संविदा) के रूप में धन उपलब्ध कराते थे, जिसे ददनी कहते थे।

प्रश्न : बरखान

उत्तर : थार मरुस्थल (विशेषकर जैसलमेर, बाड़मेर क्षेत्र) में पाये जाने वाले अर्द्धचंद्राकार बालुका स्तूप जो श्रृंखलाबद्ध एवं गतिशील होते हैं, बरखान कहलाते हैं।

प्रश्न : श्रमेव जयते कार्यक्रम

उत्तर : श्रमेव जयते कार्यक्रम, मजदूरों के परिप्रेक्ष्य में श्रमिक मुद्दों के प्रोत्साहन और समझ को विकसित करने हेतु एक मंच उपलब्ध कराने हेतु प्रारंभ किया गया है।

प्रश्न : प्लेसर्स क्या है?

उत्तर : प्लेसर्स भारी, लचीला और संक्षारण प्रतिरोधी होते हैं जिसमें सोना, प्लेटिनम, टिन, टाईटेनियम, मेग्नेटाइट लोहा, टंगस्टन, क्रोमियम, मोनाजाइट और अन्य खनिज पदार्थ पाये जाते हैं।

प्रश्न : राजस्थान आजीविका मिशन

उत्तर : राज्य सरकार द्वारा 2004 में प्रारम्भ बेरोजगारी की समस्या को दूर करने और लाभदायक समावेशी रोजगार हेतु कार्यक्रम।

50 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में सीमेंट उद्योग के विकास के कारणों को उल्लेखित करें।

उत्तर : राज्य में सीमेंट उद्योग में आवश्यक कच्चे माल यथा- चूना पत्थर, जिप्सम आदि की अत्यधिक उपलब्धता होने के कारण इस उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है। न केवल बड़ी फैक्ट्रियाँ अपितु छोटी फैक्ट्रियाँ भी पूर्णतः विकसित हुई हैं। श्रम की उपलब्धता, औद्योगिक घरानों द्वारा निवेश और राज्य सरकार की लोन स्कीम के चलते सीमेंट उद्योग, राज्य की आय का एक बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। राज्य में प्रथम सीमेंट प्लांट लाखेरी (बूंदी) में 1915 में स्थापित किया गया।

प्रश्न : राजस्थान के किस क्षेत्र में मोटर उद्योग का विकास हुआ है और क्यों?

उत्तर : राजस्थान के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र धिलोट-नीमराणा-भिवाड़ी आदि क्षेत्रों में इनकी भू-स्थिति के कारण मोटर उद्योग का विकास हुआ है। जिसके निम्नलिखित कारण हैं -

(i) NCR के पास स्थित होने के कारण अच्छा बाजार एवं एक रणनीतिक स्थिति।
(ii) राज्य में कुशल श्रम की उपलब्धता।
(iii) ऊर्जा की उपलब्धता।
(iv) अच्छे औद्योगिक संबंध।
(v) बड़े भूमि खण्डों की उपलब्धता।
(vi) निवेशकों के लिये अनुकूल सरकारी नीति।

प्रश्न : वन संरक्षण के उपाय

उत्तर : (i) वनों को आग से बचाना
(ii) नियंत्रित एवं उचित विधि से कटाई
(iii) कृषि एवं आवासों हेतु वनों के विनाश पर रोक
(iv) वनों में वृक्षारोपण कार्यक्रम अपनाना
(v) वन नीति एवं कार्यक्रमों को कठोरता से लागू करवाना
(vi) अनियंत्रित पशु चराई पर रोक लगाना।
(vii) मृदा अपरदन पर रोक लगाना।

प्रश्न : लाल लोमी मृदा

उत्तर : राजस्थान में इस प्रकार की मृदा उदयपुर जिले के मध्य एवं दक्षिणी भाग तथा डूंगरपुर में मुख्यतः मिलती है। इसमें चूना, पोटाश, लौह आक्साइड और फास्फोरस कम मात्रा में होता है तथा लौह अंश की उपस्थिति के कारण लाल रंग की दिखाई देती है। इस प्रकार की मृदा मक्का, चावल, गन्ना आदि की फसल के लिए उपयुक्त है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा
मुख्य परीक्षा (अंक –10)

अधिसूचना (Notification)

जब विधि द्वारा अधिकृत सक्षम प्राधिकारी द्वारा राजकीय नियम, नीति, अधिनियम, उपनियम, आदेश, नियुक्ति (राजपत्रित अधिकारियों की) पदविमुक्ति (राजपत्रित अधिकारियों की) अवकाश, कोई कार्यभार देने का आदेश व विशिष्ट व्यक्ति कोई अधिकार देने के आदेश आदि से संबंधित सूचना संबंधित व्यक्तियों व आम जनता के लिए राजपत्र (गजट) में प्रकाशित करवाई जाये तो उसे अधिसूचना कहते हैं। अधिसूचनाएं विधि का बल रखने के कारण भारतीय संविधान के अनु. 13 के अंतर्गत विधि की श्रेणी में भी आती हैं। चूँकि भारतीय संविधान के अनु. 154 के अंतर्गत राज्य की समस्त कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होती है। अतः कार्यपालिका से संबंधित अधिसूचनाओं को राज्यपाल की ओर से जारी किया जाता है।

प्रारूप

राजस्थान सरकार
विभाग का नाम
अधिसूचना
जयपुर, दिनांक...

पत्रावली संख्या..... नियम/अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल महोदय की ओर से यह आदेश जारी किया जाता है कि.....
.....
.....
.....मुख्य विषयवस्तु.....
.....
.....यह आदेश दिनांक.....से प्रभावी होगा।

राज्यपाल की आज्ञा से
हस्ताक्षर जारीकर्ता अधिकारी
(नाम जारीकर्ता अधिकारी)
पदनाम
दिनांक...../...../.....

पत्र क्रमांक.....

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. सचिव, राज्यपाल, राजस्थान, जयपुर।
2. सचिव, मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार, जयपुर।
3. मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर।
4. अधीक्षक, केंद्रीय मुद्रणालय, जयपुर को भेजकर लेख है कि इस अधिसूचना को राजस्थान राजपत्र के भाग.....अनुभाग.....में प्रकाशित कर, 50 प्रतियाँ व सॉफ्ट कॉपी (C.D.) प्रेषित करें।
5. रक्षित पत्रावली

हस्ताक्षर जारीकर्ता अधिकारी
(नाम.....)
पदनाम

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा
मुख्य परीक्षा (अंक –11)

निविदा सूचना

किसी कार्यालय (राजकीय अथवा गैर-राजकीय), संस्थान, फर्म व समिति द्वारा किसी निर्माण कार्य को संपन्न करवाने, मरम्मत करवाने, माल/सामान की आपूर्ति करवाने तथा सामान (स्क्रेप/रद्दी/फर्नीचर) की नीलामी करने हेतु उक्त कार्यों को संपादित करने में सक्षम संबंधितों से प्रस्ताव आमंत्रित करने हेतु जो सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाई जाती है। उसे निविदा कहते हैं।

निविदा सूचना के मुख्य लाभ हैं :-

कार्यालय/संस्थान/फर्म को अनेक विकल्प गुणवत्ता व मितव्ययता बनाये रखने हेतु उपलब्ध होते हैं व सक्षम संबंधितों को कार्य करने हेतु अवसर प्राप्त होते हैं तथा पारदर्शिता रहने की भी पर्याप्त संभावना रहती है।

निविदा सूचना दो तरह की होती हैं :-

1. सीमित निविदा
2. खुली निविदा

1. **सीमित निविदा :** जिन निविदा सूचनाओं को सार्वजनिक सूचनार्थ समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें सीमित निविदा कहते हैं। कुछ राशि विशेष तक के कार्य/सामान की निविदा सूचना सीमित निविदा श्रेणी की होती है। सरकार समय-समय पर यह राशि परिवर्तित करती रहती है।
   वर्तमान में 2 लाख रू. तक की निविदा सूचना सीमित निविदा की श्रेणी में हैं।
2. **खुली निविदा :** जिन निविदा सूचनाओं को सार्वजनिक सूचनार्थ समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाया जाना आवश्यक हो, उन्हें खुली निविदा कहते हैं।

निविदा प्रारूप

राजस्थान सरकार

कार्यालय का नाम व पता

पत्रावली संख्या | दिनांक..../..../.....

निविदा सूचना संख्या

मुख्य भाग

(कार्य का विवरण, अनुमानित लागत, धरोहर राशि, कार्य पूर्ण करने की अवधि, निविदा प्रपत्र शुल्क, प्रपत्र मिलने व जमा कराने की दिनांक, निविदा खोलने का समय दिनांक व स्थान आदि का उल्लेख अनिवार्य है।)

शर्तें :-

1.
2.

निविदा आमंत्रित करने वाले अधिकारी का पदनाम

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक –12)

सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

15 शब्द

प्रश्न : बायोनॉमिक्स

उत्तर : जीव जंतुओं और पौधों का वातावरण के साथ संबंध के अध्ययन को बायोनोमिक्स कहते हैं।

प्रश्न : आई.पी.टी.वी.

उत्तर : कंप्यूटर तकनीक पर आधारित टी.वी. का एक प्रकार जिसमें ब्रॉडबैण्ड कनेक्शन और सैट टॉप बॉक्स दोनों का उपयोग होता है।

प्रश्न : पूर्ण आंतरिक परावर्तन

उत्तर : प्रकाश की किरण का सघन माध्यम से विरल माध्यम में जाने पर एक निश्चित कोण/क्रांतिक कोण से अधिक होने पर पुनः प्रारम्भिक माध्यम में लौटना पूर्ण आंतरिक परावर्तन कहलाता है।

प्रश्न : लाइकेन

उत्तर : एक स्वपोषी सहजीवी जीव, जिसमें कवक और शैवाल एक साथ रहते हैं । ये एक पौधे की भांति प्रतीत होते हैं।

50 शब्द

प्रश्न : डिजाइनर बेबी क्या होते हैं?

उत्तर : वांछित लक्षणों/गुणों से युक्त शिशु डिजाइनर बेबी कहलाता है।

इसमें वांछित गुणों से युक्त व्यक्ति के शुक्राणु और दाता के अण्डाणु को मिलाकर आई.वी.एफ. तकनीक के माध्यम से माता के गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है। तत्पश्चात् माता में उपस्थित आनुवांशिक रोगों से शिशु का संरक्षण संभव हो जाता है।

प्रश्न : डी.एन.ए. अंगुलिचिन्ह क्या होती है? उसकी उपयोगिता को लिखें।

उत्तर : व्यक्ति की पहचान निर्धारण तकनीक डी.एन.ए अंगुलिचिन्ह कहलाती है। सहज और प्रमाणिकता से जीव की पहचान, आनुवांशिक रोगों के परीक्षण एवं उपचार आदि में इसका उपयोग किया जाता है।

प्रश्न : ट्रांस फैट क्या है और यह शरीर के लिए हानिकारक क्यों है?

उत्तर : द्रवित तेल के हाइड्रोजनीकरण से वसा का परिवर्तित ठोस रूप ट्रांस फैट कहलाता है। यह उत्पाद के स्वाद को बढ़ा देती है। इसका उपयोग खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में किया जाता है। इसके अत्यधिक सेवन से हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, अल्जाइमर, स्मरण शक्ति क्षरण आदि रोग हो जाते है।

प्रश्न : सौर वायु क्या है ? यह पृथ्वी को कैसे प्रभावित करती है ?

उत्तर : सौर वायु आयनित आवेशों (इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन) का एक प्रवाह होता है जो कि सूर्य से बाहर की ओर 900 किमी./सैकंड की रफ्तार से एक मिलीयन डिग्री सेल्सियस तापमान पर बहती है।

इसके कारण पृथ्वी का विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र प्रभावित होता है। जिससे टेली कम्यूनिकेशन में बाधा उत्पन्न होती है।

प्रश्न : जैविक सफाई विधियां क्या हैं और ये पारंपरिक रासायनिक प्रदूषण उपचारों से किस प्रकार प्रभावी हो सकती हैं ? चर्चा करें।

उत्तर : सागरीय जल प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से सूक्ष्म जीवों का प्रयोग यथा-ऑइल जैपर जैविक उपचार कहलाता है। अन्य रासायनिक प्रदूषण उपचार विधियाँ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सागरीय जैव विविधता को हानि पहुँचाती है जबकि जैविक उपचार विधियाँ सस्ती और दुष्प्रभाव रहित होती हैं।

प्रश्न : माइक्रोब्लॉगिंग से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : एक निश्चित अक्षर सीमा के तहत सरकार अथवा प्रसिद्ध व्यक्तित्व के द्वारा लोगों के साथ सूचनाओं के आदान-प्रदान हेतु किया जाने वाला संचार माइक्रोब्लॉगिग कहलाता है। हाल ही के वर्षों में इसका उपयोग समाज विरोधी तत्वों/आतंकवादियों द्वारा भी किया जा रहा है।

प्रश्न : नाभिकीय संलयन से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : जब दो या दो से अधिक अपेक्षाकृत छोटे नाभिक परस्पर क्रिया कर एक बड़े नाभिक का निर्माण करते है तो यह प्रक्रिया नाभिकीय संलयन कहलाती है। इसमें बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है जिसके कारण अभिकारक और उत्पाद के द्रव्यमान में अन्तर आ जाता है।

प्रश्न : एम.टी.सी.आर.

उत्तर : मिसाइल, तकनीकी नियंत्रण व्यवस्था जो लगभग 500 किग्रा. पेलोड को 300 किमी. तक ले जाने में सक्षम मिसाइल और यू.ए.वी. के प्रसार को रोकने के लिए 35 देशों की एक बहुपक्षीय, अनौपचारिक एवं स्वैच्छिक भागीदारी। भारत हाल ही में इसका सदस्य बना है। यह भारत को उच्च श्रेणी की मिसाइल तकनीकी को खरीदने से रोकेगा और साथ ही इसके रूस के साथ संयुक्त व्यापार को बढ़ायेगा।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक -13)

राजव्यवस्था एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध

15 शब्द

प्रश्न : 44 वाँ संविधान संशोधन

उत्तर : संविधान को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 के प्रावधानों को प्रभावहीन करने हेतु जनता सरकार द्वारा यह संशोधन लाया गया।

प्रश्न : सामाजिक न्यायपीठ

उत्तर : सामाजिक न्याय पीठ का निर्माण लोक हित से संबंधित मुद्दों की सुनवाई करने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के द्वारा गठित किया गया।

प्रश्न : पासा अधिनियम

उत्तर : राजस्थान सरकार द्वारा मादक पदार्थ, शराब तथा भूमि तस्कर से संबंधित अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही हेतु संशोधित अधिनियम।

प्रश्न : मानव अधिकारों से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : राष्ट्र, जाति, धर्म, लिंग, वंश आदि से इतर मानव को प्राप्त विशेष प्रावधान जिनके द्वारा वह गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें।

प्रश्न : भारतीय सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा की चुनौतियां क्या हैं ?

उत्तर : घुसपैठ, अतिक्रमण, मानव दुर्व्यापार, तस्कर, हिंसा, आतंकवाद, मादक पदार्थ, हथियारों का व्यापार आदि।

50 शब्द

प्रश्न : क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता से तात्पर्य यह है कि न्यायपालिका किसी के प्रति जबावदेह नहीं है? चर्चा करें।

उत्तर : न्यायपालिका की स्वतंत्रता का अर्थ कार्यपालिका और विधायिका के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से मुक्त होने से है। स्वतंत्र न्यायपालिका जनता के प्रति पूर्णरूपेण जिम्मेदार है।

प्रश्न : वाणिज्यिक न्यायालय से आप क्या समझते हैं? इसके संभावित लाभ क्या हैं ?

उत्तर : भारत में व्यापार को आसान बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालय में व्यावसायिक पीठ बनाने की मंजूरी दी है। इसके अलावा सभी राज्यों में वाणिज्यिक न्यायालयों का भी गठन किया जायेगा जो एक करोड़ से अधिक राशि के कारोबारी विवाद की सुनवाई करेंगे।

वाणिज्यिक विवादों से जुड़े सभी मामले और अर्जियाँ इन डिविजन के अधिकार क्षेत्र में आयेंगे। व्यापारियों, बैंकरों, फायनेंसरों के बीच वाणिज्यिक दस्तावेज, संयुक्त उद्यम, साझेदारी, बौद्धिक संपदा अधिकार, बीमा आदि से जुड़े मामले वाणिज्यिक विवाद माने जायेंगे।

प्रश्न : संविधान में शक्तियों एवं उत्तरदायित्वों का स्पष्ट सीमांकन आवश्यक क्यों होता है ?

उत्तर : विभिन्न विभागों में समन्वय और विश्वास सुनिश्चित करने, निर्णय निर्धारण शक्ति के विशिष्टीकरण, सरकार की शक्तियों पर परिसीमन, समाज के लक्ष्यों और आकांक्षाओं की पूर्ति करने में सहायता उपलब्ध कराने आदि के लिए शक्तियों एवं उत्तरदायित्वों को स्पष्ट सीमांकन आवश्यक है।

प्रश्न : भारत के लिए म्यांमार के महत्त्वों को लिखें।

उत्तर : पूर्वी राज्यों में शांति, सुरक्षा स्थापित करने, आसियान लिंक, व्यापार, निवेश आदि को बढ़ावा देने, ऊर्जा और ऊर्जा संसाधनों के लिये, चीन के प्रभाव को कम करने हेतु आदि कारणों से म्यांमार भारत के लिए अतिमहत्वपूर्ण है।

प्रश्न : अमेरिका की धुरी एशिया नीति से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करने और वैश्विक स्तर पर अपनी सर्वोच्चता बनाये रखने हेतु अमेरिका की प्रति संतुलन की नीति। जिसके अन्तर्गत क्षेत्रीय राष्ट्रों यथा जापान, भारत आदि के साथ सहयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल में भारत-अमेरिका के मध्य किया गया लिमोआ (LEMOA) समझौता इसी का एक उदाहरण है।

प्रश्न : उपचारात्मक याचिका से आप क्या समझते हैं? इसके दाखिले की क्या शर्तें हैं ?

उत्तर : अनुच्छेद 137 के तहत् उपचारात्मक याचिका का प्रावधान है। इसके तहत् उच्चतम न्यायालय को अपने ही फैसलों की समीक्षा का अधिकार प्राप्त है।

इसके दाखिले की निम्न शर्तें हैं :-

(i) निश्चित रूप से ऐसे नये और महत्त्वपूर्ण तथ्य और प्रमाण मौजूद होने चाहिए जो आदेश प्राप्ति किये जाते समय जानकारी में नहीं थे।

(ii) पुराने आदेश या सुनवाई मे कोई स्पष्ट कमी या गड़बड़ी दिखायी देनी चाहिए।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक -14)

अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : गैर निष्पादित संपत्ति क्या है?

उत्तर : बैंक की अक्रियाशील संपत्ति दिये हुये लोन जो 90 दिनों के बाद भी नहीं लौटते हैं जिससे बैंक की सुरक्षा और प्रतिभूति को खतरा।

प्रश्न : भुगतान बैंक

उत्तर : केंद्रीय बैंक (RBI) के द्वारा संस्थाओं को भुगतान बैंक के रूप में काम करने की अनुमति दी जाती है जो वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने, जमा एवम् प्रेषण उपलब्ध कराने परन्तु इसे लोन की सुविधा नहीं देना आदि।

प्रश्न : 'उद्योग श्री'

उत्तर : अनुभवी दक्ष एवम् क्षमतावान लोगों को स्वयं के उद्यम लगाने हेतु रीको की नवीन प्रोत्साहन योजना।

प्रश्न : पूंजी पर्याप्तता अनुपात

उत्तर : बैंकों की जोखिम भारित परिसंपत्तियों के प्रति बैंकों पूँजी। जिसका उपयोग बैंकों सुरक्षा को सुनिश्चित करने एवम् जमा आपूर्तियों को नियंत्रित करने के साथ पूँजी पर्याप्तता अनुपात व बैंकों की क्षतिपूर्ति की पर्याप्त राशि को सुनिश्चित करता है।

प्रश्न : जीवन अनुराग योजना

उत्तर : बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु LIC द्वारा चलाई गई योजना, इसे पिता अथवा माता किसी के भी द्वारा लिया जा सकता है।

50 शब्द

प्रश्न : BASEL पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय समझौता के लिये स्विट्जरलैण्ड स्थित बैंक मुख्यालय जहाँ BIS बैंकिंग नियमन के समान मानक एवम् वित्तीय स्थिरता के समान लक्ष्य के साथ केंद्रीय बैंकों में समन्वय को प्रोत्साहित करती है। बैंकिंग पर्यवेक्षण के लिए बेसल कमेटी द्वारा जारी मानदण्ड बेसल मानदण्ड कहलाता है। वर्तमान में भारत-बेसल-II मानदण्डों का अनुसरण कर रहा है। बेसल-III के मानदण्डों का क्रियान्वयन 2019 तक अपेक्षित है।

प्रश्न :राजसीको

उत्तर : 1961 में स्थापित राजस्थान लघु उद्योग निगम राज्य में उत्पादित हस्तशिल्पों के प्रचार में महती भूमिका निभाती है साथ ही शिल्पकारों को उत्पाद हेतु डिजायन और विपणन की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बाजार के नवीनतम प्रचलन हेतु ट्रेनिंग प्रदान करती हैं। निर्यात को प्रोत्साहित करती है।

प्रश्न : सेवा मूल्य सूचकांक से आप क्या समझते हैं? इसकी आवश्यकता का उल्लेख करें।

उत्तर : माल की कीमत में वृद्धि के मापक थोक मूल्य सूचकांक और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की भांति सेवा कीमतों में वृद्धि की माप हेतु सेवा मूल्य सूचकांक प्रस्तावित है। इससे बीमा प्रीमियम की बढ़ी हुई कीमतों को मापा जा सकता है। उपभोक्ता पर अन्य सेवाओं के मूल्य का आकलन किया जा सकता है। सेवा क्षेत्र का कुल GDP में योगदान 55% हैं।

प्रश्न : कंपनी अधिनियम, 2013

उत्तर : संसदीय अधिनियम जो कम्पनी के निगमन, उसकी उत्तरदायित्वता, निदेशकों की नियुक्ति के नियम, लेखापरीक्षण नियम, विघटन आदि का नियमन करता है। एकल व्यक्ति कम्पनी को संकल्पना की शुरुआत और कुछ निश्चित कम्पनियों हेतु 2% सामाजिक उत्तरदायित्व अनुपात एवं महिला निर्देशक जैसे उपबंध बाध्यकारी है।

प्रश्न : राजस्थान के किस क्षेत्र में मोटर उद्योग का विकास हुआ है और क्यों?

उत्तर : भिवाड़ी, अलवर में 100 से अधिक ऑटोमोबाइल और उनके घटकों के निर्माण हेतु कम्पनियाँ हैं क्योंकि एक रणनीतिक स्थिति - NCR के पास, अच्छा बाजार, राज्य में कुशल श्रम की उपलब्धता, ऊर्जा की उपलब्धता, अच्छे औद्योगिक संबंध, बड़े भूमि खण्डों की उपलब्धता, निवेशकों के लिये अनुकूल सरकार उपलब्ध है।

प्रश्न : भारतीय अर्थव्यवस्था में असंगठित क्षेत्र के महत्त्व की चर्चा करें।

उत्तर : सूक्ष्म, लघु एवम् मध्यम उद्यम, निर्माण, बुनियादी संरचना के विकास में सहायक तथा इस क्षेत्र को बड़ी मात्रा में रोजगार उपलब्ध कराता है। साथ ही निर्यात और महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। वास्तव में असंगठित क्षेत्र अर्थव्यवस्था के संचालन और सुदृढ़ीकरण की रीढ है। इसमें कुशल और अकुशल सभी प्रकार के श्रमिक शामिल है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक –15)

प्रबंधन

15 शब्द

प्रश्न : कॉर्पोरेट शासन किसे कहते हैं?

उत्तर : नियमों, प्रथाओं और प्रक्रियाओं की प्रणाली जिसके अन्तर्गत एक कंपनी को निर्देशित और नियंत्रित किया जाता है।

प्रश्न : सिटीजन चार्टर से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : नागरिक और नागरिक सेवाओं के मध्य संवेदना की अभिव्यक्ति जिसके द्वारा सार्वजनिक सेवाओं की मात्रा एवं गुणवत्ता में सुधार किया जाता है।

प्रश्न : प्राधिकार

उत्तर : वह वैधानिक शक्ति जिसके आधार पर अधीनस्थों को काम करने के लिए आदेश दिया जाता है।

प्रश्न : संचार प्रक्रिया के विभिन्न अंगों के बारे में बताए?

उत्तर : संवाददाता, संवाद, माध्यम, संवाद प्राप्तकर्त्ता, प्रतिक्रिया, शोरगुल, व्यवधान आदि के माध्यम से संचार प्रक्रियाओं को संचालित किया जा सकता है।

प्रश्न : निर्देशन के तत्त्वों को बताइये?

उत्तर : संचार, अभिप्रेरणा, नेतृत्व, पर्यवेक्षण, निर्देशन के अनिवार्य तत्त्व है।

प्रश्न : कुशल नेतृत्व की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर : प्रभावित करने की योग्यता, दूसरों के व्यवहार में परिवर्तन लाने का प्रयास, परस्पर संबंधों का परिज्ञान, प्रक्रिया की निरन्तरता आदि।

50 शब्द

प्रश्न : प्रत्यायोजन किसे कहते हैं? इसकी विशेषताएँ बताऐ।

उत्तर : एक कर्मचारी या सांगठनिक इकाई से दूसरी इकाई तक प्राधिकार को पहुँचाना प्रत्यायोजन कहलाता है। जिसकी विशेषताएँ यथा श्रेष्ठतर/प्रत्यायोजक द्वारा अधीनस्थ/प्रत्यायोजित को कार्य सौंपा जाना, कार्य के भीतर प्राधिकार प्रदान करना, एक बाध्यता का निर्माण, प्रत्यायोजित कार्य करने के लिए बाध्य हो जाता है, अस्थाई प्राधिकार, जो प्रत्यायोजक के द्वारा वापिस भी लिया जा सकता है। किन्तु मुख्य रूप से प्राधिकार और जिम्मेदारी प्रत्यायोजक की ही होती है।

प्रश्न : प्रशासन और प्रबंधन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

प्रशासन	प्रबंधन
यह उच्च स्तरीय कार्य है।	यह मध्य अथवा निम्न स्तरीय कार्य है।
इस स्तर पर नीतियों का निर्धारण किया जाता है।	इस स्तर पर नीतियों का क्रियान्वयन किया जाता है।
यह एक व्यापक दृष्टिकोण है।	अपेक्षाकृत संकुचित दृष्टिकोण है।
इसकी विचारधारा प्रशासकीय होती है।	इसकी विचारधारा तकनीकी होती है।

प्रश्न : औपचारिक एवं अनौपचारिक संगठन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

औपचारिक	अनौपचारिक
यह विधिवत स्थापित किया जाता है।	यह स्वाभाविक रूप से स्थापित किया जाता है।
इसके अन्तर्गत निश्चित नियमों का पालन किया जाता है।	इसके अन्तर्गत स्पष्ट नियमों का अभाव होता है।
यह कठोर एवं जटिल होता है।	यह अपेक्षाकृत लचीला होता है।
इसके अन्तर्गत श्रम विभाजन, कुशलता आदि सिद्धान्तों पर बल दिया जाता है।	यह सिद्धान्तों से मुक्त होता है।

प्रश्न : नियोजन के महत्त्वों की चर्चा करें?

उत्तर : निर्देशन की व्यवस्था, अनिश्चितता के जोखिम की न्यूनता, न्यून व्यय, संसाधनों के तर्क संगत आकलन में सहायक, निर्णयों को सरलीकरण एवम् प्रभावशीलता, नियंत्रण के मानकों का निर्धारण और नव प्रवर्तित विचारों को प्रोत्साहन इत्यादि नियोजन के महत्त्व है।

प्रश्न : अभिप्रेरणा के अब्राहम मैस्लो के सिद्धान्त को समझाइये?

उत्तर : मैस्लो ने आवश्यकताओं को मानवीय अभिप्रेरणा का आधार मानकर एक पदानुक्रम में व्यवस्थित किया है, अपूर्ण मानवीय जरूरत मानव को प्रोत्साहित करती हैं, आवश्यकताओं की पूर्णता में प्रोत्साहन का अभाव होता है। सामान्यतः लोगों की आवश्यकताएँ इसी पदानुक्रम से संचालित होती हैं और संगठनों में इस पदानुक्रम का व्यापक उपयोग होता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक -16)

इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : जेन्टलमैन एग्रीमेन्ट

उत्तर : जयपुर प्रजामण्डल के अध्यक्ष हीरालाल शास्त्री और आमेर के प्रधानमंत्री सर मिर्जा इस्माइल के मध्य अंग्रेजों के साथ असहयोग और उत्तरदायी शासन की स्थापना के लिए सम्पन्न समझौता जेन्टलमैन एग्रीमेन्ट कहलाता है।

प्रश्न : न्यू डील

उत्तर : 1929 के आर्थिक संकट के समाधान के लिए नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट नवीन नीतियाँ प्रस्तुत किया जिसे 'न्यू डील' या 'नया सौदा' कहा गया।

प्रश्न : ऑपरेशन सी लायन

उत्तर : द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी के नाजी समुदाय द्वारा यू.के. पर आक्रमण करने हेतु प्रस्तावित ऑपरेशन को ऑपरेशन सी लायन कहा गया।

प्रश्न : पिंगपोंग कूटनीति

उत्तर : कोरियाई युद्ध के दौरान अमेरिकी और चीनी अधिकारियों के मध्य जो गुप्त बैठकें होती रहीं, उन्हें पिंग-पोंग कूटनीति की संज्ञा दी जाती है।

प्रश्न : पूर्वी रोमन साम्राज्य के पतन ने पुनर्जागरण की आधारशिला तैयार की?

उत्तर : पूर्वी रोमन सम्राज्य के पतन के पश्चात् लैटिन-ग्रीक शिक्षा और कला संरक्षण के अभाव में पश्चिमी यूरोपीय शहरों में प्रवर्जित होकर पुनर्जागरण को प्रेरित किया।

50 शब्द

प्रश्न : सूफी और भक्ति के बीच सम्बन्धों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : सूफी और भक्ति आन्दोलन समकालीन सुधारवादी प्रगतिशील रहस्यवादी आन्दोलन था। जिसमें मानवीय विविध पक्षों के विकास पर बल प्रदान किया। सामाजिक असमानता धार्मिक अंधविश्वास, वैचारिक सर्वोच्चता धार्मिक और सामाजिक सापेक्षता के स्थान पर समानता, सद्भावना, तर्क, व्यक्तिवाद, निरपेक्षता के सिद्धान्तों के निरंतर प्रसार के लिए क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य की रचना की गई। मानव और ईश्वरीय संबंधों के मध्य सहजता लाने के लिए सरल दार्शनिक विचार प्रस्तुत किया गया। जिसमें तात्कालीन सामाजिक परिवेश और यथार्थ के अनुरूप विचारों को प्रस्तुत किया गया।

प्रश्न : क्षत्रिय कला शैली के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए?

उत्तर : मुगल साम्राज्य के पतन के पश्चात् संरक्षण के अभाव कला के विविध पक्षों यथा चित्रकला संगीतकला का विकेन्द्रीकरण हुआ। कलाकार क्षेत्रीय सामन्तों के संरक्षण में कला को नवीन आयामों और प्रविधियों के साथ प्रस्तुत करने लगे परिणामतः क्षेत्रीय कला मौलिक कला के आधार पर उद्भव हुई। क्षेत्रीय कला क्षेत्रीय परिवेश, संरक्षक की अभिरुचि और जनभावनाओं के अनुरूप कला नवीन साँचे में प्रस्तुत करना प्रारंभ कर दिया।

प्रश्न : बीकानेर षड़यंत्र अभियोग

उत्तर : महाराजा गंगासिंह की नीतियों के विरोध में चंदनमल बहड़, स्वामी गोपालदास, सत्यनारायण सर्राफ, खूबचंद सर्राफ, मघाराम वैद्य, मुक्ता प्रसाद आदि ने 'बीकानेर एक दिग्दर्शन' नामक ज्ञापन तैयार कर गोलमेज सम्मेलन में वितरित करवाया परिणामतः महाराजा ने सार्वजनिक सुरक्षा कानून आरोपित कर बहड़ उनके साथियों पर राजद्रोह का मुकदमा चलाकर और सजाएं दी जिसे 'बीकानेर का षड्यंत्र अभियोग' नाम से जाना जाता है।

प्रश्न : सामाजिक-धार्मिक सुधार आन्दोलन के सकारात्मक प्रभावों की विवेचना कीजिए?

उत्तर : बौद्धिक, सांस्कृतिक परिवर्तन, आत्मनिरीक्षण के लिए सामाजिक परिवेश का निर्माण किया। मानववाद इहलौकिक अस्तित्व तार्किक, लौकिक दृष्टिकोण, तर्कबुद्धिवाद और धार्मिक सार्वभौमवाद इस आन्दोलन के बौद्धिक मापदंड थे। जिसमें जाति व्यवस्था, अस्पृश्यता जैसे समस्त असमानताओं के विरोध के साथ सामाजिक समरसता, एकता की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास किए। महिलाओं की सामाजिक दशा सुधारने के लिए एक व्यापक आन्दोलन प्रारंभ किया गया। इस आन्दोलन में भारतीय भाषाओं के विकास के लिए शिक्षा की वैकल्पिक प्रणाली की खोज कला और साहित्य के पुनःउत्थान के प्रयास किए गए वास्तव में सामाजिक धार्मिक सुधार आन्दोलन में बौद्धिक और सांस्कृति जागृति उत्पन्न कर राष्ट्रीय चेतना को जन्म दिया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक -17)

नीतिशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : नीतिशास्त्र

उत्तर : मनुष्य के आचरण, ऐच्छिक कर्मों के उचित-अनुचित अथवा शुभ-अशुभ मापदण्डों से संबंधित आदर्श मूलक विज्ञान नीतिशास्त्र है।

प्रश्न : सत्यनिष्ठा से आप क्या समझते है?

उत्तर : नैतिक सिद्धान्तों की दृढ़ता, निर्दोष चरित्र, निष्पक्ष व्यवहार सत्यनिष्ठा कहलाता है।

प्रश्न : स्वार्थवाद

उत्तर : व्यक्तिगत कल्याण और हितों के लिए किये गए प्रयास स्वार्थवाद कहलाता है।

प्रश्न : नीतिशास्त्र के आयाम

उत्तर : मानकीय, व्यवहारिक/अनुप्रयोगात्मक एवं अधिनीतिशास्त्र नीतिशास्त्र के आयाम है।

प्रश्न : समानुभूति

उत्तर : व्यक्ति के मूल्यांकन में मनः स्थिति और भावनाओं का निरपेक्ष और तर्क युक्त अध्ययन समानुभूति कहलाता है।

50 शब्द

प्रश्न : सहिष्णुता से आप क्या समझते हैं? इसके लाभों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : विरोधियों के प्रति एक वस्तुनिष्ठ, न्यायोचित तथा सम्मानपूर्ण मनोवृत्ति के आधार पर तार्किक पक्षों का अनुसरण करते हुए उनके विचारों का सम्मान करना सहिष्णुता कहलाता है। राजनीति और समाज के लोकतांत्रिकरण, मौलिक विचारों के विकास, चिंतन एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निरपेक्षता सम्मान और सद्भावना का विकास।

प्रश्न : भावनात्मक बुद्धिमत्ता

उत्तर : मानवीय भावनाओं को पहचानना, विश्लेषण करना तथा प्राप्त सूचना से चिन्तन तथा क्रियाओं को निर्देशित कर वैयक्तिक प्रकृति के भावनाओं के चिन्तन एवं विवेक का पूर्ण नियमितीकरण भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।

प्रश्न : भारत में प्रशासन में होने वाले नैतिकता के क्षरण के मुख्य कारण बताइए।

उत्तर : संकीर्ण हितों के लिए नैतिक मूल्यों का पतन, अपराधियों का राजनीतिकरण, काले धन का प्रयोग, गठबंधन की राजनीति, आचार संहिता का उचित क्रियान्वयन न होना, स्थानान्तरण एवं नियुक्तियों में योग्यता के स्थान पर निष्ठा को तरजीह, भ्रष्टाचार में लिप्त होना, लाभ की चाहत, रिश्वत का प्रचलन, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्वता का अभाव आदि प्रशासन में नैतिकता के क्षरण के कारण है।

प्रश्न : सत्यनिष्ठा के लाभों का उल्लेख करें?

उत्तर : विश्वसनीयता में वृद्धि, राजनीति अथवा प्रशासन में सफलता की संभावना, आत्म संतोष में वृद्धि, बेहतर प्रदर्शन, कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों में विश्वास, सामाजिक परिवर्तन एवं अन्य मामलों में जनता का सक्रिय सहयोग, कल्याणकारी राज्य की प्राप्ति आदि सत्यनिष्ठा के लाभों के रूप में परिलक्षित होता है।

प्रश्न : बेन्थम तथा मिल के विचारों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
1. मिल सुखों में परिणामात्मक तथा गुणात्मक दोनों भेद मानता है, जबकि बेन्थम केवल परिणामात्मक भेद ही स्वीकार करता है।
2. मिल सामान्य सुखवाद के आधार पर व्यापकता को स्थापित करता है जबकि बेन्थम सुखकलन के तत्वों द्वारा इसे स्थापित करता है।
3. नैतिक सुखवाद के समर्थन में मिल ने वस्तुओं की दृश्यता एवं श्रृव्यता के आधार पर सुख की वांछनीयता का तर्क दिया है जबकि बेन्थम ऐसा कोई तर्क नहीं देता।

प्रश्न : काण्ट द्वारा प्रस्तुत कर्त्तव्य की परिभाषा को समझाइए।

उत्तर : नैतिक नियम के प्रति सम्मान की भावना से प्रेरित होकर कर्म करने की अनिवार्यता ही कर्त्तव्य है। दया, सहानुभूति, उदारता आदि रचनात्मक संवेगों द्वारा प्रेरित कर्म प्रशंसनीय अवश्य हैं किन्तु मूल्यहीन हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी संवेग, इच्छा/प्रवृत्ति प्रेरित होकर अपने कर्त्तव्य का पालन करता है तो कुछ समय पश्चात इनके अभाव में कर्त्तव्य की उपेक्षा भी कर सकता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक -18)

भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : अक्षांशीय ऊष्मा संतुलन

उत्तर : 30° से 50° अक्षांशों के मध्य स्थानांतरित अधिकतम ऊष्मा जिससे अक्षांशों के मध्य ऊष्मा का सन्तुलन बना रहता है।

प्रश्न : भूविक्षेपी हवा

उत्तर : सीधी समदाब रेखा और नगण्य घर्षण के कारण प्रवणता बल एवं कोरियोलिस बल प्रतिसंतुलित हो समदाब रेखाओं के समांतर भूविक्षेपी हवा को जन्म देते हैं।

प्रश्न : प्लाया झील

उत्तर : क्षारीय लवण युक्त सूक्ष्म कणों के अवसाद से निर्मित झील, अधिकतम जल वाष्पीकृत हो धरातल पर लवण की परत छोड़ जाता है।

प्रश्न : समुद्री लवणता को नियंत्रित करने वाले कारक क्या हैं?

उत्तर : वर्षा, वाष्पीकरण, नदी का जल, ताप, वायुमंडलीय दाब, वायु की दिशा समुद्री लवणता को प्रभावित करते हैं।

प्रश्न : 'प्राइमेट' शहर

उत्तर : किसी भी राज्य/प्रदेश की बृहतमान केंद्रित नगर जहाँ सामान्य से लेकर अतिविशिष्ट कार्यों का संपादन होता है, प्राइमेट शहर कहलाता है।

प्रश्न : नामचाबरवा

उत्तर : पूर्वी हिमालय में स्थित चोटी जिसके अत्यधिक तीक्ष्ण मोड़ लेते हुए दक्षिण दिशा में मुड़ने के कारण ब्रह्मपुत्र नदी भारत में प्रवेश करती है।

50 शब्द

प्रश्न : नदियों की सफाई कार्य से संबंधित मुख्य बाधायें क्या हैं?

उत्तर : उद्योगों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के नियमों एवं सरकारी तंत्र की विफलता, नदियों का सीमित प्रवाह, राज्य प्रदूषण नियंत्रण समितियों की अक्षमता, धार्मिक प्रसाद एवं अस्थि आदि को जल में विसर्जित करने की प्रथा आदि प्रमुख बाधाएं हैं।

प्रश्न : भारतीय कृषि की अब तक की सफलताएं महत्वपूर्ण रही हैं किंतु पर्याप्त नहीं। चर्चा करें।

उत्तर : कृषि संबंधी सुधारों जैसे तकनीकी सुधार, भूमि सुधार एवं सामान्य सुधार के कारण भारतीय कृषि में प्रगति हुई है। स्वतंत्रता के समय की अवस्था की तुलना में प्रगति/परिवर्तन दर्शाते हैं लेकिन विकसित देशों की तुलना में हमारी कृषि की उत्पादकता में वृद्धि नगण्य है। जैसे - गेहूँ के मामले में 2011 में भारत में प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 2.8 टन था जबकि फ्रांस तथा यू.के. में यह आंकड़ा क्रमशः 6.5 टन तथा 7 टन था। चावल मामले में भारत में प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 3.2 टन थी जबकि चीन में 6.7 टन थी।

प्रश्न : हिंदमहासागर द्विध्रुव

उत्तर : पश्चिम हिंद महासागर और पूर्वी हिंद महासागर (इंडोनेशिया का दक्षिणी भाग) के मध्य तापमान का अंतर हिंद महासागर द्विध्रुव कहलाता है। यह हिंद महासागर के चारों ओर स्थित देशों की जलवायु को प्रभावित करता है। धनात्मक ध्रुव के समीप अल नीनो जबकि ऋणात्मक ध्रुव के समीप ला नीना की परिघटना संपन्न होती है।

प्रश्न : राजस्थान में सीमेंट उद्योग के विकास के कारणों को उल्लेखित करें।

उत्तर : सीमेंट उद्योग में प्रयुक्त आवश्यक कच्चे माल यथा चूना पत्थर, जिप्सम आदि की अत्यधिक उपलब्धता, श्रम उपलब्धता, औद्योगिक घरानों द्वारा निवेश और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न वित्तीय सहायताओं द्वारा प्रोत्साहन देने के कारण राज्य में सीमेंट उद्योग का विकास हुआ है।

प्रश्न : कावेरी नदी के आर्थिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : प्रायद्वीप नदियों में कावेरी ही एकमात्र नदी है जो सदानीरा है। क्योंकि इसके ऊपरी क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिमी मानसून और निचले क्षेत्र में उत्तरी-पूर्वी मानसून से वर्षा प्राप्त होने से धान की खेती के लिए महत्वपूर्ण है। अतः इसे 'राइस बाउल ऑफ साउथ इंडिया' कहा जाता है। हाल ही में तमिलनाडु एवं कर्नाटक के मध्य जल विवाद को लेकर चर्चा में है।

प्रश्न : स्वर्णिम चतुर्भुज से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : राष्ट्रीय राजमार्ग विकास कार्यक्रम के तहत प्रारंभ किया गया एक अतिमहत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम जिसके तहत 5846 किमी. लंबी सड़कों को चार लेन वाली विश्वस्तरीय सड़कों में परिवर्तित कर कोलकाता, मुंबई, चेन्नई और दिल्ली को छः लेन वाले प्रमुख राज्य मार्गों से जोड़ा जा रहा है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक -19)

समाजशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : धर्म से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : वह सिद्धान्त जो किसी समाज में स्थिरता को बनाए रखता है, धर्म कहलाता है।

प्रश्न : गरासिया जनजाति में प्रचलित विवाह के प्रकारों को बताइये।

उत्तर : मोर बंधिया विवाह, पहरावना विवाह एवं ताड़ना विवाह नामक तीन प्रकार के विवाह गरासिया जनजाति में प्रचलित हैं।

प्रश्न : निष्क्रमण को समझाइये।

उत्तर : जन्म के चार माह पश्चात् नवजात को पहली बार घर से बाहर ले जाना निष्क्रमण कहलाता है।

प्रश्न : धर्मनिरपेक्षता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : धर्मनिरपेक्षता से तात्पर्य राज्य का स्वयं का कोई धर्म ना होकर समस्त धर्मों के लिए समान प्रावधान होने से है।

50 शब्द

प्रश्न : सामाजिक मूल्य क्या हैं? उदाहरण सहित समझाइये।

उत्तर : किसी समाज के द्वारा उसके दैनिक सामाजिक जीवन में अपनाए जाने वाले सांस्कृतिक मूल्यों को ही सामाजिक मूल्य कहते हैं। ये सामूहिक रूप से अपनाये जाने के कारण समाज को एक रूपता में बांधे रखते हैं। जैसे- इस्लाम की अवधारणा पाकिस्तानी समाज के लिए सामाजिक मूल्य हैं।

प्रश्न : जाति व्यवस्था की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर : समाज का विभिन्न भागों में विभाजन, पद सोपानिक व्यवस्था, अन्तरजातिय विवाह पर प्रतिबंध, पूर्व निर्धारित व्यवसाय व्यवस्था, नागरिक एवं धार्मिक अयोग्यता, सामाजिक समागम एवं सामूहिक भोज पर प्रतिबंध।

प्रश्न : बचपन बचाओ आन्दोलन

उत्तर : भारत में बाल अधिकार के संरक्षण एवं बाल मजदूरी के खिलाफ कैलाश सत्यार्थी द्वारा बचपन बचाओ आंदोलन चलाया गया। जिन्हें 2014 में शान्ति का नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1980 से प्रारंभ इस आन्दोलन के माध्यम से अब तक लगभग 80,000 बाल श्रमिकों को आजाद कराया गया है।

प्रश्न : संस्कृतिकरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : किसी समाज के उच्च वर्ग के व्यवहारों एवं विश्वासों को निम्न वर्ग के लोगों के द्वारा उच्च पद स्थिति प्राप्त करने हेतु अपनाये जाने की प्रक्रिया संस्कृतिकरण कहलाती है। जैसे भारत में शूद्र वर्ग के द्वारा घोड़े पर बारात का निकाला जाना।

प्रश्न : महिलाओं से संबंधित समावेशी विकास लक्ष्यों का वर्णन करें।

उत्तर : महिलाओं में पोषण की पूर्ति के लिए भुखमरी को जड़ से खत्म करना, अच्छे स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रावधान करना, लैंगिक समानता, स्वच्छ जल का प्रावधान, सामाजिक असमानताओं को कम करना एवं उचित कार्य और आर्थिक वृद्धि का प्रावधान करना।

प्रश्न : जजमानी व्यवस्था से आप क्या समझते है?

उत्तर : जजमानी व्यवस्था पूर्व मध्यकाल से प्रारम्भ होकर आधुनिक काल तक ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित रही। इसके अन्तर्गत सेवा प्रदाता वर्ग भू-स्वामियों, उच्च वर्गों की सेवा करते थे और परम्परागत रूप से भू-भाग, फसल का एक निश्चित भाग आदि प्राप्त करते थे। भारत में नाई, चर्मकार, कुम्भकार आदि जातियों के द्वारा उच्च वर्ग की सेवा की जाती थी।

प्रश्न : भारतीय संस्कृति में पुरुषार्थ की चर्चा करें।

उत्तर : भारतीय सामाजिक नीतिशास्त्र का एक मौलिक सिद्धान्त जिसके अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति का उद्देश्य चार महान साध यों को प्राप्त करना होता है। वास्तव में पुरुषार्थ से तात्पर्य सही एवं उचित कर्मों से है। हिन्दू संस्कृति का अन्तिम साध य मोक्ष प्राप्त करना होता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा इस अन्तिम उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु व्यवहार किया जाना चाहिए।

प्रश्न : अनुभव

उत्तर : पैंशन और पैंशनधारियों के कल्याण से संबंधित विभाग के द्वारा प्रारंभ किया गया एक ऑनलाइन पोर्टल जो सेवानिवृत्त कर्मचारियों के द्वारा किए गए विशिष्ट कार्यों और सरकार के साथ उनके अनुभवों को प्रदर्शित करेगा। इसके द्वारा एक संस्थागत स्मृति का निर्माण कर भविष्य की पीढ़ियों के लिए नवीन विचार, सुझाव एवं अनुभव प्रदान किए जाएंगे।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-20)

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : सदन के विघटन से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर : प्रत्येक पाँच साल के पश्चात् अथवा राष्ट्रपति द्वारा (अनुच्छेद 85) लोकसभा का भंग होना सदन का विघटन कहलाता है।

प्रश्न : भारत की संचित निधि से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद 266 के तहत् सरकार द्वारा प्राप्त समस्त राजस्व एवं उधारियों का सम्मिलित रूप संचित निधि कहलाती है।

प्रश्न : केन्द्रीय सतर्कता आयोग

उत्तर : केन्द्र सरकार के प्रशासनिक विभागों एवं लोक उपक्रमों में सत्यनिष्ठा के अनुरक्षण एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु 1964 में स्थापित एक बहुसदस्यीय सांविधिक संस्था।

प्रश्न : बंदी प्रत्यक्षीकरण

उत्तर : अनुच्छेद 32 एवं 226 में उल्लेखित व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार जिसके अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को बंदी बनाए जाने के 24 घंटे के अन्दर कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : राजनीति का अपराधीकरण से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : राजनीतिक दलों में आपराधिक पृष्ठभूमि एवं छवि वाले लोगों का बढ़ता प्रभुत्व एवं जनता द्वारा निर्वाचित संस्थाओं में ऐसे लोगों की बढ़ती भागीदारी राजनीति का अपराधीकरण कहलाती है। इससे लोकतंत्रतात्मक व्यवस्था की प्रासंगिकता कम हो जाती है।

प्रश्न : मंत्रिमण्डल और मन्त्रिपरिषद् के बीच अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर : मंत्रिमण्डल के अन्तर्गत केवल कैबिनेट एवं कैबिनेट स्तरीय मंत्री शामिल होते हैं एवं केवल उन्हें ही मंत्रिमण्डलीय बैठक में भाग लेने का अधिकार होता है जबकि मंत्रिपरिषद् के अन्तर्गत राज्यमंत्री, उपमंत्री एवं संसदीय सचिव और कैबिनेट मंत्री भी आते हैं।

प्रश्न : हरित न्यायपीठ से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : पर्यावरण संरक्षण से संबंधित मामलों का कुशलतापूर्वक एवं त्वरित निपटान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय हरित न्यायालय अधिनियम 2010 के तहत् विभिन्न राज्यों में हरित न्यायालयों का गठन किया गया है। इसके अतिरिक्त संविधान के अनुच्छेद 142 के अन्तर्गत सर्वोच्च न्यायालय द्वारा क्षतिपूर्ति वनीकरण प्रबंधन एवं नियोजन प्राधिकरण का भी गठन किया गया है।

प्रश्न : भारत के संविधान में बाल श्रमिकों के लिए क्या विशेष प्रावधान हैं ?

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद 24 के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बालक को किसी कारखाने, खान अथवा किसी अन्य परिसंकटमय स्थिति में काम करने के लिये नियोजित नहीं किया जायेगा। इस अनुच्छेद द्वारा अधिरोपित प्रतिषेध आत्यंतिक है।

प्रश्न : 'संविधान के भाग-4 क में जो समादिष्ट किया गया है, यह सब आवश्यक रूप से भारतीय जीवन पद्धति के अंगभूत कार्यों का संहिताकरण मात्र है।' समालोचनापूर्वक इस कथन का परीक्षण कीजिए।

उत्तर : संविधान के भाग-4क में मौलिक कर्त्तव्यों का समावेश किया गया है जिसका प्रावधान मौलिक अधिकारों को और अधिक सार्थक बनाने के लिए किया गया है। इसके द्वारा नागरिकों को नैतिक दायित्व प्रदान किए गए हैं। यद्यपि यह नागरिकों के मध्य गैर न्यायोचित कार्यों तथा देशभक्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया परन्तु इसकी भावना महत्त्वपूर्ण है।

प्रश्न : भारत के मतदान आचरण के प्रमुख निर्धारक क्या है?

उत्तर : जनसामान्य के जीवन से जुड़े विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारक यथा महँगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा युद्ध एवं शांति संबंधी मुद्दें, जाति आधारित मुद्दे, मतदाताओं का भावनात्मक जुड़ाव, प्रत्याशी विशेष की योग्यता मतदान आचरण के प्रमुख निर्धारक हैं।

प्रश्न : अंतर्राज्य परिषद राज्यों के बीच किस प्रकार समन्वय स्थापित करती है?

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद 263 (क) के तहत गठित अंतरराज्यीय परिषद राज्यों के मध्य उत्पन्न विवाद की जांच कर उपयुक्त सलाह देती है, (ख) कुछ/सभी राज्यों के अथवा संघ और एक/अधिक राज्यों के सामान्य हित से संबंधित विषयों में नीतियों/कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन हेतु सिफारिश देती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-21)

व्यवहार

15 शब्द

प्रश्न : अधिगम से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : अधिगम से तात्पर्य अनुभव और अभ्यास के द्वारा व्यवहार/व्यवहार की क्षमता में उत्पन्न होने वाले अपेक्षाकृत स्थाई परिवर्तन से है।

प्रश्न : सामाजिक बुद्धि से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : सामाजिक व्यवस्था के प्रति सम्मान, स्वयं से बड़े/छोटे तथा वंचित वर्ग के प्रति प्रतिबधता, दूसरों की चिंता आदि से संबंधित आत्मज्ञान।

प्रश्न : व्यक्तित्व को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : व्यक्ति की वे मनौदेहिक विशेषतायें ,जो विभिन्न स्थितियों और समयों में सापेक्ष रूप से स्थिर होते हैं और उसे अनन्य बनाते हैं, व्यक्तित्व कहलाता है।

प्रश्न : कुंठा

उत्तर : लक्ष्य प्राप्ति हेतु की जाने वाली क्रिया बाधित हो जाने पर उत्पन्न संभावित स्थिति कुंठा कहलाती है।

प्रश्न : मनोविश्लेषण

उत्तर : मनोचिकित्सा की एक विधि जिसमें मनोचिकित्सक दमित अचेतन सामग्री को सचेतन स्तर पर लाने का प्रयास करता है।

प्रश्न : निर्णयन

उत्तर : विकल्पों के मूल्यांकन एवं उनमें से चुनाव करने की प्रक्रिया निर्णयन कहलाती है।

50 शब्द

प्रश्न : बुद्धि से आप क्या समझते हैं? भारतीय परंपरा में बुद्धि के विभिन्न प्रकारों के बारे में बताइये।

उत्तर : बुद्धि से तात्पर्य किसी व्यक्ति की अपने परिवेश को समझने की क्षमता, विवेकपूर्ण चिंतन और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिये उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी ढ़ंग से उपयोग करने से है। भारतीय परंपरा में संज्ञानात्मक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, संवेगात्मक बुद्धि, उद्यमात्मक बुद्धि आदि स्वीकार की जाती हैं।

प्रश्न : व्यक्तित्व मूल्यांकन की विभिन्न विधियों के बारे में लिखें।

उत्तर : किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का मूल्याकंन प्रेक्षक के प्रतिवेदनों, प्रक्षेपी तकनीकों और आत्म-प्रतिवेदन मापों द्वारा किया जा सकता है। प्रेक्षक के प्रतिवेदनों में साक्षात्कार, प्रेक्षण, निर्धारण, प्रक्षेपी तकनीकों में कथानक संप्रत्यक्षण परीक्षण और आत्म-प्रतिवेदन माप स्पष्ट रूप से संरचित परीक्षणों के उपयोग द्वारा व्यक्तित्व का मूल्यांकन करने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न : प्रतिरक्षक तंत्र को दबाव कैसे प्रभावित करता है?

उत्तर : दबाव के कारण प्रतिरक्षक तंत्र की कार्यप्रणाली दुर्बल हो जाती है। इससे प्राकृतिक रूप से नष्ट करने वाली कोशिकाओं की कोशिका-विषाक्तता प्रभावित हो सकती है, जो प्रमुख संक्रमणों तथा कैंसर से रक्षा में अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है। अत्यधिक उच्च दबाव से ग्रस्त व्यक्तियों में कोशिका-विषाक्तता में भारी कमी पायी जाती है।

प्रश्न : अधिगम की संबंधात्मक शैली और विश्लेषणात्मक शैली में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर :

संबंधात्मक शैली	विश्लेषणात्मक शैली
1. सूचना को समग्र चित्र के अंश के रूप में प्रत्यक्षण करना ।	1. समग्र चित्र में से किसी सूचना को निकाल लेने में सक्षम होना।
2. अंतर्ज्ञानात्मक चिंतन का प्रदर्शन।	2. अनुक्रमिक एवं संरचित चिंतन का प्रदर्शन।
3. अशैक्षणिक क्षेत्रों में अधिक कार्योन्मुख होते है।	3. शैक्षणिक संदर्भ में अधिक कार्योन्मुख होते है।
4. विद्यार्थियों की योग्यता में प्राधिकारियों के विश्वास अथवा संशय की अभिव्यक्ति से प्रभावित होते है।	4. दूसरों के अभिमत से अधिक प्रभावित न होना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-22)

सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

15 शब्द

प्रश्न : गामा किरणें

उत्तर : रेडियोधर्मी पदार्थों के नाभिकों के विघटन द्वारा उत्सर्जित अत्यन्त लघु तरंग दैर्ध्य की विद्युत चुम्बकीय तंरगें गामा किरणें कहलाती हैं।

प्रश्न : परमाणु संख्या से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : परमाणु के नाभिक में उपस्थित प्रोटॉनों की संख्या अथवा उदासीन परमाणु के नाभिक में उपस्थित इलैक्ट्रॉनों की संख्या परमाणु संख्या कहलाती है।

प्रश्न : क्वांटम

उत्तर : विद्युत चुम्बकीय विकिरण के रूप में ऊर्जा की जिस न्यूनतम मात्रा का उत्सर्जन / अवशोषण होता है, उसे क्वांटम कहते हैं।

प्रश्न : व्यतिकरण

उत्तर : दो समान आवृत्ति की तरंगों का इसप्रकार संयोजन कि प्राप्त तरंग का त्रिविम के प्रत्येक बिन्दु पर विक्षोभ उस बिंदु पर प्रत्येक तरंग के विक्षोभ के सदिश योग के बराबर हो, व्यतिकरण कहलाता है।

प्रश्न : न्यूट्रिनो क्या है?

उत्तर : रेडियोइलेक्ट्रिक तत्त्वों के क्षरण से उत्पन्न एक उपपरमाण्वीय आवेशरहित, भाररहित कण न्यूट्रिनो कहलाता है।

प्रश्न : बी.टी.

उत्तर : एक ग्राम (पॉजीटिव) मृदा बैक्टीरिया, जिसे जैविक कीटनाशक के रूप में उपयोग किया गया है। इसके क्राई जीन का उपयोग आनुवंशिक अभियांत्रिकी में किया जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : समस्थानिक एवं समभारिक में अन्तर स्पष्ट कीजिए -

उत्तर : वे परमाणु जिनकी परमाणु संख्या (z) समान और द्रव्यमान संख्या (A) भिन्न-भिन्न होती है, समस्थानिक कहलाते हैं। ऐसा नाभिक में उपस्थित न्यूट्रॉनों की भिन्न-भिन्न संख्या के कारण होता है। जबकि ऐसे परमाणु जिनकी द्रव्यमान संख्या (A) समान परन्तु परमाणु संख्या (z) भिन्न होती है, समभारिक कहलाते हैं।

प्रश्न : देहली आवृति से आप क्या समझते हैं।

उत्तर : प्रत्येक धातु के लिए एक अभिलाक्षणिक न्यूनतम आवृत्ति जिससे कम आवृत्ति पर प्रकाश विद्युत प्रभाव प्रदर्शित नहीं होता है, देहली आवृत्ति कहलाती है। देहली आवृत्ति पर निष्कासित इलैक्ट्रानों में गतिज ऊर्जा उपस्थित होती है जो प्रकाश की आवृत्ति के समानुपाती होती है।

प्रश्न : प्रकाश के द्वैत व्यवहार से आप से क्या समझते हैं?

उत्तर : जब किसी द्रव्य के साथ विकिरण की अन्योन्य क्रिया होती है तब यह कण जैसे गुण प्रदर्शित करता है और जब विकिरण का संचरण होता है तब यह तरंग जैसे गुण (व्यतिकरण और विवर्तन) दर्शाता है। 'यही प्रकाश का द्वैत व्यवहार कहलाता है।

प्रश्न : ग्रेफाइट और हीरे के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिये।

उत्तर :

हीरा	ग्रेफाइट
(i) SP^3 संकरण	(i) SP^2 संकरण
(ii) चतुष्फलकीय संरचना	(ii) ब्रकोणीय संरचना
(iii) ज्ञात कठोरतम पदार्थ	(iii) कोमल एवं चिकना
(iv) विद्युत का कुचालक	(iv) विद्युत का सुचालक
(v) घनत्व 3.5 gm/cm^3	(v) घनत्व 2.2 gm/cm^3

प्रश्न : भारत के परिप्रेक्ष्य में जी.एम. बीजों से संबंधित समस्याओं का विश्लेषण कीजिये।

उत्तर : भारत में जी.एम. बीजों के उपयोग से मानव स्वास्थ्य को खतरा, स्थानीय प्रजाति के लुप्त होने का संकट, पर्यावरण को खतरा, अत्यधिक खरपतवार एवं अत्यधिक कीट की समस्या, परपरागण आदि समस्याऐं है। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से अधिक मँहगे ,सब्सिडी रहित एवं पुर्नउपयोग में असक्षम होने के कारण भारतीय कृषि हेतु अप्रासंगिक है

प्रश्न : पनडुब्बी जल की सतह पर तैरती है व इसकी गहराई में डुबकी लगा देती है, क्यों?

उत्तर : पनडुब्बी विशिष्ट गुरुत्व द्वारा नियंत्रित की जाती है। इसके निम्न, मध्य और पिछले भाग में ब्लास्ट टैंक बने रहते हैं, जिससे आवश्यकतानुसार जल भरा या निकाला जाता है। ब्लास्ट टैंकों में जल भरे जाने पर पनडुब्बी का भार इसके द्वारा विस्थापित जल के भार से अधिक हो जाता है। फलतः यह जल में डूब जाती है और टैंकों से पम्प द्वारा जल निकाले जाने पर इसके भार में कमी आती है। अतः विस्थापित जल का भार पनडुब्बी से अधिक हो जाता है और यह जल की सतह पर आ जाती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-23)

राजस्थान की कला संस्कृति, परम्परा और धरोहर

15 शब्द

प्रश्न : तेरहताली नृत्य

उत्तर : रामदेवजी की आराधना के समय कामड़ औरतों द्वारा किया जाने वाला नृत्य।

प्रश्न : 'रासो' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : किसी राजा/व्यक्ति विशेष की कीर्ति, विजय, युद्ध, वीरता आदि का विस्तृत वर्णन रासो कहलाता है।

प्रश्न : चौपड़ा

उत्तर : निष्कलंकी सम्प्रदाय के प्रवर्तक संत मावजी द्वारा वाद-विवाद शैली में रचित ग्रंथ।

प्रश्न : ढूँढाड़ी

उत्तर : पूर्वी राजस्थान के मध्यपूर्वी विभाग (जयपुर) की प्रधान बोली, गुजराती एवं बृजभाषा से प्रभावित।

प्रश्न : पाने

उत्तर : धार्मिक/मांगलिक अवसरों पर कागज पर बने देवी-देवताओं के चित्रों का प्रतिष्ठापन पाने कहलाता है।

प्रश्न : पंचपीर

उत्तर : सांस्कृति एकता के प्रतीक राजस्थान के लोकदेवता पाबूजी, हड़बूजी, रामदेवजी, माँगलिया मेहाजी एवं गोगाजी का एकीकृत स्वरूप।

प्रश्न : विजयदशमी

उत्तर : वीर पर्व/दशहरा के रूप में अश्विन शुक्ल दशमी को राम द्वारा रावण वध की खुशी में मनाया जाने वाला त्यौहार।

50 शब्द

प्रश्न : जयपुरी ख्याल की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर : पुरूष एवं स्त्री पात्रों की पृथक भूमिका, नये प्रयोगों की महती संभावनाएँ मुक्त एवं लचीली शैली, अखबारों, कविता, संगीत, नृत्य तथा गान व अभिनय का सुन्दर समानुपातिक समावेश है। जोगी-जोगन, कान-गूजरी, मियाँ बीबू पठान, रसीली तम्बोतन इस शैली के लोकप्रिय ख्याल हैं।

प्रश्न : चारणी साहित्य से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर : चारण साहित्य से अभिप्राय चारण, ब्रह्मभट्ट, भाट, ढाढ़ी आदि सभी विरुद्ध गायक जातियों की कृतियों और उस शैली में लिखी गई अन्यान्य कृतियों से है। अधिकांशतः पद्य में रचित यह साहित्य प्रधानतया वीर रसात्मक है। प्रबंध काव्य, गीत, दोहे, सोरठे, कुण्डलियाँ आदि रूप में उपलब्ध है।

प्रश्न : थेवा कला

उत्तर : रंगीन बेल्जियम काँच पर सोने की अत्यन्त बारीक, कमनीय एवं कलात्मक कारीगरी 'थेवा कला' कहलाती है। इसमें नारी श्रृंगार के आभूषणों को काँच पर कलात्मक रूप दिया जाता है। प्रतापगढ़ (राजस्थान) का सोनी परिवार थेवाकला के लिये विख्यात है। इस हेतु महेशराज सोनी को 2015 के पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रश्न : 'इला न देणी आपणी, हालरियो हुलराय'

उत्तर : अंग्रेजों के विरुद्ध राजपूत राजाओं को एक सूत्र में बाँधने और जनजागृति के उद्देश्य से उपर्युक्त पंक्ति कवि सूर्यमल्ल मिश्रण द्वारा हाड़ौती में रचित वीर रसप्रधान दोहे से उद्धृत है। इसके माध्यम से उन्होंने शहीद होकर भी मातृभूमि की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया।

प्रश्न : राजप्रशस्ति

उत्तर : राजसमुद्र/राजसमन्द झील पर स्थित नौ चौकी बांध पर 25 बड़ी शिलाओं पर 1676 ई. में उत्कीर्ण राजप्रशस्ति महाकाव्य देश का सबसे बड़ा शिलालेख है। इस पर रणछोड़ भट्ट द्वारा मूलतः संस्कृत में मेवाड़ का इतिहास उत्कीर्ण किया गया है।

प्रश्न : सोनारगढ़ का किला

उत्तर : रावल जैसल द्वारा 1155 में निर्मित जैसलमेर में स्थित इस किले में पीले पत्थर होने के कारण सूर्य की किरणों में स्वर्णाभ प्रतीत होते हैं। धान्वन दुर्ग की श्रेणी का त्रिकुट पहाड़ी पर स्थित यह दुर्ग ढाई साके के लिये प्रसिद्ध है। इसमें पत्थरों की जुड़ाई में चूने का प्रयोग देखने को नहीं मिलता है।

प्रश्न : बेणेश्वर मेला

उत्तर : सांवला गाँव (डूंगरपुर) के समीप सोम, माही व जाखम नदियों के संगम (त्रिवेणी) पर स्थित बेणेश्वर धाम पर माघ शुक्ल एकादशी से माघ पूर्णिमा तक आदिवासियों के कुंभ के नाम से प्रसिद्ध यह आदिवासियों का सबसे बड़ा मेला है। इसमें राजस्थान के अलावा मालवा, गुजरात व राजस्थान के सीमावर्त्ती क्षेत्रों के आदिवासी भी भाग लेते है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-24)

अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : हरित बॉण्ड

उत्तर : अन्य बॉण्ड के समान लेकिन जारीकर्त्ता द्वारा जुटाई गई निधि 'हरित परियोजना' में खर्च की जाती है।

प्रश्न : राष्ट्रीय आय से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : एक राष्ट्र की वार्षिक आर्थिक क्रियाओं के फलस्वरुप उत्पादित अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के मौद्रिक मूल्य का योग।

प्रश्न : सांवधिक तरलता अनुपात

उत्तर : बैंकों के पास उनकी माँग एवं सावधि जमाओं का नकद, स्वर्ण एवं सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में एक निश्चित रक्षित भाग।

प्रश्न : M_1 मुद्रा

उत्तर : जनता के पास करेंसी, बैंकों के पास माँग जमाराशियाँ तथा रिजर्व बैंक के पास अन्य जमाराशियों का एकीकृत रूप।

प्रश्न : कृषि विविधीकरण से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : खेती के उत्पादक संसाधनों को नवीन गतिविधियों/फसलों की तरफ पुर्नआंवटन करना कृषि विविधीकरण कहलाता है।

50 शब्द

प्रश्न : इलैक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली के लाभों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : समय की बचत, सुविधा, पैसे खोने/चोरी होने/लूट आदि से सुरक्षा, पैसे के प्रवाह को दर्ज कर काले धन में कमी लाने का प्रयास, उपयोगकर्ता के लिये अनुकूल मोबाइल भुगतान विकल्प भी उपलब्ध, कहीं भी और कभी भी लेन-देन करना संभव, पेपर रहित कार्य के कारण पर्यावरण संरक्षण आदि।

प्रश्न : भारत में श्रम सुधार हेतु किये गये उपायों की विवेचना कीजिये।

उत्तर : प्रशिक्षुओं को नियोजित करने हेतु प्रशिक्षु प्रोत्साहन योजना, शिकायतों के निपटान के लिये श्रम सुविधा पोर्टल, भविष्य की समस्याओं/ अनहोनी से सुरक्षा हेतु कर्मचारी राज्य बीमा योजना, भविष्य निधि के कर्मचारियों के खाते में सुवाह्यता हेतु कर्मचारी भविष्य निधि, राष्ट्रीय कैरियर सर्विस आदि।

प्रश्न : न्यू-डवलपमेन्ट बैंक

उत्तर : उभरती हुई विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की आधारित संरचना व सतत् विकास परियोजनाओं के लिये संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित देशों द्वारा 100 अरब डॉलर की अधिकृत पूँजी से के.वी. कामत की अध यक्षता में शंघाई में स्थापित।

प्रश्न : सहायता अनुदान

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद 275 के प्रावधान के अनुसार विभिन्न राज्यों के मध्य संसाधन असमानताओं को कम करने हेतु संसद द्वारा भारत की संचित निधि से राज्यों को सहायतार्थ अनुदान। योजनागत कार्यों के लिये अनुदान सामान्यतः नीति आयोग द्वारा और गैर योजनागत कार्यों के लिये वित्त आयोग की सिफारिश पर अनुदान दिया जाता है।

प्रश्न : स्वतंत्र व्यापार समझौते से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : विभिन्न देशों/देश समूहों के मध्य सम्पन्न समझौते जिसके तहत सदस्य देशों के मध्य तटकर मुक्त व्यापार प्रणाली अपनाई जाती है, मुक्त/स्वतंत्र व्यापार समझौता कहलाता है। जैसे- दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार संधि (साफ्टा) एवं उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता (नाफ्टा) आदि।

प्रश्न : कृषि की विभिन्न क्रांतियों के बारे में लिखें -

उत्तर :

क्रांति	संबंधित क्षेत्र
हरित	कृषि
श्वेत	दूध
रजत	अण्डा
पीली	तिलहन
सुनहरी	बागवानी
गोल	आलू
नीली	मछली
गुलाबी	झींगा मछली
कृष्ण	पैट्रोलियम

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-25)

भारत का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : 'गोदावरी' की सहायक नदियों के नाम बताइये।

उत्तर : इन्द्रावती, प्राणहिता, पूर्णा, दुधना, मंजरा आदि गोदावरी की सहायक नदियाँ हैं।

प्रश्न : खादर

उत्तर : नवीन जलोढ़ के जमाव से निर्मित अपेक्षाकृत निम्न प्रदेश जो उपजाऊ बना रहता है।

प्रश्न : लू

उत्तर : मई-जून माह में उत्तर-पश्चिम भारत में चलने वाली शुष्क धूलभरी स्थानीय गर्म हवा।

प्रश्न : संक्रान्ति

उत्तर : सूर्य के उत्तरायण तथा दक्षिणायन की सीमा संक्रान्ति कहलाती है। कर्क संक्रान्ति में सूर्य उत्तरी और मकर संक्रान्ति में दक्षिणी गोलार्द्ध में होता है।

प्रश्न : ब्लोसम शावर

उत्तर : केरल तथा कर्नाटक के इलाके में पड़ने वाली मानसून पूर्व बौछारें, जो कॉफी की फसल के लिये उपयोगी होती हैं।

50 शब्द

प्रश्न : जैव विविधता हॉट-स्पाट से आप क्या समझते हैं? इनकी प्रमुख विशेषताएँ बताइये।

उत्तर : ऐसे भौगोलिक क्षेत्र जहाँ पाये जाने वाले जीवों में उच्चस्तरीय विविधता एवं विलुप्तीकरण का खतरा दोनों होता है, जैवविविधता हॉट स्पाट कहलाता है।

विशेषताएं- संबंधित क्षेत्र में देशज संवहनीय पौधों की निम्नतम 1500 प्रजाति पाई जाती हों/विश्व की कुल देशज संवहनीय पौधों का 0.5% वहाँ उपस्थित हो और संबंधित क्षेत्र के जीवों के प्राकृतिक वासस्थल का 70% खत्म हो गया हो।।

प्रश्न : पशु संसाधन के महत्त्व की विवेचना कीजिये।

उत्तर : सहायक रोजगार एवं वैकल्पिक अर्थव्यवस्था, प्रोटीन उपलब्धता में सहायक, दुग्ध उपलब्धता की दृष्टि से सहायक, जैविक खाद, गोबर गैस, ईंधन आदि का पर्याप्त स्त्रोत, माँस, चमड़ा व ऊन उद्योग में कच्चे माल के रूप में अण्डा एवं दुग्ध से संबंधित खाद्य पदार्थों के लिए उपयोगी।

प्रश्न : भारत में हरित क्रांति से होने वाले प्रभावों का समालोचनात्मक विवेचन कीजिये।

उत्तर : भारत में हरित क्रांति के फलस्वरूप जहाँ फसलों के उत्पादन, प्रतिव्यक्ति आय, रोजगार आदि में वृद्धि, गाँव की ओर पूंजी प्रवाह, संबंधित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य व संचार सेवाओं का प्रसार आदि के कारण जीवन स्तर में वृद्धि हुई तो वहीं दूसरी ओर वर्ग-संघर्ष की स्थिति, पूँजीवादी कृषि एवं विषमता को बढ़ावा मिला, मृदा की क्षारीयता/लवणीयता में वृद्धि, भूमिगत जल स्तर में गिरावट आदि समस्याएँ भी उत्पन्न हुई।

प्रश्न : प्रवाली भित्तियों के प्रकार बताते हुये भारत में प्रवाल के प्रमुख क्षेत्रों का वर्णन करें।

उत्तर : प्रवाल भित्तियों के मुख्यतः तीन प्रकार होते हैं- तटीय प्रवाल भित्ति, अवरोधक भित्ति एवं एटॉल।

भारत में प्रवाल भित्तियों का विकास मुख्यतः कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, लक्ष्यद्वीप तथा अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह के इर्द-गिर्द हुआ है। इनके अलावा ये महाराष्ट्र के मालवाण में भी अल्प मात्रा में पाये जाते हैं।

प्रश्न : हिमालयी नदियाँ और प्रायद्वीपीय नदियाँ परस्पर किस प्रकार भिन्न हैं-

उत्तर :

हिमालयी नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
स्रोत प्रायः ग्लेशियर अतः सदानीरा	वर्षा जल पर निर्भर होने के कारण ऋतुनिष्ठ
द्रोणियाँ प्रायः विशाल	अपेक्षाकृत छोटी
घाटियाँ गहरी	अपेक्षाकृत उथली
मुहाने पर डेल्टा का निर्माण	ज्वारनद मुख / छोटे डेल्टा का निर्माण

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-26)

विश्व का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : पृथ्वी पर जीवन संभव होने के क्या कारण है?

उत्तर : जल की उपस्थिति, उपयुक्त तापमान एवं जीवनदायिनी गैंसों से युक्त सघन वायुमण्डल का होना।

प्रश्न : चन्द्रमा का एक ही भाग हमें क्यों दिखाई देता है?

उत्तर : चंद्रमा का घूर्णन और परिक्रमण काल समान होने के कारण एक ही भाग दिखाई देता है।

प्रश्न : मैदान किसे कहते हैं?

उत्तर : भूपटल पर अपेक्षाकृत समतल और लक्षण विहीन निचले स्थलखंड को मैदान कहते है।

प्रश्न : ज्वालामुखी किसे कहते है?

उत्तर : ज्वालामुखी पृथ्वी की भूपर्पटी का एक मुख या खुला द्वार है, जिसके द्वारा मैग्मा पृथ्वी के धरातल पर आता है।

प्रश्न : मैग्मा और लावा में क्या अंतर है।

उत्तर : मैग्मा पृथ्वी के अंदर पिघला हुआ पदार्थ होता है, जब मैग्मा पृथ्वी के धरातल पर पहुँचता है तो लावा कहलाता है। लावा गैसरहित होता है।

प्रश्न : भूंकप को परिभाषित कीजिए।

उत्तर : भूंकप विवर्तनिक संचलनों का परिणाम, जिसके फलस्वरुप पृथ्वी के आंतरिक भागों में हलचल उत्पन्न होती है।

50 शब्द

प्रश्न : भूराजनीति क्या है? इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : भूगोल का अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एवं विदेश नीति पर प्रभाव का अध्ययन ही भूराजनीति है।

भूराजनीति विदेशनीति को समझने, व्याख्या करने एवं अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति व्यवहार का भौगोलिक परिवर्तन के आधार पर अनुमान लगाने में सहायक होती है।

प्रश्न : स्थानीय समय और मानक समय में क्या अन्तर है?

उत्तर : स्थानीय समय किसी स्थान के मध्याह्न सूर्य से निर्धारित किया गया समय होता है। जबकि मानक समय किसी देश का मानक मध्याह्न रेखा पर स्थानीय समय होता है। जैसे- भारत का मानक मध्याह्न रेखा 82°30' पूर्वी देशांतर है जो नैनी (इलाहाबाद के निकट) से गुजरती है।

प्रश्न : सिरिक्को

उत्तर : सहारा रेगिस्तान से चलकर इटली-स्पेन तक पहुँचने वाली स्थानीय पवन जो गर्म, शुष्क एवं विशाल मात्रा में लाल रेतकणों से युक्त होती है। भूमध्य सागर से गुजरने के कारण दक्षिण इटली के कुछ भाग में वर्षा (रक्तरंजित वर्षण) करती है। कृषि एवं खाद्य फसलों के लिये हानिकारक होती है।

प्रश्न : प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त हिमालय पर्वत के विरचन की व्याख्या करने में किस प्रकार सहायक है?

उत्तर : इस सिद्धान्त के अनुसार हिमालय पर्वत की उत्पत्ति भारतीय एवं यूरेशियाई प्लेट के अभिसरण से हुई है, जिनके मध्य टेथिस सागर पाया जाता था। भारतीय प्लेट के उत्तर की ओर अग्रसर होने से यह यूरेशियाई प्लेट में अवक्षेपित हो गई तथा टेथिस सागर के अवसाद के वलन के फलस्वरुप हिमालय की उत्पत्ति हुई।

प्रश्न : सागरीय जल प्रदूषण के कारणों का विवरण दीजियें।

उत्तर : सागरीय जल प्रदूषण सीवेज जल के साथ प्रदूषक पदार्थ, उद्योगों तथा जहरीले रसायन, वर्षा तथा बाढ़ द्वारा वाहित जल, सागरीय खनन के कारण खनिज तेल रिसाव एवं तेलवाहन जलयानों द्वारा बड़े पैमाने पर तेल के फैलाव के कारण होता है।

प्रश्न : पर्वत और पठार में क्या अंतर है?

उत्तर : पर्वत आस-पास के क्षेत्र से बहुत उठा हुआ, बहुत ऊँची पहाड़ियों का समूह होता है और लंबी श्रृंखलाओं के रूप में फैला होता है। जबकि पठार आस-पास की नीची भूमि से एकदम सीधा उठा हुआ विस्तृत और लगभग समतल भू-भाग होता है।

प्रश्न : स्थल समीर एवं सागर समीर

उत्तर : समुद्र तटीय क्षेत्रों में दैनिक तापान्तर के कारण छोटे पैमाने पर चलने वाली स्थानीय हवायें जो दिन के समय में स्थलखण्ड से समुद्र की ओर चलती हैं स्थल समीर कहलाती है तथा रात्रिकाल में समुद्र से स्थल की ओर चलती हैं, सागर समीर कहलाती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-27)

राजस्थान का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : उपरमाल का पठार

उत्तर : भैंसरोड़गढ़ एवं बिजौलिया के मध्य के पठारी भाग को उपरमाल का पठार कहते हैं।

प्रश्न : जोधपुर एवं भरतपुर संभाग में सम्मिलित जिलों के नाम बताइये।

उत्तर : **जोधपुर संभाग** -जोधपुर, जालौर, पाली, बाड़मेर, सिरोही एवं जैसलमेर।
भरतपुर संभाग - भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाईमाधोपुर।

प्रश्न : वृहत् भू-आकारिक प्रदेशों में विभक्त मरूस्थलीय प्रदेश के नाम बताइये

उत्तर : शुष्क रेतीला अथवा मरूस्थलीय प्रदेश, लूनी-जवाई बेसिन, शेखावाटी प्रदेश एवं घग्घर का मैदान।

प्रश्न : राजस्थान की अन्तःप्रवाहित नदियों के नाम बताइये।

उत्तर : कातली, साबी, काकनी/काकनेय, घग्घर, मेढा, रुपनगढ़ तुरतमंती, खारी, खण्डेला आदि नदियाँ राज्य की अन्तःप्रवाहित नदियाँ हैं।

प्रश्न : गिर क्षेत्र

उत्तर : गिर नस्ल के गौवंश का प्रमुख पालन क्षेत्र जिसमें उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, अजमेर भीलवाड़ा, टोंक तथा बूंदी सम्मिलित हैं।

प्रश्न : जनजातियों के विकास हेतु राज्यसरकार द्वारा चलाये गये कार्यक्रमों के नाम बताइये।

उत्तर : जनजाति उप-योजना, माडा क्लस्टर, माडा, सहरिया विकास कार्यक्रम एवं बिखरी जनजाति विकास कार्यक्रम।

प्रश्न : राज्य में खारे पानी की प्रमुख झीलों के नाम बताइये।

उत्तर : सांभर (जयपुर), कुचामन, डीडवाना (नागौर), पचपदरा (बाड़मेर), लूनकरणसर (बीकानेर), फलौदी (जोधपुर), रेवासा आदि।

50 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में लौह अयस्क के प्राप्ति स्थलों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : राज्य में लौह अयस्क की प्रमुख खदानें मोरीजा-वानोल (जयपुर), नीमला (दौसा), नीम का थाना (सीकर), डाबला (झुंझुनूं) नाथरा की पाल, थूर-हुण्डेर क्षेत्र, (उदयपुर) लोहारपुर (बूंदी), लोहरिया, खाचरिया, तलवारा/डूँगरपुर, इन्द्रगढ़ (भीलवाड़ा), कमलपुर, लाम्पां (बाँसवाड़ा), पादरपाल, डाग आदि स्थानों पर उपलब्ध हैं।

प्रश्न : राजस्थान में पाई जाने वाली प्रमुख जनजातियों के भौगोलिक वितरण को समझाइये।

उत्तर : राजस्थान में मीणा प्रमुखतः जयपुर, सवाई माधोपुर, उदयपुर, अलवर, कोटा, बूँदी; भील बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ और सिरोही; गरासिया सिरोही, उदयपुर एवं पाली; सहरिया बाँरा जिले की शाहबाद तहसील और डामोर राजस्थान व गुजरात के सीमावर्ती जिलों में केन्द्रीकृत हैं।

प्रश्न : प्रशासनिक दृष्टि से राजस्थान में वनों के प्रकारों का वर्णन कीजिये-

उत्तर : प्रशासनिक दृष्टि से राज्य में वनों के तीन प्रकार हैं -

1. **आरक्षित वन :-** पूर्ण सरकारी नियंत्रण, लकड़ी काटना, पशुचारण आदि पूर्णतः प्रतिबंधित, कुल वन क्षेत्र का 38.05 % ।
2. **सुरक्षित वन :-** वन संरक्षण के साथ-साथ लकड़ी काटने, पशुचारण की सीमित सुविधा उपलब्ध, कुल वन क्षेत्र का 55.70 % ।
3. **अवर्गीकृत वन :-** सरकारी नियंत्रण से मुक्त शेष वन, कुल वन क्षेत्र का 6.25 % ।

प्रश्न : राज्य में सूती वस्त्र उद्योग विकास की समस्याओं का विवेचन कीजिये।

उत्तर : शुष्क एवं अर्द्धशुष्क जलवायु, आवश्यकता से कम जल एवं बिजली आपूर्ति, गुणवत्ता युक्त कच्चे माल का अभाव, पर्याप्त कुशल श्रमिकों का अभाव, बाजार में सिथेंटिक कपड़ों से प्रतिस्पर्धा एवं शीघ्र उत्पादन हेतु नवीनतम मशीनों का अभाव आदि।

प्रश्न : राजस्थान रोडविजन-2015 के अन्तर्गत सम्मिलित कार्यक्रमों का उल्लेख कीजिये -

उत्तर : सिंचित विकास क्षेत्र, दुर्गम मार्गो का विकास, अकाल राहत कार्यो में सड़कों विशेषकर ग्रामीण सड़कों का निर्माण, खनिज सड़कें, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, कृषि विपणन बोर्ड द्वारा कृषि उपज मण्डी की सड़कें, विश्व बैंक एवं नाबार्ड द्वारा सड़कों का विकास, न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम आदि।

प्रश्न : राजस्थान में मृदाओं और संबंधित क्षेत्रों का वर्णन करें -

उत्तर : **जलोढ/कछारी** - सवाई माधोपुर, पश्चिमी भीलवाड़ा, अजमेर, सिरोही; **लाल-लोमी** - मध्य एवं दक्षिणी उदयपुर एवं डूंगरपुर; **लाल और काली** - भीलवाड़ा, चितौड़गढ़, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा; **काली** - हाड़ौती क्षेत्र और **रेतीली मृदा** - पश्चिम राजस्थान

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-28)

विश्व राजनीति

15 शब्द

प्रश्न : ट्रेक-2 कूटनीति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : विभिन्न अन्तर्राज्यीय विवादों के समाधान हेतु अनौपचारिक स्तर पर सम्पन्न वार्तायें ट्रेक-2 कूटनीति के अर्न्तगत आती हैं।

प्रश्न : नवसाम्राज्यवाद

उत्तर : प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से किसी राष्ट्र की आर्थिक सम्प्रभुता पर अन्य राष्ट्र की प्रभुसत्ता का विस्तार।

प्रश्न : गोल्डन क्रेसेन्ट

उत्तर : दक्षिणी पश्चिम एशिया में अफगानिस्तान, पाकिस्तान व ईरान के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्र।

प्रश्न : हरित राजनीति

उत्तर : सतत समाज के निर्माण के उद्देश्य से पर्यावरण से संबंधित राजनैतिक विचारों का संकलन हरित राजनीति कहलाता है।

प्रश्न : जैविक युद्ध

उत्तर : युद्ध में हथियार के रूप में जैव विष/बीमारी फैलाने वाले जीवाणुओं का प्रयोग जैविक युद्ध कहलाता है; जैसे- ऐन्थ्रेक्स।

प्रश्न : ऑपरेशन राहत

उत्तर : 2015 में यमन संकट के दौरान भारतीयों और अन्य विदेशियों को सुरक्षित निकालने हेतु भारतीय वायुसेना द्वारा चलाया गया ऑपरेशन।

50 शब्द

प्रश्न : पंचशील सिद्धान्तों से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रतिपादित पांच सिद्धान्त जो 1954 में भारत-चीन समझौते का आधार बने, वे हैं - परस्पर क्षेत्रीय अखण्डता और संप्रभुता का आदर, परस्पर अनाक्रमण के सिद्धांत का पालन, आंतरिक मामलों में अहस्तक्षेप, समानता एवं परस्पर मित्रता की भावना बनाये रखना और शांतिपूर्ण सहअस्तित्त्व।

प्रश्न : मेरीटाइम सिल्करूट क्या है?

उत्तर : चीन द्वारा विकसित समुद्री रेशम मार्ग परियोजना, जिसके तहत चीनी बंदरगाहों को दक्षिण चीन सागर के माध्यम से भारत-चीन, दक्षिणी-पूर्वी एशिया, अफ्रीका और भूमध्यसागर होते हुये यूरोप तक जोड़ने की योजना है। इसके द्वारा समुद्री व्यापार को बढावा दिया जायेगा।

प्रश्न : तापी परियोजना

उत्तर : तुर्कमेनिस्तान से अफगास्तिान होते हुये पाकिस्तान और भारत के सीमा प्रान्त क्षेत्र फजिल्का (पंजाब) में गैस आपूर्ति करने के उद्देश्य से 1814 km. लम्बी गैस पाइपलाइन परियोजना। इसके द्वारा लगभग 33 अरब घन मीटर गैस प्रतिवर्ष भारत तक पहुँचेगी।

प्रश्न : चाबहार बंदरगाह का भारत के लिये महत्व स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : ईरान के दक्षिणी तट पर स्थित होने के कारण भू-सामरिक एवं आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण, भारत के पश्चिमी तट तक पहुँचना आसान, अफगास्तिान, मध्य एशिया, रूस एवं यूरोप के बाजारों तक भारत की पहुँच आसान बनेगी और भारतीय सामान के ट्रांसपोर्ट के खर्च एवं समय में लगभग एक तिहाई कमी होगी।

प्रश्न : एक्ट ईस्ट पॉलिसी के समक्ष चुनौतियों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : पूर्व में चीन की अत्याधिक सक्रियता एवं अमेरिका व जापान का प्रभाव, क्षेत्रीय सुरक्षा के लिये अहम, दक्षिण चीन सागर विवाद, इस्लामिक स्टेट का प्रभाव, कई देशों में कमजोर शासन व्यवस्था, आसियान-भारत आर्थिक एवं व्यापारिक संबंधों को वास्तविक क्षमता तक पहुँचना आदि

प्रश्न : ब्रिक्स से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : परस्पर हितों के आर्थिक मुद्दे और वैश्विक आंतकवाद के खिलाफ सहयोग स्थापित करने हेतु पाँच उभरती अर्थव्यवस्थाओं (ब्राजील रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) का समूह जो 2009 से विधिवत् कार्य कर रहा है। विकासशील देशों में अवसंरचनात्मक विकास हेतु ब्रिक्स देशों द्वारा ब्रिक्स बैंक (शंघाई) की स्थापना की गई है। हाल ही में इसका 9 वाँ सम्मेलन जियामेन (चीन) में सम्पन्न हुआ है।

प्रश्न : दक्षिण एशिया में नृजातीय संघर्षों के कारण बताइये।

उत्तर : औपनिवेशिक काल की समाप्ति के साथ ही दक्षिण एशिया के कई देशों जैसे- म्यांमार, श्रीलंका, कम्बोडिया, वियतनाम इत्यादि में नृजातीय संघर्ष प्रारम्भ हो गया, जिसके प्रमुख कारण धार्मिक अतिवाद में वृद्धि, स्वहित को वरीयता, प्रेम एवं नफरत के संबंधों का इतिहास, नेताओं की सनक व दक्षिण एशियाई देशों में परस्पर विश्वास का अभाव आदि हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-29)

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : गोपुरम

उत्तर : दक्षिण भारत में द्रविड़ शैली के मंदिरो का कलात्मक एवं भव्य प्रवेश द्वार।

प्रश्न : साम्प्रदायिक घोषणा

उत्तर : 16 अगस्त 1932 को प्रधानमंत्री मैकडोनाल्ड द्वारा हरिजनों के पृथक प्रतिनिधित्व का समर्थन करना।

प्रश्न : हंटर आयोग

उत्तर : 1854 के बाद भारत में शिक्षा प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से 1882 में गठित आयोग।

प्रश्न : संगम साहित्य

उत्तर : 500-200 ई.पू. का तमिल साहित्य का प्रारम्भिक काल जिसमें प्रेम एवं युद्ध परक कविताओं का उल्लेख मिला है।

प्रश्न : ललित कला अकादमी

उत्तर : भारत एवं विश्व में भारतीय कला की उन्नति के उद्देश्य से 1954 में स्थापित। शोध प्रबंध, प्रर्दशनियों, पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : गांधी-इरविन समझौते की क्या विशेषतायें थी?

उत्तर : 5 मार्च 1931 को हुए दिल्ली पैक्ट गांधी इरविन समझौते के तहत सविनय अवज्ञा आंदोलन पर रोक, कांग्रेस द्वारा द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भागीदारी, सभी अहिंसक कार्यवाहियों के राजनीतिक बंदियों की रिहाई और संविधान का बुनियादी आधार संघात्मक तय हुआ।

प्रश्न : 'महात्मा गांधी के आंदोलनों का प्रमुख आधार ग्रामीण भारत था' स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : गांधीजी के अनुसार 'भारत की आत्मा गांवों में बसती है, स्वतंत्रता संघर्ष हेतु ग्रामीण जन की भागीदारी अपरिहार्य है। उन्होंने खादी, रचनात्मक कार्यों, छुआ-छुत मिटाना, हिन्दु-मुस्लिम एकता आदि माध्यमों से ग्रामीण जनता को जोड़कर राष्ट्रीय आंदोलन का सामाजिक आधार सम्पूर्ण भारतीय जनता तक विस्तृत कर दिया।

प्रश्न : भारत के आधुनिकीकरण के लिये अंग्रेजों द्वारा उठाये गये कदमों की विवेचना कीजिये।

उत्तर : विधि के शासन की अवधारणा, नागरिकों के विशेषाधिकार एवं कर्त्तव्य, एक समान कानून व्यवस्था, जाति-धर्म आधारित भेद-भाव का विरोध, अंग्रेजी शिक्षा द्वारा भारतीय शिक्षा का आधुनिकीकरण, सिविल सेवा में भारतीयों को भाग लेने की अनुमति आदि संवैधानिक विकास एवं अन्य अवसंरचनात्मक विकास यथा रेल, डाक व्यवस्था आदि प्रयास किये गये।

प्रश्न : नाविक विद्रोह की उत्पत्ति का वर्णन करो।

उत्तर : भोजन एवं वेतन में असमानता, रंगभेद के आधार पर अपमानजनक व्यवहार, चारित्रिक छींटाकशी आदि के कारण 18 फरवरी 1946 को रॉयल इण्डियन नेवी/भारतीय शाही नौसेना के गैर- कमीशंड अधिकारी और नौसैनिकों/रेंटिग्ज द्वारा बम्बई में सैनिक विद्रोह प्रारंभ कर दिया गया।

प्रश्न : आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर के अंशदान समझाइये।

उत्तर : 19 वीं शताब्दी में बंगाल में सामाजिक स्थिति सुदृढ़ीकरण एवं स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने संस्कृत एवं बांग्ला भाषा के विकास के लिए कॉलेज की स्थापना, विधवा पुनर्विवाह का समर्थन आदि महत्वपूर्ण प्रयास किये। इन्हीं के प्रयासों से विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 पारित हुआ और अनेक विधवा विवाह भी सम्पन्न हुये।

प्रश्न : चोल वास्तुकला

उत्तर : 10 वीं-11वीं सदी में चोल सम्राटों के नियंत्रण में द्रविड़ शैली ने अपने विशाल विमानों, भव्य गोपुरमों एवं मण्डपों के रूप में उत्कृष्टता प्रकट की। इस कारण इतिहासकारों के अनुसार चोल शासकों ने निर्माण कार्यो में जौहरियों की सूक्ष्मता एवं दैत्यों की विशालता को शामिल किया है, जो कि वृहदेश्वर मंदिर, राजराजेश्वर मंदिर, गंगैकोंडचोल के मंदिरों में दिखाई देती है।

प्रश्न : छठी शताब्दी ईसा पूर्व में द्वितीय नगरीकरण के तत्वों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस काल के नगरीकरण के तत्त्व कृषि अधिशेष, गैर कृषक वर्ग का उदय, घनी आबादी जनसंख्या, श्रम का विभाजन/विशेषीकरण, अधिशेष के उत्पादन एवं वितरण हेतु पूर्णकालिक शासक एवं प्रशासक वर्ग, सुव्यवस्थित कर प्रणाली, व्यापार, वाणिज्य, बाट माप मुद्रा व्यवस्था, वर्ग-वेषभ्य, शिक्षित वर्ग एवं लिपि और समुन्नत धार्मिक व्यवस्था एवं स्मारकीय भवन थे।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-30)

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : सरकारिया आयोग

उत्तर : संघ-राज्य संबंधों और उसके मध्य शक्ति विभाजन की समीक्षा करने के उद्देश्य से 1983 में गठित आयोग।

प्रश्न : पूरक प्रश्न

उत्तर : प्रश्नोत्तरकाल में तारांकित प्रश्नों के संदर्भ में पूछे गये अन्य प्रश्न, पूरक प्रश्न कहलाते हैं।

प्रश्न : प्रविलंबन

उत्तर : किसी विशेष परिस्थितिवश अपराधी को दिये गये दंड का पालन करने से रोकने की राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति।

प्रश्न : भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन कैसे होता है?

उत्तर : भारतीय उपराष्ट्रपति का निर्वाचन एकल संक्रमणीय मत द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत् संसद सदस्यों (मनोनीत एवं निर्वाचित) के द्वारा किया जाता है।

प्रश्न : प्रोटेम स्पीकर

उत्तर : प्रत्येक लोकसभा के गठन के पश्चात् और नवीन स्पीकर के चयन के पूर्व सदनीय कार्यवाहियों का संचालक, सामान्यतः वृद्धतम सदस्य।

50 शब्द

प्रश्न : प्रत्यायोजित विधान क्या होता है?

उत्तर : समय/तकनीक विशेषज्ञता के अभाव में तथा अधिकाधिक जटिल प्रक्रिया के कारण विधानमंडल बनाने की अपनी शक्तियाँ किसी अधीनस्थ ऐजेंट को प्रत्यायोजित कर सकता है। विधानमण्डल के अधिकार क्षेत्र में रहकर किसी अधीनस्थ ऐजेंसी द्वारा बनाये नियमों/विनियमों को प्रत्यायोजित विधान कहा जाता है। इसमें केवल अधिकारों का प्रत्यायोजन होता है उत्तरदायित्वों का नहीं।

प्रश्न : राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का क्या महत्व है?

उत्तर : एक कल्याणकारी, समाजवादी राज्य की प्राप्ति के उद्देश्य से राज्य के समक्ष प्रस्तुत गैर बाध्यकारी आदर्श रूप सिद्धान्त। राज्यों का यह कर्त्तव्य है कि वे प्रशासन में तथा विधिनिर्माण के दौरान इस सिद्धान्तों का अनुशरण करें। वस्तुतः अधिकांश नीति निर्देशक सिद्धान्तों का उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है।

प्रश्न : राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग

उत्तर : मानवाधिकारों के संरक्षण एवं मानव कल्याण के उद्देश्य से मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के तहत स्थापित 8 सदस्यीय संस्था जिसमें अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायधीश होते हैं। इसके वर्तमान अध्यक्ष एच.एल. दत्तू हैं। इसी तर्ज पर राज्यों में भी मानवाधिकार आयोगों की स्थापना की गई है।

प्रश्न : लोक लेखा समिति की भूमिका की चर्चा कीजिये।

उत्तर : 22 सदसीय संसदीय समिति (15 लोकसभा, 7 राज्यसभा) की प्रमुख भूमिका -

(i) भारत के नियंत्रण महालेखा परीक्षक द्वारा दिये गये प्रतिवेदनों की जाँच करना।

(ii) भारत सरकार के व्यय के लिये विनियोग दर्शाने वाले लेखाओं की जाँच करना।

(iii) किसी वित्तीय वर्ष में किसी सेवा पर प्रदान की गई राशि से अधिक राशि व्यय होती है तो अतिरिक्त व्यय के लिये विशिष्ट परिस्थितियों की जाँच करना।

प्रश्न : सामाजिक न्याय से अपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : ऐसी सामाजिक व्यवस्था जिसके अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति क्षेत्रीय भागीदारी और आर्थिक विकास के लाभ समानरुप से प्राप्त कर सके, सामाजिक न्याय कहलाता है। इसका उद्देश्य समाज के पिछड़े एवं असहाय वर्ग का चहुँमुखी विकास कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है।

प्रश्न : भारत में क्षेत्रीयवाद के उदय के प्रमुख कारणों की चर्चा कीजिये?

उत्तर : भौगोलिक विविधता के फलस्वरूप रीति-रिवाज, भाषा, परंपरायें, पोशाक, रहन-सहन, खान-पान आदि में असमानता, राजनीतिक स्वार्थ, क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की महत्त्वकांक्षा, आर्थिक विषमता, साम्प्रदायिकता आदि विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भौगोलिक कारकों से भारत में क्षेत्रीयवाद का उदय हुआ है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-31)

आधुनिक विश्व का इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : साम्राज्यवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : किसी देश द्वारा आर्थिक/राजनैतिक सैनिक सत्ता या प्रभाव अन्य देशों/क्षेत्रों पर फैलाने की नीति।

प्रश्न : सर्वहारा वर्ग

उत्तर : आर्थिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा की दृष्टि से निम्नतम वर्ग जिसमे कृषक, औद्योगिक/अकुशल कामगार शामिल हों।

प्रश्न : विश्व व्यापार संगठन

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक विकास हेतु 1995 में स्थापित व्यापारिक संगठन जो नियम/विनियम/समझौतों को लागू करवाता है। मुख्यालय- जेनेवा

प्रश्न : मार्शल योजना क्या है?

उत्तर : द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा वित्तीय सहायता एवं अन्य सुविधाएँ देने की योजना।

प्रश्न : पश्चात्यकरण

उत्तर : पश्चिमी देशों की प्रणालियों को स्वीकारने अथवा उनसे प्रभावित होने की योजना।

प्रश्न : बिस्मार्क की 'रक्त तथा लौह' की नीति

उत्तर : जर्मनी के एकीकरण के लिए बिस्मार्क की युद्ध नीति जिसके अन्तर्गत उसने बलपूर्वक जर्मनी का एकीकरण किया।

50 शब्द

प्रश्न : पुनर्जागरण के कारणों को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : धर्मयुद्ध, सामन्तवाद का पतन, व्यापार-वाणिज्य का यूरोप से बाहर प्रसार, कुस्तुन्तुनिया का पतन, विभिन्न नवीन जलमार्गों एवं स्थानों की खोजें, कागज एवं मुद्रण प्रणाली का अविष्कार, मंगोल साम्राज्य का उदय, शिक्षा एवं साहित्य का विकास आदि व्याकरणों से पुनर्जागरण संभव हुआ।

प्रश्न : फ्रांस की क्रांति में रूसो का योगदान

उत्तर : रूसो ने अपने पुस्तक 'एमिली' "सोशल कॉन्ट्रेक्ट" के माध्यम से मनुष्य की स्वतंत्रता को सर्वोपरि बताया। उनके अनुसार सर्वोपरि सत्ता जनता के हाथ में होनी चाहिए किसी व्यक्ति विशेष/संस्था के हाथ में नहीं राज्य के कानून सामान्य इच्छा की अभिव्यक्ति होने चाहिये। फ्रांसीसी क्रांति का प्रतीक स्वतंत्रता, समानता और बन्धुत्व उन्हीं के विचारों की देने थी।

प्रश्न : वियना कांग्रेस के प्रमुख उद्देश्य क्या थे?

उत्तर : फ्रांसीसी क्रांति के जनतंत्र राष्ट्रवाद के प्रसार को रोकना, नेपोलियन द्वारा परिवतर्तित कर दिये गये यूरोप के मानचित्र को पुनःस्थापित करना युद्ध रोकने के लिए एक व्यवस्थित प्रणाली की स्थापना करना, विजित की गई संपत्ति का विजयी व्यक्तियों में बँटवारा आदि प्रमुख उद्देश्य थे।

प्रश्न : प्रथम विश्व युद्ध के परिणामों की विवेचना कीजिय?

उत्तर : प्रथम विश्वयुद्ध के परिणाम स्वरूप आर्थिक क्षति, युद्ध ऋण में वृद्धि उद्योग धंधों की क्षति, मुद्रा प्रसार, पुरुषों की संख्या में कमी, अन्तर्राष्ट्रीय सामाजिक समानता का विकास, बेरोजगारी एवं महामारी का प्रसार, श्रमिक संगठनों की भूमिका में वृद्धि, अनेक राजतंत्रों का पतन, अधिनायकवाद का विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का गठन हुआ।

प्रश्न : प्रबोधन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : पुनर्जागरण काल में विकसित हुई वैज्ञानिक चेतना, तर्क और अन्वेषण की प्रवृत्ति ने 18 वीं सदी में परिपक्वता प्राप्त कर ली, इसे ही प्रबोधन के नाम से जाना जाता हैं इस काल में भौतिक दुनिया और प्रकृति में होने वाली घटनाओं को किसी व्यवस्थित अपरिवर्तनशील और प्राकृतिक नियम का परिणाम बताया गया।

प्रश्न : इंग्लैण्ड में औद्योगिक क्रांति के कारणों को स्पष्ट कीजिये?

उत्तर : पुनर्जागरण एवं धर्मसुधार, वाणिज्यवाद, जनसंख्या में वृद्धि, राष्ट्रवाद का उदय, कारखाना पद्धति का विकास, अनुकूल राजनीतिक वातावरण, भौगोलिक स्थिति, सुदृढ़ नौ सैनिक शक्ति, प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, कृषि क्रांति, इंग्लैण्ड का औपनिवेशिक विस्तार, पूँजी की उपलब्धता, वैज्ञानिक प्रगति संचार व्यवस्था में परिवर्तन आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-32)

राजस्थान का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : अजरक प्रिंट

उत्तर : दोनों तरफ छपाई वाली बाड़मेरी प्रिन्ट, लाल एवं नीले रंग का सर्वाधिक प्रयोग।

प्रश्न : गजलर

उत्तर : राष्ट्रीय मरु उद्यान में जगह-जगह पानी एकत्रित करने हेतु निर्मित टैंक।

प्रश्न : भतूल्या/भभूल्या

उत्तर : मई-जून महिनों में संवाहनिक धाराओं की उत्पत्ति स्वरूप स्थानीय रूप से उत्पन्न वायु भंवर।

प्रश्न : राज्य में भेड़ों की प्रमुख नस्लों के नाम लिखों?

उत्तर : राज्य में मालपुरी, चोकला, सोनाड़ी, नाली, पूगल, मगरा, मारवाड़ी, जैसलमेरी एवं खेरी नस्ल की भेड़े पाई जाती हैं।

प्रश्न : मरु त्रिकोण

उत्तर : पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थलीय जिलों (जैसलमेर, बीकानेर व जोधपुर) के पर्यटन स्थलों का मरु त्रिकोण के रूप में JBIC (जापान) के आर्थिक सहयोग से विकास किया जा रहा है।

प्रश्न : सगरा-भोजका

उत्तर : इंडो-इजरायल सहयोग से खजूर उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में स्थापित जैसलमेर का एक गाँव।

50 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में संगमरमर उद्योग के केन्द्रों पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर : संगमरमर उत्पादन में राज्य का एकाधिकार है। यहाँ मकराना (नागौर), राजसमंद, भैंसलाना (काला संगमरमर), राजनगर, उदयपुर (हरा संगमरमर), आंधी (जयपुर), आबू रोड, बर्डिया (पाली), दौलतपुर, कायमपुरा (अजमेर), ओण्डा, दादमपीर (अलवर) से संगमरमर निकाला जाता है। राज्य में मकराना, किशनगढ़, राजसमंद बड़ी मंडियों के रूप में विकसित हुये हैं।

प्रश्न : इंदिरा लिफ्ट सिंचाई परियोजना।

उत्तर : सवाई माधोपुर जिले में स्थापित करौली, सवाईमाधोपुर व भरतपुर जिले की परियोजना जिसमें चंबल नदी के पानी को कसेड़ा ग्राम के समीप 120 मीटर ऊँचा उठाकर (लिफ्ट कर) करौली, हिंडौन, टोडाभीम, नादौती, गंगापुर, बामनवास, महुआ तथा बयाना के 370 गांवों की कृषि भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना की कुल सिंचाई क्षमता 1.07 लाख हैक्टेयर है।

प्रश्न : सांभर झील।

उत्तर : जयपुर जिले में स्थित सांभर झील भारत की खारे पानी की सबसे बड़ी झील है। सांभर झील की लंबाई 32 किलोमीटर तथा चौड़ाई 3 से 12 किलोमीटर अपवाह क्षेत्र 500 वर्ग किलोमीटर है। इसमें रूपनगढ़, मेढा (मन्था), खारी और खण्डेला नदियाँ गिरती हैं। मेढां नदी सर्वाधिक नमक कण लाती है। नदियों के साथ लवणीय शैलों से नमक केषाकर्षण पद्धति द्वारा जमता है। यहाँ देश का 8.7 प्रतिशत नमक उत्पादन होता है।

प्रश्न : जल विभाजक रेखा।

उत्तर : उत्तरी भारत की महान भारतीय जल विभाजक रेखा जो नदियों के पानी को बंगाल और अरब सागर में बांटती है। अरावली के समानान्तर सांभर से अजमेर के दक्षिण तक विस्तृत है। आगे उदयपुर शहर से दक्षिण पश्चिम की दिशा में अग्रसर होने से पूर्व देवगढ़ और कुम्भलगढ़ की ओर मुड़ जाता है। यहाँ बनास और माही प्रवाह को विभाजित करता हुआ चित्तौड़गढ़ में छोटी सादड़ी से प्रतापगढ़ की ओर चला जाता है।

प्रश्न : राजस्थान में सीसा-जस्ता उत्पादन क्षेत्र का वर्णन कीजिये।

उत्तर : राजस्थान में भारत का 80 प्रतिशत सीसा तथा 90 प्रतिशत जस्ता उत्पादित करता है। सीसा-जस्ता का मिश्रित रूप गैलेना का मुख्य उत्पादक उदयपुर का जावर क्षेत्र है, जहाँ मोचिया-मगरा, बरोड़ मगरा, जावरमाला की पहाड़ियों से निकाला जाता है। रामपुरा-आगुचा क्षेत्र (भीलवाड़ा), चौथ का बरवाड़ा (सवाई माधोपुर) भी मुख्य उत्पादक क्षेत्र हैं।

प्रश्न : राज्य में 19 वीं पशुगणना के महत्त्वपूर्ण तथ्यों पर चर्चा करें?

उत्तर : राज्य की 19 वीं जनगणना (2012) के अनुसार राज्य में कुल पशुधन 577.32 लाख एवं पशुधनत्व 169 प्रति वर्ग किलोमीटर है। राज्य बकरी, गधा व ऊँट के क्षेत्र में देश के प्रथम, कुल पशुधन में दूसरा स्थान है। गत गणना की तुलना में बकरी, गौवंश, भैंस, सुअर, घोड़े व टट्टू की संख्या में वृद्धि हुई, जबकि भेड़, ऊँट, गधे व खच्चर की संख्या में कमी हुई है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-33)

राजस्थान कला एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : डिंगल

उत्तर : गुर्जरी अपभ्रंश से उदधृत मारवाड़ी बोली का परिष्कृत साहित्यिक रूप; चारणों की बोली।

प्रश्न : वंश भास्कर

उत्तर : बूँदी राज्य के विस्तृत ऐतिहासिक वर्णन, मराठा आक्रमण आदि का वर्णन करता हुआ सूर्यमल्ल मिश्रण द्वारा हाड़ौती में रचित काव्य।

प्रश्न : कांकवाड़ी दुर्ग की विशेषताऐं।

उत्तर : सरिस्का में स्थित यह दुर्ग अपनी अवस्थिति, सुदृढ़ कंगूरेदार प्राचीर एवं गोलाकार बुर्जों के कारण प्रसिद्ध है।

प्रश्न : दयाबाई

उत्तर : चरणदासी सम्प्रदाय की अनुयायी और चरणदासजी की शिष्या जिन्होंने 'विनयमिका' एवं 'दयाबोध' ग्रंथों की रचना की।

प्रश्न : रास

उत्तर : जैन कवियों द्वारा विकसित नृत्य, ज्ञान एवं अभिनय तीनों कलाओं से युक्त साहित्य की एक विधा।

प्रश्न : ओल्यू

उत्तर : दाम्पत्य प्रेम में स्नेह पूर्ण विलाप युक्त लयबंद्ध गीत जिसमें पति के लिए भंवरजी, कंवरजी तथा पत्नी को गोरी, मरवण विशेषण का प्रयोग।

50 शब्द

प्रश्न : राजस्थान राज्य अभिलेखागार

उत्तर : मुगलकाल से वर्तमान तक के राज्य के दीर्घकालीन ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक महत्व के अभिलेखों को व्यवस्थित/संरक्षित करने के उद्देश्य से बीकानेर में स्थापित अभिलेखागार। इसकी शाखायें अन्य सभी संभागों एवं अलवर जिले में भी स्थित हैं। इसके द्वारा राजस्थान स्वतंत्रता आंदोलन की पाण्डुलिपियाँ तैयार की गई हैं।

प्रश्न : मेवाड़ चित्रकला शैली

उत्तर : राजस्थानी चित्रकला शैली का मौलिक स्वरूप जिसके विकास में कुंभा, जगतसिंह, राजसिंह एवं अमरसिंह का विशेष योगदान रहा है। लाल एवं पीले रंग के सर्वाधिक प्रयोग के साथ कदम्ब वृक्ष, हाथी एवं चकोर का चित्रण प्रधान है। कलीला दमना जैसी प्रसिद्ध कृतियाँ इसी शैली में हैं। प्रसिद्ध कलाकार-साहिबदीन, मनोहर, कृपाराम, जीवा आदि हैं।

प्रश्न : कालबेलिया जाति के नृत्य

उत्तर : कालबेलिया जाति की नृत्यांगनायें शरीर में लोच के दक्षतापूर्ण प्रदर्शन के लिये प्रसिद्ध है। इनके प्रमुख नृत्य बागड़िया, शंकरिया, इंडोणी, और पाणिहारी हैं। इसी जाति की प्रसिद्ध नृत्यांगना गुलाबो सपेरा को 2016 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

प्रश्न : निम्बार्क सम्प्रदाय

उत्तर : वेदांत परिजात भाष्य के रचयिता और द्वैताद्वैत मत के समर्थक निम्बाकाचार्य इस सम्प्रदाय के प्रर्वतक हैं। इसका प्रमुख केन्द्र वृन्दावन लेकिन राजस्थान में प्रमुख पीठ सलेमाबाद (अजमेर) एवं अन्यपीठ उदयपुर में स्थित है। इस सम्प्रदाय के आराध्य देव राधा-कृष्ण है।

प्रश्न : राजस्थानी इतिहास में पुरातात्विक सिक्के

उत्तर : पुरातात्विक स्रोत की दृष्टि से सिक्के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। सिक्कों के द्वारा तत्कालीन शासकों का वंशक्रम, शासन व्यवस्था, धार्मिक स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त होती है। मेवाड़ में 7 वीं सदी में पारूथद्रम चाँदी के सिक्के, बीकानेर में गजशाही; जोधपुर में गधिया, विजयशाही; कोटा में गुमानशाही; जैसलमेर में अखैशाही आदि प्रमुख सिक्के प्रचलित थे।

प्रश्न : बागौर सभ्यता

उत्तर : भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के किनारे अवस्थित पुरातात्विक स्थल जहाँ डॉ. वीरेन्द्र नाथ मिश्र के नेतृत्व में हुये उत्खनन से उत्तर पाषाण कालीन उपकरण, भारत में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य एवं कृषि कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। यहाँ से आवास बनाने में पत्थर के साथ ईंटों का प्रयोग एवं मृत शरीर को उत्तर-दक्षिण दिशा में लिटाए जाने के साक्ष्य भी मिले हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-34)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

15 शब्द

प्रश्न : जैव प्राद्योगिक किसे कहते है?

उत्तर : जीवों के आनुवांशिक पदार्थ/सूक्ष्मजीव/पादपों में परिवर्तन कर उन्हें मानव के लिये अधिक उपयोगी बनाने हेतु प्रयुक्त विधि।

प्रश्न : जीवोपचार

उत्तर : किसी जैविक कारक का उपयोग कर पर्यावरणीय समस्याओं यथा प्रदूषित मृदा, धरातलीय जल आदि का निवारण करना।

प्रश्न : वनोन्मूलन के प्रभाव बताइये।

उत्तर : मृदा अपरदन, मरुस्थलीकरण, वर्षा में कमी, जल स्तर में कमी, जैवविविधता में कमी आदि।

प्रश्न : ऑपरेटिंग सिस्टम

उत्तर : कम्प्यूटर के विभिन्न अवयवों के कार्यों को नियंत्रित, प्रबंधित एवं समन्वय स्थापित करने हेतु प्रयुक्त प्रोग्राम।

प्रश्न : जीवोम

उत्तर : विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में एक निश्चित स्पष्ट लक्षणयुक्त पादप एवं जन्तुओं का समूह।

प्रश्न : डायलिसिस

उत्तर : अर्द्ध पारगम्य कला द्वारा द्रव को छानकर शोधित करने की प्रक्रिया। मानव शरीर में रक्त शोधन में प्रयुक्त।

50 शब्द

प्रश्न : चुम्बकीय क्षेत्र रेखाओं के गुणों की व्याख्या कीजिये-

उत्तर : ये रेखाये चुम्बक के उत्तरी ध्रुव से निकलकर दक्षिणी ध्रुव में मिलती हुई बंद वक्र बनाती हैं। ये परस्पर काटती नहीं हैं। ध्रुव के समीप प्रबल चुम्बकीय क्षेत्र के कारण ये रेखा पास-पास होती हैं जबकि ध्रुवों से दूर, दुर्बल क्षेत्र के कारण दूर-दूर होती हैं।

प्रश्न : मनुष्य के जबड़े में उपस्थित दांतों के लक्षण एवं कार्यों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : मनुष्य के जबड़े के अग्र भाग में कृंतक जो चपटे एवं धारदार होते हैं, खाने को काटने का कार्य करते हैं। रदनक जो कृन्तक से सटे हुए नुकीले धारदार होते है, भोजन को फाड़ने का कार्य करते हैं तथा अग्रचवर्णक एवं चवर्णक मोटे दांत होते हैं, जो भोजन को पीसने का कार्य करते हैं।

प्रश्न : यकृत के विभिन्न कार्यों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : वसा के पाचन में प्रयुक्त पित्त रस का स्रवण, आवश्यकता से अधिक शर्करा का ग्लाइकोजन में परिवर्तन, यूरिया का संश्लेषण, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि के लिए उपापचय हेतु एंजाइम का स्रवण, विटामिन का संश्लेषण, आवश्यकता से अधिक अमीनो अम्ल का अमोनिया एवं पाइरूबिक अम्ल में परिवर्तन आदि।

प्रश्न : पलायन वेग

उत्तर : वह न्यूनतम वेग जिससे फेंका गया कोई पिंड पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से बाहर चला जाये अर्थात् पृथ्वी पर पुनः लौटकर ना आये, पलायन वेग कहलाता है। पृथ्वी पर पलायन वेग का मान 11.2 किलोमीटर / सैकेण्ड है।

प्रश्न : मोबाइल में प्रचलित विभिन्न प्रकार के ऑपरेटिंग सिस्टम का वर्णन करें।

उत्तर : ऑपरेटिंग सिस्टम के विभिन्न प्रकार -

एंड्रॉइड- गूगल द्वारा विकसित लाइनक्स आधारित ऑपरेटिंग सिस्टम। नवीनतम संस्करण मॉर्शमैलो।

आइ ओ एस - एप्पल इनकॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित ऑपरेटिंग सिस्टम।

ब्लैक बैरी - ब्लैकबैरी कंपनी द्वारा विकसित सर्वाधिक सुरक्षित ऑपरेटिंग सिस्टम।

विंडोज फोन 8 - माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित द्वितीय पीढ़ी का मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम

प्रश्न : इन्टरनेट से होने वाले लाभ एवं हानियों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : लाभ :- दूरस्थ संपर्क स्थापना, पेपरलेस कार्य, विज्ञापन एवं लेन-देन में सहायक, लगभग हर प्रकार की जानकारी का स्रोत आदि।

हानि :- सर्वाधिक वायरस के लिए उत्तरदायी, गोपनीयता का अभाव, अनैच्छिक/अनुचित सूचना का आंतकवादियों, असामाजिक तत्त्वों द्वारा प्रयोग आदि, साइबर क्राइम।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-35)

भारतीय अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : निर्धनता से आप क्या समझते है?

उत्तर : जीवन, स्वास्थ्य एवं कार्यकुशलता के लिये आवश्यक न्यूनतम उपभोग की प्राप्ति की अयोग्यता।

प्रश्न : आर्थिक नियोजन से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : संसाधनों को ध्यान में रखकर एक निश्चित समय में आर्थिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना।

प्रश्न : मानव पूँजी से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : किसी देश में किसी समय विशेष पर पाये जाने वाले कौशल एवं सुविज्ञता के भण्डार को मानव पूँजी कहते हैं।

प्रश्न : विनिवेश

उत्तर : सरकारी उपक्रमों के शेयरों का निजी निवेशकर्त्ताओं को बेचना, विनिवेश कहलाता है।

प्रश्न : अर्थव्यवस्था के प्रभावशाली शिखरों से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर : सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण उद्योगों को अर्थव्यवस्था के प्रभावशाली शिखर कहते हैं।

प्रश्न : सहकारी कृषि किसे कहते हैं?

उत्तर : सरकारी सहयोग से किसानों द्वारा सामूहिक रूप से कृषि गतिविधियों का संचालन।

प्रश्न : गैर निष्पादित आस्तियाँ

उत्तर : ऋण/ अग्रिम जिसके मूलधन अथवा ब्याज की 90 दिन तक पुनर्प्राप्ति ना हो, गैर निष्पादित आस्तियाँ कहलाती हैं।

50 शब्द

प्रश्न : जी.एस.टी. परिषद्

उत्तर : हाल ही में गठित इस परिषद् के अध्यक्ष केन्द्रीय वित्त मंत्री हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री और राज्यों के वित्त मंत्री इसके सदस्य हैं। इसका कार्य अप्रत्यक्षकर की दर, विवाद निवारण तंत्र एवं अन्य मामलों का निपटान करना होगा।

प्रश्न : भारत में नवीन आर्थिक नीति के मूल तत्वों की विवेचना कीजिये।

उत्तर : 1991 में स्वीकृत नवीन आर्थिक नीति द्वारा उदारीकरण करते हुये निजीकरण एवं वैश्वीकरण को बढ़ावा, आयात प्रतिस्थापन की तुलना में निर्यात प्रोत्साहन में वृद्धि और घरेलू निवेश की तुलना में निवेश का प्रमुख आधार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करना है।

प्रश्न : धारणीय विकास की प्राप्ति हेतु सुझाव दीजिये।

उत्तर : धारणीय विकास की प्राप्ति साधन दक्ष तकनीकि, पर्यावरण मित्र ऊर्जा स्त्रोतों का प्रयोग, संपूर्ण ग्रामीण विकास, जैविक कृषि की ओर स्थानान्तरण, अपशिष्टों का पुनः चक्रण रासायनिक निस्सरण के निपटान हेतु कठोर कानून, अंतः पीढ़ी प्राकृतिक परिसंपत्तियों के संरक्षण के लिये सचेतन, यातायात के सार्वजनिक साधनों का अधिकाधिक प्रयोग आदि के द्वारा संभव है।

प्रश्न : मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने हेतु सामान्य सुझाव प्रस्तुत करें।

उत्तर : मुद्रा की पूर्ति पर रोक, घाटे की वित्त व्यवस्था पर रोक, कृषि उत्पादन में वृद्धि, कृषि आय पर कर, आवश्यक वस्तुओं का उचित मूल्य की दुकानों द्वारा वितरण, जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर नियंत्रण आदि उपायों के माध्यम से मुद्रास्फीति को नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रश्न : भारत में बेरोजगारी के बढ़ते स्तर के कारणों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : मंद आर्थिक विकास, जनसंख्या में तीव्र वृद्धि, मौसम आधारित कृषि पर्याप्त सिंचाई सुविधाओं का अभाव, संयुक्त परिवार प्रणाली, कुटीर एवं लघु उद्योगों का पतन, बचत तथा निवेश में कमी, श्रमिकों की गतिशीलता आदि कारणों से भारत में बेरोजगारी का स्तर बढ़ रहा है।

प्रश्न : भारत में औद्योगिकीरण के लाभ एवं हानियों की विवेचना कीजिये।

उत्तर : औद्योगिकीकरण के फलस्वरूप भारत में औद्योगिक उत्पादन में विशेष वृद्धि, औद्योगिक क्षेत्र का विवर्धीकरण, बड़े पैमाने के उद्योगों की शुरूआत, देश के विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों का विस्तार हुआ। लेकिन इसके साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में घरेलू उद्योगों की विफलता, निर्यात परक अर्थव्यवस्था बनने में असफलता एवं सार्वजनिक क्षेत्र में एकाधिकार ने सामाजिक समस्याओं को जन्म दिया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-36)

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण

15 शब्द

प्रश्न : पारिस्थितिकी तंत्र को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : वह तंत्र, जिसमें वनस्पतियों, जन्तुओं एवं सूक्ष्मजीवों के बीच आपस के संबंध तथा उनके अपने पर्यावरण के बीच के संबंध का अध्ययन किया जाता है।

प्रश्न : ईकोटोन क्या है?

उत्तर : दो या अधिक असमान बायोम के बीच स्थित संक्रमण क्षेत्र या प्रदेश इकोटोन कहलाता है, इसमें जीवों की भारी प्रजातिगत विविधता पाई जाती है।

प्रश्न : पारिस्थितिकीय निकेत क्या है?

उत्तर : जीव-जन्तुओं एवं वनस्पतियों का प्राकृतिक वातावरण या समुदाय में निवास स्थान निकेत कहलाता है।

प्रश्न : जल सुपोषण को समझाइए।

उत्तर : स्थल से पानी द्वारा बहाकर लाए गए पोषकों की मात्रा में बढ़ोत्तरी से जल में होने वाले परिवर्तन को सुपोषण कहते हैं।

प्रश्न : खाद्य-श्रृंखला एवं खाद्य जाल में अंतर को समझाइए।

उत्तर : एक जीव से दूसरे जीव में भोज्य पदार्थों का स्थानान्तरण खाद्य श्रृंखला जबकि विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों की खाद्य शृंखलाएं परस्पर मिलकर खाद्य-जाल बनाती हैं।

50 शब्द

प्रश्न : मैंग्रोव वनस्पति के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : मैंग्रोव वनस्पति की जड़ें काफी गहरी होने के कारण समुद्री आपदा जैसे- सुनामी की स्थिति में तट की रक्षा करती हैं, नदियों से आए प्रदूषकों को स्वच्छ बनाने में मदद करते हैं, यहां प्लेंकटन की बहुलता में प्राप्ति होती है जो कि मछलियों एवं जीवों का मुख्य आहार होते हैं।

प्रश्न : प्रवाल भित्तियों के महत्त्व तथा उनके जीवन संकट पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : जैव विविधता का अजायबघर होने के कारण समुद्र का वर्षा वन कहलाता है। समुद्री जीवों को आवास प्रदान करता है और मछलियां प्रवालों में अपने अण्डे प्रदान करती हैं। ये समुद्री जैव समुदायों को आधार प्रदान करते हैं।
कोरल ब्लीचिंग के कारण प्रवाल भित्तियों के जीवन पर संकट मंडरा रहा है। जिसके लिए मुख्यतः एलनीनो प्रभाव तथा वैश्विक उष्णता जिम्मेदार है।

प्रश्न : सहोपकारिता को उदाहरण सहित समझाइये।

उत्तर : इसमें दोनों जातियों को लाभ होता है तथा वे एक-दूसरे के बिना जी नहीं सकते, जैसे-जीवाणु कार्बोहाइड्रेट तथा अन्य पोषक पदार्थ पौधों से प्राप्त करते हैं, बदले में पौधे जीवाणुओं द्वारा संचित किए गए नाइट्रोजन का अपनी वृद्धि के लिए उपयोग करते हैं।

प्रश्न : बायोम को परिभाषित करते हुए, इसके प्रकार बताइये।

उत्तर : पौधों तथा जीव-जन्तुओं के अर्न्तसंबंधों से विकसित जैविक प्रदेश को बायोम कहते हैं। इसके निम्नानुसार विभिन्न प्रकार हैं-

(i) सदाबहार वनस्पति बायोम
(ii) पर्णपाती वन बायोम
(iii) घास भूमि बायोम
(iv) मरूस्थलीय बायोम
(v) टुंड्रा बायोम
(vi) सागरीय बायोम

प्रश्न : आर्द्रभूमि के संबंध में रामसर मानकों के बारे में बताइये।

उत्तर : आर्द्रभूमि संरक्षण के लिए 2 फरवरी 1971 में ईरान में रामसर संधि की गई, जिसमें आर्द्रभूमि को परिभाषित किया गया और रामसर मानक तय किये गये, जो इस प्रकार हैं-

(i) दलदली क्षेत्र, जल भण्डारण वाले क्षेत्र, पीटभूमि क्षेत्र, प्राकृतिक एवं कृत्रिम, ताजे एवं खारे पानी वाले ऐसे क्षेत्र जो स्थाई रूप से अथवा समय-समय पर अस्थाई रूप से जल में डूबे हैं।
(ii) इसमें 6 मीटर की गहराई वाले समुद्री क्षेत्र को भी सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न : लाल सूची के बारे में बताइये।

उत्तर : विश्व प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) द्वारा लाल सूची तैयार की जाती है। इसमें उन जातियों (वनस्पति और जीव-जन्तु) को शामिल किया जाता है, जो विलुप्ति के कगार पर हैं। इसके निम्न उद्देश्य हैं-

(i) संकटापन्न जातियों की पहचान कर सूची में शामिल करना।
(ii) जैवविविधता के संदर्भ में जागरूकता पैदा करना।
(iii) स्थानीय स्तर पर संरक्षण की प्राथमिकताएँ तय करना तथा संरक्षण कार्यों के संदर्भ में निर्देश देना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-37)

इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : गैगिंग एक्ट

उत्तर : 1878 में लॉर्ड लिटन द्वारा पारित वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट का उपनाम। इसके द्वारा भारतीय प्रेस पर प्रतिबंध लगाये गये।

प्रश्न : नारायण गुरु

उत्तर : केरल के 12वीं शताब्दी के महान संत, दार्शनिक एवं समाज सुधारक जिन्होंने छूआछूत एवं असमानता को मिटाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

प्रश्न : चंपारण सत्याग्रह

उत्तर : चंपारण (बिहार) में तिनकठिया पद्धति के विरोध में 1917 में गांधीजी द्वारा किया गया प्रथम सफल सत्याग्रह।

प्रश्न : सारनाथ स्तम्भ

उत्तर : मौर्य शासक अशोक द्वारा निर्मित सिंहों की आकृति वाला एकाश्म स्तम्भ जो कालान्तर में भारतीय चिन्ह बना।

प्रश्न : कुमार संभव

उत्तर : कालिदास द्वारा रचित 17 सर्गों में विभाजित महाकाव्य, कार्तिकेय की जन्म कथा पर आधारित गुप्तकाल की महत्त्वपूर्ण कृति।

प्रश्न : मोपला विद्रोह

उत्तर : 19वीं शताब्दी में मालावार के तटीय क्षेत्रों में मोपला कृषकों द्वारा चलाया गया आंदोलन।

प्रश्न : गांधार कला

उत्तर : प्रथम-द्वितीय शताब्दी में विकसित मूर्तिकला की इंडो-ग्रीक शैली बुद्ध की प्रतिमाओं के लिए प्रसिद्ध।

प्रश्न : डिवाइन कॉमेडी

उत्तर : इटालवी भाषा में रचित दांते के प्रसिद्ध कृति जिसमें आत्मा का नरक से स्वर्ग की ओर यात्रा का वर्णन है।

प्रश्न : फसौदा संकट

उत्तर : 1898 में पूर्वी अफ्रीका में ब्रिटेन और फ्रांस के मध्य नील नदी क्षेत्र को लेकर घटित शाही क्षेत्र विवाद।

50 शब्द

प्रश्न : महाराणा कुंभा कालीन स्थापत्य कला का वर्णन कीजिये।

उत्तर : इस काल में मंडन, जैता, नाथा जैसे प्रसिद्ध वास्तुविदों के द्वारा मंदिर स्थापत्य की नागर शैली, विशाल परकोटे, दुर्गों में सामरिक आवश्यकताओं एवं सुरक्षा संबंधी तत्व आदि का समावेश किया गया है। जैसे :- कुंभलगढ़ का किला, अचलगढ़ का किला, कुंभश्याम मंदिर, विजय स्तम्भ, कीर्ति स्तम्भ, प्रशस्ति आदि। इसी काल में लगभग 80 किलों के निर्माण की जानकारी मिलती है। जिस कारण इसे स्थापत्य कला का स्वर्णकाल कहते हैं।

प्रश्न : तुर्रा - कलंगी

उत्तर : मेवाड़ के शाह अली और तुकनगीर नामक दो संत पीरों ने इसकी रचना की। जिसमें तुर्रा एवं कलंगी क्रमशः महादेव और पार्वती का प्रतीक माना जाता है। इसमें शिव-शक्ति के विचारों को लोक जीवन तक पहुंचाने के लिये काव्य रचनाओं का निर्माण किया जाता है। वर्तमान में इसका प्रमुख केंद्र घोसूण्डी, चित्तौड़, निम्बाहेड़ा आदि क्षेत्र एवं प्रमुख कलाकार चेतराम, हमीर बेग, ओंकार सिंह आदि हैं।

प्रश्न : स्वतंत्रता पूर्व भारत में भारत शासन अधिनियम और भारत परिषद अधिनियम में अंतर स्पष्ट करते हुए अधिनियमों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : भारत परिषद अधिनियम के माध्यम से परिषद की आंतरिक स्थिति, प्रतिनिधित्व, प्राधिकार, क्षेत्राधिकार आदि के संबंध में ब्रिटिश संसद द्वारा प्रावधान किये जाते थे जबकि भारत शासन अधिनियम के माध्यम से संपूर्ण शासन व्यवस्था (ब्रिटिश राज्य क्षेत्र) रियासतों से संबंधित प्रावधान, विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका से संबंधित प्रावधान, संघ-राज्य आदि प्रावधान किये जाते थे। प्रमुख भारत परिषद अधिनियम - 1861, 1892, 1909 एवं प्रमुख भारत शासन अधिनियम - 1858, 1919, 1935, 1947 थे।

प्रश्न : संगम साहित्य पर टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : पाण्ड्य राजाओं के संरक्षण में आयोजित तीन संगमों में रचित साहित्य जो दक्षिण भारत के प्रारंभिक सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास जानने का एकमात्र साधन है। इनका रचनाकाल प्रथम शताब्दी ईस्वी से तीसरी शताब्दी तक है। प्रमुख रचनायें :- इलांगों आदिगल की शिल्पादिकरम्, सीतलैसतनार की मणिमेखलेई, तिरुत्तक्केश्वर की जीवक चित्तामणि, तिरुवल्लुवर की कुरल आदि हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-38)

जीव विज्ञान

15. शब्द

प्रश्न : स्वपारिस्थितिकी को परिभाषित करें?

उत्तर : किसी एक प्राणी या किसी एक जाति के प्राणियों के विकास क्रम पर वातावरण के प्रभाव का अध्ययन स्वपारिस्थितिकी कहलाता है।

प्रश्न : पारिस्थितिक तंत्र के विभिन्न घटक बताइए-

उत्तर : पारिस्थितिक तंत्र के दो घटक होते हैं :-

अजैविक घटक :- ताप, प्रकाश, वायु, वायुमण्डलीय आर्द्रता, मृदीय कारक, स्थलाकृतिक कारक एवं खाद्य पदार्थों की उपलब्धता।

जैविक घटक :- उत्पादक, उपभोक्ता।

प्रश्न : सहोपकारिता क्या होती है।

उत्तर : एक प्रकार का पारिस्थितिक संबंध जिसमें दोनों सहभागी को समान रूप से लाभ एवं सहयोग प्राप्त होता है। जैसे- लाइकेन में शैवाल व कवक का संबंध।

प्रश्न : जैव विविधता के प्रकार बताइये।

उत्तर : अल्फा विविधता :- विभिन्न स्थानों की जैव विविधता का मापन

बीटा विविधता :- विभिन्न परितंत्रों की जैव विविधता का तुलनात्मक मापन

गामा विविधता :- विभिन्न धरातलीय भागों में प्रजाति की विभिन्नताओं का मापन।

प्रश्न : कैंसर का इलाज किन तकनीकों से किया जाता है।

उत्तर : किमोथैरेपी, सर्जरी, रेडियोथैरेपी व इम्यूनोथैरेपी इत्यादि से कैंसर का उपचार संभव है।

प्रश्न : डेंगू बुखार के लक्षण बताइये।

उत्तर : तेज बुखार, चेहरे व हाथ पर लाल चकते, आंखों में दर्द, कमजोरी, हड्डियों व जोड़ों में दर्द, खांसी इत्यादि।

प्रश्न : मेण्डलवाद के अपवाद के उदाहरण बताइये।

उत्तर : अपूर्ण प्रभाविता, सह-प्रभाविता व विभिन्न युग्म विकल्पी मेण्डलवाद के अपवाद हैं।

प्रश्न : विसंयोजन का नियम

उत्तर : अलील आपस में सम्मिश्र न होकर दूसरी पीढ़ी (F_2) में फिर से स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त हो जाते हैं।

50 शब्द

प्रश्न : स्वप्रतिरक्षा समझाइये।

उत्तर : जब शरीर अपने व बाहरी अणुओं में अंतर नहीं कर पाता है तथा प्रतिरक्षी तंत्र अपने ही अणुओं को नष्ट करने लगता है। इससे कई प्रकार प्रतिरक्षी रोग हो जाते है। जैसे-रिह्यूमेटॉइड गठियाँ, एडिसन रोग, हाशिमोटो रोग इत्यादि।

प्रश्न : जीन चिकित्सा क्या होती है।

उत्तर : जैव-प्रौद्योगिकी की एक तकनीक जिसके द्वारा किसी जीन में पाए जाने वाले दोषित जीन को उसके स्थान से हटाकर उस स्थान पर स्वस्थ जीन को लगाना। जीन चिकित्सा दो प्रकार की होती है- कार्यिक जीन चिकित्सा एवं आनुवंशिक जीन चिकित्सा।

प्रश्न : वाहक अणु क्या होते है? इसकी क्या विशेषताएं हैं?

उत्तर : वाहक वे DNA अणु है, जो बाह्य DNA के खंड की अपने अंदर प्रतिलिपी बनाते है। जैसे- प्लाज्मिडस, वैक्टीरियोफेज वाहक अणु में निम्न गुण होने आवश्यक हैं-

(i) यह माप में 10 kb से छोटा होना चाहिए।

(ii) इसमें वांछित जीन को अपने में निवेशित करने की क्षमता होनी चाहिए।

(iii) इसमें पोषक कोशिका को टिके रहने तथा स्वतंत्र द्विगुणन की क्षमता होनी चाहिए।

प्रश्न : वनोन्मूलन के कारण व उसके प्रभाव बताइए।

उत्तर : कारण -

(i) जंगल के पादपों का जानवरों के भोजन हेतु अत्यधिक प्रयोग

(ii) व्यावसायीकरण

(iii) लकड़ी का ईंधन के रूप में प्रयोग

(iv) कृषि व्यवसाय

(v) कृषि भूमिहीन कृषकों को जमीन देना।

प्रभाव

- मृदा अपरदन
- मरूस्थलीकरण
- वर्षा में कमी
- जल स्तर में कमी
- जैव विविधता में कमी

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-39)

जिला प्रशासन

15 शब्द

प्रश्न : जिला प्रशासन का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर : निर्धारित भौगोलिक क्षेत्र (जिला) में लोक कार्यों का प्रबंध ही जिला प्रशासन कहलाता है।

प्रश्न : उपखंड अधिकारी के मुख्य कार्य क्या हैं?

उत्तर : उपखंड अधिकारी मुख्यतः RME कार्य करता है-

R – Revenue (राजस्व)

M – Magistrate (उपखण्ड दण्डनायक)

E – Executive officer (कार्यपालक अधिकारी)

प्रश्न : राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य की सेवा अवधि, नियुक्ति एवं हटाने की शक्ति किसमें निहित है?

उत्तर : अवधि :- 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु जो भी पहले हो।

नियुक्ति :- राज्यपाल द्वारा

पद विमुक्त :- राष्ट्रपति द्वारा

प्रश्न : मंत्री मंडल क्या है?

उत्तर : मंत्रिपरिषद् के कैबिनेट स्तर के मंत्री जिनके पास महत्त्वपूर्ण मंत्रालय होते हैं।

प्रश्न : राज्यपाल की विभिन्न भूमिकाओं का वर्णन करे।

उत्तर : राज्य प्रशासन में राज्यपाल निम्न भूमिकाएं निभाता है-

(i) संवैधानिक अध्यक्ष के रूप में

(ii) केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में

(iii) वास्तविक कार्यपालक के रूप में

(iv) विवादित परिस्थितियों में

प्रश्न : राजस्थान में जन अभियोग निराकरण की व्यवस्था बताइए।

उत्तर :
- जन अभियोग निराकरण प्रकोष्ठ।
- जिला जन अभियोग निराकरण समितियां।
- राज्य अन्वेषण ब्यूरो
- लोकायुक्त

प्रश्न : राज्य मानवाधिकार आयोग में शिकायत किस भाषा में की जा सकती है?

उत्तर : हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा में।

प्रश्न : मंत्रिमण्डल सचिवालय

उत्तर : मंत्रिमण्डल सचिवालय समग्र सचिवालय व्यवस्था का एक भाग है, जो मंत्रिमण्डल से संबंधित कार्य करता है।

50 शब्द

प्रश्न : अनुच्छेद-167

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद-167 में मुख्यमंत्री के कार्य स्पष्ट किय गए है जो इस प्रकार हैं-

(i) राज्य प्रशासन तथा विधान के प्रस्तावों से संबंधित जो निर्णय मंत्रिपरिषद् द्वारा लिए गए हैं, कि सूचना राज्यपाल तक पहुँचाना।

(ii) राज्य प्रशासन तथा विधान विषयक प्रस्तावों के क्रम में जो भी जानकारी राज्यपाल द्वारा माँगी जाए, उसे राज्यपाल तक पहुँचाना।

(iii) किसी ऐसे विषय पर राज्यपाल के निर्देशों पर मंत्रीपरिषद् में विचार करवाना, जिस विषय पर एक मंत्री ने निर्णय ले लिया हो, किन्तु मंत्रिपरिषद् ने सामूहिक निर्णय न किया हो।

प्रश्न : सचिवालय के विभिन्न कार्य बताइये -

उत्तर : (i) नीति एवं योजना निर्माण

(ii) कानून एवं नियम निर्माण

(iii) प्रशासनिक कार्यों का संचालन एवं नेतृत्व।

(iv) कार्मिकों की व्यवस्था करना।

(v) समन्वय करना।

(vi) बजट निर्माण, सभा निष्पादन

(vii) जन संपर्क एवं जनशिकायत निवारण

(viii) नियंत्रण एवं मूल्यांकन करना

(ix) तथ्य एकत्रण एवं प्रतिवेदन तैयार करना।

प्रश्न : पुलिस आयुक्त प्रणाली से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : पुलिस आयुक्त प्रणाली से तात्पर्य उस पुलिस व्यवस्था से है जिसमें संबंधित शहर की पुलिस व्यवस्था परंपरागत पुलिस अधीक्षक के बजाय पुलिस आयुक्त को सौंप दी जाती है। पुलिस आयुक्त के पास जिला दंडनायक वाली मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ होती है। राज्य में जयपुर व जोधपुर में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू है।

प्रश्न : विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त करने हेतु योग्यता बताइए।

उत्तर : गाडगिल फार्मूले के अन्तर्गत उन राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाता है, जो-

(i) पर्वतीय क्षेत्र हो या भौगोलिक स्थिति दुर्गम हों,

(ii) सामाजिक महत्व हो या सीमा समस्याएं विकट हो,

(iii) जनसंख्या की विविधता तथा विषमता हो

(iv) विकास की स्थिति चिंतनीय हो

इन राज्यों को केन्द्र सरकार द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता 10:90 के रूप में होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-40)

राजस्थान कला एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : ढेपाड़ा

उत्तर : भील पुरुषों द्वारा पहने जाने वाली परम्परागत तंग धोती ढेपाड़ा कहलाती है।

प्रश्न : गीदड़

उत्तर : शेखावाटी क्षेत्र में होली के अवसर पर नगाड़ा बजाते हुए किया जाने वाला पुरुष प्रधान नृत्य।

प्रश्न : सूंवटिया

उत्तर : भील स्त्रियों द्वारा परदेश गये पति को गीत के माध्यम से संदेश भेजने वाला मेवाड़ का प्रसिद्ध विरह गीत।

प्रश्न : विगत

उत्तर : राजस्थानी साहित्य में राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं ध ार्मिक घटनाओं के वर्णन से संबंधित रचना। जैसे- मारवाड़ रा परगना री विगत।

प्रश्न : मेवाती

उत्तर : अलवर, भरतपुर क्षेत्र में बोली जाने वाली ब्रज भाषा से प्रभावित बोली जो हिन्दी और राजस्थानी के मध्य सेतु का कार्य करती है।

प्रश्न : बोलवा

उत्तर : जंगल में मार्गदर्शक के रूप में कार्य करने वाले भील को बोलवा कहा जाता है।

प्रश्न : पाती माँगना

उत्तर : कंजर के द्वारा कोई कार्य करने से पूर्व अपने इष्टदेव से आर्शीवाद माँगना।

प्रश्न : सामाजिक आधार पर गरासियों के विभाजन का वर्णन कीजिये-

उत्तर : (i) मोटी नियात - उच्च वर्ग/बाबोर हाइया
(ii) नेनकी नियात - मध्यम वर्ग /माड़ेरिया
(iii) निचली नियात - निम्न वर्ग के गरासिया

50 शब्द

प्रश्न : राजस्थान संगीत नाटक अकादमी

उत्तर : राजस्थान में नृत्य संगीत एवं सांस्कृतिक एकता को बढ़ाने के उद्देश्य से 1957 में जोधपुर में स्थापित अकादमी जिसके द्वारा असहाय एवं आर्थिक रूप से कमजोर कलाकारों की सहायता हेतु 'कलाकार कल्याण कोष' की स्थापना एवं 2003-04 से वृद्ध कलाकारों को 'कला पुरोधा सम्मान' से सम्मानित किया जा रहा है।

प्रश्न : राजस्थानी चित्रकला की अलवर शैली

उत्तर : राजा प्रताप सिंह के काल में प्रारंभ जयपुर शैली की उप शैली, जिसमें भित्ती चित्रण की प्रधानता रही है। राजा विनय सिंह में काल को स्वर्णकाल कहा जाता है। पाश्चात्य संस्कृति का अत्यधिक प्रभाव रहा। इस कला के चित्र-वेश्याओं के चित्र, योगासन, गणिकाओं के चित्र आदि एवं प्रमुख कलाकार- डालचंद, सालिगराम, जमनादास, छोटेलाल आदि हैं।

प्रश्न : रामदेव जी

उत्तर : भाद्रपद शुल्क द्वितीया को रुणेचा (बाड़मेर) में जन्मे तंवरवंशीय राजपूत जो बाल्यकाल में ही भैरव राक्षस का वध करने के कारण देवतुल्य कहलाये। साम्प्रदायिक समरसता के प्रतीक रामदेव जी का मेला रामदेवरा, पोकरण (जैसलमेर) में प्रतिवर्ष लगता है। इन्हें हिन्दू कृष्णावतार और मुस्लिम रामसापीर के रूप में पूजते हैं।

प्रश्न : राजस्थान में दुर्ग के प्रकारों को बताइए।

उत्तर : गढ़ों और दुर्गों के प्रदेश में दुर्ग निर्माण परम्परा प्राचीनकाल से है। राजस्थान के दुर्गों में गिरी-दुर्ग चित्तौड़गढ़, कुम्भलगढ़, मेहरानगढ़, रणथंभौर तारागढ़, सुवर्ण गिरी अचलगढ़ आदि। पारिखे दुर्ग-लोहागढ़, कुम्भलगढ़। जल-औदक दुर्ग- गागरोन, भैंसरोड़गढ़। धान्वन दुर्ग-सोनार गढ़, भटनेर। मैदानी दुर्ग-जूनागढ़। वनदुर्ग, सैन्य दुर्ग, सहायक दुर्ग एवं एरन दुर्ग भी शामिल हैं।

प्रश्न : कोलवी की बौद्ध गुफाएं।

उत्तर : झालावाड़ की डग पं.स. में कई स्थानों पर पत्थर के विशाल खण्डों को काटकर बनाई गुफाएँ, स्तूप। क्यासरा, गाँव से 5 कि.मी. उत्तर-पश्चिमी में पहाड़ी पर 35 कोलवी गुफाएँ है। आवट गाँव के पूर्व में गुफाएँ है। पगारिया ग्राम के दक्षिण में हाथियागौड पहाड़ी पर 5 तथा गुनाई ग्राम के पास चार बौद्ध गुफाएँ है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-41)

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

15 शब्द

प्रश्न : विदेशी नीति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : कूटनीति के माध्यम से राष्ट्र हितों की रक्षा, आंतरिक व बाह्य सुरक्षा एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित करना।

प्रश्न : उत्तर अंटलांटिक संधि संगठन (NATO)

उत्तर : सोवियत संघ के खिलाफ 1949 में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाड़ा एवं पश्चिमी यूरोपीय देशों के मध्य की गई एक सैन्य संधि।

प्रश्न : ग्लासनोस्त

उत्तर : सोवियत संघ के नेता मिखाइल गोर्बाचोव द्वारा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने हेतु 1980 में अपनाई गई 'खुलेपन' की नीति।

प्रश्न : परिरोधन नीति

उत्तर : किसी शत्रु देश को अथवा उसके प्रभाव के विस्तार को रोकने की नीति अथवा कार्यवाही।

प्रश्न : प्रत्यर्पण

उत्तर : एक देश/सरकार द्वारा उसके अपराधी को न्यायिक जाँच एवं दण्ड के लिये अन्य देश/सरकार को सौंप देना।

प्रश्न : एजेंट ऑरेंज

उत्तर : अमेरिका द्वारा वियतनाम युद्ध के दौरान दुश्मन देश के वन क्षेत्र को नष्ट करने हेतु प्रयोग में लाया गया रासायनिक पदार्थ।

प्रश्न : नृजातीयवाद से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : स्वयं के समूह, संस्कृति एवं राष्ट्र को अन्य की तुलना में उच्च मानने की प्रवृत्ति नृजातीयवाद कहलाती है।

प्रश्न : पिगोवियन कर क्या है

उत्तर : वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ाने वाले ऊर्जा स्त्रोतों पर लगने वाला कार्बन कर।

50 शब्द

प्रश्न : भारत की 'पूर्व की ओर देखो नीति' की विवेचना कीजिये।

उत्तर : सर्वप्रथम 1992 में तत्कालीन प्रधानमंत्री (पी.वी. नरसिंह राव) द्वारा दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की नीति। यह नीति उभरती हुई अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भारत के स्थान के प्रति एक रणनीतिक बदलाव प्रस्तुत करती है। वर्तमान सरकार द्वारा इसे प्रतिस्थापित कर 'एक्ट ईस्ट' पॉलिसी अपनाई गई है।

प्रश्न : बिम्सटेक

उत्तर : बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टर टेक्निकल एण्ड इकोनॉमिक को-ऑपरेशन जो बंगाल की खाड़ी के सात तटवर्ती देशों यथा भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैण्ड, नेपाल एवं भूटान का संगठन है। इसका उद्देश्य पारस्परिक हितों की पूर्ति हेतु बेहतर आर्थिक सहयोग स्थापित करना है।

प्रश्न : हिन्द महासागर में समुद्री डकैती का मुकाबला करने के लिये भारत सरकार द्वारा किये गये उपायों की विवचेना कीजिये।

उत्तर : समुद्री पोतों के अपहरण वाले क्षेत्रों में नौ सैनिक युद्ध के पोतों की तैनाती, समुद्री डकैतों के खिलाफ एक सख्त चोरी विरोधी फ्रेमवर्क का निर्माण, सागर कंवेंशन नियम में फेर-बदल कर वर्तमान परिस्थितियों के तहत प्रासंगिक बनाने की मांग एवं गैरसदस्य देशों को भी कंवेशंन के तहत् जोड़ने की मांग आदि।

प्रश्न : भारत में आतंकवाद से निपटने के लिये उपयुक्त सुझाव दीजिये।

उत्तर : युवाओं को शिक्षण, प्रशिक्षण व स्थायी रोजगार देकर, सीमा क्षेत्रों में घुसपैठ, अवैध व्यापार आदि को रोकने के लिये बाड़ बंदी तथा तकनीकी के माध्यम से गहन निगरानी तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। राज्यों की पुलिस का आपस में तथा केन्द्र के साथ परस्पर समन्वय और खुफिया तंत्र की मजबूती एवं आधुनिकीकरण आवश्यक है।

प्रश्न : दक्षिणी चीन सागर विवाद क्या है।

उत्तर : फिलिपींस का दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और गैर मान्यता प्राप्त दावेदार ताईवान के साथ समुद्र तटवर्ती विवाद है तथा फिलिपींस ने जनवरी 2013 में सागर कानून से संबंधित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में अपने 15 सूत्रीय प्रतिवेदन (चीन के खिलाफ विवाद) पर मध्यस्थता करने के लिए इस मामले को आगे बढ़ाया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-42)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : सागरीय तापीय ऊर्जा क्या है?

उत्तर : सागर की सतह के जल तथा गहराई के जल के ताप में अंतर के कारण उत्पन्न ऊर्जा को सागरीय ताप ऊर्जा कहते है।

प्रश्न : विशिष्ट ऊष्मा किसे कहते हैं?

उत्तर : किसी पदार्थ के एकांक द्रव्यमान का ताप 1^0C बढ़ाने के लिए आवश्यक ऊष्मा की मात्रा को पदार्थ की विशिष्ट ऊष्मा कहते हैं।

प्रश्न : विद्युत विभव किसे कहते हैं?

उत्तर : एकांक आवेश को अनन्त से विद्युत क्षेत्र के एक बिन्दु तक लाने में किय गया कार्य विद्युत विभव कहलाता है। इसका मात्रक वोल्ट (V) होता है।

प्रश्न : विद्युत सामर्थ्य क्या है?

उत्तर : विद्युत क्षेत्र में एकांक समयावधि के लिए किए गए कार्य को विद्युत सामर्थ्य कहते हैं। इसका SI मात्रक वॉट (W) होता है।

प्रश्न : अर्द्ध आयु को समझाइए?

उत्तर : किसी रेडियोएक्टिव पदार्थ की आधी मात्रा विघटित होने में लगने वाला समय पदार्थ की अर्द्ध आयु होती है। जैसे - यूरेनियम-263 की अर्द्ध आयु 4.51×10^9 वर्ष होती है।

प्रश्न : द्रव्यमान क्षति क्या होती है?

उत्तर : नाभिक में उपस्थित न्यूट्रॉनों एवं प्रोटॉनों के द्रव्यमानों का योग नाभिक के वास्तविक द्रव्यमान से अधिक होता है। इस द्रव्यमान के अंतर को द्रव्यमान क्षति कहते हैं।

प्रश्न : लोलक घड़ी को मैदान से पहाड़ पर ले जाने पर धीमी क्यों हो जाती है?

उत्तर : ऊंचाई बढ़ने से गुरुत्वीय त्वरण (g) के मान में कमी होती है, जिससे लोलक घड़ी के पेण्डुलम का आवर्तकाल बढ़ जाता है और घड़ी धीमी हो जाती है।

50 शब्द

प्रश्न : गति क्या है? गति के विभिन्न प्रकारों पर टिप्पणी करें।

उत्तर : यदि वस्तु की स्थिति में समय के साथ परिवर्तन हो रहा है, तो वस्तु गति अवस्था में कहलाती है। गति तीन प्रकार की होती है।

(i) सरल रेखीय व स्थानान्तरीय गति।
(ii) वृत्तीय व घूर्णन गति।
(iii) दोलनीय व कंपनिक गति।

प्रश्न : रेत पर चलना कठिन क्यों होता है?

उत्तर : रेत पर चलना कठिन होता है क्योंकि जब पैरों द्वारा रेत पर बल लगाया जाता है, तो रेत पीछे की ओर विस्थापित हो जाती है, जिससे वह प्रतिक्रिया स्वरूप उतना बल प्रदान नहीं कर पाती है। यह न्यूटन का गति विषयक तृतीय नियम का अनुसरण करता है।

प्रश्न : पहाड़ गर्मियों में भी ठंडे क्यों रहते हैं?

उत्तर : इसका कारण पहाड़ों की सतह का समतल न होना तथा अधिकतर भाग छाया से ढके रहना है। दूसरा, पहाड़ों पर सूर्य की किरणें सीधी न पड़कर तिरछी पड़ती हैं। इस कारण वे अधिक क्षेत्रफल पर फैल जाती हैं। इस प्रकार समतल की अपेक्षा पहाड़ के प्रति एकांक क्षेत्रफल पर कम ऊष्मीय ऊर्जा आपतित होती है। अतः पहाड़ गर्मियों में भी ठंडे रहते हैं।

प्रश्न : SONAR (सोनार) क्या है?

उत्तर : सोनार शब्द साउण्ड नेवीगेशन एंड रेंजिंग से बना है। सोनार एक ऐसी युक्ति है, जिसमें जल में स्थित पिण्डों की दूरी, जल के अन्दर मछलियों के समुदाय, शत्रुओं की पनडुब्बी आदि का पता लगाने में पराश्रव्य तरंगों का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न : डॉप्लर प्रभाव के उपयोग बताइए?

उत्तर : (i) गतिमान पिण्डों (हवाई जहाज, पनडुब्बी आदि) राडार, सोनार आदि की चाल ज्ञात करने में।
(ii) तारों एवं गैलेक्सी की चाल ज्ञात करने में।
(iii) सूर्य की घूर्णन चाल ज्ञात करने में।
(iv) चिकित्सा विज्ञान में - सोनोग्राफी, इकोकॉर्डियोग्राम आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक -43)

विधि

15 शब्द

प्रश्न : भारत में बालश्रम से संबंधित गठित आयोग

उत्तर : रॉयल कमीशन ऑफ लेबर, श्रम जांच समिति, राष्ट्रीय श्रम आयोग, बालश्रम पर गुरूपद श्रम आयोग बालश्रम पर शांता मेहता समिति।

प्रश्न : बच्चों से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : संविधान का अनुच्छेद-21क, संविधान का अनुच्छेद-24, संविधान का अनुच्छेद-39(च), संविधान का अनुच्छेद-45.

प्रश्न : कॉपीराइट से संबंधित लाभार्थियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : कलाकार (एक्टर, संगीत, निर्देशक, म्यूजिशियन), फोनोग्राम के उत्पादक (साउंड रिकार्डिंग), ब्राडकास्टिंग संस्थायें (रेडियो एवं टेलीविजन)

प्रश्न : लैंगिक दुरूपयोग

उत्तर : लैंगिक प्रकृति का ऐसा कोई आचरण जो महिला की गरिमा का दुरूपयोग करता है, अपमानित करता है, तिरस्कृत (डिग्रेड) करता है, या उल्लंघन करता है।

प्रश्न : प्रमुख बालश्रम निरोधक अधिनियम

उत्तर : कारखाना अधिनियम -1948, खान एक्ट-1952, बागान श्रम एक्ट-1951, अनुबंधित श्रमिक (विनियमितीकरण और उन्मूलन) अधिनियम-1975 तथा बाल श्रमिक (निवारण एवं नियमितीकरण) अधिनियम-1986

प्रश्न : लैंगिक उत्पीड़न में कौन से व्यवहार आते हैं?

उत्तर : शारीरिक संपर्क और फायदा उठाना, लैंगिक पक्षपात की मांग या अनुरोध करना, लैंगिक अर्थ वाली टिप्पणियां करना, अश्लील साहित्य दिखाना, लैंगिक प्रकृति का कोई अन्य निंदनीय शारीरिक, शाब्दिक या गैर-शाब्दिक आचरण करना।

प्रश्न : बच्चों के संरक्षण से संबंधित विशेष कानूनी उपबंध।

उत्तर : भारतीय दंड संहिता धारा-82, दंड प्रक्रिया संहिता धारा-125, संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम, शिशु अधिनियम-1961 (यथा-संशोधित-1978), किशोर न्याय अधिनियम-2000 एवं लैंगिक अपराधों से बालकों संरक्षण अधिनियम-2012.

प्रश्न : बौद्धिक संपदा अधिकार

उत्तर : बौद्धिक संपदा से आशय है मस्तिष्क का सृजन जिसमें शामिल है अन्वेषण, साहित्यिक व कलात्मक कार्य तथा प्रतीक, नाम, चित्र व वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए प्रयुक्त डिजाइन। बौद्धिक संपदा दो वर्गों में विभाजित है:- पहला औद्योगिक संपदा जिसमें अन्वेषण (पेटेंट), ट्रेडमार्क औद्योगिक डिजाइन व संसाधनों का भौगोलिक संकेतक शामिल हैं और दूसरा कॉपीराइट जिसमें उपन्यास, फिल्म, संगीत, ड्राइंग, पेंटिंग, फोटोग्राफ व वास्तुकला जैसे कलात्मक कार्य तथा वास्तुशास्त्रीय डिजाइन शामिल है।

प्रश्न : विशाखा मुकदमा

उत्तर : राजस्थान की समाज सेविका भंवरी देवी ने 1994 में एक बाल विवाह का विरोध किया था। इसके कारण 1997 में भंवरी देवी का सामूहिक बलात्कार किया गया था। जिसके बाद विशाखा नाम से कई लोगों ने न्यायालय में मुकदमा दायर किया।

प्रश्न : पेटेंट क्या है?

उत्तर : पेटेंट ऐसे किसी भी उत्पाद और प्रक्रिया को विशिष्ट अधिकार प्रदान करता है, जिन्होंने कुछ करने हेतु नवीन तरीका उपलब्ध कराया हो अथवा किसी समस्या का नवीन तकनीकी से समाधान दिया हो। एक पेटेंट, पेटेंट मालिक को उसके आविष्कार हेतु संरक्षण प्रदान करता है। यह संरक्षण एक सीमित अवधि (20 वर्षों) के लिए प्रदान किया जाता है।

प्रश्न : कॉपीराइट अधिकारों की तीन श्रेणियों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : क्रियात्मक कलाओं के प्रदर्शन में प्रदर्शनकर्त्ता कलाकार का अधिकार, अपने ध्वनि संकेतों (फोनोग्राफी) के संबंध में ध्वनि संकेत निर्माताओं का अधिकार तथा प्रसारण संस्थाओं का अपने रेडियो एवं टेलीविजन प्रसारणों के संबंध में अधिकार।

प्रश्न : ट्रेडमार्क एवं भौगोलिक संकेत में अन्तर स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : ट्रेडमार्क एक प्रकार का चिह्न है जिसके माध्यम से कंपनी अपने उत्पादों एवं सेवाओं को दूसरी कंपनियों के उत्पादों एवं सेवाओं से भिन्न करती है साथ ही किसी अन्य का उस ट्रेडमार्क का उपयोग न करने का अधिकार प्रदान होता है, जबकि भौगोलिक संकेत उपभोक्ता को इस बात की गारंटी देता है कि उत्पाद एक ऐसे विशिष्ट स्थान में उत्पादित किया गया है जिसके कारण उत्पाद में कुछ विशेषताएं हैं।

प्रश्न : संपत्ति की अवधारणा

उत्तर : संपत्ति और स्वामित्व की संकल्पनाएं एक-दूसरे से बहुत घनिष्ठ रूप से संबंधित है। स्वामित्व के बिना कोई संपत्ति नहीं हो सकती और संपत्ति के बिना कोई स्वामित्व नहीं हो सकता। संपत्ति का व्यापक अर्थ में इसके अन्तर्गत वे सभी अधिकार आते हैं जो किसी व्यक्ति के पास होते हैं। जीवन, स्वतंत्रता, ख्याति और अन्य दावे जो दूसरे व्यक्तियों के विरूद्ध उसके पास हो सकते हैं उसकी संपत्ति होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-44)

राजस्थान अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : कंवर सेन लिफ्ट नहर

उत्तर : बीकानेर शहर एवं प्रोजेक्ट क्षेत्र के 99 गाँवों को जलापूर्ति हेतु इंदिरा गांधी नहर से निकाली गई लिफ्ट नहर।

प्रश्न : SEEZ

उत्तर : सौर ऊर्जा उपक्रम क्षेत्र जिसके अन्तर्गत जोधपुर, बाड़मेर व जैसलमेर के क्षेत्र सम्मिलित हैं।

प्रश्न : राजस्थान वित्त निगम

उत्तर : 1955 में एक अधिनियम के अन्तर्गत लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों को वित्तीय सहायता देने हेतु स्थापित।

प्रश्न : राजफैड

उत्तर : 26 नवंबर 1957 में गठित राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ लिमिटेड, जो प्राथमिक विपणन सहकारी समितियों की शीर्ष संस्था है।

प्रश्न : राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग

उत्तर : अल्पसंख्यकों के हितों के संवर्धन हेतु 2001 में गठित आयोग/इसके वर्तमान अध्यक्ष -जसवीर सिंह।

प्रश्न : राजस्थान में आर्थिक विकास को तेज करने वाले आधार का उल्लेख करें।

उत्तर : (i) इन्फास्ट्रक्चर, जैसे बिजली, सड़क, जलापूर्ति पर अधिक ध्यान,
(ii) खनन विकास
(iii) पशुधन व डेयरी विकास।

प्रश्न : राजस्थान में ऑटो-हब किस क्षेत्र में विकसित हो रहा है?

उत्तर : राजस्थान के नेशनल-कैपीटल रीजन (NCR) (भिवाड़ी-नीमराणा-अलवर) में ऑटो हब विकसित हो रहा है। जहाँ होन्डा कारों, स्कूटरों, मोटर साइकिलों का निर्माण कार्य प्रारम्भ है।

प्रश्न : दृष्टि एप

उत्तर : राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों के प्रदूषण के स्तर की निगरानी हेतु प्रांरभ किया गया एप्लिकेशन।

50 शब्द

प्रश्न : ग्रामीण गैर फार्म विकास एजेन्सी (रुडा) के कार्यक्षेत्र में 6 बड़े उप-क्षेत्र कौनसे हैं?

उत्तर : रुडा के कार्य क्षेत्र में 6 बड़े उपक्षेत्र ऊन व टेक्सटाइल, चमड़ा, स्टोन सिरेमिक व पोटरीज, दस्तकारी, हथकरघा तथा खादी व ग्रामोद्योग हैं। इसके अतिरिक्त यह कोटा-डोरिया, बगरू हैंड ब्लॉक प्रिंट आदि का कार्य भी देखता है।

प्रश्न : राजस्थान रिनुएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन पर टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : राजस्थान ऊर्जा विकास एजेंसी एवं राजस्थान राज्य पॉवर निगम लिमिटेड के एकीकरण से निर्मित राजस्थान रिनुएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन राज्य में अक्षय ऊर्जा के विकास, विस्तार एवं संरक्षण के लिये नोडल एजेन्सी के रूप में कार्य कर रही है। इसके कार्यक्षेत्र में पवन ऊर्जा, बायोमास ऊर्जा, सौर ऊर्जा व अन्य ऊर्जा संरक्षण आदि के कार्यक्रम आते हैं। उद्देश्य - गैर परम्परागत ऊर्जा के विकास को बढ़ाना।

प्रश्न : राज्य में प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के उपाय बताइये -

उत्तर : राज्य में प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने हेतु जनसंख्या की वृद्धि दर में नियंत्रण, राज्य की सकल आमदनी को बढ़ाने के लिये पशु-सम्पदा, खनिज सम्पदा, पर्यटन एवं उद्योगों का तेजी से विकास, आर्थिक आधार ढांचा, विद्युत, सड़क, संचार आदि का सुदृढ़ीकरण एवं विनिर्माण को विकास का केन्द्र बनाया जाना चाहिये।

प्रश्न : RSWC क्या है?

उत्तर : राजस्थान राज्य भण्डार व्यवस्था निगम राज्य के किसानों, सहकारी समितियों, व्यापारियों, सरकार व अन्य संस्थाओं के कृषि उत्पादों, रासायनिक उर्वरकों, बीज खाद, कृषि यंत्र व अन्य वस्तुओं का भण्डारण हेतु गोदामों एवं भण्डार गृहों का निर्माण करता है। यह 31 मिलों में 89 भण्डार गृहों का संचालन करता है।

प्रश्न : फ्लैगशिप योजना किसे कहते हैं? इनके कार्यक्रमों के नाम बताइये।

उत्तर : फ्लैगशिप योजना का अर्थ सरकारों द्वारा चलायी जाने वाली उन प्रमुख या विशिष्ट योजनाओं से लगाया जाता है, जो सामाजिक कल्याण व आर्थिक विकास के लिए संचालित होती हैं। जैसे -

(i) मुख्यमंत्री अन्न सुरक्षा योजना
(ii) मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना।
(iii) अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी।
(iv) राजस्थान ग्रामीण सड़क विकास योजना।
(v) राजस्थान जन सुनवाई का अधिकार
(vi) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा
(vii) राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान करने की गारंटी

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-45)

भारत का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : शुष्क कृषि क्या है?

उत्तर : किसी अर्द्धशुष्क क्षेत्र में बगैर सिंचाई के कृषि करना, शुष्क कृषि कहलाती है।

प्रश्न : आम्र बौछारें

उत्तर : ग्रीष्म ऋतु में मानसून के आगमन से पूर्व असोम व पश्चिम बंगाल में तीव्र और आर्द्र हवाएँ जिससे आम की फसल लाभान्वित होती है को आम्र बौछारें कहते हैं।

प्रश्न : विषुव

उत्तर : जब पृथ्वी पर दिन और रात दोनों 12-12 घण्टे के होते है, वर्ष में 2 बार होता है, 21 मार्च व 23 सितम्बर को।

प्रश्न : भारत के प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्रों के नाम बताइए।

उत्तर : गुजरात :- अंकलेश्वर, खंभात क्षेत्र, अहमदाबाद, कोसम्बा, मेहसाना
असम :- डिग्बोई, सुरमा घाटी
महाराष्ट्र :- बॉम्बे हाई, बसई तेल क्षेत्र
राजस्थान :- बाड़मेर

प्रश्न : इनसेप्टिसोल

उत्तर : नवीन मृदा वर्गीकरण के अन्तर्गत एक प्रकार की भूरी रंग की मृदा जिसमें लौहे और एल्यूमिनियम की कमी होती है।

प्रश्न : भारत में सूखे के कारण बताइए।

उत्तर : मानसून की अनियमितता, अल्प वर्षा, वनों का ह्रास तथा जन संसाधन का समुचित प्रबन्धन न होना।

प्रश्न : भारत में शीतकालीन वर्षा

उत्तर : शीत ऋतु में उत्तर-पश्चिमी भारत में भूमध्यसागरीय 'पश्चिमी विक्षोभ' के कारण अल्प मात्रा में वर्षा, रबी फसल के लिए उपयोगी।

प्रश्न : कार्बनिक कृषि

उत्तर : फसल चक्र, हरित साधन, कम्पोस्ट, जैविक कीटनाशकों तथा यांत्रिक जुताई पर आधारित कृषि व्यवस्था।

50 शब्द

प्रश्न : थार के मरूस्थल में शुष्कता के क्या कारण है?

उत्तर : (i) भूगर्भिक संरचना - यहाँ मुख्य रूप से बालू का प्रसार है। जिसमें आर्द्रता ग्रहण की शक्ति न्यून है।

(ii) यथा स्थिति- यह उष्णकटिबंध में स्थित में, अतः यहाँ वाष्पीकरण तीव्र होता है।

(iii) ग्रीष्म ऋतु में यहां शुष्क एवं गर्म हवाएँ चलती है, जो मानसून की आर्द्रता को कम कर देती है।

(iv) अरावली की स्थिति :- उत्तर-दक्षिण दिशा में विस्तृत होने से यह अरब सागर की मानसून को रोकने में असमर्थ होती है।

प्रश्न : जनसंख्या वृद्धि के जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत का वर्णन कीजिये।

उत्तर : जनसंख्या विकास की पाँच अवस्थाएँ होती है-

(i) प्रथम अवस्था :- उच्च जन्म दर व मृत्युदर, अतः जनसंख्या वृद्धि अतिमंद गति से होती है।

(ii) द्वितीय अवस्था :- मृत्युदर तीव्रता से घटती है, जन्मदर पूर्ववत बनी रहती है, अतः जनसंख्या में तीव्र वृद्धि होती है।

(iii) तृतीय अवस्था :- जन्मदर व मृत्युदर दोनों की कमी, अतः जनसंख्या वृद्धि धीमी गति से।

(iv) चतुर्थ अवस्था :- जन्मदर व मृत्युदर अतिन्यून, अतः जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट

(v) पंचम अवस्था :- समान निम्न जन्म एवं मृत्यु दर एवं जनसंख्या वृद्धि लगभग स्थिर।

प्रश्न : लघु ज्वार पर टिप्पणी लिखे।

उत्तर : प्रत्येक मास के शुक्ल एवं कृष्ण पक्ष को सप्तमी एवं अष्टमी के पृथ्वी चन्द्रमा एवं सूर्य समकोणिक स्थिति में होते है, चन्द्रमा एवं सूर्य का ज्वारोत्पादक बल एक-दूसरे के विपरीत कार्य करते है। जिसके कारण सामान्य ज्वार से 20% नीचा ज्वार उत्पन्न होता है जिसे लघुज्वार कहते है।

प्रश्न : भारत में मृदा अपरदन के कारण बताइए।

उत्तर : मृदा पदार्थ का जल अथवा वायु आदि प्राकृतिक साधनों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित हो जाना मृदा अपरदन कहलाता है। मृदा अपरदन के कारण :-

(i) भारी वर्षा द्वारा मृदा के ऊपरी भाग का कटाव द्वारा स्थानान्तरण

(ii) नदियों के मार्ग परिवर्तन से जल कटाव द्वारा

(iii) पवनों द्वारा शुष्क व रेगिस्तानी क्षेत्रों में मृदा के कणों का स्थानान्तरण

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-46)

विश्व का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : भू-सन्नति

उत्तर : लम्बे, सकरे व उथले जलीय भाग जिसमें निक्षेपण, धसाव एवं अन्नतः पर्वत निर्माण होता है।

प्रश्न : अग्नि मेघला

उत्तर : प्रशान्त महासागर के चतुर्दिघ विनाशात्मक प्लेट किनारों के सहारे स्थित ज्वालामुखी एवं भूकंपीय पेटी।

प्रश्न : पर्वत समूह/कार्डिलोरा

उत्तर : जब विभिन्न युगों में निर्मित पर्वत श्रेणियां, पर्वत श्रृंखलाएं एवं पर्वत तंत्र एक साथ बिना किसी क्रम के विस्तृत हो। जैसे प्रशांत कार्डिलेरा, ब्रिटिश कोलंबिया का कार्डिलेरा।

प्रश्न : मेण्टल

उत्तर : पृथ्वी के अन्तरतम् स्थित 200 km से 2600 km स्थित भाग जो पृथ्वी के कुल द्रव्यमान का 68% भाग है, सिलिका एवं मैग्नीशियम की प्रधानता।

प्रश्न : भ्रंश घाटी

उत्तर : जब दो समानान्तर भ्रंशों का मध्यवर्ती भाग नीचे धस जाता है और घाटी का स्वरूप ले लेता है। अफ्रीका की महान भ्रंश घाटी इसका प्रमुख उदाहरण।

प्रश्न : लावा मैदान

उत्तर : ज्वालामुखी उद्गार से विस्तृत लावा जब पतली चादर के रूप में निचले भागों में निक्षेप होने से सपाट भाग का निर्माण होता है, उसे लावा मैदान कहते है।

प्रश्न : मोहो असम्बद्धता

उत्तर : भूगर्भ में निचली क्रस्ट व ऊपरी मेण्डल के मध्य असम्बद्धता, यहां भूंकपीय तरंगों की गति बढ़ जाती है, मोहोरोविकि द्वारा 1909 में खोजी गई।

50 शब्द

प्रश्न : समुद्र अधस्थल विस्तारण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर : प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत, समुद्र अधस्थल विस्तारण का प्रमुख कारण है। इसके कारण दो प्लेटे एक-दूसरे के विपरीत दिशा में गतिशील होती है एवं दोनों के मध्य एक भ्रंश दरार पड़ जाती है। जिसके कारण एथनोस्फीयर का मैग्मा ऊपर आता है और ठोस होकर नवीन भूपर्पटी का निर्माण करता हैं इस प्रकार की क्रिया 'रचनात्मक प्लेटों' के सहारे होती है, जैसे-अटलांटिक महासागर का कटक इसका सर्वोच्च उदाहरण है।

प्रश्न : महान झीलें -

उत्तर : संयुक्त राज्य अमेरिका एवं कनाडा के सीमा में स्थित हिमानी निर्मित पांच झीलों का समूह महान झीले कहलाती है। पश्चिम से पूर्व को ओर से क्रमशः सुपीरियर, मिशीगन, ह्यूरन, ईरी तथा ओण्टोरियो के नाम से जानी जाती हैं। मिशीगन झील पूर्ण रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के अन्तर्गत है। इन झीलों के चारों ओर लौह-इस्पात, मोटर वाहन, जलयान, इंजीनियरिंग वस्तुओं के उत्पादन के अनेक केन्द्र है।

प्रश्न : भूंकप के विश्व वितरण को बताएं।

उत्तर : **परिप्रशांत पेटी** - अलास्का से होकर रॉकी एवं एण्डीज के पर्वतीय क्षेत्रों तक एवं एशिया के पूर्वी भाग में कमचटका से पूर्वी द्वीप समूह और न्यूजीलैंड तक।

मध्य महाद्वीपीय पेटी - भूमध्य सागर से होकर पिरेनिज, आल्पस, काकेशस, हिमालय होती हुए पूर्वी द्वीप समूह तक। भारत का भूंकप क्षेत्र इसी पेटी में सम्मिलित है।

मध्य अटलांटिक पेटी - मध्य अटलांटिक कटक के सहारे उत्तर में आइसलैंड से होकर दक्षिण में बोवेट द्वीप तक।

प्रश्न : क्रस्ट में खनिज बताइये।

उत्तर : पृथ्वी के क्रस्ट में लगभग 2000 खनिजों के उपस्थिति दर्ज की गई है, इनमें से 6 खनिजों की प्रधानता है- फेल्सपार, क्वार्ट्ज, पायरॉसील, एम्फीबोलस, अभ्रक एवं औलविन। ये खनिज चट्टान निर्माता खनिज कहलाते है। भू-पृष्ठ के संगठन में सिलिकेट खनिज समूह की प्रधानता है। ऑक्साइड एवं कार्बोनेट समूह अन्य प्रमुख खनिज समूह है।

प्रश्न : पैंजिया क्या है?

उत्तर : अल्फ्रेड वेगनर के अनुसार पृथ्वी का समस्त भू-खण्ड कार्बोनिफेरस कल्प से पहले एकीकृत महाभूखण्ड के रूप में था जिसे पैंजिया कहते है। कार्बोनिफेरस काल में यह ज्वारीय बल के कारण लौरेशिया तथा गोंडवाना में विभाजित हो गया। पुनः जुरैसिक कल्प में दोनों के विखण्डन से उत्तरी अमेरिका, यूरेशिया, अफ्रीका, द.अमेरिका, मेडागास्कर, प्रायद्वीपीय भारत, आस्ट्रेलिया तथा अटार्कटिका महाद्वीपों का निर्माण हुआ।

प्रश्न : समप्राय भूमि की स्थलकृति का वर्णन करे।

उत्तर : समप्राय भूमि या समप्राय मैदान/पेनीप्लेन का निर्माण नदियाँ अपने अपरदन चक्र की अंतिम अवस्था में उच्च स्थल खण्ड (पहाड़, पठार आदि) को काटकर अपने आधार-तल को प्राप्त करती है। इस मैदान का निर्माण नदी द्वारा पार्श्वीय या क्षैतिज अपरदन और अपक्षय की क्रियाओं द्वारा होता है। समप्राय मैदान पर यत्र-तत्र प्रतिरोधी चट्टानों के भाग विशेषकर अपरदन के कारण छोटे-छोटे टीले या नीची पहाड़ियों से दृष्टिगत होते हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-47)

लोक प्रशासन

15 शब्द

प्रश्न : संगठन किसे कहते हैं?

उत्तर : किसी निश्चित उद्देश्य की पूर्ति हेतु एकाधिक व्यक्ति जब किसी संरचना का निर्माण करते हैं, तो वह संगठन कहलाता है।

प्रश्न : प्रेरणा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : वह मनोवैज्ञानिक तत्व जिनसे कर्मचारी संतुष्ट होकर अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित होता है।

प्रश्न : आदेश की एकता में आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : कार्य के दोहरेकरण से बचने के लिए अधीनस्थ अधिकारी द्वारा केवल एक ही उच्च अधिकारी द्वारा आदेश प्राप्त किया जाना।

प्रश्न : पर्यवेक्षण

उत्तर : उच्च अधिकारी द्वारा अधीनस्थ के कार्यों का कार्यसुधार के उद्देश्य से निरीक्षण करना, पर्यवेक्षण कहलाता है।

प्रश्न : 'सरकार एक आदर्श नियोक्ता' अवधारणा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : सरकार द्वारा कार्मिकों की भर्ती में निष्पक्षता, पदोन्नति, विकास, कल्याण एवं पेंशन का पर्याप्त ध्यान रखते हुए गरिमापूर्ण सेवा प्रदान करने का अवसर उपलब्ध करवाना।

प्रश्न : लालफीताशाही से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : सरकारी कर्मचारियों द्वारा कार्य प्रणाली, प्रक्रियाओं एवं नियमों पर इतना अधिक बल देना कि लोक सेवा का लक्ष्य गौण हो जाये।

प्रश्न : संगठनात्मक प्रभावशीलता

उत्तर : किसी संगठन द्वारा जिस हद तक अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया जाता है, वह उसकी संगठनात्मक प्रभावशीलता कहलाती है।

प्रश्न : प्रतिबद्ध नौकरशाही से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : लोकसेवकों का वह अभिजात वर्ग जो संविधान के सिद्धान्तों के प्रति प्रतिबद्ध होता है अर्थात् राज्यहित में प्रतिबद्ध नौकरशाही।

50 शब्द

प्रश्न : 'प्रधानमंत्री वास्तविक कार्यपालिका अध्यक्ष होता है।' विवेचना कीजिये।

उत्तर : भारतीय संविधान में कार्यपालिका अध्यक्ष के रूप में राष्ट्रपति का वर्णन है लेकिन प्रधानमंत्री को प्राप्त विशेष शक्तियों यथा मंत्रियों एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति, लोकसभा में बहुमत दल का नेता, संसद में प्रवक्ता, राष्ट्रपति व संसद के मध्य की कड़ी, नीति आयोग का अध्यक्ष, जनसंपर्क द्वारा प्राप्त लोकप्रियता एवं विविध संकटकालीन शक्तियों प्रधानमंत्री को वास्तविक अध्यक्ष बना देती है।

प्रश्न : व्यवहारवादी उपागम का महत्व स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : इसके अन्तर्गत सिद्धान्त विकास में तथ्यात्मक, औचित्यता का सिद्धान्त कार्य निष्पादन व्यवहार को बेहतर व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक बनाने, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक क्षमताओं का विकास, निर्णयन प्रक्रिया में वैज्ञानिक दृष्टिकोण आदि पर बल दिया जाता है। इसके द्वारा शास्त्रीय सिद्धांतों को समझने में भी सहायता मिलती है।

प्रश्न : प्रशासन में समन्वय का क्या महत्व है?

उत्तर : समन्वय संगठन का सबसे महत्वपूर्ण एवं सार्वभौमिक सिद्धान्त है, जो संगठन में क्रमबद्धता में वृद्धि का सहयोग के वातावरण का निर्माण, कार्य के दोहरेकारण से बचाव, अनावश्यक संघर्ष एवं अतिक्रमण से मुक्ति, प्रभावशीलता एवं संवेदनशीलता में वृद्धि आदि के लिए अत्यावश्यक है।

प्रश्न : भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यों की विवेचना कीजिये :

उत्तर : सरकारी लेखों के प्रबंध हेतु निर्देश जारी करना, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के लेखों की जाँच करना, सरकारी व्ययों पर नियंत्रण रखना, केन्द्र के लेखों से संबंधित प्रतिवेदनों को राष्ट्रपति को प्रस्तुत करना, उद्यम सीमित को लोक उपक्रमों के लेखा परीक्षण की रिपोर्ट देना एवं लोक लेखा समिति के कार्यों में सहायता प्रदान करना।

प्रश्न : विकास प्रशासन एवं प्रशासनिक विकास में अंतर स्पष्ट कीजिये?

उत्तर : सरकारी तंत्र द्वारा नियोजित परिवर्तन कर विकास कार्यक्रमों एवं नीतियों के माध्यम से प्रत्येक क्षेत्र में सुधारात्मक विकास करना विकास प्रशासन कहलाता है जबकि प्रशासन तंत्र को सुचारू एवं क्रियाशील बनाने, प्रशासनिक क्षमताओं और दक्षताओं को विकसित करना प्रशासनिक विकास कहलाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-48)

समाजशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : 'जजमानी व्यवस्था भारत की जाति व्यवस्था की देन है। स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : जजमानी व्यवस्था सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था के रूप में भारतीय जातियों में परस्पर सेवा। जिसमें वस्तु विनिमय प्रणाली की प्रमुख भूमिका थी।

प्रश्न : जनजाति को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में विकसित समूह जिसकी विशिष्ट भाषा, संस्कृति एवं समाज व्यवस्था होती है, जनजाति कहलाती है।

प्रश्न : हिन्दू सामाजिक संगठन के आधार।

उत्तर : वर्णाश्रम व्यवस्था, सोलह संस्कार, धर्म, पुनर्जन्मावाद, पुरुषार्थ जाति व्यवस्था, संयुक्त परिवार प्रथा, जजमानी व्यवस्था आदि।

प्रश्न : भारतीय समाज पर बौद्ध धर्म का प्रभाव।

उत्तर : शून्यवाद, प्रतीत्यसमुत्पाद आदि दर्शन, अनात्मवाद, आंतरिक शुद्धि, अस्पृश्यता का अंतर इत्यादि मूल्य के साथ, मूर्तिकला में मथुरा शैली।

प्रश्न : हिन्दू विवाह के प्रकार बताइये।

उत्तर : हिन्दू धर्म में मान्य विवाह :- ब्रह्मदेव, आर्ष, प्रजापत्य, देव, अमान्य विवाह :- गंधर्व, असुर राक्षर एवं पैशाच विवाह के रूप में प्रचलित हैं।

प्रश्न : अनुष्ठान से आप क्या समझते हो?

उत्तर : परम्परा अनुमोदित अवसरों पर सम्पन्न किये जाने वाले संस्कृति सम्मत व्यवहारों के पुंज को अनुष्ठान कहते हैं।

प्रश्न : वर्णाश्रम व्यवस्था

उत्तर : हिन्दु समाज में कर्म एवं जन्म के आधार पर चार वर्ण (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शुद्र) तथा निश्चित आयु वर्ग में विशिष्ट क्रियाओं के सम्पादन हेतु चार आश्रम (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ एवं सन्यास) का प्रावधान है।

प्रश्न : भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर : प्राचीनता एवं स्थायित्व, समन्वयवादी, वसुधैव कुटुम्बकम् भाव, आध्यात्मिकता, सहिष्णुता, अनुकूलनशीलता, परिवर्तनशीलता विविधता में एकता आदि।

50 शब्द

प्रश्न : भारत में अपराधों के बदलते स्वरूपों को बताइये।

उत्तर : आधुनिक वैश्वीकरण, उदारीकरण, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण एवं प्रौद्योगिकीरण के परिणामस्वरूप जटिल अपराध अस्तित्व में आये हैं जिनमें पोर्नोलाजी, हैकिंग, सर्फिंग जैसे-तकनीकि जनित, छदम् विज्ञापनों द्वारा अपवंचन, खाद्य अपमिश्रण नकली उत्पाद जैसे उद्योग से जुड़े अपराध, आत्महत्या, घरेलू हिंसा, भ्रष्टाचार, दलाली आदि सामाजिक अपराध शामिल हैं।

प्रश्न : सामाजिक न्याय की भारतीय नीति की विवेचना कीजिये।

उत्तर : सामाजिक न्याय के लिये संविधान में संरक्षणात्मक भेदभाव की नीति के साथ ही समस्त प्रकार के भेदभावों की समाप्ति, विकास के समान अवसर, समान कार्य हेतु समान वेतन आदि का प्रावधान है। इसके अलावा बाल एवं महिला विकास से जुड़ी नीतियाँ एवं सामाजिक न्याय के लिये अधि नियम बनाये गये हैं।

प्रश्न : हिन्दु संयुक्त परिवार के विघटन के प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : औद्योगिकीकरण, नगरीकरण, पाश्चात्य शिक्षा, संस्कृति व विचारधारा का प्रभाव, सम्पत्ति का विभाजन, कृषि जोतों एवं घरेलू उद्योगों का विघटन, वैयक्तिक महत्वाकांक्षायें, पारिवारिक कलह, सामाजिक सुरक्षा की राजकीय पहल, स्त्री स्वतंत्रता, धार्मिक-आर्थिक गतिशीलता में वृद्धि, धर्म के महत्व में वृद्धि आदि।

प्रश्न : जाति उत्पत्ति के परम्परागत सिद्धान्त का वर्णन कीजिये।

उत्तर : भारतीय साहित्य में जाति व्यवस्था की प्राचीनतम व्याख्या ऋग्वेद के पुरुषसूक्त में वर्णित पशुपति के अंगों से विभिन्न वर्णों की उत्पत्ति के रूप में मिलती है। इसके अतिरिक्त उपनिषदों, महाकाव्यों, धर्मशास्त्रों एवं स्मृतियों में भी इनका उल्लेख मिलता है। प्रारम्भ में चार वर्ण ही थे लेकिन कालान्तर में उपवर्णों का भी विकास हुआ जो जाति-व्यवस्था के रूप में सामने आये।

प्रश्न : भारत में गरीबी के कारणों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : दुर्व्यसन, बीमारी, मानसिक अयोग्यता, कौशल अभाव, बड़ा परिवार, प्रतिकूल दशायें, अनावृष्टि, अतिवृष्टि, भूंकप, महामारी, पारम्परिक व्यवसाय, असमान वितरण, आर्थिक दुष्चक्र, बेकारी, भ्रष्टाचार, दोषपूर्ण एवं पक्षपातपूर्ण सरकारी नीतियाँ गरीबी पर राजनीति, युद्ध जनसंख्या वृद्धि, धार्मिक मूल्य, कृषि व जमींदारी व्यवस्था आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-49)

राजस्थान का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में किस प्रकार की वनस्पति पाई जाती है?

उत्तर : राजस्थान में उष्णकटिबंधीय कटीली, उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ तथा उपोष्ण-पर्वतीय वनस्पतियाँ पाई जाती हैं।

प्रश्न : राजस्थान में जल संरक्षण कौनसी तकनीक द्वारा किया जाता है?

उत्तर : राजस्थान में जल संरक्षण हेतु फव्वारा, बूंद-बूंद सिंचाई, भू-जल उपयोग एवं वर्षा जल संरक्षण जैसी तकनीकें अपनाई जा रही हैं।

प्रश्न : राजस्थान में व्यापारिक या नकदी फसलें

उत्तर : तिल, सरसों, अलसी, मूँगफली, अरण्डी, सोयाबीन, कपास, गन्ना, तम्बाकू आदि।

प्रश्न : अरावली विकास से क्या लाभ होंगे।

उत्तर : चारे की आपूर्ति में वृद्धि, रेगिस्तान की वृद्धि में रुकावट, मिट्टी व जल-संसाधनों का संरक्षण, रोजगार में वृद्धि, गरीबी में कमी आदि।

प्रश्न : गन्धेली साहबा योजना

उत्तर : श्रीगंगानगर, चूरू व झुंझुनूं जिलों के 354 ग्रामों को इन्दिरा गाँधी नहर से पेयजल उपलब्ध कराने की योजना।

प्रश्न : घग्घर नदी को 'मृत नदी' क्यों कहते हैं?

उत्तर : प्राचीन काल में राजस्थान के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र की प्रमुख नदी जो कि हिमालय से प्रचुर जल लाती थी। लेकिन राजस्थान में प्रवेश के साथ ही लुप्त हो जाती थी।

प्रश्न : हाड़ौती पठार

उत्तर : धरातलीय दृष्टि से मालवा पठार का उत्तरी भाग, राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में चार जिलों (कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़) में विस्तृत भू-भाग हाड़ौती पठार के नाम से जाना जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : राज्य में कृषि विकास समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : राज्य में लगभग 60 प्रतिशत हिस्से पर मरूभूमि है जहाँ प्राकृतिक प्रकोप के रूप में अकाल, सूखे की स्थिति, ओलावृष्टि, आँधी-तूफान, पवन द्वारा मिट्टी कटाव व टिड्डी हमलों ने कृषि विकास को अवरुद्ध किया है। वहीं तीव्र जनसंख्या से जोतों का आकार छोटा, जीवन निर्वाह फसलों का आधिक्य, निरक्षर व निर्धन किसान आदि सामाजिक बाधाएं कृषि तकनीकी विकास में बाधक हैं।

प्रश्न : 'टेथिस' पर एक भौगोलिक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर : तृतीयकल्प से पूर्व दो दृढ़ भूखण्डों में उत्तर में अंगारालैंड और दक्षिण में गोंडवाना लैंड के मध्य स्थित एक विशाल भूसन्नति जो पूर्वी-पश्चिमी दिशा में उसी स्थान पर स्थित थी, जहाँ आज अल्पाइन पर्वत स्थित है। तृतीय कल्प में टेथिस भूसन्नति के मलबे में भूसंचलन के कारण मोड़ पड़ने तथा ऊपर उठने से आल्प्स तथा हिमालय जैसे ऊँचे वलित पर्वतों की उत्पत्ति हुई।

प्रश्न : राजस्थान बागड़ प्रदेश पर टिप्पणी करें।

उत्तर : अरावली पर्वत एवं मरूस्थल के बीच का भू-भाग जो जलवायु की दृष्टि से शुष्क एवं अर्द्धशुष्क जलवायु के बीच का प्रदेश है जहाँ 40-50 से.मी. वर्षा होती है। उत्तर में घग्घर व उत्तर-पूर्व में लूनी नदी बहती है। इस प्रदेश को चार भागों में बांटा गया है- गोंडवाना प्रदेश, नागौरी उच्च भूमि, शेखावाटी प्रवाह व घग्घर का मैदान।

प्रश्न : इन्दिरा गांधी नहर परियोजना आशीर्वाद तथा अभिशाप दोनों है। प्रमाण दीजिए।

उत्तर : **उपयोगिता**

(i) सिंचित क्षेत्र का विस्तार

(ii) कृषि उत्पादन में वृद्धि (iii) पेयजल की सुविधा

(iv) मरूस्थल पर रोक एवं वनीकरण में विस्तार

(v) मवेशियों के लिए चारागाह में वृद्धि

(vi) अकाल पर रोक आदि।

समस्याएँ

(i) सेम की समस्या

(ii) क्षारीयता एवं अम्लता में वृद्धि आदि।

प्रश्न : राजस्थान की खनिज संपदा पर टिप्पणी करें।

उत्तर : खनिज सम्पदा में धनी राज्य में 67 प्रकार के खनिजों को दोहन होता है। भंडारों की दृष्टि से देश में दूसरा स्थान तथा आय की दृष्टि से पाँचवा स्थान है। सीसा, जस्ता, पन्ना, रक्तमणि, घीया पत्थर, जास्पर, एस्बेस्टास, बोलस्टोनाइट, रॉक फास्फेट, गारनेट में राज्य का प्रथम स्थान है। लौह अयस्क, टगंस्टन, लिग्नाइट, चूना पत्थर के भंडार भी राज्य में मिलते हैं। पैट्रोलियम व तेल के नए भण्डारों की राज्य में खोज जारी है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-50)

पर्यावरण

15 शब्द

प्रश्न : लिण्डमेन का 10 प्रतिशत नियम

उत्तर : एक स्तर से दूसरे स्तर तक ऊर्जा के स्थानान्तरण में केवल 10% ऊर्जा ही स्थानान्तरित होती है तथा शेष ऊर्जा स्थानान्तरण श्वसन व अपूर्ण पाचन आदि में नष्ट हो जाती है।

प्रश्न : मरुद्भिद पादप

उत्तर : ऐसे पौधे जो शुष्क वातावरण में एवं अत्यल्प जल की मात्रा में अपना जीवन-चक्र पूर्ण करते हैं। जैसे-नागफनी, ग्वारपाठा आदि।

प्रश्न : वर्ल्ड वाइड फण्ड

उत्तर : एक गैर सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संघ जो वातवरण के संरक्षण, अनुसंधान व पुनः संयोजन का कार्य करता है। कनाडा व संयुक्त राज्य में स्थित है।

प्रश्न : जैव विविधता सम्मेलन के क्या उद्देश्य हैं?

उत्तर : जैव विविधता का संरक्षण, उत्पादों का उचित उपयोग, आनुवांशिक स्त्रोतों के लाभों का सही एवं बराबर उपयोग आदि।

प्रश्न : जैव विविधता में कमी के प्रभाव बताइये।

उत्तर : पादप उत्पादकता में कमी, पर्यावरण की प्रतिरोधक क्षमता में कमी, सूखे जैसे प्राकृतिक आपदा तथा पारितंत्र में विभिन्नताओं का प्रसार जैसे पादप उत्पादकता, जल उपयोग व रोग आदि।

50 शब्द

प्रश्न : लाइकेन का उपयोग बताइये।

उत्तर : (i) इन्हें खाद्य पदार्थों के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।
(ii) लाइकेन, ऑरकाइल लेकोनोरा से बैंगनी रंग बनाया जाता है।
(iii) इन्हें वायु प्रदूषण का सूचक भी कहा जाता है।
(iv) लाइकेन कुछ जहरीले पदार्थ बनाकर जीवाणु को नष्ट करते हैं। ये द्वितीयक यौगिक बनाकर सूर्य की हानिकारक किरणों को नष्ट करते हैं।
(v) कुछ लाइकेन जैसे लोबीरिया, इरविनिया, रिमिनिला से इत्र भी बनाया जाता है।

प्रश्न : माण्ट्रो रिकॉर्ड क्या है?

उत्तर : माण्ट्रो रिकॉर्ड उन आर्द्र भूमियों को दिया गया नाम है (जो रामसर सम्मेलन में) अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के हैं, जिनका वातावरणीय या पारितन्त्रीय परिवर्तन हो चुका है, या हो रहा है अथवा भविष्य में होने की संभावना है। भारत में लोकटक झील (मणिपुर) एवं केवलादेव राष्ट्रीय पार्क (राजस्थान) इसमें शामिल हैं।

प्रश्न : IUCN की लाल सूची का वर्गीकरण बताइये।

उत्तर : विलुप्त :- कोई जीवित जीव नहीं।
जंगल में विलुप्त :- सिर्फ कैद में जीवित ज्ञात।
अत्यधिक खतरे में पड़ी प्रजाति :- विलुप्त होने की कगार पर खड़ी प्रजाति।
खतरे में पड़ी प्रजाति :- जंगलों में समाप्ति की ओर जाती प्रजाति।
भेद :- जंगलों में समाप्ति के खतरे की ओर जाती प्रजाति।
खतरे के पास :- भविष्य में खतरे की ओर जाती प्रजाति।
कम चिंतित :- कम खतरे में।
डेटा की कमी :- विलुप्तता के खतरे के निरीक्षण हेतु डेटा की कमी।
अमूल्यांकित :- इस मापदण्ड में अमूल्यांकित।

प्रश्न : पारिस्थितिक पिरामिड क्या हैं एवं उनके प्रकार बताइये।

उत्तर : पारिस्थितिक पिरामिड पारितंत्र में प्राथमिक उत्पादकों एवं विभिन्न उपभोक्ताओं की जनसंख्या, जीव भार, संचित ऊर्जा के परस्पर संबंध को दर्शाता है। प्रत्येक पिरामिड का आधार उत्पादक तथा चोटी अंतिम उपभोक्ता द्वारा प्रदर्शित की जाती है। ये तीन प्रकार के होते हैं-
(i) जीव संख्या का पिरामिड
(ii) जीव भार का पिरामिड
(iii) संचित ऊर्जा का पिरामिड

प्रश्न : जैव विविधता की क्या उपयोगिता है?

उत्तर : (i) जैव-विविधता द्वारा अच्छी उत्पादकता व रोग -प्रतिरोधी प्रजाति का संकरण संभव हैं तथा जो प्रजाति वातावरणीय परिस्थितियों के अनुकूल रह सके ऐसी प्रजातियों के विकास से भी जैव-विविधता उपयोगी है।
(ii) पारितन्त्र सभी प्रकार के जीव रूप, पर्यावरण, जल, वायु, मृदा एवं पोषण पदार्थों का सहयोग करता है,
(iii) पारितन्त्र सामाजिक सुविधाएं भी प्रदान करता है, जो जीव के सामुदायिक जीवन हेतु आवश्यक हैं।

प्रश्न : पारितन्त्र में पोषण प्रवाह से संबंधित नाइट्रोजन चक्र एवं ऑक्सीजन चक्र को समझाइये।

उत्तर : (i) नाइट्रोजन चक्र में नाइट्रोजन-स्थिरीकरण, नाइट्रीकरण तथा विनाइट्रीकरण क्रियाएँ होती हैं, जो जैविक तथा अजैविक दोनों क्रियाओं द्वारा होती हैं।
(ii) ऑक्सीजन चक्र जैव भू रसायन चक्र हैं, जो ऑक्सीजन को उसके तीन मुख्य स्त्रोतों वातावरण, जैविक संघठन व भूमण्डल में प्रवाहित करता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-51)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : आइसोडायफर क्या होते हैं?

उत्तर : रासायनिक रूप से विभिन्न तत्वों के परमाणु जिनमें न्यूट्रॉनों और प्रोट्रॉनों की संख्या का अंतर समान होता है। जैसे

$_{94}Pu^{239}$ or $_{92}U^{235}$

प्रश्न : कटे हुए सेव का रंग कुछ समय बाद भूरा होने का क्या कारण हैं?

उत्तर : सेव में उपस्थित लौह तत्त्व के ऑक्सीकरण होने के कारण कटे हुए सेब का रंग भूरा हो जाता है।

प्रश्न : ग्राह्म का विसरण नियम क्या हैं?

उत्तर : ताप और दाब की समान परिस्थितियों में गैसों के विसरण की दर (r) उनके घनत्वों के वर्गमूल के व्युत्क्रमानुपाती होती है।

प्रश्न : अभिक्रिया वेग को प्रभावित करने वाले कारक बताइये।

उत्तर : अभिकारकों की सान्द्रता का प्रभाव, ताप, अभिकारकों की प्रकृति, अभिकारकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल, प्रकाश की उपस्थिति एवं उत्प्रेरक की उपस्थिति का प्रभाव।

प्रश्न : सैल क्षमता समझाइये।

उत्तर : सैल द्वारा किए गए लाभदायक कार्य तथा कुल किए गए कार्य का अनुपात सेल दक्षता कहलाती है।

प्रश्न : उत्कृष्ट गैस किसे कहते हैं?

उत्तर : ऐसी गैसें जिनके बाह्यतम कोश पूर्णतः भरे होने के कारण संयोजकता शून्य होती है, उत्कृष्ट गैस कहलाती हैं। जैसे- हीलियम, निऑन आदि।

50 शब्द

प्रश्न : उत्प्रेरक कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तर : उत्प्रेरक चार प्रकार के होते हैं -

(i) **धनात्मक उत्प्रेरक** सक्रियण ऊर्जा घटाकर अभिक्रिया का वेग बढ़ाते हैं।

(ii) **ऋणात्मक उत्प्रेरक** सक्रियण ऊर्जा बढ़ाकर अभिक्रिया का वेग बढ़ाते हैं।

(iii) **प्रेरित उत्प्रेरक** एक अभिक्रिया का उत्पाद दूसरे के लिए उत्प्रेरक का कार्य करता है।

(iv) **स्वः उत्प्रेरक** अभिक्रिया का उत्पाद समान अभिक्रिया के लिए उत्प्रेरक का कार्य करता है।

प्रश्न : पायस (इमल्शन) कितने प्रकार के होते हैं व इनके क्या-क्या गुण हैं?

उत्तर : **पायस (इमल्शन) के प्रकार**

ये दो प्रकार के होते हैं। तेल का जल में परिक्षेपण प्रकार तथा जल का तेल में परिवेक्षण प्रकार तेल का उदाहरण हैं दूध एवं वेनीशिंग क्रीम। मक्खन एवं क्रीम जल का तेल में परिक्षेपण का उदाहरण है।

पायस के गुणधर्म

(i) यह सूक्ष्म विभाजित द्रव की बूँदों का दूसरे द्रव में परिक्षेपण है।

(ii) यह ब्राउनी गति और टिण्डल प्रभाव भी दर्शाता है।

(iii) इन्हें गर्म, ठण्डा या अपकेन्द्रण करके अवयवी द्रवों में तोड़ा जा सकता है।

प्रश्न : विलयन के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करे।

उत्तर : (1) असंतृप्त विलयन - वह विलयन जिसमें ताप वृद्धि किए बिना और अधिक विलेय घोला जा सके।

(2) संतृप्त विलयन - वह विलयन जिसमें दिए गए ताप एवं दाब परऔर अधिक विलेय नहीं घोला जा सके।

(3) अतिसंतृप्त विलयन - जब संतृप्त विलयन को गर्म किया जाता है तो विक्षोभ पदार्थ को घोलने की इसकी क्षमता बढ़ जाती है। इसे अतिसंतृप्त विलयन कहते है।

प्रश्न : फैराडे के विद्युत अपघटक के नियम बताइये।

उत्तर : **(i) प्रथम नियम** - विद्युत धारा द्वारा अपघटक में रासायनिक विघटन की मात्रा विद्युत अपघट्य (विलयन या गलित) में प्रवाहित धारा की मात्रा के समानुपाती होती है।

(ii) द्वितीय नियम - विभिन्न विद्युत अपघटनी विलयनों में विद्युत की समान मात्रा प्रवाहित करने पर मुक्त विभिन्न पदार्थो की मात्राएँ उनके रासायनिक तुल्यांकी द्रव्यमानों के समानुपाती होती हैं।

प्रश्न : द्रवरागी कोलॉइड एवं द्रवविरागी कोलॉइड में अंतर बताइये।

द्रवरागी	द्रवविरागी
ये विलायक को स्नेह करने वाले कोलॉइड हैं।	ये विलायक से घृणा करने वाले कोलॉइड हैं।
ये गोंद, जिलेटिन, स्टार्च, रबड़ आदि पदार्थों को उचित विलायक में मिलाने पर सीधे ही प्राप्त होते हैं।	ये सॉल केवल विशेष विधियों द्वारा ही बनाये जा सकते हैं।
ये सॉल पर्याप्त स्थायी होते हैं।	ये स्थायी नहीं होते हैं।
इन्हें उत्क्रमणीय सॉल भी कहते हैं, जैसे स्टार्च का सॉल	इन्हें अनुत्क्रमणीय सॉल भी कहते हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-52)

व्यवहार

15 शब्द

प्रश्न : व्यवहार।

उत्तर : कोई भी प्रकट क्रिया/प्रतिक्रिया को मनुष्य या जानवर करता है तथा जिसका किसी प्रकार प्रेक्षण किया जा सकता हो।

प्रश्न : बुद्धि को परिभाषित कीजिए।

उत्तर : चुनौतियों का सामना करते समय संसाधनों का प्रभावपूर्ण ढंग से उपयोग करने, सविवेक चिंतन करने और जगत को समझने की क्षमता।

प्रश्न : संज्ञानात्मक मूल्यांकन प्रणाली की उपयोगिता को स्पष्ट करे।

उत्तर : परिक्षणों की एक माला जिसका निर्माण चार आधारभूत पास प्रक्रियाओं : योजना-अवधान-सहकालिक-आनुक्रमिक का मापन करने के लिए किया जाता है।

प्रश्न : विशेषक या शीलगुण।

उत्तर : अनेक प्रकार की परिस्थितियों में व्यक्त होने वाला अपेक्षाकृत सतत् एवं संगत व्यवहार का स्वरूप।

प्रश्न : स्मृति सहायक संकेत से आप क्या समझते है।

उत्तर : वे युक्तियाँ या तकनीकें जो नयी सूचनाओं के भण्डारण में परिवर्तित साहचर्यों का उपयोग करती है ताकि उन्हें सहजता से याद रख सके।

प्रश्न : अधिगम।

उत्तर : अनुभव के कारण प्राणी के व्यवहार में होने वाला अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन।

प्रश्न : तनाव।

उत्तर : ऐसी घटनाओं के प्रति हमारी अनुक्रिया जो हमारी शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक कार्यशीलता को विघटित कर देती है या विघटित करने की धमकी देती है।

प्रश्न : निर्णयन।

उत्तर : विकल्पों के मूल्यांकन एवं उनमें से चुनाव की प्रक्रिया।

प्रश्न : संज्ञान।

उत्तर : जानने के साथ जुड़ी सभी मानसिक प्रक्रियाएँ, यथा- प्रत्यक्षण करना, चिंतन करना और याद करना इत्यादि। यह सूचना के प्रक्रमण, समझ एवं संप्रेषण से संबंधित है।

प्रश्न : मनोविश्लेषण चिकित्सा का आधारभूत लक्ष्य क्या है?

उत्तर : दमित अचेतन सामग्रीयों को चेतना के स्तर पर ले आना है जिससे कि लोग और अधिक आत्म-जागरुक होकर समकाली तरीके से अपना जीवन व्यतीत कर सके।

50 शब्द

प्रश्न : मनोसामाजिक अभिप्रेरक की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सामाजिक अभिप्रेरक अधिकांशतः सीखे हुए या अर्जित होते है। सामाजिक अभिप्रेरकों को अर्जित करने में सामाजिक समूहों, जैसे -परिवार, पड़ोस, मित्रगण और संबंधियों का बहुत योगदान होता है। ये अभिप्रेरकों के जटिल रूप हैं जो व्यक्ति की उसके सामाजिक परिवेश के साथ अतःक्रिया के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते है।

प्रश्न : विस्मरण के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : यह अवरोध का सिद्धांत है तथा इसके अनुसार स्मृति भंडार में संचित विभिन्न सामग्री के बीच अवरोध के कारण विस्मरण होता है। इस सिद्धांत के अनुसार सीखने और याद करने में विभिन्न पदों के बीच साहचर्य स्थापित होता है और एक बार साहचर्य स्थापित हो जाने के बाद यह स्मृति में अक्षत रहता है।

प्रश्न : अभिप्रेरणा का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : अभिप्रेरणा से तात्पर्य प्राणी की एक ऐसी मानसिक तथा शारीरिक अवस्था से है जो प्राणी को उसकी वर्तमान आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए उद्वेलित करती है। दूसरे शब्दों में अभिप्रेरणा प्राणी का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सफलता में काम करने के लिए ऊर्जा प्रदान करती है। अधिगम के लिए प्राणी को अभिप्रेरित होना अनिवार्य है।

प्रश्न : समाज विरोधी व्यक्तित्व पर चर्चा कीजिए।

उत्तर : ऐसा व्यवहार विकार जिसमें पलायनवृत्ति, अपराधशीलता, चोरी, ध्वंसकारिता, लड़ना, सामाजिक नियमों का उल्लंघन, खराब काम का इतिहास, आवेगशीलता, अधिवेश, आक्रमकता, दुस्साहसी व्यवहार तथा आगे की तरफ मोड़ना बनाने की अयोग्यता आदि विशेषताएँ पायी जाती हैं। एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में ऐसे व्यवहार का विशिष्ट स्वरूप अलग-अलग होता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-53)

अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : जीरो नेट एड

उत्तर : किसी देश की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था जिसे अन्य विदेशी आर्थिक सहायता की आवश्यकता न हो।

प्रश्न : स्टेग फ्लेशन

उत्तर : अर्थव्यवस्था की ऐसी स्थिति जिसमें मुद्रास्फीति के साथ-साथ मंदी की स्थिति भी होती है।

प्रश्न : रायल्टी

उत्तर : किसी पुस्तक/संस्थान/सम्पत्ति को स्वामित्व के बदले अदा की जाने वाली एक निश्चित राशि, रायल्टी कहलाती है।

प्रश्न : एन्युटी

उत्तर : किसी पूर्वनिर्धारित योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष एक/अधिक किश्तों में प्राप्त होने वाला भुगतान।

प्रश्न : 'एड-वेलोरम' कर

उत्तर : ऐसे कर जो वस्तु के मूल्यानुसार लगाये जाते हैं, मात्रानुसार नहीं, एड-वेलोरम कर कहलाते हैं।

प्रश्न : प्रशासित मूल्य

उत्तर : जब किसी वस्तु के मूल्य का निर्धारण किसी केंद्रित शक्ति द्वारा होता है, तो यह प्रशासित मूल्य कहलाता है।

प्रश्न : सस्ती मुद्रा

उत्तर : ऐसी मुद्रा जिसे निम्न ब्याज दर पर प्राप्त किया जा सकता है, सस्ती मुद्रा कहलाती है।

प्रश्न : एर्गोनॉमिक्स

उत्तर : किसी श्रमिक की कार्य क्षमता और उसके द्वारा किये जाने वाले वास्तविक कार्य के मध्य संबंध का अध्ययन।

50 शब्द

प्रश्न : भारत में सेवा क्षेत्र में सुधार हेतु सुझावात्मक उपाय प्रस्तुत करें।

उत्तर : भारत के जनांकिकीय लाभांश के दोहन हेतु स्वास्थ्य एवं शिक्षा में निवेश को बढ़ाना, आवश्यक सेवाओं का वितरण सुनिश्चित करने हेतु मॉनिटरिंग एवं नवाचार को बढ़ावा देना, सेवा वितरण हेतु नीतिगत सुधार लाना, विनियामक संस्थाओं को मजबूत बनाना, सहकारी एवं प्रतिस्पर्द्धी संघवाद को संभव बनाने पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिये।

प्रश्न : सेतुभारतम् योजना

उत्तर : मई, 2016 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित और सहज यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलों के निर्माण हेतु भारत सरकार द्वारा 50000 करोड़ के निवेश से चलाई गई एक अति महत्वकांक्षी परियोजना जिसके तहत 2019 तक सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को रेलवे क्रॉसिंग रहित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रश्न : प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से होने वाले संभावित लाभों की चर्चा करें।

उत्तर : स्वदेशी संकल्पना के आधार पर संरचित मुद्रा योजना के फलस्वरुप अंतिम बिंदु के वित्तदाताओं का समावेशन, कम लागत वाला वित्त, ऋण से अधिक प्रदायगी का दृष्टिकोंण, जनव्यापी उद्यमिता का विकास एवं संवृद्धि, रोजगार सृजन एवं सकल घरेलू उत्पाद में उच्चतर वृद्धि संभव होगी।

प्रश्न : नई मंजिल योजना

उत्तर : अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर मुस्लिम वर्ग की शैक्षिक एवं जीविकोपार्जन की आवश्यकताओं में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा प्रारंभ की गई योजना जिसके तहत 17 से 35 वर्ष के आयुसमूहों के लोगों के साथ-साथ मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को भी शामिल किया जायेगा।

प्रश्न : पंडित दीन दयाल उपाध्याय श्रमेव जयते कार्यक्रम पर टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : औद्योगिक विकास एवं सरल व्यवसाय हेतु अनुकूल माहौल बनाने एवं श्रमिकों को प्रशिक्षण देने के लिये सरकारी सहायता बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्रीय श्रम मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किये गये इस कार्यक्रम के अंतर्गत पांच योजनाओं - श्रम सुविधा पोर्टल, सार्वभौमिक खाता संख्या योजना, आकस्मिक निरीक्षण योजना, प्रशिक्षु प्रोत्साहन योजना एवं पुनर्गठित राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना को शामिल किया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-54)

राजस्थान का इतिहास एवं कला संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : मुल्की

उत्तर : राज्य की आमदनी, कर्मचारियों के वेतन आदि के ब्यौरा संबंधित हिसाब बहियाँ जिनमें 3 वर्ष से 10 वर्ष तक का हिसाब मिलता था।

प्रश्न : अकबर द्वारा महाराणा प्रताप को अधीनता स्वीकारने हेतु भेजे गये शिष्टमंडल का कालानुक्रम क्या था?

उत्तर : (i) जलाल खां, सितम्बर-1572
(ii) मानसिंह, जून - 1573
(iii) भगवन्त दास, सितंबर - 1573
(iv) टोडरमल, दिसम्बर - 1573

प्रश्न : गोपीजी भट्ट

उत्तर : 1929 में जयपुर में जन्मे (फूलजी भट्ट के पुत्र) तमाशा के प्रसिद्ध कलाकार जिन्होंने पद गायिकी, गीत गोविन्द और हवेली संगीत में भी ख्याति प्राप्त की।

प्रश्न : चतरा चौथ

उत्तर : सम्पूर्ण डांग क्षेत्र में विशेषतौर से सवाई माधोपुर व संलग्न जिलों में गणेश चतुर्थी का त्यौहार इसी नाम से मनाया जाता है।

प्रश्न : खानवा युद्ध में सांगा की पराजय का प्रमुख कारण क्या था?

उत्तर : बाबर के पास तोपखाना, कुशल रणनीति और युद्ध को जेहाद घोषित करना तथा राणा सांगा का स्वयं युद्ध में कूद पड़ना ।

प्रश्न : धरमत का युद्ध

उत्तर : मारवाड़ शासक जसवन्त सिंह प्रथम द्वारा उत्तराधिकार संघर्ष में शहजादा दाराशिकोह की ओर से औरंगजेब के विरुद्ध लड़ा गया युद्ध जिसमें औरंगजेब की विजय हुई।

प्रश्न : अभिनव भारत

उत्तर : राज्य में सशस्त्र क्रांति के सूत्रधार केसरीसिंह बारहठ, राव गोपाल सिंह, अर्जुनलाल सेठी व दामोदर दास राठी द्वारा स्थापित क्रांतिकारी संगठन।

प्रश्न : एकी आंदोलन

उत्तर : मोतीलाल तेजावत द्वारा जागीरदारों के शोषण के विरुद्ध भीलों को संगठित कर 1921 में प्रारम्भ किया गया आंदोलन।

50 शब्द

प्रश्न : घूमर नृत्य

उत्तर : राजस्थान के लोक नृत्यों का सिरमोर नृत्य जो स्त्रियों द्वारा मांगलिक अवसरों, त्यौहारों, उत्सवों पर किया जाता है। इस नृत्य के प्रमुख आकर्षण का स्त्रोत नृत्यांगना के लहंगे का वृत्ताकार घुमाव होता है। इसमें आठ मात्रा के कहरवे की विशेष चाल होती है जिसे सवाई कहते हैं। इसके साथ ढोल, नगाड़ा शहनाई आदि वाद्य बजते हैं।

प्रश्न : हुरड़ा सम्मेलन

उत्तर : राजपूतों की सामूहिक शक्ति द्वारा मराठों की बढ़ती शक्ति और राजपूत राज्यों पर आक्रमण करने से रोकने के उद्देश्य से 17 जुलाई, 1734 ई. को हुरड़ा (भीलवाड़ा) में सवाई जयसिंह (आमेर), जोरावर सिंह (बीकानेर), दुर्जनशाल (कोटा), दलेल सिंह (बूंदी), बख्त सिंह (नागौर), राजसिंह (किशनगढ़) एवं गोपा सिंह (करौली) एकत्र हुए। इस सम्मेलन की अध्यक्षता मेवाड़ महाराणा जगत सिंह II ने की थी।

प्रश्न : राजस्थान में राजवंश

उत्तर : राजस्थान में राजपूत घराने 3 वर्गों में बँटे थे-
(i) सिसोदिया (उदयपुर, डूँगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, शाहपुरा)
(ii) कच्छवाहा (जयपुर, अलवर)
(iii) राठौड़ (जोधपुर, बीकानेर, किशनगढ़)

चंद्रवंशी : यादव (करौली), भाटी (जैसलमेर)।
अग्निवंशी : चौहान (बूंदी, कोटा, झालावाड़ में चौहानों की हाड़ा शाखा का तथा सिरोही में देवड़ा शाखा का शासन था),

प्रश्न : गोकुल भाई भट्ट

उत्तर : राजस्थान के गांधी के रूप में प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, सर्वोदयी व गांधीवादी नेता जिन्होंने 1939 में सिरोही प्रजामण्डल का गठन किया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय रहे और जेल गए। अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद् की स्थापना होने पर प्रान्तीय अध्यक्ष बनाया गया एवं 1948-49 में तत्कालीन सिरोही रियासत के प्रधानमंत्री रहे।

प्रश्न : सुनारी सभ्यता

उत्तर : झुंझुनूं जिले में कांतली नदी के तट पर अवस्थित सुनारी गाँव से अयस्क से लोहा बनाने की भारत की प्राचीनतम लौह भट्टियाँ प्राप्त हुई हैं। लोहे के तीर, कृष्ण परिमार्जित मृद्पात्र, मिट्टी/पत्थर के मनके आदि कुषाणकालीन अवशेष भी यहीं से प्राप्त हुये हैं। अनुमानतः यहाँ की बस्ती वैदिक आर्यों द्वारा बसाई गई थी।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-55)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : विद्युत धारा के तापीय प्रभाव के अनुप्रयोग बताइये।

उत्तर : विद्युत इस्तरी, विद्युत टोस्टर, विद्युत तंदूर, विद्युत केतली, विद्युत मोटर, विद्युत बल्ब, विद्युत परिपथों में फ्यूज आदि।

प्रश्न : मॉडेम क्या है? वह किसमें प्रयुक्त होता है?

उत्तर : कम्प्यूटर को दूरसंचार लाईन से जोड़ने में प्रयुक्त युक्ति जो अंकीय (डिजिटल) डेटा को अनुरूप (एनालॉग) डेटा और अनुरूप डेटा को अंकीय डेटा में परिवर्तित करती है।

प्रश्न : फायरवॉल

उत्तर : नेटवर्क पैकेटों को एक तन्त्र से दूसरे तंत्र में आवागमन को रोकने में प्रयुक्त फिल्टर सदृश सॉफ्टवेयर जो सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

प्रश्न : हैण्डशेक क्या होता है?

उत्तर : दो मॉडेम में परस्पर संपर्क स्थापित कराने की एक प्रक्रिया, जिसमें गति, गलती सुधार, डाटा सम्पीड़न जैसे पहलू स्थापित होते हैं।

प्रश्न : डी.एन.ए. अंगुलीछापन की उपयोगिता बताइए।

उत्तर : व्यक्ति, माता-पिता की पहचान करने, सैक्स अपराधों के अनुसंधान में, सजीवों के विकास को समझने में आदि।

प्रश्न : प्रकाश के गुण बताइए

उत्तर : (i) प्रकाश सीधी रेखा से चलता है।

(ii) निर्वात् में प्रकाश की चाल 3×10^8 m/s होती है तथा भिन्न-भिन्न माध्यमों में प्रकाश की चाल भिन्न-भिन्न होती है।

(iii) एक माध्यम से दूसरे माध्यम से प्रकाश की चाल एवं तरंगदैर्ध्य बदल जाती है, आवृत्ति नहीं बदलती है।

प्रश्न : अवतल दर्पण के क्या-क्या उपयोग हैं?

उत्तर : टॉर्च, सर्चलाइट, वाहनों के अग्रदीपों में, शेविंग दर्पण के रूप में, दंत विशेषज्ञ द्वारा एवं सौर भट्टियों में सूर्य के प्रकाश को केंद्रित करने के लिए।

50 शब्द

प्रश्न : टेली-चिकित्सा का महत्व समझाइये।

उत्तर : टेली चिकित्सा के अन्तर्गत चिकित्सा कार्य एवं सुझाव फोन, इंटरनेट इत्यादि माध्यमों से प्राप्त किया जाता है। यह आउट सोर्सिंग प्रक्रिया है जिसमें कम कीमत पर अधिक उत्तम व जल्दी कार्य संभव हो सकता है। भारत के ग्रामीण अंचल में यातायात के साधनों एवं चिकित्सालय की कमी के चलते टेली-चिकित्सा एक वरदान साबित हो सकती है।

प्रश्न : बोर के परमाणु मॉडल की कमियाँ बताइए।

उत्तर : (i) यह मॉडल हाइड्रोजन के अलावा अन्य परमाणुओं के स्पेक्ट्रम की व्याख्या करने में असफल रहा। उदाहरण के लिए, हीलियम परमाणु जिसमें केवल दो इलेक्ट्रॉन हैं।

(ii) यह जीमन प्रभाव (चुम्बकीय क्षेत्र में स्पेक्ट्रमी रेखाओं का विपाटन) और स्टार्क प्रभाव (विद्युत क्षेत्र में स्पेक्ट्रमी रेखाओं का विपाटन) को स्पष्ट करने में असफल रहा।

(iii) यह परमाणुओं के रासायनिक आबन्धों द्वारा अणु बनाने की योग्यता की व्याख्या नहीं कर सका।

प्रश्न : सहसंयोजक यौगिक के लक्षण बताइये।

उत्तर : (i) सहसंयोजक यौगिक गैस और द्रव हैं। इनमें कुछ नर्म ठोस हैं। डायमण्ड, सिलिका, कार्बोरण्डम कुछ अपवाद हैं।

(ii) इनके गलनांक और क्वथनांक अपेक्षाकृत कम होते हैं, क्योंकि इनके अणुओं के मध्य क्षीण अन्तर अणुक आकर्षण बल होते हैं।

(iii) सहसंयोजक यौगिक अपनी गलित अवस्था में या ठोस अवस्था में विद्युत के कुचालक हैं।

(iv) सहसंयोजक बन्ध दृढ़ और दिशात्मक होते हैं।

(v) सहसंयोजक यौगिकों की अभिक्रियाएँ जटिल और धीमी होती हैं।

प्रश्न : विद्युत अपघटन के लिए क्या-क्या आवश्यक अवयव हैं?

उत्तर : **(i) विद्युत अपघट्य :-** वे पदार्थ जो द्रवित अवस्था में या जलीय विलयन में विद्युत का संचालन करते हैं विद्युत अपघट्य कहलाते हैं। जैसे- अम्ल, क्षार और लवण आदि।

(ii) विद्युत धारा :- किसी चालक में इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह विद्युत धारा कहलाता है।

(iii) इलेक्ट्रोड :- किसी विद्युत अपघटन या गैल्वेनी सेल में उपस्थित धात्विक छड़ को इलेक्ट्रोड कहते हैं।

प्रश्न : मानसिक रोग क्या होते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर : मानसिक रोग एक मानसिक अवस्था है, जिसका प्रभाव व्यवहार पर दिखाई देता है। ये रोग तनाव से होते हैं एवं व्यक्ति के सामाजिक विकास को प्रभावित करते हैं। जैसे - डिस्लेक्सिया (यह याद करने से संबंधित रोग है, इसमें पढ़ने में कठिनाई होती है), अल्जाइमर रोग, साइजोफ्रेनिया आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-56)

समाजशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : सामाजिक परिवर्तन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : सामाजिक संरचना, प्रकार्य एवं अन्तरसंबंधों में होने वाला परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन कहलाता है।

प्रश्न : पितृ तंत्र क्या है?

उत्तर : समाज का वह स्वरूप जिसमें सत्ता पुरुषों के हाथों में केन्द्रित होती है। यह भारतीय समाज की प्रमुख विशेषता रही है।

प्रश्न : 'भारतीय ग्राम' से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : विभिन्न ग्रामीण जातियों/वर्गों के बीच अंतः क्रियात्मक संबंध, शक्ति संरचना, परिवार, विवाह, नातेदारी, लैंगिक संबंध आदि से संबंधित अवधारणा।

प्रश्न : निष्क्रमण

उत्तर : जन्म पश्चात् बालक को पहली बार घर से बाहर ले जाना।

प्रश्न : काम

उत्तर : वे सभी इच्छायें जो इन्द्रियों की संतुष्टि के लिये आवश्यक हों, काम के अन्तर्गत आती हैं। काम, मनुष्य को भौतिक सुख की ओर प्रेरित करता है।

प्रश्न : भारतीय शास्त्रों में वर्णित यज्ञों के प्रकार बताइये।

उत्तर : भारतीय शास्त्रों में ब्रहम, पितृ, देव, भूत एवं नृयज्ञ नामक पाँच यज्ञों के प्रकार बताये गये हैं।

प्रश्न : पॉस्को एक्ट - 2012

उत्तर : बच्चों को यौन उत्पीड़न, पोर्नोग्राफी आदि से संरक्षित करने के उद्देश्य से 14 नवम्बर 2012 से देश में लागू अधिनियम।

प्रश्न : सामाजिक मूल्य

उत्तर : किसी समाज के प्रचलित लक्ष्य, आदर्श/मापदंड, जिनके द्वारा व्यक्ति वस्तुओं, घटनाओं/व्यवहारों को मूल्यांकन करे, सामाजिक मूल्य हैं।

50 शब्द

प्रश्न : सामाजिक परिवर्तन के चलते समाजों द्वारा अनुभूत संघर्षों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : व्यापक शिक्षा, लक्ष्यों की आवश्यकतानुरूप साधन, योजनाओं में दूरदर्शिता एवं सामाजिक अनुकूलता, मानवीय, प्रथागत, सांस्कृतिक मुद्दों राजनीतिक गुटबंदी तथा दलीय स्वामीभक्ति के कारण राष्ट्रीय लक्ष्यों पर सर्वसम्मति, आदि का अभाव, जनतांत्रिक मुद्दों के विपरीत प्रशासनिक कार्यप्रणाली, अक्षमता, पक्षपात एवं स्वार्थ सिद्धि आदि।

प्रश्न : सम्प्रदाय और पंथ में अंतर स्पष्ट कीजिये।

उत्तर :

सम्प्रदाय	पंथ
1. बहुत्ववादी दृष्टिकोण	1. संकीर्ण अवधारण
2. मत द्वारा विकसित	2. सम्प्रदाय से विकसित
3. स्वयं संहिता व विविध प्रकार के धार्मिक विश्वास होते हैं।	3. भावनाओं के दृष्टिकोंण, प्रतीकों का जटिल मिश्रण होता है।
4. मध्यमवर्गीय समाज में विकास होती है	4. महानगरों में अधिक तेजी से विभाजित

प्रश्न : धर्म निरपेक्षीकरण को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : वह प्रक्रिया जिसके द्वारा समाज के विभिन्न वर्ग, धार्मिक प्रतीकों एवं धार्मिक संस्थाओं से मुक्त होते हैं, धर्म निरपेक्षीकरण कहलाती है। इसके द्वारा रूढ़िवाद एवं साम्प्रदायिकता जैसे जटिल और विघटनकारी समस्या का समाधान किया जाता है। इसके अर्न्तगत राज्य को धर्म से अलग रखना, राज्य के द्वारा सभी समुदायों के साथ समान एवं निष्पक्ष व्यवहार रखना आदि शामिल हैं।

प्रश्न : क्या भारतीय जाति-व्यवस्था में परिवर्तन आया है? विवेचन कीजिये।

उत्तर : जन्माधारित एक बंद सामाजिक व्यवस्था के रूप में प्रचलित जाति व्यवस्था में विभिन्न आर्थिक, राजनैतिक एंव आधुनिक कारणों से गतिशीलता विद्यमान रही है, जिस कारण वर्तमान समाज में यह परिवर्तित होने के साथ-साथ कमजोर भी प्रतीत होती है। अन्तर्जातीय विवाहों में वृद्धि, योग्यता आधारित व्यवसाय, संस्कृतिकरण और स्वतंत्रता, समानता जैसे आधुनिक मूल्यों के कारण यह संभव हो पाया है।

प्रश्न : साम्प्रदायिक समरसता के लिये गाँधी जी के प्रयासों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : गांधी जी के लिए धर्म किसी एक विशेष धार्मिक समुदाय की सैद्धान्तिक व्याख्या न होकर समस्त धर्मों में निहित मूलभूत सत्य था। वे धर्म के शाश्वत मूल्यों के आधार पर एकता की बात करते थे। गांधी जी द्वारा सांप्रदायिक पंचाट, पृथक मुस्लिम निर्वाचन पद्धति एवं मुस्लिम लीग की विचारधारा का विरोध किया गया। इसके अलावा विभिन्न रचनात्मक ग्रामीण कार्यक्रमों, खिलाफत आंदोलन का समर्थन आदि के द्वारा साम्प्रदायिक समरसता को बढ़ाने का प्रयास किया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-57)

राजव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : विशेष बहुमत किसे कहते हैं?

उत्तर : सदन की कुल संख्या का आधे से अधिक और उपस्थित तथा मत देने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत।

प्रश्न : अनुच्छेद 262

उत्तर : संसद विधि द्वारा किसी अंतरराज्यीय नदी/नदी-दून के जल प्रयोग/ वितरण / नियंत्रण के संबंध में किसी विवाद/परिवाद के न्याय निर्णयन का उपबंध कर सकेगी।

प्रश्न : भारतीय संविधान द्वारा भारत शासन अधिनियम, 1935 से ली गई विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : संघीय तंत्र, राज्यपाल का कार्यकाल, न्यायपालिका, लोक सेवा आयोग, आपातकालीन उपबंध व प्रशासनिक विवरण।

प्रश्न : भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची ?

उत्तर : दल-बदल के आधार पर संसद/विधानसभा के सदस्यों की निरर्हता संबंधी उपबंध, जिसे 52 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1985 द्वारा जोड़ा गया।

प्रश्न : 'गणतंत्र' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : लोकतांत्रिक राजव्यवस्था का एक प्रकार जिसके अंतर्गत राज्य प्रमुख का प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से एक निश्चित समय के लिये चुनाव किया जाता है।

प्रश्न : सम्पत्ति के अधिकार की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर : प्रारंभ में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में वर्णित इस अधिकार को 44 वें संविधान संशोधन 1978 द्वारा समाप्त कर 300क के अन्तर्गत कानूनी अधिकार बनाया गया।

प्रश्न : प्रमुख गाँधीवादी नीति-निर्देशक तत्वों के बारे में बताइये।

उत्तर : नीति-निर्देशक तत्वों के अन्तर्गत अनुच्छेद 40, अनुच्छेद 43, अनुच्छेद 43ख, अनुच्छेद 46, अनुच्छेद 47 और अनुच्छेद 48 में गाँधीवादी सिद्धान्तों का उल्लेख है।

प्रश्न : भारतीय संविधान की प्रमुख संघीय विशेषताओं के बारे में बताइये।

उत्तर : लिखित संविधान, शक्तियों का विभाजन, संविधान की सर्वोच्चता, स्वतंत्र न्यायपालिका एवं द्विसदनीय विधायिका।

50 शब्द

प्रश्न : विदेशी अंशदान विनिमय अधिनियम।

उत्तर : राष्ट्रीय हित अथवा राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टि से घातक गतिविधियों के संचालन के लिये प्राप्त विदेशी अंशदान अथवा सहायता पर प्रतिबंध लगाने के लिये गृह मंत्रालय द्वारा प्राधिकृत अधिनियम जो राजनैतिक प्रकृति वाले संगठनों एवं अन्य संगठनों को विदेशों से प्राप्त अंशदान को विनियमित कर सकता है।

प्रश्न : ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकार विधेयक के प्रमुख प्रावधानों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : यह विधेयक राज्य द्वारा ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने और उनके कल्याण के लिये एक व्यापक राष्ट्रीय नीति के निर्माण और क्रियान्वयन के लिये आधार प्रदान करता है। इसमें कानून के समक्ष ट्रांसजेंडर लोगों को मान्यता प्रदान करने और OBC कोटे के तहत शिक्षा/सरकारी नौकरी में आरक्षण, अधिकार एवं सुविधाएँ प्रदान करने का प्रावधान है।

प्रश्न : वित्त आयोग

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद-280 में वर्णित अर्द्धन्यायिक निकाय जिसका गठन राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक पाँचवे वर्ष/आवश्यकतानुसार उससे पहले भी किया जाता है। वित्त आयोग संघ एवं राज्यों के मध्य करों का वितरण, भारत की संचित निधि में से राज्य हेतु अनुदान आदि के संदर्भ में राष्ट्रपति को सिफारिश करता है। वर्तमान 14वें वित्त आयोग (2012-17) के अध्यक्ष वाई.वी.रेड्डी हैं।

प्रश्न : निर्वाचन आयोग के प्रमुख कार्यों की चर्चा करें -

उत्तर : परिसीमन आयोग अधिनियम के आधार पर समस्त भारत के निर्वाचन क्षेत्रों के भू-भाग का निर्धारण, निर्वाचक नामावली तैयार करना एवं योग्य मतदाताओं का पंजीकरण, निर्वाचन की तिथि/समय सारणी तैयार करना, राजनीतिक दलों को मान्यता एवं चुनाव चिन्ह आंवटित करना, निर्वाचन के समय आचार संहिता का निर्माण, संसद सदस्यो की निरर्हता से संबंधित मामलों पर राष्ट्रपति को सलाह देना, संबंधित विवाद की जाँच हेतु अधिकारी नियुक्त करना आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-58)

विश्व का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : फैकोलिथ

उत्तर : ज्वालामुखी उद्गार के समय मोड़दार पर्वतों की अपनति एवं अभिनति में लावा के जमाव से निर्मित चट्टान।

प्रश्न : आकृति के आधार पर डेल्टा के विभिन्न प्रकारों के नाम बताइये।

उत्तर : आकृति के आधार पर चापाकार, पंजाकार, ज्वारनदमुखी, रुण्डित एवं क्षीणाकार डेल्टा पाये जाते हैं।

प्रश्न : छत्रक शिला (मशरुम रॉक) से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : रेगिस्तानी क्षेत्रों में जब ऊपर कठोर शैल और नीचे कोमल शैल लम्बवत् रूप में मिलते हैं तो पवन के अपघर्षण से निर्मित विभिन्न प्रकार के स्थलरूप छत्रकशिला कहलाते हैं।

प्रश्न : सिमूम

उत्तर : सहारा तथा अरब के मरुस्थलों में चलने वाली गर्म शुष्क हवा जिसमें रेत की मात्रा अधिक होने के कारण चल पाना मुश्किल होता है।

प्रश्न : संवहनीय वर्षा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : संवहन धाराओं के चलने से गर्म वायु ऊपर उठती है और संघनित हो वर्षा करती है। इसे संवहनीय वर्षा कहते हैं।

प्रश्न : फॉकलैण्ड धारा

उत्तर : एक ठण्डी जलधारा जो दक्षिण अमेरिका के दक्षिणी-पूर्वी तट पर दक्षिण से उत्तर की ओर बहती है।

प्रश्न : पर्यावरण अवनयन से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : किसी देश/प्रदेश/क्षेत्र के भौतिक पर्यावरण के एकल अथवा कई संघटकों में उत्पन्न होने वाली अवनत अवस्था।

प्रश्न : भूकंप के विभिन्न कारणों के बारे में बताइये।

उत्तर : ज्वालामुखी क्रिया भूपटल भ्रंशन, भूपटल में संकुचन एवं मानव जनित कारणों के फलस्वरूप भूंकप आता है।

प्रश्न : भू-सन्नति

उत्तर : लम्बे, संकरे व उथले जलीय भाग जिसमें निक्षेपण, धसाव एवं अन्ततः पर्वत निर्माण होता है।

50 शब्द

प्रश्न : समताप मण्डल

उत्तर : क्षोभमण्डल के ऊपर ट्रोपोपॉज से 80 किलो मीटर तक स्थित इस मण्डल में ताप संबंधी वितरण में समानता पाई जाती है। टोजरेस डी बोर्ट द्वारा खोजे गये इस मण्डल में 35 से 55 किलोमीटर के मध्य ओजोन मण्डल उपस्थित है जो सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी पर जीवन सुलभ बनाता है।

प्रश्न : बादलों के विभिन्न प्रकारों के बारे में बताइये।

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय मौसम विज्ञान परिषद् के अनुसार वर्गीकृत बादल के प्रकारों में पक्षाभ मेघ, पक्षाभ स्तरी मेघ, पक्षाभ कपासी मेघ, मध्य स्तरीय मेघ, मध्यकपासी मेघ, स्तरी कपासी मेघ, स्तरी मेघ, वर्षा-स्तरी मेघ, कपासी मेघ और कपासी वर्षा मेघ आते हैं।

प्रश्न : अम्ल वर्षा के दुष्प्रभावों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : अम्लीय वर्षा भूमि एवं जल में रहने वाले जीव-जन्तु समान रूप से दुष्प्रभावित होते हैं। फसल उत्पादकता क्षीण, मानव स्वास्थ्य में विकृति उत्पन्न हो जाती है। इसके अलावा असंतुलित पर्यावरण तंत्र, जल में भारी धातुओं की उपस्थिति में वृद्धि आदि अन्य दुष्प्रभाव हैं।

प्रश्न : निम्न ज्वार

उत्तर : जब सूर्य, पृथ्वी एवं चन्द्रमा समकोण की स्थिति में होते हैं तो सूर्य तथा चन्द्रमा के आकर्षण बल एक दूसरे के विपरीत कार्य करते हैं। जिस कारण निम्न ज्वार अनुभव किया जाता है। यह स्थिति प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष एवं शुक्ल पक्ष की अष्टमी को होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-59)

भारतीय इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : इण्डियन नेशनल आर्मी

उत्तर : 28-30 मार्च 1942 को रास बिहारी बोस द्वारा टोकियों, जापान में गठित सेना।

प्रश्न : हंटर शिक्षा आयोग

उत्तर : भारतीय प्राथमिक शिक्षा प्रणाली में सुधार करने के उद्देश्य से 1882 में हंटर की अध्यक्षता में गठित आयोग।

प्रश्न : देशी भाषा समाचार पत्र अधिनियम

उत्तर : लार्ड लिटन द्वारा 1878 में लागू किये गये इस "मुँह बंद करने वाले अधिनियम" को लार्ड रिपन द्वारा समाप्त कर दिया गया।

प्रश्न : उदंड मार्तंड

उत्तर : 1826 में कानपुर से जुगल किशोर द्वारा प्रकाशित भारत का प्रथम हिन्दी समाचार पत्र।

प्रश्न : द्वितीय गोलमेज सम्मेलन

उत्तर : 7 सितम्बर- 1 दिसम्बर 1931 तक लंदन में आयोजित इस सम्मेलन में गाँधी-इरविन समझौते के फलस्वरूप गाँधी जी ने भाग लिया जो अन्ततः असफल रहा।

प्रश्न : कर्नाटक युद्ध

उत्तर : 18वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश एवं फ्रांस द्वारा लड़े गये तीन युद्ध जिनके परिणामस्वरूप फ्रांस को पाण्डिचेरी तक सीमित होना पड़ा।

प्रश्न : बटलर समिति

उत्तर : सरकार तथा रियासत के संबंधों के परीक्षण एवं इन्हें परिभाषित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 1927 में नियुक्त समिति।

प्रश्न : पूना सार्वजनिक सभा

उत्तर : जनसाधारण एवं सरकार के बीच मध्यस्थता करने के उद्देश्य से 1867 में स्थापित सभा। प्रमुख नेता एम.जी. रानाडे।

प्रश्न : नील दर्पण

उत्तर : नील विद्रोह (1860) पर आधारित दीनबन्धु द्वारा रचित नाटक जिसके द्वारा ब्रिटिश शासन व शोषण को उजागर किया गया।

50 शब्द

प्रश्न : भू-राजस्व की रैयतवाड़ी व्यवस्था को समझाइये।

उत्तर : कैप्टन रीड तथा मुनरो के द्वारा 1792 में प्रायोगिक रूप में तथा 1820 से सम्पूर्ण मद्रास प्रेसिडेंसी और तत्पश्चात् देश के लगभग 51 प्रतिशत भू-भाग पर लागू इस पद्धति में किसान को ही भूस्वामी मानकर 33 प्रतिशत राजस्व लिया जाता था।

प्रश्न : ब्रह्म समाज

उत्तर : 20 अगस्त 1828 को एकेश्वरवाद की उपासना, मूर्तिपूजा का विरोध, पुरोहितवाद का विरोध, अवतारवाद का खण्डन आदि के उद्देश्य से राजा राममोहन राय द्वारा ब्रह्म समाज की स्थापना की गई। इसके द्वारा हिन्दू धर्म में प्रचलित बुराइयों का खण्डन कर पुनर्जागरण की चेतना भरने का प्रयास किया गया।

प्रश्न : नेहरू रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशों की चर्चा करें।

उत्तर : 1928 में मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में गठित इस 8 सदस्यीय समिति की सिफारिशें निम्नलिखित थीं -

भारत में पूर्ण उत्तरदायी शासन की स्थापना, प्रांतों में द्वैध शासन की समाप्ति, सांप्रदायिक चुनाव प्रणाली की समाप्ति, सिंध प्रांत का बम्बई से पृथक्करण, केन्द्र में द्विसदनीय व्यवस्था की स्थापना आदि।

प्रश्न : भारत छोड़ो आंदोलन के प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिये।

उत्तर : जापान की सफलता से ब्रिटिश साम्राज्य के पतन के प्रति भारतीयों के विश्वास में वृद्धि, क्रिप्स मिशन की असफलता, युद्ध के कारण भारत की बिगड़ती स्थिति, भारत में विदेशी सैनिकों का अभद्र व्यवहार, युद्ध के दौरान ब्रिटिश द्वारा किसी भी समझौते के लिये तैयार न होना आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-60)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : ट्रान्सफार्मर

उत्तर : विद्युतधारा की वोल्टता को परिवर्तित करने हेतु प्रयुक्त यंत्र जो दो प्रकार के होते हैं- स्टेप अप एवं स्टेप डाउन।

प्रश्न : धमनी

उत्तर : वे रक्त वाहिनियाँ जो शुद्ध रक्त को हृदय से शरीर के विभिन्न भागों तक पहुँचाती हैं।

प्रश्न : क्रोमोसोम

उत्तर : कोशिका के केन्द्र में पाये जाने वाली धागेनुमा संरचना जो आनुवांशिक गुणों के वाहक होते हैं।

प्रश्न : आसंजक बल

उत्तर : समान पदार्थ के अणुओं के मध्य लगने वाले बल को आसंजक बल कहते हैं।

प्रश्न : एण्टीबायोटिक्स

उत्तर : जीवाणुओं को नष्ट करने में प्रयुक्त दवाएँ एण्टीबायोटिक्स कहलाती हैं। जैस - पेनिसिलीन, स्ट्रेप्टोमाइसिन आदि।

प्रश्न : क्रायोजेनिक्स

उत्तर : विज्ञान की वह शाखा जिसके अन्तर्गत अत्यन्त निम्न ताप की उत्पत्ति, नियंत्रण और अनुप्रयोग का अध्ययन किया जाता है।

प्रश्न : अपररूप

उत्तर : समान पदार्थ के रासायनिक रूप से समान किन्तु भौतिक रूप से भिन्न-भिन्न रूपों को अपररूप कहते हैं। जैसे- कार्बन के अपररूप हीरा तथा ग्रेफाइट हैं।

प्रश्न : ह्यूमस

उत्तर : मिट्टी में पाये जाने वाले कार्बनिक पदार्थों का मिश्रण जो मिट्टी के उपजाऊपन को बढ़ाता है।

50 शब्द

प्रश्न : संतुलित आहार से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : ऐसा भोजन जिसमें शरीर की वृद्धि और स्वास्थ्य के लिये आवश्यक सभी पोषक तत्व एवं अन्य अवयव निश्चित मात्रा में उपलब्ध हों, संतुलित आहार कहलाता है। संतुलित आहार से 3000.4000 कैलोरी ऊष्मा मात्रा की जा सकती है जो एक साधारण मनुष्य के दैनिक क्रियाकलापों हेतु आवश्यक है।

प्रश्न : 'मिशन इन्द्रधनुष' से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : जन्म से लेकर दो साल तक के बच्चों सहित गर्भवती महिलाओं को सात प्रकार की बीमारियों यथा - डिप्थीरिया, काली खाँसी, टिटूनेस, क्षय रोग, पोलियो, हेपेटाइटिस बी एवं खसरा से सुरक्षा के उद्देश्य से 25 दिसम्बर 2014 को टीकाकरण स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया कार्यक्रम। इसके अलावा जापानी इंसेफेलाइटिस एवं हीमोफिलस इन्फ्लूएंजा टाइप बी के लिये भी टीके प्रदान किये जायेंगे।

प्रश्न : बेरी-बेरी

उत्तर : मनुष्य में विटामिन-B_1 (थायमीन) की कमी से होने वाला रोग जिसमें माँसपेशियों में पाई जाने वाली तंत्रिकाओं के टूटने से माँसपेशियाँ कमजोर हो जाती हैं और दर्द होने लगता है। इसके उपचार हेतु रोगी को दूध, हरी सब्जियाँ, सोयाबीन, माँस, अण्डा, दाल आदि का प्रयोग अधिक करना चाहिये।

प्रश्न : चन्द्रमा के धरातल पर न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बहुत अधिक अन्तर क्यों रहता है?

उत्तर : चन्द्रमा के धरातल पर पड़ने वाली सूर्य की किरणों का वितरण असमान होता है। जिस समय चन्द्रमा का धरातल सूर्य के प्रकाश की ओर होता है तो वह बहुत अधिक मात्रा में ऊष्मा अवशोषित कर अत्यधिक गर्म हो जाता है। इसके विपरीत अवस्था में सूर्य का प्रकाश धरातल पर नहीं पड़ने के कारण यह बहुत अधिक ठण्डा हो जाता है। इस प्रकार जब दिन में तेज गर्मी होती है वहीं रात में तेज ठण्ड भी होती है।

प्रश्न : सोडियम धातु को केरोसिन तेल में रखा जाता है, क्यों?

उत्तर : सोडियम धातु आर्द्रता की उपस्थिति में आग पकड़ लेती है और सोडियम हाइड्रोऑक्साइड और हाइड्रोजन में परिवर्तित हो जाती है। सोडियम धातु की प्रतिक्रिया, हवा में मौजूद जलवाष्प (आर्द्रता) के साथ होती है। इसलिए, उसे केरोसिन तेल में रखा जाता है, जो पैराफिन हाइड्रोजन है। इसके साथ सोडियम धातु की प्रतिक्रिया नहीं होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-61)

लोक प्रशासन

15 शब्द

प्रश्न : पटवारी के प्रमुख कार्यों को बताइये।

उत्तर : भू-अभिलेख रखना, राजस्व संग्रह करना, भूमि सुधार में सहयोग, आपातकालीन सहायता, ग्रामीण विकास, राजस्व अभियान आदि।

प्रश्न : प्रशासनिक सुधार से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : प्रशासन की कार्यप्रणालियों एवं संगठनात्मक स्वरूप में परिवर्तन तथा कर्मचारियों के कार्य एवं कार्य दशाओं को संतोषजनक बनाना।

प्रश्न : अन्तरराज्यीय परिषद् की उपयोगिता बताइये।

उत्तर : भारत संघ के राज्यों में पारस्परिक सहयोग की स्थापना एवं विवादों से संबंधित परामर्श देने हेतु महत्वपूर्ण संस्था।

प्रश्न : लोक आयुक्त के प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : राज्य प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं भाई-भतीजावाद की जाँच करना। कुछ राज्यों में मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों के विरुद्ध आरोपों की जाँच करता है।

प्रश्न : चुंगीकर के महत्त्व को समझाइये।

उत्तर : नगरपालिका संस्थाओं को विभिन्न मूलभूत सेवाओं यथा जल, विद्युत, सड़क, सफाई आदि के लिए आवश्यक धन की प्राप्ति चुंगीकर द्वारा ही होती है।

प्रश्न : प्रत्यायोजित विधान किसे कहते हैं?

उत्तर : विधान निर्माणकारी संस्था द्वारा अपने विधायन कार्यों को किसी अन्य निकाय को सौंप देने के फलस्वरूप निकाय द्वारा निर्मित विधान।

प्रश्न : लोक कर्मचारियों की भर्ती की पद्धति

उत्तर : लोक कर्मचारियों की भर्ती की दो पद्धतियाँ प्रचलित हैं- प्रत्यक्ष/सीधी भर्ती एवं पदोन्नति/अप्रत्यक्ष भर्ती।

प्रश्न : मंत्रिमण्डल समितियों का प्रमुख कार्य क्या है?

उत्तर : मंत्रीमण्डल के कार्यों को सुविधापूर्वक शीघ्रता से एवं दक्षतापूर्वक सम्पन्न करने में सहयोग करना।

प्रश्न : स्थानीय स्वायत्तता क्या है?

उत्तर : स्थानीय कार्यों पूर्ण सत्ता के साथ स्थानीय अधिकारियों द्वारा सम्पन्न कराना ही स्थानीय स्वायत्तता है।

50 शब्द

प्रश्न : भारत सरकार के गृह मंत्रालय के प्रमुख कार्यों का विश्लेषण कीजिये।

उत्तर : लोक सेवकों का नियमन करना, उच्च पदों की स्थापना एवं सेवा शर्तों का नियमन करना, देश में शांति व्यवस्था बनाये रखना, देश में राजनीति को प्रभावित करने वाले महत्त्वपूर्ण कार्य करना, समाचार पत्र प्रकाशन तथा पासपोर्ट आदि से संबंधित कार्य, भ्रष्टाचार निरोध एवं प्रशासनिक सुधार के कार्य करना, केन्द्र शासित क्षेत्रों में शांति व्यवस्था एवं सुप्रशासन की दृष्टि से महत्वपूर्ण कार्य करना आदि।

प्रश्न : राज्य प्रशासन में सचिवालय की भूमिका को उजागर कीजिये।

उत्तर : बजट के अनुसार खर्च की प्रगति का मूल्यांकन करना, सम्पूर्ण राज्य प्रशासन का मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन करना, राज्य मंत्रिमण्डल एवं उसकी विभिन्न समितियों को सचिवीय सहायता उपलब्ध कराना, केन्द्र सरकार एवं केन्द्रीय अभिकरणों से संबंध बनाये रखना, राज्य की सांख्यिकी नीति बनाना, निष्पादित करना और समन्वय स्थापित करना, विभिन्न सरकारी सूचनायें राज्यपाल तक पहुँचाना आदि।

प्रश्न : भारतीय प्रशासन पर ब्रिटिश प्रभाव की विवेचना कीजिये।

उत्तर : भारतीय जनतांत्रिक प्रशासन की परम्परायें, संसदीय शासन प्रणाली, 1935 के विधान से प्रभावित शक्तिशाली केन्द्र, राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियाँ, संघ व्यवस्था, अखिल भारतीय सेवायें, प्रशासन की केन्द्रीय इकाई के रूप में जिले की स्थापना, लोक सेवाओं का वर्तमान वर्गीकरण, पुलिस प्रशासन, कानून व्यवस्था, जिलाधीश की भूमिका आदि ब्रिटिश प्रभाव देखने को मिलता है।

प्रश्न : न्यायालय प्रशासकीय मामलों में कब हस्तक्षेप करता है?

उत्तर : प्रशासनिक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन, स्वविवेक पद का दुरूप्रयोग, निष्पादित कार्यों में गलती अथवा अधूरा कार्य निष्पादन, कानून का उपयोग जनता के अहित में करना, दिये गये निर्णयों/निर्देशों से वाद उत्पन्न हो तो ऐसी स्थिति में न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप किया जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-62)

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

15 शब्द

प्रश्न : निषेधाधिकार (वीटो)

उत्तर : सुरक्षा परिषद के 5 स्थाई सदस्य राष्ट्रों की वह शक्ति जो किसी प्रस्ताव के स्वीकृति या रद्द होने में भूमिका निभाती है।

प्रश्न : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में राज्येत्तर कर्त्ता

उत्तर : संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व व्यापार संगठन, ब्रिक्स, आसियान, दक्षेस आदि अन्य क्षेत्रीय संगठन राज्येत्तर कर्त्ता के रूप में विद्यमान हैं।

प्रश्न : तनाव शैथिल्य

उत्तर : शीतयुद्ध में सोवियत संघ व अमेरिका के आपसी सम्बन्धों में तनाव/उग्रता में शिथिलता ही तनाव शैथिल्य है।

प्रश्न : शीत युद्धोत्तर विश्व

उत्तर : 1991 में सोवियत संघ के विघटन के फलस्वरूप अमेरिका का एक मात्र महाशक्ति बने रहना, यू.एन.ओ के प्रभाव में वृद्धि, वैश्विक तनाव में कमी।

प्रश्न : चारा व छड़ी कूटनीति

उत्तर : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में एक राष्ट्र द्वारा दूसरे राष्ट्र को सहयोग देकर उस पर नियंत्रण कर लेने की कूटनीति।

प्रश्न : चकमा शरणार्थी

उत्तर : 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से भारत मे आने वाले शरणार्थी।

प्रश्न : गुजराल सिद्धान्त।

उत्तर : प्रधानमंत्री गुजराल द्वारा भारत के पड़ौसी देशों विशेषतः सार्क देशों के साथ शांतिपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखने सम्बन्धी सिद्धान्त।

प्रश्न : धार्मिक कट्टरवाद

उत्तर : अन्य धर्मों के प्रति असहिष्णुता रखते हुये अपने धर्म के प्रचार-प्रसार के लिये राजनीतिक हिंसा एवं आंतक के माध्यम से स्वार्थ सिद्ध करना।

प्रश्न : राष्ट्रीय हित

उत्तर : सम्प्रभुता सम्पन्न राज्यों की वे अभिलाषायें, जिन्हें वो अन्य राज्यों के सन्दर्भ में प्राप्त करना चाहते हैं।

प्रश्न : विचारधारा

उत्तर : किसी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक कार्यक्रम का गठन करने वाली व्यवस्थित तथा क्रमबद्ध धारणायें/ सिद्धांत/लक्ष्य।

50 शब्द

प्रश्न : सी.टी.बी.टी. पर भारतीय पक्ष

उत्तर : परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाने के उद्देश्य से लाई गई इस संधि में पक्षपातपूर्ण नियमों के चलते अगस्त 1996 में भारत द्वारा इस पर औपचारिक वीटो किया गया । इस संधि के अनुसार नवीन परीक्षणों (भूमिगत) पर पूर्ण प्रतिबंध है अर्थात् प्रयोगशाला में परीक्षण संभव है। इस प्रकार यह नवीन राष्ट्रों को परमाणु हथियार बनाने से रोकती है जो कि अप्रासंगिक है।

प्रश्न : आयुध व्यापार

उत्तर : द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप व्याप्त असुरक्षा की भावना एवं नवोदित राष्ट्रों के परस्पर संघर्षों के चलते बड़ी संख्या में हथियारों की खरीद की गई। अमेरिका की साम्यवाद अवरोधन एवं यू.एस.एस.आर. की साम्यवाद प्रसार नीति के चलते इन्होंने अनेक राष्ट्रों को रियायती दर पर अथवा मुफ्त हथियार उपलब्ध करवाये, जिसका विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

प्रश्न : संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख उद्देश्यों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : सामूहिक व्यवस्था द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय शांति सुरक्षा, निशस्त्रीकरण की प्रवृत्ति को बढ़ावा, परमाणु युद्ध के खतरे में कमी लाना, नागरिक स्वतंत्रताओं एवं मानवाधिकारों को संरक्षण प्रदान करना, विकासशील एवं विकसित देशों के मध्य आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्वक समाधान करना आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-63)

भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : नारकोडम

उत्तर : अंडमान सागर में स्थित भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखीय द्वीप जिसकी ऊँचाई 710 मीटर है।

प्रश्न : नोक्रेक

उत्तर : मेघालय में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान जिसे यूनेस्को द्वारा बायोस्फियर रिजर्व घोषित किया गया है; पांडा, हाथी, मकाक बंदर के लिए प्रसिद्ध।

प्रश्न : अनाइमुडी

उत्तर : केरल के पश्चिमी घाट में दक्षिण भारत की सबसे ऊँची चोटी (2695 मीटर), वृहद् जैवविविधता का स्थल।

प्रश्न : मिस्ट्रल

उत्तर : एक स्थानीय ठण्डी पवन जो स्पेन तथा फ्रांस में उत्तर-पूर्व से दक्षिण पूर्व दिशा में चलती है।

प्रश्न : लैगून की उत्पत्ति स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लैगून की उत्पत्ति तट से खुले सागर के मध्य किसी बैरियर तथा कोरल एटॉल के कारण बाधक बनने से होती है।

प्रश्न : अपक्षय

उत्तर : किसी स्थान विशेष पर यथावत् चट्टानों का टूटना तथा विघटन अपक्षय कहलाता है, यह एक स्थैतिक प्रक्रिया है।

प्रश्न : भोर घाट

उत्तर : भारत के पश्चिमी घाट में स्थित जो मुम्बई व पुणे के बीच संपर्क मार्ग बनाता है। यहाँ खण्डाला पर्यटन क्षेत्र स्थित है।

50 शब्द

प्रश्न : तड़ित-झंझा का वर्णन कीजिए।

उत्तर : तड़ित-झंझा ऐसे तूफान या झंझावात होते हैं, जिनमें ऊपर की ओर हवाएं चलती हैं तथा चमक-गरज के साथ मूसलाधार बारिश होती है। इस प्रकार की वर्षा को बादल फटना कहते हैं। तड़ित-झंझा की उत्पत्ति तथा विकास 3 अवस्थाओं से होकर गुजरता है -

1. कपासी अवस्था
2. प्रौढ़ावस्था
3. विलीन अवस्था

प्रश्न : भारतीय मानसून की उत्पत्ति के कारक बताइए।

उत्तर : (i) हिमालय तथा तिब्बत के पठार की यांत्रिक अवरोधक के रूप में अवस्थिति।

(ii) परिध्रुवीय भंवर की उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव के ऊपर क्षोभमण्डल में स्थिति।

(iii) उच्चतलीय क्षोभ मण्डल में जेट स्ट्रीम का संचार।

(iv) हिन्द महासागर तथा एशिया महाद्वीप की ऊष्मीय विलोमता

(v) एल-निनो का दक्षिणी दोलन।

प्रश्न : समुद्री प्रदूषण के प्रभावों का विवरण दीजिए।

उत्तर : (i) जहरीले तत्वों के प्रभाव से सागरीय जीवों में महामारियां फैल जाती हैं।

(ii) सागरीय तल में तेल फैल जाने से पौधों का प्रकाश संश्लेषण प्रभावित होता है। कोरल रीफ का जीवन चक्र बाधित होता है।

(iii) ऑक्सीजन की मात्रा में कमी।

(iv) उद्योगों द्वारा निःसृत रासायनिक प्रदूषकों को छोटी मछलियां तथा जीव खाते हैं, जिन्हें बड़े जीव खाते हैं। इस प्रकार सागरीय खाद्य श्रृंखला प्रभावित होती है।

(v) उपर्युक्त जन्तुओं को जब मनुष्य खाता है तो उसका भी स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

प्रश्न : प्रवाल विरंजन किसे कहते हैं?

उत्तर : जब सागरीय जल के तापमान में 1 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हो जाती है तो शैवालों का रंग सफेद हो जाता है तथा ये प्रकाश संश्लेषण नहीं कर पाते हैं। परिणामस्वरूप इन शैवालों के अभाव में प्रवालों को भोजन नहीं मिल पाता तथा वे मरने लगते हैं। इसे प्रवाल विरंजन कहते हैं।

प्रश्न : भारत में कृषि आधारित उद्योगों की समस्याओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर : मिलों का छोटा आकार, उत्पादकता में कमी, पुरानी तकनीकी का उपयोग, कच्चे माल की समय पर अनुपलब्धता, उच्च उत्पादकता मूल्य, त्रुटिपूर्ण सरकारी नीति, वैश्विक बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सूती तथा जूट उद्योग का बांग्लादेश में उदय, उप उत्पादों के निपटान की समस्या, शोध की कमी, आधुनिकीकरण एवं पंजीकरण का अभाव, निम्न श्रमिक उत्पादकता, भारी उत्पादन शुल्क आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-64)

व्यवहार

15 शब्द

प्रश्न : व्यवहार

उत्तर : कोई भी प्रकट क्रिया/प्रतिक्रिया जो मनुष्य या जानवर करता है तथा जिसका किसी प्रकार प्रेक्षण किया जा सकता है।

प्रश्न : संज्ञान

उत्तर : जानने के साथ जुड़ी सभी मानसिक प्रक्रियाएं, यथा - प्रत्यक्षण, चिंतन और याद करना इत्यादि। यह सूचना के प्रक्रमण, समझ एवं संप्रेषण से संबंधित है।

प्रश्न : निर्णय

उत्तर : विकल्पों के मूल्यांकन एवं उनमें से उपयुक्त चुनाव की प्रक्रिया निर्णय कहलाती है।

प्रश्न : सांवेगिक बुद्धि

उत्तर : ऐसे कौशलों का समुच्चय जो संवेगों के सही आकलन, मूल्यांकन, अभिव्यक्ति और नियमन के आधार होते है।

प्रश्न : अधिगम

उत्तर : अनुभव के कारण प्राणी के व्यवहार में होने वाला अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन।

प्रश्न : अभिप्रेरक

उत्तर : व्यवहार को शक्ति देने वाले और निर्देषित करने वाले कारक अभिप्रेरक कहलाते है।

प्रश्न : मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरक का अर्थ स्पष्ट करें?

उत्तर : वैयक्तिक एवं अंतवैयक्तिक अभिप्रेरक जो शक्ति, आत्म-सम्मान, सबंधन और दूसरे लोगों से घनिष्टता बढ़ाने के लिए व्यक्तियों को प्रेरित करता है।

प्रश्न : बौद्धिक प्रतिभाशीलता

उत्तर : विविध प्रकार के कृत्यों में श्रेष्ठ निष्पादन के रूप में प्रदर्शित असाधारण बौद्धिक क्षमता।

प्रश्न : बुद्धि लब्धि

उत्तर : कालानुक्रमिक आयु से मानसिक आयु का अनुपात इंगित करने वाला मानकीकृत बुद्धि परिक्षणों से प्राप्त एक सूचकांक।

प्रश्न : विशेषक या शीलगुण।

उत्तर : अनेक प्रकार की पारिस्थितियों में व्यक्त होने वाला अपेक्षाकृत सगंत एवं असंगत व्यवहार का स्वरूप।

प्रश्न : तनाव

उत्तर : ऐसी घटनाओं के प्रति हमारी अनुक्रिया, जो हमारी शारीरिक/मनोवैज्ञानिक कार्यशीलता को विघटित कर देती हैं या विघटित करने का प्रयास करती है।

प्रश्न : अधिगम अंतरण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : किसी भिन्न स्थिति में पहले के सीखने के कारण एक नई स्थिति में अधिक त्वरित रूप से सीखना।

50 शब्द

प्रश्न : तनाव के कारणों का विश्लेषण कीजिए?

उत्तर : सामान्यतः ध्यान केंद्रित न कर पाना, स्मृति ह्रास, गलत निर्णयन, विसंगति, अनियमित उपस्थिति तथा समय पालन, आत्म-सम्मान में कमी, दुर्बल दीर्घकालिक योजना, अचानक व्यग्र ऊर्जा का फट पड़ना, अत्यांतिक भावदशा परिवर्तन, भावात्मक विस्फोट, दश्चिंता, भय, अवसाद, निंद्रा में कठिनाई, खाने में कठिनाई, औषधियों का दुरूपयोग, शारीरिक रोग, जैसे- पेट खराब होना, सरदर्द, कमर दर्द, इत्यादि तनाव के कारण है।

प्रश्न : क्रोध प्रबंधन के कुछ उपाय बताइए?

उत्तर : अपने विचारों की शक्ति को पहचानना, नकारात्मक भावनाओं का निषेध करना, क्रोध नियंत्रण का प्रयास करना, दूसरों के व्यवहारों के प्रति आरोपण न करना, दूसरे व्यक्तियों अथवा घटनाओं के प्रति अतार्किक विश्वासों का ना पनपने देना, रचनात्मक कार्यों में रूचि बढ़ाना, क्रोध नियंत्रण हेतु समय देना आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-65)

विश्व का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : मेसोपॉज

उत्तर : वायुमण्डल के ऊपर की ओर जाने पर न्यूनतम तापक्रम की सीमा, मेसोपॉज कहलाती है।

प्रश्न : पेन्टोग्राफ

उत्तर : मानचित्रों के लघुकरण एवं विवर्धन में प्रयुक्त होने वाला यंत्र पेन्टोग्राफ कहलाता है।

प्रश्न : आइसोथर्म रेखायें

उत्तर : मानचित्र के समान तापमान वाले स्थानों को दर्शाने वाली रेखायें आइसोथर्म रेखायें कहलाती हैं।

प्रश्न : ऋतु

उत्तर : पृथ्वी के परिभ्रमण कक्षा पर अक्ष झुकाव एवं सूर्य के चतुर्दिक के फलस्वरूप जलवायु की अवस्थाओं में होने वाला परिवर्तन।

प्रश्न : मलक्का जलसंधि

उत्तर : इण्डोनेशिया एवं मलेशिया के मध्य अण्डमान सागर एवं दक्षिणी चीन सागर को जोड़ने वाली जलसंधि।

प्रश्न : जलभृत किसे कहते हैं?

उत्तर : वे चट्टानें, जिनके अन्दर से भूमिगत जल स्वच्छंद रूप से बहता है, जलभृत कहलाती हैं।

प्रश्न : लोपोलिथ

उत्तर : धरातल के नीचे अवतल आकार वाले छिछले बेसिन में लावा के जमाव के फलस्वरूप निर्मित तश्तरीनुमा आकृति।

प्रश्न : देशान्तर

उत्तर : किसी स्थान की कोंणीय दूरी, जो प्रधान याम्योत्तर (ग्रीनविच रेखा) के पूर्व व पश्चिम में होती है।

प्रश्न : ट्री द्वीप

उत्तर : अरब सागर में लक्षद्वीप समूह का एक कोरल द्वीप, जहां नारियल की खेती होती है, प्रसिद्ध पर्यटक स्थल ।

50 शब्द

प्रश्न : प्रशान्त महासागर एवं हिन्द महासागर की प्रमुख धाराओं के नाम बताइये।

उत्तर : उत्तरी विषुवत रेखीय धारा, क्यूरोशिबो की धारा, अलास्का की धारा, क्यूराइल की धारा, कैलिफोर्निया की धारा, दक्षिण विषुवत्रेखीय धारा, पूर्वी आस्ट्रेलिया की धारा, पेरू की धारा, एलनिनो अथवा विपरीत विषुवत् रेखीय धारा प्रशान्त महासागरीय एवं उत्तरी-पूर्वी मानसून धारा, दक्षिणी-पश्चिमी मानसून धारा, दक्षिणी भूमध्यरेखीय धारा, मोजाम्बिक की धारा और अंगुलहास की धारा प्रमुख हिन्द महासागरीय धारायें है।

प्रश्न : उपोष्ण उच्च वायुदाब पेटियाँ

उत्तर : 30^0 से 35^0 अक्षांशों के मध्य दोनों गोलार्द्धों में विस्तारित वायुदाब पेटियाँ, जहाँ वर्षपर्यन्त अपेक्षाकृत उच्च तापमान पाया जाता है। पृथ्वी की दैनिक गति एवं वायु के अवतलन के स्वरूप उच्च वायुदाब क्षेत्र के कारण यह क्षेत्र 'घोड़े के अक्षांश' (हॉर्स लेटिट्यूड) के नाम से भी जाना जाता है।

प्रश्न : अनातोलिया का पठार

उत्तर : तुर्की में पोंन्टिक एवं टॉरस श्रेणियों के मध्य एजियन तट से आर्मीनिया गाँठ तक विस्तृत पठार, जो तुर्की का पठार के नाम से भी जाना जाता है। इसकी औसत ऊँचाई 800 मीटर है तथा इसमें ज्वालामुखी निक्षेप के कारण बीच-बीच में अनेक उभरी आकृतियों का निर्माण हुआ है। यहाँ खनिज पदार्थों के उत्खनन का कार्य भी बढ़ रहा है।

प्रश्न : जनसंख्या की समस्याओं के बारे में बताइये।

उत्तर : जनसंख्या में असाधारण वृद्धि, जनसंख्या के अनुपात में भूखण्डों की सीमितता, जनसंख्या का असमान वितरण, प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग न होना, प्राकृतिक संसाधनों पर जनसंख्या का दबाव, स्थानान्तरण पर प्रतिबन्ध, अन्य प्राकृतिक समस्यायें आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-66)

भारतीय अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : प्रतिकारी शुल्क

उत्तर : आयातक देश द्वारा राशिपातन की जाने वाली वस्तु पर उच्च दर से लगाया जाने वाला आयात शुल्क।

प्रश्न : स्वायत्त निवेश से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : सरकार द्वारा सामाजिक उपव्ययों में किया गया निवेश स्वायत्त निवेश कहलाता है।

प्रश्न : बफर स्टॉक को समझाइये।

उत्तर : किसी व्यापारिक संस्थान/सरकार द्वारा किसी भी वस्तु की कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव को सीमित करने हेतु वस्तुओं का भण्डारण।

प्रश्न : ब्रेन-ड्रेन

उत्तर : विकासशील देशों से दक्ष, कार्य-निपुण एवं प्रशिक्षित मानवीय शक्ति का विकसित देशों की ओर पलायन करना।

प्रश्न : बुलेट ऋण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : ऐसे ऋण जिनका भुगतान किश्तों में न होकर एक साथ ही किया जाता है, बुलेट ऋण कहलाते हैं।

प्रश्न : बीपीओ

उत्तर : किसी उद्यमी द्वारा बाह्य स्त्रोतों (अन्य देशों के विशेषज्ञ) से कार्य करवाने की प्रक्रिया बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) कहलाती है।

प्रश्न : कमोडिटी मनी

उत्तर : ऐसी परिसंपत्तियाँ जो मुद्रा के रूप में व्यवहृत हो सकती हैं अथवा बेची जा सकती हैं; जैसेः सोना।

प्रश्न : हीनार्थ प्रबंधन से आप क्या समझते हो?

उत्तर : सरकार द्वारा आय से अधिक व्यय का बजट निर्माण करने पर अधिक्य को केन्द्रीय बैंक से लोन लेकर पूरा किया जाना।

प्रश्न : विनियम दर

उत्तर : जिस दर पर एक देश की मुद्रा दूसरे देश की मुद्रा में बदल जाती है, उसे विनियम दर कहते हैं।

प्रश्न : अहस्तक्षेप नीति से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : किसी सरकारी हस्तक्षेप के बिना वस्तु तथा उत्पादन स्तर का निर्धारण बाजार की मांग तथा पूर्ति की शक्तियों द्वारा किया जाना।

50 शब्द

प्रश्न : कर्ब ट्रेडिंग को समझाइये।

उत्तर : कर्ब ट्रेडिंग के अंतर्गत निर्धारित ट्रेडिंग समय के बाद अलग से सौदे किये जाते हैं। इस प्रकार के सौदों का विवरण शेयर बाजार में उपलब्ध नहीं होने के कारण ये वैधानिक नहीं माने जाते हैं। वर्तमान में यह सेबी द्वारा प्रतिबंधित है।

प्रश्न : राशिपातन

उत्तर : किसी वस्तु के अति उत्पादन की स्थिति में बाजार में वस्तु के मूल्य को एक न्यूनतम स्तर से नीचे गिरने से रोकने के लिए वस्तु के अतिरिक्त भण्डार को विदेशी बाजार में बहुत कम मूल्य पर बेचने तथा यहाँ तक कि उसे नष्ट कर देने की प्रक्रिया राशि-पातन कहलाती है।

प्रश्न : ई-कामर्स पर टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : ई-कॉमर्स व्यापार और वाणिज्य की ऑनलाइन लेन-देन की कुशल प्रक्रिया है। ई-कॉमर्स व्यापार आज विश्व भर में उभर रहा है। आज प्रगतिशील किसान, ग्रामीण और व्यवसायी ई-कॉमर्स के जरिए घर बैठे ही कुशलतापूर्वक व्यवसाय कर रहे हैं। भविष्य में ई-कॉमर्स के बहुत ही फलने-फूलने की संभावनाएँ हैं।

प्रश्न : यूरो बॉण्ड

उत्तर : भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक तथा भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने कतिपय प्रावधानों के तहत चुनिन्दा कम्पनियों को विदेशी बाजारों में निर्गम द्वारा विदेशी मुद्रा में पूँजी एकत्रित करने की छूट प्रदान कर दी है। इसी के तहत जब कोई भारतीय कम्पनी विदेशों में अपना निर्गम जारी करती है तो उसे यूरो-निर्गम कहा जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-67)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : प्राणी ऊत्तक के प्रकार बताइये।

उत्तर : प्राणी उत्तक चार प्रकार के होते हैं - उपकला ऊत्तक, संयोजी ऊत्तक, पेशी ऊत्तक एवं तंत्रिका ऊत्तक।

प्रश्न : मानव शरीर में पाचन ग्रंथियाँ

उत्तर : आहार नाल से संबंधित पाचन ग्रंथियों में लार ग्रंथियाँ, यकृत एवं अग्नाशय शामिल हैं।

प्रश्न : रूधिर

उत्तर : एक विशेष प्रकार का ऊत्तक, जिसमें द्रव्य, आधात्री (मेट्रिक्स), प्लाज्मा तथा अन्य संगठित संरचनायें पाई जाती हैं।

प्रश्न : अस्थि सुषिरता

उत्तर : उम्र संबंधित विकार, जिसमें अस्थि के पदार्थों में कमी के फलस्वरूप अस्थि भंग की प्रबल संभावना होती है।

प्रश्न : आण्विक द्रव्यमान

उत्तर : अणु में उपस्थित विभिन्न तत्वों के परमाणु द्रव्यमानों का योग आण्विक द्रव्यमान कहलाता है।

प्रश्न : प्रकाश विद्युत प्रभाव से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : कुछ विशिष्ट धातुओं (यथा सीजियम, पौटेशियम आदि) की सतह पर उपयुक्त आवृत्ति वाला प्रकाश डालने पर इलैक्ट्रान का प्रवाह होना।

प्रश्न : श्यानता

उत्तर : द्रवों का अभिलाक्षणिक गुण; तरल की परतों के मध्य लगने वाला घर्षण बल श्यानता कहलाता है।

प्रश्न : आंतरिक ऊर्जा

उत्तर : किसी निकाय की रासायनिक, वैद्युत/यांत्रिक ऊर्जा का योग ही निकाय की आतंरिक ऊर्जा (U) कहलाती है।

प्रश्न : PH स्केल

उत्तर : हाइड्रोनियम आयन की मोलरता में सांद्रता को एक लघुगणकीय मापक्रम में सरलता से प्रदर्शित किया जाता है, जिसे PH स्केल कहते हैं।

50 शब्द

प्रश्न : वर्षा का जल मृदु, परन्तु नदी का जल कठोर होता है, क्यों?

उत्तर : नदियाँ पहाड़ी भू-भाग और समतल मैदानों से जल लेकर गुजरती हैं। इनके जल में कैल्सियम युक्त पदार्थ या चूना-यौगिक घुलता रहता है, जिसके कारण इनका जल कठोर हो जाता है। परन्तु वर्षा-जल वाष्पीकरण के बाद प्राप्त होता है, जिसके कारण यह खनिज-तत्वों से मुक्त रहता है। इसलिए वर्षा का जल मृदु होता है।

प्रश्न : जिस कमरे में अच्छा संवातन (Ventilation) न हो, उसमें लकड़ी का कोयला जलाना खतरनाक होता है, क्यों?

उत्तर : जिस कमरे अच्छा संवातन न हो, उसमें लकड़ी का कोयला जलाने पर, कार्बन-मोनोऑक्साइड गैस उत्पन्न होती है। मनुष्य के स्वास्थ्य पर इसका विषाक्त प्रभाव पड़ता है। कार्बन-मोनोऑक्साइड गैस हीमोग्लोबिन के साथ मिलकर एक स्थायी यौगिक का निर्माण करती है जो हीमोग्लोबिन की ऑक्सीजन-वाहक शक्ति को समाप्त कर देता है। फलतः शरीर के ऊतक ऑक्सीजन न मिल पाने के कारण मृत हो जाते हैं और घुटन के कारण, उसकी मृत्यु हो जाती हे।

प्रश्न : रूट्रांजिस्टर

उत्तर : यह अर्द्धचालकों से बनी ऐसी इलेक्ट्रानिक युक्ति होती है जो ट्रायोड वाल्व के स्थान पर प्रयुक्त की जाती है। ट्रांजिस्टर ट्रायोड वाल्व की अपेक्षाकृत अधिक मजबूत, सस्ते, आकार में छोटे तथा कम वोल्टेज पर ही कार्य करते हैं इसलिये इनमें शक्ति क्षय कम होता है। ट्रांजिस्टरों के इन्हीं गुणों के कारण इनका उपयोग रेडियो, टेलीविजन, कम्प्यूटर आदि में किया जाता है।

प्रश्न : लेसर

उत्तर : लेसर शब्द का अर्थ है विकिरण के उद्दीपित उत्सर्जन द्वारा प्रकाश का प्रवर्धन। लेसर एक ऐसा यंत्र है जिसके द्वारा एक तीव्र, एकवर्णी, समान्तर तथा उच्च कला सम्बद्ध प्रकाश पुंज प्राप्त किया जाता है। लेसर का उपयोग विभिन्न कार्यों जैसे युद्ध क्षेत्र में प्रक्षेपास्त्रों का पता लगाने में, रॉकेट तथा उपग्रहों को नियंत्रित करने में, कठोर पदार्थों को काटने आदि में किया जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-68)

लोक प्रशासन

15 शब्द

प्रश्न : महान प्रबोधन

उत्तर : 1924-27 में मेयो द्वारा हाथ्रोन प्लांट में किये गये प्रयोग, जिसने औद्योगिक संबंधों के नये क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

प्रश्न : वैज्ञानिक प्रबन्ध विचारधारा क्या है?

उत्तर : वह विचारधारा, जो कार्यक्षमता व उत्पादन बढ़ाने, कार्यों के प्रबंध में सुव्यवस्था स्थापित करने के लिए, कार्यों के वैज्ञानिक अध्ययन पर बल देती है।

प्रश्न : विकास प्रशासन

उत्तर : विकास प्रशासन का संबंध विकास कार्यक्रमों के प्रशासन, बड़े संगठन विशेषकर सरकार की प्रणालियों, विकास लक्ष्यों की उपलब्धि के लिए नीतियों और योजनाओं को क्रियान्वित करने से है।

प्रश्न : पदसोपन

उत्तर : एक बहुस्तरीय संगठन जिसमें उच्च अधीनस्थ श्रृंखला में जुड़े हुए क्रमवार कई स्तर होते हैं।

प्रश्न : नियंत्रण क्षेत्र

उत्तर : किसी उद्यम में उसके प्रमुख अधिकारी और उसके मुख्य सह अधिकारियों के बीच सीधे और नियमित संचार संपर्क को नियंत्रण का क्षेत्र कहते हैं।

प्रश्न : प्रत्यायोजन

उत्तर : प्रत्यायोजन वह क्रिया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपने कार्यों के लिए दूसरों को अधिकृत कर सकता है।

प्रश्न : केन्द्रीकरण

उत्तर : प्रशासन के निम्न तल से उच्च तल की ओर प्रशासकीय सत्ता के हस्तान्तरण की प्रक्रिया को केन्द्रीकरण कहते हैं।

50 शब्द

प्रश्न : नौकरशाही के विकास के कारण बताइए।

उत्तर :
- मुद्रा अर्थव्यवस्था की स्थापना होना
- पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का उदय होना
- पश्चिमी समाज में तर्क शक्ति से अवगत होने की प्रवृत्ति
- लोकतंत्र
- यूरोप की जनसंख्या में वृद्धि
- जटिल प्रशासनिक समस्याओं की उत्पत्ति

प्रश्न : 1887 से वर्तमान तक लोक प्रशासन की विकास यात्रा समझाइए।

उत्तर :

चरण	सन्	लोक प्रशासन का प्रकार
प्रथम	1887-1926	राजनीति प्रशासन द्विभाजन काल
द्वितीय	1927-1937	सिद्धांतों का स्वर्णयुग
तृतीय	1938-1947	चुनौतियों का युग
चतुर्थ	1948-1970	पहचान की संकट का युग
पंचम	1971-1990	नवीन लोक प्रशासन का युग
षष्ठम	1991- से वर्तमान	नवीन लोक प्रबंध का युग

प्रश्न : टेलर और फेयोल के कार्यों में प्रमुख अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

टेलर	फेयोल
1. कारखाना प्रबंधन की समस्याओं पर केन्द्रित	शीर्ष प्रबंधन के सामान्य सिद्धांतो की खोज पर केन्द्रित।
2. उत्पादन के तकनीकी पहलुओं पर जोर दिया।	प्रबंधन के सामान्य सिद्धान्तों पर जोर दिया।
3. तकनीकि योग्यता को महत्वपूर्ण माना	प्रबंधकीय योग्यता को महत्वपूर्ण माना।
4. श्रमिकों की कार्यकुशलता में सुधार के प्रयास किये	प्रबंधकीय कार्य क्षमता को विकसित करने पर जोर दिया।

प्रश्न : गुलिक की पोस्डकार्ब की अवधारणा क्या है?

उत्तर : गुलिक ने लोक प्रशासन के कार्य क्षेत्र का निर्धारण करते हुए पोस्डकार्ब की अवधारणा दी, जिसके अनुसार लोक प्रशासन द्वारा 7 कार्य किये जाते हैं :

P – Planning (योजना)
O – Organising (संगठन निर्माण)
S – Staffing (कर्मचारियों की व्यवस्था)
D – Directing (निर्देशन)
Co – Coordinating (समन्वय करना)
R – Reporting (प्रतिवेदन करना)
B – Budgeting (बजट बनाना)

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-69)

कला एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : ख्याल के मुख्य लक्षण बताइए

उत्तर : हिन्दुस्तानी गायन की सर्वाधिक लोकप्रिय शैली, इसकी चार शैलिया प्रचलित हैं - किराना, पटियाला, आगरा एवं ग्वालियर।

प्रश्न : पेरिनी शिवताण्डवम्

उत्तर : आन्ध्रा के काकनीय वंश द्वारा प्रतिपादित एक नृत्य शैली, इसमें योद्धा युद्ध से पहले नटराज की प्रतिमा के सामने नृत्य करते है, यह पुरुष नृत्य है।

प्रश्न : मास्की के संबंध में लिखिए।

उत्तर : मास्की कर्नाटक में स्थित एक पुरास्थल, अशोक द्वारा स्थापित एक शिलालेख प्राप्त हुआ। इस पर अशोक का नाम 'देवनामप्रिय' उत्कीर्ण है।

प्रश्न : रानी गैडिनल्यू किस बालिका लिए प्रसिद्ध रही?

उत्तर : 13 वर्षीय नागा बालिका, सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया, ब्रिटिश सरकार द्वारा आजीवन कारावास का दण्ड, स्वतंत्रता के बाद सरकार द्वारा रिहा हुई।

प्रश्न : चार्वाक

उत्तर : भारतीय दर्शन की भौतिकवादी विचारधारा के व्याख्याता, आत्मा के पुनर्जन्म के सिद्धांत को खण्डन किया था।

प्रश्न : नव कला आंदोलन

उत्तर : यह भारतीय चित्रकला शैली है जो यूरोपियन प्रभावों से उत्पन्न हुई है। इसके प्रणेता अवनीन्द्रनाथ टैगोर, नन्दलाल बोस तथा रवीन्द्रनाथ टैगोर रहे है।

प्रश्न : चिश्ती सिलसिला

उत्तर : मोइनुद्दीन चिश्ती द्वारा भारत में स्थापित पहला सिलासिला, 12वीं शताब्दी में अजमेर में स्थापित, प्रमुख संत- निजामुद्दीन औलिया, गेसूदराज इत्यादि।

50 शब्द

प्रश्न : ब्रिटिश शासन काल में 'धन निर्गम' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : ब्रिटिश सरकार भारत से विभिन्न तरीकों द्वारा धनार्जन कर उसे इंग्लैण्ड भेजती थी जिससे भारतीय सम्पत्ति और संसाधनों का एक हिस्सा अंग्रेजों द्वारा ब्रिटेन को भेज दिया जाता था उसके बदले में भारत को कोई लाभ नहीं मिलता था और इसे ही धन निर्गम कहा जाता था।

प्रश्न : सैफुद्दीन किचलू किसलिए प्रसिद्ध रहे?

उत्तर : जलियाँवाला बाग में एक सभा के दौरान 10 अप्रैल, 1919 को ब्रिटिश सरकार द्वारा गिरफ्तार किए गए, एक स्वतंत्रता सेनानी थे। इन्हीं की गिरफ्तारी के विरोध में जलियाँवाला बाग में जनसैलाब उमड़ा और वहाँ भयंकर हत्याकाण्ड हो गया। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलनों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, तथा 1954 में उन्हें स्टालिन शांति पुरस्कार भी मिला।

प्रश्न : अगस्त, 1917 की घोषणा के विषय में आप क्या जानते है?

उत्तर : तिलक द्वारा स्वशासन की माँग हेतु होमरूल लीग का गठन किया जाना तथा कांग्रेस एवं लीग (मुस्लिम लीग) की बढ़ती नजदीकियों को कम करने तथा आंदोलन के उबाल को रोकने हेतु 20 अगस्त,1917 को भारत सचिव मॉण्टेग्यू ने एक घोषणा प्रसारित की जिसे वर्ष 1917 की अगस्त घोषणा कहा जाता है।

प्रश्न : रॉलेट एक्ट के विषय में आप क्या जानते है?

उत्तर : राजद्रोह (सेडीशन) जाँच कमेटी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर 18 मार्च, 1919 को एक कानून पास किया गया जिसे रॉलेट एक्ट कहा जाता है। इस कानून के अनुसार राजद्रोह के आधार पर किसी भी व्यक्ति को बिना मुकद्मा चलाए जेल में बन्द किया जा सकता था। इसे 'काले कानून' की संज्ञा दी गई तथा इसके विरोध में महात्मा गाँधी द्वारा 'सत्याग्रह लीग' की स्थापना की गई।

प्रश्न : चम्पारण सत्याग्रह के बारे में लिखिए।

उत्तर : 1917 में भारत में गाँधीजी द्वारा चलाया गया प्रथम सत्याग्रह था। यहाँ तीनकठिया प्रथा से परेशान नील के श्रमिकों के शोषण के विरुद्ध आंदोलन किया। सफलता के पश्चात् रवीन्द्रनाथ टैगोर ने गाँधीजी को महात्मा की उपाधि प्रदान की।

प्रश्न : गाँधी-इरविन समझौते की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर :

- एक भारतीय संघ के निर्माण के आधार को आवश्यक आरक्षण के साथ स्वीकार कर लिया गया।
- कांग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेगी तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन समाप्त कर देगी।
- बहिष्कार की रणनीति राजनीतिक हथियार के रूप में अब नहीं अपनाई जाएगी।
- राजनैतिक संगठनों को प्रतिबन्धित करने के आदेश को वापस ले लिया जाएगा।
- हिंसात्मक मुकदमों को छोड़कर सभी मुकदमें वापस तथा राजनीतिक बन्दियों को रिहा किया जाएगा। सभी जुर्माने माफ तथा कांग्रेस द्वारा जब्त सम्पत्ति वापस की जाएगी।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-70)

इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : शारदा अधिनियम के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर : बाल-विवाह को प्रतिबन्धित करने हेतु श्री हरिविलास शारदा के प्रयासों से वर्ष 1930 में अधिनियमित कानून।

प्रश्न : वर्ष 1854 के शिक्षा प्रेषण के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर : सर चार्ल्स वुड की अध्यक्षता में शैक्षणिक विकास की योजना जिसमें प्राथमिक शिक्षा से विश्वविद्यालय स्तर तक की शिक्षा की रूप रेखा थी।

प्रश्न : हेलेबरी कॉलेज

उत्तर : ब्रिटेन में स्थित एक कॉलेज जहाँ प्रारम्भ में ईस्ट इंडिया कम्पनी की नागरिक सेवा परीक्षा होती थी।

प्रश्न : तामलुक की जातिय सरकार

उत्तर : बगांल के मिदनापुर जिले के तामलुक नामक स्थान पर 17 दिसम्बर 1942 से 1 सितम्बर 1944 तक बनी जातिय सरकार जिसने सशस्त्र विद्युत वाहिनी का गठन किया।

प्रश्न : गुलामगिरी

उत्तर : ज्योतिबाफूले की रचना जिसमें सत्यशोधक समाज के विचारों का प्रदर्शन था। इसमें ब्राह्मण एवं जाति-प्रथा के विरोध को दर्शाया गया है।

प्रश्न : गदर पार्टी

उत्तर : एक क्रांतिकारी संगठन, अमेरिका के सैनफ्रासिस्कों के युगान्तर आश्रम में लाला हरदयाल एवं सोहन सिंह भाखना द्वारा 1913 में स्थापित।

प्रश्न : डिवाइड-एट-इंपेरा

उत्तर : अंग्रेजों की प्रसिद्ध नीति "फूट डालो और शासन करो" जिसे लॉर्ड डलहौजी ने प्रारम्भ किया तथा बाद में गर्वनर इसी नीति का पालन कर भारत पर शासन करते रहे।

50 शब्द

प्रश्न : मधुबनी कला

उत्तर : मिथिला अर्थात् बिहार में प्रचलित एक लोक कला जिसमें महिलाओं की अधिक भूमिका होती है इसलिए इसे महिलाओं की चित्र शैली भी कहते हैं। प्रारम्भ में भित्ति चित्र मुख्यतः दीवारों पर ही बनाए जाते थे लेकिन वर्तमान में मधुबनी चित्रकला इतनी व्यापक हो पाई है कि यह भित्ति शैली से कागज, कपड़े तथा कैनवास पर उकेरी जाने लगी है। प्रमुख चित्रकार हैं - गंगादेवी, कौशल्या देवी एवं भारती दयाल इत्यादि।

प्रश्न : गंधार कला शैली के विषय में लिखें।

उत्तर : गंधार कला शैली का विकास कुषाण शासकों के अधीन प्रथम-द्वितीय शताब्दी में हुआ। यह मूर्तिकला की एक विशिष्ट शैली है। इसकी विषयवस्तु भारतीय तथा निरूपण का तरीका यूनानी है। यह यथार्थवादी शैली है। इसमें बुद्ध के जीवन तथा अन्य देवी-देवताओं की अनेक मूर्तियों का निर्माण किया गया।

प्रश्न : सुत्त पिटक

उत्तर : बौद्ध ग्रन्थ के त्रिपिटक में से प्रथम ग्रंथ जो पाँच भागों में विभक्त है। इसके लेखक आनन्द हैं और इसमें बौद्ध धर्म की लगभग समस्त जानकारी मिलती है। इसीलिए इसे बौद्ध धर्म का 'एनसाइक्लोपीडिया' कहते हैं। इसी के भाग अंगुत्तर निकाय में महाजनपदों का वर्णन मिलता है।

प्रश्न : मोहम्मद इकबाल

उत्तर : (1876-1936 ई.) के आधुनिक उर्दू और फारसी के कवि जिनकी पुस्तक 'गुबार-ए-अश्क' में 'सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा' नामक प्रसिद्ध देशभक्त गीत मिलता है। 1930 ई. में लीग की इलाहाबाद बैठक में मुसलमानों के लिए अलग राष्ट्र बनाने की बात कही, इसलिए इन्हें द्विराष्ट्र सिद्धांत का जनक कहते हैं।

प्रश्न : लीसर तथा खान त्यौहार के बीच विभेदन कीजिए।

उत्तर : लीसर - यह त्वांग क्षेत्र (अरुणाचल प्रदेश) का सबसे महत्त्वपूर्ण त्यौहार है जो कि नववर्ष के उपलक्ष्य में मानेपा जनजाति द्वारा मनाया जाता है।

खान - अरुणाचल प्रदेश का खान त्यौहार सामाजिक, सांस्कृतिक धारणाओं का क्षेत्रीय प्रतीक है। यह त्यौहार लगभग सभी जनजातियों द्वारा मनाया जाता है।

प्रश्न : विभिन्न बौद्ध संगीतियाँ बताइए।

उत्तर :

संगीति	सन्	स्थान	शासक	अध्यक्ष
प्रथम	483 ई.पू.	राजगृह	अजातशत्रु	पूरण महाकस्सप
द्वितीय	383 ई.पू.	वैशाली	कालाशोक	सावकमीर
तृतीय	25 ई.पू.	पाटलिपुत्र	अशोक	मोग्गलिपुत्ततिस्स
चतुर्थ	प्रथम शताब्दी ई.	कश्मीर	कनिष्क	वसुमित्र

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-71)

भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : मिश्मी पहाड़ियाँ

उत्तर : अरुणाचल प्रदेश में स्थित, महान हिमालय का दक्षिण-पूर्वी विस्तार, अत्यधिक वर्षा का क्षेत्र, मिश्मी जनजाति का निवास स्थान।

प्रश्न : अमरावती नदी

उत्तर : कावेरी की दायीं प्रमुख सहायक नदी जो, तमिलनाडु से बहते हुए कावेरी में मिलकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

प्रश्न : महासागरीय निक्षेप किसे कहते हैं?

उत्तर : वे सभी असंगठित पदार्थ, जो महासागरीय नित्तल पर एकत्रित रहते हैं। जैसे शैल, ककंड़, पत्थर, मिट्टी पंक, जीव जन्तुओं के अस्थिपंजर तथा वनस्पति।

प्रश्न : हरमट्टन

उत्तर : गर्म व शुष्क स्थानीय पवन जो, सहारा मरुस्थल क्षेत्र में उत्पन्न होकर गिनी तट की ओर चलती है।

प्रश्न : उत्तरी अटलांटिक महासागर की जल धाराओं के नाम बताइए।

उत्तर : **गर्म जलधाराएं** :- उत्तरी विषुवतीय जलधारा, फ्लोरिडा जलधारा, गल्फ स्ट्रीम, उत्तरी अटलांटिक प्रवाह।
ठंडी जलधाराएं :- लैब्रेडोर, ग्रीनलैंड जलधारा व कनारी जलधारा।

प्रश्न : पुलीकट झील

उत्तर : आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु की सीमा पर स्थित एक लैगून, झील जिसके उत्तर में श्रीहरिकोटा स्थित है।

50 शब्द

प्रश्न : जल विभाजक नियोजन के लाभ व हानियां बताइए।

उत्तर : **लाभ** :-
(i) वन व मृदा संरक्षण, जैव विविधता सरंक्षण
(ii) बाढ़ नियंत्रण, वर्षा जल आधिक्य का नियोजन
(iii) जल आपूर्ति (मानव व जन्तु हेतु) सुनिश्चितता
(iv) ऊसर भूमि सुधार, रोजगार उपलब्धता

हानि :-
(i) नदियों के ऊपरी भागों में छेड़छाड़ से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है।
(ii) पर्वतीय क्षेत्र की अनेक वन प्रजातियों के लुप्त होने का खतरा रहता है।

प्रश्न : भारत में बाढ़ आने के कारणों का विवरण दीजिए।

उत्तर : (i) नदियों के ऊपरी भागों में भारी वर्षा के कारण अतिरिक्त जल का तेज प्रवाह से बहना।
(ii) नदियों के उद्गम तथा पहाड़ी भागों से वनों का नियंत्रण नष्ट किया जाना।
(iii) खेती तथा सिंचाई किए जाने वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त जल की निकासी की अपर्याप्त व्यवस्था।
(iv) नदियों का मार्ग परिवर्तन होना तथा उनमें घुमाव होने से बाढ़ आना।

प्रश्न : सतपुड़ा पर्वत श्रेणी पर टिप्पणी करें।

उत्तर : यह श्रेणी पश्चिम में राजमहल पहाड़ियों से लेकर महादेव एवं मैकाल पहाड़ियों तक विस्तृत है। सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ (1350 मीटर) जो महादेव पर्वत पर स्थित है। मैकाल पर अमरकंटक स्थित है, जहां से सोन एवं नर्मदा नदियाँ निकलती हैं। सतपुड़ा पर्वत एक ब्लॉक पर्वत है, जो मुख्यतः ग्रेनाइट व बेसाल्ट चट्टानों से निर्मित है।

प्रश्न : वाताग्रजनन एवं वाताग्रविनाश पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर : जब ताप और आर्द्रता में विपरीत स्वभाव वाली वायुराशियों का अभिशरण एक ही स्थान पर होता है तो ठण्डी एवं गर्म राशियों के मिलने से वाताग्रजनन की उत्पत्ति होती है। वाताग्रजनन के बाद चक्रवाती तूफानों, वर्षण आदि की परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं। जब इन वायुराशियों की विषमता समाप्त होने लगती है तथा इनका विस्तार बहुत अधिक क्षेत्र में हो जाता है तो वाताग्रविनाश होता है।

प्रश्न : प्रायद्वीपीय भारत की नदियों के प्रमुख अभिलक्षणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर : प्रायद्वीपीय भारत की नदियाँ अधिकतर वर्षाधीन हैं। ये प्रौढ़ावस्था को प्राप्त हो चुकी हैं इसलिए इन नदियों की ढाल प्रवणता अत्यन्त मंद है। अधिकांश नदियाँ पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर बहती हैं। ये नदियाँ चौड़ी, लगभग संतुलित एवं उथली घाटियों से होकर प्रवाहित होती हैं। कठोर चट्टानों की उपस्थिति एवं जलोढ़ मृदा की कमी के कारण विसर्पण नहीं कर पाती हैं। बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली प्रायद्वीपीय भारत की नदियाँ अपने मुहाने पर विशाल डेल्टा का निर्माण करती हैं।

प्रश्न : रव (ध्वनि) प्रदूषण को नियंत्रण करने के विधायी उपायों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : धारा 268 - यह धारा बताती है कि लोक उपताप क्या है?
धारा 290 - इसमें उपताप के लिए दण्ड की सीमा है।
धारा 291 - इसमें मनाही के बावजूद उपताप जारी रखने पर दण्ड की सीमा का निर्धारण है।
वाहन अधिनियम 1988 : गाड़ी के हॉर्न और ध्वनि गामक का सही हाल में न होना और मानकों से अधिक ध्वनि करना आपात्तिजनक और दण्डनीय अपराध है।
पर्यावरणीय संरक्षण अधिनियम 1986 :- ध्वनि प्रदूषण पर सरकार के नियंत्रण की शक्ति इस अधिनियम के माध्यम से दी गयी है। जिसके अनुसार ध्वनि प्रदूषण एक दंडनीय अपराध है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-72)

विश्व का इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : जॉन हस

उत्तर : जॉन हस (1369-1415 ई) बोहेमिया निवासी एवं धर्म सुधारक थे, इनके विचारों पर 'जान वाइक्लिफ' का गहरा प्रभाव था।

प्रश्न : टॉमस मूर

उत्तर : ब्रिटिश साहित्यकार एवं धर्म तथा विधिशास्त्र के पण्डित, "यूटोपिया" नामक महान् कृति लिखी।

प्रश्न : द्वितीय विश्व युद्ध के दो मुख्य परिणाम बताइए।

उत्तर : 1) शीत युद्ध का प्रारम्भ
2) UNO की स्थापना

प्रश्न : प्रथम विश्व युद्ध के दो मुख्य कारणों का वर्णन करें।

उत्तर : 1) उत्तरोत्तर बढ़ती राष्ट्रीयता की उग्र भावना एवं सैन्यवादी प्रवृत्ति।
2) गुप्त संधियों तथा गुटबन्दियाँ जिसके फलस्वरूप यूरोप दो सैन्य शिविरों में बंट गया।

प्रश्न : क्रीमिया युद्ध के महत्व के बारे में लिखिए।

उत्तर : क्रीमिया युद्ध से इटली के एकीकरण का प्रश्न यूरोप का प्रश्न बन गया। इसलिए कहा है कि क्रीमिया के कीचड़ से इटली का निर्माण हुआ।

प्रश्न : 1941 के एटलांटिक चार्टर का क्या महत्व है?

उत्तर : 14 अगस्त 1941 को चर्चिल व रूजवेल्ट द्वारा जारी एटलांटिक चार्टर द्वारा मित्र राष्ट्रों के युद्ध उद्देश्यों को जारी किया, साथ ही चार स्वतंत्रताओं की घोषणा की।

प्रश्न : बिस्मार्क की 'रक्त और लौह' की नीति क्या है?

उत्तर : बिस्मार्क की इस नीति के अन्तर्गत सेना में गुणात्मक एवं संख्यात्मक विकास सैन्य बल का कूटनीतिक प्रयोग कर मात्र एक दशक में तीन युद्धों द्वारा जर्मनी का एकीकरण कर लिया।

50 शब्द

प्रश्न : जर्मनी में धर्म सुधार आंदोलन के कारण बताइए।

उत्तर : 16 वीं शताब्दी में जर्मनी में छोटे-छोटे राज्यों का अस्तित्व था एवं यहाँ का शासक वर्ग किसान, प्रबुद्ध वर्ग सभी पोप की चर्च व्यवस्था से पीड़ित थे। मार्टिन लूथर जर्मनी का प्रसिद्ध धर्म सुधारक एवं प्रोटेस्टेण्टवाद का प्रवर्तक था उसके 95 थीसिस में मूलतः लैटिन भाषा में पोप द्वारा धन एकत्रित करने के उपायों के संदर्भ में 95 प्रश्न संकलित थें।

प्रश्न : वर्साय की सन्धि के सैन्य प्रावधान बताइये।

उत्तर : वर्साय की सन्धि का उद्देश्य जर्मनी को सैन्य रूप से पंगु बनाना था। इसके लिए जर्मनी में अनिवार्य सैनिक सेवा समाप्त करना, पैदल सेना की संख्या एक लाख तक सीमित करना, सैन्य सामग्री का उत्पादन अत्यन्त सीमित करना, राईन नदी के पूर्वी तट पर असैन्यीकरण आदि प्रावधान जोड़े गये।

प्रश्न : पुनर्जागरण के कारण बताइएं

उत्तर : 1) धर्म-युद्ध का प्रभाव
2) कुस्तुनतुनिया पर तुर्कों का अधिकार
3) व्यापार का विकास
4) मंगोल साम्राज्य का उदय
5) मानववादी विचारधारा का विकास
6) वैज्ञानिक चेतना का विकास
7) यूरोपवासियों को कागज का ज्ञान तथा गुटनबर्ग द्वारा छापेखाने का आविष्कार।

प्रश्न : धर्म सुधार आंदोलन के परिणाम बताइए।

उत्तर : 1) ईसाई धर्म की एकता का नष्ट होना
2) प्रति धर्म-सुधार आंदोलन
3) धार्मिक असहिष्णुता एवं रक्तपात
4) राष्ट्रीय भावना का विकास
5) लोक भाषाओं का विकास
6) शिक्षा का स्थानीय भाषा में प्रचार-प्रसार

प्रश्न : 1915 की लंदन की गुप्त संधि की मुख्य धारायें क्या थी?

उत्तर : लंदन की गुप्त संधि इटली एवं मित्र राष्ट्रों के बीच हुई, जिसमें प्रथम विश्व युद्ध में इटली को मित्र राष्ट्रों का साथ देना था, जिसके बदले में इटली को ट्रिस्ट, ट्रेसटिनों, दक्षिणी टाइरोल, ग्रेडिस्का एवं अलबानिया द्वीप समूह मिलने थे। इटली को तुर्की के एशियाई क्षेत्र का एक भाग, अफ्रीका में जर्मनी के प्रदेश का कुछ हिस्सा एवं युद्धोपरान्त क्षतिपूर्ति की राशि में से कुछ हिस्सा दिया जाना था। इटली सोमाली लैण्ड एवं लीबिया में विस्तार कर सकता था तथा इंग्लैण्ड इटली को युद्ध के बाद विकास हेतु ऋण देगा।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-73)

अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : समावेशी विकास

उत्तर : आर्थिक विकास की उच्च दर से जनित राष्ट्रीय आय के वितरण में समाज के सबसे कमजोर वर्ग को उचित भाग मिलने संबंधी अवधारणा।

प्रश्न : टैक्स हैवन

उत्तर : विदेशी पूँजी को आकर्षित करने के उद्देश्य से विदेशी निवेशकों से बहुत कम दर पर आयकर एवं निगमकर वसूल करने वाला देश।

प्रश्न : कर अपवंचन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : कर अदायगी को अवैध रूप से बचाने हेतु आय छिपाना/कम बताना, कर अपवंचन कहलाता है।

प्रश्न : सुलभ मुद्रा क्या होती है?

उत्तर : सतत भुगतान शेष घाटे के कारण गिरती हुई विनियम दर वाली मुद्रा को सुलभ मुद्रा कहते हैं।

प्रश्न : वास्तविक आय से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : व्यय योग्य आय में से तत्कालीन महँगाई के प्रभाव को घटाने पर प्राप्त राशि वास्तविक आय कहलाती है।

प्रश्न : मनी लॉण्ड्रिंग

उत्तर : अवैध तरीकों से प्राप्त धन को वैधानिक बनाने की प्रक्रिया मनी लॉण्ड्रिंग कहलाती है।

प्रश्न : ई-विपणन

उत्तर : सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कर वस्तुओं/सेवाओं का क्रय-विक्रय किया जाना, ई-विपणन कहलाता है।

प्रश्न : एमोर्टाइजेशन

उत्तर : किसी ऋण के निर्धारित ब्याज का जब पूर्ण भुगतान किया जाता है, तो उसे एमोर्टाइजेशन कहा जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : वित्तीय उत्प्रेरक

उत्तर : सरकार द्वारा 'वित्तीय उत्प्रेरक' अर्थव्यवस्था को मन्दी से उबारने अथवा आर्थिक संकट में पड़ने से बचाने के लिए प्रदान किया जाता है। इसके तहत देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अर्थव्यवस्था के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों को राजकोषीय प्रोत्साहन दिए जाते हैं। इस प्रकार यह सरकार की गहन निश्चयात्मक कार्यवाही है, जिसका लक्ष्य देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

प्रश्न : हवाला पर टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : हवाला, व्यापार अधिकृत विदेशी विनियम चैनलों को बाईपास करने वाली प्रणाली है। इस व्यापार में सम्मिलित लोग भुगतान घरेलू मुद्रा में प्राप्त करते हैं तथा इसके बदले विदेशों में विदेशी मुद्रा (डॉलर) की आपूर्ति कर देते हैं। यह व्यापार एक प्रमुख संचालक के नियंत्रण में कार्यरत एजेण्टों के माध्यम से परिचालित होता है। हवाला व्यापार की विनियम दरें देश के विभिन्न केन्द्रों में प्रायः अलग-अगल होती हैं।

प्रश्न : प्लास्टिक मनी

उत्तर : प्लास्टिक मनी से तात्पर्य बैंकों, वित्तीय संस्थानों तथा अन्य कम्पनियों द्वारा जारी किए गए क्रेडिट कार्डों से है। भारत के लगभग सभी महानगरों में क्रेडिट कार्डों का चलन बढ़ रहा है। इनसे हवाई जहाज के टिकट, कपड़े, सामान आदि खरीदे जा सकते हैं। अब तो बाजार में पेट्रो कार्ड तक आ गए हैं, जिनसे ग्राहक पेट्रोल पम्पों पर पेट्रोल/डीजल का भुगतान क्रेडिट कार्ड के जरिए कर सकते हैं।

प्रश्न : स्थाई लेखा संख्या

उत्तर : परमानेण्ट एकाउण्ट नम्बर या स्थायी लेखा संख्या आयकरदाताओं को आंवटित एक ऐसी संख्या है, जिससे उसके धारक द्वारा किसी वर्ष में प्राप्त की गई आय एवं अन्य लेन-देन, जिनमें पी ए एन का उल्लेख करना अनिवार्य है, का लेखा-जोखा रखा जाता है ताकि कर अपवंचन को रोका जा सके।

प्रश्न : फिलिप्स वक्र

उत्तर : यह वक्र मुद्रा मजदूरी एवं बेरोजगारी के बीच विपरीत संबंध को व्यक्त करता है अर्थात जब अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी बहुत होती है तो मुद्रा मजदूरी दर बढ़ाने की दर कम होती है, क्योंकि नियोक्ताओं पर मजदूरी दर बढ़ाने का दबाव कम होता है। इसके विपरीत जब बेरोजगारी कम होती है तो मुद्रा मजदूरी दरों में वृद्धि की दर ऊँची होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-74)

राजस्थान इतिहास, कला एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : जीज-ए-मुहम्मदशाही

उत्तर : 1733 में सवाई जयसिंह द्वारा अन्वेषित यंत्रों से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर निर्मित ग्रह नक्षत्रों की सारणी।

प्रश्न : बिजूका

उत्तर : राजस्थान में किसानों द्वारा अपनी फसल को पक्षियों एवं जानवरों से बचाने हेतु खेत में लगाया गया पुरुष/महिला का पुतला।

प्रश्न : पवाड़े

उत्तर : किसी विशिष्ट वीरपुरुष द्वारा किये गये कृत्यों का गुणगान पवाड़ा कहलाता है। जैसे - पाबू जी के पवाड़े।

प्रश्न : महाराणा कुंभा द्वारा अधिग्रहीत विभिन्न उपाधियाँ बताइये।

उत्तर : अभिनव भरताचार्य, हालगुरू, छापगुरू, दानगुरू, हिन्दु सुरताण, राणो रासो, परमगुरू, राजगुरू आदि।

प्रश्न : हिन्दुपत

उत्तर : मेवाड़ के महाराणा संग्रामसिंह (सांगा) को हिन्दु धर्म का संरक्षक एवं उद्धारक होने के कारण हिन्दुपत कहा गया।

प्रश्न : "तीस वर्षीय युद्ध"

उत्तर : अजीतसिंह को जोधपुर का शासक बनाने हेतु मुगलों के विरोध में दुर्गादास के नेतृत्व में मारवाड़ के राठौड़ों द्वारा किया गया संघर्ष।

प्रश्न : सम्प सभा

उत्तर : भीलों के सामाजिक एवं नैतिक उत्थान के उद्देश्य से 1883 में मानगढ़ (बाँसवाड़ा) में गुरू गोविन्द गिरी द्वारा स्थापित सभा।

प्रश्न : खरीता

उत्तर : एक शासक द्वारा अन्य को विवाह नियंत्रण, शोक संदेश, कुशल समाचार अथवा सुरक्षा व्यवस्था हेतु निवेदन के लिये भेजा जाने वाला शाही पत्र।

50 शब्द

प्रश्न : कुंभा द्वारा अर्जित विभिन्न उपलब्धियों पर टिप्पणी कीजिये।

उत्तर : महाराणा कुम्भा ने प्रारम्भ में स्थानीय व पड़ोसी राज्यों को जीतकर शक्ति को बढ़ाया और मेवाड़ की सुरक्षा के लिए आबू व सिरोही पर अधिकार किया। मेवाड़-मारवाड़ संधि, सारंगपुर युद्ध में विजय, मालवा व गुजरात की संयुक्त सेना को हराकर विजयी हुए। विजय स्तम्भ, कुम्भलगढ़ दुर्ग, कुम्भ स्वामी मंदिर का निर्माण करवाया। महान कवि व संगीत क्षेत्र में ज्ञानी कुंभा ने संगीतराज, संगीत मीमांसा, सूड प्रबंध, संगीत ग्रंथों की रचना की। इन्हीं उपलब्धियों के कारण कुम्भा को इतिहास का युग पुरूष मानते हैं।

प्रश्न : स्वदेशी आंदोलन के समय राजस्थानी जनजागृति

उत्तर : स्वामी दयानन्द सरस्वती राजस्थान में स्वदेशी व स्वराज्य का शंख फूंकने वाले पहले समाज सुधारक थे जिन्होंने करौली, जयपुर व अजमेर में स्वधर्म, स्वदेशी, स्वभाषा व स्वराज का सूत्र दिया। 1883 में उदयपुर में परोपकारिणी सभा की स्थापना की। 1885 में राजपूताना गजट, राजस्थान समाचार, 1920 में राजस्थान केसरी, नवीन राजस्थान (1922), 1923 में तरूण राजस्थान प्रभात, नवज्योति, नवजीवन, लोकवाणी आदि समाचार पत्रों ने राष्ट्रीय जागृति पैदा की।

प्रश्न : बीकानेर षड़यंत्र अभियोग

उत्तर : बीकानेर-महाराजा गंगासिंह की दमनकारी नीतियों के विरोध ा में चन्दनमल बहड़, स्वामी गोपालदास, सत्यनारायण सर्राफ, खूबचन्द सर्राफ, मघाराम वैद्य, मुक्ता प्रसाद ने बीकानेर में हो रहे जुल्मों का ज्ञापन 'बीकानेर एक दिग्दर्शन' नाम से तैयार किया। बढ़ती आलोचना के कारण महाराजा ने सार्वजनिक सुरक्षा कानून लगाया। बहड़ व साथियों पर राजद्रोह का मुकदमा चलाकर सजाएं सुनायी गयीं।

प्रश्न : जेन्टलमैन एग्रीमेंट

उत्तर : जयपुर प्रजामंडल की स्थापना के बाद इसके अध्यक्ष हीरालाल शास्त्री ने 16 सितम्बर, 1942 को जयपुर राज्य के प्रधानमंत्री सर मिर्जा इस्माइल को पत्र लिखकर कुछ शर्तें रखी जिनकी पालना न करने पर आंदोलन की चेतातनी दी। जयपुर सरकार ने समझौता किया और आश्वासन दिया कि अंग्रेजों को युद्ध में मदद नहीं की जाएगी और राज्य में उत्तरदायी शासन की स्थापना की कार्यवाही शीघ्र शुरू की जायेगी। यह समझौता 'जेन्टलमैन एग्रीमेण्ट' कहा गया।

प्रश्न : फड़ से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : राजस्थान में भोपों द्वारा किया जाने वाला पट चित्रण फड़ कहलाता है जिसमें वीर लोकनायकों या लोक देवताओं का जीवन चित्रण चित्रित होता है। लगभग 30 फीट लंबे और 5 फीट चौड़े कपड़े पर अंकित जीवन चित्रण के माध्यम से लोककथाओं को अभिव्यक्त किया जाता है। पाबूजी की फड़, देव नारायण जी की फड़ प्रसिद्ध हैं। शाहपुरा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ फड़ चित्रण के प्रसिद्ध केन्द्र हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-75)

पर्यावरण

15 शब्द

प्रश्न : कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर : कर्नाटक के पश्चिमी घाट में स्थित, सर्वाधिक जैव विविधता वाले विश्व के 38 "हाटेस्ट हॉटस्पॉट" में से एक।

प्रश्न : फ्लाई ऐश क्या है?

उत्तर : कोयला दहन उत्पादों में से एक, सूक्ष्म कणों से निर्मित, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है।

प्रश्न : कम्पोस्ट क्या है?

उत्तर : वह जैविक पदार्थ (पत्तियाँ, खाद्य अपशिष्ट आदि) जिसका खाद बनाने और मृदा की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु विघटन और पुनर्नवीकरण किया गया हो।

प्रश्न : CAMPA का उद्देश्य क्या है?

उत्तर : गैर-वन्य उद्देश्यों के लिए परिवर्तित वन्य भूमि की क्षतिपूर्ति के लिए वनीकरण तथा सुधारात्मक गतिविधियों को बढ़ाना देना है।

प्रश्न : वेटलैंड्स क्या हैं ?

उत्तर : स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच संक्रमणकालीन भूमि जहाँ जलस्तर सतह पर या सतह के पास होता है।

प्रश्न : जल मंथन-2 क्या है?

उत्तर : जल संसाधन, नदी विकास और गंगा, संरक्षण मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम जिसके तहत जल संसाधनों के इष्टतम उपयोग के मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित कर तदनुसार नीतियों को परिष्कृत किया जायेगा।

50 शब्द

प्रश्न : जैव चिकित्सा अपशिष्ट क्या है?

उत्तर : जैव चिकित्सा अपशिष्ट में मानव और पशु शारीरिक अपशिष्ट, उपचार उपकरण जैसे सुईयाँ, सीरिंज तथा उपचार और अनुसंधान की प्रक्रिया में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में प्रयुक्त अन्य सामग्रियां सम्मिलित हैं। यह अपशिष्ट अस्पतालों, नर्सिंग होम, पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं, रक्त बैंक आदि में निदान, उपचार या टीकाकरण के दौरान उत्पन्न होता है।

प्रश्न : राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (MCRB) के अनुसार पर्यावरणीय अपराध क्या है?

उत्तर : राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (MCRB) के अनुसार केवल निम्न पाँच कानूनी प्रावधानों के उलंघन को पर्यावरणीय अपराध में शामिल किया गया है :-

- वन अधिनियम, 1927
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986
- वायु (प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1981
- जल (प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1974

प्रश्न : राष्ट्रीय हरित राजमार्ग नीति के उद्देश्य बताइये।

उत्तर : राजमार्गों के किनारे-किनारे वृक्षारोपण के लिए एक नीतिगत ढ़ांचे का विकास, वायु प्रदूषण और धूल के प्रभाव में कमी, गर्मियों के दौरान तपती सड़कों पर छाया प्रदान करना, ध्वनि प्रदूषण एवं मिट्टी के कटाव के प्रभाव में कमी, रोजगार सृजन, प्रथम वर्ष में 6000 किमी लम्बे राजमार्गों पर वृक्षारोपण आदि।

प्रश्न : माइक्रोप्लास्टिक के उपयोग से उपरान्त समस्याएं बताइए।

उत्तर :

- ये गैर-जैवनिम्निकरण होते हैं।
- ये जल प्रदूषण में वृद्धि करते हैं और उनमें जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में व्यवधान उत्पन्न करने की क्षमता होती है।
- जल निकायों में प्रवेश के उपरान्त वे संचित हो जाते हैं और अन्य प्रदूषकों के लिए वाहक के रूप में कार्य करते हैं। वे खाद्य श्रृंखला में कैंसर कारक रासायनिक यौगिकों का वहन करते हैं।
- अपने छोटे आकार के कारण वे अपशिष्ट जल निस्यंदन प्रणाली से भी पार हो जाते हैं।

प्रश्न : ओजोन परत को नुकसानदेह क्यों माना जाता है?

उत्तर : धरातल से 32 किमी से 60 किमी के मध्य ओजोन मण्डल पाया जाता है जिसमें ओजोन गैस की एक परत पाई जाती है। ओजोन परत सूर्य से पृथ्वी पर आने वाली पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है किन्तु विश्व में सभी स्थानों पर ओजोन परत में कमी आ रही है। ओजोन परत का संरक्षण परम आवश्यक है क्योंकि पराबैंगनी किरणें कैंसर जैसी भयानक बीमारियों, ग्लोबल वार्मिंग, द्वीपों के जलमग्न होने, जैसी भीषण आपदाओं की संवाहक हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-76)

भारतीय कला एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : इंडोलॉजी/भारतीय विद्या क्या है?

उत्तर : यह भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास और संस्कृति, भाषा और साहित्य का अकादमिक अध्ययन है।

प्रश्न : अष्टाध्यायी

उत्तर : लगभग 400 ई.पू. में पाणिनी द्वारा रचित संस्कृत का प्राचीनतम व्याकरण ग्रन्थ।

प्रश्न : मोहिनीअट्टम

उत्तर : केरल का शास्त्रीय नृत्य, महिलाओं द्वारा प्रदर्शन, मोहिनी रूप विष्णु के द्वारा भस्मासुर का वध करने के लिए किया था।

प्रश्न : फुलकारी

उत्तर : यह शिल्प का एक रूप है जिसमें शॉल और दुपट्टे पर सरल और बिखरी हुई डिजाइन में कढ़ाई की जाती है।

प्रश्न : वडक्कुन्नाथ मंदिर

उत्तर : केरल में स्थित, यूनेस्को एशिया-प्रशांत पुरस्कार में उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त, इसमें महाभारत के कुछ विषय एवं कला के भित्ति चित्र विद्यमान हैं।

प्रश्न : बोधिसत्व

उत्तर : बौद्ध धर्म के उपसम्प्रदाय महायान के अन्तर्गत उदार बौद्ध मतावलम्बी जिसका आदर्श "बोधिसत्व" होता है। ये समष्टीवादी थे।

प्रश्न : भवानी मन्दिर

उत्तर : 1905 में क्रान्तिकारी बारिन्द्र घोष द्वारा प्रकाशित पत्रिका जिसमें हथियार बनाने की तकनीकी का विस्तृत वर्णन है।

50 शब्द

प्रश्न : कुमारसम्भव

उत्तर : गुप्तकालीन कवि कालिदास द्वारा रचित महाकाव्य जो 17 सर्गों में विभक्त है । इसमें शिव एवं पार्वती के पुत्र कुमार कार्तिकेय के जन्म की कथा का वर्णन, पार्वती की कठोर तपस्या, शिव की समाधि, रति विलाप इत्यादि का सजीवता से वर्णन किया गया है। यह कालिदास की दूसरी बड़ी रचना है।

प्रश्न : विजयनगर कला

उत्तर : विजयनगर के शासकों द्वारा द्रविड़ शैली में अनेक मन्दिरों तथा भवनों का निर्माण करवाया गया। इनकी प्रमुख विशेषता सजावट एवं स्तम्भों का प्रयोग है। स्तम्भों के दण्ड पर हिप्पोग्रीक रचना की गई है। मन्दिरों का आकार वृहद होता था जिसमें गर्भगृह, गोपुरम के अतिरिक्त 'अय्यन' एवं कल्याणमण्डप आदि नवीन रचनाएँ जोड़ी गईं।

प्रश्न : भारत में चमकहीन मृदभाण्ड निर्माण की प्रमुख विभिन्न शैलियाँ कौन-कौन सी हैं ?

उत्तर : भारत में चमकहीन मृदभाण्ड की तीन प्रमुख शैलियाँ हैं, प्रथम चमकरहित काले मृदभाण्ड जो कि गाँवों में बहुत प्रसिद्ध हैं हड़प्पाकाल के मृदभाण्डों से मिलते-जुलते हैं। द्वितीय कागज की तरह पतले मृदभाण्डों ये बिस्किट रंग के होते हैं, इनमें तिरछी नक्काशी या सजावट होती है एवं तृतीय इसमें लाल एवं काले रंग का मिश्रण होता है। यह भी गाँवों में प्रसिद्ध है।

प्रश्न : निजामुद्दीन औलिया

उत्तर : सूफी सन्त, प्रमुख सिलसिला चिश्ती सिलिसले के धर्मगुरु थे। इनका पूरा नाम 'मोहम्मद बिन अहमदबीन दानीयाल अलबुखारी' था। उपाधि महमूब-ए-इलाही थी। इन्होंने 7 सुल्तानों का काल देखा था। ये गयासुद्दीन तुगलक से विवाद के लिए जाने जाते हैं। इनके शिष्य-अमीर खुसरो, नसिरुद्दीन महमूद, शिराज इत्यादि।

प्रश्न : चोल वास्तुकला के संबंध में लिखिए।

उत्तर : चोल शासकों के अधीन (10-11 वीं शताब्दी) वास्तुकला का अत्यधिक विकास हुआ। उन्होंने भव्य मंदिरों का निर्माण करवाया; जैसे - वृहदेश्वर मन्दिर (तंजौर), विजयालय मन्दिर, चोलेश्वर मन्दिर, मातंगेश्वर मन्दिर, राजराज मन्दिर आदि। इनकी प्रमुख विशेषता द्रविड़ शैली में निर्मित गोपुरम, तथा भव्य शिखर हैं।

प्रश्न : मंजूषा कला

उत्तर : यह बिहार राज्य की चित्रकला है जिसके अन्तर्गत भागलपुर जिले का क्षेत्र आता हैं इस चित्रकला में सनई या सन की लकड़ी से मन्दिर जिसे मंजूषा कहते हैं में प्रचलित बिहुला विषहरी की लोक कलाओं में वर्णित चित्रों को ब्रस या कूचियों द्वारा चित्रित किया जाता है। प्रमुख चित्रकार चक्रवर्ती देवी हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-77)

राजव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : व्यवस्था का प्रश्न क्या होता है?

उत्तर : जब संसद की कार्यवाही नियमों के अनुसार नहीं चल रही हो, तो संसद सदस्य विरोधस्वरूप व्यवस्था का प्रश्न उठाते हैं।

प्रश्न : राज्यपाल की नियुक्ति करने, न कि उनको चुनने के पीछे प्रमुख विचार क्या थे?

उत्तर : निर्वाचन के दुष्परिणामों से बचने, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के बीच टकराव की स्थिति को रोकने, संघ का राज्य पर नियंत्रण आदि।

प्रश्न : समान नागरिक संहिता।

उत्तर : नागरिकों के लिए उनके धर्म से परे व्यक्तित्व मामलों को शासित करने हेतु समान कानूनों के समूह को समान नागरिक संहिता कहते हैं।

प्रश्न : नव उदारवाद।

उत्तर : उदारवाद के अहस्तक्षेप की नीति का प्रबल समर्थन एवं राज्य को रात्रिप्रहरी के रूप में मान्यता देने वाली 20वीं सदी की विचारधारा।

प्रश्न : लोकतांत्रिक समाजवाद।

उत्तर : जवाहर लाल नेहरू द्वारा संकल्पित विचारधारा जिसके तहत लोकतांत्रिक साधनों से समाजवाद एवं सामाजिक, आर्थिक न्याय प्राप्त करना।

प्रश्न : शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : विभिन्न विरोधी विचारधाराओं, हितों अथवा गुटों के शांतिपूर्वक साथ रहने का भाव शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व कहलाता है।

प्रश्न : 'संसद की अवमानना' का क्या अर्थ है?

उत्तर : संसद के किसी सदन, अधिवेशन, उसकी समितियों, सदस्यों या अधिकारियों के कार्यों में बाधा डालना व संसदीय नियमों का उल्लंघन।

50 शब्द

प्रश्न : प्रतिस्पर्धी संघवाद क्या है?

उत्तर : प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद एक ऐसी संकल्पना है, जहाँ केन्द्र राज्यों से तथा राज्य केन्द्र से एवं राज्य परस्पर एक दूसरे के साथ भारत के विकास हेतु किए गए संयुक्त प्रयासों में प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह विकास की बॉटम-अप अप्रोच पर टिकी हुई संकल्पना है जिसमें विकास प्रक्रिया मूल रूप से राज्यों के द्वारा निर्धारित होती है।

प्रश्न : कावेरी नदी विवाद चर्चा में क्यों रहा?

उत्तर : सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में किसानों की दशा सुधारने हेतु कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के लिए प्रतिदिन कावेरी नदी से 15000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया। इससे कर्नाटक में व्यापक अव्यवस्था उत्पन्न हो गई तथा बेंगलुरू के कई भागों में क्रर्फ्यू लगाना पड़ा।

प्रश्न : जम्मू एवं कश्मीर के विशेष संवैधानिक प्रावधानों को बताइए?

उत्तर :
1. राज्य का पृथक संविधान
2. राज्य के नाम तथा क्षेत्रफल में परिवर्तन संबंधी प्रस्ताव संसद में राज्य की व्यवस्थापिका की स्वीकृति के बाद हो।
3. क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में तेजी लाना।
4. आपसी विश्वास, सूझ-बूझ तथा एक-दूसरे की समस्याओं का मूल्यांकन करना।
5. आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तकनीक और वैज्ञानिक क्षेत्र में सक्रिय सहयोग तथा पारस्परिक सहायता में वृद्धि करना।

प्रश्न : अंतरराज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 के मुख्य प्रावधान।

उत्तर :
- न्यायाधिकरण का गठन
- न्यायाधिकरण को सिविल न्यायालय के समान शक्तियां
- न्यायाधिकरण के निर्णयों को कार्यान्वित करने के लिए योजनाएं बनाने की शक्ति।
- न्यायाधिकरण को वित्त एवं नियम बनाने की शक्ति।
- जल विवादों का न्याय निर्णयन।
- डाटा बैंक एवं सूचना का अनुरक्षण।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-78)

भारतीय राज्यव्यवस्था एवं विश्व राजनीति

15 शब्द

प्रश्न : आइजन हॉवर सिद्धान्त

उत्तर : ट्रूमैन सिद्धान्त का विकसित रूप जिसका मूल उद्देश्य ब्रिटेन एवं फ्रांस के मध्यपूर्व से हटने के फलस्वरूप उत्पन्न शक्ति शून्यता को भरना था।

प्रश्न : तृतीय विश्व

उत्तर : अतीत में उपनिवेशवाद एवं साम्राज्यवाद से पीड़ित रहे एशिया, अफ्रीका एवं लैटिन अमेरिका के वे देश जो विकास के क्रम में पिछड़े हुये हैं।

प्रश्न : 'न्यास पद्धति' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् पराजित राष्ट्रों से छीने गये प्रदेशों को स्वशासन योग्य बनाने हेतु यू.एन.ओ. द्वारा विजेता राष्ट्रों को सौंपा गया उत्तरदायित्व।

प्रश्न : 'राजनीतिक युद्ध' क्या है?

उत्तर : शत्रु पक्ष को निर्बल करने एवं अपने हितों में अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से युद्ध की परिस्थितियों को बनाये रखना।

प्रश्न : सह-राज्य

उत्तर : किसी विशेष प्रदेश/क्षेत्र पर दो या अधिक विदेशी शक्तियों का संयुक्त नियंत्रण सह-राज्य कहलाता है।

प्रश्न : साल्ट (SALT)

उत्तर : 1972 में अमेरिका एवं सोवियत संघ के मध्य सम्पन्न 'सामरिक शस्त्र परिसीमन समझौता'।

प्रश्न : ऑपरेशन डैसिसिव स्टोर्म

उत्तर : यमन में हाउती (हूती) विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी अरब के नेतृत्व में चलाया गया सैन्य अभियान।

प्रश्न : 'दितान्त'

उत्तर : शीतयुद्ध जनित तनावपूर्ण वातावरण में शिथिलता एवं सद्भाव व सहयोग की भावना में वृद्धि दितान्त कहलाया।

50 शब्द

प्रश्न : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को शक्तिशाली बनाने के क्रम में अपने सुझाव प्रस्तुत करें।

उत्तर : संविधान संशोधन के द्वारा संवैधानिक निकाय बनाया जाये, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत कुछ शक्तियाँ प्रदान की जायें, दूसरे विभागों पर निर्भरता कम करने के लिये स्वयं का विशालकाय कर्मचारी वर्ग का गठन आवश्यक है, विभिन्न सुरक्षा एजेन्सियों, गैर सरकारी संगठनों और मीडिया के साथ तालमेल बेहतर किया जाये, मानवाधिकारों पर समझ एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के प्रयास किये जायें आदि।

प्रश्न : राष्ट्र में नक्सलवाद की समस्या के समाधान हेतु सुझाव दें।

उत्तर : समन्वित रणनीति, सरकारी तथा प्रशासनिक तंत्र की उदासीनता/निष्क्रियता को दूर किया जाये, प्रशासन के समस्त स्तरों पर संवाद को बढ़ावा दिया जाये, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अलग से बजट का प्रावधान किया जाये, भूमि अधिग्रहण से संबंधित विधियों में जनजातियों के हितों का विशेष प्रावधान किया जाये, पुलिस एवं सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण किया जाये आदि।

प्रश्न : वारसा पैक्ट

उत्तर : शीत युद्ध के दौरान वारसा समझौता 14 मई, 1955 को सोवियत संघ के नेतृत्व में नाटो को जवाब देने के लिए साम्यवादी देशों द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य था कि संधि ा पर हस्ताक्षरकर्ता किसी एक या अधिक देशों पर सशस्त्र आक्रमण को सबके विरुद्ध आक्रमण समझा जायेगा और सामूहिक आत्मरक्षा के अंतर्गत सभी राष्ट्र सैनिक व अन्य सहायता उपलब्ध करायेंगे।

प्रश्न : 1971 में भारत-पाक के मध्य सम्पन्न शिमला समझौते के प्रमुख प्रावधानों की चर्चा करें।

उत्तर : (i) दोनों देशों ने यह तय किया कि वे परस्पर संघर्ष को समाप्त करेंगे।
(ii) एक-दूसरे के विरुद्ध घृणित प्रचार नहीं करेंगे।
(iii) दोनों राष्ट्रों के मध्य व्यापारिक व आर्थिक सहयोग को बढ़ावा दिया जायेगा।
(iv) दोनों देशों की सेनायें अपनी अंतर्राष्ट्रीय सीमा में लौट जायेंगी।
(v) दोनों देशों के मध्य डाक-तार सेवा व संचार व्यवस्था पुनः स्थापित की जायेगी।
(vi) शिमला समझौते के क्रियान्वयन के लिए दोनों देशों के शासनाध्यक्ष परस्पर मिलते रहेंगे।

प्रश्न : भारतीय विदेश नीति के उद्देश्यों की विवेचना कीजिये।

उत्तर : (i) अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाये रखना।
(ii) अंतर्राष्ट्रीय विवादों का मध्यस्थ द्वारा निपटारा।
(iii) समस्त राज्यों के मध्य सम्मानपूर्ण संबंध।
(iv) उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद के हर रूप का विरोध
(v) सैनिक गुटों व सैनिक समझौतों से स्वयं को पृथक रखना।
(vi) पड़ौसी राष्ट्रों से सौहार्द्र कायम करना।
(vii) अपने राष्ट्रीय हितों को पूर्ण करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझबूझ को विकसित करना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-79)

नीतिशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : प्लेटो के मुख्य सद्गुण क्या है?

उत्तर : प्लेटो के अनुसार न्याय में विवेक, साहस एवं संयम तीनों का समावेश होना आवश्यक है, यही प्लेटो का मुख्य सद्गुण है।

प्रश्न : कर्त्तव्यवादी नीतिशास्त्र

उत्तर : लोगों को अच्छे कार्यों के प्रदर्शन करने और इस हेतु नियम उपलब्ध कराने से संबंधित नीतिशास्त्र; जैसे कांट का नीतिशास्त्र।

प्रश्न : सद्गुण

उत्तर : अभ्यासपूर्वक कर्तव्यपालन से स्थायी आंतरिक प्रवृति विकसित होती है जो शुभ और उचित पर बल देती है, उसे सद्गुण कहते हैं।

प्रश्न : नोलन समिति

उत्तर : सार्वजनिक जीवन के नैतिक मानदंडों को स्थापित करने के उद्देश्य से ब्रिटिश सरकार द्वारा 1994 में गठित समिति।

प्रश्न : स्थितप्रज्ञ

उत्तर : गीता के अनुसार निष्काम कर्मयोग का पालन करने वाला व्यक्ति ही स्थितप्रज्ञ कहलाता है।

प्रश्न : सार्वभौमिकता के नियम से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : इस नियम के अनुसार मनुष्य को सिर्फ ऐसा आचरण करना चाहिए जिसे वह सार्वभौमिक नियम के रूप में स्वीकार कर सके।

प्रश्न : सामाजिक विघटन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : वह प्रक्रिया जिसमें समाज की मूल मान्यताएँ विघटित होकर नकारात्मक मूल्यों को जन्म देती हैं, सामाजिक विघटन कहलाती है।

प्रश्न : नवीन लोकप्रशासन के मूल्यों को बताइये।

उत्तर : नवीन लोकप्रशासन के प्रमुख मूल्य या आदर्श सामाजिक न्याय, प्रासंगिकता, अनुरूपता, नवीनता एवं मौलिकता आदि हैं।

50 शब्द

प्रश्न : भावनात्मक बुद्धिमत्ता क्या है? इसकी योग्यताएँ भी बताइये।

उत्तर : भावनात्मक बुद्धिमत्ता वह योग्यता है जिससे व्यक्ति अपनी तथा अन्य व्यक्तियों की भावनाओं तथा अनुभूतियों को पहचानता है, उनमें अंतर करता है तथा इस सूचना का प्रयोग अपने चिंतन तथा क्रियाओं को निर्देशित करने के लिए करता है। इसके अंतर्गत चार योग्यताएँ आती हैं - भावनाओं को प्रत्यक्ष करने की क्षमता, भावनाओं का प्रयोग चिंतन को प्रेरित करने के लिए करना, भावनाओं को समझना तथा भावनाओं का प्रबंधन करना।

प्रश्न : व्यक्तिगत संबंधों में नैतिक उत्तरदायित्व लोकसेवक के रूप में उत्तदायित्वों से किस प्रकार भिन्न होते हैं?

उत्तर : लोकसेवक के रूप में हमारे संबंध सार्वजनिक संबंध होते हैं और इन संबंधों पर सार्वजनिक जीवन से जुड़े नैतिक उत्तरदायित्व आबद्ध होते हैं जबकि व्यक्तिगत संबंध हमारी निजी जिम्मेदारी से जुड़े होते हैं। व्यक्तिगत संबंध में सामाजिक प्रतिबद्धताओं के ऊपर व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को प्राथमिकता दी जाती है जबकि लोकसेवक के रूप मे सर्शत सहयोग का आदान-प्रदान होता है तथा सामाजिक शुभ को सर्वोच्च वरीयता दी जाती है।

प्रश्न : "एक असंतुष्ट मनुष्य एक संतुष्ट सूअर की तुलना में बेहतर है"। जे.एस.मिल के इस कथन से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : जे.एस.मिल के अनुसार, सुखों में सिर्फ मात्रात्मक अंतर करना पर्याप्त नहीं है, उनमें गुणों के आधार पर भी अंतर करना चाहिए। सुखों का मूल्यांकन केवल मात्रा की दृष्टि से करना मूर्खता है। मनुष्य में पशुओं से ऊँची प्रवृत्तियाँ होती हैं। जब उसे उन उत्कृष्ट प्रवृत्तियों का ज्ञान हो जाता है तो वह निकृष्ट सुखों की कामना बंद कर देता है। अधिक तीव्र शारीरिक सुख की तुलना में कम तीव्र बौद्धिक सुख अधिक उत्कृष्ट है।

प्रश्न : "मनुष्य को अपने कर्मों पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उसे परिणाम की चिंता नहीं करना चाहिए"। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इसका सामान्य अर्थ है कि व्यक्ति को निष्काम भाव से अर्थात् फल की इच्छा न रखते हुए केवल कर्त्तव्य पर बल देना चाहिए। गीता में कहा गया है कि यद्यपि प्रत्येक व्यक्ति को कर्म के अनुसार फल अवश्य मिलता है किंतु नैतिकता के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति फल के लोभ के लिए कर्म न करे व सफलता या असफलता से विचलित न हो। निष्काम कर्म की स्थिति में आने के लिए मानसिक नियंत्रण तथा संयम जरूरी है तथा निरंतर अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-80)

सामान्य विज्ञान

200 शब्द

प्रश्न : खान-पान की आदतों में बदलाव के कारण लोगों के स्वास्थ्य में क्षति हुई है, परीक्षण करें।

उत्तर : बढ़ते सामाजिक, आर्थिक वैश्वीकरण के कारण खान-पान की आदत सर्वाधिक प्रभावित हुई है। इस कारण एक ओर जहाँ खाद्य पदार्थों के विक्रय में वृद्धि हुई है वहीं दूसरी ओर मानव स्वास्थ्य अत्यधिक कुप्रभावित हुआ है।

वर्तमान में सर्वाधिक प्रचलित फास्ट फूड, पैकेज्ड फूड आदि के कारण मोटापा, ट्रांस फैट के कारण उच्च रक्तचाप, अन्य हृदय संबंधी रोगों ने मानव जीवन को प्रभावित किया है। अल्कोहॉल, चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक आदि का मानव जीवन में बढ़ते प्रभाव के कारण उदर में अम्लता, यकृत, वृक्क आदि प्रभावित होने की संभावना बढ़ जाती है।

दैनिक दिनचर्या में होने वाले परिवर्तनों से भी मानव स्वास्थ्य प्रभावित होता है। देर रात तक जगना और देर से खाना खाने से भी पाचन में समस्या होती है जो कि सभी रोगों की जननी है। अत्यधिक मसालेदार चटपटा खाना खाने के कारण भी उदर संबंधी रोगों की संभावना बढ़ जाती है। दैनिक व्यायाम न करने और आलसी जीवन व्यतीत करने से भी समस्याएं उत्पन्न होने लगी हैं।

विज्ञापनों का भी खान-पान की आदतों पर विशेष प्रभाव पड़ता है। पिज्जा, बर्गर, सॉफ्टड्रिंक, कोल्ड ड्रिंक आदि के विज्ञापनों को अधिक प्रभावी ढंग से पेश किया जाता है, जो व्यक्ति की मानसिकता पर धनात्मक रूप से असर करता है। इसके अलावा विभिन्न मशहूर हस्तियों के द्वारा जब इनका प्रचार किया जाता है तो लोग इस ओर और अधिक लालायित होते हैं।

इस प्रकार वर्तमान समय में खान-पान की आदतों में बदलाव से मानव स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हुआ है, जिसे परिवर्तित किया जाना अत्यावश्यक है। इस हेतु विभिन्न सरकारी प्रयास जैसे योग दिवस, स्वास्थ्य मिशन आदि सराहनीय हैं लेकिन व्यक्ति विशेष को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाना अत्यावश्यक हो गया है। इसलिए नियमित व्यायाम और खान-पान में सुधार लाया जाना चाहिये।

प्रश्न : अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन में भारत की भूमिका की चर्चा करें और भारत के परिप्रेक्ष्य में इसके लाभों का भी वर्णन करें।

उत्तर : भारत और फ्रांस के सहयोग से स्थापित सौर ऊर्जा गठबंधन मकर रेखा और कर्क रेखा के मध्य स्थित लगभग 120 देशों का समूह है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से वैश्विक स्तर पर यह अनूठी पहल है जिसमें अवस्थिति के कारण भारत का योगदान अद्वितीय है।

इसके माध्यम से भारत लगभग 120 देशों का प्रतिनिधित्व करेगा और साथ ही वित्तीय सहयोग भी उपलब्ध करायेगा। भारत द्वारा तकनीकि रूप से अल्पविकसित अथवा अविकसित देशों को सहायता भी उपलब्ध कराई जायेगी।

इसके द्वारा भारत को होने वाले लाभ निम्नलिखित हैं :-

1. भारत द्वारा अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित योगदान में उल्लेखित से 40 प्रतिशत सौर ऊर्जा का लक्ष्य आसानी के पूरा कर लिया जायेगा।
2. सतत् ऊर्जा के उत्पादन से समावेशी विकास लक्ष्यों की प्राप्ति संभव हो सकेगी।
3. नवीन ऊर्जा आधारित वृहद वैश्विक संगठन भारत के हितों की रक्षा करेगा।
4. इसके द्वारा ग़ैर नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों पर निर्भरता कम होगी।
5. भविष्य में ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर दबदबा कायम होगा।
6. अधिक उन्नत तकनीक प्राप्त हो सकेगी जिससे स्थानीय योजनाओं को बल मिलेगा।
7. फॉरेक्स बचत होने से अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

इस प्रकार सौर ऊर्जा गठबंधन भविष्य में एक नवीन विश्व के रूप में विभाजित होगा लेकिन इस हेतु सभी देशों के मध्य सामंजस्यपूर्ण नेतृत्व करना भारत के लिये अत्यावश्यक है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-81)

इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : धर्म सभा

उत्तर : वर्ष 1830 में राधाकान्त देव ने इसकी स्थापना की थी, ये सती-प्रथा, बाल-विवाह के समर्थक थे।

प्रश्न : W.W. हण्टर

उत्तर : वर्ष 1882 में हण्टर की अध्यक्षता में एक 20 सदस्यी शिक्षा आयोग बनाया गया, जिसे प्राइमरी शिक्षा के क्षेत्र में सुझाव देना था।

प्रश्न : वैकम सत्याग्रह

उत्तर : केरल के वैकम में अछूतों के मन्दिर प्रवेश पर रोक थी इसका विरोध केशवमेनन ने किया एवं वैकम सत्याग्रह प्रारंभ किया।

प्रश्न : खुदाई खिदमतगार

उत्तर : उत्तर पश्चिमी भारत में खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा गठित एक अहिंसावादी संगठन जो मुस्लिम कट्टरवारवाद का विरोधी था।

प्रश्न : गुलामगिरी

उत्तर : ज्योतिबाफूले की रचना जिसमें सत्यशोधक समाज के विचारों का प्रदर्शन, ब्राह्मण विरोधी एवं जाति-प्रथा के विरोध को दर्शाया गया।

प्रश्न : भारतीय राज्य आयोग

उत्तर : स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय राज्यों के पुनर्गठन के लिए एक आयोग बनाया गया। इसके अध्यक्ष एम धर थे।

प्रश्न : हेनरी कॉटन

उत्तर : हेनरी कॉटन प्रसिद्ध राष्ट्रवादी नेता थे जिन्होंने वर्ष 1904 में कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता की, सिविल सेवा के सदस्य तथा वर्ष 1906-10 तक ब्रिटिश संसद सदस्य भी रहे।

प्रश्न : मोपला विद्रोह

उत्तर : 1921 ई. में केरल व एरनाडु जिले में प्रारंभ हुआ एक कृषक आन्दोलन। यह ब्राह्मण विरोधी विद्रोह था। मोपला अरब में आए मुस्लिम मजदूर थे इनका नेता अलीमुसलयार था।

50 शब्द

प्रश्न : दाण्डी प्रयाण

उत्तर : 12 मार्च, 1930 को गाँधीजी ने 78 अनुयायियों के साथ साबरमती आश्रम से दाण्डी (नौसारी) तक की 241 किमी की यात्रा की थी। यहाँ दाण्डी में नमक बनाकर नमक कानून का विरोध करते हुए 'सविनय अवज्ञा आन्दोलन' को प्रारम्भ किया।

प्रश्न : गदर पार्टी

उत्तर : एक क्रान्तिकारी संगठन जिसकी स्थापना वर्ष 1913 में अमेरिका के सेन फ्रांसिस्कों के युगान्तर आश्रम में लाला हरदयाल एवं सोहन सिंह भाखना ने की थी। यहाँ से गदर नामक समाचार-पत्र हिन्दी, उर्दू, गुजराती, गुरूमुखी एवं पस्तो भाषा में निकाला था।

प्रश्न : आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद विद्यासागर के अंशदान का आकलन कीजिये।

उत्तर : 19वीं शताब्दी में बंगाल में हुए समाज सुधारकों में ईश्वरचन्द विद्यासागर का नाम प्रमुख है। उन्होंने स्त्रियों की दशा सुधारने तथा उन्हें शिक्षित करने हेतु संस्कृत भाषा, बांग्ला साहित्य पर जोर देकर शिक्षा का प्रसार किया। इस हेतु उन्होंने एक कॉलेज की स्थापना भी की। स्त्रियों की दशा में सुधार लाने हेतु विधवा-पुनर्विवाह को समर्थन दिया और एक व्यापक आन्दोलन चलाया जिससे वर्ष 1856 में विधवा-पुनर्विवाह अधिनियम पास किया गया।

प्रश्न : होर्टोग समिति (1929) के मुख्य निष्कर्षों पर चर्चा करें।

उत्तर : (i) इसने प्राथमिक शिक्षा के महत्व पर बल दिया। इसमें शीघ्र प्रसार अथवा अनिवार्यता की निन्दा की तथा सुधार एवं एकीकरण की नीति की सिफारिश की।

(ii) माध्यमिक शिक्षा हेतु मैट्रिक स्तर पर बल/ग्रामीण प्रवृति के विद्यार्थियों को वर्नाक्यूलर मिडिल स्कूल स्तर पर ही रोका जाए। उन्हें व्यावसायिक और औद्योगिक शिक्षा दी जाए।

(iii) विश्वविद्यालय में सुधार का सुझाव दिया तथा विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने की सिफारिश की गई।

प्रश्न : भारतीय धन का ब्रिटेन में पलायन किन रूपों में हुआ?

उत्तर : भारतीय धन ब्रिटेन में पलायन निम्नलिखित रूपों में हुआ :-

1. गृह व्यय
   (a) सैनिक तथा असैनिक व्यय
   (b) ईस्ट इंडिया कंपनी के भागीदारों को लाभांश
   (c) विदेश में लिए गए सार्वजनिक ऋण
   (d) ब्रिटेन में भण्डार वस्तुओं की खरीद
2. विदेशी बैंक इन्श्योरेंस तथा नौवहन कंपनियों ने भारत से करोड़ों का लाभ विदेश भेजा।
3. विदेशी पूंजी निवेश पर दिया जाने वाला ब्याज।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-82)

अर्थशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : पढ़े भारत, बढ़े भारत योजना

उत्तर : प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा के उद्देश्य से प्रारम्भ योजना जिसमें विद्यालयों में 200 दिनों की पढ़ाई तथा शिक्षकों की उपस्थिति 95% अनिवार्य।

प्रश्न : उस्ताद

उत्तर : केन्द्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा प्रारंभ योजना जिसका उद्देश्य परंपरागत हस्तकरघा को आधुनिक पसंद व बाजार के अनुकूल बनाना है।

प्रश्न : सार्वभौमिक स्वर्ण बांड योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर : सोने के आयात में कमी कर देश के चालू खाते के घाटे को सीमित करना।

प्रश्न : पिंक पेपर क्या है?

उत्तर : रेलवे बोर्ड का यह पेपर 'दुर्घटना पर बनायी जाने वाली रिपोर्ट' है।

प्रश्न : नमामि गंगे का उद्देश्य

उत्तर : गंगा नदी की पारिस्थितिकीय एवं भौगोलिक संपूर्णता की पुनर्स्थापना के साथ इसकी अविरल एवं निर्मल धारा को सुनिश्चित करना।

प्रश्न : ईकोमार्क क्या है?

उत्तर : भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रदूषणरहित उत्पादों हेतु जारी चिन्ह जिसे पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा 1992 में प्रारंभ किया गया।

50 शब्द

प्रश्न : राष्ट्रीय आयुष मिशन

उत्तर : देश की पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहन देने एवं एलोपैथिक चिकित्सकों की कमी को पारंपरिक पद्धतियो अर्थात् आयुर्वेद के चिकित्सकों से पूरा करने के उद्देश्य से 15 सितंबर 2014 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया अभियान। "आयुष" पांच परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों यथा आयुर्वेद,योगा, यूनानी, सिद्धा एवं होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है।

प्रश्न : आदर्श स्मारक योजना

उत्तर : देशभर में संरक्षित 3680 राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारकों एवं पुरातात्विक धरोहरों में से 25 का चयन कर 'आदर्श स्मारकों' के रूप में विकसित किया।

विशेषताएँ :- स्मारकों को पर्यटक अनुकूल बनाना, प्रसाधन कक्ष, पेयजल, कैफेटेरिया, वाई-फाई की सुविधा, गंदे पानी और कूड़ा निस्तारण एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की व्यवस्था। स्मारकों को बुजुर्गों एवं विकलांगों के अनुकूल बनाना।

प्रश्न : श्यामा प्रसाद मुखर्जी ग्रामीण शहरी मिशन (रुर्बन मिशन) का उद्देश्य।

उत्तर : (i) ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट शहरों की तर्ज पर स्मार्ट गांवों को विकसित करना, स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार दिलाना, ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक विकास करना, इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है।

(ii) वर्ष 2019-20 तक पूरे देश के 300 गांवों को स्मार्ट बनाने के लिये 14 तत्वों को शामिल किया गया है।

(iii) मैदानी क्षेत्र में 25 हजार से 50 हजार जनसंख्या वाले गांव जबकि रेगिस्तानी, पहाड़ी एवं आदिवासी क्षेत्र में 5000 से 15000 तक जनसंख्या वाले क्षेत्रों की पहचान की जायेगी।

प्रश्न : नीति आयोग की संरचना बताइए।

उत्तर : नीति आयोग के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होंगे। इसकी शासकीय परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केन्द्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल होंगे। संस्था का एक उपाध्यक्ष और सीईओ होगा जिसकी नियुक्ति प्रधानमंत्री करेंगे। दो अस्थाई सदस्य होंगे जिन्हें संस्थानों से रोटेशन आधार पर लिया जाएगा। चार केन्द्रीय मंत्री पदेन सदस्य होंगे। अलग-अलग विषयों में माहिर विशेषज्ञ इस संस्था के आमंत्रित सदस्य बनाए जाएंगे।

प्रश्न : भारत में विद्युत क्षेत्र में व्याप्त विभिन्न समस्याएं बताइए।

उत्तर : (i) ताप विद्युत उत्पादन के लिए कोयले की उपलब्धता का संकट।

(ii) आयातित कोयले की ऊँची कीमत।

(iii) कैप्टिव खादानों के लिए वन मंजूरी।

(iv) अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कोयले की कीमत बढ़ने का प्रभाव।

(v) कोल इंडिया के ईंधन खरीद समझौते पर बैंकों को समस्याएँ।

(vi) डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के लिए बैंक क्रेडिट में समस्याएँ आदि।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-83)

सामाजिक मुद्दे

15 शब्द

प्रश्न : मानवाधिकार को समझाइये।

उत्तर : मानव के व्यक्तित्व के पूर्ण विकास में आने वाली बाधाओं को दूर करने हेतु प्रदत्त सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक अधिकार।

प्रश्न : ट्रांसजेंडर क्या है?

उत्तर : वे लोग जो सामाजिक लिंग मानदंडों का अतिक्रमण करते हैं अर्थात् वे खुद को जैविक सेक्स के 'विपरीत' लिंग की पहचान करते हैं।

प्रश्न : देवदासी प्रथा

उत्तर : एक कुप्रथा जिसके तहत् माता-पिता अपनी बेटी का विवाह देवता या मंदिर के साथ कर देते थे।

प्रश्न : बाल अपराध रोकने हेतु सुधारात्मक संस्थाओं के नाम बताइए।

उत्तर : रिमांड क्षेत्र या अवलोकन, बाल कल्याण समिति, प्रमाणित या सुधारात्मक विद्यालय, बाल अपराध न्याय बोर्ड, परीक्षा हॉस्टल आदि।

प्रश्न : राष्ट्रीय ग्रामीण विकास नीति

उत्तर : ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु आवश्यक संसाधन एवं वित्त उपलब्ध कराने हेतु आई.डी.बी.आई, नाबार्ड एवं टाटा सामाजिक ट्रस्ट द्वारा संचालित।

50 शब्द

प्रश्न : बाल लिंगानुपात दर को बढ़ाने हेतु किये गये विभिन्न जागरुकता प्रयास बताइए।

उत्तर : (i) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों पर गर्भावस्था के पंजीकरण को प्रोत्साहन। भागीदारों को प्रशिक्षित करना। सामुदायिक लामबंदी का संवेदीकरण।

(ii) गर्भधारण पूर्व और जन्म पूर्व जाँच तकनीकों की निगरानी का क्रियान्वयन।

(iii) बालिकाओं का सार्वजनिक पंजीकरण, ड्रॉप आउट दर में कमी लाना।

(vi) विद्यालयों में लड़कियों के अनुरूप मानक बनाना।

(v) प्रत्येक वर्ष 24 जनवरी को नेशनल गर्ल्स चाइल्ड डे मनाया जाता है।

प्रश्न : नक्सलवाद का आर्थिक विकास पर प्रभाव समझाइए।

उत्तर : नक्सलवाद से राज्यों की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में कमी, उच्च महँगाई दर, कर राजस्व में कमी, स्थानीय निवेश में कमी तथा सुरक्षा में अधिक खर्च, शिक्षा तथा स्वास्थ्य व्यय में कमी, एक्सपोर्ट में कमी, नक्सली हिंसा से परिवहन सुविधाएं भी प्रभावित होती हैं।

प्रश्न : वेश्यावृत्ति को रोकने हेतु कानूनी प्रावधान बताइए।

उत्तर : (i) अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम, 1956 के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति वेश्यावृत्ति के लिए किसी व्यक्ति को खरीदता, बेचता अथवा बहलाता, फुसलाता है तो उसे 3 से 14 साल तक कैद और जुर्माना हो सकता है।

(ii) आईपीसी की धारा 366-A के अंतर्गत नाबालिग लड़की को संभोग के लिए विवश करना जुर्म है।

(iii) धारा-372— वेश्यावृत्ति के प्रयोजन के लिए अप्राप्तवय को बेचना अपराध है।

(iv) धारा-373— वेश्यावृत्ति के प्रयोजन के लिए लड़की की खरीद को अपराध बनाया गया है।

(v) स्त्री अशिष्ट रूप (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986

प्रश्न : महिला अपराध के बढ़ने के कारण बताइए।

उत्तर : (i) पुरूषवादी दृष्टिकोण, पारिवारिक संस्कारों का अभाव, समाज में बढ़ रही अपराधी प्रवृत्ति, रहन-सहन, खान-पान या पहनावें में हुआ परिवर्तन।

(ii) शराब और नशे की लत, बढ़ती अश्लीलता, लचर कानून, कमजोर प्रशासन, भ्रष्ट पुलिस।

(iii) न्यायालय में कठोर दंड का प्रावधान न होना।

(iv) देर से सजा मिलने से निडर अपराधी और सरकारों की संवेदनहीनता।

प्रश्न : भारत में लागू सामाजिक सुरक्षा कानून के नाम बताइए।

उत्तर : (i) कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948

(ii) कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952

(iii) कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923

(iv) मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961

(v) ग्रैच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-84)

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

200 शब्द

प्रश्न : हाल ही में सार्क देशों के वित्त मंत्रियों की बैठक आयोजित हुई जिसमें दक्षिण एशियाई आर्थिक संघ के गठन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। बताइये कि सार्क देशों की आर्थिक एकीकरण के संबंध में अब तक कौन से प्रयास किये गए हैं? आर्थिक एकीकरण के मार्ग में प्रमुख बाधाएँ कौनसी हैं?

उत्तर : हाल ही में सार्क के वित्त मंत्रियों की बैठक में सदस्यों ने दक्षिण एशियाई आर्थिक संघ के गठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः व्यक्त किया। यदि दक्षिण एशियाई आर्थिक संघ को स्थापित किया जाए तो निश्चित तौर पर यह सार्क क्षेत्र में विकास को नया आयाम प्रदान करेगा।

प्रयास

- साफ्टा को एक दशक पहले ही लागू किया जा चुका है।
- दक्षिण एशियाई देशों के मध्य सेवाओं में व्यापार संबंधी समझौते को वर्ष 2010 में हस्ताक्षरित किया गया।
- पिछले वर्ष भारत की पहल पर भारत, नेपाल, भूटान एवं बांग्लादेश के बीच स्वतंत्र आवागमन के लिये मोटर वाहन समझौता लागू किया गया।
- वर्ष 2015 तक सदस्य देशों के द्वारा एक कस्टम यूनियन स्थापित करने की बात कही गई थी किंतु अभी तक इसे स्थापित नहीं किया गया है।

आर्थिक एकीकरण में बाधाएँ

- यद्यपि 'साफ्टा' को लागू किया गया किंतु इसमें कई प्रकार की समस्याएँ विद्यमान हैं। उदाहरण के तौर पर संवेदनशील उत्पादों की सूची से कई उत्पादों को बाहर रखा गया है।
- पाकिस्तान प्रत्येक मुद्दे पर बाधा खड़ी करता है। उदाहरण के तौर पर पिछले वर्ष लागू मोटर वाहन समझौते में शामिल होने से उसने इनकार कर दिया।
- सार्क के सदस्य देशों के बीच आंतरिक व्यापार में भी कई प्रकार की बाधाएँ है।
- आसियान, टीपीपी तथा आरसीईपी के समक्ष 'दक्षिण एशियाई आर्थिक संघ' की सफलता की संभावना काफी सीमित हैं।

प्रश्न : राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हालिया आंकड़ों के अनुसार भारत में महिलाओं, विदेशियों एवं देशद्रोह से संबंधित अपराधों में कमी आई है, किन्तु मानव तस्करी तथा साइबर अपराधों की वृद्धि हुई है। मानव तस्करी एवं साइबर अपराधों में वृद्धि के कारण तथा उपयुक्त समाधान बताइये।

उत्तर : मानव तस्करी की समस्या के कारण

- मानव तस्करी की समस्या के पीछे सबसे बड़ा कारण गरीबी है। गरीबी के कारण लोग तस्करों के जाल में आ जाते हैं।
- गाँवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन ने भी तस्करी को बढ़ावा दिया है।
- सीमा पार देशों से लोगों को तस्करी के लिये लाया जाता है।
- महानगरों में घरेलू काम के लिये बढ़ती मांग ने ग्रामीण क्षेत्रों से बालिकाओं की तस्करी को बढ़ावा दिया है।

मानव तस्करी के समाधान

- ग्रामीण विकास को बढ़ावा तथा लोगों को रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराने की जरूरत है।
- मानव तस्करी से संबंधित एक समर्पित एजेंसी की स्थापना की जानी चाहिये।
- अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर लोगों के अवैध आवागमन को प्रभावी रूप से नियंत्रित करने की जरूरत है।

साइबर अपराध के कारण

- लोगों में इंटरनेट की सुरक्षा से संबंधित जानकारी का अभाव है।
- डिजिटल ट्रांजैक्शन में काफी तीव्र गति से वृद्धि हुई है।
- पड़ोसी देशों के हैकर्स (चीन, पाकिस्तान) ने भारत के विरुद्ध साइबर वार छेड़ रखा है।
- समाज विरोधी तत्वों के कारण भी साइबर अपराध बढ़े हैं।

साइबर अपराध से निपटने के उपाय

- साइबर सुरक्षा नीति का समुचित क्रियान्वयन जरूरी है।
- डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने तथा लोगों को जागरूक बनाने की जरूरत।
- डिजिटल रूप से प्रशिक्षित बलों की जरूरत।
- क्वांटम तकनीकी की आवश्यकता जिसे हैक नहीं किया जा सकता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-85)

विश्व की अर्थव्यवस्था

200 शब्द

प्रश्न 1 हाल ही में भारत एवं आईएमएफ ने भारत में दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता केन्द्र स्थापित करने संबंधी समझौते को अंतिम रूप दिया है। इस समझौते में उल्लेखित बिन्दुओं की चर्चा करते हुए दक्षिण एशिया के विकास पर इसके पड़ने वाले प्रभावों की संक्षिप्त चर्चा कीजिये।

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत में दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता केन्द्र स्थापित करने हेतु 12 मार्च, 2016 को भारत के साथ एक समझौता किया है।

इसके अनुसार आईएमएफ एवं भारत, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल तथा श्रीलंका का एक साझा केन्द्र होगा जो इस क्षेत्र में आर्थिक एवं वित्तीय प्रबंधन, मौद्रिक परिचालनों, वित्तीय विनियमन एवं पर्यवेक्षण संबंधी गतिविधियों को लागू करने में मदद करेगा। साथ ही यह केन्द्र इन सदस्य देशों की वर्तमान प्रशिक्षण जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अनिवार्य प्रशिक्षण सुविधाएँ मुहैया कराएगा। इस तरह इसका उद्देश्य सदस्य देशों की क्षमता विकास संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करना होगा।

इस केन्द्र के स्थापित होने से सदस्य देशों की सूक्ष्म वित्तीय एवं मौद्रिक नीतियों में सरकारी अधिकारियों के क्षमता सृजन को बढ़ावा मिल पाएगा तथा सदस्य देशों के बीच तालमेल बढ़ेगा। केन्द्र तथा राज्य स्तर पर सूक्ष्म वित्तीय एवं मौद्रिक नीतियों के राजस्व जुटाने में मदद मिलेगी तथा इससे कारगर लोक एवं वित्तीय प्रबंधन में सहायता मिलेगी। इस तरह आर्थिक विकास एवं समावेशी विकास को बढ़ावा मिल पाएगा।

इसके साथ ही आईएमएफ के क्षमता सृजन में भागीदार बनने से विश्व एवं दक्षिण एशिया क्षेत्र में श्रेष्ठ व्यवहार अपनाए जा सकेंगे जिससे आईटी एवं नवाचारी तकनीकों के माध्यम से वित्तीय तथा मौद्रिक विषयों का नवाचारी समाधान हो पाएगा।

प्रश्न : वर्तमान वैश्विक परिदृय में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं एवं नीतिगत चुनौतियों का उल्लेख कीजिये। साथ ही बताइये कि भारत सरकार के द्वारा अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिये कौनसे प्रमुख प्रयास किये गए हैं?

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान आर्थिक माहौल अत्यधिक अनिश्चित बना हुआ है किन्तु इस अनिश्चित माहौल में भारत स्थिरता एवं अवसरों की आश्रय स्थली प्रतीत होता है। सरकार सीमित मुद्रास्फीति तथा राजकोषीय समेकन के प्रति प्रतिबद्ध है जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर है।

अनिश्चित वैश्विक माहौल में भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष सबसे कठिन चुनौती उपर्युक्त अनुकूल स्थिति को बनाए रखना है। अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिये सरकार के द्वारा किये गए प्रयास-

- केन्द्र के द्वारा भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में गंभीर कदम उठाए गए हैं।
- लगभग सभी क्षेत्रों की एफडीआई को उदार बना दिया गया है।
- कारोबार करने की स्थिति में सुधार लाने के लिये एकल खिड़की मंजूरी को व्यवस्था को तीव्रता प्रदान की जा रही है।
- किसानों के हितों के मद्देनजर प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिये न्यूनतम प्रीमियम पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू किया गया है।
- वित्तीय समावेशन की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाते हुए जन-धन योजना के अंतर्गत कुछ ही महीनों में 20 करोड़ से अधिक लोगों के बैंक खाते खोल दिये गए हैं।
- जैम त्रिनिटी के जरिये विश्व का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण कार्यक्रम लागू किया गया तथा सब्सिडी को सीधे लाभार्थी के खाते तक पहुँचाया गया। साथ ही आई.टी., ई-गवर्नेंस, ई-कॉमर्स को पर्याप्त प्रोत्साहन दिया गया है तथा हाल ही में कैशलेस व्यवस्था को अपनाकर कालेधन व भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-86)

संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : कनियन जनजाति

उत्तर : तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में रहने वाला एक अशिक्षित और गरीब आदिवासी समुदाय जिसकी आबादी 750 से भी कम है।

प्रश्न : जरदोजी क्या है?

उत्तर : भारतीय राजाओं और शाही व्यक्तियों की पोशाकों पर धातु से की जाने वाली एक सुंदर कढ़ाई ।

प्रश्न : लोसर महोत्सव

उत्तर : लद्दाख/तिब्बत में नववर्ष के रूप में मनाया जाने वाला त्यौहार जिसमें पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाता है।

प्रश्न : देश के संस्कृति विश्वविद्यालय के नाम बताइए।

उत्तर : (i) नव नालंदा महाविहार, नालंदा।
(ii) केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह, लद्दाख (जम्मू-कश्मीर)।
(iii) राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली।
(iv) तिब्बती अध्ययन केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सारनाथ, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।

प्रश्न : कौशाम्बी

उत्तर : बुद्ध के समय राजा उदयन द्वारा शासित 'वत्स जनपद' की राजधानी जहाँ प्राचीन किले का अवशेष अपने प्राचीन अतीत का प्रमाण प्रस्तुत करता है।

50 शब्द

प्रश्न : पुरूलिया छऊ

उत्तर : आदिवासी मार्शल नृत्य जिसे मुखौटे के साथ प्रदर्शित किया जाता है। यह भगवान शिव को समर्पित, रामायण और महाभारत की कहानियों की पृष्ठभूमि पर आधारित होता है। इस नृत्य में तेज धुन और तीव्र ध्वनि उत्पन्न करने वाले ढोल और मरुई जैसे वाद्यों का प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न : डोल्लू कुनिथा

उत्तर : ढोल की धुन पर किया जाने वाला कर्नाटक का एक लोकप्रिय नृत्य है। नृत्य में प्रयुक्त गीत धार्मिक, युद्ध और वीरता जैसे भावों पर आधारित होते हैं। रंगीन कपड़ों से सजे हुए बड़े ढोल का प्रयोग किया जाता है जिसे पुरुष गले में लटकाते हैं। यह नृत्य कर्नाटक के आदिवासियों के आनुष्ठानिक नृत्य का एक हिस्सा है।

प्रश्न : पंचवाद्यम

उत्तर : पाँच वाद्ययंत्रों की एक ऑर्केस्ट्रा, मंदिर कला का एक रूप है जिसका विकास केरल में हुआ है। इसके पांच उपकरणों में से चार - तिमिला, मद्दलम, इलाथलम और इदक्का थाप देकर बजाने वाले यंत्र हैं, पाँचवां अर्थात् कौम्बू फूंक कर बजाया जाने वाला वाद्ययंत्र है। इसमें कलाकार अपनी रुचि के अनुसार थाप देकर तिमिला, मद्दलम और इडक्का की ध्वनियों में बदलाव कर सकता है।

प्रश्न : कांगड़ा चित्रकला

उत्तर : पहाड़ी चित्रकला शैली जिसे 17वीं और 19वीं शताब्दी के मध्य राजपूत शासकों का संरक्षण प्राप्त हुआ। भगवान कृष्ण के जीवन से संबंधित घटनाओं और भक्ति से संबंधित अन्य विषयों और दृश्यों को चित्रित किया गया है। महिला सौंदर्य, परिदृश्य, ग्रामीण इलाके, नदियां, वृक्ष, पक्षी, पशु, फूल आदि इन चित्रों की विषय वस्तु हैं। कांगड़ा चित्रकार वानस्पतिक और खनिज अर्क से बने रंगों का प्रयोग किया करते थे। उन्होंने सादे और ताजे रंगों का प्रयोग किया।

प्रश्न : सहपीडिया

उत्तर : यह एक ओपेन ऑनलाइन पोर्टल है, जिसके माध्यम से भारत और दक्षिण एशिया में ऐसी सांस्कृतिक उपलब्धियों को पहचान और मान्यता प्रदान की जाएगी जो अब तक लोगों के आकर्षण का केन्द्र नहीं रही है। रामलीला, कपड़े की अजरक छपाई कला जैसे सांस्कृतिक विषयों पर सहपीडिया अन्य संगठनों के साथ गठबंधन के माध्यम से विशिष्ट कार्यक्रम और कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

प्रश्न : अमरावती

उत्तर : कृष्णा नदी के तट पर अवस्थित यह नगर प्राचीन काल में सातवाहन शासकों के साम्राज्य की राजधानी थी। भगवान अमरेश्वर के मंदिर के नाम पर इस शहर का नाम अमरावती रखा गया था। इसे दक्षिण की काशी भी कहा जाता है। बौद्ध धर्म में भी इस शहर की महत्ता है। अमरावती में स्तूप एक विशेष प्रकार के सफेद हरे संगमरमर के बने थे।

प्रश्न : सांस्कृतिक विरासत शहर का दर्जा प्राप्त होने के लाभ बताइए।

उत्तर : (i) यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी का टैग किसी शहर को प्राप्त होने से इसकी पर्यटन ब्रांडिंग को जबरदस्त फायदा पहुँचता है। रोम, पेरिस, काहिरा, और एडिनबर्ग जैसे शहर इसके उदाहरण है।
(ii) पर्यटन में इजाफा होने का अर्थ संबद्ध उद्योगों में रोजगार की वृद्धि।
(iii) यूनेस्को की वेबसाइट के अनुसार राष्ट्र वर्ल्ड हेरिटेज समिति से अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु सहयोग और विशेषज्ञ सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-87)

राजव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : समान नागरिक संहिता का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : देश के सभी नागरिकों के लिए चाहे उनका धर्म कोई भी हो, (अनुच्छेद 44)

प्रश्न : भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

उत्तर : एक संवैधानिक संस्था जो प्रतिस्पर्धा विरोधी कार्यों को रोकने, बाजार में प्रतिस्पर्धा को बनाये रखने तथा उन्हें बढ़ावा देने के साथ-साथ उपभोक्ता के हितों की रक्षा करने एवं व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने हेतु कार्य करती हैं।

प्रश्न : दंड परिहार

उत्तर : सजा के स्वरूप में परिवर्तन किए बिना सजा की अवधि को कम करना।

प्रश्न : अनुच्छेद 142

उत्तर : सर्वोच्च न्यायालय अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने के दौरान अपने समक्ष लंबित किसी वाद या मामले में पूर्ण न्याय प्रदान करने हेतु आवश्यकता होने पर तदर्थ डिक्री पारित कर सकता है या आदेश जारी कर सकता है।

प्रश्न : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

उत्तर : स्वायत्त सार्वजनिक निकाय, 12 अक्टूबर 1993 को मानवधिकार संरक्षण अध्यादेश के अंतर्गत स्थापित कि गई। इसका गठन मानव अधिकारों के संरक्षण और उन्हें बढ़ावा देने के लिए किया गया है।

प्रश्न : भारतीय दंड संहिता धारा - 377

उत्तर : यह 'किसी भी आदमी, औरत या जानवर के साथ प्रकृत्ति के नियम के खिलाफ शारीरिक संभोग' पर प्रतिबंध लगाता है।

50 शब्द

प्रश्न : विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम

उत्तर : (i) यह अधिनियम विभिन्न संगठनों को विदेशों से प्राप्त अंशदान या सहायता को विनियमित करता है।

(ii) यह राजनैतिक प्रकृति वाले संगठनों द्वारा विदेशी अंशदान प्राप्त करने पर रोक लगाता है।

(iii) राष्ट्रीय हित अथवा राष्ट्र की सुरक्षा के लिए घातक गतिविधियों के संचालन के लिए प्राप्त विदेशी अंशदान अथवा सहायता पर प्रतिबंध लगाने के लिए केन्द्र सरकार प्राधिकृत है।

(vi) FCRA को गृह मंत्रालय द्वारा लागू किया जाता है।

प्रश्न : विधि आयोग

उत्तर : विधि आयोग एक गैर सांविधिक निकाय है जिसे मूल रूप से 1955 में गठित किया गया और तब से हर तीन साल में पुनर्गठित किया जाता है। विभिन्न विधि आयोगों ने प्रगतिशील विकास और देश के कानून के संहिताकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। केन्द्र सरकार ने अगले तीन वर्षों के लिए 21 वें विधि आयोग के गठन की मंजूरी दे दी है, जो 1 सितम्बर 2015 से 31 अगस्त 2018 तक प्रभावी होगा।

प्रश्न : वेतन आयोग क्या है?

उत्तर : वेतन आयोग का गठन भारत सरकार द्वारा नियमित अंतरालों पर किया जाता है। यह भारत सरकार के सिविल एवं सैन्य विभागों के वेतन-प्रारूप, सेवानिवृत्ति, लाभ और अन्य सेवा शर्तों में बदलाव के मद्देनजर अपनी सिफारिशें देता है। पहले वेतन आयोग का गठन 1956 में किया गया था, तब से, हर दशक में आयोग का गठन किया जाता है। न्यायमूर्ति ए.के.माथुर की अध्यक्षता में सातवें वेतन आयोग का गठन फरवरी 2014 में किया गया जिसकी अनुशंसाओं को 1 जनवरी, 2016 में लागू होना निर्धारित किया गया है।

प्रश्न : बच्चों के संरक्षण और विकास के लिए सरकार द्वारा उठाये गये विभिन्न कदमों पर चर्चा करें।

उत्तर : (i) बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय आयोग (एन.सी.पी.सी.आर)

(ii) समेकित बाल विकास सेवा योजना

(iii) महिला तथा बाल विकास के क्षेत्र में सामान्य सहायता राशि योजना

(vi) समेकित बाल संरक्षण योजना

(v) किशोरी शक्ति योजना

(vi) आरंभिक बाल्यावस्था बाल शिक्षा नीति

(vii) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल इत्यादि।

प्रश्न : एस आर बोम्मई वाद 1994

उत्तर : न्यायालय केन्द्रीय मंत्रीमंडल द्वारा राष्ट्रपति को दी गयी सिफारिश की जाँच नहीं कर सकता, किन्तु राष्ट्रपति अनुच्छेद 356 के आरोपण के संदर्भ में प्रस्तुत जिन आधारभूत तथ्यों से संतुष्ट हैं न्यायालय इन आधारभूत तत्वों की जाँच कर सकता है। अनुच्छेद 356 के आरोपण को तभी न्यायसंगत ठहराया जा सकता है जबकि राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो गया हो। प्रशासनिक तंत्र की विफलता को अनुच्छेद 356 के आरोपण का आधार नहीं बनाया जा सकता।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-88)

समाजशास्त्र

200 शब्द

प्रश्न : भारत में आदिवासी समुदाय को किन प्रमुख समस्याओं का सामना करना पड़ता है, सविस्तार उल्लेख कीजिये? आदिवासी समुदाय की समस्याओं के निराकरण में वनबंधु कल्याण योजना किस प्रकार से सहायक हो सकती है?

उत्तर : भारत में आदिवासी समुदाय ब्रिटिशकाल से ही शोषण का शिकार रहा है। स्वतंत्रता के पश्चात् आदिवासी समुदाय के विकास के लिये प्रयत्न शुरू किये गए किंतु उनका अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ सका। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश की कुल आबादी में आदिवासी समुदाय की जनसंख्या 8.6 प्रतिशत है। आदिवासी समुदाय को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

(i) आदिवासी समुदाय के पास जमीन का छोटा और अनुपजाऊ हिस्सा ही होता है। जिसके कारण उपज काफी कम होती है और ये हमेशा कर्ज में रहने को मजबूर होते हैं।

(ii) आदिवासी समुदाय की एक छोटी संख्या ही द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों से अपनी आजीविका कमाती है।

(iii) आदिवासी समुदाय में साक्षरता दर काफी कम है।

(iv) आदिवासियों की जमीन भारी मात्रा में कानूनी प्रावधानों के द्वारा गैर आदिवासियों को हस्तांतरित कर दी गई जिससे आदिवासी समुदाय को विस्थापन का सामना करना पड़ा।

(v) सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार एवं क्रियान्वयन की खामियों के चलते आदिवासी समुदाय को इन योजनाओं से कोई विशेष लाभ नहीं मिला।

(vi) आदिवासी क्षेत्रों में बैंकिंग की सुविधा अपर्याप्त है जिसके कारण उन्हें साहूकारों एवं जमींदारों से कर्ज लेना पड़ता है जो उनका शोषण करते हैं।

(vii) आदिवासी क्षेत्रों में संचार, शिक्षा एवं अस्पताल जैसी आधारभूत सुविधाओं की कमी है।

(viii) आदिवासियों को ईसाई मिशनरियों के शोषण का सामना भी करना पड़ता है।

वनबंधु कल्याण योजना का महत्व

(i) इस योजना के अंतर्गत पाँचवी अनुसूची के अनुसूचित क्षेत्रों एवं अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के गुणात्मक एवं सतत् रोजगार तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देकर इन क्षेत्रों का त्वरित आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

(ii) सभी के लिए स्वच्छ पेयजल, आवास एवं स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

(iii) बिजली, बारहमासी सड़कों तथा क्षेत्र के अनुरूप सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रश्न : भारत में बालश्रम के क्या कारण हैं? भारत में बाल अधिकार के संरक्षण से संबंधित कानूनों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : भारत में अत्यधिक जनसंख्या, अशिक्षा, गरीबी, कर्ज का जाल आदि कुछ सामान्य कारण हैं जिन्होंने बालश्रम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है लेकिन यह अनिवार्य रूप से एक सामाजिक - आर्थिक समस्या है जो कि प्रमुखतः गरीबी एवं निरक्षरता से जुड़ी हुई है।

- प्राथमिक स्तर पर अनिवार्य शिक्षा का अभाव (आर.टी.ई. अधिनियम से पूर्व), बालश्रम कानूनों का अपर्याप्त क्रियान्वयन एवं दंड का अभाव, विद्यालय की अनुपलब्धता/अपर्याप्तता, अव्यवहारिक एवं उबाऊ पाठ्यक्रम, अभिभावकों की अज्ञानता, सस्ता बालश्रम आदि कुछ अन्य कारक हैं जो बालश्रम के लिये उत्तरदायी हैं।
- अभिभावकों की गरीबी अथवा लाचारी बच्चों का आसानी से शोषण, सस्ताश्रम आदि से कारोबार में धन की बचत होती है। भारत में बंधुआ मजदूरी की सदियों पुरानी प्रथा बाल शोषण का सर्वाधिक अमानवीय रूप है। यहां बच्चों को एक निश्चित समयावधि के लिये वस्तु की तरह खरीदार को बेच दिया जाता है। इस प्रकार भारत में बालश्रम की जड़ें प्राचीनकाल से ही चली आ रही है जो समकालीन परिस्थितियों में और अधिक मजबूत प्रतीत होती हैं।

भारत में बाल अधिकार संरक्षण से संबंधित कानून :-

- बालकों के यौन शोषण एवं यौन उत्पीड़न से संरक्षण के संदर्भ में "यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम (POCSO) 2012"।
- बालश्रम (निषेध एवं संरक्षण) अधिनियम 1986
- फैक्ट्री अधिनियम 1948
- अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956
- किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम 2010
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013
- बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006
- निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-89)

अर्थव्यवस्था

200 शब्द

प्रश्न : भारत में सौर ऊर्जा की उपलब्धता की संभावनाओं एवं इसके मार्ग में उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : सौर ऊर्जा के मामले में भारत काफी समृद्ध है। सौर ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा है जिसके कारण इसके उत्पादन से पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुँचता है। भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक एक लाख मेगावाट ऊर्जा सौर ऊर्जा से उत्पादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है जबकि कुल नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य वर्ष 2022 तक एक लाख पचहत्तर हजार मेगावाट रखा गया है।

भारत में सौर ऊर्जा की संभावना

- भारत के अधिकांश हिस्सों में वर्ष भर के तकरीबन 300 दिनों में दिनभर सूर्य की पर्याप्त रोशनी प्राप्त होती है।
- भारत का अधिकांश हिस्सा उष्णकटिबंध में स्थित है।
- अलग-अलग शोधों से यह साबित हो चुका है कि भारत में तकरीबन 5.23 लाख करोड़ किलोवाट घंटा प्रति वर्ग मीटर के बराबर सौर ऊर्जा आती है। सौर ऊर्जा की यह मात्रा पूरी दुनिया के बिजली उत्पादन से कई गुना अधिक है।
- भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि का अधिकांश भाग मानसून पर आधारित है। सौर ऊर्जा का प्रयोग सिंचाई सहित अन्य कृषि कार्यों के लिये बेहतर ढंग से किया जा सकता है।
- सौर ऊर्जा के उत्पादन में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। जिससे इसकी लागत में भी कमी आ रही है।

चुनौतियाँ

- सौर ऊर्जा संयंत्र काफी कीमती हैं जिसे वहन करना सामान्य व्यक्ति के दायरे से बाहर की बात है।
- सौर पैनलों की स्थापना एवं उनके समुचित रख-रखाव के लिये कुशल कार्मिकों की कमी।
- सौर ऊर्जा को संग्रहित करने एवं ग्रिड से जोड़ने की समस्या।
- सौर सैलों की अकुशलता अन्य प्रमुख चुनौती है। सौर सेल 22 प्रतिशत तक कुशल होते हैं अर्थात् इन पर पड़ने वाली कुल सौर ऊर्जा का केवल 22 प्रतिशत हिस्सा ही ऊर्जा में परिवर्तित हो पाता है।

प्रश्न : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुर्नपंजीकरण के लिये सरकार के द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर :

- केन्द्र सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने तथा पुनर्पूंजीकरण के लिये इंद्रधनुष कार्यक्रम को लागू किया गया।
- केन्द्र सरकार सरफासी एक्ट में सुधार करके एआरसी के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की पूंजी की पुनः प्राप्ति में 100% भागीदारी अनिवार्य करेगी। ज्ञातव्य है कि एआरसी केवल लाभदायक समझौतों में ही रूचि लेती है।
- बैंक बोर्ड ब्यूरो का गठन किया गया ताकि बैंकों के पुनः पूंजीकरण के लिये प्रख्यात विशेषज्ञों की व्यावसायिक सलाह प्राप्त की जा सके।
- वर्ष 1994 में अतिरिक्त पूँजी की मांग को पूरा करने के लिये राष्ट्रीयकरण अधिनियम में सुधार करके बैंकों को बाजार तक पहुँच प्रदान की गई ताकि बैंक अपनी हिस्सेदारी बेचकर बाजार से पूंजी एकत्र कर सकें। इस प्रक्रिया के दौरान बैंकों को यह ध्यान रखना था कि सरकार की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से कम न हो पाए। इस बार सरकार बैंकों को 51 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करने की अनुमति प्रदान करेगी।
- किसानों के हितों के मद्देनजर प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिये न्यूनतम प्रीमियम पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू किया गया है।
- वित्तीय समावेशन की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाते हुए जन-धन योजना के अंतर्गत कुछ ही महीनों में 20 करोड़ से अधिक लोगों के बैंक खाते खोल दिये गए हैं।
- जैम ट्रिनिटी के जरिये विश्व का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण कार्यक्रम लागू किया गया तथा सब्सिडी को सीधे लाभार्थी के खाते तक पहुँचाया गया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-90)

भारतीय कला एवं संस्कृति

200 शब्द

प्रश्न : भारत में विविधता के किन्हीं चार सांस्कृति तत्त्वों का वर्णन कीजिए और एक राष्ट्रवादी पहचान के निर्माण में उनके आपेक्षिक महत्त्व का निर्धारण कीजिए।

उत्तर :
- भारत विविधताओं का देश है तथा हमने अपने देश की विविधता में एकता के सिद्धान्त पर बनाने की कोशिश की है। यह विश्व में राष्ट्रीय पहचान बनाने की सर्वाधिक अद्वितीय परियोजनाओं में से एक है।
- भारत में अत्यधिक भाषायी विविधता है। वर्ष 1971 की जनगणना के अनुसार भारत में 1652 भाषाएँ मातृभाषा के रूप में बोली जाती हैं। इनमें से संविधान की 8 वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को स्थान दिया गया है। इतनी विविधताओं के बावजूद कोई-न-कोई भाषा संपर्क भाषा के रूप में हमेशा रही है। प्राचीन काल में यह संस्कृत थी तथा अब यह अंग्रेजी एवं हिन्दी है।
- भारत में जातीय विवधता भी अत्यधिक है। यहाँ 3000 से भी अधिक जाति तथा समाज 4 वर्णों में बँटा हुआ है। भारत में जाति प्रथा न सिर्फ हिन्दू बल्कि मुसलमान, सिख तथा ईसाई में भी प्रचलित है।
- भारत अपनी धार्मिक विविधता के लिए भी जाना जाता है। यहाँ हिन्दू, इस्लाम, ईसाई, सिक्ख, जैन तथा बौद्ध जैसे अनेक धर्मावलंबी निवास करते हैं। यद्यपि हिन्दू धर्म सबसे प्रमुख है तथापि वह भी अनेक सम्प्रदायों में बँटा है। इतनी धार्मिक विविधताओं के बावजूद यह देश आदि काल से अपने धार्मिक सहिष्णुता के कारण जाना जाता रहा है।
- भारत में पोशाक एवं कपड़ों की भी अत्यधिक विविधता है। भारत के विभिन्न भागों में अलग-अलग प्रकार के पहनावों का प्रचलन है, हालांकि साड़ी, धोती, कुर्ता जैसे पोषाक काफी आम हैं और भारत के लगभग सभी भागों में इनका प्रचलन देखा जा सकता है।
- इतनी अधिक विवधताओं के बावजूद एक ऐसी कड़ी है, जो हम सब को जोड़े रखती है। एक-दूसरे की सांस्कृतिक पहचान को समझने से तथा सम्मान देने से भारत की राष्ट्रीय पहचान निर्मित होती है।

प्रश्न : आंरभिक भारतीय शिलालेखों में अंकित 'ताण्डव' नृत्य की विवेचना कीजिए।

उत्तर : भारत के प्राचीन आध्यात्मिक परिदृश्य में 'ताण्डव' नृत्य का धार्मिक महत्व अधिक है। इस नृत्य को सृष्टि के चक्र से प्रभावित माना जाता है। इस नृत्य में महारुद्र के क्रोधित स्वरूप को दर्शाया गया है।

(i) 'ताण्डव' नामकरण 'तण्डु' से हुआ है जो भगवान शंकर का सहायक माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार तण्डु ने 'नाट्यशास्त्र' के रचनाकार भरतमुनि को 'ताण्डव' नृत्य की जानकारी दी।

(ii) ताण्डव नृत्य की विभिन्न भंगिमाओं की चर्चा 'नाट्यशास्त्र' के 'ताण्डव लक्षणम' परिच्छेद में की गई है।

(iii) ताण्डव नृत्य में सृष्टि, स्थिति, संहार, तिरोभाव तथा अनुग्रह को सैद्धान्तिक आधार दिया गया है।

(vi) ताण्डव को 'लास्य' के रूप में भी जाना जाता है जिसमें नृत्य की भंगिमाओं के साथ संगीत की लहरियों का प्रयोग भी होता है।

(v) 'भागवत पुराण' में कृष्ण द्वारा कालिया नाग को नियंत्रित करने के दौरान 'ताण्डव' नृत्य करने की चर्चा मिलती है।

(vi) तमिलनाडु के चिदम्बरम मन्दिर मन्दिर में शिव का ताण्डव नृत्यु मुद्रा में अंकन मिलता है। जैन परम्परा के अनुसार जैन तीर्थंकर ऋषभदेव की प्रतिष्ठा में इन्द्र द्वारा 'ताण्डव' नृत्य करने की बात की गई है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-91)

राजस्थान का भूगोल

200 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में लघु एवं कुटीर उद्योगों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर : राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में लघु एवं कुटीर उद्योग का महत्वपूर्ण स्थान है। ये राज्य के सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है।

उद्योगों का वर्गीकरण-

लघु उद्योग - पूँजी की सीमा 25 लाख रूपये से 5 करोड़ रूपये तक हो तथा सेवा क्षेत्र में 10 लाख से 2 करोड़ तक हो।

अति लघु उद्योग - पूँजी की सीमा 25 लाख रूपये तक हो। सेवा क्षेत्र में 10 लाख रूपये तक हो।

कुटीर उद्योग - वे उद्योग जो पारिवारिक सदस्यों द्वारा न्यूनतम रूपये से ही घर में अंशकालीन/पूर्णकालिक व्यवसाय के रूप में चलाया जाता है।

कृषि आधारित उद्योग-

हथकरघा उद्योग- यह राजस्थान का प्राचीनतम उद्योग है। राज्य में गलीचा, खेस, साड़ी, दरियाँ, शाल, कम्बल इत्यादि बनाये जाते हैं। कोटा डोरिया व मसूरिया साड़ियों के लिए कैथून (कोटा), बंधेज की चुनरियाँ व लहरिया जयपुर में, नमदे टोंक, खेसला, धोती, टुकड़ी कार्य बालोतरा, ऊनी बरड़ी जैसलमेर की प्रसिद्ध है।

धान कुटाई उद्योग - धान उत्पादक जिलों हनुमानगढ़, गंगानगर, बूंदी, बारां व बांसवाड़ा में केन्द्रित है।

खादी उद्योग - राज्य का परम्परागत कुटीर उद्योग है- ऊनी, सूती, रेशमी, खादी के वस्त्र बनाये जाते हैं।

तेल घाणी उद्योग- राज्य के तिलहन उत्पादक जिलों में केन्द्रित है जहाँ कोल्हू या घानी तथा मशीनों द्वारा तेल निकाला जाता है। राज्य में भरतपुर, जयपुर, खैरथल, दौसा, टोंक व अजमेर जिले तेल के लिए प्रसिद्ध हैं।

गुड़ व खाण्डसारी उद्योग- गंगानगर, हनुमानगढ़, भरतपुर, धौलपुर, कोटा, बूंदी, चितौड़गढ़ आदि जिलों में केन्द्रित है।

रंगाई-छपाई और बंधाई उद्योग- यह उद्योग बाड़मेर, बालोतरा, बगरू, सांगानेर, आकोला, चितौड़गढ़, पाली, पीपाड़, नाथद्वारा आदि स्थानों पर केन्द्रित है। इनमें बाड़मेर की अजरख, चितौड़गढ़ की जाजम, बालोतरा का मलीर प्रिन्ट प्रसिद्ध है।

पशु-सम्पदा आधारित उद्योग-

ऊनी वस्त्र उद्योग- देश का सर्वाधिक ऊन उत्पादक राज्य राजस्थान है। यहाँ गलीचे, कम्बल, आसन, ऊँट व घोड़ों की जीने व ऊनी खादी का निर्माण होता है। जयपुर, टोंक में ऊनी धागा बनाया जाता है। मावा, पनीर, घी बनाने का कार्य पोकरण, फलौदी, जोधपुर, रानीवाड़ा, बज्जू, जयपुर, अजमेर, फालना, भीलवाड़ा व उदयपुर में होता है। पाली, जयपुर, जोधपुर, चित्तौड़गढ़ व कोटा में हड्डियों का पाउडर बनाने का कार्य किया जाता है।

खनिजों पर आधारित उद्योग- खनिज आधारित उद्योगों में संगमरमर उद्योग मकराना, किशनगढ़, अजमेर, सिरोही, उदयपुर, डूंगरपुर, राजसंमद व जयपुर में केन्द्रित है। रत्न उद्योग जयपुर में फैला है, जहाँ प्राकृतिक और कृत्रिम रत्नों की कटाई, पोलिश का कार्य होता है। सीमेन्ट व चूना, रंग उद्योग जयपुर, दौसा, मकराना, उदयपुर, अलवर; अभ्रक ईंट उद्योग भीलवाड़ा; जिंक उद्योग उदयपुर में मुख्य है।

वन उपज पर आधारित उद्योग - बीड़ी उद्योग, माचिस उद्योग कागज उद्योग, कत्था, लाख तथा गोंद उद्योग, इत्र उद्योग तथा लकड़ी से कलात्मक वस्तुएं बनाने के उद्योग राज्य भर में फैले हैं।

प्रश्न : राजस्थान के भौगोलिक प्रदेशों की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर : राजस्थान के भौगोलिक प्रदेशों का निर्धारण सर्वप्रथम प्रो. वी.सी. मिश्रा ने 1967 में किया। इसे चार भौगोलिक प्रदेशों में विभाजित कर सकते हैं -

(1) उत्तर-पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश - राजस्थान के लगभग 61 प्रतिशत भू-भाग पर 12 मरूस्थलीय जिलों-श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, झुंझुनूँ, सीकर, चूरू, नागौर, जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, पाली और जालोर तक विस्तृत है। यह उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व 640 किमी लम्बा और पश्चिम से पूर्व 300 किमी. चौड़ा है। इसका पश्चिमी भाग पाकिस्तान की सीमा के सहारे **'मरूस्थली'** कहलाता है। जहाँ बालूका स्तूपो का विस्तार है। मरूस्थली के पूर्व में अरावली पर्वतमाला तक राजस्थान का बागड़ प्रदेश कहलाता है, शेखावटी निम्न भू-भाग अन्तः प्रवाह प्रदेश है जहाँ कान्तली एक मात्र नदी है, जो रेत की टीलों में विलीन हो जाती है। इसके दक्षिण में नमकीन झीलों और चट्टानी प्रदेश नागौर उच्च भूमि है। दक्षिण भाग से लूनी अपनी सहायक नदियों के साथ बहती है। इस मरूस्थली प्रदेश में पूर्व में 50 सेमी वर्षा से पश्चिमी की ओर कम होती जाती है वनस्पति, कंटीली झाड़ियाँ और पतझड़ वाले वृक्ष, केर, नीम, बबूल, कुमट, थोर मिलते हैं। कृषि के साथ पशुपालन होता हैं, गाय, बैल, भैंस, भेड़, बकरी, ऊँट, मुख्य पशु है।

(2) अरावली प्रदेश - यह पहाड़ी प्रदेश राज्य के 92771 वर्ग किमी पर फैला है। अलवर, जयपुर, दौसा, अजमेर, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, सिरोही, बांसवाड़ा, चितौड़गढ़ जिले तथा नीम का थाना (सीकर), खेतड़ी (झुँझुनूँ) सम्मिलित है। यह राज्य में उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम दिशा में कर्णवत रूप में 550 किमी लम्बाई में विस्तृत है। इसमें कई ऊँची चोटियाँ-गुरूशिखर, सेर, अचलगढ़, रघुनाथगढ़, तारागढ़, स्थित हैं। अरावली अनेक नदियों की जन्मस्थली है। पश्चिम पार्श्वों से निकलकर लूनी नदी से मिलने वाली जवाई, सूकड़ी, बाण्डी, जोजरी हैं। साबरमती, बनास, बेड़च, प. बनास भी अरावली से निकलती हैं। इस पहाड़ी प्रदेश में मिश्रित-पर्णपाती और उपोष्ण सदाबहार वनस्पति धोकड़ा, बरगद, गुलर, आम, जामुन, खैर, पीपल, बांस सिरिस, रोहिड़ा, सागवान के वृक्ष मिलते हैं। यह राजस्थान का महत्त्वपूर्ण खनिज उत्पादक है। तांबा, सीसा, जस्ता, चांदी, बेरिलियम, अभ्रक, पन्ना, मेगनीज व अनगिनत खनिज उपलब्ध हैं।

(3) पूर्वी मैदानी प्रदेश- राज्य के 23.3 प्रतिशत भाग पर फैला मैदानी भाग जहाँ राज्य की 40 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। यह राजस्थान का गहन कृषि प्रदेश है। चना, ज्वार, बाजरा, गेहूं का फसली क्रम लोकप्रिय है। उत्पादन व क्षेत्रफल की दृष्टि से गेहूं सर्वाधिक महत्वपूर्ण फसल है।

(4) हाड़ौती पठार - राजस्थान के दक्षिण-पूर्व में फैला पठारी भाग है जो एक सुनिश्चित भौगोलिक इकाई है। कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ जिलों पर विस्तृत है। औसत वर्षा 100-125 सेमी होती है। हाड़ौती में परम्परागत कुटीर उद्योग प्रचलित है। कोटा प्रमुख औद्योगिक केन्द्र है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-92)

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

200 शब्द

प्रश्न : राजस्थान के प्रमुख सांस्कृतिक प्रदेशों का विस्तृत विवरण दीजिए।

उत्तर : सांस्कृतिक प्रदेशों का सीमांकन भाषा, बोली धर्म, रीति-रीवाज आदि सांस्कृतिक लक्षणों के आधार पर भौगोलिक सन्दर्भ में किया जाता है। इस दृष्टि से राजस्थान को मुख्यतया राजस्थानी भाषा तथा इसकी बोलियों के आधार पर ही सांस्कृतिक प्रदेशों में विभाजन किया जा सकता है दूसरा आधार रीति-रिवाज व परम्पराएं हो सकती हैं राजस्थान को निम्नलिखित सांस्कृतिक प्रदेशों में विभाजित किया जा सकता है:-

मारवाड़ सांस्कृतिक प्रदेश :- इसका विस्तार पश्चिमी राजस्थान में जोधपुर, नागौर, बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, सिरोही तथा पाली में है। यहाँ मारवाड़ी बोली बोलते हैं। यह प्रदेश साहित्यिक दृष्टि से समृद्ध है यहाँ ओज, भक्ति, वीर, रस का भण्डार है। जैन साहित्य इस बोली की धरोहर है। साहित्यिक मारवाड़ी पिंगल कही जाती है। इसकी उप बोलियों में ढरकी पाली (गंगानगर) बीकानेरी, बागड़ी, खैराड़ी, गोड़वाड़ी व देवडावाडी हैं।

मेवाड़ सांस्कृतिक प्रदेश - इसका विस्तार उदयपुर, भीलवाड़ा चित्तौड़गढ़ में है जहाँ मेवाड़ी बोली का प्रचलन है। कवियों, चित्रकारों व लेखकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत वीरता व शौर्य का प्रतीक रहा है। यहाँ की स्थापत्यकला की उत्कृष्टता विश्व प्रसिद्ध है। यहाँ पर मेवाड़ में सफेद अंगरखी सफेद धोती, लाल या केसरिया पगड़ी पहनकर गैरिये (गैर नृत्य करने वाले) होली पर गैर नृत्य करते हैं।

हाड़ौती सांस्कृतिक प्रदेश- इसका विस्तार हाड़ौती एवं मालवी बोली क्षेत्रों में हैं। कोटा, बाराँ, बूंदी, झालावाड़, शाहपुरा (भीलवाड़ा) व पूर्वी उदयपुर में हाड़ौती तथा झालावाड़, कोटा व प्रतापगढ़ में मालवी बोली प्रचलित है।

मेवाती सांस्कृतिक प्रदेश - अलवर, भरतपुर, धौलपुर तथा पूर्वी करौली का वह क्षेत्र जहाँ लोग मेवाती एवं अहीरवाटी बोली बोलते है। यह प्राचीन काल में मत्स्य जनपद था। मेवाती प्रदेश संत लालदास, चरणदास, दया बाई, सहजो बाई, डूंगर सिंह, खक्के आदि संतों की रंगस्थली रहा है। अलवर व भरतपुर का बम नृत्य यहाँ की पहचान है।

ढुंढाड़ सांस्कृतिक प्रदेश - जयपुर, टोंक, लावा, किशनगढ (अजमेर) व अजमेर मेरवाड़ा का ढूंढाड़ी बोली वाला क्षेत्र इसमें सम्मिलित है। अजमेर मेरवाड़ा में मारवाड़ी-मेवाड़ी की मिश्रित बोली रागड़ी बोलते हैं। दादू पंथ का अधिकांश साहित्य इसी बोली में लिपिबद्ध है। तोरावाटी इसकी उप बोली है। जयपुर की गणगौर इस प्रदेश की पहचान है।

वागड़ सांस्कृतिक प्रदेश - इनमें वागड़ी बोली के डूँगरपुर, बाँसवाड़ा, तथा दक्षिण पश्चिमी उदयपुर क्षेत्र सम्मिलित हैं। जनजातियों की लोक परम्पराओं की पहचान इस प्रदेश की विशिष्टता है। यहाँ पर सर्वाधिक भील रहते हैं। डूँगरपुर की हस्तशिल्प एवं वास्तुशिल्प दर्शनीय है।

शेखावाटी सांस्कृतिक प्रदेश - सीकर, झुंझुनूं तथा चुरू का शेखावाटी बोली वाला क्षेत्र इसमें सम्मिलित है। शेखावाटी बोली मारवाड़ी बोली की ही उपबोली है। लेकिन शेखावाटी की संस्कृति की अपनी विशिष्ट पहचान है। यहाँ की हवेलियों की अनोखी वास्तुकला एवं आकर्षक भित्ति चित्र क्षेत्र की पहचान हैं। शेखावाटी का चंग नृत्य व गीदड़ नृत्य महत्वपूर्ण है।

प्रश्न : **राजस्थान के महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों के बारे में लिखिए।**

उत्तर : पुरातत्व के क्षेत्र में राजस्थान का महत्त्वपूर्ण स्थान है। यहाँ पाषाणकाल से उत्तर पाषाणकाल एवं ताम्रयुग एवं लौहयुग के पुरातात्विक स्थल मिले हैं जहाँ अनेक सभ्यताएँ फली-फूली। पिछले दशकों में हुए उत्खनन कार्य में जो पुरातत्व स्थल मिले हैं, उनके विवरण निम्नानुसार हैं-

(1) **दर**- भरतपुर ज़िले में दर नामक स्थान से प्रारम्भिक पाषाणकाल के कुछ चित्रित शैलाश्रय प्राप्त हुए जिनमें मानवाकृति, व्याघ्र, बारहसिंगा तथा सूर्य आदि का अंकन प्रमुख है।

(2) **बागौर**- भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के किनारे अवस्थित पुरातात्विक स्थल बागौर में मध्यपाषाण सांस्कृतिक अवशेष मिले हैं जिनमें प्रस्तर उपकरण व ताम्र उपकरण प्रमुख हैं। यहाँ के निवासी शिकार, कृषि एवं पशुपालन कार्य करते थे। बागौर भारत में पशुपालन का प्राचीनतम साक्ष्य उपलब्ध कराता है।

(3) **गणेश्वर** - सीकर जिले में नीम का थाना के पास कान्तली के उद्गम पर स्थित ताम्रयुगीन सभ्यता का महत्त्वपूर्ण केन्द्र जो ताम्रयुगीन सभ्यता की जननी कहलाता है। यहाँ से ताम्र उपकरण, तीर, कुल्हाड़ी, चूड़ियाँ, मछली पकड़ने के काँटे, मृदभाण्ड प्राप्त हुए हैं।

(4) **कालीबंगा** - यह प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी घाटी में स्थित है। कालीबंगा का शाब्दिक अर्थ-काली चूड़ियाँ है। यहाँ पूर्वकालीन हड़प्पा सभ्यता के अवशेष अति महत्त्वपूर्ण हैं। विश्व में जुते खेत का पहला प्रमाण है। हवन कुंड, कच्ची ईंटों के मकान, बर्तन मिले हैं सर्वप्रथम इसे प्रकाश में ए.घोष द्वारा लाया गया, बी.बी.लाल और बी.के. थापर की देखरेख में उत्खनन कार्य हुआ है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-93)

राजस्थान का भूगोल

200 शब्द

प्रश्न : राजस्थान की प्रमुख नदियों का विवरण दीजिए।

उत्तर : किसी भी प्रदेश के आर्थिक, सांस्कृतिक विकास में नदियों का स्थान महत्त्वपूर्ण है। अतीत में सभ्यताओं के विकास में नदियों का विशेष महत्त्व रहा हैं विश्व की अधिकांश सभ्यताएँ इन नदियों के तटों पर पनपी हैं। महान् भारतीय जल विभाजक रेखा राजस्थान को दो भागों में बाँटती है। राजस्थान अपवाह तन्त्र का 60.2 प्रतिशत भाग आन्तरिक प्रवाह प्रणाली में आता है। जिससे वर्षा के अभाव में अधिकांश नदियाँ बरसाती हैं।

बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ-

(1) चम्बल नदी- चम्बल व उसकी सहायक नदियों का कुल अपवाह क्षेत्र राजस्थान के कुल अपवाह क्षेत्र का 20.29 प्रतिशत है। यह राज्य की वर्षभर बहने वाली प्रमुख नदी है। चम्बल को कामधेनु, चर्मण्वती के नाम से भी जाना जाता है। इसका उद्गम मध्यप्रदेश में जानापाव पहाड़ियों से होता है। चौरासीगढ़ के समीप राजस्थान में प्रवेश करती है। राज्य के चित्तौड़गढ, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर जिलों में बहती हुई उत्तरप्रदेश के इटावा के समीप यमुना नदी में मिलती है। भैंसरोडगढ़ के समीप चूलिया प्रमुख जलप्रपात है। इस नदी पर गांधीसागर, राणाप्रताप सागर, जवाहर सागर, कोटा बैराज बांध बनाए गए हैं बनास, काली-सिंध, पार्वती, बामनी, कुराल आदि चम्बल की सहायक नदियाँ हैं।

(2) बनास- राजसमंद के कुम्भलगढ़-गोगुन्दा में खमनौर की पहाड़ियों में उद्गम होता है। इसे 'वन की आशा' के नाम से जाना जाता है। सवाई माधोपुर में रामेश्वर स्थान पर यह चम्बल में मिलती है। बेड़च, कोठारी, मैनाल, मांसी, मोरेल, बाण्डी, ढंढ, खारी, चान्नेरी सहायक नदियाँ हैं। बींगोद में बनास, बेड़च, मेनाल का त्रिवेणी संगम हैं। टोंक में इस पर बीसलपुर बांध बना है।

(3) बेड़च- गोगुन्दा की पहाड़ियों से निकलकर उदयसागर झील में गिरती है। इसका नाम आयड़ नदी है। 190 किमी बहने के बाद बींगोद के पास बनास में मिलती है।

(4) कोठारी नदी- राजसमंद में देवगढ़ के पास दिवेर से निकलती हैं, लम्बाई 145 किमी है। इस पर मेजा बांध बनाया गया है। भीलवाड़ा में बनास से मिलती है।

(5) काली सिंध नदी- मध्यप्रदेश (देवास) से प्रवाहित होकर राजस्थान के झालावाड़, कोटा में नानेरा स्थान पर चम्बल नदी में मिलती है। परवन, निवाज, आहू सहायक नदियाँ हैं। अन्य नदियों में खारी, पार्वती, परवन, निवाज है।

अरब सागर में जल ले जाने वाली नदियाँ-

(1) लूणी नदी - अजमेर के नाग पहाड़ से निकलकर राज्य के जोधपुर, बाड़मेर, जालौर में बहती हुई, गुजरात में प्रवेश कर कच्छ की खाड़ी मे गिरती है। इसकी लम्बाई 330 कि.मी. है।

(2) माही नदी - मध्यप्रदेश के अममोरू पहाड़ियों से निकलकर डूँगरपुर-बाँसवाड़ा से बहते हुए, खम्भात की खाड़ी में गिरती है। यह कर्क रेखा को दो बार काटती है।

(3) साबरमती नदी - उदयपुर की पहाड़ियों से प्रवाहित होकर खम्भात की खाड़ी में गिरती है।

(4) पश्चिमी बनास - अरावली के पश्चिमी पहाड़ी से निकलकर, सिरोही से प्रवाहित होती हुई अन्त में कच्छ की खाडी (गुजरात) में गिरती है अन्य नदियाँ सोम, जाखम व साबरमती आदि।

आन्तरिक प्रवाह वाली नदियाँ-

(1) घग्घर नदी- हिमाचल प्रदेश की शिवालिक पहाड़ी से निकलकर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के हनुमानगढ़ में भटनेर के पास लुप्त हो जाती हैं।

(2) कान्तली नदी- सीकर की खण्डेला पहाड़ियों से निकलकर झुँझुनूँ में बहती हुई चूरू की सीमा पर रेगिस्तान में विलीन हो जाती है।

(3) काकनेय नदी- इसे मसूरदी भी कहते हैं। जैसलमेर के कोटरी गांव से निकलकर थोड़ी दूरी पर स्थित बुझ झील में गिरती है। साबी, मेन्धा एवं रूपनगढ अन्य आंतरिक प्रवाह नदियाँ है।

प्रश्न : राजस्थान में जनसंख्या की वर्तमान स्थिति का उल्लेख करते हुए जनसंख्या वृद्धि के कारण एवं नियंत्रण के उपाय सुझाइये।

उत्तर : वर्ष 2011 की जनगणनानुसार राजस्थान की जनसंख्या 6,85,48,437 व्यक्ति है। यह भारत की कुल जनसंख्या की 5.8 प्रतिशत हैं। भारत में जनसंख्या की दृष्टि से राज्य आठवें स्थान पर है। राज्य की निरन्तर जनसंख्या वृद्धि हो रही है। 2001-2011 के दशक में भारत में जनसंख्या वृद्धि 17.64 प्रतिशत की तुलना में राजस्थान में 21.33 प्रतिशत रहा है।

राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि के कारण

- **बाल-विवाह :** प्राचीन काल से ही राज्य में बाल-विवाह की कुप्रथा चली आ रही है। छोटी उम्र में विवाह हो जाने पर नासमझी में बच्चे हो जाते हैं जनसंख्या बढ़ती है।
- **गरीबी एवं निम्न जीवन स्तर** - गरीबी की भयावहता के कारण छोटी उम्र के बच्चों को रोजगार में लगा दिया जाता है। यह मानसिकता अधिक सन्तान पैदा करने को प्रोत्साहित करती है।
- **शिक्षा का अभाव** - साक्षरता में राजस्थान पिछड़ा है। महिला साक्षरता और ग्रामीण साक्षरता की स्थिति शोचनीय है। इसी कारण व्यक्ति अपने परिवार, समाज और देश के प्रति सचेत नहीं रहते हैं।
- **गर्म जलवायु** - राजस्थान की जलवायु उष्ण कटिबंधीय है उसमें भी कम वर्षा के कारण अधिक गर्म रहता है, फलस्वरूप गर्म जलवायु से मनुष्य में जल्दी परिपक्वता आ जाती है। वे छोटी उम्र में सन्तान पैदा करने में समर्थ हो जाते हैं जिससे जनसंख्या बढ़ती है।
- **संयुक्त परिवार प्रथा** - राज्य संयुक्त परिवार प्रथा के चलते छोटे बच्चों की देखभाल का कार्य वृद्ध सदस्य करते हैं। दम्पति को देखभाल की जरूरत नहीं होती जिससे जनसंख्या वृद्धि भार उनकी मानसिकता के परे रहता है।
- **आर्थिक पिछड़ापन** - आर्थिक विकास के साथ जनसंख्या वृद्धि दर घटती है। राजस्थान आर्थिक रूप से पिछड़ा है। अतः यहाँ कच्ची बस्तियों एवं दूर-दराज के गांवों में मनोरंजन के साधनों की कमी, प्रेरक तत्वों से दूर है।
- **परिवार नियोजन कार्यक्रम की विफलता** - प्रदेश की जनता की अज्ञानता, अधिक जनसंख्या के दुष्परिणाम से अनभिज्ञता, भाग्यवादिता, अंध विश्वास के कारण सरकारी प्रयास विफल रहे है।
- **जन्म दर व मृत्यु दर में अन्तर** - राज्य में जन्म 28.6 प्रति हजार जबकि मृत्यु दर 7.0 प्रति 1000 है। मृत्यु दर को आदर्श स्थिति तक लाने में कामयाबी मिली लेकिन जन्म दर अब ऊँची है जो जनसंख्या वृद्धि का कारण है। राज्य में शादीशुदा महिलाओं का ऊँचा अनुपात, विवाह की कम आयु, दम्पती सुरक्षा दर नीचा पाया जाना ऊँची जन्म दर के उत्तरदायी कारण हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-94)

राजस्थान का भूगोल

200 शब्द

प्रश्न : राजस्थान के पशुधन प्रदेशों का सविस्तार वर्णन कीजिये।

उत्तर : यद्यपि राज्य के प्रत्येक प्रदेश में पशुओं में विभिन्नता देखने को मिलती है किंतु पशु विशेष की प्रधानता के आधार पर राज्य के पशु प्रदेशों का निर्धारण किया जाता है, जो निम्न प्रकार है :-

(1) **राठी प्रदेश** :- राज्य के उत्तर-पश्चिमी भाग अर्थात् गंगानगर, बीकानेर और जैसलमेर आदि जिले शामिल हैं, यहां राठी नस्ल के गौवंश मिलते है। गाय अधिक दूध के लिए प्रसिद्ध है तथा डेयरी उद्योग हेतु उपयोगी है। यह भेड़-बकरियों एवं ऊँटों की प्रधानता का क्षेत्र है। इस क्षेत्र को उत्तरी नहरी क्षेत्र भी कहा जाता है। वर्तमान में गाय-भैंस की प्रधानता देखी जाती है तथा दुग्ध उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि हुई हैं।

(2) **सांचौर/कॉकरेज क्षेत्र** :- इसके अन्तर्गत सिरोही, जालौर व पाली तथा बाड़मेर के भाग आते है। यहाँ गौवंश, भेड़ एवं ऊँटों की प्रधानता है। कांकरेज नस्ल के गौवंश हेतु यह क्षेत्र प्रसिद्ध है।

(3) **थारपारकर क्षेत्र** :- उत्तरी बाड़मेर, जैसलमेर तथा जोधपुर जिले की फलौदी व शेरगढ़ तहसीलें शामिल हैं। यह मरूस्थलीय/रेतीला क्षेत्र है, जहाँ वनस्पति का अभाव है। यह प्रदेश अधिक दूध देने वाली थारपारकर नस्ल के गौवंश पालन हेतु प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त ऊँट, भेड़ एवं बकरी पालन भी होता है।

(4) **नागौर क्षेत्र** :- इसमें नागौर, जोधपुर, बीकानेर की कोलायत एव नोखा तहसीलें, चूरू व पाली जिलों के कुछ भाग सम्मिलित हैं। यह एक अंतः प्रवाही एवं अर्द्ध-शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश है। मुख्य व्यवसाय पशुपालन है। इस प्रदेश के नागौरी नस्ल के बैल देश भर में प्रसिद्ध है। मारवाड़ी भेड़, बकरियाँ, घोड़े, और ऊँट भी मिलते है। यहां राज्य सरकार सर्वाधिक पशु मेलों का आयोजन करती है।

(5) **हरियाणवी क्षेत्र** :- हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर के क्षेत्र शामिल है। यहां हरियाणवी नस्ल के बैल-गाय, भैंस और भैंसे ख्याति प्राप्त हैं।

(6) **मेवात क्षेत्र** :- अलवर, भरतपुर और धौलपुर क्षेत्र मेवात नस्ल के पशुओं हेतु प्रसिद्ध है। यहाँ मुर्राह भैंस तथा बकरियां भी पाली जाती हैं। यहाँ पशु पालन स्वतंत्र एवं कृषि की सहायक क्रिया के रूप में होता है।

(7) **रथ क्षेत्र** :- यह क्षेत्र पूर्वी राजस्थान को शामिल करता है। यहाँ कम ऊंचाई के पशु मिलते हैं। इनका दूध एवं कृषि कार्यों में उपयोग होता है। मुर्राह भैंस तथा अलवरी भेड़-बकरियां भी पाली जाती हैं।

(8) **मालवी क्षेत्र** :- इसमें दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान के क्षेत्र शामिल है। झालावाड़, कोटा, बांरा, बूंदी, बाँसवाड़ा और डूँगरपुर के क्षेत्र पर्याप्त वर्षा के क्षेत्र है अतः पशुओं हेतु चारा उपलब्ध है। मालवी नस्ल के गौवंश दूध कम देते हैं किन्तु बैल मजबूत होते हैं। अतः कृषि कार्यों हेतु उपयोगी हैं।

(9) **गिर क्षेत्र** :- इसमें उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक तथा बूंदी जिले शामिल है। गिर नस्ल के गौवंश अधिक दूध देते हैं तथा भारवहन क्षमता भी अच्छी होती है। यहां भैसों का पालन दुग्ध व्यवसाय हेतु अधिक होता है। बकरियां व ऊँट भी मिलते हैं।

संक्षेप में, राजस्थान के प्रत्येक क्षेत्र में मिश्रित प्रकार से पशुपालन किया जाता है।

प्रश्न : ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्त्रोत कौन-कौन से है? इनका विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर : वर्तमान विश्व में व्याप्त ऊर्जा संकट का एक हल ऊर्जा के गैर-परम्परागत स्त्रोत है अर्थात् सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, बायो गैस आदि। राजस्थान में गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोतों के विकास हेतु 'राजस्थान ऊर्जा विकास एजेंसी (REDA) का गठन 1985 में किया। इसी प्रकार राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगत (REC) की स्थापना 2002 में, गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों के विकास परिवहन तथा विद्युत संयत्रों की स्थापना के उद्देश्य से की। गैर-परम्परागत ऊर्जा के स्रोत निम्न है -

(a) **सौर ऊर्जा** :- राजस्थान सौर ऊर्जा की दृष्टि से सम्पन्न है क्योंकि यहाँ वर्ष भर आकाश साफ रहता है राजस्थान में सौर परावर्तन 5.8 से 6.4 kwh/m² है। इस ताप को एकत्रित करने हेतु विविध तकनीकी साधनों की आवश्यकता होती है। इसके लिए सोलर तापीय एवं सोलर फोटोवोल्टाईज तकनीकी का प्रयोग किया जाता है। राजस्थान वर्तमान में देश में सबसे अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन करने वाला राज्य बन चुका है। राज्य में पहला सोलर पार्क जोधपुर के बडला, में स्थापित किया गया है। राजस्थान में विभिन्न सौर परियोजनाएँ जिनमें खींवसर, गौरीर, मोकला, धूनिया, आगोरिया में स्थापित की गई है।

(b) **पवन ऊर्जा** :- यहाँ पवन ऊर्जा के विकास की पर्याप्त संभावनाऐं है विशेषकर पश्चिमी राजस्थान में जहाँ पवनों की गति 20 से 40 K.M रहती है राजस्थान में सर्वप्रथम पवन ऊर्जा संयत्र अमरसागर (जैसलमेर) में स्थापित किया गया । इसके अलावा पवन ऊर्जा संयत्र देवगढ़ (प्रतापगढ़) बडावाग, पोहरा, सोढ़ाबौध ा (जैसलमेर) में स्थापित किए गए है।

(c) **बायोमास ऊर्जा** :- बायोमास के अंतर्गत वन एवं कृषि उद्योग आधारित अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन शामिल है। इसके लिए सरसों की तूड़ी, चावल की भूसी, बबूल के डंठल प्रमुख स्त्रोत है। राजस्थान का पहला बायोमास संयत्र पदमपुरा (श्रीगंगानगर) में स्थापित।

(d) **बायोगैस** :- बायोगैस जानवरों के मल मूत्र के वायुरहित अवस्था में अपघटन होने पर जीवाणुओं की क्रिया से उत्पन्न ज्वलनशील गैस है। राजस्थान में सर्वाधिक बायोमास संयत्र उदयपुर में स्थापित है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-95)

राजस्थान का भूगोल

200 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में जनजातीय क्षेत्रों की पहचान कीजिये एवं इनके उत्थान हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : राजस्थान में भील, मीणा, गरासिया, सांसी, सहरिया, डामोर तथा कजंर प्रमुख जनजातियाँ हैं। ये पर्वतीय/वनीय क्षेत्रों, सघन बस्तियों से दूर, नदी-घाटियों जैसे अनुपयुक्त वातावरण में निवास करती हैं। अपनी जीवन-पद्धति, संस्कृति, अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक परंपराओं को ये जनजातियाँ वर्षों से जीवित रखे हुए है। राजस्थान में इनका भौगोलिक वितरण निम्न प्रकार है:-

(1) **पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र** :- इसके अन्तर्गत भरतपुर, अलवर, दौसा, जयपुर, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा, कोटा, बूंदी, बारां एवं झालावाड़ जिले मुख्यतः मीणा जनजाति बाहुल्य है, लेकिन यहाँ भील, सहरिया तथा सांसी जनजातियाँ भी मिलती है।

(2) **दक्षिण क्षेत्र** :- यहाँ मुख्यतः भील, मीणा, गरासिया एवं डामोर जनजातियाँ निवास करती हैं। सिरोही, राजसंमद, बाँसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर तथा चित्तौड़गढ़ जिले शामिल है।

(3) **उत्तरी-पश्चिमी क्षेत्र** :- इस क्षेत्र में भील, गरासिया, मीणा, कंजर जनजातियाँ निवास करती हैं। इसमें जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, जोधपुर, जालौर तथा पाली जिले आते है।

राजस्थान सरकार द्वारा जनजातियों के उत्थान हेतु संचालित योजनाएं/कार्यक्रमः-

(i) **माडा (MADA) समुदाय कार्यक्रम** :- इस में राज्य के 8 जिले और 59 गांव शामिल हैं। इसमें व्यक्तिगत लाभ के कार्य, जैसे- बागवानी, कृषि प्रदर्शन, कुओं को गहरा करना, हैंड पम्प लगाना, आदि किये जाते हैं।

(ii) **परिवर्तित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण (MADA)** :-**(Modified Area Development Approach)**- इस योजना में जनजाति बहुल 44 खंड शामिल हैं। इसके अन्तर्गत शिक्षा प्रसार, स्वरोजगार जैसे- दरी बुनना, बढ़ईगिरी, हथकरघा आदि का प्रशिक्षण केन्द्र खोलना शामिल है।

(iii) **सहरिया विकास कार्यक्रम** :- बारां जिले की शाहबाद एवं किशनगंज पंचायत समतितियों में रहने वाली सहरिया जनजाति के विकास हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के व्यय से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जाते है।

(iv) **बिखरी जनजाति के लिए विकास कार्यक्रम** :- यह कार्यक्रम 1979 में प्रारंभ किया गया। इसका संचालन जनजाति क्षेत्र विकास एंजेसी द्वारा किया जाता है। शिक्षा, आवास, होस्टल, पोशाकें, पुस्तकें, छात्रवृत्तियों, (TADA) परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम शामिल हैं।

प्रश्न : राजस्थान की प्रमुख मीठे पानी की झीलों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : (i) **जयसंमद झील** :- इसे ढेबर झील भी कहा जाता है। इसका निर्माण 1685-91 में महाराणा जयसिंह द्वारा गोमती नदी पर बांध बनाकर किया गया। यह राजस्थान की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है जो पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

(ii) **राजसंमद झील** :- राजसंमद जिले में स्थित हैं इसका निर्माण 1662 ई में महाराणा राजसिंह ने करवाया। यह झील सिंचाई के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस झील के किनारे नौ चौकी है, जहां संगमरमर के शिलालेखों पर मेवाड़ का इतिहास संस्कृत में अंकित है।

(iii) **पिछोला झील** :- उदयपुर शहर के पश्चिम में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण झील, जिसका निर्माण 14वीं शताब्दी में राणा लाखा के काल में एक बनजारे ने करवाया। झील पर जगमंदिर एवं जगनिवास नामक दो सुंदर महल बने हैं। विद्रोही दिनों में शाहजादा खुर्रम ने यहीं पर शरण ली थी।

(iv) **फतेहसागर झील** :- पिछोला झील के उत्तर-पश्चिम में स्थित है जिसका निर्माण महाराणा फतेहसिंह ने करवाया।

(v) **आनासागर झील** :- अजमेर के निकट स्थित। इसका निर्माण सम्राट पृथ्वीराज चौहान के पितामह आनाजी ने 1137 ई में करवाया। यहाँ जहांगीर ने एक उद्यान "दौलत बाग" बनवाया तथा शाहजहाँ ने सुंदर संगमरमर की छतरियां "बारहदरी" का निर्माण करवाया, जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है।

(vi) **पुष्कर झील** :- अजमेर के पुष्कर में स्थित है यह धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

(vii) **सीलीसेढ़ झील** :- अलवर में स्थित यह भी पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

- इसके अतिरिक्त नवलखा झील (बूंदी), कोलायत झील (बीकानेर), गैवसागर (डूंगरपुर), बालसंमद (जोधपुर) और धौलपुर का तालाबशाही प्रसिद्ध झीलें है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-96)

राजस्थान का भूगोल

200 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में खनिज आधारित उद्योगों की विवेचना कीजिए।

उत्तर : राजस्थान में सम्पूर्ण भारत में खनिज भंडारों की दृष्टि से झारखंड के बाद द्वितीय स्थान रखता है। यहाँ योजनाबद्ध विकास के अन्तर्गत खनिज आधारित उद्योगों का तेजी से विकास हुआ है। यहाँ खनिज आधारित उद्योग निम्न है-

- **सीमेंट उद्योग** :- राजस्थान में सीमेंट ग्रेड लाइम स्टोन के विपुल भण्डार होने के कारण सीमेंट उत्पादन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहाँ सर्वप्रथम सीमेंट कारखाना लाखेरी (बूंदी) में स्थापित किया गया। राजस्थान में सीमेंट की इकाईयां मोड़क, निम्बाहेड़ा, ब्यावर, कोटा, गोटन, सिरोही, पाली आदि स्थानों पर स्थापित की गई हैं।
- **काँच उद्योग** :- राज्य में काँच निर्माण हेतु आवश्यक बालू पत्थर, सिलिका, सोडियम सल्फेट तथा शीशा की पर्याप्त उपलब्धता के कारण काँच उद्योग की व्यापक संभावनाऐं है। राज्य में काँच के कारखाने जयपुर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर, जोधपुर आदि स्थानों पर केन्द्रित है।
- **मार्बल उद्योग** :- राजस्थान में मकराना, धौलपुर, भैंसलाना, जोधपुर, डूंगरपुर, तलवाड़ा में संगमरमर की उपलब्धता है तथा इन्हीं क्षेत्रों में इसकी कटाई, छंटाई आधारित उद्योग का विकास हुआ है।
- **नमक उद्योग** :- राज्य में सांभर, डीडवाना, पचपदरा, लूणकरनसर, फलौदी, पोकरण झीलें नमक उत्पादन के प्रमुख स्त्रोत है। सांभर में नमक उत्पादन केन्द्रीय सरकार द्वारा संचालित सांभर साल्ट लिमिटेड द्वारा किया जाता है।
- **सीसा व जिंक उद्योग** :- देबारी (उदयपुर) व चंदेरिया (चित्तौड़गढ़) में जिंक स्मेल्टर द्वारा जस्ता निर्माण के साथ उपउत्पाद के रूप में सल्फ्यूरिक अम्ल तैयार होता है।
- **मूर्ति उद्योग** :- जयपुर तथा अलवर के थानागाजी में पत्थर की मूर्तियों का निर्माण होता है।
- **लोहा उद्योग** :- गजसिंह पुरा (श्रीगंगानगर), नागौर, तथा झोटवाड़ा कृषिगत औजारों का निर्माण होता है।
- इसके अतिरिक्त बर्तन उद्योग, आभूषण उद्योग आदि ऐसे अन्य खनिज आधारित उद्योग है जिनके और अधिक विकास की आवश्यकता है।

प्रश्न : राजस्थान की प्रमुख सहकारी संस्थाओं की सविस्तार व्याख्या कीजिये।

उत्तर : राजस्थान में "एक सब के लिए, सब एक के लिए" के सिद्धात पर कार्य करने वाली सहकारिता की शुरूआत 1904 में सहकारी साख समिति अधिनियम के पारित होने के साथ हुई।

राज्य की प्रमुख सहकारी साख संस्थाऐं निम्न प्रकार है :-

1. **राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ लिमिटेड(राजफैड)** :- यह राज्य में सहकारिता की शीर्ष संस्था है। इसका गठन 26 नवम्बर 1957 को हुआ। इसका मुख्यालय जयपुर में है जो प्राथमिक क्रय-विक्रय सहकारिता समितियों के माध्यम से किसानों को विभिन्न कृषि अनुदान उपलब्ध कराने, कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री, प्रोसेसिंग की समुचित व्यवस्था एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है।
2. **राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम)**:- यह सहकारी शिक्षा, प्रशिक्षण व अनुसंधान केन्द्र के रूप में संबंधित कर्मचारियों, अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर व्यावसायिक प्रबंधक व दक्ष कार्मिक तैयार करता है। यह 1974 से प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है।
3. **राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ (राजस संघ)** :- वर्ष 1976 में स्थापित यह संघ जनजाति उप-योजना क्षेत्र एवं शहरिया क्षेत्र में आदिवासियों के आर्थिक विकास में संलग्न है।
4. **सहकारिता कल्याण एंव सेवा फोरम (कोपसेफ)** :- सहकारी समितियों के सदस्यों व परिवारजनों के लिए साक्षरता, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण आदि में सहयोग प्रदान करने हेतु मार्च 1988 में स्थापित किया गया।
5. **राजस्थान राज्य सहकारी तिलहन उत्पादन संघ (तिलम संघ)** :- 1990 में स्थापित तिलहन उत्पादन से संबंधित शीर्ष संस्था है जिसका मुख्य उद्देश्य तिलहन उत्पादन एवं सहकारी समितियों के माध्यम से विभिन्न तिलहनी उत्पादों का उपार्जन करना है।
6. **राजस्थान राज्य सहकारी स्पिनिंग एवं जिनिंग मिल्स फेडरेशन (स्पिनफैड)** 1 अप्रैल 1993 को स्थापित संस्था जिसमें सहकारी कताई मिल- हनुमानगढ़, सहकारी कताई मिल- भीलवाड़ा, सहकारी कताई मिल- गुलाबपुरा एवं गंगानगर कॉटन कॉम्प्लेक्स- गंगानगर को मिलाकर इसे एकीकृत रूप दिया गया।
7. **महिला सहकारिता संघ** :- महिला सहकारिता समितियों की विभिन्न गतिविधियों का समन्वय, विस्तार तथा उन्हें प्रशिक्षण में सहायता देने के लिए गठित संघ।
8. **डेयरी सहकारिता** :- राजस्थान में दुग्ध उत्पादन एवं वितरण का त्रिस्तरीय सहकारी ढांचा है। शीर्ष स्तर पर राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन, जिला स्तर पर जिला दुग्ध उत्पादन सहकारी संघ और निम्न स्तर पर प्राथमिक दुग्ध उत्पादन सहकारी समितियाँ कार्यरत् है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-97)

नीतिशास्त्र

20 शब्द

प्रश्न : गीता में स्वधर्म क्या है।

उत्तर : वर्णाश्रम के अनुसार अपने लिए नियत कर्त्तव्यों का पालन करना तथा दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप न करना स्वधर्म है।

प्रश्न : उपयोगितावादी मिल सुखों के मध्य कौनसा भेद स्वीकार करते है।

उत्तर : उपयोगितावादी मिल सुखों के मध्य परिमाणात्मक भेद के साथ-साथ गुणात्मक भेद स्वीकार करते है।

प्रश्न : उपयोगितावादी मिल गुणात्मक भेद के अंतर्गत कौनसे सुख का श्रेष्ठ मानते है।

उत्तर : उपयोगितावादी मिल इन्द्रियपरक स्थूल भौतिक सुख की अपेक्षा बौद्धिक सुख अधिक श्रेष्ठ मानते है।

प्रश्न : काण्ट के अनुसार कर्तव्य क्या है?

उत्तर : नैतिक नियमों के प्रति सम्मान की भावना से अभिप्रेरित होकर कर्म करने की अनिवार्यता कर्त्तव्य कहलाता है।

प्रश्न : काण्ट के दर्शन में नैतिकता की तीन पूर्व मान्यताऐं बताइए।

उत्तर : (i) संकल्प की स्वतंत्रता (ii) आत्मा की अमरता
(iii) ईश्वर का अस्तित्व

प्रश्न : प्लेटो के दर्शन में न्याय क्या है?

उत्तर : समाज में रहकर अपने नियत सद्गुणों का पालन करना एवं दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप न करना (अहस्तक्षेप की नीति) न्याय है।

प्रश्न : प्लेटो के दर्शन में न्याय सर्वोपरी क्यों है?

उत्तर : प्लेटो के अनुसार न्याय ही अन्य सभी सद्गुणों के मध्य संतुलन तथा सामंजस्य रखता है अतः सद्गुण ही न्याय है।

प्रश्न : प्लेटो के अनुसार मुख्य सद्गुण क्या है?

उत्तर : प्लेटो अपनी पुस्तक रिपब्लिक में चार मुख्य सद्गुणों को बताते है ये है- विवेक, साहस, संयम और न्याय।

प्रश्न : संकल्प की स्वतंत्रता की तीन आवश्यक शर्ते कौनसी है?

उत्तर : (i) कर्म करने की क्षमता
(ii) ज्ञान और उद्देश्य
(iii) विकल्पों की उपस्थिति

प्रश्न : क्या निष्काम कर्मयोग (गीता) निष्क्रियता की ओर संकेत करती है।

उत्तर : नहीं, गीता प्रति क्षण कर्म करने का उपदेश देती है प्रकृति के तीनों गुण सत्व, रज, तम वलात् कर्म कराते है।

50 शब्द

प्रश्न : संकल्प स्वातंत्र्य को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिना किसी बाह्य दबावों एवं प्रलोभनों के अपनी इच्छा शक्ति के अनुरूप कार्य करने और न करने की स्वतंत्रता ही संकल्प की स्वंत्रता कहलाती है।

संकल्प स्वातन्त्र्य की तीन पूर्व मान्यताऐं अथवा शर्ते है-
(i) कर्म करने की क्षमता (ii) ज्ञान एवं उद्देश्य
(iii) विकल्पों की उपस्थिति

इनमें से किसी एक के अभाव में व्यक्ति के संकल्प को स्वतंत्र संकल्प नहीं कहा जा सकता है।

प्रश्न : उपयोगितावाद क्या है।

उत्तर : वह नैतिक सिद्धांत जिसके अनुसार किसी भी कर्म या नियम को अपनाने के फलस्वरूप "अधिकतम व्यक्तियों को अधिकतम सुख की प्राप्ति" होती है अथवा उनका हित या कल्याण होता है, उपयोगितावाद कहलाता है। बेंथम और मिल प्रमुख उपयोगितावादी विचारक थे।

प्रश्न : काण्ट के दर्शन में शुभ संकल्प की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : काण्ट नैतिक नियमों की सार्वभौमिकता स्वीकार करते है सभी नैतिक नियम देशकाल व परिस्थितियों से रहित रहते है। वे अपने आप में पूर्ण व निरपेक्ष होते है। साधारणतः संकल्प का उद्गम हमारी भावनाओं से होता है। किंतु काण्ट के दर्शन में संकल्प बौद्धिक होता है। अर्थात् "विशुद्ध कर्त्तव्यचेतना की भावना से अभिप्रेरित होकर कर्म करने का दृढ़ निश्चय ही शुभ संकल्प है।" काण्ट के दर्शन में शुभ संकल्प आदर्श रूप है।

प्रश्न : गीता के अनुसार निष्काम कर्मयोग की अवधारणा।

उत्तर : व्यक्ति को फल-आकांक्षा से रहित होकर निष्ठापूर्वक अपने निर्धारित कर्तव्यों का पालन करना निष्काम कर्मयोग कहलाता है। इसके अनुसार व्यक्ति को निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए (प्रवृत्ति मार्ग) किंतु फल अथवा परिणामों से विरक्त रहना चाहिए (निवृत्ति मार्ग) गीता इन दोनों का समन्वय करती है।

प्रश्न : क्या गीता के अनुसार मनुष्य को कर्म करने की स्वतंत्रता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : गीता निष्काम कर्म का उपदेश देकर कर्मफल बंधन से मुक्त होने का तो उत्तम उपाय प्रस्तुत करती है किन्तु संकल्प स्वतंत्रता के बारे में विरोधाभाष दिखाई पड़ता है। गीता में एक स्थान पर स्वीकार किया है कि मनुष्य पूर्वकृत स्वाभाविक कर्मों से बंधा है तो मनुष्य की संकल्प की स्वतंत्रता दिखाई नहीं पड़ती है किन्तु दूसरी ओर यह उपदेश कि "जैसी तुम्हारी इच्छा है वैसा करो" इसमें संकल्प स्वतंत्रता को स्वीकार किया गया है इसके अतिरिक्त गीता में कर्म करने का मनुष्य को अधिकार दिया है और अधिकार में ही स्वतंत्रता निहित है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-98)

विश्व का इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : पुनर्जागरण से क्या आशय है?

उत्तर : यूरोप में 14वीं से 16वीं शताब्दी के मध्य वैज्ञानिक भावना एवं जिज्ञासा प्रवृत्ति, कला एवं साहित्य, मानववादी भावनाओं की अभिव्यक्ति को पुनर्जागरण कहा गया है।

प्रश्न : पुनर्जागरण (रेनेसां) शब्द किस भाषा का है तथा सर्वप्रथम इसका प्रयोग किसने किया।

उत्तर : रेनेसां फ्रेंच भाषा का शब्द है इस शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग स्थापत्य कला एवं मूर्ति कला में आए क्रांतिकारी बदलाव हेतु वैसारी ने किया था।

प्रश्न : कुस्तुनतुनिया के पतन के दो महत्त्वपूर्ण परिणाम बताइये।

उत्तर : (i) यूरोप में पुनर्जागरण को गति मिली।
(ii) यूरोपीय देशों को पूर्वी देशों के साथ व्यापार करने हेतु सामुद्रिक मार्गों की खोज करने के लिए विवश होना पड़ा।

प्रश्न : धर्मयुद्ध (क्रूसेड)

उत्तर : 11वीं से 13वीं शताब्दी के मध्य येरुशलम पर अधिकार के प्रश्न पर इसाई जगत् एवं इस्लाम के मध्य हुए युद्धों को धर्मयुद्ध कहा गया जो पुनर्जागरण का प्रेरक बना।

प्रश्न : पुनर्जागरण का केंद्र इटली ही क्यों बना?

उत्तर : प्राचीन रोमन सभ्यता का केंद्र होने के साथ ही अनुकूल भोगौलिक स्थिति, व्यापारिक समृद्धि एवं विदेशी व्यापार, प्राचीन यूनानी एवं पूर्व के समृद्ध संस्कृतियों से सम्पर्क आदि कारणों से इटली पुनर्जागरण का केन्द्र बना।

प्रश्न : मानवतावाद से क्या आशय है तथा इसके जनक किसे माना जाता है?

उत्तर : मानव के भौतिक जीवन एवं समस्याओं में रुचि लेना तथा उसे अधिकाधिक समृद्ध तथा उन्नत बनाने का प्रयास करना, मानवतावाद कहलाता है पैट्रार्क को मानववाद का जनक माना जाता है।

प्रश्न : पुनर्जागरण काल के प्रमुख चित्रकारों के नाम बताइए।

उत्तर : (i)माइकल एंजिला (1475-1564) (ii)लियोनार्दो-दी.विंसी (1452-1519) (iii) राफेल (1483-1520) (iv) टिशियन (v) जियटो (vi) फ्रान्जेलिका

प्रश्न : पुनर्जागरण कालीन तीन मूर्तिकारों के नाम बताइए?

उत्तर : (i) लारेंजो गिबेर्ती
(ii) दोनोतेल्लो
(iii) माइकल एंजेलो

प्रश्न : पुनर्जागरण काल के प्रमुख संगीतज्ञों के नाम बताइए।

उत्तर : पालेस्ट्राइना, मस्किनदस, जॉन बुल, विलियम बर्ड

प्रश्न : यूरोप की दो मानवतावादी महिलाओं के नाम बताइए।

उत्तर : (i) कसान्द्रा फैदेल
(ii) मार्चिसा ईसाबेला

50 शब्द

प्रश्न : पुनर्जागरण की पांच विशेषताऐं लिखिए।

उत्तर (i) मध्यकालीन अंधविश्वासों से मुक्ति
(ii) धर्मनिरपेक्ष तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
(iii) कला एवं साहित्य में मानवतावादी भावनाओं एवं संवेदनाओं की तीव्र अभिव्यक्ति
(iv) व्यक्ति का स्वतंत्र विकास
(v) जिज्ञासा प्रवृत्ति और भौतिकवादी प्रवृत्ति

प्रश्न : पुनर्जागरण के क्या कारण थे?

उत्तर : पुनर्जागरण के लिए निम्न प्रमुख उत्तरदायी कारण थे -
(i) 1453 में कुस्तुनतुनिया पर तुर्की का अधिकार।
(ii) धर्मयुद्ध एवं अरबों से यूरोप का संपर्क।
(iii) व्यापारिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों का विकास।
(iv) कागज एवं मुद्रण यंत्रों का आविष्कार।
(v) विशाल मंगोल साम्राज्य जिससे पूर्वी-पश्चिमी विचारों का विनिमय हुआ।

प्रश्न : मानववाद तथा पुनर्जागरण

उत्तर : पुनर्जागरण का प्रमुख लक्षण मानववाद जिसका जन्म इटली में हुआ। मानव के भौतिक जीवन एवं समस्याओं में रुचि लेकर उसे अधिकाधिक समृद्ध एवं उन्नत बनाना मानववाद है पैट्रार्क को मानववाद का जनक माना जाता है। मानववादी विचारकों ने इतिहास, भूगोल, विज्ञान की नवीन विधाओं को स्वीकार किया, मानवमात्र की स्वतंत्रता, समानता, इहलोक और राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावनाओं को जागृत किया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-99)

आधुनिक भारत का इतिहास

प्रश्न : लैण्ड होल्डर्स सोसाइटी

उत्तर : बंगाल, बिहार एवं उडीसा के जमींदारों की रक्षा हेतु द्वारकानाथ टैगोर के प्रयासों से 1838 में कलकत्ता में स्थापित पहली राजनीतिक सभा।

प्रश्न : गुलामगिरी

उत्तर : 1873 ई. में ज्योतिबाफूले ने सत्यशोधक समाज की स्थापना की। उन्होंने 1872 में गुलामगिरी नामक ग्रंथ की रचना की।

प्रश्न : द बंगाल गजट

उत्तर : भारत में प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र दा बंगाल गजट था। यह सर्वप्रथम 1780 में प्रकाशित हुआ था। इसके संस्थापक जेम्स आगस्टस हिक्की थे।

प्रश्न : स्थायी भूमि बंदोबस्त

उत्तर : 1786 में लॉर्ड कार्नवालिस बंगाल के गवर्नर जर्नरल बने। और इन्होंने स्थायी बन्दोबस्त लागू किया। जिसमें जमींदारों का हिस्सा $\frac{1}{11}$ अर्थात् लगान का 89 प्रतिशत भाग सरकार का होता था।

प्रश्न : गोपाल हरिदेशमुख का समाज में योगदान

उत्तर : भारतीय समाज को आधुनिक मानवतावादी, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के आधार पर पुनर्गठित कर सामाजिक-धार्मिक समानता पर बल दिया।

प्रश्न : 'रहनुमाई माजदयासन समाज'

उत्तर : 1851 में दादाभाई नौरोजी, फरदोन जी, एस. एस. बंगाली द्वारा गठित संस्था, जिसने पारसियों में सामाजिक सुधार आन्दोलन की शुरूआत की।

प्रश्न : सैडलर कमीशन

उत्तर : 1917 में कलकत्ता विश्वविद्यालय की समस्याओं के अध्ययन के लिए गठित आयोग। जिसमें दो भारतीय आशुतोष मुखर्जी एवं जियाउद्दीन अहमद थे।

प्रश्न : मुहम्मद इकबाल।

उत्तर : महान कवि - मानवतावादी किन्तु विराग एवं एकांतवास के विरोधी। ये समाज सुधारक कम, शायर एवं विचारक के रूप में अधिक प्रसिद्ध रहे।

प्रश्न : आत्म सम्मान आंदोलन।

उत्तर : 1920 में ई.वी. रामास्वामी नायकर एवं बालीजा नायडू द्वारा प्रारंभ आदोंलन जिसने समाज में ब्राह्मणों की सर्वोच्चता को चुनौती दी एवं पिछड़ी जातियों को विभिन्न अधिकार देने की मांग की।

प्रश्न : भारत में राष्ट्रवाद के उदय एवं विकास के लिए उत्तरदायी कारण लिखिए।

उत्तर : 1. विदेशी आधिपत्य का परिणाम, 2. पाश्चात्य चिंतन एवं शिक्षा, 3. फ्रांसीसी क्रांति के फलस्वरूप विश्व स्तर पर राष्ट्रवादी चेतना तथा आत्मविश्वास की भावना का प्रसार, 4. प्रेस एवं समाचार पत्रों की भूमिका,5. ब्रिटिश नीतियों के विरूद्ध भारतीय आक्रोश आदि कारण थे।

प्रश्न : जिम्मरमैन योजना क्या थी ?

उत्तर : भूपेन्द्रनाथ दत्त, लाला हरदयाल एवं अन्य लोगों ने 1915 में इस योजना के तहत ''बर्लिन कमेटी फॉर इंडियन इंडिपेंडेंस'' की स्थापना की। क्रांतिकारियों का उद्देश्य भारतीयों को भारत में रहकर क्रांतिकारी गतिविधियों को संचालित करने हेतु प्रेरित करना, हथियारों की आपूर्ति तथा किसी भी तरह भारत को उपनिवेशी शासन से मुक्ति दिलाना था।

प्रश्न : कांग्रेस एवं मुस्लिम लीग का लखनऊ समझौता के मुख्य बिन्दु लिखिए।

उत्तर : निम्न प्रावधान थे -

1. कांग्रेस द्वारा उत्तरदायी शासन की माँग को लीग ने स्वीकार कर लिया
2. कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचन व्यवस्था की माँग को स्वीकार कर लिया।
3. प्रांतीय व्यवस्थापिका सभाओं में निर्वाचित भारतीय सदस्यों की संख्या का एक निश्चित भाग मुसलमानों के लिए आरक्षित कर दिया।
4. केन्द्रीय व्यवस्थापिका सभा में कुल निर्वाचित भारतीय सदस्यों का $\frac{1}{9}$ भाग मुसलमानों के लिए आरक्षित कर साम्प्रदायिक चुनाव व्यवस्था स्वीकार की गई।

प्रश्न : स्वराजियों की उपलब्धियों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : निम्न है -

1. गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर मतदान यहाँ तक की बजट पर भी।
2. स्वशासन, नागरिक स्वतंत्रता तथा औद्योगीकरण के समर्थन में सशक्त भाषण दिये।
3. 1925 में विट्ठलभाई पटेल सेंट्रल लैजिस्लेटिव एसेंबली के अध्यक्ष चुने गये।
4. 1928 में पब्लिक सेफ्टी बिल पर सरकार की पराजय।
5. मोंटेग्यू चैम्सफोर्ड सुधारों के खोखलेपन को उजागर किया।
6. विधानमण्डल में सरकार की भेदभावपूर्ण नीतियों के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रश्न : कामागाटामारु प्रकरण क्या था?

उत्तर : पंजाब के क्रांतिकारी बाबा गुरूदत्ता सिंह ने कामागाटामारु नामक जापानी जलपोत किराये पर लेकर 351 पंजाबी सिक्खों व 21 मुसलमानों को सिंगापुर से बैंकुवर ले जाने का प्रयास किया ताकि वे वहां जाकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग ले सके, ब्रिटिश सरकार के दबाव के चलते इस जहाज को कलकत्ता पर लाया गया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-100)

भारतीय राजव्यवस्था एवं अन्तरराष्ट्रीय संबंध

प्रश्न : न्यू डेवलपमेंट बैंक

उत्तर : ब्रिक्स देशों का बैंक जो जुलाई, 2015 में अस्तित्व में आया। मुख्यालय शंघाई (चीन) में तथा अध्यक्ष भारत के के. वी. कामथ हैं ।

प्रश्न : **G - 4**

उत्तर : भारत, जापान, जर्मनी व ब्राजील चार देशों का समूह, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के विस्तार एवं स्थायी सदस्यता हेतु प्रयासरत है।

प्रश्न : **किगाली समझौता क्या है ?**

उत्तर : मांट्रियल प्रोटोकॉल में संशोधन हेतु किगाली (रंवाडा) में 197 देशों का समझौता, ताकि 2045 तक चरणबद्ध तरीके से ग्रीन हाऊस गैस "हाइड्राफ्लोरोकार्बन" को खत्म करना है।

प्रश्न : **सम्प्रीति - 2016 क्या है ?**

उत्तर : भारत-बांग्लादेश रक्षा सहयोग के तहत छठा संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास, जो नवंम्बर, 2016 को टंगैल (बांग्लादेश) में आयोजित हुआ।

प्रश्न : **विश्व मौसम संगठन**

उत्तर : मार्च, 1950 को स्थापित 189 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र संघ की विशेषज्ञ एंजेसी, जो पृथ्वी के वातावरण का अध्ययन करती हैं।

प्रश्न : **एंटोनियों गुतरेस**

उत्तर : पुर्तगाल के पूर्व प्रधानमंत्री, जो 1 जनवरी, 2017 से 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र संघ के 9 वें महासचिव होगें।

प्रश्न : **साफ्टा**

उत्तर : दक्षेस देशों के मध्य मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाने के उद्देश्य से 2002 में गठित। ताकि व्यापार सीमा शुल्क को समाप्त किया जा सके।

प्रश्न : **ब्रिक्स**

उत्तर : ब्राजील, रूस, भारत, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका का संगठन, ब्रिक्स का आठवाँ शिखर सम्मेलन बेनोलिम (गोआ) में अक्टूबर, 2016 को हुआ।

प्रश्न : **G – 20 का परिचय दीजिए।**

उत्तर : विश्व की प्रमुख विकसित/उभरती अर्थव्यवस्थाओं का मंच, जिसका गठन 1997 के एशियाई वितीय सकंट के परिप्रेक्ष्य में 1999 में हुआ। विश्व की दो तिहाई जनसंख्या, वैश्विक व्यापार का 80 प्रतिशत, वैश्विक सकल राष्ट्रीय उत्पाद के 85 प्रतिशत भाग का उत्पादन इन देशों द्वारा किया जाता है। जी-20 का कोई स्थानीय सचिवालय व मुख्यालय नहीं है।

प्रश्न : **गुट निरपेक्ष आंदोलन के उद्देश्यों की संक्षेप में चर्चा कीजिये।**

उत्तर : 1. पुरातन व्यवस्था के स्थान पर स्वतंत्रता, समानता, सामाजिक न्याय और सर्व-कल्याण के सिद्धान्तों पर आधारित नवीन विश्व व्यवस्था की स्थापना करना,
2. शांतिपूर्ण साधनों के माध्यम से शांति, निःशस्त्रीकरण और विवादों का समाधान,
3. विश्व की आर्थिक समस्याओं विशेषतः असंतुलित आर्थिक विकास का प्रभावशाली और स्वीकार्य समाधान,
4. पर्यावरणीय दृष्टि से ठोस एवं स्थायी विकास सुनिश्चित करना,
5. संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और प्रभाव में मजबूती लाने के लिए सहयोग देना।

प्रश्न : **दक्षेस/सार्क हाल में चर्चा में क्यों रहा ?**

उत्तर : दक्षिण एशियाई देशों का संगठन, जिसकी स्थापना 1985 में ढाका (बांग्लादेश) में हुई। भारत बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, मालद्वीप और श्रीलंका सदस्य देश हैं। मुख्यालय - काठमांडू (नेपाल) में है। यह सगंठन सामूहिक आत्मनिर्भरता, आर्थिक तकनीकी, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के प्रति कटिबद्ध है। ऊरी में हुए भारतीय सैन्य ठिकाने पर आतंकी हमले के पश्चात् भारत ने पाकिस्तान में प्रस्तावित दक्षेस सम्मेलन का बहिष्कार किया।

प्रश्न : **भारत निर्वाचन आयोग की संरचना/गठन को स्पष्ट कीजिये।**

उत्तर : भारतीय संविधान के अनुच्छेद-324 के अन्तर्गत एक स्वतंत्र चुनाव आयोग की व्यवस्था है जो स्वच्छ एवं निष्पक्ष चुनाव का संचालन करता है। निर्वाचन आयोग को 1993 से संसदीय अधिनियम द्वारा तीन सदस्यीय बना दिया गया है जिसमें एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो चुनाव आयुक्त है। सभी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती हैं। वर्तमान में मुख्य निर्वाचन आयुक्त अचल कुमार ज्योति है।

प्रश्न : **नव गठित नीति आयोग का सामान्य परिचय दीजिये।**

उत्तर : योजना आयोग के स्थान पर एक नई संस्था "राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (नीति आयोग) एक मंत्रिमंडलीय प्रस्ताव के तहत 1 जनवरी, 2015 से अस्तित्व में आया है।" प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले इस आयोग में एक उपाध्यक्ष, एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तीन पूर्णकालिक सदस्य, चार केन्द्रिय मंत्री पदेन सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्यों में तीन केन्द्रिय मंत्री जबकि अधिशासी परिषद् में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री तथा केन्द्रशासित क्षेत्रों के उप-राज्यपालों को शामिल कर आयोग का स्वरूप और अधिक संघात्मक बनाया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-101)

विश्व एवं भारत का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : माराकैबो झील।

उत्तर : द. अमरिका की सबसे बड़ी झील, जो वेनेजुऐला में स्थित है। पेट्रोलियम उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है।

प्रश्न : तिबेस्ती।

उत्तर : एक पर्वतीय उच्च भूमि, जो मध्य सहारा, उत्तरी चाड, उत्तरी-पूर्वी नाइजर तथा दक्षिणी लीबिया में विस्तृत है, ज्वालामुखी उद्गार से निर्मित है।

प्रश्न : स्ट्रॉम्बोली

उत्तर : इटली के लैपारी द्वीप समूह के समीप स्थित विश्व का जाग्रत ज्वालामुखी। इसे **"भूमध्य सागर का प्रकाश स्तंभ"** कहा जाता है।

प्रश्न : पैटोगोनिया क्षेत्र।

उत्तर : एण्डीज श्रेणी के गिरीपदीय क्षेत्र में वृष्टिछाया प्रदेश के कारण मरुस्थलीय क्षेत्र, जहाँ भेड़ चराना मुख्य आर्थिक क्रिया है।

प्रश्न : ला-नीनो।

उत्तर : एल-नीनो के अगले वर्ष दक्षिण प्रशान्त महासागर में पेरू और इक्वेडोर के तट पर गर्म तरंगों के स्थान पर ठंडी जल धारा का प्रभावी हो जाना।

प्रश्न : लीचिंग क्या है?

उत्तर : अंतस्पंदन की क्रिया के दौरान जब मिट्टी से पोषक तत्वों का छनकर नीचे चले जाना, लीचिंग है।

प्रश्न : जावर।

उत्तर : भारत में चाँदी उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र, जो उदयपुर (राजस्थान) में स्थित है यहाँ जस्ता उत्पादन भी होता है।

प्रश्न : जेट स्ट्रीम

उत्तर : पृथ्वी के ऊपरी वायुमण्डल में (क्षोभमण्डल में 8 से 12 किमी.) पश्चिम से पूर्व दिशा में चलने वाली हवायें, जेट स्ट्रीम है।

प्रश्न : गंधमर्दन पर्वत

उत्तर : पूर्वी घाट का ज्वालामुखी पहाड़ी क्षेत्र जो बॉक्साइट निक्षेप की प्रचुरता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ बाल्को का एल्युमिनियम कारखाना है।

प्रश्न : दण्डकारण्य

उत्तर : एक आदिवासी बहुल क्षेत्र, जिसमें आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, छतीसगढ़ तथा उड़ीसा के भाग शामिल है। यह घने जंगलों से युक्त है।

50 शब्द

प्रश्न : सुंदरवन जैव-विविधता क्षेत्र का महत्व बताइये।

उत्तर : यह कोलकत्ता के दक्षिण में गंगा के मुहाने पर स्थित विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा है जो मैग्रोव वनों के अद्वितीय पारिस्थितिक तंत्र तथा 'रॉयल बंगाल टाईगर' के लिए प्रसिद्ध है। यह यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व सांस्कृतिक धरोहर है। यहाँ सर्वाधिक संख्या में जंगली बाघ मिलते है। वैश्विक ऊष्मीकरण के कारण इसकी जैव-विविधता पर हो रहे कुप्रभाव के कारण यह चर्चित है।

प्रश्न : ITCZ क्या है? इसके महत्व को समझाइये।

उत्तर : सूर्य के साथ विकसित हुआ निम्न वायुदाब का केन्द्र जो सूर्य के अत्यधिक गर्म होने कारण उत्पन्न होता है सामान्यतः ITCZ विषुवत रेखा के आस-पास पाया जाता है। किन्तु जब सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध में 21 मार्च के बाद आता है तो यह उत्तर की ओर विस्थापित हो जाता है और मई माह में भारत में यह 25^0 N के आस-पास स्थित हो जाता है। इस हेतु थार का मरुस्थल और उत्तर भारत का मैदान जिम्मेदार है। ये दोनों स्थान निम्न वायुदाब के केन्द्र बन जाते है। फलतः मानसूनी पवनों को खींच लेता है।

प्रश्न : लेटराइट मिट्टी का महत्त्व।

उत्तर : जिन क्षेत्रों में वर्षा अधिक होती है वहाँ ग्रेनाइट व नीस चट्टानें अपक्षालन की प्रक्रिया से गुजरने लगते है जिसके कारण लेटराइजेशन होने लगता है और इस मिट्टी का निर्माण होता है सभी विषुवत रेखीय क्षेत्रों में और भारत में भी अत्यधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में यह मिट्टी अम्लीय प्रकृति की होती है जिसके कारण यहाँ मसालों की फसलें होती है।

प्रश्न : "मैग्रोव वन" को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जिन क्षेत्रों में जल भराव वाली मिट्टी होती है या डेल्टाई/पीट मिट्टी होती है उन क्षेत्रों में ऐसे वन मिलते है। इनकी जड़े पानी से ऊपर निकली हुई होती है। इन्हें ब्युटी वनस्पति भी कहा जाता है। ये वन सर्वाधिक पश्चिम बंगाल में मिलते है सुंदर वन का डेल्टा मैग्रोव वनों का सबसे बड़ा क्षेत्र है इन वनों में सुंदरी, केवड़ा, ताड़ व नारियल के वृक्ष मिलते है।

प्रश्न : धारवाड़ चट्टानों की प्रकृत्ति।

उत्तर : ये मुख्यतः प्रीकैम्ब्रियन और कैम्ब्रियन प्रकार की चट्टानों अथवा आग्नेय चट्टानों से बनी है इनका अपरदन/अपक्षय होने के कारण रूपान्तरण हुआ है। इसे धातुओं की चट्टान कहा जाता है क्योंकि इसमें सभी प्रकार की धातुऐं मिलती हैं किन्तु जीवाश्म नहीं। कर्नाटक के बेल्लारी क्षेत्र में स्थित धारवाड़ जगह के नाम पर इसका नाम रखा गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा
मुख्य परीक्षा (अंक-102)

व्यवहार

15 शब्द

प्रश्न : तादात्मीकरण।

उत्तर : अन्य व्यक्ति को अत्यधिक सम्मान देने/पसंद करने के फलस्वरूप स्वंय को उसी के समान समझने/महसूस करने की प्रक्रिया।

प्रश्न : प्रबलन।

उत्तर : एक अनुक्रिया का अनुसरण करने वाली घटना, जो अनुक्रिया के घटित होने की प्रवृति को बल प्रदान करे।

प्रश्न : संज्ञानात्मक मूल्यांकन प्रणाली।

उत्तर : परीक्षणों की माला जिसका निर्माण चार आधारभूत पास प्रक्रियाओं - योजना, अवधान, सहकालिक एवं आनुक्रमिक के मापन हेतु किया गया।

प्रश्न : तनाव प्रबंधन की व्यवहारात्मक तकनीकें क्या है?

उत्तर : मूल्यांकन, तनाव, न्यूनीकरण, अनुप्रयोग एवं अनुवर्ती कार्यवाही, जिनका उद्देश्य व्यक्ति को तनाव के विरुद्ध संचारित करना हो।

प्रश्न : संवेगात्मक बुद्धि को प्रभावित करने वाले कारक लिखिये।

उत्तर : अभिप्रेरणा, आत्मचेतना, सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व तथा मनोदशा को नियंत्रित करने की योग्यता आदि कारक हैं।

प्रश्न : मैंस्लो द्वारा वर्णित पांच आवश्यकताएं अनुक्रम में बताइये।

उत्तर : मैंस्लो द्वारा वर्णित पांच आवश्यकताएं क्रमशः शारीरिक, सुरक्षा, स्नेह, सम्मान एवं आत्मसिद्धि हैं।

प्रश्न : अभिप्रेरणा के सन्दर्भ में प्रलोभन क्या है?

उत्तर : बाह्य वातावरण में विद्यमान कोई ऐसा कारक, जो आवश्यकता एवं अन्तर्नोद जैसी आन्तरिक दशाओं को संतुष्ट करता है।

प्रश्न : मीसोमार्फिक व्यक्तित्व।

उत्तर : उत्तम प्रकार का शारीरिक गठन, अधिक विकसित मांसपेशियाँ एवं हड्डियाँ तथा हष्ट-पुष्ट होते है।

प्रश्न : प्रतिक्रिया निर्माण क्या है?

उत्तर : सुरक्षा प्रक्रिया का प्रकार जिसमें व्यक्ति अवरोधनीय आवेगों के विपरीत रूप को सचेतन दूसरो पर प्रकट करे।

प्रश्न : भाव प्रबोधन।

उत्तर : दूसरों के उपस्थित रहने या निष्पादन के मूल्यांकित होने के विचार से अनुभूत तनाव।

50 शब्द

प्रश्न : उपलब्धि अभिप्रेरणा से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : ऐसी प्रक्रिया जिसमें व्यक्ति उन कार्यों को करना अधिक पंसद करता है जिससे उसे प्रशंसा अथवा ख्याति मिले, उपलब्धि अभिप्रेरणा है। इस अभिप्रेरणा में व्यक्ति अपनी विद्वता दिखाने वाले कार्यों को अधिक करता है तथा अपने मित्रों की तुलना में विशेषज्ञ के साथ कार्य करना अधिक पंसद करता है अर्थात कठिन कार्यों में निपुणता प्राप्त करने की आशा ही उपलब्धि अभिप्रेरणा है।

प्रश्न : आइजेंक के व्यक्तित्व वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : आइजेंक ने व्यक्तित्व का वर्गीकरण तीन भागों में किया है - 1. अन्तर्मुखता-बहिर्मुखता 2. स्नायुविक-स्थिरता 3. मनोविकृति-पराहं प्रकार्य।

1. अन्तर्मुखता-बहिर्मुखता - इस प्रकार के व्यक्तित्व में अन्तर्मुखी-बहिर्मुखी दोनों के गुण पाये जाते है।
2. स्नायुविक-स्थिरता- इस प्रकार के व्यक्तित्व में इच्छा शक्ति की कमी, क्रिया का अभाव पाया जाता है।
3. मनोविकृति-पराहं प्रकार्य - इस प्रकार के व्यक्तित्व में एकाग्रता की कमी, अति संवेदनशीलता व क्षीण स्मृति पाई जाती है।

प्रश्न : गैरेट के अनुसार अभिप्रेरकों के प्रकार।

उत्तर : गैरेट ने अभिप्रेरकों के निम्न प्रकार बताये है-

1. मनोवैज्ञानिक प्रेरक- ये प्रबल मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों से उत्पन्न होते हैं जैसे- क्रोध, सुख-दुख आदि।
2. जैविक प्रेरक - इनका संबंध व्यक्ति की जैविक आवश्यकताओं से होता है जैसे - नींद, भूख, प्यास।
3. सामाजिक प्रेरक - ये सामाजिक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होते है जैसे- आत्मसुरक्षा, रचनात्मकता, जिज्ञासा।

प्रश्न : शीलगुण की कोई पांच विशेषताऐं बताइये।

उत्तर :
1. व्यक्तित्व शीलगुण वास्तविक होते हैं,
2. शीलगुण कभी एक-दूसरे से अलग नहीं होते है,
3. ये आदत की अपेक्षा अधिक सामान्यीकृत होते है,
4. ये सार्वभौमिक होते हैं,
5. शीलगुण परिस्थिति के साथ परिवर्तित होते हैं।

प्रश्न : तनाव के लक्षणों को रेखांकित कीजिए।

उत्तर : तनाव के लक्षण शारीरिक, संवेगात्मक तथा व्यवहारात्मक होते हैं जो तनाव की प्रबलता को ज्ञापित करते हैं। इनका निराकरण न किया जाए तो गंभीर परिणाम हो सकते है। जैसे ध्यान केन्द्रित न कर पाना, स्मृति ह्रास, गलत निर्णय, अनियमित उपस्थिति, आत्मसम्मान में कमी, भावात्मक विस्फोट, दुश्चिंता, भय, अवसाद, निद्रा में कठिनाई, शारीरिक रोग जैसे- सरदर्द, कमरदर्द इत्यादि तनाव के लक्षण है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-103)

विधि

15 शब्द

प्रश्न : कृषक से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : ऐसा व्यक्ति जो कृषि से स्वयं या सेवकों या अधिकारियों द्वारा पूर्णतः या मुख्यतः अपनी आजीविका चलाता हो [धारा 5(3)]

प्रश्न : इजारा अथवा ठेका के दो महत्त्वपूर्ण तत्त्व कौनसे है?

उत्तर : फार्म का पट्टा हो तथा यह लगान वसूली के लिए हो [धारा 5(18)]

प्रश्न : सुधार से क्या तात्पर्य है और इसमें किस कार्य को शामिल किया गया है?

उत्तर : ऐसा कोई भी कार्य जिसमें भूमि क्षेत्र के मूल्य में तात्विक वृद्धि हो तथा जिस उद्देश्य के लिए भूमि क्षेत्र काश्त पर दिया गया हो॥धारा 5 (19)]

प्रश्न : भूमि से क्या अभिप्राय है?

उत्तर : कृषि प्रयोजन, कृषि से अनुसेवी प्रयोजन, उपवन भूमि या चारागाह के लिए पट्टे पर दी जावे या धारण की जावे।

प्रश्न : अभिधारी

उत्तर : पदाधिकारी जो राजस्व तथा लगान के कार्य से संबंधी अभिलेख रखने में नियोजित हो। [धारा 5(36)]

प्रश्न : भू-राजस्व

उत्तर : ऐसी माँग वार्षिक जो माँग के रूप में देय हो, भूमि के किसी हित के या भूमि के उपयोग के संबंध में देय हो या जो राज्य सरकार को सीधे या प्रत्यक्ष देय हो। [धारा 5(34)]।

प्रश्न : लगान

उत्तर : जो कुछ भी भूमि के उपयोग या अधिवास अथवा भूमि में किसी अधिकार के लिए नकद में या जिन्स में या अशतः नकद या अशतः जिन्स में देय है, से होगा।

प्रश्न : राजस्व न्यायालय में कौन सम्मिलित है?

उत्तर : राजस्व मण्डल, राजस्व अपीलीय प्राधिकारी, कलेक्टर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर, उपखण्ड अधिकारी, तसीलदार व अन्य कोई राजस्व अधिकारी, वह न्यायालय के रूप में कार्य कर रहा हो।

प्रश्न : अपीलों का परिसीमा क्या है?

उत्तर : कलेक्टर को अपील-30 दिन, राजस्व अपील प्राधीकारी को अपील - 60 दिन, राजस्व मंडल को अपील - 90 दिन धारा 228,

प्रश्न : आभिधारियों के कौनसे-कौनसे वर्ग है?

उत्तर : (1) खातेदार आभिधारी [धारा 15] (2) मालिक [धारा 17क(3)] खुदकाश्त के अभिधारी [धारा 16क] (4) गैर खातेदार अभिधारी [धारा 17]

50 शब्द

प्रश्न : राजस्व मंडल (बोर्ड) में द्वितीय अपील के आधारों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : (1) राजस्व अपील प्राधिकारी का निर्णय विधि या विधि का बल रखने वाली किसी प्रथा के विरुद्ध है (2) राजस्व अपील प्राधिकारी ने अपने निर्णय में विधि या विधि का बल रखने वाली प्रथा से संबंधित किसी महत्वपूर्ण विवाधक विनिश्चय नहीं किया है (3) किसी विधि में उल्लेखित प्रक्रिया का अनुकरण न करने से निर्णय में त्रुटि या दोष उत्पन्न हो गया है, तथा (4) निर्णय अभिलिखित साक्ष्य के प्रभाव के विपरीत है।

प्रश्न : गोचर भूमि किसे कहते है?

उत्तर : भूमि जो गाँव के मवेशियों को चराने के काम में आती हो, बन्दोबस्त अभिलेख में गोचर भूमि में दर्ज या तत्पश्चात राज्य सरकार द्वारा बनाये गये नियमों में गोचर भूमि के रूप में सुरक्षित की गई है। [धारा 5(28]

प्रश्न : कृषि में किसे शामिल किया गया है? टिप्पणी लिखिए।

उत्तर : कृषि में उद्यान कार्य, पशुपालन, दुग्ध शाला, कुक्कुट पालन तथा वानिकी विकास (धारा 5(2) तथा चाय की खेती, कॉफी की खेती एवं तम्बाकू, कपास, नील, जूट व इसकी प्रकृति के अन्य उत्पाद को विभिन्न न्यायिक निर्णयों के द्वारा शामिल किया गया है।

प्रश्न : बेदखली के कौन कौनसे आधार है?

उत्तर : लगान के बकाया की डिक्री के निष्पादन में बेदखली [धारा 174] (2) अवैध अंतरण या शिकमी पट्टे पर देने के कारण बेदखली [धारा 175] (3) हानिप्रद कार्य या शर्त भंग के कारण बेदखली [धारा 177] (4) खुदकाश्त आसामियों, गैर खातेदार आसामियों या शिकमी आसामियों की बेदखली [धारा 180](5) आतेचारी की बेदखली [धारा 183] (6) बंधक की अवधि समाप्त हो जाने पर भूमि का कब्जा परिदत्त नहीं किये जाने की दशा में (7) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के सदस्य द्वारा धारित भूमि पर अतिचारियों की संक्षिप्त कार्यवाही द्वारा बेदखली [धारा 183ख]।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-104)

समाजशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : वर्ण की धारणा।

उत्तर : वंश, संस्कृति, चरित्र, स्वभाव एवं व्यवसाय पर आधारित ध ाारणा जिसमें व्यक्ति की नैतिक एवं बौद्धिक योग्यता का समावेश हो।

प्रश्न : किनशिप आर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया।

उत्तर : भारत में समाजशास्त्र की पहली महिला विद्वान- इरावती कर्वे द्वारा लिखित पुस्तक जिसमें भारत की नातेदारी व्यवस्था का वर्णन है।

प्रश्न : द्विज।

उत्तर : चार वर्गों में वर्ण - ब्राह्मण, क्षैत्रिय एवं वैश्य जिनके पुरूष सदस्य जनेऊ धारण करते है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म होता है।

प्रश्न : प्रभु जाति।

उत्तर : आनुष्ठानिक उच्च प्रस्थिति, गाँव/क्षेत्र में संख्यात्मक/ जनसंख्यात्मक बाहुल्यता, आर्थिक-राजनैतिक रूप से अधिक शक्तिशाली जाति।

प्रश्न : मूल्य एवं मानदंड में कोई दो अन्तर बताइये।

उत्तर : 1. मूल्य साध्य है जबकि मानदंड साधन है 2. मूल्य सामान्य स्वीकृत धारणायें है जबकि मानदंड दिशानिर्देश है।

प्रश्न : वि-संस्कृतिकरण।

उत्तर : जब उच्च जातियाँ संस्कृत ग्रंथों में वर्णित भारतीय संस्कृति के तत्वों को छोड़कर पाश्चात्य जीवन शैली को अपना लेती है।

प्रश्न : सम्प्रदायवाद।

उत्तर : विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच अलगाव/वैमनस्य का भाव जिसका आधार धर्म, भाषा अथवा प्रजातीय तत्व हों।

प्रश्न : भारतीय जनजातियों को किसने "पिछड़े हिन्दू जातियां" कहा है?

उत्तर : डॉ. जी.एस.घूरिये ने भारतीय जनजातियों को पिछड़ें हिन्दू जातियां कहा।

प्रश्न : वर्ग की विशेषताएं लिखिए।

उत्तर : समान प्रस्थिति, ऊंच-नीच की भावना, वर्ग-चेतना, सीमित सामाजिक संबंध, वस्तुपरक विशेषता, जीवन स्तर, पूर्णतया अर्जित।

प्रश्न : सार्वभौमिकरण।

उत्तर : वह प्रक्रिया जिसमें एक क्षेत्र विशेष के मूल्य कालान्तर में किसी वृहत समाज की मूल्य पद्धति के अंग बन जायें।

50 शब्द

प्रश्न : अंग्रेजी शासन के प्रभाव से भारतीय समाज में हुए महत्त्वपूर्ण परिवर्तन।

उत्तर :
1. धर्म पर आधारित पुरातन परम्पराओं और रीतियों के स्थान नवीन सामाजिक-आर्थिक शक्तियों का उदय,
2. संस्कृत और फारसी जैसी पारंपरिक भाषाओं का स्थान अंग्रेजी भाषा ने ले लिया,
3. पारंपरिक हस्तशिल्प का विनाश और उसके स्थान पर इंग्लैंड में मशीनों द्वारा निर्मित वस्तुओं का आना आदि परिवर्तन अंग्रेजी शासन के प्रभाव के परिणाम है।

प्रश्न : जाति एवं वर्ग में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :
1. जाति एक बंद वर्ग है जबकि वर्ग में खुलापन पाया जाता है,
2. जाति का आधार जन्म है जबकि वर्ग का अर्जित है,
3. जाति में खान-पान पर प्रतिबंध है जबकि वर्ग में नहीं,
4. जाति अंतर्विवाही है जबकि वर्ग नहीं,
5. जाति की सदस्यता प्रदत्त है जबकि वर्ग की अर्जित्त है।

प्रश्न : मनुस्मृति भारत में समाजशास्त्र के विकास का आधार है। कैसे?

उत्तर : सामाजिक ज्ञान का संग्रह है। इसमें वर्ण, जाति, विवाह, परिवार, राज्य, धर्म आदि पर गंभीरता से विचार किया गया है। इस ग्रंथ ने समाज के भावी स्वरूप को निर्धारित करने में काफी योग दिया। विनय कुमार सरकार, प्रो. बृजेन्द्रनाथ शील, डॉ. भगवानदास आदि विद्वानों ने इन ग्रंथों का समाजशास्त्रीय दृष्टि से अध्ययन किया। जिससे तत्कालीन समाज व्यवस्था को समझने व समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों को जानने में सहायता मिली।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-105)

समसामयिकी

15 शब्द

प्रश्न : मरियप्पन थांगावेलू।

उत्तर : रियो-पैरालंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद (टी-42) में तमिलनाडू के मरियप्पन ने भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता।

प्रश्न : बालाजी टयूरिस्ट सर्किट।

उत्तर : सामोद-घाट-बंधे के (जयपुर), पांडुपोल-अलवर, सालासर-चुरू और मेहन्दीपुर-दौसा सहित चार जिलों छः हनुमान मन्दिरों को शामिल कर बनाया सर्किट।

प्रश्न : मदर्स एब्सोल्यूट एफेक्शन (माँ)।

उत्तर : राज्य शिशु-मृत्यु दर एवं कुपोषण को कम करने हेतु 29 अगस्त, 2016 को शुरू कार्यक्रम।

प्रश्न : ''ऑपरेशन अमन'' ।

उत्तर : सेना द्वारा कश्मीर घाटी में भड़की हिंसा और आंतककारियों से दक्षिणी कश्मीर के इलाकों को मुक्त कराने हेतु चलाया गया अभियान।

प्रश्न : ''राजवायु''।

उत्तर : विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य के तीन शहरों - जयपुर, जोधपुर, उदयपुर की हवा में प्रदूषण स्तर की जानकारी/चेतावनी हेतु जारी मोबाईल ''एप''।

प्रश्न : इमरान खाँ मेवाती।

उत्तर : विश्व में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु 60 शैक्षिक एप निर्मित करने वाले अलवर निवासी, जिन्हें भामाशाह सम्मान दिया गया है।

प्रश्न : ''न्याय आपके द्वार''।

उत्तर : राज्य में 9 मई - 30 जून, 2016 तक काश्तकारों और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु राजस्व लोक अदालतों का आयोजन।

प्रश्न : सौर सुजला योजना।

उत्तर : देश के किसानों को सस्ती दर पर सोलर पंप मुहैया कराने हेतु नवम्बर, 2016 को प्रधानमंत्री द्वारा रायपुर (छतीसगढ़) से शुरू।

प्रश्न : ग्रीन ऑडिट।

उत्तर : ऐसा ऑडिट जिसमें पर्यावरण से जुड़े सभी विषयों- वायु प्रदूषण, स्वच्छ पेयजल आदि का परिक्षण होता है।

प्रश्न : लीमा।

उत्तर : 24वाँ एशिया- प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) सम्मेलन नवम्बर, 2016 को पेरू के लीमा में सम्पन्न हुआ।

50 शब्द

प्रश्न : लोक ऋण प्रबंधन एजेंसी।

उत्तर : देश में ब्रांड बाजार को मजबूत बनाने, निवेशकों को बढ़ावा देने तथा घरेलू एवं विदेशी बाजार उधारी के प्रबंधन हेतु वित्त मंत्रालय द्वारा गठित एजेंसी है। वर्तमान में ऋण प्रबंधन, ब्याज दरें तय करने तथा सरकारी बॉडपत्रों की खरीद बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक करता है। अतः यह एजेंसी सरकार की उधारी के प्रबंधक के रूप में अपनी दोहरी भूमिका में भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका को कम करेगी।

प्रश्न : भारत-जापान असैन्य परमाणु समझौते के मुख्य बिन्दु लिखिए।

उत्तर :
1. इस समझौते के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और सुरक्षा संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।
2. अब अमेरिकी कंपनियां भारत में परमाणु संयंत्र स्थापित कर सकेंगी।
3. जापान भारत में परमाणु तकनीक का निर्यात कर सकेगा।
4. भारत जापान के साथ ऐसा करार करने वाला पहला देश बना है। जिसने एन.पी.टी. संधि पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं।

प्रश्न : मराकेश फ्रेमवर्क समझौता और भारत के निहितार्थ।

उत्तर : मराकेश में हुआ इंटरनेशनल सोलर एग्रीमेंट पेरिस जलवायु समझौते के क्रियान्वित करने की दिशा में भारत की नवीन पहल है इसका उद्देश्य सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट में प्रयुक्त टेक्नॉलोजी तथा लागत में कमी लाना है। इस समझौते से भारत को क्लाइमेंट चेंज के कुप्रभावों से लड़ने के संदर्भ में नेतृत्व प्रदान करने का अवसर मिलेगा।

प्रश्न : वैश्विक युवा विकास सूचकांक-2016।

उत्तर : राष्ट्रमण्डल सचिवालय द्वारा रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, नागरिक और राजनीतिक क्षेत्रों युवाओं हेतु अवसर की संभावना के आधार पर तैयार किया गया सूचकांक, जिसमें 183 देश शामिल है। इसमें भारत 133वें स्थान पर है तथा भारत की स्थिति शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मामले में सम्पूर्ण दक्षिण एशियाई औसत से काफी पीछे है। रिपोर्ट में शीर्ष स्थान जर्मनी का है जबकि निम्नतम स्थान मध्य अफ्रीकी गणतन्त्र का है। रिपोर्ट के अनुसार भारत को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य व लोक कल्याण के क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है।

प्रश्न : रोहिंग्या संकट।

उत्तर : म्यांमार के पश्चिमी रखाईन प्रांत में स्थित रोहिंग्या मुस्लिम आबादी को म्यांमार सरकार ने न तो नागरिकता न ही बुनियादी अधिकार दिये है तथा इन्हें अवैध बांग्लादेशी प्रवासी मानती है संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार रोहिंग्या लोग दुनिया के सबसे अधिक प्रताड़ित समुदायों में से एक है।

13नवम्बर, 2016 को मानवाधिकार संगठन ह्यूमन वॉच ने उपग्रह से मिली तस्वीर के आधार पर कहा कि रोहिंग्या समुदाय के लोगों पर सेना की कार्यवाही के दौरान 1250 घरों को नष्ट किया है। म्यांमार सरकार इसकी जाँच कर दोषी लोगों को सजा दे।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-106)

भूगोल

200 शब्द

प्रश्न : भूकंप के कारण व परिणामों की चर्चा करते हुये भूकंप के वितरण क्षेत्र को भी बताइये।

उत्तर : पृथ्वी की आंतरिक ऊर्जा के कारण पृथ्वी की सतह में जो एकाएक कंपन होता है, उसे भूकंप कहते है। भूकंप जिस स्थान से उत्पन्न होता है उसे भूकंप केन्द्र कहा जाता है। ऐसा केन्द्र 750 किमी. तक हो सकता है लेकिन 90 प्रतिशत भूकंप 8 किलोमीटर की गहराई से ऊपर ही उत्पन्न होते हैं। इससे स्पष्ट है कि पृथ्वी के क्रस्ट में आंतरिक ऊर्जा बनती है और वही एकाएक मुक्त होती है।

भूकंप की उत्पत्ति के निम्न कारण है:-

1. वलन एवं भ्रंशन। 2.ज्वालामुखी के विस्फोट से।
3. साम्यावस्था बनाने/संतुलन बनाने के लिए जैसे- कोयना बाँध से आया भूकंप (जलाशय प्रेरित भूकंप)।
4. प्लेटो के टकराने से (प्लेट-टेक्टोनिक प्रभाव)।

भूकंप के निम्नलिखित प्रभाव है:-

1. **नकारात्मक प्रभाव:-**

- जन-धन की व्यापक मात्रा में हानि।
- इससे अव्यवस्था फैलती है।
- इससे व्यापक स्तर पर परिवहन प्रभावित होता है।
- भूस्खलन होता है। ○ सूनामी उत्पन्न होती है।
- रोग, महामारियाँ उत्पन्न होती है।
- जैव-विविधता का ह्रास होता है।
- पारितंत्र प्रभावित होता है।
- स्थलाकृति ऊंची-नीची हो जाती है।

2. **सकारात्मक प्रभाव:-**

- कई गर्म जल के स्त्रोत उत्पन्न हो जाते है।
- खनिजों का पता चलता है।
- पृथ्वी की आंतरिक संरचना के बारे में पता चलता है।
- कई नवीन झीलें बन जाती है।
- इससे शासन-प्रशासन बदल सकता है।

भूकंप के वितरण क्षेत्र:-

1. **परिप्रशांत क्षेत्र:-** यह भूकंप का सबसे बड़ा क्षेत्र है और 50 प्रतिशत से अधिक भूकंप यही पर आते है जैसे दुनिया में प्रत्येक वर्ष 8 हजार भूकंप आते है उनमें 1500 अकेले जापान में आते है जो इसी क्षेत्र में है।
2. **मध्य महाद्वीपीय पेटी:-** भारत इसी क्षेत्र में आता है। आल्पस-टॉरस (टर्की), जाग्रोस(ईरान), हिन्दुकुश-हिमालय-आराकान।
3. **मध्य अटलांटिक पेटी:-** अटलांटिक महासागर में मुख्य रूप से अपसारी प्लेट के कारण ऐसे भूकंप उत्पन्न होते है। हिन्द महासागर क्षेत्र में अंडमान निकोबार क्षेत्र को छोड़कर।
4. **अन्तराप्लेट:-** ऐसे क्षेत्र जहाँ प्लेट के अन्दर भूकंप उत्पन्न होते है उन्हें अन्तराप्लेट भूकंप कहते है।

प्रश्न : ज्वालामुखी उत्पत्ति के कारण लिखिए। ज्वालामुखी से बनने वाली पृथ्वी की आंतरिक स्थलाकृतियों पर चर्चा कीजिये।

उत्तर : किसी छिद्र या दरार से पिघली हुई चट्टानों का पृथ्वी से बाहर निकलना ज्वालामुखी क्रिया कहलाती है। जिस स्थान पर यह घटना होती है उसको ज्वालामुखी कहा जाता है अर्थात् ज्वालामुखी एक स्थान का नाम है जहाँ पर पृथ्वी के नीचे से पिघली हुई चट्टाने निकलती है।

ज्वालामुखी उत्पत्ति के कारण निम्न है:-

1. भूकंप क्रिया 2. प्लेट विवर्तनिक की क्रिया
3. पृथ्वी की आंतरिक भूगर्भिक क्रियाएं
4. मानवीय गतिविधियां जैसे- अत्यधिक खनन, अत्यधिक दबाव (नगरीकरण)।

ज्वालामुखी से बनने वाली स्थलाकृतियां निम्न है:-

1. **बाह्य स्थलाकृति:-** जब पिघली हुई चट्टाने पृथ्वी के नीचे से पृथ्वी की सतह पर आ जाती है और ठण्डी होती है तो इससे निम्न स्थलाकृति बनती है-
(i)-पर्वत, (ii)-पठार, (iii)-मैदान, (iv)-झील, (v)-झरनें, (vi)-गैसर, (vii)-धुआरें, (viii)-सोल्फ तारा, (ix)-पायरोक्लास्ट आदि।
2. **आंतरिक स्थलाकृतियां:-** पृथ्वी के नीचे से जब पिघली हुई चट्टानें पृथ्वी के सतह के ऊपर आती है तो ऊपर आने के क्रम कुछ चट्टानें बीच में ही ठण्डा होकर जमने लगती है और इससे कई प्रकार की स्थलाकृति अन्दर ही बन जाती है जैसे-

1. **बैथोलिथ-**पृथ्वी के नीचे सबसे बड़ी स्थलाकृति जो गुबंदाकार होती है बैथोलिथ कहा जाता है जैसे- राँची का पठार।
2. **लैकोलिथ:-**बैथोलिथ के ऊपर पृथ्वी के सतह के नीचे जो गुम्बदाकार संरचना पाई जाती है, लैकोलिथ है।
3. **लोपोलिथ:-**बैथोलिथ के ऊपर पृथ्वी के नीचे जो तश्तरीनुमा संरचना पाई जाती है उसको लोपोलिथ कहा जाता है।
4. **फैकोलिथ:-**पृथ्वी के नीचे और लेपोलिथ के ऊपर वलन वाली/लहरदार जो संरचना पाई जाती है उसे फैकोलिथ कहा जाता है।
5. **डाइक:-**जब बैथोलिथ के ऊपर पृथ्वी में सतह के नीचे जो लम्बवत् मैग्मा का जमाव पाया जाता है उसी को डाइक कहा जाता है। भारत के कई क्षेत्रों में इस प्रकार की संरचना मिलती हैं।
6. **सिल:-**पृथ्वी की सतह के नीचे और बैथोलिथ के ऊपर जो क्षैतिज दिशा में मैग्मा का जमाव पाया जाता है उसे सिल कहा जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-107)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : संवर्धित फसल।

उत्तर : ऐसी विधि, जिसमें मुख्य फसल को पोषण देने हेतु कुछ अन्य उप-फसलें उगाई जाती हो।

प्रश्न : जैव-उर्वरक।

उत्तर : वे सूक्ष्मजीवी, जो वातावरणीय नाइट्रोजन को स्थिर करके अकार्बनिक पदार्थों में बदलकर पादपों को प्रदान करते है।

प्रश्न : गाउट।

उत्तर : गठिया रोग का एक प्रकार जिसमें जोड़ों मे दर्द, अकड़ाहट, सूजन, अंगूठे के आकार में वृद्धि होती हो।

प्रश्न : प्रकाश संश्लेषण।

उत्तर : एक उपचयी प्रक्रिया, जिसमें पादप कार्बनडाईऑक्साइड (Co_2), जल (H_2O) तथा सूर्य के प्रकाश से क्लोरोफिल के द्वारा भोजन निर्माण होता है।

प्रश्न : जैव-विविधता हॉटस्पॉट।

उत्तर : ऐसे विशिष्ट स्थल, जहाँ देशीय जैविक प्रजातीय नस्लों की बहुलता हो तथा इसका विलुप्तता का खतरा कम हो। इसकी परिभाषा सर्वप्रथम नॉर्मन मेयर ने दी।

प्रश्न : संतुलित आहार।

उत्तर : विभिन्न प्रकार के पोषक पदार्थों का ऐसा अनुपात, जिससे शरीर की विभिन्न आवश्यकताऐं निरन्तर पूर्ण होती रहे।

प्रश्न : विलयन।

उत्तर : दो से अधिक पदार्थों का समांगी मिश्रण, जिसमें नियतता पर अवयवों की मात्रा में निश्चित सीमा तक परिवर्तन हो।

प्रश्न : फफूँद जनित कोई चार संक्रामक रोगों के नाम लिखिए।

उत्तर : दाद, एथलीट फुट, खाज तथा टिनिया कुरुरिस इत्यादि फफूँद जनित संक्रामक रोग हैं।

50 शब्द

प्रश्न : हीनताजन्य रोग (Deficiency Disease) कैसे होते हैं? पाँच हीनताजन्य रोग और उसके कारण बताइए।

उत्तर : वे रोग जो किसी पोषक तत्व जैस विटामिन, खनिज तत्व, कार्बोहाइड्रेड आदि की कमी से होते है हीनताजन्य रोग कहलाते है। जो निम्न है-

1. घेंघा = आयोडीन की कमी से
2. एनीमिया = हिमोग्लोबिन की कमी से
3. क्वाशियोरकर= प्रोटीन की कमी से
4. रिकेट्स = विटामिन D की कमी से
5. स्कर्वी = विटामिन C की कमी से

प्रश्न : जैव-विविधता और उसके क्षति के कारण बताओ।

उत्तर : जैव-विविधता शब्द जीव वैज्ञानिक एडवर्ड विलसन द्वारा जैविक संगठन के प्रत्येक स्तर पर उपस्थित विविधता को दर्शाने के लिए प्रचलित किया गया, जिसमें आनुवंशिक, जातीय और पारिस्थितिकीय विविधता प्रमुख है।

क्षति के कारण

(i) आवासीय क्षति तथा विखण्डन
(ii) प्राकृतिक संपदा का अतिदोहन
(iii) विदेशी जातियों का आक्रमण
(iv) सहविलुप्तता

प्रश्न : रदरफोर्ड का परमाणु मॉडल।

उत्तर :
1. परमाणु का केन्द्र धनावेशित होता है जिसे नाभिक कहते हैं। परमाणु का सम्पूर्ण द्रव्यमान नाभिक में होता है अर्थात् प्रॉटोन और न्यूट्रॉन नाभिक में होते है।
2. इलेक्ट्रॉन नाभिक के चारों ओर वृताकार पथों में चक्कर लगाते हैं अतः परमाणु का अधिकांश भाग रिक्त होता है
3. नाभिक का आकार परमाणु के आकार की तुलना में काफी कम होता है।

प्रश्न : नाभिक के बल की प्रकृति।

उत्तर :
1. नाभिकीय बल लघु परासी होता है तथा 10^{-15} मी. से अधिक दूरी होने पर यह कार्य नहीं करता है।
2. यह प्रकृति के सभी बलों से शक्तिशाली है।
3. ये आकर्षी प्रकृति के बल हैं तथा नाभिक को स्थायित्व प्रदान करते है।
4. ये बल आवेश पर निर्भर नहीं करते हैं।
5. ये बल केन्द्रीय बल नहीं हैं।

प्रश्न : विद्युतधारा किसे कहते है? उसके प्रकार बताइये।

उत्तर : किसी चालक में विद्युत आवेश के प्रवाह की समय दर को विद्युतधारा कहते है।

विद्युतधारा = आवेश/समय, इसका SI मात्रक ऐम्पियर है। तथा यह एक अदिश राशि है।

मापांक तथा दिशा के अनुसार धारा 2 प्रकार की होती है:-

1. दिष्ट धारा (direct current DC)- जिस धारा का परिणाम एवं दिशा समय के साथ न बदले। उदाहरण- सेल, बैटरी।
2. प्रत्यावर्ती धारा (Alternating Current AC) - वह धारा जिसका परिणाम एवं दिशा समय के साथ परिवर्तनशील होते है। उदाहरण- AC डाइनेमो।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-108)

इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : शिक्षा का अधोमुखी निस्पंदन सिद्धांत किसने दिया और इसका क्या उद्देश्य था।

उत्तर : लॉर्ड ऑकलैण्ड द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत जिसके अनुसार सर्वप्रथम उच्च वर्ग को शिक्षित किया जाए, इस वर्ग को शिक्षित होने पर शिक्षा छन-छन कर जनसाधारण तक पहुँचेगी।

प्रश्न : राजाराममोहन राय द्वारा रचित दो पुस्तकों के नाम लिखिए।

उत्तर : 1.फारसी की पुस्तक ''तुहफात-उल-मुवाहिदीन'' (एकेश्वरवादियों का उपहार)
2.हिन्दू उत्तराधिकार नियम

प्रश्न : एज ऑफ कंसेट एक्ट।

उत्तर : 1891 में ब्रिटिश सरकार ने एस.एस.बंगाली के सहयोग से यह एक्ट पारित जिसके अनुसार 12 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया।

प्रश्न : साइमन कमीशन का समर्थन करने वाले दो दलों के नाम लिखिए।

उत्तर : (i) जस्टिस पार्टी (मद्रास) (ii) यूनियनिस्ट पार्टी (पंजाब)

प्रश्न : व्यक्तिगत सत्याग्रह।

उत्तर : कांग्रेस द्वारा अगस्त प्रस्ताव को अस्वीकार कर गांधीजी के नेतृत्व में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया जो भारत विरोधी ब्रिटिश नीति के प्रति नैतिक विरोध था प्रथम सत्याग्रही विनोवा भावे थे।

प्रश्न : रेटिंग्ज विद्रोह।

उत्तर : गैर कमीशण्ड अधिकारियों एवं सिपाहियों जिन्हें रेटिंग्ज कहा जाता ने 18 फरवरी, 1946 को खराब भोजन, कम वेतन एवं जातीय भेदभाव आदि के कारण विद्रोह कर दिया जिसे रेटिंग्ज विद्रोह कहा।

प्रश्न : केबीनेट मिशन के सदस्यों के नाम लिखिए।

उत्तर : (i) सर स्टेफर्ड क्रिप्स (ii) श्री.ए.वी.अलेक्जेंडर (iii) पैथिक लारेंस

प्रश्न : सीधी कार्यवाही दिवस (Direct Action day)।

उत्तर : ढाका में मुस्लिम लीग द्वारा 16 अगस्त, 1946 को शुरूआत की जिसका उद्देश्य साम्प्रदायिक दंगे फैलाना तथा आतंक का माहौल पैदा कर यह सिद्ध करना कि हिन्दु और मुस्लिम एक साथ नहीं रह सकते।

प्रश्न : कांग्रेस के संस्थापक ए.ओ ह्यूम द्वारा लिखी दो पुस्तकों के नाम?

उत्तर : (i) On Old man's Hope (एक वृद्व व्यक्ति की अकांक्षा)
(ii) The star of The East (पूर्व का सितारा)

प्रश्न : थियोसॉफिकल सोसाइटी की स्थापना कब व किसने की?

उत्तर : 1815 में मैडम ब्लावत्सकी तथा कर्नल आल्कॉट ने न्यूयार्क में थियोसॉफिकल सोसाइटी की स्थापना की।

50 शब्द

प्रश्न : गांधीजी ने नमक को सविनय अवज्ञा आंदोलन में केन्द्रीय मुद्दे के रूप में क्यों चुना?

उत्तर : नमक को चुनने के कारण निम्न है-

1. यह कर अविवेकपूर्ण एवं अमानवीय है। जिसका उपयोग मानवता के विरुद्ध किया जाता है।
2. ग्रामीण निर्धन जनता के दुःखों को व्यक्त करने का सशक्त मुद्दा था।
3. यह रोजमर्रा की आवश्यकता होने से किसानों का समर्थन सहजता से प्राप्त किया जा सकता था।
4. भावनात्मक रूप से गरीबों की आत्मसहायता का प्रमुख माध्यम बन सकता था।
5. नमक से सभी भारतीय प्रभावित थे।

प्रश्न : स्वदेशी आंदोलन की असफलता के कारण।

उत्तर :

1. आंदोलनकारियों के प्रति ब्रिटिश सरकार का कठोर दमनात्मक रूख अपनाना।
2. आंदोलन सक्रिय संगठन का रूप नहीं ले सका।
3. आंदोलन के आगे चलकर नेतृत्वहीन होता चले जाना।
4. कांग्रेस की अंर्तकलह जिससे 1907 में स्वयं कांग्रेस का विभाजन होगा।
5. आंदोलन सभी वर्गों में पैठ नहीं बना सका।

प्रश्न : मुस्लिम लीग का गठन एवं इसके क्या उद्देश्य थे।

उत्तर : 1 अक्टूबर,1906 वायसराय लॉर्ड मिण्टों के निमंत्रण पर सरआगा खां के नेतृत्व में एक शिष्टमण्डल शिमला में मिला, और मिण्टों का आर्शीवाद पाकर आगा खां, ढाका के नवाब सलीमुल्ला और नवाब मोहिसन-उन-मुल्क ने 30 दिसम्बर, 1906 को ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना की। जिसके निम्न उद्देश्य थे-

(1) ब्रिटिश सरकार के प्रति निष्ठावान (2) मुस्लिमों के प्रति सरकार के सभी संदेहों का दूर करना। (3) सरकार की मदद से मुस्लिमों के हितों की रक्षा करना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-109)

लोक प्रशासन

50 शब्द

प्रश्न : "विकासशील राष्ट्रों का लोक प्रशासन समस्या ग्रस्त प्रशासन माना जाता है।" इस कथन का अर्थ स्पष्ट करते हुए विकासशील राष्ट्रों की प्रमुख प्रशासनिक समस्याओं की चर्चा कीजिये।

उत्तर : संगठनात्मक दृष्टि से इन देशों का लोकप्रशासन प्रभावी एवं सुदृढ़, किंतु कार्यकुशलता की दृष्टि से सदैव उदासीन दिखाई देता है। किसी एक समस्या को समाप्त करने हेतु नवीन प्रशासनिक संरचना गठित कर दी जाती है तथा समाधान न होने पर पुनः एक जाँच आयोग/उच्च स्तरीय समिति नियुक्त कर दी जाती है। क्योंकि समस्या को स्थायी रूप से मिटाने की इच्छा न हो राजनेताओं में पाई जाती हैं और न ही लोकसेवकों में।

इन राष्ट्रों की प्रशासनिक व्यवस्थाएं, राजनीतिक संस्थाएं तथा सामाजिक संरचनाएं आदि संक्रमणकाल से गुजर रही हैं जहाँ अतीत की विरासत, पुरातनपंथी मान्यताओं तथा परंपरागत मूल्यों का आधुनिकता, विज्ञान, तकनीकी एवं विकास प्रक्रिया से टकराव हो रहा है। किंकर्तव्यविमूढ़ता की इस स्थिति में विकासशील राष्ट्रों का प्रशासन स्वयं में एक समस्या बन चुका है:-

विकासशील राष्ट्रों की प्रशासनिक समस्याएं निम्न प्रकार है:-

(1) उपनिवेशवाद के शिकार रहे इन देशों का प्रशासन तंत्र शासक राष्ट्र के प्रतिमानों पर आधारित माना जाता है। अतः स्थानीय मूल्यों, संस्कृति तथा अपनत्व का अभाव है।

(2) सामान्यज्ञ एवं विशेषज्ञ विवाद।

(3) लोककल्याणकारी राज्यों की स्थापना हेतु सरकार द्वारा निरूपित नये विकास कार्यक्रमों के निष्पादन में उत्तरदायित्व एवं प्रतिबद्धता की भावना का अभाव है।

(4) हड़ताल, अकर्मण्यता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, जातिवाद, लापरवाही तथा रिश्वतखोरी इन देशों की प्रमुख समस्याएं हैं।

(5) प्रशासनिक नियंत्रण व्यवस्था पूर्ण प्रभावी नहीं। अतः संसाधनों का दुरुपयोग यथावत जारी है।

(6) राजनीतिक अस्थिरता तथा जन असंतोष के कारण प्रशासनिक कार्यकुशलता निम्न-स्तरीय है।

(7) मानव संसाधन की तकनीकी एवं व्यावहारिक योग्याताएं निम्न स्तरीय है।

(8) प्रशासनिक संगठन तथा प्रक्रियाओं में अनावश्यक रूप से औपचारिकताओं की भरमार रहती है।

प्रश्न : अभिवृति क्या है? इसकी प्रमुख विशेषताएं/ लक्षण/तत्व क्या हैं? अभिवृति मानव जीवन में क्या काम करती है? युक्तियुक्त उत्तर दीजिये।

उत्तर : अभिवृति व्यक्ति के व्यक्तित्व का वह अन्तर्निहित गुण/मानसिक वृति है जो उसे किसी विशेष कार्य/भूमिका के निर्वहन योग्य बनाती है। किसी व्यक्ति की अभिवृति को जानकर भविष्य में उसके द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में पूर्वानुमान लगाया जा सकता है।

अभिवृति की प्रमुख विशेषताएं/लक्षण :-

(1) **आन्तरिक सामर्थ्यः**- अभिवृति व्यक्ति के भीतर एक तरह के आन्तरिक सामर्थ्य को इंगित करती है।

(2) **गुण-समुच्यः**- किसी व्यक्ति की वर्तमान अभिवृति उसके वर्तमान गुणों का एक ऐसा समुच्य है जो उसकी भावी क्षमताओं की ओर संकेत करता है।

(3) किसी व्यक्ति की अभिवृति किसी कार्य को करने में उसकी उपयुक्तता को व्यक्त करता है।

(4) **जन्मजात अथवा अर्जित सामर्थ्यः**- व्यक्ति की अभिवृति वंशानुगत तथा वातावरण दोनों पर आधारित हो सकती है।

(5) **कौशल सीखने की क्षमता :-** अभिवृति किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्ति के कौशल सीखने की क्षमता को दर्शाता है, यह पूर्वानुमान भी, कि व्यक्ति उपयुक्त वातावरण एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद भविष्य में उस क्षेत्र विशेष में अपने कार्यों का कैसा निष्पादन करेगा।

मानव जीवन में अभिवृति की उपयोगिताः-

अभिवृति किसी क्षेत्र विशेष की माँग एवं आवश्यकता के अनुसार व्यक्ति में विद्यमान योग्यता, क्षमता एवं संभावना को इंगित करता है। अतः अभिवृति मानव जीवन में निम्न प्रकार से काम करती है:-

(1) **ज्ञानलब्धि :-**ज्ञानी अथवा अभिवृति सम्पन्न व्यक्ति जगत की बाधाओं को पार करते हुए सर्वोच्च पद को पा लेता है। मनुष्य के जितने भी बंधन है वो ज्ञान रूपी तलवार से ही कट सकते है अर्थात् ऋते ज्ञानत् न भक्ति।

(2) **अहं का बोधः**- अभिवृति में मनुष्य की महता और महानता को प्रकट करने की शक्ति होती है। मनुष्य की उच्च सत्ता का बोध होता है। अहं को पहचानने के पश्चात् व्यक्ति भयमुक्त हो जाता है, हीन भावना का शिकार नहीं होता।

(3) **सामाजिक स्वीकार्यताः**- यदि उपयुक्त अभिवृति हो तो व्यक्ति समाज में सवर्त्र स्वीकार्य होता है। जैसे- शंकराचार्य मूलतः दक्षिण से संबंध रखने के बावजूद सभी जगहों पर स्वीकार्य बने।

(4) **अहं की रक्षाः**- अभिवृति संपन्न/ज्ञानी व्यक्ति पराश्रित न होकर स्वयं अपने अहं की रक्षा करता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-110)

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

100 शब्द

प्रश्न : राजस्थान की प्रमुख हवेलियां तथा उनकी स्थापत्य कला को समझाइए।

उत्तर : सम्पूर्ण राजस्थान अपनी हवेली स्थापत्यकला के लिए प्रसिद्ध रहा है। यह कलात्मकता, सौदर्यता, एवं भित्तिचित्रों के लिए प्रसिद्ध है। हवेली स्थापत्य सम्पूर्ण राजस्थान में दिखाई पड़ती है। जो निम्न है-

जैसलमेरः- यहां पटवों की हवेली, सालिमसिंह की हवेली तथा नथमल की हवेली है जो अपनी शिल्पकला नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है।

बीकानेर- यहाँ के हवेलियों में बच्छावतों की, मोहता, मूंदडा, रामपुरिया की हवेलियों प्रमुख है ये लालपत्थर से निर्मित, ज्योमिती शैली की नक्काशी का प्रयोग किया गया है। इसकी सजावट में मुगल, किशनगढ एवं यूरोपीय चित्रशैली का प्रयोग हुआ है।

शेखावटी की हवेलियाँः-

शेखावटी के झुंझुनूं से रूपनिवास, भगत, जालान, पोद्दार तथा भगेरिया की हवेलियाँ प्रसिद्ध । इसी प्रकार बिसाऊ में नाथूराम पोद्दार, सेठ जयदयाल, सीताराम सिंगतिया, डूडलोद, मुकंदगढ, चिढ़ावा, महनसर की हवेलियाँ हैं। ये बलुआ पत्थर, ईंट, जिप्सम, चूना, काष्ठ एवं ढलवा धातु के समन्वय से निर्मित है।

सीकरः- गौरीशंकर बियाणी, तारांचद रुइंया (रामगढ़), फतेहपुर की हवेलियाँ अपनी स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध है।

जोधपुर- खींचन हवेली, लाल पत्थरों की गोलेदा एवं टाटिया परिवार की हवेली,

टोंक- सुनहरी कोठी, अपनी नक्काशी के लिए प्रसिद्ध

उदयपुर- बागोर की हवेली

जयपुर- नाटणियों, पुण्डरीक हवेली प्रमुख है। ये सभी हवेलियाँ अपनी आकर्षक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। जो राजस्थान के पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्ती भूमिका निभा रही है।

प्रश्न : राजस्थानी चित्रकला की विशेषताऐं क्या है?

उत्तर : चित्रकला का प्रचलन मानव समाज में आदिकाल से है अतः राजस्थानी चित्रकला का विकास विभिन्न रियासतों में अलग-अलग विशिष्टताओं के साथ हुआ है। सामान्यतः राजस्थानी चित्रकला शैली की निम्न विशेषताऐं परिलक्षित होती है।

(i) **प्राचीनताः**- राजस्थान के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों से मिले सिक्कों पर मिली चित्रांकन शैली इसकी प्राचीनता को प्रदर्शित करती है।

(ii) **रंगात्मकताः**- राजस्थान की चित्रकला में नीरसता को दूर हटाने के लिए भडकीले और चटकीले रंग विशेषकर लाल व पीले रंगों का प्रयोग किया गया है।

(iii) **कलात्मकताः** राजस्थान की चित्रकला में अजंता चित्रकला एवं मुगल शैली की चित्रकला का समन्वय स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

(iv) **विषय वस्तु की विविधताः**- राजस्थान की चित्रकला में राधाकृष्ण लीला, रामगमाला, रसिकप्रिया तथा कांदबरी का चित्रण उसकी विषय विविधता का प्रदर्शित करता है।

(v) **लोक जीवन का सानिध्यः**- यहाँ पर भित्ति चित्रांकन, दरबारी चित्रकला, धार्मिक एवं सांस्कृतिक चित्रकला का अंकन लोकजीवन का सानिध्य दर्शाता है।

(vi) **स्त्री सुंदरताः**- कमल की तरह आँखे, लहराते बाल, पतली कमर, उरोजों का उभार स्त्री सौंदर्य को दिखाते है।

(vii) देश काल के अनुरूप ये दुर्ग प्रासाद तथा हवेलियों में इसका उपयोग हुआ है।

(viii) पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों का बहुरंगी चित्रण प्राकृतिक परिवेश की अनुरूपता दर्शाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-111)

समसामयिकी

15 शब्द

प्रश्न : विमुद्रीकरण।

उत्तर : ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा सरकार किसी भी मूल्य वर्ग की मुद्राओं को अवैध घोषित कर चलन से बाहर कर दे।

प्रश्न : कैशलेस अर्थव्यवस्था।

उत्तर : आर्थिक व्यवस्था का एक स्वरूप जिसमें अधिकांश लेन-देन (क्रेडिट, डेबिट, नेट बैंकिंग व मोबाइल से भुगतान) डिजिटल माध्यमों के द्वारा किया जाता है।

प्रश्न : साइबर सुरक्षा।

उत्तर : वह तकनीक, जो किसी कम्प्यूटर, नेटवर्क/अन्य डिजिटल माध्यमों को अनाधिकृत पहुँच/डिजिटल अटैक (हैकिंग) से बचाती है।

प्रश्न : "वरदा"।

उत्तर : तमिलनाडू में आया चक्रवात जिसने समुद्र के नीचे बिछे इन्टरनेट केबल को क्षति पहुँचाई जिससे अधिकांशतः इन्टरनेट स्पीड कम हो गयी।

प्रश्न : खांदेरी।

उत्तर : मझगांव डॉक-फ्रांस के सहयोग से निर्मित स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी जिसका जलावतरण जनवरी, 2017 को किया गया।

प्रश्न : खुला आकाश नीति।

उत्तर : जब दो देशों में परस्पर विमानों की उड़ानों/सीटों/गन्तव्यों की संख्या में पाबंदी हट जाती है जिससे सम्पर्क/यात्री सफर को बढ़ावा मिलता है।

प्रश्न : WEF।

उत्तर : स्विट्जरलैंड में स्थित गैर लाभकारी संस्था जिसका उद्देश्य वैश्विक व्यवसाय, राजनीति, शैक्षिक क्षेत्रों में अग्रणी लोगों को एकीकृत दिशा प्रदान करती है।

प्रश्न : रतन पी वाटल ।

उत्तर : डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन देने के उपाय सुझाने हेतु नीति आयोग द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष।

प्रश्न : हार्ट ऑफ एशिया।

उत्तर : दिसम्बर, 2016, अमृतसर में आयोजित सम्मेलन, जिसका उद्देश्य युद्ध प्रभावित अफगानिस्तान को स्थिरता व समृद्धि प्रदान करना है।

प्रश्न : बायो-टॉयलेट।

उत्तर : यांत्रिक अपघटन आधारित प्रणाली, जो उच्च श्रेणी के जीवाणुओं द्वारा मानव अपशिष्ट को मीथेन व पानी में परिवर्तित करती है।

50 शब्द

प्रश्न : भारतीय प्रधानमंत्री की हालिया जापान यात्रा के निहितार्थ।

उत्तर :
1. प्रधानमंत्री ने 'विशेष सामरिक एवं वैश्विक सहभागिता' के अन्तर्गत आयोजित होने वाली वार्षिक द्विपक्षीय बैठक में भाग लिया।
2. दोनों देशों के मध्य परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग हेतु सहयोग पर समझौता हुआ।
3. भारत परमाणु अप्रसार संधि का एकमात्र गैर-हस्ताक्षरकर्ता देश है जिसके साथ जापान ने असैन्य परमाणु समझौता किया है।
4. इसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी तथा स्वच्छ ऊर्जा सुनिश्चित करने एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी भारत की भागीदारी सुदृढ़ होगी।

प्रश्न : प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के उद्देश्य लिखिये।

उत्तर :
1. प्रमाणन प्रक्रिया में मानकीकरण को प्रोत्साहन देना और कौशल पंजीकरण की शुरुआत करना।
2. बड़ी संख्या में भारतीय युवक/युवतियों को कौशल प्रशिक्षण, रोजगार लेने के योग्य बनाना तथा जीविकोपार्जन हेतु सक्षम बनाना।
3. वर्तमान श्रमबल की उत्पादकता को बढ़ाना।
4. कौशल प्रमाणन हेतु आर्थिक पारितोषिक देना।
5. अधिकृत संस्थानों से कौशल प्रशिक्षण ले रहे प्रत्येक अभ्यर्थी को औसतन 8000 रुपये आर्थिक पारितोषिक प्रदान करना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-112)

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : "राजस्थान के शुष्क एवं अर्द्धशुष्क प्रदेशों में पशु पालन का विशेष महत्व है।" कारण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर : राजस्थान के शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में आर्थिक व जलवायु संबंधी कारणों से पशु पालन का विशेष महत्व रहा है। जिम्मेदार कारण निम्न प्रकार हैं:-

1. राजस्थान के कई जिलों- भीलवाड़ा, जैसलमेर, डूंगरपुर, सिरोही, उदयपुर व राजसंमद शुद्ध कृषि क्षेत्रफल कम मिलता है। जैसे- भीलवाड़ा व जैसलमेर में शुद्ध कृषि क्षेत्रफल कुल का क्रमशः 42.2 प्रतिशत एवं 19 प्रतिशत है। इन जिलों में व्यर्थ एवं बंजर भूमि का अनुपात अधिक है। अतः कृषि कार्यों के अभाव में पशु पालन का महत्व बढ़ जाता है।
2. राज्य के पश्चिमी भाग में बाजरा, ग्वांर आदि मुख्य फसलों की औसत उपज कम है किन्तु चारे का मूल्य ऊंचा होता है। अतः पशुपालन लाभकारी है।
3. पशुपालन में स्थिरता का विशेष गुण पाया जाता है। अतः यह अकाल का स्थायी समाधान है।
4. निर्धनता उन्मूलन में भी पशुपालन महत्त्व रखता है। **समन्वित ग्रामीण** विकास कार्यक्रम में गरीब परिवारों को दुधारू पशु देकर उनकी आमदनी को बढ़ाने का प्रयास किया गया है।
5. वर्तमान में मिश्रित खेती- कृषि एवं पशुपालन दोनों पर एक साथ जोर है अतः अल्प रोजगार की समस्या भी हल होती है। पशुपालन सूखे की दशा में आवश्यक बीमा का काम करता है। तथा आमदनी, रोजगार व पोषण प्रदान करता है।

इस प्रकार राजस्थान में विशेषतः शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में पशुपालन का विशेष महत्व है।

प्रश्न : "भामाशाह योजना एवं महिला सशक्तिकरण"। टिप्पणी किजिये।

उत्तर : वित्तीय समावेशन एवं महिला सशक्तिकरण की महत्वाकांक्षी योजना "भामाशाह योजना" को व्यापक उद्देश्यों के साथ 15 अगस्त, 2014 को शुरू किया गया। सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत सभी नकद एवं गैर नकद लाभों के प्रभावी उपयोग हेतु यह एक परिवार आधारित कार्यक्रम है। जिसके अन्तर्गत प्रत्येक परिवार को भामाशाह कार्ड जारी कर उसे परिवार के महिला मुखिया के नाम खोले गये बैंक खाते से जोड़ा जायेगा और प्रत्येक परिवार को 2000 रुपये सहायता राशि दी जाएगी। इससे महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलम्बन सुनिश्चित होगा।

भामाशाह योजना को प्रधानमंत्री जन-धन योजना से जोड़ा गया है। जिससे महिला, समाज एवं राज्य तीनों का सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न मोबाईल भुगतान माध्यमों को भामाशाह प्लेट फॉर्म से जोड़ा जाऐगा, फलस्वरूप JAM (जन-धन, आधार, मोबाइल) त्रिआयामी सेवा प्रदाय माध्यम राज्य में साकार होगा।

भामाशाह योजना के लाभ :-

1. महिला सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना।
2. समाज के सभी वर्गों के लिए वित्तीय समावेशन।
3. नकद एवं गैर नकद लाभ को आखिरी छोर तक पूर्ण पारदर्शिता और निर्धारित समय पर वितरण हेतु प्लेटफॉर्म है।
4. नागरिकों के घर के पास बैंकिंग सेवाएं।
5. परिवार आधारित एवं व्यक्तिगत लाभ दोनों प्रकार की योजनाएं सम्मिलित है।

प्रश्न : राजस्थान के औद्योगिक विकास में राजस्थान वित्त निगम की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये।

उत्तर : 1955 में स्थापित निगम का मुख्य उद्देश्य राज्य में नवीन उद्योगों की स्थापना, विद्यमान उद्योगों के विस्तारीकरण एवं नवीनीकरण हेतु 20 करोड़ तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध ा कराना है। निगम द्वारा उद्यमियों की आवश्यकता को ध यान में रखते हुये निम्नांकित गतिविधियाँ क्रियान्वित की जा रही है:-

- सामान्य परियोजना ऋण योजना
- विशेष वर्ग, व्यक्तियों यथा- अनु. जाति/जनजाति/विशेष योग्यजन/महिला उद्यमियों हेतु योजना।
- दो करोड़ तक लघु इकाईयों के लिए एकल खिड़की योजना।
- राज्य में स्थापित होने वाले सोलर ऊर्जा से संबंधित उद्योगों पर ऋण योजना।
- उद्योग, होटल एवं हॉस्पिटल हेतु रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में आंवटित भूखण्ड हेतु ऋण योजना।
- मार्बल प्रोसेसिंग यूनिट के लिए विशेष ऋण योजना।
- युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने हेतु "युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना" (19 अप्रेल 2013 को प्रारंभ) को अधिक व्यवहारिक एवं व्यापक बनाने हेतु 45 वर्ष तक की आयु तक एवं ITI/डिप्लोमा/स्नातक उद्यमियों को पांच करोड़ तक ऋण सुलभ शर्तों पर उपलब्ध होगा।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-113)

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

100 शब्द

प्रश्न : राजस्थान की लोक गायन शैलियों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में लोक गायन की विशिष्ट विधाऐं विकसित हुई जो शास्त्रीय संगीत की तरह ही राग रागनियों पर आधारित है। यहाँ निम्न लोक गायन शैलियाँ प्रचलित है:-

(i) **माँडगायिकी:-** जैसलमेर को 10वीं शताब्दी में मांड कहते थे यहां गाई जाने वाली राग माँडगायिकी कहलाई यह एक शृंगार रसात्मक राग है। यहाँ जैसलमेरी माँड, बीकानेरी माँड, जोधपुरी माँड आदि माँड प्रसिद्ध है। गवरीदेवी, जिलाह बाई प्रमुख माँड गायिका थी।

(ii) **मांगणियार गायिकी:-** पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थलीय सीमावर्ती क्षेत्रों बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर आदि में मांगणियार जाति के लोगों द्वारा अपने यजमानों के यहाँ मांगलिक अवसरों पर गायी जाने वाली लोक गायन शैली जिसमें मुख्यतः 6 राग एवं 36 रागनियों होती है इनके प्रमुख वाद्य कमायचा, खड़ताल इसके प्रसिद्ध गायक गफूर खाँ, साकर खाँ, सद्दीक खाँ।

(iii) **लंगा गायिकी:-** मांगणियार की तरह पश्चिमी क्षेत्र में लंगा जाति द्वारा मांगलिक अवसरों पर गायी जाने वाली गायन शैली, सांरगी तथा कमायचा इनके प्रमुख वाद्य यंत्र है इस गायन शैली के प्रमुख कलाकार फूसे खाँ, करीम खाँ ।

(iv) **तालबंदी गायिकी:-** पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर, करौली क्षेत्र में गायी जाती है इसमें प्राचीन कवियों की पदावलियों को गाया जाता है। इसके प्रमुख वाद्य सांरगी, हरमोनियम, ढोलक, तबला है।

प्रश्न : राजस्थान की जल स्थापत्य कला?

उत्तर : राजस्थान अपनी परम्परागत स्थापत्यकला के लिए प्रसिद्ध है। इसके अंतर्गत कुआँ, टाँके, बावड़ियों की स्थापत्यकला विशेषरूप से महत्वपूर्ण है। जो निम्न है-

(1) **कुआँ:-** शेखावाटी क्षेत्र में कुओं को चित्रित करके बनाया गया है इसके निर्माण में मध्यम वर्ग का योगदान रहा है। बाड़मेर के बटाडू गांव में आधुनिक पाषाणकला से निर्मित संगमरमर के कुऐं दर्शनीय है।
बांदी (दासी) द्वारा बनवाऐ कुऐं के नाम पर बांदीकुई कस्बे का नाम रखा गया।

(2) **टाँके:-** बरसाती पानी के संग्रह हेतु जयपुर-जयगढ़ किले में निर्मित टाँका दर्शनीय है।

(3) **बावड़ियाँ:-** राजा, रानियों एवं उच्चवर्ग द्वारा इनका निर्माण करवाया गया, जो ये है:-

चाँदबावड़ी-आभानेरी (दौसा) में स्थित 8वीं सदी के गुर्जर प्रतिहार शासकों द्वारा निर्मित बावड़ी जो मूर्तियों से सुसज्जित है।

त्रिमुखी बावड़ी- मेवाड़ महाराजा राजसिंह की पत्नी रामरसदे के द्वारा उदयपुर में निर्मित इसमें लगी प्रशस्ति में बप्पारावल से राजसिंह तक के मेवाड़ शासकों की वंशावली व ऐतिहासिक घटनाऐं अंकित है।

रानीजी की बावड़ी- इसका निर्माण बूँदी महाराजा अनिरूद्ध सिंह की पत्नी नाथावत ने करवाया, इसमें सुदंर चित्र एवं देवी-देवताओं की मूर्तियां लगी है।

इसके अतिरिक्त नौलखा बावड़ी (डूँगरपुर), घौसुण्डी बावड़ी (चित्तौड़गढ़) अन्य महत्वपूर्ण बावड़ियां है। जो राजस्थान के जल संरक्षण के लिए वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है।

प्रश्न : राजस्थान में प्रचलित बोलियाँ।

उत्तर : राजस्थान बोलियों की दृष्टि से सम्पन्न राज्य हैं। जिनमें निम्न बोलियाँ बोली जाती है:-

1. **पश्चिमी राजस्थान की बोलियाँ:-**

(अ) **मारवाड़ी :-** विशुद्ध मारवाड़ी जो जोधपुर के आस-पास बोली जाती हैं। साहित्यिक रूप डिंगल जिसकी उत्पति गुर्जरी अपभ्रंश से हुई है।

(ब) **मेवाड़ी :-** उदयपुर और उसके आस-पास के क्षेत्र में प्रचलित है।

(स) **बागड़ी:-** डूंगरपुर, बांसवाड़ा क्षेत्र में प्रचलित, गुजराती प्रभाव दिखाई पड़ता है।

(द) **शेखावाटी:-**शेखावाटी क्षेत्र में प्रचलित जिस पर मारवाड़ एवं ढूंढाड़ का प्रभाव दिखाई पड़ता है।

2. **मध्य-पूर्वी राजस्थान:-**

(अ) **ढूंढाड़ी:-** जयपुर, टोंक, अजमेर में प्रचलित। इसमें गुजराती, मारवाड़ी व ब्रज का प्रभाव है।

(ब) **हाड़ौती:-** कोटा, बूंदी, झालावाड़ में प्रचलित यह ढूंढाड़ी की उप बोली है।

3. **उत्तरी-पूर्वी राजस्थान:-**

(अ) **मेवाती:-** अलवर, भरतपुर के मेव बाहुल्य क्षेत्र में प्रचलित, ब्रज भाषा का प्रभाव।

(ब) **अहीरवाटी/राठी:-** अलवर, कोटपुतली में प्रचलित, हरियाणवी व मेवाती के बीच की बोली।

4. **दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान:-**

(अ) **मालवी:-** मालवा क्षेत्र में प्रचलित मारवाड़ी व ढूंढाड़ी का प्रभाव है।

(ब) **नीमाड़ी:-** दक्षिणी राजस्थान में प्रचलित, इस पर गुजराती, भीली, खानदेशी का प्रभाव है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-114)

प्रबंधन

100 शब्द

प्रश्न : सत्ता का अर्थ स्पष्ट कीजिए, सत्ता व शक्ति में अंतर तथा उसकी विशेषताऐं बताइए।

उत्तर : सत्ता वह शक्ति या अधिकार है जो वैधता प्राप्त है तथा व्यक्ति या व्यक्तियों के व्यवहार को प्रभावित करती है। इसलिए कहा जाता है कि सत्ता का संगठन में वही स्थान है जो मानव शरीर में आत्मा का है।

हेनरी फेयोल के अनुसार "सत्ता, आदेश देने का अधिकार और इसका पालन करवाने की शक्ति है।"

सत्ता व शक्ति में अन्तर

आधार/ सत्ता/ शक्ति

1. स्रोत संगठन में पदस्थिति, कानून, परम्परा प्रत्यायोजन से दबाव पुरस्कार, ज्ञान, योग्यता से
2. प्रकृति अव्यैक्तिक तथा वस्तुनिष्ठ व्यैक्तिक व व्यक्तिपरक
3. स्वरूप औपचारिक औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों
4. प्रत्यायोजन हस्तान्तरणीय अहस्तान्तरणीय
5. वैधानिकता पद सोपानिक इसका वैध होना आवश्यक नहीं

संगठन में कार्य करने व करवाने हेतु सत्ता आवश्यक है।

सत्ता की विशेषताऐं:-

1. सत्ता एक प्रबंधकीय अधिकार है जिसका प्रत्यायोजन ऊपर से होता है।
2. सत्ता निर्णय लेने, अधीनस्थों को कार्य सौंपने तथा उनसे संतोषप्रद कार्यनिष्पादन की अपेक्षा रखने का अधिकार है।
3. संगठन में ऊपर से नीचे जाने पर सत्ता की मात्रा घटती है।
4. प्रत्येक संगठन में सत्ता का प्रयोजन होता है।

प्रश्न : पदसोपान का अर्थ एवं प्रकार बताइये।

उत्तर : पदों की श्रेष्ठ अधीनस्थ संबधों की क्रमिक सोपान (सीढी या क्रम) जो संगठन में पदवर्गीकरण, सत्ता, उत्तरदायित्व, नियंत्रण व कार्य विभाजन को सुगम बनाती है। अंग्रेजी शब्द Hierarchy का अर्थ है- "सत्ता या प्रस्थिति की श्रेणियों की निम्नतम से उच्चतम तक एक व्यवस्था"

एल.डी.व्हाईट- " पदसोपान ऊपर से नीचे तक उत्तरदायित्वों के कई स्तरों के कारण उत्पन्न वरिष्ठ अधीनस्थ का वह संबंध है जो सभी जगह लागू होता है।"

मूने एवं रैले ने पदसोपान व्यवस्था को सीढीनुमा प्रक्रिया या सिद्धांत (Scalar Process) नाम दिया तथा हेनरी फेयोल ने इसे सोपानात्मक शृंखला (Scalar chain) कहा है।

पदसोपान के प्रकार:- जे.एम.पिफनर तथा एफ.एम.शेरवुड ने चार प्रकार के पदसोपान में बांटा-

(i) कार्य आधारित पदसोपानः- इस प्रणाली में कार्मिक का स्थान उसके द्वारा किए जा रहे/प्रदत्त कार्यों के आधार पर निश्चित होता है। अधिकार वाला व्यक्ति उच्चपद पर तथा कम अधिकार वाला निम्न पद पर होता है।

(ii) रैंक (प्रस्थिति) आधारित सोपानः- इसमें कार्मिकों की स्थिति उनके कार्य तथा उत्तरदायित्वों के आधार पर न होकर, पद के आधार पर होती है। उदाहरण -सेना में

(iii) कौशल आधारित पदसोपानः- इसमें कार्मिक की योग्यता व दक्षता पर बल दिया जाता है। उदाहरण- तकनीकी एवं चिकित्या क्षेत्र में

(iv) वेतन आधारित पदसोपानः- इसमें पदसोपान का आधार व्यक्ति को मिलने वाला वेतन होता है उदाहरण - निजी कम्पनियों में

प्रश्न : नियंत्रण का क्षेत्र (Span of Control) का अर्थ एवं विशेषताऐं।

उत्तर : " एक अधिकारी एक समय में कितने अधीनस्थों को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर सकता है"। नियंत्रण का क्षेत्र अंग्रेजी के शब्द Span of Control से बना है। Span का अर्थ किसी नियंत्रणकर्त्ता अधिकारी के ध्यान के उस क्षेत्र से है जिसके अन्तर्गत वह अधीनस्थों को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर सकता है। जबकि Control शब्द आदेश-निर्देश या नियंत्रित करने वाले अधिकार (सत्ता) से है।

डिमॉक एवं डिमॉक के शब्दों में "नियंत्रण के (विस्तार) क्षेत्र का अर्थ किसी उद्यम के मुख्य कार्यपालक तथा उसके मुख्य सहयोगी अधिकारियों के मध्य सीधें एवं व्यवहारिक संचार सम्पर्कों की संख्या एवं क्षेत्र से है"।

विशेषताएं:-1. यह पदसोपान व्यवस्था तथा आदेश की एकता से सम्बन्धित सिद्धांत है।

1. यह सिद्धांत यह निश्चित करता है कि कोई अधिकारी कितने अधीनस्थों को निर्देश दे सकता है।
2. यह सिद्धांत यह निश्चित करता है कि कोई अधिकारी कितने अधीनस्थों को निर्देश दे सकता है।
3. नियंत्रण का क्षेत्र विस्तृत होने पर नियंत्रण प्रक्रिया तुलनात्मक रूप में कम हो जाती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-115)

भूगोल

100 शब्द

प्रश्न : आग्नेय चट्टान से आप क्या समझते है? आग्नेय चट्टान की विशेषताएं लिखिए।

उत्तर : जब पृथ्वी के नीचे से मैग्मा निकलकर पृथ्वी के ऊपर आने और ठण्डा होकर जिन चट्टानों का निर्माण होता है, उन्हें आग्नेय चट्टान कहते हैं। ये प्राथमिक/आदिम चट्टानें है क्योंकि सबसे पहले इन्हीं का विकास हुआ और इन्हीं चट्टानों से अवसादी और रूपान्तरित चट्टानों का विकास हुआ है।

विशेषताएं:-

1. ये चट्टाने रवेदार (क्रिस्टलीय) होते है इनमें अवसाद नहीं पाये जाते हैं।
2. इन चट्टानों में कहीं भी वलन नहीं पाया जाता है।
3. इनमें जीवों का अवशेष नहीं पाया जाता है।

ये दो प्रकार की होती है:-

1. आन्तरिक आग्नेय चट्टानेः- ग्रेनाइट, डायोराइट, गेब्रो।
2. बाह्य आग्नेय चट्टानेः- बैसाल्ट, एण्डेराइट, रायोलाइट। बाह्य आग्नेय चट्टानों से महासागरों का निर्माण हुआ तथा आन्तरिक आग्नेय चट्टानों से सामान्यतः महाद्वीपों का निर्माण हुआ।

प्रश्न : भारत के प्रमुख भौतिक प्रदेशों का वर्गीकरण कीजिये। और उनमें से किसी एक का वर्णन कीजिये।

उत्तर : भौतिक आधार पर भारत को कुल छः भू-भौतिक भागों में बांटा गया है:-

1. हिमालय का पर्वतीय भाग 2. उत्तर भारत का मैदान
3. दक्षिण का पठारी भाग 4. थार का मरुस्थल
5. तटीय मैदान 6. द्वीपीय क्षेत्र

हिमालय के पर्वतीय भाग का विवरण निम्न प्रकार है:-

हिमालय के पर्वतीय भाग के कारण ही भारत में मानसूनी जलवायु पाई जाती है। हिमालय की लम्बाई पश्चिमी से पूर्व की ओर लगभग 2400 किमी. है। जबकि चौड़ाई 150 से 500 किमी. तक है। हिमालय साइबेरिया क्षेत्र से आने वाली ठण्डी हवाओं को रोकता है। अगर हिमालय नहीं होता तो भारत उष्ण शुष्क जलवायु वाला क्षेत्र बन जाता है और भारत भी ठण्डा मरुस्थल हो जाता। यह जल विभाजक का कार्य करता है।

प्रश्न : मुम्बई और कोलकाता की तुलना में दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या कहीं अधिक गंभीर समस्या है इसके क्या कारण है?

उत्तर : भारतीय महानगर वर्तमान आकंलन के अनुसार विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित महानगरों में सम्मिलित है इनमें दिल्ली अन्य महानगरो से कहीं अधिक प्रदूषित है। इसके निम्न प्रमुख कारण है:-

1. दिल्ली में वाहनो का अत्यधिक घनत्व और इसमें हो रही लगातार वृद्धि अन्य महानगरों की तुलना में अधिक है।
2. दिल्ली समुद्री क्षेत्र व उपोष्ण क्षेत्र से दूर स्थित है जिसके कारण यहां धूलकणों व अन्य वायु प्रदूषकों की संख्या ज्यादा है।
3. मुम्बई व कोलकाता की उच्च आर्द्रता वहां धूलकणों व अन्य प्रदूषकों को स्थलीय सीमा पर नीचे निक्षेपित करते हुये वायु में प्रदूषण की मात्रा में तुलनात्मक रूप से कमी करती है। जिसका दिल्ली में अभाव है।
4. दिल्ली के आस-पास कृषि प्रधान राज्य अवस्थित हैं। जहां किसानों द्वारा कृषि अपशिष्टों को जलाने के कारण भी प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होती है। दिल्ली की विषम जलवायु, जिसमें सर्दियों में अत्यधिक ठंड एवं कोहरा रहता है। जो यहां प्रदूषण वृद्धि का एक कारक है।

इसी के कारण हाल ही में दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या जटिल हो गई।

प्रश्न : भारत में मृदा अपरदन के प्रमुख कारकों को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : भारत में मृदा अपरदन की समस्या अत्यन्त विकट रूप लेती जा रही है और उसे Creeping death (रेंगती हुई मृत्यु) कहा जाता है। प्रमुख कारण-

1. वर्षा का मूसलाधार, अधिक मात्रा में एवं क्षेत्रीय रूप से सीमित होना।
2. तीव्र ढाल 3. ढीली, मुलायम मृदा
4. वन-विनाश
5. सबसे प्रमुख, अवैज्ञानिक तरीकों से फसलें लेना। ढालू भूमि पर ढाल के समानान्तर बुवाई, अत्यधिक पशु चारण, नदियों के अपवाह क्षेत्र में भारी वृक्ष विनाश, पवन प्रवाह में बाधक वृक्षों का कटना आदि तथ्य मृदा अपरदन को तीव्र करते हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-116)

आधुनिक भारत का इतिहास

50 शब्द

प्रश्न : बहावी आंदोलन।

उत्तर : शाह वलीउल्लाह का मुसलमानों के रीति-रिवाजों तथा मान्यताओं में व्याप्त कुरीतियों एवं पाश्चात्य प्रभावों के विरुद्ध आंदोलन, बहावी आंदोलन है। शाह अब्दुला अजीज तथा सैय्यद अहमद बरेलवी ने इनके विचारों को लोकप्रिय बनाया, ये हिन्दुस्तान को दारुल-हर्ब (काफिरों के देश) से दारुल इस्लाम बनाने का आह्वान किया, प्रारंभ में ये सिक्खों के खिलाफ थे लेकिन 1849 में अंग्रेजों द्वारा पंजाब विलय के उपरान्त अंग्रेजों के विरुद्ध हो गये।

प्रश्न : चौरी चौरा काण्ड।

उत्तर : पुलिस द्वारा स्वंयसेवक दल के नेताओं जो शराब बिक्री और बढ़े खाद्यान्न मूल्यों का विरोध कर रहे थे कि निर्ममतापूर्वक पिटाई के विरोध में 5 फरवरी 1922 को गोरखपुर जिले के चौरी चौरा गांव की पुलिस चौकी जिसमें थानेदार सहित 22 लोग थे को भीड़ ने जिंदा जला दिया, परिणामस्वरूप गांधीजी ने अपना असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

प्रश्न : लाहौर अधिवेशन।

उत्तर : दिस.1929 लाहौर में कांग्रेस का अधिवेशन जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ और "पूर्ण स्वराज्य" का घोषणा पत्र तैयार किया जिसमें निम्न मांगें थी:-

1. गोलमेज सम्मेलन का बहिष्कार किया जायेगा।
2. पूर्ण स्वराज्य की माँग कांग्रेस का लक्ष्य घोषित किया।
3. कांग्रेस कार्य समिति को सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने का पूर्ण उत्तरदायित्व सौंपा गया।
4. 26जनवरी, 1930 का दिन पूरे राष्ट्र में "प्रथम स्वतंत्रता दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय किया गया।

प्रश्न : स्वराज्य दल का गठन और उसके उद्देश्य।

उत्तर : 1 जनवरी, 1923 को सी.आर.दास एवं मोतीलाल नेहरू ने स्वराज्य दल की नींव रखी, इसके अध्यक्ष सी.आर.दास, सचिव मोतीलाल नेहरू बने। प्रथम अधिवेशन मोतीलाल नेहरू के निवास स्थान इलाहाबाद में हुआ।

इसके उद्देश्य निम्न थे:-

1. भारत को स्वराज्य दिलाना।
2. राजनैतिक बंधियों को मुक्त कराना।
3. दमनात्मक कानूनों को रद्द कराना।
4. विधानसभा तथा कौंसिलों के चुनावों को जीत कर उनमें प्रवेश करना और सरकारी नीतियों का विरोध करना।

प्रश्न : देसाई-लियाकत समझौता क्या था?

उत्तर : कांग्रेस के भूलाभाई देसाई तथा केन्द्रिय विधानमंडल में ही मुस्लिम लीग के उपनेता लियाकत अली खान दोनों ने मिलकर अंतरिम सरकार के गठन हेतु प्रस्ताव तैयार किया। जिसके प्रावधान निम्न है :-

1. अंतरिम सरकार में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों केन्द्रीय विधानमंडल में अपने समान सदस्यों को मनोनीत करेगें।
2. सदस्यों में 20प्रतिशत स्थान अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित होंगें।

प्रश्न : कंपनी काल में चित्रकला का विकास?

उत्तर : मुगल एवं यूरोपीय शैलियों के मिश्रण से कंपनी चित्रशैली का उदय हुआ, जिसे कंपनी शैली कहा गया। इस शैली की मुख्य विशेषता 'शबीह' जिसमें छाया या पूर्ण उजाला रहता है। इसके लिए पाश्चात्य अनुसरण करते हुए 'परदाज' प्रणाली का उपयोग किया जाता है। 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में अंग्रेजों ने मुम्बई, मद्रास व कलकत्ता में कला स्कूल खोलकर पाश्चात्य ड्राइंग, मॉडलिंग, चित्रकला की शिक्षा दी। ट्रावनकोर के राजा रवि वर्मा ने पाश्चात्य चित्रकला का अनुसरण कर भारतीय वातावरण को प्रभावित किया। मदुरई के रामास्वामी नाइडू, बनारस के राजा ईश्वर नारायण सिंह के संरक्षण में रहने वाले लालचन्द, गोपालचन्द व दल्लूलाल कंपनी शैली के प्रमुख चित्रकार बन गए।

प्रश्न : अंग्रेजों की भारत से वापसी क्यों अपरिहार्य प्रतीत होने लगी?

उत्तर : अंग्रेजों की भारत से वापसी के निम्न कारण थे:-

1. सरकार विरोधी संघर्ष में राष्ट्रवादियों की सफलता से उनकी विजय निर्णायक संघर्ष में राष्ट्रवादियों की सफलता से उनकी विजय निर्णायक स्थिति में पहुंच चुकी थी, अब राष्ट्रवाद समाज के उस वर्ग तक पहुंचा जिससे अब तक वे अछूते थे।
2. 1939 तक सिविल सेवाओं में ब्रिटिश प्रभुत्व टूटने लगा। उनका भारतीयकरण होने के कारण यूरोपीय में असंतोष बढ़ने लगा।
3. कांग्रेस राज ने (संविधानवाद) भारतीय में जुझारूपन की प्रवृत्ति को और सशक्त बना दिया।
4. आजाद हिंद फौज के पक्ष में पूरे राष्ट्र ने स्पष्ट कर दिया कि अब सेना पर पूर्ण विश्वास नहीं कर सकते।
5. भारतीयों के पूर्ण दमन का एक ही उपाय था अन्तरिम शासन व्यवस्था। यह असंभव प्रतीत होने लगी क्योंकि सरकार के पास पर्याप्त संख्या में दक्ष अधिकारी नहीं थे।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा
मुख्य परीक्षा (अंक-117)

सामान्य हिन्दी अर्द्धशासकीय पत्र एवं अर्द्धशासकीय पत्र प्रारूप

अर्द्धशासकीय प्रारूप : जब किसी कार्यालयाधिकारी द्वारा अपने समकक्ष अथवा अधीनस्थ अधिकारी, अन्य विभाग के समकक्ष अथवा अधीनस्थ अधिकारी तथा अन्य राज्य के समकक्ष अथवा अधीनस्थ अधिकारी को कार्यालय कामकाज/कार्यवाही के संदर्भ में, सामान्यतः जिन प्रकरणों में शासकीय पत्राचार चल रहा हो, व्यक्तिगत राय और इच्छाओं के संबंध में या ऐसे अत्यंत गोपनीय प्रकरण के संबंध में, जिस पर शासकीय रूप से ध्यान न तो उपयुक्त है और न ही आवश्यक, अर्द्धशासकीय पत्र लिखना वांछनीय हो सकता है।

इन पत्रों में अधिकारी की व्यक्तिगत रूचि और अनौपचारिकता का समावेश होता है। इसका प्रयोग किस प्रकार का स्पष्टीकरण देने अथवा चाहने एवं आपस में सम्मति जानने आदि में किया जाता है। यह पत्र भेजने का मुख्य उद्देश्य यह है कि 'प्रेषिती अधिकारी अपना दायित्व मानते हुए, व्यक्तिगत रूचि लेकर कार्य संपादित करवाये।'

अर्द्धशासकीय पत्राचार का प्रयोग तब कदापि नहीं करना चाहिए, जब तक कि सामान्य शासकीय पत्र प्रारूपों की अपेक्षा, इसके प्रयोग के लिए स्पष्ट कारण न हो।

अर्द्धशासकीय पत्र का प्रारूप

राजस्थान सरकार

प्रेषक अधिकारी का नाम
पदनाम

प्रेषक अधिकारी के
कार्यालय का नाम
पता, स्थान
दिनांक
अ.शा.प.क्र.

संबोधन (प्रेषिती अधिकारी हेतु)
आदरणीय/प्रिय

मुख्य विषय-वस्तु
समापन वाक्य (आत्मीय स्पर्श से युक्त)

मंगलकामनाओं सहित

शुभेच्छु
हस्ताक्षर प्रेषक अधिकारी
(प्रेषक अधिकारी का नाम)

प्रेषिती अधिकारी का नाम
पदनाम
कार्यालय/विभाग का नाम
पता व स्थान

नोट : (.....) वाले शब्द/वाक्यांश प्रेषक अधिकारी द्वारा हस्तलिखित है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-118)

समाजशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : सम्प्रदायवाद।

उत्तर : दो समुदायों में विद्यमान धर्म, भाषा अथवा प्रजातीय तत्वों पर आधारित विद्वेष, तनाव, संदेह तथा संघर्ष का भाव।

प्रश्न : बाल-अपराध।

उत्तर : किसी निश्चित आयु-सीमा के नीचे के बालकों द्वारा किया गया समाज-विरोधी एवं कानून विरोधी व्यवहार। जैसे - आवारापन, चोरी।

प्रश्न : महिलावाद।

उत्तर : पुरुष-प्रभुत्व की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप उत्पन्न सामाजिक आंदोलन, जो जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के बराबर अधिकारों का समर्थन करता हो।

प्रश्न : जनरीतियाँ।

उत्तर : किसी समाज के समाजोनुमोदित एवं सामान्यतः स्वीकृत सीखे हुए व्यवहार की विधियां, जनरीतियाँ हैं।

प्रश्न : धार्मिक संकीर्णतावाद।

उत्तर : एक आंदोलन/आस्था जो पौराणिक धर्म ग्रंथों/प्रकट धर्म के मौलिक तत्वों की और लौटने का आग्रह करता है।

प्रश्न : आदर्श नियमाचार।

उत्तर : सांस्कृतिक दृष्टि से वांछनीय/उपयुक्त ऐसी साझा अपेक्षाऐं, प्रत्याशाऐं जो मानव व्यवहार को नियमित/नियंत्रित करें।

प्रश्न : धर्मनिरपेक्ष समाज।

उत्तर : ऐसा समाज, जिसमें उपयोगितावादी तथा तर्कसंगत मूल्यों पर अधिक बल देते हुए परिवर्तन एवं नवाचारों को भी प्रश्रय दिया जाता हो।

प्रश्न : सामाजिक तनाव।

उत्तर : सामाजिक समूहों में दमित संघर्ष, मतभेद तथा विरोध, जो सामान्यतः दीर्घकाल से गतिमान है के फलस्वरूप उत्पन्न भावात्मक स्थिति।

प्रश्न : संगठित अपराध।

उत्तर : अवैध क्रियाओं द्वारा आर्थिक अथवा अन्य उपलब्धियों का सहयोगात्मक प्रयासों द्वारा अर्जन करने की क्रिया, संगठित अपराध है।

प्रश्न : ''जनजाति'' की विशेषताएं।

उत्तर : परिवार-समूहों का संकलन, जिसका सामान्य नाम, विशिष्ट भाषा, समाज व्यवस्था, संस्कृति तथा एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में निवास हो।

50 शब्द

प्रश्न : धर्म निरपेक्षीकरण की विशेषताएं ।

उत्तर :
1. रोजमर्रा के जीवन पर घटता हुआ धार्मिक नियंत्रण।
2. औद्योगिक समाज और संस्कृति के आधुनिकीकरण की अपरिहार्य शर्त है।
3. नगरीकरण की प्रवृत्ति के कारण व्यक्तिवादी और मानकशून्यवादी जग का जन्म।
4. प्रौद्योगिकीय नियंत्रण के कारण ईश्वर की सर्वव्यापकता के विचार का कमजोर होना।
5. सामाजिक नियंत्रण के एक साधन के रूप में धर्म का स्थान राज्य की संस्थाओं और वैधानिक कानूनों ने ले लिया है।
6. सामाजिक संबंधों में तार्किकता का प्रवेश हुआ है।

प्रश्न : व्यक्तिगत मूल्य और सामाजिक मूल्यों में अंतर कीजिये।

उत्तर : ऐसे मूल्य, जो व्यक्तियों को सुख और संतुष्टि देते हैं, व्यक्तिगत मूल्य है। जैसेः- कुछ के लिए पढ़ना, कुछ के लिए टी.वी. देखना, सजना-संवरना आदि। जबकि ऐसे मूल्य जो सम्पूर्ण समाज (मानवता) के हितों से संबंधित होते है। सामाजिक मूल्य हैं। समता, बंधुत्वता, न्याय और स्वतंत्रता अथवा सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्-सामाजिक मूल्यों के उदाहरण है।

प्रश्न : भारत में प्रमुख सामाजिक समस्याएं।

उत्तर : अपराध, अपचार, वेश्यावृत्ति, भिक्षावृत्ति, मादक द्रव्यों का प्रयोग, बेरोजगारी, मानसिक रुग्णता, आत्महत्या, सामाजिक तनाव जैसे- सांप्रदायिक तनाव, घरेलू हिंसा, निरक्षरता, कार्यों के प्रति घटती हुई नैतिकता और दायित्व बोध जैसी नानाविध समस्याओं से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े- साइबर अपराधों को भी शामिल किया जाता है। ये समस्याएं मुख्यतः सामाजिक-व्यवहारों के टूटने, भंग होने अथवा विचलन की परिचायक हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-119)

राजस्थान समसामयिकी

100 शब्द

प्रश्न : 'ग्लोबल एग्रीटेक मीट-2015' (ग्राम)।

उत्तर : जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेन्टर में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय एग्रीटेक सम्मेलन 'ग्राम' का आयोजन 9 नवम्बर 2015 को किया गया। राजस्थान सरकार एवं फिक्की के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य राज्य के किसानों का सशक्तिकरण, उनकी आय को दोगुना करना तथा कृषि नवाचारों को प्रदर्शित करना है। इससे 'उन्नत किसान और खुशहाल राजस्थान' का सपना पूरा करने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। ग्राम में कृषि क्षेत्र की 32 कंपनियों ने प्रदेश में 4400.89 करोड़ के निवेश के एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये जिससे सर्वाधिक 21 कृषि विपणन के क्षेत्र में 7 कृषि उत्पादन में एवं 5-5 उद्यानिकी एवं पशुपालन में किए गए।

यह निवेश मंडी यार्ड, फूड पार्क, कोल्ड चेन, प्रोसेसिंग, कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि ट्यूरिज्म, ग्रीन हाऊस और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में होगा। कृषि क्षेत्र के इस आयोजन का भागीदार देश इजरायल था।

प्रश्न : राजस्थान सहकारी सोसायटी संशोधन अधिनियम -2015 के मुख्य प्रावधान लिखिये।

उत्तर : 4 अक्टूबर, 2016 से लागू इस अधिनियम के तहत् पंचायती राज्य संस्थाओं और स्थानीय निकायो की तर्ज पर अब सहकारी समितियों के चुनाव में भी शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान कर दिया गया है।

- अब सांसद, विधायक, जिला प्रमुख, उप-जिला प्रमुख, सरपंच, उप-संरपच, नगरपालिका अथवा स्थानीय निकाय का अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहकारी समितियों के अध्यक्ष नहीं बन सकेंगे।
- अब सहकारी समितियों को अपने स्तर पर चुनाव करने का अधिकार दे दिया गया है।
- अब संचालक मण्डल का कोई भी सदस्य लगातार दो कार्यकाल से अधिक सदस्य नहीं बन सकेगा। लगातार दो कार्यकाल के पश्चात् एक कार्यकाल का अन्तराल रखना होगा।
- राज्य सहकारी निर्वाचन अधिकारी को निर्वाचन में सहयोग नहीं देने, नियुक्त जांच अधिकारी को रिकॉर्ड नहीं देने तथा अधिनियम के अंतर्गत अंकेक्षक नियुक्त नहीं करने एवं ऑडिट नहीं करवाने के आधार पर संचालक मण्डल को 6 वर्ष के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकेगा।
- इस सहकारी सोसायटी संशोधन अधिनियम-2016 के लागू होने के साथ ही राजस्थान देश का पहला राज्य बना है। जहाँ सहकारी समितियों के चुनाव में शैक्षणिक योग्यता का प्रावधान किया है।

प्रश्न : नीति आयोग द्वारा जारी कृषि सुधार सूचकांक में राजस्थान की स्थिति का अवलोकन कीजिये।

उत्तर : हाल ही में नीति आयोग द्वारा जारी कृषि सुधार सूचकांक में राजस्थान का स्थान महाराष्ट्र और गुजरात के बाद तीसरा है। खेती के कार्यों में नवाचार, कृषि उत्पादों की मार्केटिंग की व्यवस्था में सुधारों तथा कृषि व्यवसाय में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को रेखांकित करने के लिए नीति आयोग द्वारा कृषि सुधार सूचकांक जारी किया गया है। इस रैंकिंग में राजस्थान, महाराष्ट्र (81.7), गुजरात (71.5) के बाद 70 अंक हासिल कर तीसरे स्थान पर रहा है।

कृषि सुधार सूचकांक का उद्देश्य कृषि क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण और कमियों को दूर करने में राज्यों का सहयोग करना है ताकि यह क्षेत्र स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विकास को गति दे सके। इसके साथ ही राजस्थान अनेक क्षेत्रों जैसे- स्किल डवलपमेंट में लगातार दूसरी बार प्रथम, भामाशाह योजना में गोल्ड मैडल, सौर ऊर्जा उत्पादन में प्रथम तथा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत शौचालय निर्माण में प्रथम आदि क्षेत्रों में देश के अव्वल प्रदेशों में शामिल है।

प्रश्न : सीवरेज एवं वेस्ट वाटर नीति-2016।

उत्तर : (i) 2 अगस्त, 2016 को स्वीकृत इस नीति के तहत उन शहरों को प्राथमिकता दी जायेगी, जिनमें जल उपयोग-135 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन या अधिक है।

(ii) आगामी 5 वर्षों में सभी जिला मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले शहर, हैरिटेज कस्बों तथा एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों को शत-प्रतिशत सीवरेज नेटवर्क से जोड़ा जायेगा।

(iii) दस हजार से एक लाख की आबादी वाले शहरों को 10 वर्ष में तथा 50 हजार से कम आबादी वाले शहरों को 15 वर्ष में सीवरेज व्यवस्था से जोड़ा जायेगा

(iv) सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट से शोधित जल को पारदर्शी तरीके से विक्रय किया जायेगा।

(v) शोधित जल का उपयोग औद्योगिक, व्यावसायिक, कृषि, बागवानी, मत्स्य पालन, लैंड स्कैपिंग आदि कार्यों में किया जा सकेगा।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-120)

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम।

उत्तर : राजस्थान का दक्षिण-मध्य भाग, जो कि पहाड़ी क्षेत्र में घिरा हुआ है, विशेषतः अजमेर, भीलवाड़ा, पाली, चित्तौड़गढ़ एवं राजसमंद, जो जनजाति क्षेत्र विकास के अन्तर्गत नहीं आता है, मगरा क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र में विकास के स्रोत यथा-भूमि, पानी एवं पशुधन कम होने के साथ-साथ यहां के निवासियों का भारी मौसमी पलायन होता है।

अतः इस क्षेत्र के निवासियों के आर्थिक वं सामाजिक स्तर में सुधार हेतु मगरा क्षेत्र विकास कार्यक्रम वर्ष 2005-06 में उपरोक्त 5 जिलों के 14 खण्डों में शुरू किया गया है। वर्तमान में यह कार्यक्रम उपरोक्त जिलों के 16 खण्डों में क्रियान्वित है।

इस क्षेत्र के विकास के लिए जल ग्रहण विकास, लघु सिंचाई, पशुपालन, पीने का पानी, विद्युतीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सड़क निर्माण की गतिविधियों को सम्मिलित किया जाता है। माह दिसम्बर 2015 तक 48.29 करोड़ व्यय कर 404 कार्य पूर्ण किये गये।

प्रश्न : राजस्थान में नियोजन के मुख्य उद्देश्य लिखिये।

उत्तर : राजस्थान की विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में परिस्थितियों के अनुसार उद्देश्यों को प्राप्त करने पर बल दिया गया है। जो कि केन्द्रीय पंचवर्षीय योजनाओं के उद्देश्यों के ही अनुकूल रहे है। संक्षेप में राजस्थान में नियोजन के उद्देश्य निम्न प्रकार है :-

- अर्थव्यवस्था की विकास-दर में उल्लेखनीय वृद्धि करना
- पहले से सृजित विकास की संभावनाओं का सर्वोत्तम उपयोग करना
- समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन-स्तर को ऊँचा उठाना,
- सामाजिक-न्याय के साथ आर्थिक विकास के ढांचे में मूलभूत सामाजिक सेवाओं को उपलब्ध करना एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने व प्रादेशिक असमानताओं को कम करने के उद्देश्य को भी पंचवर्षीय योजनाओं में ऊँचा स्थान दिया गया है।

प्रश्न : राजस्थान में स्पेशल/विशेष आर्थिक क्षेत्र।

उत्तर : औद्योगिक, सेवा और व्यापार संबंधी क्रियाओं के लिए सीमा शुल्क मुक्त, विदेशी निवेश से युक्त व अन्य सुविधाओं सहित राज्य में विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना रीको द्वारा की जा रही है जो निम्न प्रकार हैं :-

- रीको द्वारा दो विशेष आर्थिक जोन/क्षेत्र जैम्स एण्ड ज्वैलरी आधारित सीतापुरा, जयपुर में स्थापित किये गये हैं। जहां दिसंबर, 2015 = 642.62 करोड़ का निर्यात हुआ एवं लगभग 10,977 लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ।
- एक विशेष आर्थिक क्षेत्र दस्तकारी इकाइयों के लिए बोरानाडा-जोधपुर में स्थापित किया जा रहा है।
- महिन्द्रा ग्रुप रीको के साथ मिलकर जयपुर के समीप अजमेर रोड पर महापुरा में एक सेज/विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना कर रहा है। जिसमें 10,000 करोड़ का निवेश अपेक्षित है। अब तक 556 करोड़ का निर्यात हो चुका है तथा 7596 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है।
- रीको द्वारा कोरिया ट्रेड इनवेस्टमेंट प्रमोशन एजेन्सी के साथ एक एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित कर धिलोठ औद्योगिक क्षेत्र, जिला अलवर में एक कोरियन निवेश क्षेत्र स्थापित किया गया है।

बहुराष्ट्रीय कंपनी सेन्ट गोबेन समूह द्वारा भिवाड़ी, अलवर में 965 करोड़ का निवेश कर फ्लोट ग्लास संयंत्र स्थापित किया गया है। इस प्रकार राज्य में रीको द्वारा विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित कर राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-121)

लोक प्रशासन

100 शब्द

प्रश्न : प्रशासन तथा प्रबंधन में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

उत्तर :

प्रशासन	प्रबंधन
''प्रशासन'' शब्द का प्रयोग सरकारी क्षेत्र के लिए किया जाता है जिसमें नौकरशाही का प्रभाव होता है।	''प्रबंधन'' शब्द का प्रयोग निजी क्षेत्र के लिए किया जाता है जिसमें सामान्यतः नौकरशाही शैली का अभाव रहता है।
प्रशासन का मुख्य कार्य उपक्रम की नीतियों को निर्धारित करना है।	''प्रबंधन'' का कार्य प्रशासन द्वारा निर्धारित नीतियों की सीमाओं में क्रियान्वयन करना है तथा निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार संगठन को संचालित करना है।
प्रशासन एक प्रभावी निर्देशन का कार्य है। संगठन का निर्धारण करता है।	प्रबंधन उसका उपयोग करता है।
प्रशासन लक्ष्य को परिभाषित करता है।	प्रबंधन उसकी ओर अग्रसर होने का प्रयत्न करता है।

प्रश्न : **सामान्यज्ञों व विशेषज्ञों के बीच संबंधों को अधिक सौहाद्रपूर्ण कैसे बनाया जा सकता है?**

उत्तर :

1. समूचे भारतीय प्रशासन को पुनर्गठित एवं पदों को दो भागों में वर्गीकृत कर यह सुनिश्चित हो कि कौन-से पद सामान्यज्ञ एवं विशेषज्ञ प्रधान रहेंगें।
2. विशेषीकृत सेवाओं के व्यक्तियों को प्रशासनिक सेवा के सदस्यों के समकक्ष दर्जा एवं सुविधाएं प्रदान की जायें, ताकि विशेषज्ञों के मन की हीनता की भावना समाप्त हों।
3. ऐसे प्रशिक्षण संस्थाओं की अविलंब स्थापना हो, जहां सामान्यज्ञों एवं विशेषज्ञों को एक साथ रहने, अध्ययन, विचार एवं दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान कर सके तथा एक-दूसरे को समझ सके।
4. सामान्यज्ञ अफसर स्वयं मानसिक एवं भावनात्मक रूप से विशेषज्ञों को अपना मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक समझे ताकि उनके ज्ञान व अनुभव से लाभान्वित हो सके। प्रशासन में दोनों एक-दूसरे के विरोधी न होकर सहयोगी रहें।
5. सभी सेवाओं हेतु एक ऐसा वेतन ढांचा तैयार हो जिससे प्रत्येक विशेषज्ञ अपने ही क्षेत्र में उच्चतम स्तर तक पहुँच सके।
6. प्रशासनिक अनुशासन वृत्ति विविधोन्मुखी आधारित होनी चाहिये ताकि समूचे अधिकारी समूह में से समन्वयकर्ता का सहज उद्भव हो सके।
7. एक कार्यालय के सभी कार्यों को एकीकृत करने से उच्चस्तरीय विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त कर कार्य-क्षमता में वृद्धि की जा सकती है।
8. अभिप्रेरणाएं जैसे सेवाओं के साथ समानता की भावना, उचित समझ, गौरवानुभूति तथा देश के भावी निर्माण में योगदान की भावना आदि हृदयगंम हो।

प्रश्न : **प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण के मुख्य उपकरणों की विवेचना कीजिये।**

उत्तर : प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण के दो प्रकार के साधन है:-

(1) सामान्य साधन (2) संवैधानिक या विशेष साधन।

(1) **सामान्य साधन:-** इसमें निम्नांकित साधन सम्मिलित है-

(i) **प्रशासनिक कार्यों तथा निर्णयों की न्यायिक समीक्षा:** यद्यपि संविधान न्यायिक समीक्षा के संबंध में अनेक प्रकार की मर्यादाएं स्थापित करता है किंतु नागरिकों के हितों की रक्षा तथा कानूनी प्रक्रियाओं में आस्था प्रकट करने हेतु अनेक बार प्रशासनिक कार्यों एवं निर्णयों की न्यायिक समीक्षा की गई है।

(ii) **सरकार के विरूद्ध अभियोग :** अनुच्छेद-300 (1) के तहत भारत संघ तथा राज्य अपने नाम से किसी पर वाद ला सकते हैं।

(iii) प्रत्यायोजित विधान की वैधानिकता को उचित या अनुचित करार देने की न्यायालय की शक्ति प्राप्त है।

(iv) कार्यपालिका के कानूनों या नियमों को अवैध घोषित करना।

(2) **विशेष साधन या संवैधानिक उपचार :-** अनुच्छेद-32 के अन्तर्गत, सर्वोच्च न्यायालय को मौलिक अधिकारों के हनन के मामलों की सुनवाई का अधिकार है तथा इस क्रम में न्यायालय रिट निकाल सकता है, जबकि अनुच्छेद-226 के अन्तर्गत उच्च न्यायालयों को मौलिक अधिकारों संहित संविधान द्वारा अधिरोपित किसी अन्य मर्यादा के उल्लंघन पर भी सुनवाई करने या रिट निकालने का अधिकार है। इस संबंध में उच्च न्यायालयों का क्षेत्र सर्वोच्च न्यायालय से व्यापक है। बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण एवं अधिकार पृच्छा आदि रिटें प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण हेतु न्यायालय द्वारा जारी की जा सकती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-122)

प्रबंधन

100 शब्द

प्रश्न : आधुनिक प्रशासनिक संगठन में संचार के महत्त्व की व्याख्या कीजिये।

उत्तर : मिलेट ने संचार को 'प्रशासनिक संगठनों की रक्तधारा', तो फिफनर की दृष्टि में संचार 'प्रबंध का हृदय' है। इसलिए संचार को प्रशासन का प्रमुख सिद्धान्त माना जाता है।

आधुनिक संगठनों में संचार का महत्त्व इस प्रकार है :-

(i) उपयुक्त संचार से संगठन में गतिशीलता तथा जीवंत वातावरण बना रहता है।

(ii) निर्णय लेने, समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक तथ्य, सूचनाएं तथा आंकड़े संचार के माध्यम से ही एकत्र होते हैं तथा संचार ही निर्णय एवं सत्ता को दूसरों तक पहुंचाता है।

(iii) संगठनात्मक संबंधों, व्यवहार तथा सहयोग से संबंधित क्रियाएं संचार प्रक्रिया द्वारा ही संचालित होती हैं।

(iv) संगठनात्मक कुशलता, कार्मिक-संतुष्टि, उपभोक्ता-संतुष्टि, शिकायत निवारण, प्रशासनिक प्रभावशीलता, संगठनात्मक विकास, अनुशासन की स्थापना हेतु संचार महत्वपूर्ण है।

(v) कार्मिकों में अभिप्रेरणा, प्रोत्साहन, मनोबल या दण्ड के प्रति भय उत्पन्न करने तथा संपूर्ण संगठन की व्यवस्था या अनुशासन बनाये रखने हेतु संचार अवश्यम्भावी है।

संक्षेप में, 'संचार, संगठनात्मक कार्यों तथा प्रबंधकीय प्रक्रियाओं के लिए चिकनाई का कार्य करता है।' (जार्ज टेरी)।

प्रश्न : विवेकपूर्ण निर्णयन-प्रक्रिया में विभिन्न चरण कौन-कौन से हैं? सविस्तार चर्चा कीजिये।

उत्तर : प्रशासनिक निर्णय-प्रक्रिया में निम्न चरण शामिल हैं :-

1. **उद्देश्यों का निर्धारण** :- निर्णयन के इस चरण में समस्या के उद्देश्य (समाधान) तथा पूर्व-निर्णयों की प्रभावशीलता को जान लेने से निर्णयन के आगे के चरण सरल हो जाते हैं।
2. **समस्या की व्याख्या** :- निर्णयन के इस निर्णायक चरण में समस्या को विभिन्न आयामों तथा कोणों से देखने पर उसका वास्तविक स्वरूप या समालोचक तत्व ज्ञात करना होता है।
3. **समस्या का विश्लेषण** :- पीटर ड्रकर ने समस्या के विश्लेषण हेतु चार घटकों पर चिन्तन करना अवश्यक माना है :-
   - **(i) निर्णय की भविष्यता** :- उसके दीर्घकालीन या अल्पकालीन संदर्भ में।
   - **(ii) निर्णय का प्रभाव क्षेत्र**
   - **(iii) गुणात्मक विचारों की संख्या**
   - **(iv) निर्णय की बारम्बारता**
4. **वैकल्पिक समाधानों का विकास करना** :- विकल्पों का विकास समस्या की प्रकृति, उद्देश्य, व्याख्या तथा विश्लेषण के आधार पर होता है।
5. **विकल्पों की छंटनी** :- विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन अर्थात् उद्देश्य की प्राप्ति में सहयोग, विकल्पों की लागत, विकल्पों की उपयुक्तता, समय तथा विकल्प के संभावित परिणाम आदि तथ्यों को ध्यान में रखा जाता है।
6. **सर्वश्रेष्ठ 'विकल्प' का चयन** :- अधिकाधिक लाभ तथा न्यूनतम हानि, कम से कम प्रयत्नों तथा संसाधनों में समाधान, समयानुकूल समाधान, संगठन के पास उपलब्ध संसाधनों की सीमाएं आदि तथ्य सर्वश्रेष्ठ विकल्प के चयन करते समय ध्यान में रखे जाते हैं।
7. **निर्णयों का क्रियान्वयन** :- संचार, समन्वय, नियंत्रण तथा प्रत्यायोजन द्वारा अधीनस्थों से निर्णय को क्रियान्वित करवाना, ताकि वास्तविकता या व्यावहारिकता का पता चल सके।
8. **प्रत्युत्तर या अनुसरण** :- इसी से निर्णय का मूल्यांकन, निर्णय पर नियंत्रण, निर्णय के क्रियान्वयन में आ रही बांधाओं का निराकरण होता है। संक्षेप में, किसी निर्णय में प्रथम चरण सर्वाधिक महत्वपूर्ण तो किसी में तीसरा चरण अधिक समय ले सकता है, किन्तु न्यूनाधिक मात्रा में निर्णय-प्रक्रिया इन्हीं चरणों से गुजरती है।

प्रश्न : समन्वय के मार्ग में आने वाली बांधाओं एवं समस्याओं की विवेचना कीजिए।

उत्तर : सरकारी तंत्र में नित्य नवीन विभागों एवं उनके क्षेत्रीय कार्यालयों की स्थापना, बोर्ड, आयोग, संस्थान, निगम तथा अन्य स्वायत्तशासी संस्थाओं के निर्माण को प्रोत्साहन देने, कमजोर सूचना तंत्र, सूत्र एवं स्टाफ अभिकरणों में भेद स्पष्ट न होना, कार्य को दूसरों पर टाल देना, नियमों की अधिकता, आदेश की एकता का उल्लंघन तथा नित्य नई बड़ी परियोजनाओं को हाथ में लेने इत्यादि के कारण समन्वय संबंधी समस्याएं आती हैं।

लूथर गुलिक ने समन्वय के मार्ग में आने वाली बाधाओं या समस्याओं का विवरण निम्न प्रकार दिया है :-

1. व्यक्ति/जनता के व्यवहार के विषय में भविष्यगत अनिश्चिताएं
2. नेतृत्व में ज्ञान, अनुभव, बुद्धिमानी तथा चरित्र का अभाव और परस्पर विरोधी विचार एवं उद्देश्य।
3. प्रशासकीय कौशल तथा तकनीक का अभाव।
4. मानवीय ज्ञान की अपूर्णता।
5. संगठनों का बढ़ता आकार एवं जटिलता।
6. कार्मिकों का व्यक्तित्व तथा राजनीतिक तत्वों का हस्तक्षेप। लोक प्रशासन का ज्ञान रखने वाले प्रबुद्ध नेताओं की कमी।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-123)

सामान्य हिन्दी

प्रश्न : सीमित निविदा एवं खुली निविदा में अन्तर स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : **1. सीमित निविदा (Limited Tender):** जिन निविदा सूचनाओं को सार्वजनिक सूचनार्थ समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें सीमित निविदा कहते हैं। कुछ राशि विशेष तक के कार्य/सामान की निविदा सूचना सीमित निविदा श्रेणी की होती है। सरकार समय-समय पर यह राशि परिवर्तित करती रहती है।

वर्तमान में 2 लाख रूपये निविदा सूचना सीमित निविदा की श्रेणी में है।

2. खुली निविदा (Open Tender) : जिन निविदा सूचनाओं को सार्वजनिक सूचनार्थ समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाया जाना आवश्यक हो, उन्हें खुली निविदा (Open Tender) कहते हैं।

प्रश्न : सामान्य कार्यालयी पत्र।

उत्तर : सामान्य कार्यालयी पत्र से तात्पर्य है कि किसी कार्यालयाधिकारी द्वारा कार्यालयीय प्रयोजनार्थ किसी उच्चाधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, किसी कार्मिक, अन्य कार्यालयाधिकारी, किसी संस्था, संगठन, समिति अथवा व्यक्ति को पत्र लिखा जावे, तो वह पत्र सामान्य कार्यालयीय श्रेणी का पत्र कहलाता है।

प्रश्न : जिला कलेक्टर, जयपुर की ओर से शहर में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था दुरूस्त करवाने हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारी नगर निगम, जयपुर को सामान्य कार्यालय पत्र लिखिए।

उत्तर :

राजस्थान सरकार
कार्यालय, जिला कलेक्टर, जिला जयपुर, जयपुर।

प. 5(2)/जि.क./विविध/2016/525 **दिनांक** :-5दिसंबर, 2016

मुख्य कार्यकारी अधिकारी
नगर निगम जयपुर

विषय - शहर में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करवाने बावत्।

संदर्भ - समाचार पत्र दैनिक भास्कर में प्रकाशित खबर।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि दिनांक 04.12.2016 को दैनिक भास्कर में प्रकाशित खबर से यह जानकारी प्राप्त हुई कि शहर में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त नहीं हैं आमजन को इससे अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा इससे दुर्घटनाओं तथा चोरी जैसी घटनाओं की आशंका भी है।

अतः निर्देश दिए जाते हैं कि जयपुर शहर में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था जैसे स्ट्रीट लाइट आदि को शीघ्रातिशीघ्र दुरुस्त करायें।

संलग्न

1. समाचार पत्र दैनिक भास्कर में प्रकाशित खबर की प्रतिलिपि

भवदीय
क ख ग
(क ख ग)
जिला कलेक्टर जि. जयपुर

प. 5(2)/जि.क./विविध/2016/526-528
दिनांक: 5 दिसंबर, 2016

प्रतिलिपि :- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु निम्न को प्रेषित है :-

1. महापौर, नगर निगम-जयपुर, जयपुर।
2. सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर।
3. संभागीय आयुक्त, संभाग-जयपुर, जयपुर।
4. रक्षित पत्रावली

क ख ग
(क ख ग)
जिला कलेक्टर जि. जयपुर

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-124)

राजस्थान समसामयिकी

15 शब्द

प्रश्न : केशी बाई।

उत्तर : वुमन्स वर्ल्ड समिट फाउंडेशन (WWSF), जिनेवा (स्विट्जरलैण्ड) द्वारा भीलवाड़ा की केशी बाई को 1 हजार डॉलर के अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रश्न : प्रोजेक्ट-उत्कर्ष

उत्तर : पाली जिले के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को नवीनतम शिक्षण तकनीक आधारित कार्यक्रम।

प्रश्न : राजस्थान में खारची गांव चर्चा में है क्यों?

उत्तर : खार्चिया गेहूँ के संरक्षण हेतु खारची (पाली जिला) ग्राम पंचायत को राष्ट्रीय स्तर के पादप जीनोम रक्षक पुरस्कार के तहत् 10 लाख रूपये दिये गये।

प्रश्न : राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2016 से सम्मानित राजस्थान के खिलाड़ी।

उत्तर : 29 अगस्त 2016 को राष्ट्रपति ने राजस्थान के तीन खिलाड़ियों - अपूर्वी चंदेला (निशानेबाज), रजत चौहान (तीरंदाज) और पैरा एथलीट संदीप मान को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रश्न : हमीरगढ़।

उत्तर : हाल ही में भीलवाड़ा के हमीरगढ़ क्षेत्र की पहाड़ियों के निकट लौह अयस्क के भंडार मिलने के कारण चर्चा में रहा।

प्रश्न : सन्नू खां।

उत्तर : राजस्थान के प्रसिद्ध मेवाती साहित्यकार, छागलकी (अलवर) निवासी जिनका अगस्त 2013 में निधन हुआ, प्रमुख रचना 'अंग्रेजी में बोले री' थी।

प्रश्न : लक्ष्मीनारायण मालव।

उत्तर : हाड़ौती भाषा के वरिष्ठ साहित्यकार जिनका सितंबर 2016 को निधन हुआ, सरवर की पाल, लडवण, बरखा बीनणी प्रमुख गजले थी।

प्रश्न : सावित्री छीपा।

उत्तर : राजस्थान की कुश्ती पहलवान, जिसने अक्टूबर 2016 में 19वीं महिला सीनियर चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

प्रश्न : सिमरत चहल।

उत्तर : सितंबर 2016 में पोलैंड में आयोजित छठी वर्ल्ड यूनिवर्सिटी शूटिंग प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

50 शब्द

प्रश्न : क्रिरस्को वार्षिक सम्मेलन - 2016

उत्तर : नवम्बर 2016 को कमेटी फॉर मिनरल्स रिजर्व इंटरनेशनल रिपोर्टिंग स्टैंडर्ड क्रिरस्कों का सम्मेलन जयपुर में हुआ जिसका उद्देश्य पूर्व में प्रचलित मानक खनिज गवेषण परिणामों, खनिज संसाधनों व खनिज रिजर्व की लोक संदेशन प्रणाली में सहायता करना है। भारत क्रिरस्कों में सदस्य नहीं है।

प्रश्न : राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्धात्मक परियोजना की मुख्य बिन्दु।

उत्तर : बंजर भूमि को उपजाऊ कर प्रदेश के किसानों की दशा सुधारने हेतु विश्व बैंक की सहायता से (900 करोड़) प्रदेश के 18 जिलों में कलस्टर आधार पर संचालित परियोजना है। इसके तहत जल संसाधन, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि विपणन विभाग द्वारा समन्वित रूप से विकास किया जायेगा। चयनित जिलो में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा क्लस्टर बनाकर किसानों को कृषि गुणवत्ता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रश्न : आरमोल।

उत्तर : राजस्थान भारत का पहला राज्य है जिसने कमजोर एवं गरीब लोगों के लिए बड़े पैमाने पर आजीविका के सृजन एवं प्रोत्साहन हेतु नई व उचित रणनीति तैयार कर सितम्बर, 2004 में राजस्थान आजीविका मिशन की स्थापना की। कौशल विकास कार्यक्रमों को और गति तथा नया आयाम देते हुये केन्द्र सरकार के निर्णय के अनुरूप एक पृथक विभाग कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता का गठन किया गया है।

प्रश्न : देवेन्द्र झाझड़िया।

उत्तर : चूरू निवासी, पैरा एथलीट देवेन्द्र झाझड़िया ने रियो पैरालंपिक-2016 में भाला फेंक स्पर्धा (एफ-46) में स्वर्ण पदक जीता है। इसके साथ ही पैरालंपिक खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले वे पहले भारतीय खिलाड़ी बने। इससे पूर्व 2004 में एथेंस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। उन्हें 2004 में अर्जुन पुरस्कार व 2012 में पदम् श्री से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रश्न : पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना

उत्तर : जुलाई, 2015 में यह योजना भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं राज्य के ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम द्वारा क्रियान्वित की जा रही है। इसका उद्देश्य प्रदेश के बेरोजगार ग्रामीण गरीब युवाओं को विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उनके लिए रोजगार सुनिश्चित करवाना है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-125)

भारतीय राज-व्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : जन लेखा-समिति की भूमिका के महत्व का आंकलन कीजिये।

उत्तर : जन लेखा समिति सार्वजनिक धन के व्ययों का निरीक्षण करती है। इसमें कुल 22 सदस्य होते है। इनमें से 15 सदस्य लोकसभा से तथा शेष 7 सदस्य राज्यसभा से संबंधित होते है। सामान्यतः इस समिति का अध्यक्ष सत्ता पक्ष से न होकर विपक्ष का कोई सदस्य होता है।

जन लेखा समिति का उद्देश्य आम व्ययों पर निगरानी रखना है। संसद द्वारा स्वीकृत तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का सूक्ष्म परीक्षण करती है। समिति यह भी निगरानी रखती है कि यह एक मद से दूसरे मद में धन स्थानांतरित करने के दौरान प्रचलित नियमों के अनुसार उचित अधिकारी द्वारा नियमों का पालन किया गया अथवा नहीं। यह समिति विभिन्न सरकारी विभागों का प्राप्त आय एवं व्यय संबंधी हिसाब की भी जांच करती है। अतः यह समिति सरकार पर वित्तीय अनुशासन बनाये रखने के साथ ही तथा उचित वित्तीय निष्पादन का भी सार्थक प्रयास करती है।

प्रश्न : राज्य के नीति-निदेशक तत्त्वों का क्या महत्त्व है? बताएँ कि राज्य की नीति के किन निदेशक तत्वों को मूल अधिकारों की अपेक्षा प्रमुखता प्राप्त है?

उत्तर : राज्य के नीति-निदेशक तत्त्व देश के शासन के मूलभूत तत्त्व हैं। ये राज्य के लिए मार्ग-निर्देशन का कार्य करते हैं। राष्ट्रीय नीतियों के निर्धारण में इसे दिशा-निर्देश के रूप में स्वीकार किया गया है। इसका महत्त्व यह है कि यह जनता के कल्याण को प्रोत्साहित करने वाली सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करती है। इसीलिए जेनिंग्स इसे फेबियन समाज की स्थापना करने वाला भाग बताते हैं।

जहाँ तक नीति-निदेशक तत्वों की मूल अधिकारों पर वरीयता का प्रश्न है तो यह सीमित ही है। आर्थिक और सामाजिक न्याय से संबंधित निदेशक तत्वों को मूल अधिकारों पर वरीयता दी गई है। अनुच्छेद 39(ख) और 39(ग) को क्रियान्वित करने के लिए मौलिक अधिकारों को सीमित किया जा सकता है।

प्रश्न : मंत्रिमंडलीय सचिवालय एवं प्रधानमंत्री सचिवालय में क्या अंतर हैं? इनमें कौन अधिक महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर : मंत्रिमंडलीय सचिवालय को ब्रिटिश काल के वायसराय के कार्यकारी परिषद् का उत्तराधिकारी कहा जा सकता है। मंत्रिमंडलीय बैठक के लिए एजेंडा तैयार करना, मंत्रियों को संबंधित तथ्यों से अवगत कराना तथा मंत्रिमंडलीय बैठकों में हुई विवेचनाओं और निर्णयों का रिकार्ड तैयार करना तथा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं सभी मंत्रियों को सरकार की गतिविधियों की सूचना प्रदान करना मंत्रिमंडलीय सचिवालय के प्रमुख कार्य है।

प्रधानमंत्री सचिवालय 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में आया। जून, 1977 से इसे प्रधानमंत्री कार्यालय कहा जाने लगा। यह सरकार के एक विभाग के रूप में कार्य करता है। यह एक संविधानेत्तर संस्था है अर्थात् संविधान में कहीं भी इसका उल्लेख नहीं है। इसका प्रमुख कार्य प्रधानमंत्री को सरकार के प्रमुख के रूप में कार्य करने में सहयोग करना है। यह सचिवालय प्रधानमंत्री के योजना आयोग के अध्यक्ष के रूप में किये गये कार्यों के लिए उत्तरदायी होता है।

संक्षेप में, अपने-अपने कार्यों की महत्ता के कारण दोनों ही सरकार और देश को चलाने के लिए महत्त्वपूर्ण है।

प्रश्न : नागरिक समाज की संवृद्धि के लिए पूर्वदशाएं क्या होती है? क्या भारत का लोकतंत्र इसके लिए अनुकूल है?

उत्तर : बौद्धिक जागृति, शैक्षणिक उन्नति, लिंग समानता, उच्च स्वास्थ्य स्तर, सामाजिक समानता, आर्थिक संवृद्धि और धार्मिक सहिष्णुता आदि नागरिक समाज की संवृद्धि के स्तर को प्राप्त करने हेतु आवश्यक पूर्वदशाएं है। नागरिक समाज की संवृद्धि के लिए यह अपेक्षा की जाती है कि लोगों को पर्याप्त रूप से शैक्षणिक अवसर उपलब्ध हो, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की पर्याप्त सुलभता हो। शिक्षा प्राप्त करने से व्यक्ति अपनी संवृद्धि के स्तर को प्राप्त करने हेतु मानसिक रूप से सक्षम हो जाता है। समाज को विभिन्न वर्गों एवं जातियों में बंटा हुआ नहीं होना चाहिए। स्त्री-पुरुष अधिकारों में समानता होनी चाहिए। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाऐं पर्याप्त तथा आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए।

भारत में इन पूर्वदशाओं का स्तर अभी कम है यद्यपि सभी पूर्वदशाएं हमारे यहाँ विद्यमान है परन्तु ये भेदभावकारी एवं सर्वसुलभ नहीं है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-126)

अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : संचित निधि।

उत्तर : राज्यों को करों एवं शुल्कों में उनका अंश देने के बाद जो धन बचता है, उससे संचित निधि का निर्माण होता है। संविधान के अनु. 266 में संचित निधि का प्रावधान है।

प्रश्न : बजट घाटा।

उत्तर : राजस्व एवं पूंजीगत खातों के अन्तर्गत दिखाई जाने वाली समस्त प्राप्तियों तथा व्यय का अंतर होता है, जो एक वित्तीय वर्ष के अवधि में हो।

प्रश्न : वायदा मुद्रा बाजार क्या है?

उत्तर : वह मुद्रा बाजार जिसमें किसी वस्तु को आगामी कीमत पर बेचा या खरीदा जाता है, वायदा मुद्रा बाजार कहलाता है।

प्रश्न : आबिद हुसैन समिति के प्रावधान।

उत्तर : भारत में लघु एवं ग्रामीण उद्योगों की कमियों एवं उन्हें मजबूती प्रदान करने की रूपरेखा बनाने वाली समिति।

प्रश्न : विशेष आहरण अधिकार (स्पेशल ड्राइंग राइट्स) पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुद्रा जो सदस्य देशों को प्रदान की जाती है। कोई कागजी मुद्रा न होकर अन्तर्राष्ट्रीय आरक्षित संपदा है जिसका केवल लेखांकन होता है।

प्रश्न : प्राथमिकता क्षेत्रक ऋण से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार कुछ क्षेत्रों की पहुँच संगठित ऋण बाजार तक नहीं होती है। इन्हें कम ब्याज पर बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

प्रश्न : योजना विराम किसको कहते है?

उत्तर : चौथी योजना के प्रारूप में हुई देरी के कारण 1966 से 1969 के मध्य तीन वार्षिक योजनाएं बनायी गयी। इस अवधि को योजना विराम कहते हैं।

प्रश्न : मूल्य-वर्धित कर।

उत्तर : उत्पादन एवं वितरण श्रृंखला के प्रत्येक चरण को कर-संरचना के दायरे में लाना मूल्य-वर्धित कर है।

प्रश्न : घाटे की वित्त व्यवस्था से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : बजटीय घाटे (कुल प्राप्ति की तुलना में अनुमानित व्यय का अधिक होना) की पूर्ति हेतु अतिरिक्त वित्त की व्यवस्था की प्रक्रिया।

प्रश्न : प्रतिभा पलायन किसे कहते है?

उत्तर : बेहतर आर्थिक लाभ की प्राप्ति हेतु एक देश के बौद्धिक मानव संसाधन जैसे- डॉक्टर, इंजीनियर आदि का दूसरे देशों की ओर पलायन।

50 शब्द

प्रश्न : फिलिप्स वक्र क्या होता है?

उत्तर : किसी भी अर्थव्यवस्था में फिलिप्स वक्र द्वारा बेरोजगारी की दर एवं मुद्रास्फीति के व्युत्क्रम संबंधों को दर्शाया जाता है। यदि किसी भी देश में बेरोजगारी की दर कम है तो मजदूरी दर अधिक होगी एवं यदि बेरोजगारी की दर अधिक है तो मजदूरी कम होगी।

प्रश्न : सिडबी क्या है? इसके क्या कार्य है?

उत्तर : भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI), भारतीय उद्योग विकास बैंक (I.D.B.I.) की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक इकाई है। जिसका गठन अप्रैल 1990 में किया गया। यह सुक्ष्म तथा लघु उद्योगों का शीर्ष बैंक है जो लघु उद्योग विकास कोष तथा राष्ट्रीय इक्विटी कोष का संचालन करता है। यह बैंक लघु उद्योग क्षेत्र में औद्योगिक निकायो के विकास तथा संवर्द्धन के लिए भी एक प्रमुख संस्था के रूप में कार्य कर रहा है।

प्रश्न : टोबिन कर क्या है? इसके प्रमुख लक्षण क्या है?

उत्तर : विदेशी विनिमय बाजार में अस्थिरता को रोकने हेतु तथा सामाजिक विकास के वित्तीयन हेतु विदेशी वित्तीय लेन-देन पर लगाया जाने वाला कर, जिसे प्रो. जेम्स टोबिन द्वारा 1972 में सुझाया गया। इन्हीं के नाम पर इसे टोबिन कर कहा जाता है। प्रो. टोबिन का मानना था कि विदेशी मुद्राओं में होने वाली अधिकांश लेन-देन सट्टा व अन्तर्राष्ट्रीय ब्याज दर में अन्तर का लाभ उठाने के उद्देश्य से किये जाते है। ऐसे लेन-देन पर कर लगाकर सरकार पर्याप्त संसाधन सृजित कर सकती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-127)

राजव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : "जिला कलेक्टर अधिकाधिक बहु-विमीय बन गया है।" स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : जिला कलेक्टर के कार्य विविधतापूर्ण होते है जिला प्रशासन में कलेक्टर शासन का प्रतिनिधित्व करता है। इसका कार्य सरकार की नीतियों को कागज से निकालकर यथार्थ में उनका क्रियान्वयन करना है।

भू-राजस्व अधिकारी के रूप में यह भू-राजस्व का मूल्यांकन करता है तथा कृषि संबंधी आंकड़े तैयार करना एवं राजस्व, नहरी बकाया, ऋण का वितरण आदि कार्य राजस्व अधिकारी के रूप में करता है। जिले में आपदा प्रबंधन कार्य करता है।

जिला समन्वयक के रूप में कलेक्टर जिले से संबंधित समन्वय समितियों के बैठक आंमत्रित कर उनकी अध्यक्षता करता है। जिला मजिस्ट्रेट के रूप में वह जिले की पुलिस का नियंत्रण रखने तथा अपराध से संबंधित प्रशासन के लिए जिला स्तर का सर्वेसर्वा अधिकारी होता है। राज्य सरकार के प्रतिनिधि के रूप में कलेक्टर जिला स्तर पर शासन के हितों की रक्षा करता है। वर्तमान में पंचायतीराज ने उसके कार्यभार को और भी बढ़ाया है। जिसके कारण कलेक्टर अधिकाधिक बहु-विमीय बन गया है।

प्रश्न : मुख्य सचिव की अत्यधिक सार्थक एवं उन्नत स्थिति को आज व्यवहार में बहुत अधिक मात्रा तक गिरा दिया गया है। विवेचना कीजिए।

उत्तर : स्वतंत्रता पश्चात् से राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव प्रशासन का स्तंभ होने के साथ-साथ समन्वयक एवं कुशल निर्णयकर्ता की भूमिका निभाता रहा है। मुख्य सचिव राज्य के सरकार के विभिन्न विभागों का कार्यकारी अध्यक्ष रहा है, मंत्रिमंडल बैठकों में भाग लेना एवं सम्पूर्ण सचिवालय प्रशासन पर नियंत्रण रखता है।

राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव सभी विभागों का प्रभारी होता है। और कतिपय मसलों पर अन्तिम निर्णय मुख्य सचिव का ही होता है। मुख्य सचिव राज्यों में लोक सेवकों का प्रमुख, उनका विश्वसनीय परामर्शदाता तथा अन्तर्भावना का रक्षक होता है।

किन्तु वर्तमान में राजनीतिक दबाव, राजनीतिक दलों में स्वार्थ एवं राजनीतिक अस्थिरता ने मुख्य सचिव की महत्ता को कम किया है इसके अतिरिक्त इनके चयन में पक्षपात होने के कारण ही मुख्य सचिव की भूमिका प्रभावित हुई है।

प्रश्न : अनुच्छेद- 163 राज्यपाल को उन मामलों में एकमात्र न्यायाधीश बना देता है, जिसमें उसके अपने विवेक से कार्य करना होता है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : संविधान के द्वारा राज्यपाल को राज्यों में वहीं स्थिति प्रदान की है, जो केन्द्र में राष्ट्रपति की है।

अनुच्छेद 163(1) के अधीन राज्यपाल से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने कार्यों को स्वविवेक से करे। इसके अतिरिक्त राज्यपाल को अपने कार्यों के निर्वहन करने या मंत्रणा देने हेतु एक मंत्रिपरिषद होती है।

राज्यपाल को कुछ प्रमुख परिस्थितियों में स्वविवेकी शक्ति प्राप्त है, जैसे- जब तक राज्यपाल को यह विश्वास न हो जाए कि मंत्रिपरिषद का विधानसभा में बहुमत नहीं रह गया है, मंत्रिपरिषद के विरूद्ध विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाए या किसी स्वतंत्र अधिकार द्वारा जाँच में मुख्यमंत्री को भ्रष्टाचार में लिप्त पाया गया हो तो वह मंत्रिपरिषद को अपदस्त कर राष्ट्रपति से राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर देने की सिफारिश कर सकता है। संवैधानिक संकट के बारे में रिपोर्ट राज्यपाल अपने विवेक के आधार पर करता है। राज्य विधायिका द्वारा पारित किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ रखने का निर्णय राज्यपाल अपने विवेक से करता है। केन्द्र एवं राज्य के बीच गतिरोध पर भी राज्यपाल अपने विवेक से कार्य करता है।

प्रश्न : राज्य निर्वाचन आयोग संरचना एवं कार्य?

उत्तर : राज्य निर्वाचन आयोग का प्रावधान संविधान में 73वें-74वें संशोधन द्वारा अनुच्छेद (243K) एवं 243(ZA) जोड़कर पंचायतीराज संस्थाओं एवं शहरी निकायों के चुनाव निष्पक्ष एवं समय पर कराये जाने के उद्देश्य से किया गया। इसी अनुच्छेद के तहत राजस्थान में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना की गई। आयोग एक सदस्यी इसका मुखिया राज्य निर्वाचन आयुक्त कहलाता है। जो पदग्रहण के दिन से 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक पदग्रहण करेगा। वर्तमान में इस पद पर प्रेम सिंह मेहरा है। इसके निम्न कार्य है-

1. राज्य में पंचायती राज संस्थाओं व नगरीय स्वायत्त संस्थाओं के चुनाव कराना।
2. पंचायती राज चुनावों व नगरीय निकाय चुनावों हेतु मतदाता सूचियों को तैयार करवाना।
3. स्थानीय निकायों के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-128)

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

100 शब्द

प्रश्न : विदेश नीति में भारत की ''नरम'' और ''कठोर'' शक्ति रणनीति।

उत्तर : स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर आवश्यकतानुसार कठोर व नम्य नीति का अनुसरण किया है। इस आलोक में भारत ने चीन के साथ अपने संबंधों को नये सिरे से परिभाषित करना शुरू किया है और इसमें भारत की उपरोक्त दोनों नीतियों का सुदंर समन्वय देखा जा सकता है। एक तरफ जहाँ भारत ने जलवायु परिवर्तन, द्विपक्षीय व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर विभिन मुद्दों पर आपसी सहयोग के माध्यम से नम्य वैदेशिक नीति का परिचय दिया है, वहीं दूसरी और सीमा-विवाद, अरूणाचल प्रदेश का प्रश्न चीनी सीमा के निकट सेना की अतिरिक्त डिवीजनों की तैनाती के साथ-साथ बोफोर्स तोपों की तैनाती का विचार तथा सीमा पर सड़कों का जाल विछाने का कार्य करके कठोर विदेश नीति का परिपालन किया है।

इसी प्रकार भारत ने अमेरिका एवं हाल ही में जापान के साथ नागरिक परमाणु समझौता करके चीन को भारत विरोधी गतिविधियों से दूर रहने की परोक्ष चेतावनी भी दी है।

हाल ही में डोकलाम विवाद में भारत ने कठोर नीति का परिचय दिया है।

प्रश्न : भारत- यू.एस.ए.: रणनीतिक भागीदारों के रूप में।

उत्तर : संयुक्त राज्य अमेरीका के नीति निर्माताओं द्वारा ''नई विश्व व्यवस्था'' और ''शांति लाभांश'' को अपनाने के बाद इन्हें मूर्त रूप प्रदान करने के लिए उसे कुछ सामरिक स्थायी भागीदार देशों की जरूरत है जिसमें से एक भारत भी है। विश्व में बढ़ रही सामरिक अनिश्चितताओं को देखते हुए अमेरिका के लिए भारत के साथ सामरिक भागीदारी बढ़ाना अति आवश्यक हो गया है। इस भागीदारी को बढ़ाने के कुछ मुख्य कारक इस प्रकार है:-

(1) एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीन की सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी, जो अमेरिका के सामरिक हितों के लिए भी क्षेत्र में चुनौती पैदा कर रहा है।
(2) यूरोपीय और एशिया प्रशांत क्षेत्र में रूस का हस्तक्षेप।
(3) चीन और रूस के बीच सामरिक भागीदारी में बढ़ोतरी।
(4) खाड़ी देशों तथा अफगानिस्तान, पाकिस्तान और कुछ मध य एशियाई देशों में इस्लामी कट्टरपंथ को चुनौती।
(5) चीन का भारत के लिए सुरक्षा खतरे के रूप में उभरना।
(6) पाकिस्तान का चीन की मदद से परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में शक्ति हासिल करना।

प्रश्न : ''दक्षिण-एशिया-मुक्त व्यापार क्षेत्र साफ्टा (SAFTA) की तुलना में बहुक्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल मुक्त व्यापार क्षेत्र (बिम्सटेक-एफ टी ए) अधिक आशाजनक प्रतीत होता है।'' समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

उत्तर : सार्क देशों के मध्य मुक्त व्यापार समझौता-साफ्टा, 2006 में लागू किया गया था, परन्तु अब तक इसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। इस समझौते को अपेक्षित सफलता न मिलने के पीछे सदस्य देशों के निजी हित प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं। अब सार्क आर्थिक की बजाए एक भू-राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बन कर रह गया है।

ऐसे में ''बिम्सटेक'' भारत के लिए अधिक संभावना भरा मंच हो सकता है।

बिम्सटेक मेकांग-गंगा सहयोग करके 560 मिलियन सेवा खरीददारों के लिए आसियान एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। हाल ही में अक्टूबर 2016 में, गोवा में ब्रिक्स देशों के सम्मेलन के साथ बिम्सटेक देशों के नेताओं की उपस्थिति इस समूह के मध्य सहयोग की महत्ता को और मजबूती से सिद्ध करती है।

प्रश्न : भारत द्वारा अफगानिस्तान में हाल में दी जा रही कौन-सी प्रमुख क्षमता-निर्माण और पुनर्निमाण परियोजनाएं है?

उत्तर : भारत एवं अफगानिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को ओर मजबूत करने तथा युद्ध से जर्जर हो चुके अफगानिस्तान के नए तरीके से पुनर्निमाण हेतु नया ढांचा स्थापित करने हेतु जुलाई 2009 में सहमत हुए थे।

वर्तमान में 4000 भारतीय, अफगानिस्तान के विभिन्न पुनर्निर्माण, कार्यक्रमों में संलग्न हैं, जैसे- अफगानिस्तान में सड़कों का निर्माण, संसद का निर्माण पुलिस अधिकारियों एवं कूटनीतिज्ञों का प्रशिक्षण तथा स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, विद्युत एवं संचार में सहायता करना। अफगानिस्तान में तालिबान की समाप्ति के बाद सार्क की सदस्यता प्रदान करने में भारत ने अफगानिस्तान की मदद की। भारत द्वारा निर्मित देलाराम-जरांग राजमार्ग प्रमुख है। इस प्रकार भारत, अफगानिस्तान के पुनर्निमाण में पूरा सहयोग कर रहा है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-129)

राजस्थान का भूगोल

100 शब्द

प्रश्न : राजस्थान में अरावली का भौगोलिक महत्व

उत्तर : अरावली पर्वत श्रृंखला जो विश्व की सबसे प्राचीनतम (प्री कैम्बियन) वलित पर्वतमाला है। यह राजस्थान के दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर विस्तारित है। यह राजस्थान की जलवायु को शुष्क, अर्द्धशुष्क एवं उपआर्द्र में विभाजित करती है। यह राजस्थान में मरूस्थल विस्तार को रोकने का कार्य करती है। यह राजस्थान की अधिकतर नदियों का उद्गम स्थल है तथा खनिज एवं वन संपदा की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण है। यह जल विभाजक का भी कार्य करती है।

प्रश्न : दर्रा राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर : कोटा से 55 कि.मी. दूर कोटा-झालावाड़ मार्ग पर स्थित राज्य का तीसरा राष्ट्रीय उद्यान है। इसे 'मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान' के नाम से भी जाना जाता है। इसके उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में चंबल, पूर्व में काली सिंध, दक्षिण में आहू तथा आमझर नदियां प्रवाहित होती हैं। यह राष्ट्रीय उद्यान 274 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में विस्तृत है।

गागरोन का किला, रावठा महल, अबली मीणी का महल, बाड़ोली के मंदिर आदि इसी राष्ट्रीय उद्यान के अन्तर्गत आते हैं। यहां जीवों को पास से देखने के लिए अवलोकन स्तम्भ बने हुए हैं। जिन्हें रियासतकाल में 'औदिया' कहा जाता है। यह उद्यान 'गागरोनी तोता के लिए प्रसिद्ध है। यहां मुख्यतः चीते, बाघ, सूअर तथा अन्य जंगली जीव एवं पक्षी मिलते हैं।' केन्द्र सरकार ने मुकुंदरा हिल्स 'दर्रा' में एक राष्ट्रीय बाघ अभ्यारण्य की सैद्धान्तिक मंजूरी मार्च 2011 में प्रदान की है। मुकुन्दरा की पहाड़ियों में स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान सघन वनों से युक्त है।

प्रश्न : राजस्थान वानिकी एवं जैव-विविधता परियोजना

उत्तर : यह परियोजना जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेन्सी (JICA) से वित्त पोषित हैं। परियोजना की अवधि अक्टूबर 2011 से 2018-19 तक के लिए प्रभावी है। यद्यपि इसकी शुरुआत अप्रैल 2003 में ही हो गई थी।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य साझा वन प्रबंधन (JFM) की प्रक्रिया से कराए गए वृक्षारोपण एवं जैव-विविधता संरक्षण के कार्यों द्वारा वनाच्छादित क्षेत्र में वृद्धि करना, जैव-विविधता संरक्षित करना तथा वनों पर निर्भर जन-समुदाय की आजीविका के अवसरों को बढ़ाकर राजस्थान प्रदेश के पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान करना है।

राज्य के 15 जिलों तथा 7 अधिसूचित संरक्षित क्षेत्र यथा कुंभलगढ़, फुलवारी की नाल, जयसमंद, सीतामाता, बस्सी, कैलादेवी, रावली, टाड़गढ़ में परियोजना की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही है।

परियोजना के कार्य ग्राम्य वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से निष्पादित किये जा रहे हैं।

प्रश्न : मिटिगेटिंग पॉवर्टी इन वेस्टर्न राजस्थान।

उत्तर : यह परियोजना पश्चिमी राजस्थान के 6 जिलों के कुल 6 ब्लांक क्रमशः बाप (जोधपुर), सांकड़ा (जैसलमेर), बायतु (बाड़मेर), बाली (पाली), आबूरोड़ (सिरोही) और सांचौर (जालौर) में क्रियान्वित की जा रही हैं परियोजना का वित्तीय प्रबंधन, इंटरनेशनल फण्ड फोर एग्रीकल्चर डवलपमेन्ट, रतन टाटा ट्रस्ट, बैंकों द्वारा ऋण, राज्यांश तथा लाभार्थियों के योगदान से होना है।

इस परियोजना का उद्देश्य लक्षित परिवार समूह की आजीविका में सुधार, क्षमता सुदृढ़ीकरण, सतत् उद्यम तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, भौतिक तथा वित्तीय बाजार की और पहुँच सरल बनाकर गरीबी उन्मूलन करना है। इस परियोजना की गतिविधियों में क्षमता विस्तार तथा निर्माण के द्वारा सतही स्तर की संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण करना, सामुदायिक ढांचागत विकास, आजीविका सुधार तत्त्व जैसे- विपणन और रोजगार निर्माण द्वारा आय सृजन करना, वित्तीय सेवाओं का विकास तथा परियोजना प्रबंधन सम्मिलित है। परियोजनान्तर्गत 4900 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-130)

नीतिशास्त्र

100 शब्द

प्रश्न : गीता में योग की क्या परिभाषा है?

उत्तर : योग कर्मसु कौशलम अर्थात कार्यों का इस कुशलता से संपादन करना कि वे बंधन उत्पन्न न करें।

प्रश्न : गीता में कर्मफल मुक्ति के लिए कौनसा मार्ग श्रेष्ठ माना गयाहै?

उत्तर : गीता में ज्ञान को ही कर्मफल मुक्ति का साधन माना गया है।

प्रश्न : कांट के दर्शन में शुभ संकल्प की अवधारणा ?

उत्तर : विशुद्ध कर्त्तव्य भावना से अभिप्रेरित होकर कर्म करने का संकल्प ही शुभ संकल्प कहलाता है।

प्रश्न : काण्ट के अनुसार 'निरपेक्ष आदेश' को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : काण्ट के अनुसार सर्वोच्च एवं स्वतः साध्य नैतिक नियम ही निरपेक्ष आदेश है। इनकी पालना मनुष्य की इच्छा पर निर्भर नहीं वरन् यह स्वतः साध्य शुभ है। जिसका पालन करना मनुष्य के लिए अनिवार्य है।

प्रश्न : मिल के आंतरिक दबाव से क्या तात्पर्य है।

उत्तर : उपयोगितावादी मिल ने मनुष्य में दूसरों की सहायता करने की स्वभाविक भावना एवं परोपकारवृत्ति को आंतरिक दबाव की संज्ञा दी है।

प्रश्न : गुणात्मक भेद का मापदण्ड मिल किसे स्वीकार करते है।

उत्तर : मिल ने दर्शन में समाज के वे कुशल न्यायधीश जिन्होंने सभी प्रकार के सुखों को भोगा है। वे सुखों के मध्य गुणात्मक भेद का विभाजन कर सकते है।

प्रश्न : क्या भाग्यवाद संकल्प स्वातन्त्र्य का समर्थक सिद्धांत हैं?

उत्तर : नहीं, क्योंकि भाग्यवाद के अनुसार मनुष्य के सभी कर्म दैव इच्छा द्वारा नियत है। अतः वह कर्म करने के लिए स्वंतत्र नहीं।

प्रश्न : क्या विकल्पों की उपस्थिति संकल्प स्वतान्त्र्य के लिए आवश्यक है?

उत्तर : हां, यदि विकल्प नहीं हो तो वह उस कर्म को करने के लिए बाध्य होगा और ऐसा कर्म संकल्प की स्वतंत्रता नहीं माना जा सकता है। संकल्प की स्वतंत्रता के लिए दो विकल्पों की उपस्थिति होना आवश्यक है।

प्रश्न : प्लेटो का न्याय सिद्धान्त कौन से दो भागों में विभाजित है?

उत्तर : (i) सामाजिक न्याय का सिद्धान्त
(ii) व्यक्तिगत न्याय का सिद्धान्त

प्रश्न : प्लेटो का न्याय कानूनी है अथवा नैतिक ?

उत्तर : प्लेटों के दर्शन में न्याय का संबंध आंतरिक बाध्यता से है। अतः यह कानूनी अवधारणा के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

प्रश्न : काण्ट की कर्त्तव्य के लिए कर्त्तव्य अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : कांट परिणाम निरपेक्षवादी है इनके अनुसार मनुष्य को परिणाम निरपेक्ष होकर विशुद्ध कर्तव्य चेतना से अभिप्रेरित होकर कर्म करना चाहिए। कर्तव्य की भावना पर आधारित कर्म ही नैतिक दृष्टि से मूल्य रखता है। इसके अनुसार सच्ची नैतिकता बाह्य अरोपित न होकर आत्मारोपित ही होती है। यह बुद्धि के स्वाधीन संकल्प द्वारा ही संभव है।

प्रश्न : प्लेटो का न्याय का सिद्धान्त विधिगत है अथवा नीतिगत ? स्पष्ट कीजिए

उत्तर : प्लेटों का न्याय यूनानी भाषा के शब्द 'लेटोका न्याय' 'डिफैयोसीन' का अनुवाद है। यूनानी भाषा में इसका अर्थ कानूनी संदर्भ से अधिक व्यापक तथा नैतिकता के अधिक निकट है। इसी प्रकार विधिगत न्याय बाह्य होता है जबकि प्लेटों के अनुसार न्याय एक आंतरिक सद्गुण है जो व्यक्ति के विभिन्न गुणों में परस्पर सामंजस्य से उदित होता है। जिसके कारण व्यक्ति स्वतः ही स्वधर्म का पालन करता है।

प्रश्न : मिल के उपयोगितावाद को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मनुष्य को मूलतः स्वार्थी मानते है। जो मनुष्य स्वार्थी होते हुए भी पांच दबावों भौतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं आंतरिक दबावों के कारण दूसरों के हित को प्रेरित होकर कर्म करता है। जिसके कारण वह अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख से प्रेरित होकर कर्म करता है, मिल बौद्धिक सुख को अधिक महत्त्व देते है और सुखों में परिमाणात्मक भेद के साथ गुणात्मक भेद भी स्वीकार करते है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-131)

व्यवहार

15 शब्द

प्रश्न : निर्मितिवाद

उत्तर : मनुष्य को उनके सामाजिक-भौतिक वातावरण के अन्वेषणों द्वारा अपने मन की सक्रिय रचनाकर्त्ता के रूप में देखने की आधुनिक विचारधारा

प्रश्न : संज्ञान

उत्तर : वातावरण के संबंध में ज्ञान विकसित होने की विशिष्ट प्रक्रिया, जिसमें चिंतन, समझ, प्रत्यक्षण, स्मरण, समस्या समाधान आदि मानसिक क्रियाएं शामिल हों।

प्रश्न : मनो सामाजिक अभिप्रेरक

उत्तर : व्यक्ति की उसके सामाजिक परिवेश के साथ अतः क्रिया के परिणामस्वरूप उत्पन्न अभिप्रेरकों का जटिल रूप।

प्रश्न : तरल बुद्धि

उत्तर : जटिल संबंधों का प्रत्यक्षण करने, अमूर्त रूप से तर्क करने तथा समस्याओं का समाधान करने की योग्यता।

प्रश्न : शील गुण

उत्तर : वह एकल विशेषक, जो व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व में प्रमुखता से विद्यमान रहता हो (आलपोर्ट)।

प्रश्न : कूट संकेतन

उत्तर : आने वाली सूचना को इस प्रकार पंजीकृत करना ताकि वह स्मृति तंत्र के अनुरूप हो, कूट संकेतन है।

प्रश्न : आगमनात्मक तर्कना

उत्तर : विशिष्ट तथ्यों एवं प्रेक्षण पर आधारित तर्कना, जिससे विशिष्ट प्रेक्षणों पर आधारित सामान्य निष्कर्ष निकलें।

प्रश्न : मनोबिदलता

उत्तर : मनःस्तापी प्रतिक्रियाओं का समूह जिसमें समाकलित व्यक्तित्व कार्यशीलता विघटित हो जाती है वास्तकिता से विनिवर्तन एवं व्यवहार विक्षुब्ध हो।

50 शब्द

प्रश्न : नैतिक विकास के घटक

उत्तर : मानव शिशु के विकास का महत्त्वपूर्ण पक्ष, जिसमें वह मानवीय क्रियाओं के सही/गलत होने के बीच अंतर करना, अपराध बोध की अनुभूति करना, स्वयं को दूसरे व्यक्ति के स्थान पर रखकर देखना तथा दूसरे लोगों की कठिनाई में मदद करना सीखते हैं।

प्रश्न : हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धान्त का संक्षेप में वर्णन कीजिए

उत्तर : गार्डनर के अनुसार बुद्धि कोई एक तत्त्व नहीं है बल्कि कई भिन्न-भिन्न प्रकार की बुद्धियों का अस्तित्व होता है। प्रत्येक बुद्धि एक दूसरे से स्वतंत्र रहकर कार्य करती है अर्थात् किसी व्यक्ति में एक बुद्धि की मात्रा अधिक है तो यह आवश्यक नहीं कि उस व्यक्ति में कोई अन्य बुद्धि अधिक होगी। गार्डनर ने बताया कि किसी समस्या का समाधान खोजने के लिए सभी प्रकार की बुद्धियां आपस में अंतःक्रिया करते हुए साथ-साथ कार्य करती है। गार्डनर ने भाषागत, तार्किक गणितीय, देशिक, संगीतात्मक, शारीरिक-गतिसंवेदी, अन्तःवैयक्तिक, अन्तःव्यक्ति, प्रकृतिवादी इत्यादि आठ प्रकार की बुद्धियों का वर्णन किया है।

प्रश्न : अंतःदृष्टि अधिगम की विशेषताएं :-

उत्तर : कोहलर द्वारा प्रदर्शित अधिगम की ऐसी प्रक्रिया, जिसके द्वारा किसी समस्या का समाधान एकाएक स्पष्ट हो जाता है। इस अधिगम में अचानक समाधान प्राप्त होना अनिवार्य है। एक बार समाधान मिल जाने पर, अगली बार समस्या उपस्थित होने पर उसकी पुनरावृत्ति तत्काल की जा सकती है। जो अधिगम किया गया है वह साधन तथा साध्य के बीच एक संज्ञानात्मक संबंध है।

प्रश्न : अधिगम अशक्तता।

उत्तर : बच्चे में जन्मजात रूप में अन्तर्निहित विभिन्न प्रकार के विकारों का समूह, जिनके कारण सीखने, पढ़ने, लिखने, बोलने, तर्क करने तथा गणित के प्रश्न हल करने में कठिनाई होती है।

मुख्यतः केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की कार्यविधि में समस्याओं के कारण अधिगम अशक्तता पाई जाती है। अधिगम अशक्तता के साथ-साथ बच्चे में शारीरिक अक्षमता, संवेदी अक्षमता, मानसिक मंदन भी हो सकता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-132)

भारत का भूगोल

100 शब्द

प्रश्न : भारत महासागर के शीर्ष पर स्थित होने के कारण भारत को होने वाले लाभ।

उत्तर : भारत हिन्द महासागर के शीर्ष पर स्थित है। इसके दक्षिण में श्रीलंका एवं मालद्वीप, दक्षिण-पूर्व में एशियाई देश तथा पश्चिम में पश्चिम एशिया के देश स्थित हैं। भारत की यह विशिष्ट स्थिति उसके व्यापार और वाणिज्य के दृष्टिकोण से अत्यधिक लाभकारी है। इसी से होकर विश्व के महत्त्वपूर्ण वाणिज्यिक और व्यापारिक मार्ग गुजरते हैं। पूर्वी एशिया एवं दक्षिण-पूर्वी एशिया से आस्ट्रेलिया जाने वाला सामुदायिक मार्ग भी भारतीय महासागर से ही गुजरता है।

भारत की ऐसी स्थिति उसके पर्यावरण एवं जलवायु संबंधी विविधता हेतु भी जिम्मेदार है। दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवा से ही भारत में जीवनदायी कृषि एवं प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा संभव हो पाती है। अतः भारतीय महासागर के शीर्ष पर स्थित होने के कारण भारत को अनेक प्रकार के लाभ हैं।

प्रश्न : अरावली को मेवाड़ और मारवाड़ के बीच का विभाजन क्यों कहा जाता है?

उत्तर : राजस्थान के लगभग मध्य में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर अरावली पर्वत श्रृंखला फैली हुई है। यह पर्वत श्रृंखला मेवाड़ (उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा व डूंगरपुर) एवं मारवाड़ (जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, नागौर, पाली आदि।) को भौगोलिक, जलवायविक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से दो भागों में विभाजित करती है। मेवाड़ी प्रदेश में अति आर्द्र जलवायु पायी जाती है। इस प्रदेश का औसत तापमान ग्रीष्म ऋतु में 34°c से 36°c तक तथा शीत ऋतु में 14°c से 17°c के मध्य पाया जाता है। प्रदेश में वर्षा का औसत 80 सेमी. तक रहता है। यह प्रदेश प्राकृतिक वनस्पति की दृष्टि से राज्य का सर्वाधिक समृद्ध भाग माना जाता है। मारवाड़ प्रदेश में अर्द्ध-शुष्क जलवायु पायी जाती है। इस प्रदेश का औसत तापमान ग्रीष्म ऋतु में 32°c से 36°c तथा शीत ऋतु में 10°c से 17°c तक पाया जाता है। इस प्रदेश में वर्षा अनिश्चित एवं तूफानी प्रकार की होती है। वनस्पति स्टेपी प्रकार की अर्थात् कांटेदार पेड़ पाये जाते हैं।

प्रश्न : भारत में मृदा अपरदन के कारण और उसका नियंत्रण के उपाय।

उत्तर : भारत में मृदा अपरदन के कई कारक हैं जो निम्न प्रकार है :-

1. नदी द्वारा अपरदन से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र चंबल, बेतवा एवं सोन नदी क्षेत्र है।
2. भू-परत अपरदन की सर्वाधिक समस्या राजस्थान में है। वायु द्वारा मिट्टी की बलुआ परत उड़ जाती है।
3. मध्य-प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत तथा छोटा नागपुर के सघन वन वाले क्षेत्रों में वर्षा से अपरदन होता है। मृदा अपरदन नदी, वायु, मानसून से पूर्व शुष्क वायु तरंग एवं वन विनाश के कारण होते है। मृदा अपरदन को निम्नलिखित उपायों से नियंत्रित किया जा सकता है :-

(i) वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से
(ii) वन विनाश से हुई क्षति को पूरा करने के लिए क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रारंभ कर।
(iii) सामाजिक वानिकी के तहत सरकारी भूमि एवं गांवों में वृक्षारोपण पर जोर दिया जाता है।
(iv) पठारी भागों में सीढ़ीनुमा खेती। कृषि पद्धति अपनाने से मृदा अपरदन रूक सकता है।

प्रश्न : उत्तर भारत में शीतकालीन वर्षा का अधिकतर संबंध जेट धाराओं और पश्चिमी विक्षोभों से होता है। प्रकाश डालिये-

उत्तर : उत्तर भारत में शीतकाल में मौसम भूमध्यसागर एवं पश्चिमी अटलांटिक में उत्पन्न अधिक दबाव प्रणाली से प्रभावित होता है। मध्य एशिया में तापमान कम होने से अधिक दबाव का क्षेत्र बनता है। यह अधिक दबाव का क्षेत्र ईरान एवं पाकिस्तान होते हुए शीतकाल में भारत में पहुँचता है। इसे पश्चिमी विक्षोभ कहते हैं। मध्य एशिया में अधिक दबाव के कारण जेट स्ट्रीम दो धाराओं में विभक्त हो जाता है। दक्षिणी सबट्रोपिकल जेट स्ट्रीम एवं ध्रुवीय जेट स्ट्रीम। दक्षिणी सब ट्रॉपिकल जेट स्ट्रीम पूर्वोत्तर हवा को दक्षिणी एशिया की ओर मोड़ देता है। ये अरब सागर में नमी ग्रहण करते हैं तथा उत्तरी भारत में शीतकाल में वर्षा के कारण बनते है। पश्चिमी विक्षोभ पूर्व की ओर 30 डिग्री उत्तर से 60 डिग्री उत्तर की ओर उच्च अक्षांश में यात्रा करते हुए पश्चिमी हिमालय में प्रवेश करते हैं। इनके द्वारा मार्ग में सोखे गये नमी से 34 डिग्री उत्तरी से 36 डिग्री उत्तरी अक्षांश में भारी वर्षा होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-133)

सामाजिक मुद्दे

100 शब्द

प्रश्न : भारत में क्षेत्रीयतावाद के उदय होने के कारणों की चर्चा कीजिए। यह किस प्रकार राजनीतिक प्रणाली को प्रभावित करती है?

उत्तर : क्षेत्रीयता क्षेत्र विशेष में निवास करने वाले लोगों का अपने क्षेत्र के प्रति विशेष लगाव की भावना है, जिसे कुछ सामान्य आदर्श, व्यवहार, विचार तथा निवास के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। क्षेत्रीयतावाद के उदय हेतु निम्न कारण जिम्मेदार हैं।

भौगोलिक कारक - देश के भौगोलिक रूप से भिन्नता के कारण एक क्षेत्र का दूसरे क्षेत्रों से सामाजिक-धार्मिक, रीति-रिवाज, भाषा, परम्पराएं, पोशाक, आभूषण, खान-पान, रहन-सहन आदि का भिन्न होना।

राजनीतिक कारक :- राजनीतिक स्वार्थवश अनेक राजनीतिक दलों द्वारा अपने हितों की पूर्ति हेतु क्षेत्रीयता का प्रसार करना।

सांस्कृतिक कारक - भाषा, संप्रदाय, जाति जैसे तत्वों ने भी क्षेत्रीयता के उदय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आर्थिक कारक :- आर्थिक विकास की गतिविधियों का सभी क्षेत्रों में एक समान न होना। फलतः पिछड़े क्षेत्रों में असंतोष पैदा हुआ और क्षेत्रीयता का प्रसार हुआ। क्षेत्रीयता राजनीति प्रणाली को अधिक प्रभावित करती है। साझा सरकारों का गठन होने से स्वस्थ लोकतांत्रिक परम्पराएं ध्वस्त होने लगती हैं।

प्रश्न : सांप्रदायिकता भारत में लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। विश्लेषण करें।

उत्तर : लोकतांत्रिक भारत के लिए सांप्रदायिकता गंभीर खतरा है। जिससे हमारे विभिन्न धर्म एवं संस्कृतियों का ताना-बाना टूट रहा है। जहां एक तरफ स्वतंत्रता की लड़ाई में सभी क्षेत्रों, धर्मों, भाषाओं तथा जातियों के लोगों ने स्वतंत्रता में अपना योगदान दिया था, वहीं वर्तमान में सांप्रदायिकता देश में तेजी से फैलती जा रही है। चाहे कारण सहिष्णुता में आ रही निरन्तर कमी हो अथवा वोट बैंक की राजनीति।

प्रतिदिन देश का कोई न कोई हिस्सा गोधरा बनता दिखाई दे रहा है। भारत में अनेक जनजातियां निवास करती हैं जो बदलाव के दौर में हैं।

धर्म के नाम पर भारत ने विभाजन को देखा है, अतः इन सामाजिक तनावों का शीघ्र सामूहिक समाधान खोजना होगा ताकि धर्म के नाम पर निरन्तर हो रहे दंगों को रोका जा सके तथा प्रचुर मानव संसाधनों का उपयोग भारत के सुनहरे भविष्य निर्माण में हो सके।

प्रश्न : सहायता प्राप्त जनन प्रौद्योगिकी से क्या तात्पर्य है? भारत में किराया कोख का नियंत्रण करने के लिए नियमन-निर्माण करने में कौन-कौनसे जैविक, विधिक एवं नैतिक मुद्दे विचार करने योग्य हैं?

उत्तर : सहायता प्राप्त जनन प्रौद्योगिकी से तात्पर्य गर्भधारण की उस प्रविधि से है जिसमें संतान उत्पत्ति हेतु स्त्री द्वारा उत्सर्जित ताजे अंडाणु और पुरुष से शुक्राणु इकट्ठा करके मादा के शरीर के बाहर निषेचित कराया जाता है। तत्पश्चात इनविट्रो द्वारा प्राप्त भ्रूण को किसी अन्य स्वस्था माँ के गर्भ में स्थापित कर दिया जाता है। किन्तु इस तकनीकी के साथ कुछ जैविक, नैतिक एवं विधिक समस्याएं भी जुड़ी है, जो निम्न है?

जैविक मुद्दे- गर्भधारण करने वाली सेरोगेट माँ को अन्य स्वास्थ्य संबधी समस्याओं जैसे - जोड़ों में दर्द, चक्कर आना, त्वचा का ढीला होना आदि का सामना करना पड़ता है। इस प्रविधि में शिशु उत्पन्न होने की सफलता दर भी 40.40 प्रतिशत ही है। साथ ही यह प्रविधि महंगी एवं सामान्यजन के आर्थिक सामर्थ्य से बाहर है।

नैतिक मुद्दे - डॉनर के अधिकार एवं कर्तव्य, सेरोगेट मां के अधिकार एवं कर्तव्य तथा बच्चे की नागरिकता के संबंध में विधिक नियम स्पष्ट नहीं है।

प्रश्न : सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना सरकार की एक उचित पहल है। आलोचनात्मक व्याख्या करें।

उत्तर : यह जनगणना आयोग और ग्रामीण विकास मंत्रलाय के द्वारा सम्पन्न करवाई गई है। इस जनगणना के समर्थकों एवं सरकार का मानना है कि इससे भारत में में गरीबों की उचित संख्या का पता लगाया जा सकेगा। इससे यह भी पता चल सकेगा कि सरकारी योजनाओं एवं अनुदानों का वास्तविक हकदार कौन है तथा कौन नहीं। यह भी पता चल सकेगा कि भारत में दिया गया जाति आधारित आरक्षण गरीबों को उबारने में कितना मददगार है।

दूसरी तरफ जाति आधारित जनगणना के विरोधियों का मानना है कि इस भ्रामक पहल द्वारा पुनः कुछ सत्ता लोलुप लोगों गरीबी के नाम पर अपना वोट बैंक तैयार करेंगे।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-134)

भारतीय संस्कृति एवं विरासत

100 शब्द

प्रश्न : भारतीय संस्कृति का धर्मनिरपेक्ष चरित्र एक लंबी अवधि ा के दौरान विविध सांस्कृतिक समुदाय के लोगों के अंतर्मिलन का परिणाम है। चर्चा करें।

उत्तर : भारतीय संस्कृति का धर्मनिरपेक्ष चरित्र एक लंबे समय तक विभिन्न सांस्कृतिक समूहों से संबंधित लोगों के आपस में मेल जोल का परिणाम है। हालांकि, यहा समय-समय पर आपसी संघर्ष के उदाहरण भी प्राप्त होते हैं कि भारत में विचारों और आदतों की विशाल विविधता पायी जाती है। ऐसी विविधता में किसी भी एक विशेष सोच का प्रभुत्व संभव नहीं है।

- संविधान भारत के एक धर्मनिरपेक्ष देश होने की घोषणा करता है। किसी के साथ भी धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है। धर्म की आजादी का अधि ाकार हमारी राजनीति की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को सुनिश्चित करता है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का विकास चर्च और राज्य के पूर्ण पृथक्करण से है।
- भारत में, धर्मनिरपेक्षता को सभी के तथा विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा की दृष्टि से देश की जटिल सामाजिक संरचना का सामना करने के लिए एक अधिक सकारात्मक अवधारणा के रूप में लिया जाता है।

प्रश्न : पश्चिम भारत के मंदिर स्थापत्य की दो प्रमुख शैलियों महा-मारू तथा मरू-गुर्जर के मध्य अंतरों को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : मरू-गुर्जर मंदिर वास्तुकला की शुरुआत 6 वीं शताब्दी में राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में हुई थी। मरू-गुर्जर वास्तुकला की दो प्रमुख शैलियां है: महा-मारू और मरू-गुर्जर। महा-मरू शैली मुख्य रूप से मरूदेश, सपादलक्ष, सूरसेन और उपरमाल के कुछ हिस्सों में विकसित हुई, जबकि मरू-गुर्जर का उद्भव मेदपाता, गुर्जरदेस-अबुर्दा, गुर्जरदेस-अनरता और गुजरात के कुछ क्षेत्रों में हुआ।

महा-मारू शैली की विशेषताएं हैं :- उच्च और ढाला हुआ छत (जगत), बहुत कंगूरेदार शिखर (लैटिन शिखर), अलंकृत दरवाजे के फ्रेम और मूर्तियां और खंभे पर जटिल काम किये हुए घट-पल्लव आकृति और एक लंबा फुटपाथ (उद्गम)।

मरू-गुर्जर की विशेषताएं हैं : ढाले हुए तहखाने (पीठा), एक पिरामिड छत और इसके पहले चरण में स्पष्ट रूप से महा-मरू शैली से कम अलंकृत मूर्तिकला।

प्रश्न : राजस्थानी शैली और पहाड़ी शैली के महत्वपूर्ण अभिलक्षणों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर : **राजस्थान शैली :-** इसे राजपूत शैली भी कहा जाता है। इस शैली का मुख्य केन्द्र राजस्थान था। लेकिन इसके चित्रों का मुख्य दृश्य 'रागमाला' है। इस शैली के अंतर्गत धार्मिक दृश्य, राधा-कृष्ण लीला, राजदरबार के दृश्य प्रमुखता से चित्रित है। राजस्थानी शैली रंगों के गतिशील विस्तार एवं उच्च रैखिक निरूपण के लिए विख्यात हैं- आमेर शैली, मेवाड़ शैली, किशनगढ़ शैली, बूंदी शैली, बीकानेर शैली एवं जोधपुर शैली। इस शैली के अंतर्गत विकसित प्रमुख शैलियां हैं।

पहाड़ी चित्रकला :- कश्मीर, हिमाचल, पंजाब एवं उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में विकसित प्राचीन भारतीय चित्रकला का संशोधित रूप है। इसकी कई उप-शैलियां हैं, जिन्होंने कालान्तर में स्वतन्त्र अस्तित्व ग्रहण कर लिया जैसे- बसौली शैली, गुलेर शैली, कांगड़ा शैली, जम्मू शैली, चंबा शैली एवं गढ़वाल शैली। इस शैली में प्रकृति का निरूपण प्रमुखता से किया गया है।

प्रश्न : भारत में चमकहीन मृदभाण्ड निर्माण की प्रमुख शैलियां कौन-कौनसी हैं?

उत्तर : चमकहीन मृदभाण्ड भारत में प्रयोग की जाने वाली मृदभाण्ड का सबसे परम्परागत रूप है। अब तक ज्यादातर मृदभाण्ड काले एवं लाल रंग में पाए गये हैं। मुख्यतौर पर तीन तरह के मृदभाण्ड है-

कागजी मृदभाण्ड :- जिसमें अत्यन्त ही पतली बिस्कुट के रंग के मृदभाण्ड का निर्माण किया जाता है। यह मुख्यत: कच्छ, कानपुर, अलवर तथा उत्तरी भारत के इलाकों में बनाया जाता है।

स्क्रेफिटो तकनीक :- यह लाल एवं सफेद पेचीदा नक्काशी युक्त होता है।

तीसरा :- काफी चमकीला मृदभाण्ड होता है। काला मृदभाण्ड एक और चमकहीन मृदभाण्ड का उदाहरण है। जिसमें हड़प्पा मृदभाण्ड पद्धति को प्रयोग में लाया जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-135)

पर्यावरण

100 शब्द

प्रश्न : जैव विविधता से आप क्या समझते है? जैव विविधता के अपक्षय के कारणों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : जैविक विविधता का तात्पर्य पृथ्वी पर पाए जाने वाले पादपों, जन्तुओं, सूक्ष्म जीवों आदि विभिन्न प्रारूपों से है। इसमें विभिन्न जातियों के साथ-साथ उनकी उप-जातियां एवं उप इकाइयों को भी शामिल किया जाता है। तथा विभिन्न जातियां और प्रजातियां अलग-अलग चारित्रिक विशेषताएं लिए हुए होती हैं। मानव द्वारा निरंतर अपने लाभ के लिए प्रकृति का दोहन जैव-विविधता अपक्षयन का मुख्य कारण है। कृषि क्षेत्र के विकास, नये आदिवासीय क्षेत्रों के स्थापना, सड़कों, उद्योगों की स्थापना, विशाल आकार के खानों, खादानों की उपस्थिति आदि के क्रम में बड़ी मात्रा में वनीय संपदा, वनस्पतिक प्रजातियां एवं इनमें निवास करने वाले जन्तुओं का विनाश किया गया। चमड़े, दांत, औषधि आदि के प्राप्ति हेतु मानवीय प्रदूषकों के कारण अन्धाधुंध शिकार ने इन प्रजातियों के विलुप्त होने की आशंका उत्पन्न कर दी है। व्यापक औद्योगिक, परिवहन एवं मानवीय प्रदूषकों के कारण सूक्ष्म जीवों की प्रजातियां समाप्त होती जा रही हैं। सामुद्रिक क्रिया-कलापों एवं मूंगा आदि सूक्ष्म जीवों को नुकसान पहुँच रहा है। पक्षियों के शिकार एवं प्राकृतिक पर्यावरण उजड़ने के कारण पक्षियों की प्रजातियां लुप्त हो रही हैं।

प्रश्न : भारत में गरान वनस्पति कहाँ पायी जाती है? इनकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : गरान वनस्पतियां विश्व के ऐसे कटिबंधीय प्रदेशों की विशिष्ट वानिकी पारिस्थितकीय व्यवस्था है, जो आच्छादित तटों और नदी मुहानों के साथ लगते हैं। गरान वनस्पतियां भारतीय तट रेखा के साथ-साथ परिरक्षित मुहानों, ज्वारीय खाड़ियों, लवणीय दलदली क्षेत्रों और दलदली मैदानों में पायी जाती है। गरान वनस्पतियों के महत्त्व को देखते हुए सरकार ने गरान वनस्पतियों के संरक्षण व प्रबंधन के लिए एक योजना तैयार की है। एक राष्ट्रीय गरान वनस्पति समिति गठित की गयी, जिसे गरान वनस्पतियों के संरक्षण संबंधी कार्यक्रम की नीतियां तैयार करने व इनके क्रियान्वयन के लिए सरकार को परामर्श देने का कार्य सौंपा गया। समिति की सिफारिशों के आधार पर 15 वनस्पति क्षेत्र चुने गये हैं, जिनके नाम हैं : उत्तरी अंडमान और निकोबार, सुन्दरवन, भीतर कणिका, कोकींगा, गोदावरी डेल्टा और कृष्णा नदी का मुहाना, महानदी का डेल्टा, पिचवरम और बलीमेट, बिन्दु, गोवा, कच्छ की खाड़ी, कुंडापुर, अचर-रत्नगिरी और बेंबानद।

प्रश्न : आर्द्रभूमियों और भारत में पारिस्थितिक संरक्षण में उनकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

उत्तर : आर्द्र भूमियां वे भूमियां होती हैं जहां कि भूमि मौसमी अथवा नियमित रूप से आर्द्रता भरी होती है, जिसमें लवण, स्वच्छ जल, खारे जल से संबंधित सभी क्षेत्र शामिल होते हैं। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 18.4 प्रतिशत भाग आर्द्र भूमियों वाला है। भारत के आर्द्र भूमि क्षेत्र पारिस्थितिकी दृष्टि से अत्यधिक सम्पन्न क्षेत्र हैं। ये भारत के पारिस्थितिकीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ये भारत में कई प्रकार की विशिष्ट जीव प्रजातियों के संरक्षण क्षेत्र भी हैं और जलवायु परिवर्तन के लिए कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं भारत ने आर्द्र भूमि से संबंधित रामसर संधि पर हस्ताक्षर कर दिए हैं जो आर्द्र भूमियों और उनके संसाधनों के संरक्षण से संबंधित महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संधि है।

प्रश्न : पर्यावरण एवं उसके घटकों के संबंध में जागरूकता पर चर्चा कीजिए।

उत्तर : वह आवृत्ति जिसमें जैव और अजैव का एक दूसरे के साथ अन्योनाश्रय संबंध होता है, पर्यावरण कहलाता है। संतुलित पर्यावरण के भीतर पौधों और जीवों की विभिन्न प्रजातियों के बीच तथा जैव और अजैव के बीच संतुलन रहता है। पर्यावरण के दो मुख्य घटक हैं। जैव तथा अजैव। जैव घटक में जीवाणु, विषाणु, पौधे, पशु आदि आते हैं। तथा अजैव घटक में मिट्टी, पानी, चट्टानें आदि आते हैं। बढ़ती मानवीय सक्रियता से पर्यावरण को खतरा उत्पन्न हो गया है।

संसाधनों की प्राप्ति के लिए हो रहे लगातार प्रयास के चलते वनों की कटाई बढ़ती चली जा रही है जिससे जैव विविधता को लगातार हानि पहुंच रही है। अतः पर्यावरण के प्रति जागरूकता द्वारा ही प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण संभव है। आवश्यकता से अधिक दोहन रोकने के लिए सार्थक कदम की आवश्यकता है क्योंकि हमारा भविष्य तभी तक सुरक्षित है जब तक पर्यावरण सुरक्षित है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-136)

लोक प्रशासन

100 शब्द

प्रश्न : 'यद्यपि लोक और निजी प्रशासन के बीच समानता के कुछ बिन्दु हैं, तथापि कोई भी निजी संगठन कभी-भी लोक संगठन के नितांत समान नहीं हो सकता। व्याख्या कीजिये।'

उत्तर : **लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में समानता के बिन्दू :-**

1. लेखा, सांख्यिकी कार्यालय और प्रक्रियाएं तथा स्टाफ की जांच लोक प्रशासन और निजी प्रशासन में समान होती है।
2. लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन में नियोजन, संगठन, स्टाफिंग, निर्देशन, नियंत्रण, रिर्पोटिंग और बजटिंग की क्रिया अपनाई जाती है।

लोक प्रशासन व निजी प्रशासन में असमानता के बिन्दू :-

1. लोक प्रशासन की प्रक्रिया सरकार की नीति के अनुसार होती है। लक्ष्यों व उद्देश्यों के अनुरूप निर्देशन, प्रेरणा, समन्वय, रिपोर्टिंग और सुधारात्मक कार्यवाही की जाती है। निजी प्रशासन में लक्ष्य एवं उद्देश्य मुख्यतः आर्थिक ही होता है।
2. जहां लोक प्रशासन में नियोजन का उद्देश्य व्यापक होता है, वहीं निजी प्रशासन का उद्देश्य आर्थिक होता है।

संक्षेप में, दोनों प्रशासन निरपेक्ष रूप से समान नहीं हो सकते, क्योंकि दोनों के उद्देश्यों का स्रोत, क्षेत्र, प्रकृति, स्वरूप, आकार स्थिति, दायित्व, कार्यकारण, कुशलता, वित्त प्रशासन, जवाबदेयता से भिन्न होती है।

प्रश्न : संगठन क्या है? संगठन का महत्व स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : संगठन समूहों के द्वारा किये जाने वाले कार्यों की एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा उपलब्ध साधनों के प्रयोग के लिए सुव्यवस्थित, रचनात्मक और समन्वय पूर्ण क्रियाक्षेत्र तैयार करने का प्रयत्न किया जाता है। कार्य की सफलता या असफलता इस बात पर निर्भर करती हैं कि संगठन कितना सुव्यवस्थित हैं।

दो या दो से अधिक व्यक्तियों के सम्मिलित एवं समन्वित क्रियाओं की व्यवस्था संगठन है। यह कर्मचारियों का ऐसा समूह है, जो सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्न करता है। संगठन में सहकारिता के तत्व/विभिन्न क्षमता वाले सामूहिक प्रयास अनिवार्य होते है। जो कि संगठन के सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक है।

संगठन में शामिल व्यक्तियों का समूह सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति हेतु एक नेता के निर्देशन में कार्य करता है। संगठन एक प्रकार का सम्प्रेषण जाल है। जो समूह के उत्तरदायित्वों को परिभाषित करता है।

प्रश्न : 'प्रत्यायोजित विधान एक आवश्यक बुराई है।' परीक्षण कीजिए।

उत्तर : कार्य की व्यापकता एवं अधिकता के कारण उच्च अधिकारी द्वारा अधीनस्थ कर्मचारियों को कार्य अधिकार का सौंपा जाना, ताकि वह अनेक दायित्वों का निर्वहन कर सके, प्रत्यायोजन है। इसमें अंतिम उत्तरदायित्व उच्च अधिकारी का ही होता है। प्रशासन में प्रत्यायोजन उच्च से निम्न पद की ओर होता है। बिना प्रत्यायोजन के प्रशासनिक संगठन सफलता एवं कुशलतापूर्वक कार्य नहीं कर सकते हैं।

कार्य बोझ, तकनीकी जटिलता, समय की बचत, सीखने का माध्यम, प्रबंधकीय गुणों में विकास, संगठनात्मक लचीलापन, मितव्ययिता एवं कुशलता, उत्तराधिकार में सहायता आदि के कारण प्रत्यायोजन का महत्त्व है।

निर्देशन, योग्यता का अभाव, अधिकारियों का मिथ्या दंभ, अधिनस्थों में विश्वास का अभाव, अधिनस्थों में भय, प्रभुत्व स्थापना की आकांक्षा, समन्वय की कठिनाई, आत्म-विश्वास का अभाव, प्रेरणा की कमी, सूचनाओं का अभाव आदि कारणों से प्रत्यायोजन सही समय पर नहीं हो पाता, जिससे प्रशासनिक कुशलता गिरती हैं।

प्रश्न : विकास का प्रशासन और प्रशासन का विकास में अन्तर स्पष्ट कीजिए-

उत्तर : विकास का प्रशासन यह एक ऐसी प्रक्रिया से जुड़ा है, जिसके द्वारा लोक प्रशासन प्रणाली समाज में सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीति परिवर्तनों का संचालन करती है। वही प्रशासन के विकास से तात्पर्य है कि यह प्रशासनिक प्रणाली के भीतरी परिवर्तनों की गति का अध्ययन करता है। इसमें प्रशासनिक क्षमताओं को मजबूत करने का भाव शामिल रहता है। विकास प्रशासन के कुशल एवं प्रभावशाली होने के लिए विकास प्रशासन को अपनी प्रशासनिक योग्यताओं तथा संरचनात्मक एवं व्यवहारिक परिवर्तन के क्षेत्र का विस्तार करना आवश्यक है।

विकास लक्ष्यों के प्रभावी प्राप्ति के लिए प्रशासनिक क्षमता में वृद्धि आवश्यक है व प्रशासनिक क्षमता में वृद्धि योजनाबद्ध विकास से जुड़ी हुई है। प्रशासन का विकास व विकास का प्रशासन दोनों प्रक्रियाएं आपस में एक कड़ी का काम करती हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-137)

अर्थव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : प्रत्यक्ष लाभ हस्तांरण (DBT) सब्सिडी के दुरूपयोग को रोकने का सर्वश्रेष्ठ उपाय है टिप्पणी करें।

उत्तर : DBT योजना का मुख्य उद्देश्य बिचौलियों की मनमानी को कम कर के लाभार्थी तक वास्तविक लाभ को पहुँचाना है इस से बिचौलियों की निरंकुशता पर नियंत्रण लगेगा एवं सरकारी खजाने पर बोझ भी कम पड़ेगा। कुछ सरकारी आंकड़े बताते है कि गैस सिलिंडर प्रणाली में डीबीटी योजना को लागू करने से सालाना हजारों करोड़ की सरकारी खजानों में बचत होगी, जिसे सरकार अन्य किसी जनकल्याणकारी योजनाओं में लगा सकती है। अगर इन योजनाओं को अन्य सरकारी योजनाओं में लागू किया जाए तो इस से सरकारी खजानों में भारी बचत होगी, जैसे जन वितरण प्रणाली, इंदिरा आवास योजना, छात्रवृत्ति, वृद्धा पेंशन योजना इत्यादि। डीबीटी योजना से जाली उपभोक्ताओ की संख्या लगभग समाप्त हो जाऐगी। जिससे उनको भुगतान की जाने वाली सब्सीडी की बचत होगी। जिसका परिणाम भविष्य में सुखद होगा।

प्रश्न : सोने का मौद्रिकरण हमारे व्यापार संतुलन को ठीक करेगा तथा एस. एल.आर. के साथ अपने जुड़ाव के कारण अर्थ व्यवस्था में निवेश भी बढ़ाएगा। व्याख्या करें।

उत्तर : सोने का मौद्रिकरण योजना के अंतर्गत लोग अधिकृत संस्था के पास अपना सोना जमा करा सकते है और उस से ब्याज अर्जित कर सकते है। तथा तय समय के बाद वे अपना सोना वापस ले सकते है। इस योजना के अंतर्गत लिए गये एवं अधिकृत संस्था के पास सोने का भण्डार भी रहेगा जिससे सोने की आयात की समस्या को भी नियंत्रण में लिया जा सकेगा इसमें यह भी प्रस्ताव है कि बैंक इस सोने को CRR/SLR के तौर पर भी RBI के पास रख सकेगी अतः इससे बाजार में धन का बहाव बढ़ेगा और बैको के पास ऋण देने के लिए पर्याप्त धन भी उपलब्ध रहेगा, जिससे अर्थव्यवस्था में धन का निवेश स्वतः ही बढ़ जायेगा।

प्रश्न : प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रवाह में विभिन्न कारकों के प्रभाव का परीक्षण करें। भारत के संदर्भ में परीक्षण करें कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवोन्मेष को बढ़ावा देगा?

उत्तर : प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का अर्थ किसी देश के निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के कंपनी में किसी दूसरे देश के निवेशकों की हिस्सेदारी। एफ.डी.आई. को प्रभावित करने वाले मुख्य कारण निम्न है :

1. **नीति** : उदार औद्योगिक एवं व्यापार नीति, विदेशीमुद्रानीति ,कर नीति
2. **बौद्धिक संपदा अधिकार कानून** : उरूग्वे दौर की वार्ता पेटेंट पर स्पष्ट उम्मीदों की स्थापना ।
3. **बाजार का आकार, सकल घरेलू उत्पाद** : भारत का जी डी पी विकास दर एवं वृहद् बाजार एफ डी आई को आकर्षित कर रहा है
4. **अन्य कारण** : कम श्रम लागत, लागत प्रभावी इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुसंधान एवं विकास की स्थिति, मुद्रा स्फिति की दर, औद्योगिक विवाद समाधान तंत्र इत्यादि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भारत में नवाचार को बढ़ावा दे सकते है।

1. अनुसंधान एवं विकास में भारी निवेश की जरूरत है।
2. रोजगार में विकास वेतन वृद्धि एवं मध्यम वर्ग में नई मांग को बढावा देता है।
3. घरेलू और विदेशी सहयोग से नवाचार की स्थिति बनती है।

प्रश्न : कर अपवंचना क्या है? कर अपवंचन कम करने के उपाय बताइए।

उत्तर : कानून की कमियों का गलत फायदा उठाकर कर कर को जमा नहीं करना कर अपवंचना कहलाता है। कर अपवंचन अनैतिक तरीके से व्यापारियों, निगमों, पूंजीपतियों एवं व्यक्ति द्वारा कर देने से बचना है। जिससे सरकारी खजाने को बहुत हानि हो रही है।

कर अपवंचन कम करने के निम्न उपाय हैं :-

1. करदर को कम करना ।
2. स्थायी कर संरचना का निर्माण।
3. अधिक कर दाताओं को छूट का प्रावधान ।
4. कठोर दंड का प्रावधान ।
5. भ्रष्टाचार निरोधक कानून को मजबूत बनाना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-138)

राजस्थान समसामयिकी

100 शब्द

प्रश्न : राज्य की पहली सड़क सुरक्षा नीति ?

उत्तर : 29 नवम्बर 2016 को मुख्यमंत्री श्रीमति वसुन्धरा राजे की अध्यक्षता में हुई कैबीनेट की बैठक में राज्य की पहली सड़क सुरक्षा नीति का अनुमोदन किया गया। इस नीति के तहत् वर्ष 2015 को आधार मानते हुए सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में वर्ष 2020 तक 50% की कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। इस नीति के अंतर्गत सड़क सुरक्षा के लिए संस्थानिक, वैधानिक एवं वित्तीय उपायों का प्रावधान किया गया है। राज्य में पृथक् से एक नियमित एवं समर्पित सड़क सुरक्षा फण्ड का प्रावधान किया है। जिसमें यातायात उल्लंघनों से प्राप्त जुर्माने की 25% राशि इसी फण्ड में जाएगी। इस नीति में सड़क सुरक्षा सूचना डेटा बेस पार्किंग, पॉलिसी ट्रांसपोर्ट सिस्टम, सुदृढ़ चिकित्सा व्यवस्था, लोक परिवहन को मज़बूत करने, फ्री हेल्पलाइन सहित अन्य उच्च स्तरीय मापदण्ड शामिल किए गये है। इस नीति के अंतर्गत पुराने वाहनों को भी चरण बद्ध रूप से बाहर किए जाने का प्रावधान किया गया है।

प्रश्न : हाल ही में राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 में क्या संशोधन किए गये हैं।

उत्तर : नवम्बर 2016 में राज्य मंत्रीमण्डल की बैठक में राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 में संशोधन किया गया है। इसे सभी 190 नगरीय क्षेत्रों में लागू करने का निर्णय किया गया है। इसमें निम्न प्रावधान है-

1. उपखण्ड अधिकारी को रेंट आथॉरिटी बनाकर किराएदारी के पंजीयन के लिए प्राधिकृत किया गया है।
2. अब बिना लिखित करार के कोई किराएदारी नहीं होंगी पहले अलग-अलग शहरों में अलग-अलग किराया राशि का प्रावधान था जिसे अब हटा दिया गया है।
3. अबमालिक एक माह का किराया एडंवास ले सकेगा। मालिक एवं किराएदार को आपसी सहमति से किराया घटाया-बढ़ाया जा सकेगा।
4. किराया जमा करवाने में विफल रहने या मकान मालिक के किराये को न लेने पर रेंट अथॉरिटी के पास किराया जमा कराया जा सकेगा।
5. किराएदार की बेदखली को छोड़कर अन्य प्रकरणों को सुनने का अधिकार रेंट अथॉरिटी को प्रदान किया जायेगा।
6. किराएदार को विफल करने का अधिकार किराया प्राधिकरण के पास रहेगा।

प्रश्न : जलाऊ लकड़ी मुक्त ग्राम योजना ?

उत्तर : राज्य बजट 2016-17 में इस योजना की घोषणा की गई थी। इसके अंतर्गत राज्य के आठ जिलों (कोटा, झालावाड़, बूंदी, चित्तौड़गढ़, टोंक सवाईमाधोपुर, करौली और अलवर) में यह योजना लागू की गई यह योजना टाईगर रिजर्व में बसे गांव के लिए गैस कनेक्शन वितरण योजना के तहत् शुरु की गई जिसके अंतर्गत 40,000 गैस कनेक्शन शत् प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराये जाने की योजना है। इस योजनान्तर्गत रणथम्भौर, सरिस्का व मुकन्दरा हिल्स बाघ परियोजना के अंदर व सटेगांव में बसे ग्रामीणों को जलाऊ लकड़ी पर निर्भरता समाप्त करना तथा उन्हें एल. पी.जी. के रूप में स्वच्छ ईंधन उपलब्ध करावाना है।

प्रश्न : राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्धात्मक परियोजना ?

उत्तर : इस परियोजना की शुरुआत वर्ष 2013 में की गई। यह परियोजना बंजरभूमि को उपजाऊ कर देश के किसानों की दशा सुधारने के लिए राज्य सरकार, राजस्थान कृषि प्रतिस्पधर्ात्मक परियोजना (RACP) के तहत प्रयासरत है। इस परियोजना में राज्य के 18 जिलों में क्लस्टर रूप में संचालित किया जा रहा है। इस के लिए विश्वबैंक द्वारा 900करोड़ रूपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना को जलसंधान, कृषि, उद्यानिकी पशुपालन, कृषि विपणन विभाग द्वारा समन्वित रूप से संचालित किया जायेगा। इस योजना के अंतर्गत चयनित जिलों-श्रीगंगानगर, जैसलमेर, बीकानेर, नागौर, चित्तौड़गढ़, झालावाड़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, कोटा, बारां, बूंदी, टोंक, अजमेर, जयपुर, सवाईमाधोपुर, धौलपुर और अलवर में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन अभिकरण द्वारा कलस्टर बनाकर किसानों को कृषि गुणवत्ता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-139)

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

100 शब्द

प्रश्न : भारत एवं संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के प्रयास

उत्तर : भारत ने संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना के प्रयासों में सदैव की भांति अपना योगदान दिया तथा कंबोड़िया, सोमालिया और मोजांबिक में संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों में भारत ने अपने सैनिक भेजकर योगदान किया। भारत ने इस अवधि में संयुक्त राष्ट्र के अधिक लोकतांत्रीकरण की मांग तथा सुरक्षा परिषद् की सदस्य संख्या में वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा, जिससे यह संस्था विश्व जनमत की अधिक प्रतिनिधि संस्था बन सके। भारत ने परमाणु अप्रसार संधि पर समस्त दबावों के उपरांत भी उसे भेदभावपूर्ण मानते हुए हस्ताक्षर नहीं किये तथा दक्षिण एशिया को परमाणु रहित क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव का भी सफलतापूर्वक विरोध किया। अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर, जिनमें रियो में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलन भी सम्मिलित है, भारत ने अपनी शांतिपूर्ण नीति का सफल प्रदर्शन किया।

प्रश्न : अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और भारत

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 1944 में ब्रैटनवुड्स नामक वित्तीय अधिवेशन में हुई। 1947 में यह संयुक्त राष्ट्र का विशेष अभिकरण बना। प्रत्येक सदस्य को उसके द्वारा कोष में धन दिये जाने के अनुसार मत देने का अधिकार होता है। प्रत्येक सदस्य 250 मत के अतिरिक्त तथा प्रत्येक 1 लाख SDR पर अतिरिक्त मत देने का अधिकार है। इसके चार मुख्य अंग होते हैं। 1. गर्वनरों का परिषद् 2. कार्यकारी संचालक 3. एक प्रबंध संचालन 4. कर्मचारी कोष की सभी शक्तियां परिषद में केन्द्रित होती है। परिषद अपना एक चेयरमैन नियुक्त करती है तथा इसका अधिवेशन प्रतिवर्ष होता है। कार्यकारी संचालकों की संख्या 18 होती है तथा यह कोष सामान्य कार्य संपादित करती है। इसलिए भारत को अपनी धनराशि की उपलब्धता में IMF राशि उपलब्ध कराता है। इस प्रकार अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर IMF भारत को नया जीवन प्रदान करता है।

प्रश्न : हाल ही में गोवा में आयोजित ब्रिक्स के आठवें शिखर सम्मेलन जारी किये गये ब्रिक्स घोषणा-पत्र के मुख्य बिन्दु क्या हैं?

उत्तर : पांच देशों के समूह 'ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका)' का आठवां सम्मेलन अक्टूबर, 2016 को गोवा में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में जारी ब्रिक्स अथवा गोवा घोषणा-पत्र के मुख्य बिन्दु निम्न प्रकार हैं -

- सभी प्रकार की आतंकी गतिविधियों की भर्त्सना
- आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में निकट सहयोग स्थापित होगा।
- ब्रिक्स बैंक विकास परियोजनाओं को मदद देने की प्रक्रिया तेज करेगा।
- आपसी कारोबार बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्णय।
- मौद्रिक नीति बनाने में भी ब्रिक्स देश आपस में सलाह-मशविरा करेंगे।
- कृषि एवं औद्योगिकीकरण में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।
- आर्थिक तौर पर एक-दूसरे के बाजारों को जोड़ने के लिए नए प्रयास किए जाएंगे।
- डब्ल्यूटीओं व अन्य मंचों पर सभी पांचों देश समग्र तौर पर पक्ष रखेंगे।
- भ्रष्टाचार व काले धन को रोकने में भी करीबी सहयोग स्थापित होगा।
- प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ाने पर सहमति
- स्वास्थ्य व पर्यटन के क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग बढ़ाएंगे।
- पर्यावरण सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिक साझा करने की सहमति।

प्रश्न : गुटनिरपेक्षता की नीति का अनुसरण करने में भारत के लिए सामाजिक राजनीतिक आधार क्या है?

उत्तर : भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनाये जाने के स्पष्ट देशीय, सामाजिक व राजनीति आधार थे। भारत ने यह अनुभव किया की देश के आकार को ध्यान में रखते हुए भौगोलिक व सामाजिक महत्व के कारण और सभ्यता के विकास में उसके योगदान के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय तनाव कम करने और दोनों गुटों के बीच एक सेतु का कार्य करने की सकारात्मक भूमिका उसे निभानी थी। गुटनिरपेक्षता की नीति भारत की वर्तमान आवश्यकताओं और उसकी राष्ट्रीय पहचान बनाये रखने के लिए आवश्यक थी। भारत ने भावात्मक तथा वैचारिक कारणों से भी किसी शक्ति गुट में शामिल न होने का निर्णय किया। भारत किसी भी अन्य प्रभुत्ता सम्पन्न देश की तरह है। अपने निर्णय स्वयं करना चाहता था। भारत सहनशीलता में विश्वास करता था। उस समय की स्थिति में सहनशीलता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व ही देश के हित में थे और अंततः देश की आंतरिक स्थिति भी गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाने के लिए बहुत कुछ उत्तरदायी थी।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-140)

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : योजनाकाल में आर्थिक प्रगति के बावजूद आज भी राजस्थान की अर्थव्यवस्था कई दृष्टियों से कमजोर बनी हुई। समालोचनात्मक कीजिये।

उत्तर : 1. राज्य की भौगोलिक बाधा के रूप में 60 प्रतिशत क्षेत्र पर मरुस्थल का विस्तार है। अतः छितराई हुई जनसंख्या तक बुनियादी सुविधाओं को पहुंचाने में लागत अधिक आती है।

2. कृषि की मानसून पर निर्भरता अथवा वर्षा के क्रम में अनिश्चितता से कृषिगत उत्पादन प्रभावित होता है।

3. राज्य में जनसंख्या की वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है अतः आर्थिक दृष्टि से कमजोर अर्थव्यवस्था पर जन भार बढ़ा है।

4. श्रम शक्ति में लगातार वृद्धि होने से लोगों को रोजगार देने में कठिनाई आ रही है।

5. राज्य के स्वयं के विद्युत उत्पादन स्त्रोतों का विकास होना बाकी है। विद्युत की मांग व पूर्ति में अंतर बढ़ा है। इसे कम करने हेतु सौर ऊर्जा व पवन ऊर्जा का विकास करना आवश्यक है।

6. राज्य में परिवहन, संचार, साक्षरता का प्रतिशत देश के अन्य भागों से कम है साथ ही विकास की दृष्टि से क्षेत्रीय असमानताएं व्याप्त हैं जिसे कम करना होगा।

संक्षेप में राज्य के विकास में मूलतः भौगोलिक, जनांकिकीय, आधार-ढांचे से संबंधित वित्तीय, प्रशासनिक आदि बाधाएं हैं जिन्हें दूर किए बिना राज्य के सुखद भविष्य की कल्पना करना व्यर्थ है।

प्रश्न : राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्धात्मक परियोजना।

उत्तर : विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित इस परियोजना की अनुमानित लागत 232.50 करोड़ है, जिसमें 545 करोड़ विश्व बैंक द्वारा ऋण के रूप में, 242 करोड़ राज्यांश के रूप में एवं 45.50 करोड़ लाभान्वितों के अंश के रूप में प्राप्त होंगे। परियोजना जुलाई, 2012 से प्रारंभ होकर अप्रैल, 2019 तक पूर्ण की जानी है।

कृषि प्रौद्योगिकी एवं कृषि जल प्रबंधन को समन्वित कर उतरोत्तर कृषि उत्पादकता एवं किसानों की आय में वृद्धि करना परियोजना का मुख्य उद्देश्य है साथ ही बाजार सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए कृषक संगठनों को कम पानी उपयोग करने की एवज में किसानों को प्रति इकाई जल उपयोग से आय में वृद्धि के लिए सहायता करना है।

परियोजना का क्रियान्वय राजस्थान के 10 कृषि जलवायुवीय खण्डों में कुल 17 कलस्टर्स के लगभग 2,00,000 हैक्टेयर क्षेत्र में होगा। इससे मुख्यतः छोटे धारकों की आय के स्तर में सतत् वृद्धि होगी।

प्रश्न : मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत योजना के मुख्य बिन्दु।

उत्तर : यह विकास की दिशा में एक समग्र दृष्टिकोण रखने वाली अद्वितीय एवं परिवर्तनकारी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य चयनित गांवों के कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण आजीविका आदि क्षेत्रों के समग्र विकास के साथ ग्रामवासियों के जीवन में नैतिक मूल्य पैदा करना, अन्त्योदय, लैंगिक समानता, महिलाओं की गरिमा, सामाजिक न्याय, पारिस्थितिक संतुलन, शांति और सद्भाव, आत्मनिर्भरता, स्थानीय स्वशासन, पारदर्शिता और जवाबदेयता बनाए रखना हैं। जिससे वे दूसरों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर सके। ग्राम पंचायतों को मजबूत और पारदर्शी बनाना, ग्राम सभाओं को सक्रिय करना और सुशासन के माध्यम से स्थानीय लोकतंत्र को मजबूत बनाना, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना मुख्य उद्देश्य है। गांव में जीवंत और सामांजस्य पूर्ण समाज बनाने हेतु गांव के वृद्धों का सम्मान, लोककला उत्सव एवं गांव के लोकगीत आदि गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जायेगा। विधानसभा के सदस्य इस योजना के मुख्य आधार है।

प्रश्न : राष्ट्रीय कृषि विकास योजना का परिचय

उत्तर : कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्रों में 4 प्रतिशत विकास दर अर्जित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा राजस्थान सहित सभी राज्यों में एक योजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2007-08 में प्रारंभ की गई। योजना में 2007-08से 2014-15 तक शत् प्रतिशत राशि केन्द्रीय सहायता के रूप में उपलब्ध कराई थी। भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 में वित्त पोषण पैटर्न में परिवर्तन कर केन्द्र एवं राज्य का अंश 60:40 कर दिया है।

राज्य के कृषि जलवायु एवं प्राकृतिक परिस्थितियों पर विचार करने के लिए एवं कृषि, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, बागवानी और डेयरी के क्षेत्र में एकीकृत जिला कृषि योजना तैयार करने हेतु परियोजना आधारित सहायता प्रदान की जा रही है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-141)

राजस्थान समसामयिकी

15 शब्द

प्रश्न : वर्ष 2016 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजस्थान के खिलाड़ी?

उत्तर : अपूर्वी चंदेला (निशानेबाज), रजत चौहान (तीरंदाज) तथा संदीप मान (पैरा एथलीट)

प्रश्न : राह योजना?

उत्तर : झालावाड़ जिले के छात्रावासों में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए शुरू की गई योजना जिसके तहत छात्राओं को सरल विधि द्वारा अंग्रेजी सिखाई जाती है।

प्रश्न : धीलोठ।

उत्तर : नीमराणा (अलवर) के निकट धीलोठ औद्योगिक क्षेत्र में स्थित कोरियन, जापानी जोन एवं सिरेमिक जोन सोलर लाइट से रोशन होने वाला प्रथम औद्योगिक क्षेत्र बना।

प्रश्न : वर्तमान में केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में राजस्थान के मंत्री।

उत्तर : लोकसभा से राज्यवर्धन सिंह राठौड, अर्जुनराम मेघवाल, पी.पी.चौधरी, सी.आर.चौधरी तथा गजेन्द्र सिंह शेखावत राज्यसभा से विजय गोयल राज्यसभा से मंत्री हैं।

प्रश्न : खेताराम।

उत्तर : ब्राजील के रियो डी जिनेरियों में सम्पन्न ओलम्पिक के मैराथन में शामिल होने वाले राजस्थानी खिलाड़ी।

प्रश्न : नगर वन उद्यान योजना।

उत्तर : राज्य के पांच जिलों - जयपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर और चूरू में संचालित, इसके अंतर्गत वृक्षारोपण, जॉगिंग ट्रैक, साइकिल ट्रैक जैसी सुविधाएं दी जाएगी।

प्रश्न : अन्नापूर्णा रसोई योजना।

उत्तर : राजस्थान के आम नागरिकों को सस्ता एवं गुणवत्तापूर्ण आहार उपलब्ध कराने की योजना जिसमें 5 रूपए में नाश्ता एवं 8 रूपए में भोजन उपलब्ध होगा।

प्रश्न : 'वॉक थू वॉर' म्यूजियम

उत्तर : जयपुर में अमर जवान ज्योति के दोनों ओर विकसित म्यूजियम जिसमें थल, वायु और नौ सेना के बारे में जानकारियां, हथियारों एवं लड़ाइयों की झलकियां प्रदर्शित की गई है।

प्रश्न : राज्य के खुले में शौच से मुक्त जिले कौन-कौनसे हैं?

उत्तर : बीकानेर और अजमेर जिलों को खुले में शौच से मुक्त किया गया।

50 शब्द

प्रश्न : अनुप्रति योजना।

उत्तर : राज्य सरकार द्वारा 2005 में प्रारंभ की गई योजना, जिसका मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति/जनजाति/विशेष पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के बी.पी.एल परिवारों के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं - अखिल भारतीय सेवा की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर 1 लाख रुपए, राज्य प्रशासनिक सेवा में उत्तीर्ण होने पर 50 हजार रुपए और IIT, IIM एवं राष्ट्रीय स्तर के मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पर 40 से 50 हजार रुपए दिए जाने का प्रावधान है।

प्रश्न : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य क्या है?

उत्तर : ये मिशन प्रभावी स्वास्थ्य के प्रावधानों को सुनियोजित करने के लिए राष्ट्रीय प्रयास है। इसके निम्न उद्देश्य हैं-

1. शिशु मृत्युदर व मातृ मृत्युदर में कमी लाना।
2. स्थानीय महामारियों सहित संक्रामक एवं असंक्रामक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण।
3. समेकित प्राथमिक चिकित्सा तक पहुँच बनाना।
4. जनसंख्या स्थिरीकरण, लिंग और जनसांख्यिकी संतुलन सुनिश्चित करना।
5. स्वास्थ्य जीवनशैली को बढ़ाना।

प्रश्न : राज्य में रीको द्वारा विकसित किए जा रहे विशेष पार्कों की चर्चा कीजिए।

उत्तर : रीको राजस्थान के औद्योगिक विकास को गति देने वाली शीर्ष संस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य योजनाबद्ध तीव्र औद्योगिक विकास करना है। इसके द्वारा स्थापित विशेष पार्क निम्न हैं:- जापानी पार्क- जापानी संस्था जैट्रो के साथ नीमराणा (अलवर) औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक इकाई स्थापित करने के लिए MOU हस्ताक्षरित किया गया है। इसके अलावा कोरियन निवेश क्षेत्र घिलोठ (अलवर) औद्योगिक क्षेत्र में निवेश क्षेत्र स्थापित किया गया है।

रीको द्वारा दो विशेष आर्थिक क्षेत्र जेम्स एंड ज्वैलरी आधारित सीतापुरा-जयपुर में स्थापित किए गए हैं जयपुर में महिन्द्रा ग्रुप द्वारा विशेष पार्क स्थापित किया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-142)

व्यवहार

प्रश्न : अभिवृत्ति की कर्षणशक्ति।

उत्तर : किसी अभिवृति के सकारात्मक या नकारात्मक होने की स्थिति।

प्रश्न : प्रतिरूपण।

उत्तर : अधिगम की एक प्रक्रिया, जिसमें व्यक्ति दूसरों को देखकर और उनका अनुकरण करके अनुक्रियाएं अर्जित करता है।

प्रश्न : पर्यावरण-उन्मुख व्यवहार।

उत्तर : पर्यावरण की रक्षा के प्रति मनुष्यों की तत्परता और उनके क्रियाकलाप।

प्रश्न : अंतर्मुखता।

उत्तर : व्यक्तित्व की एक विमा, जिसमें अभिरुचियां बाहर (बहिर्मुखी) की बजाय अन्दर की ओर उन्मुख होती हो।

प्रश्न : घटकीय बुद्धि।

उत्तर : स्टर्नबर्ग के त्रिचापीय सिद्धांत में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टि से सोचने की योग्यता की द्योतक।

प्रश्न : भाव प्रबोधन।

उत्तर : दूसरे के उपस्थित रहने या निष्पादन के मूल्यांकित होने के विचार के अनुभूत तनाव।

प्रश्न : तनाव प्रतिरोधी व्यक्तित्व।

उत्तर : प्रतिबद्धता (Commitment), नियंत्रण (Control) तथा चुनौती (Challenge) आदि विशेषताओं से युक्त व्यक्ति, जिनमें उच्च स्तर के दबाव किंतु निम्न स्तर के रोग होते हैं।

प्रश्न : एंडलर एवं पार्कर द्वारा वर्णित तनाव का सामना करने की तीन युक्तियां।

उत्तर : क्रमशः कृत्य-अभिविन्यस्त युक्ति, संवेग-अभिविन्यस्त युक्ति तथा परिहार-अभिविन्यस्त युक्ति आदि है।

प्रश्न : व्यक्तित्व का मनोविश्लेषणात्मक उपागम।

उत्तर : फ्रायड द्वारा प्रतिपादित उपागम, जिसमें मानव प्रकृति के निराशावादी व निश्चयवादी छवि को महत्त्व दिया जाता है।

प्रश्न : अभिप्रेरणा के संदर्भ में प्रलोभन से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : बाह्य वातावरण में विद्यमान ऐसा कारक, जो आवश्यकता एवं अन्तर्नोद को संतुष्ट करता है।

प्रश्न : उपलब्धि अभिप्रेरणा से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : कठिन कार्यों में निपुणता प्राप्त करने की आशा ही उपलब्धि अभिप्रेरणा है। इसके प्रभाव में व्यक्ति उन कार्यों को करना अधिक पसंद करता है। जिससे उसकी प्रशंसा या वाह-वाही हो। उपलब्धि अभिप्रेरक में व्यक्ति अपनी विद्वता दिखाने वाले कार्यों को अधिक करता है। इसी अभिप्रेरक के प्रभाव में व्यक्ति विशेषज्ञों के साथ कार्य करना अधिक पसंद करता है बजाय अपने मित्रों के। इस अभिप्रेरणा पर मैक्लिलैंड एवं एटकिन्सन के द्वारा सर्वाधिक कार्य किया गया।

प्रश्न : भारतीय दर्शन के अनुसार व्यक्तित्व के प्रकार।

उत्तर : **सात्विक** - जिनका झुकाव धर्म की ओर हो, जो नित्य पूजा-पाठ करता हो, अध्यात्म में लीन हो, भजन-कीर्तन, प्रवचन में भाग लेता हो।,

राजसी - जिनका रहन-सहन, ठाठ-बाट, खान-पान का ढंग, बोल-चाल राजाओं का सा गुण झलकता हो।

तामसिक - वह व्यक्ति जो बात-बात पर क्रोधित होता हो, धर्म को न मानता हो, गलत काम (व्यवहार) आचरण करता हो।

प्रश्न : तनाव प्रबंधन की ध्यान प्रक्रिया तकनीक।

उत्तर : योग विधि में ध्यान लगन की प्रक्रिया में कुछ अधिगत प्रविधियां एक निश्चित अनुक्रम में उपयोग में लाई जाती हैं ताकि ध्यान को पुनः केन्द्रित कर चेतना की परिवर्तित स्थिति उत्पन्न की जा सके। इसमें एकाग्रता को इतना पूर्णरूप से केंद्रित किया जाता है कि ध्यानस्थ व्यक्ति किसी बाह्य उद्दीपन के प्रति अनभिज्ञ हो जाता है।

प्रश्न : विस्मृति के कारणों में "बाधा का सिद्धांत" को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस सिद्धांत के अनुसार यदि हम एक पाठ को याद करने के बाद दूसरा पाठ याद करने लगते है, तो हमारे मस्तिष्क में पहले पाठ के स्मृति-चिह्नों में बाधा उत्पन्न होने लगती है। फलस्वरूप वे निर्बध होते चले जाते है और हम पहले पाठ को भूल जाते है अर्थात स्मृति भंडार में संचित विभिन्न सामग्री के बीच अवरोध के कारण विस्मरण होता है।

प्रश्न : संवेगात्मक बुद्धियुग व्यक्तियों की विशेषताएं।

उत्तर : अपनी भावनाओं और संवेगों को जानना और उसकी प्रति संवेदनशील होना, दूसरे व्यक्तियों के विभिन्न संवेगों को उनकी शरीर भाषा पर ध्यान देते हुए जानना और उसके प्रति संवेदनशील होना, अपने संवेगों को अपने विचारों से संबद्ध करना ताकि समस्या समाधान तथा निर्णय करते समय उन्हें ध्यान में रखा जा सके। अपने संवेगों की प्रकृति और तीव्रता के शक्तिशाली प्रभाव को समझना आदि सांवेगिक बुद्धियुक्त व्यक्ति की विशेषताएं हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-143)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : भंगुर पदार्थ।

उत्तर : वे पदार्थ, जिनकी प्रयास्थता परास कम होती है तथा जो प्रत्यास्थता की सीमा को पार करते ही टूट जाते है। उदा. :- काँच, उच्च कार्बन स्टील।

प्रश्न : एस्टर।

उत्तर : कार्बोक्सिलिक अम्ल तथा ऐल्कोहॉल की आपसी क्रिया के फलस्वरूप बना कार्बनिक यौगिक एस्टर है। ये प्रकृति में फूलों और फलों को सुगन्ध प्रदान करते है।

प्रश्न : विद्युत विभवान्तर।

उत्तर : एकांक आवेश द्वारा चालक के एक सिरे से दूसरे सिरे तक प्रवाहित होने में किया गया कार्य दोनों सिरों के बीच का विभवान्तर है। इसका SI मात्रक वोल्ट (V) है।

प्रश्न : लेन्ज का नियम।

उत्तर : किसी परिपथ में प्रेरित वैद्युत वाहक बल चुम्बकीय फ्लक्स में परिवर्तन की ऋणात्मक दर के अनुक्रमानुपाती होता है।

प्रश्न : आवोगाद्रो नियम।

उत्तर : ताप और दाब की समान परिस्थितियों में समान आयतन वाली गैसों में समान संख्या में अणु होते है (आयतन-मात्रा संबंध)।

प्रश्न : जैविक संवर्धन।

उत्तर : जब किसी जीव के भोजन में हानिकारक पदार्थों जैसे- DDT एवं पारा की मात्रा अन्य पदार्थो की मात्रा से अधिक हो जाती है, जैविक संवर्धन है।

प्रश्न : न्यूटन का गति विषयक द्वितीय नियम ।

उत्तर : किसी वस्तु पर बल की दिशा में कार्यरत बल, वस्तु के संवेग परिवर्तन की दर के अनुक्रमानुपाती होता है।

प्रश्न : यांत्रिक ऊर्जा को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : किसी पिंड की गतिज ऊर्जा तथा स्थितिज ऊर्जा का योग ही यांत्रिक ऊर्जा कहलाता है।

प्रश्न : स्थिर वैद्युतिकी।

उत्तर : विद्युतिकी की वह शाखा, जिसमें विरामावस्था मे आवेशों का अध्ययन किया जाता हो।

प्रश्न : डोपिंग।

उत्तर : किसी धातु के अर्द्धचालक में अपद्रव्य मिलाने की क्रिया, जिसमें अर्द्धचालक की चालकता बढ़ जाती है।

50 शब्द

प्रश्न : आदर्श ईंधन के प्रमुख लक्षण लिखिए।

उत्तर : 1. ईंधन का ऊष्मीय मान उच्च होना चाहिए, ताकि प्रति इकाई भार के हिसाब से अधिक ऊष्मा दे सके।

2. इनका दहन ताप उचित होना चाहिए जिससे आसानी से जलाया जा सके।

3. इसमें अज्वलनशील पदार्थों की मात्रा कम होनी चाहिए, ताकि अवशिष्ट कम मात्रा में प्राप्त हो।

4. इसके जलने पर कोई विषैली और हानिकारक गैसें उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जिससे वायु प्रदूषण को रोका जा सके।

प्रश्न : घूर्णन गति को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : कोई पिण्ड किसी स्थिर अक्ष के परितः इस प्रकार गति करे कि उसके सभी कण वृत्तीय पथ पर चलते हों, ताकि एक निश्चित समयान्तराल में प्रत्येक कण का कोणीय विस्थापन समान हो, घूर्णन गति कहते है।

- शुद्ध स्थानान्तरीय गति में समय के किसी क्षण पर वस्तु के सभी कण समान वेग से होते है।
- ऐसा पिण्ड जो किसी निश्चित बिन्दु पर सीमित नहीं है तो ऐसे पिण्ड की गति या तो पूर्णतः स्थानान्तरीय होगी या घूर्णन गतियों का संयोजन होगी।

प्रश्न : सरल आवर्त्त गति के लक्षण ।

उत्तर : 1. कण की गति एक साम्य स्थिति के इधर-उधर सीधी रेखा में होती है।

2. कण पर कार्य करने वाले त्वरण बल सदैव उस बिन्दु से कण के विस्थापन के अनुक्रमानुपाती होता है।

3. त्वरण बल की दिशा सदैव साम्य स्थिति की ओर होती है।

4. पृथ्वी में आर-पार की गई काल्पनिक सुरंग में छोड़ी गई गेंद पृथ्वी के केन्द्र के इर्द-गिर्द सरल आवर्त्त गति करती है।

प्रश्न : पराश्रव्य तरंगों का सोनार में उपयोग किया जाता है क्यों?

उत्तर : 1. क्योंकि इन तरंगों की आवृत्तियां अधिक तथा तरंगदैर्ध्य बहुत कम होती है अतः इनका उपयोग समुद्र की गहराई ज्ञात करने तथा जल में स्थित चट्टानों, घाटियों, पनडुब्बियों, हिमशैल, डूबे हुये जहाज आदि की जानकारी प्राप्त करने हेतु किया जाता है।

2. इन तरंगों की तुलना जहाज के ईंजन के शोर से नहीं की जा सकती क्योंकि मनुष्य द्वारा इन तरंगों को सुना नहीं जा सकता।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-144)

आधुनिक भारत

15 शब्द

प्रश्न : तत्वबोधिनी सभा।

उत्तर : 1839 में देवेन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित इस सभा का उद्देश्य भारत की प्राचीन सभ्यता एवं राजा राम मोहन राय के विचारों का प्रसार करना था।

प्रश्न : सेवा सदन

उत्तर : 1885 में बहरामजी एम. मालाबारी द्वारा स्थापित यह सदन शोषित एवं समाज द्वारा तिरस्कृत महिलाओं के उत्थान हेतु प्रयत्नशील था।

प्रश्न : न्याय आंदोलन।

उत्तर : सी.एन. मुदालियार, टी.एम.नायर एवं पी.त्यागराज द्वारा मद्रास में प्रारंभ, जिसका उद्देश्य गैर-ब्राह्मण जातियों का विधायिका में प्रतिनिधित्व बढ़ाना था।

प्रश्न : 'सेफ्टी वाल्व' अवधारणा

उत्तर : डफरिन के निर्देश पर ए.ओ. ह्यूम द्वारा कांग्रेस की स्थापना, ताकि भारतीयों में बढ़ते असंतोष की वाष्प को बिना किसी खतरे के कांग्रेस रूपी 'सुरक्षा वाल्व' से बाहर निकाला जा सके।

प्रश्न : अरविंद घोष।

उत्तर : गरम दल के नेता, 'वन्देमातरम्' नामक पत्र के संपादक, जिन्होंने हड़ताल और राष्ट्र शिक्षा के माध्यम से स्वदेशी आंदोलन को प्रोत्साहित किया।

प्रश्न : राजगोपालाचारी फार्मूला।

उत्तर : कांग्रेस और मुस्लिम लीग के मध्य सहयोग बढ़ाने हेतु 10 जुलाई, 1944 को सी.राजगोपालाचारी द्वारा प्रस्तुत फार्मूला।

प्रश्न : 3 जून योजना।

उत्तर : 3 जून, 1947 को भारत के विभाजन के साथ सत्ता हस्तान्तरण की लार्ड माउण्टबैटन द्वारा प्रस्तुत योजना।

प्रश्न : मुस्लिम लीग द्वारा क्रिप्स मिशन का विरोध क्यों किया गया।

उत्तर : एकल भारतीय संघ की व्यवस्था का होना, संविधान निर्मात्री परिषद् का गठन स्वीकार्य नहीं एवं पृथक् पाकिस्तान की मांग को स्वीकार नहीं करना।

50 शब्द

प्रश्न : वेवेल योजना के मुख्य प्रावधान

उत्तर : (i) गवर्नर जनरल एवं कमांडर इन चीफ को छोड़कर गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी के सभी सदस्य भारतीय होंगे

(ii) परिषद् में हिन्दू-मुसलमानों की संख्या बराबर रखी जाएगी। पुर्नगठित परिषद् 1938 के अधिनियम के ढांचे के तहत् अंतरिम सरकार के रूप में कार्य करेगी।

(iii) युद्ध विजय के बाद संविधान निर्माण की आवश्यक प्रक्रिया आरंभ की जाएगी।

प्रश्न : पाकिस्तान प्रस्ताव।

उत्तर : 23 मार्च, 1940 में मुस्लिम लीग का वार्षिक अधिवेशन लाहौर में हुआ जिसमें पाकिस्तान प्रस्ताव पारित किया गया। इसकी रूपरेखा में खलीक उज्जमां, फजल-उल-हक तथा सिकंदर हयात खां ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें कहा गया कि भौगोलिक स्थिति से एक-दूसरे से लगे प्रदेश आवश्यक परिवर्तनों के साथ इस प्रकार गठित किए जाए ताकि वहां मुस्लिम समुदाय बहुसंख्यक हो जाए तथा जिन राज्यों में मुसलमान अल्पसंख्यक हो वहां उनके हितों के लिए आवश्यक उपबंध हों।

प्रश्न : गांधीजी ने नमक को ही सविनय अवज्ञा आंदोलन में केन्द्रीय मुद्दे के रूप में क्यों चुना

उत्तर : नमक को चुनने के निम्न कारण थे :-

(i) यह कर अत्यन्त अविवेकपूर्ण एवं अमानवीय था जिसका उपयोग मानवता के विरुद्ध किया जाता है।

(ii) ग्रामीण निर्धन जनता के दुःखों को व्यक्त करने का सबसे सशक्त और सर्वमान्य मुद्दा था।

(iii) नमक रोजमर्रा की आवश्यकता सभी के लिए थी इसका विरोध किए जाने पर आन्दोलन से किसानों का समर्थन सहज ही प्राप्त किया जा सकता था।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-145)

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

100 शब्द

प्रश्न : गुट-निरपेक्ष आंदोलन के सम्मुख भावी वैश्विक कार्यनीति।

उत्तर : विश्व राजनीति में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की स्थापना के समय जो प्राथमिकतायें थी उनकी उपादेयता वर्तमान में भी है बशर्ते विश्व दो गुटों में क्यों न विभाजित हो परन्तु सह-अस्तित्व, विश्व शांति, निरस्त्रीकरण, समान विश्व अर्थव्यवस्था और शोषित मानवता के लिए संघर्ष की अपेक्षाऐं आज भी विद्यमान हैं। बदलती हुई अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थिति में गुटनिरपेक्ष आंदोलन से निम्नलिखित अपेक्षाऐं हैं :-

1. गुटनिरपेक्ष आंदोलन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में गरीब-अमीर की खाई पाटने का प्रयास करें।
2. सदस्य राष्ट्रों में आपसी संबंधों को सुदृढ़ बनाने हेतु रचनात्मक कदम उठाऐ।
3. संयुक्त राष्ट्र को लोकतांत्रिक बनाने का प्रयास करें।
4. ऋण समस्या, खाद्यान्न सुरक्षा, आतंकवाद की विरुद्ध प्रभावी कदम उठाने का संगठित प्रयास करें।
5. ये भी महत्वपूर्ण है कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन आण्विक अस्त्रों के खतरे, पर्यावरण एवं अन्य समस्याओं के विरुद्ध एकजुटता का प्रयत्न करें।

प्रश्न : भारत का सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का दावा करने के पक्ष में तर्क दीजिये।

उत्तर : विश्व के कुछ देश सुरक्षा परिषद के विस्तार की माँग के साथ इसकी सदस्यता के लिए अपना दावा प्रस्तुत कर रहे है। जिनमें भारत भी एक है। भारत के सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए दावा करने के क्रम में निम्न तर्क दिये जा सकते है :-

1. लगभग 1 अरब से अधिक जनसंख्या के साथ भारत विश्व का दूसरा बड़ा देश है।
2. सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों एवं गुटनिरपेक्ष आंदोलन के स्वभाविक नेता होने के कारण भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाना चाहिए।
3. स्वतंत्रता के बाद से ही भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव एवं शांति स्थापना के कार्य में संयुक्त राष्ट्र संघ का समर्थन एवं सहयोग किया है।
4. वर्तमान विश्व आर्थिक व्यवस्था में भारत का स्थान पांचवा है अतः भारत को स्थायी सदस्यता मिलनी चाहिए।

संक्षेप में ये तर्क सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता हेतु भारत का दावा मजबूत करते है।

प्रश्न : अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ।

उत्तर : शीत युद्ध के बाद से ही विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में इस संगठन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह संगठन वैश्विक स्तर की वित्त व्यवस्था की देखरेख करता है। वैश्विक वित्त Qo LFk 1/ y ky Qbuk k y fl LVe & GFS) का आशय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली वित्तीय संस्थाओं और लागू होने वाले नियमों से है। वर्तमान में 189 देश अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य है लेकिन हर सदस्य की राय का वजन बराबर नहीं है। बल्कि उनके कोटा के आधार पर निर्धारित है क्योंकि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में अधिक मत देने का अधिकार धनी एवं औद्योगिक देशों को मिला हुआ है। सामान्यतः वर्ष में एक बार सितम्बर-अक्टूबर में इसकी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक होती है। 1971 के बाद से अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के समस्त लेने-देन विशेष आहरण अधिकार के रूप में व्यक्त किये जाने लगे है। वर्तमान में क्रिस्टीन लेगार्डे अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रबन्ध निदेशक है।

प्रश्न : दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन - आसियान

उत्तर : बांडुंग सम्मेलन और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से एशिया और तीसरी दुनिया के देशों में एकता कायम करने का प्रयास कारगर नहीं हो सका अतः दक्षिणी-पूर्वी देशों ने इस संगठन को बनाकर एक वैकल्पिक पहल की। 1967 में इस क्षेत्र के पाँच देशों द्वारा स्थापित आसियान के वर्तमान में 10 देश सदस्य है इसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक विकास को तेज करना और उसके माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक विकास हासिल करना था।

कानून के शासन और संयुक्त राष्ट्र के कायदों पर आधारित क्षेत्रीय शांति और स्थायित्व को बढ़ावा देना भी इसका उद्देश्य था। भारत ने दो आसियान सदस्यों सिंगापुर और थाईलैंड के साथ मुक्त व्यापार का समझौता किया है। यह एशिया का एकमात्र ऐसा क्षेत्रीय संगठन है जो एशियाई देशों और विश्व शक्तियों का राजनीतिक और सुरक्षा मामलों पर चर्चा हेतु राजनीतिक मंच उपलब्ध कराता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-146)

विश्व का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : विभेदन प्रक्रिया क्या है?

उत्तर : पृथ्वी के हल्के तथा भारी घनत्व वाले पदार्थों के पृथक होने की प्रक्रिया, विभेदन प्रक्रिया है।

प्रश्न : मोहोरोविसिक असांतत्य।

उत्तर : भू-पर्पटी को मैंटल से अलग करने वाली सतह, जहाँ पर भूकम्पीय तंरगों की गति में अचानक वृद्धि होती है।

प्रश्न : स्टॉक।

उत्तर : छोटे आकार के बैथोलिथ समतुल्य, जिसका ऊपरी भाग गोलाकार गुम्बदनुमा एवं विस्तार 100 वर्ग किमी. से कम होता है।

प्रश्न : जिग-शो-फिट (Jig-Saw-Fit)।

उत्तर : महाद्वीपों में साम्य स्थापन की संकल्पना जिसके अनुसार अटलांटिक महासागर के पूर्वी तथा पश्चिमी तटों के बीच अद्भुत एवं त्रुटिरहित साम्य दिखाई देता है।

प्रश्न : रिंग ऑफ फायर।

उत्तर : प्रशांत महासागर के तटीय भाग, जहाँ विश्व के 68 प्रतिशत भूकम्प आते हैं और जहाँ उच्च स्थलीय पर्वत एवं गहरी महासागरीय खाइयां फैली है।

प्रश्न : लैपिली।

उत्तर : ज्वालामुखी विस्फोट के समय गैसों तथा तरल पदार्थों के साथ बड़ी मात्रा में निःसृत मटर के दानों के समतुल्य ठोस शिला खण्ड।

प्रश्न : आग्नेय शैल।

उत्तर : ऐसी मूल शैलें, जिनका निर्माण पृथ्वी के आन्तरिक भाग में उपस्थित गर्म द्रव्य के ठण्डा होने से हुआ है।

प्रश्न : कायांतरित शैलों के प्रमुख उदाहरण।

उत्तर : संगमरमर, क्वार्टजाइट, स्लेट, शिष्ट, नीस, सरपेण्टाइन एवं हीरा आदि प्रमुख उदाहरण है।

प्रश्न : कैनियन।

उत्तर : गॉर्ज का विस्तृत रूप, जिसका निर्माण अवसादी चट्टानों के क्षैतिज स्तरण में होता है तथा तल संकरा एवं किनारे वेदिकाओं जैसे हैं।

प्रश्न : फियोर्ड।

उत्तर : समुद्र के पास वाली जल से भरी हिमानी द्रोणी, फियोर्ड कहलाती है।

50 शब्द

प्रश्न : हिमनद घाटियों में कई रैखिक निक्षेपण स्थलरूप मिलते हैं। इनकी अवस्थिति व नाम बताइए।

उत्तर : हिमोढ़ (पार्श्विक, मध्यस्थ तथा अंतस्थ हिमोढ़) और एस्कर हिमनद घाटियों में मिलने वाली दो महत्वपूर्ण रैखिक निक्षेपण स्थलरूप है। पार्श्विक हिमोढ़ हिमनदी के पार्श्वों पर, मध्यस्थ हिमोढ़ दो हिमनदियों के मिलन स्थल पर तथा अंतस्थ हिमोढ़ हिमनदी के अंतिम भाग में मिलते है। एस्कर वक्राकार कटक के रूप में मिलते है जो बर्फ की निक्षेपण क्रिया द्वारा बनता है।

प्रश्न : लैगून क्या है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : जब रोधिका के दोनों छोर स्थल से जुड़ जाते है तो बीच में घिरे सागरीय जल की झील का निर्माण होता है। इस झील को लैगून कहते है। लैगून का संबंध एक पतले मार्ग द्वारा समुद्र से बना रहता है। भारत के पूर्वी तट पर चिल्का और पुलिकट झीलें तथा पश्चिमी तट पर वेंबानद लैगून झीलों के प्रमुख उदाहरण है।

प्रश्न : अंतर्बेधी आकृतियाँ किसे कहते है? प्रमुख अंतर्बेधी आकृतियों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

उत्तर : जब लावा धरातल पर पहुँचने से पहले ही भूपटल के नीचे शैल परतों में जम जाता है तो बनने वाली विभिन्न प्रकार की आकृतियाँ अंतर्बेधी आकृतियाँ कहलाती है। महत्त्वपूर्ण अंतर्बेधी आकृतियाँ जैसे -

1. **बैथोलिथ** :- जो कि एक बड़े गुम्बद के आकार का खड़े किनारों वाला होता है।
2. **स्टॉक** :- छोटे आकार का गोलाकार बैथोलिथ
3. **लैपोलिथ** :- तश्तरी के आकार का जमा हुआ मैग्मा
4. **लैकोलिथ** :- छतरीनुमा ठोस गुम्बदाकार पिंड
5. **फैकोलिथ** :- लहरदार आकृति में जमा मैग्मा तथा डाइक एवं शिल प्रमुख अंतर्बेदी आकृतियाँ है।

प्रश्न : भूगर्भ की जानकारी के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष साधनों का परिचय दीजिये।

उत्तर : **प्रत्यक्ष स्रोत** : पृथ्वी से सबसे आसानी से उपलब्ध ठोस पदार्थ धरातलीय चट्टाने है जो खनन क्षेत्रों से प्राप्त होती है। ज्वालामुखी उद्गार प्रत्यक्ष जानकारी का एक अन्य स्रोत है क्योंकि जब कभी भी ज्वालामुखी उद्गार से लावा पृथ्वी के धरातल पर आता है तो यह प्रयोगशाला अन्वेषण के लिए उपलब्ध होता है।

अप्रत्यक्ष स्रोत : खनन क्रिया से हमें पता चलता है कि पृथ्वी के धरातल में गहराई बढ़ने के साथ तापमान एवं दाब में वृद्धि होती है। उल्काएँ भूगर्भिक जानकारी का दूसरा अप्रत्यक्ष स्रोत है जो कभी-कभी धरती तक पहुँचती हैं।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-147)

विश्व का इतिहास

15 शब्द

प्रश्न : कुस्तुनतुनिया के पतन के दो महत्वपूर्ण परिणाम बताइए।

उत्तर : 1. यूरोप के पुनर्जागरण को गति मिली।
2. यूरोपीय देशों को पूर्वी देशों से व्यापार करने के लिए सामुद्रिक मार्ग की खोज के लिए विवश होना पड़ा।

प्रश्न : इटली के दो परिवारों का नाम लिखिए जिन्होंने कला को प्रोत्साहन दिया।

उत्तर : 1. फ्लोरेंस का मेडिची परिवार।
2. मिलान का स्फोरजॉस परिवार।

प्रश्न : मार्टिन लूथर द्वारा लिखित दो परिपत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर : 1. जर्मन सामन्तवर्ग को सम्बोधन।
2. ईसाई मनुष्य की मुक्ति।

प्रश्न : आंग्सबर्ग की सन्धि कब व किनके मध्य हुई?

उत्तर : यह सन्धि 1555 ई. में फार्डिनेण्ड (रोमन साम्राज्य के अध्यक्ष) तथा प्रोटेस्टेन्टों के मध्य हुई।

प्रश्न : औद्योगिक क्रान्ति के दो कारण बताइये।

उत्तर : 1. वैज्ञानिक आविष्कार 2. वाणिज्यवाद से पूंजी का संचय।

प्रश्न : ऐसे दो यंत्रों तथा इनके आविष्कारको के नाम लिखिए जिन्होंने 18वीं शताब्दी में वस्त्र उद्योग में क्रान्ति उत्पन्न की?

उत्तर : 1. जेम्स हारग्रीव्ज द्वारा स्पिनिंग जैनी। 2. एडमण्ड कार्टराइट द्वारा पावरलूम का आविष्कार।

प्रश्न : प्रथम विश्व युद्ध के बाद स्थापित दो अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के नाम लिखिए।

उत्तर : 1. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन 2. राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशंस)।

प्रश्न : महायुद्ध के सामाजिक परिणाम बताइये।

उत्तर : स्त्रियों को समानता का एवं मताधिकार का अवसर मिला तथा मजदूर वर्ग को बल मिला।

प्रश्न : द्वितीय विश्वयुद्ध के कोई दो कारण बताइये।

उत्तर : 1. वर्साय की अन्यायपूर्ण संधि। 2. ब्रिटेन की तुष्टिकरण की नीति।

प्रश्न : जनरल डी-गॉल।

उत्तर : फ्रांसीसी सेनापति, जिसने फ्रांस के पतन के बाद लंदन में स्वतंत्र फ्रांस सरकार की स्थापना की तथा फ्रांसीसियों को जर्मनी के विरुद्ध लड़ने को प्रेरित किया।

50 शब्द

प्रश्न : यूरोप में औद्योगिक क्रांति के पाँच कारण।

उत्तर : 1. पुनर्जागरण का प्रभाव, जिससे वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नई खोज तथा आविष्कारों को प्रोत्साहन मिला।
2. व्यापार के विस्तार ने उत्पादन को बढ़ाना आवश्यक बना दिया।
3. पत्थर के कोयले की उपलब्धि।
4. वाणिज्यवाद से संचित धन।
5. मनुष्य ने अपने जीवन को उन्नत बनाने का प्रयास किया क्योंकि वह भौतिकवाद से प्रभावित था।

प्रश्न : मुद्रण यंत्र के आविष्कार ने पुनर्जागरण को प्रभावित किया। स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : 16वीं शताब्दी के मध्य में जर्मनी के गुटेनबर्ग ने मुद्रण यंत्र का आविष्कार किया परिणामस्वरूप पुनर्जागरण की परिस्थितियों को नये आयाम मिले। बौद्धिक विकास और ज्ञान-विज्ञान के प्रसार के लिए मार्ग प्रशस्त हुआ। पुस्तकों का प्रकाशन सहज एवं कम मूल्य से संभव हो जाने पर वे सामान्य जन की पहुंच में हो गयी। इससे अंध विश्वास, रूढ़ियों व कट्टरवादिता की जगह नवीन, साहसी एवं तार्किक दृष्टिकोण ने ले ली।

प्रश्न : मानववाद का प्रारंभ कहाँ हुआ? उसकी पांच विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर : मानववाद का प्रारंभ 14वीं शताब्दी में इटली में हुआ तथा पैत्रार्क (इतालवी) को मानववाद का जनक कहा जाता है। मानववाद की प्रमुख विशेषताऐं :-
1.मानव की भौतिक जीवन की समस्याओं का अध्ययन,
2.मानव सम्मान व उसके महत्त्व पर बल,
3.धार्मिक रूढियों व अंधविश्वासों की कटु आलोचना।
4.वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा स्वतंत्र चिंतन पर बल।

प्रश्न : "मार्टिन लूथर उदार नहीं था"। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : लूथर ने राजाओं के अधिकारों का पूर्ण समर्थन करते हुये उनको ईश्वर प्रदत्त माना। समाज के स्थायित्व के लिए वह दास प्रथा को अनिवार्य मानता था। जर्मन कृषक विद्रोह का लूथर ने तीव्र विरोध किया इससे जर्मन शासकों का तो उसे समर्थन मिला किन्तु जर्मन जनता में उसकी लोकप्रियता कम होती गई यहाँ तक कि जर्मन किसान वर्ग तो लूथर के सिद्धांतों का विरोध भी करने लगा था। संक्षेप में, लूथर धर्म भिन्न विषयों पर सामान्य जनता के प्रति काफी सीमा तक अनुदार दृष्टिकोण रखता था।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-148)

भारतीय अर्थव्यवस्था

प्रश्न : विदेशी निवेश को परिभाषित कीजिये। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से होने वाले लाभों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : विदेशी पूंजी का वह प्रवाह जो किसी देश की कंपनियों परिसंपत्तियों में स्वामित्व। हिस्सेदारी के रूप में निवेश किया जाता है तथा उसके प्रबंधन में सक्रिय भागीदारी दिखाई जाती है। विदेश निवेश कहलाता है।

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लाभ :

1. इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की क्षमता बढ़ती है।
2. सेवाओं की आपूर्ति बढ़ने से अर्थव्यवस्था का आधार खड़ा होता है।
3. इससे न केवल पूँजी आती है बल्कि प्रबंधन, तकनीकी, कार्य-संस्कृति, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं नीतियों के साथ ही दक्षता आती है।
4. रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ते है।
5. यह स्थायी प्रकृति का है अतः अर्थव्यवस्था के वर्तमान का पता चलता है।

प्रश्न : बहुराष्ट्रीय कंपनियां क्या है? बहुराष्ट्रीय कंपनियों से होने वाले लाभ लिखिये।

उत्तर : ऐसी कंपनियाँ, जो एक से अधिक देशों में काम करती हैं तथा जो अपनी आय का 25 प्रतिशत से अधिक बाहर के देशों से प्राप्त करती है, बहुराष्ट्रीय कंपनियां है। इनसे होने वाले लाभ निम्न है :

1. व्यापक स्तर पर निवेश को बढ़ावा मिलता है।
2. इनकी स्थापना से रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा मिलता है।
3. देश में तकनीकी एवं प्रबंधन की प्राप्त होती है।
4. अर्थव्यवस्था का आकार तथा क्षमताओं का विस्तार होता है।
5. प्रतिस्पर्धा बढ़ने से अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलता है तथा वैश्विक स्तर पर बेहतर संबंधों का दौर शुरू होता है। जैसे - भारत-जापान।

प्रश्न : कैपिटल गुड्स नीति-2016 के लक्ष्य क्या है?

उत्तर : पूँजीगत उत्पादों के उत्पादन को देश में ही बढ़ावा देने हेतु पहली बार राष्ट्रीय कैपिटल गुड्स नीति मई 2016 में घोषित की गई, ताकि विदेशों पर निर्भरता कम हो सके। इस नीति के लक्ष्य निम्न हैं-

1. देश में पूंजीगत उत्पादों के उत्पादन को अगले 10 वर्षों में तीन गुना कर रोजगार के दो करोड़ नए अवसर सृजित करना।
2. वर्तमान में कैपिटल गुड्स का वार्षिक उत्पादन 2.30 लाख करोड़ है जिसे 2025 तक बढ़ाकर 7.50 लाख करोड़ करने का लक्ष्य इस नीति में निर्धारित किया गया है।
3. कैपिटल गुड्स के निर्यात का भी लक्ष्य नई नीति में निर्धारित किया गया है। जिसे मौजूदा 27 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत निर्यात का लक्ष्य रखा गया है।
4. भारत को "विश्वसनीय कैपिटल गुड्स केन्द्र" का विजन साकार होगा और **"मेक इन इंडिया"** को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रश्न : नैरोबी घोषणा-2015 से भारतीय खाद्य सुरक्षा कानून एवं कृषि सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है, चर्चा कीजिये।

उत्तर : WTO की दोहा दौर की वार्ता में यह निर्णय लिया गया था कि कोई भी अल्प विकसित देश कृषि हेतु 10 प्रतिशत सब्सिडी तथा विकसित देश 5 प्रतिशत सब्सिडी दे सकता है तथा बाली घोषणा के पीस क्लॉज के तहत खाद्य सुरक्षा की सुविधा 5 वर्ष के लिए दी गई। लेकिन नैरोबी घोषणा-2015 में इन दोनों ही मुद्दों का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका। इससे भारत का खाद्य सुरक्षा कानून सीधे तौर पर प्रभावित होगा तथा 2017 के बाद इस पर ग्रहण लग सकता है। अतः भारत के नेतृत्व में 50 देशों द्वारा कृषि सब्सिडी के मुद्दे पर नैरोबी घोषणा का विरोध किया गया, किन्तु कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला।

प्रश्न : मुद्रा-स्फीति के नकारात्मक प्रभाव लिखिये।

उत्तर : मूल्य स्तर में लगातार वृद्धि एवं मुद्रा की क्रय-शक्ति में लगातार गिरावट ये दोनों स्थितियाँ एक साथ मौजूद हों, तो उसे मुद्रा स्फीति कहते हैं।

नकारात्मक प्रभाव :

1. क्रय-शक्ति घटने से पहले की तुलना में वस्तुओं एवं सेवाओं का कम उत्पादन होगा।
2. गरीबी, भूखमरी एवं कुपोषण में वृद्धि होगी।
3. उत्पादन की गुणवत्ता घटेगी
4. ऋणदाता संस्थाओं को भारी नुकसान हो सकता है।
5. इससे मुद्रा सस्ती होगी।
6. आधुनिकीकरण व नवाचार मंहगा/लागत बढ़ जाती है।
7. सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रम प्रभावित होंगे।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-149)

राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : नेवर।

उत्तर : स्त्रियों के पांवों में पहने जाने वाला चाँदी का एक आभूषण जो गोल और खोखला होता है।

प्रश्न : भोगी सैल।

उत्तर : मारवाड़ बाद में जोधपुर की प्राचीन राजधानी मण्डोर के पास स्थित पर्वत का नाम है। पुरुषोत्तम (मल) मास में इनकी परिक्रमा लगती है।

प्रश्न : अमरचन्द बांठिया।

उत्तर : राजस्थान का दूसरा भामाशाह जिसने 1857 के विप्लव में झांसी की लक्ष्मीबाई की आर्थिक सहायता की। जिससे क्रुद्ध अंग्रेजों ने सबसे पहले फांसी दी।

प्रश्न : डावरिया।

उत्तर : रियासती शासनकाल में राजपूतों में विवाह के अवसर पर दहेज के साथ कुछ कंवारी कन्याऐं वर-पक्ष को दी जाती थी।

प्रश्न : आवां के मंदिर।

उत्तर : प्रतिहारकालीन मंदिर, जो कोटा से 50 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित प्राचीन ऐतिहासिक नगरी आवां में स्थित है।

प्रश्न : चोगोला।

उत्तर : बिछीवाड़ा (डूंगरपुर) क्षेत्र के गांवों में स्त्री-पुरुषों द्वारा जलती हुई होली के चारों ओर चार गोले बनाकर किया जाने वाला नृत्य।

प्रश्न : विजय राज राजेश्वर शिवालय।

उत्तर : डूंगरपुर शहर में स्थित गेपसागर झील में सफेद संगमरमर से निर्मित शिवालय जो कलात्मकता और सौदर्य के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न : राजस्थानी लोक नाट्यों में प्रमुख ख्याल।

उत्तर : कुचामनी ख्याल, जयपुरी ख्याल, शेखावटी ख्याल, तुर्रा कलंगी ख्याल, अलीबक्शी, किशनगढ़ी, नौटंकी ख्याल मांची ख्याल और हाथरसी ख्याल प्रमुख है।

प्रश्न : भीम जी डूंगरी।

उत्तर : प्राचीन मत्स्य प्रदेश की राजधानी विराटनगर (बैराठ) जो बौद्ध धर्म का सांस्कृतिक केन्द्र है। अशोककालीन दूसरा अभिलेख इसी डूंगरी पर उत्कीर्ण है।

प्रश्न : पटका।

उत्तर : कमरबंध/अंगरखी के ऊपर कमर पर बांधा जाने वाला वस्त्र, जिसमें तलवार घुसी रहती है। बनारस के पटके प्रसिद्ध हैं।

50 शब्द

प्रश्न : चीरवा का शिलालेख।

उत्तर : राजसंमद के चिरवा गांव के एक मंदिर की दीवार पर 1273 ईस्वी का उत्कीर्ण शिलालेख जिसमें मेवाड़ के गुहिलवंशीय शासकों - बप्पा, जैत्रसिंह, तेजसिंह की उपलब्धियों का उल्लेख व समाज में सतीप्रथा जैसी सामाजिक प्रथाओं, विष्णु व शिव मंदिरों की स्थापना की जानकारी मिलती है। इससे तात्कालिन गांवों के बसाव, खेतों की जानकारी के साथ टांटेड जाति के तलारक्षों की जानकारी मिलती है।

प्रश्न : राजस्थान के व्यावसायिक लोकनृत्य।

उत्तर : राजस्थान में कुछ पेशेवर जातियाँ व्यावसायिक लोकनृत्य का प्रदर्शन करती है। जो निम्न है :-

1. **भवाई** :- उदयपुर की भवाई जाति के स्त्री-पुरूषों का नृत्य, जिसके प्रवर्तक बाघा जी जाट थे। तेज लय में 7-8 मटके रखकर गिलास, थाली के किनारों, तलवार की ढाल, काँच के टुकड़ों पर नृत्य करना प्रमुख विद्यायें है।
2. **तेरहताली** :- कामड़ जाति के रामदेवजी के भोपों का नृत्य जो शारीरिक कौशल से परिपूर्ण स्त्री नृत्य है।
3. **कच्छी घोड़ी** :- पुरूषों द्वारा किया जाने वाला सामूहिक और वीररस का शेखावाटी नृत्य है।
4. कठपूतली नृत्य, भोपो के नृत्य, कंजरों के नृत्य तथा कालबेलियों के नृत्य आदि अन्य व्यावसायिक नृत्य है।

प्रश्न : चंदायन।

उत्तर : बारहमासा के चित्रों का अंकन मुल्ला दाउद कृत "चंदायन" से प्रारंभ हुआ माना जाता है। कवि श्रेष्ठ केशवदास की "कविप्रिया" भी एक श्रेष्ठ कृति है। मेवाड़ में महाराणा कुंभा के आदेश से भीकमचंद द्वारा "रसिकाष्टक" की सचित्र प्रति तैयार की गई। इसमें भाट्ऋतु का चित्रण हुआ है।

प्रश्न : राजस्थानी लोक चित्रकला।

उत्तर : लोक चित्रकला ग्रामीणों के आंतरिक सौंदर्य, कलात्मक अभिव्यक्ति, लोक रंजकता की परिचायक है। जो निम्न प्रकार है :-

भूमि एवं भित्ति चित्र : 1. अकारद चित्रभित्ति, देवरा, पथवारी 2. अमूर्त, सांकेतिक, ज्यामितीय, साँझी, मांडणा। 3. कपड़े पर चित्र पट चित्र-पिछवई, फड़। 4. लकड़ी पर निर्मित चित्र-कावड़, खिलौने, मानव शरीर पर गोदना, मेहन्दी

प्रश्न : खड़ाणा

उत्तर : गुरु जाम्भोजी ने 29 नियमों में से एक नियम वृक्ष न काटने का भी बताया। खेजड़ी मरु भूमि का कल्पतरू है। खेजड़ी की रक्षार्थ, स्वेच्छा से प्राणोत्सर्ग को खडाणा या साका कहते हैं। जो विश्नोईयों में होते रहते हैं। रामासड़ी (जोधपुर) में दो विश्नोई जाति के करमा व गौरा ने 1604 में खेजड़ी काटने के विरोध में आत्म बलिदान किया। सर्वाधिक प्रसिद्ध घटना 1730 ई. की खेजड़ली गांव की है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-150)

राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : गोपीजी भट्ट।

उत्तर : जयपुर में जन्में तमाशा के प्रसिद्ध कलाकार, जिन्होंने तमाशे के अलावा पद गायकी, गीत गोविन्द और हवेली संगीत में ख्याति प्राप्त की।

प्रश्न : न्यौत बरोड़।

उत्तर : उदयपुर महाराणा के पुत्र, पुत्रियों व बहिन की शादी पर लिया जाने वाला नजराना था।

प्रश्न : बप्पा रावल।

उत्तर : आठवीं शताब्दी में मेवाड़ राज्य की नींव डालने वाले, सोने के सिक्कों का प्रचलन, एकलिंग जी मंदिर की स्थापना की। नागदा में समाधि है।

प्रश्न : गागरोण का युद्ध।

उत्तर : मेवाड़ महाराणा सांगा एवं मांडू के शासक महमूद खिलजी द्वितीय के मध्य 1519 ईस्वी में हुआ युद्ध, जिसमें सांगा विजयी हुये।

प्रश्न : चावण्ड।

उत्तर : उदयपुर में स्थित महाराणा प्रताप की संकटकालीन राजधानी, जहाँ जनवरी 1597 ईस्वी में महाराणा की मृत्यु हुई।

प्रश्न : बूढ़ी तीज।

उत्तर : भाद्रपद कृष्णा तृतीया को बूढ़ी तीज मनायी जाती है तथा इस दिन व्रत रखकर गायों की पूजा की जाती है।

प्रश्न : लाटा।

उत्तर : भूमि लगान वसूली की प्रथा, जिसमें जागीर/ठिकाने के अधिकारी की निगरानी में फसल काटकर, धान साफ कर लगान तौलकर दिया जाना।

प्रश्न : साधु सीताराम।

उत्तर : बिजौलिया (भीलवाड़ा) में जन्में, बिजौलिया किसान आंदोलन के प्रारंभिक नेतृत्वकर्त्ता, जिसने किसानों को सामन्ती शोषण से बचाने का कार्य किया।

प्रश्न : चरखा संघ।

उत्तर : महात्मा गांधी से प्रेरित जमनालाल बजाज ने जयपुर में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं स्वदेशी भावना विकसित करने हेतु की।

प्रश्न : महामन्दिर।

उत्तर : नाथ सम्प्रदाय का प्रमुख तीर्थ स्थल एवं मंदिर, जिसका निर्माण जोधपुर शहर में महाराजा मानसिंह ने करवाया।

50 शब्द

प्रश्न : जूनागढ़ प्रशस्ति।

उत्तर : इसे रायसिंह प्रशस्ति भी कहते है जिसे बीकानेर नरेश रायसिंह ने बीकानेर के जूनागढ़ में दुर्ग के पार्श्व में 1593 में स्थापित करवाई। इसके रचयिता जइता नामक जैन मुनि थे इसमें दुर्ग के निर्माण की तिथि, राव बीका से लेकर रायसिंह तक के शासकों की उपलब्धियाँ तथा राव रायसिंह की काबुल विजय का उल्लेख है।

प्रश्न : डाबी कांड।

उत्तर : बूंदी राज्य में 1922-25 के मध्य हुआ किसान आंदोलन जिसे बरड़ किसान आंदोलन भी कहा जाता है, को विजय सिंह पथिक के मार्गदर्शन में राजस्थान सेवा संघ के तत्वाधान में बिजौलिया पैटर्न पर चलाया गया। इसका प्रमुख क्षेत्र डाबी था। इस आंदोलन ने सम्पूर्ण बरड़ क्षेत्र में कर बंदी अभियान चलाया। फलस्वरूप 2 अप्रैल, 1929 को डाबी में हुई सभा में पुलिस अधीक्षक इकराम हुसैन की गोली से झण्डा गीत गाते हुये नानक जी भील की मृत्यु हुई।

प्रश्न : शेखावाटी क्षेत्र के लोकनृत्य।

उत्तर : शेखावाटी क्षेत्र में निम्नलिखित क्षेत्रीय लोकनृत्य प्रसिद्ध है:-

1. **गीदड़ नृत्य:-** सीकर, चूरू, सुजानगढ़, लक्ष्मणगढ़, रामगढ़ में होली पर प्रहलाद स्थापना (डांडा रोपने) के अवसर पर पुरूषों द्वारा हाथों में लिये डंडों को भिड़ाते हुये वृत्ताकार रूप में स्वांग भरकर नगाड़े पर नृत्य किया जाता है।
2. **चंग नृत्य :-** पुरूषों का सामूहिक होली नृत्य, जो चंग लेकर बजाते हुये वृत्ताकार रूप में किया जाता है।

प्रश्न : रम्मत।

उत्तर : ये ऐतिहासिक लोकनायकों द्वारा पौराणिक तथ्यों के आधार पर रंगमंच पर अभिनीत काव्य रचनाऐं हैं। बीकानेर की रम्मत सर्वाधिक प्रसिद्ध है। इसका मंच सादा व खुला होता है। जिस पर रम्मत शुरू होने से पहले मुख्य कलाकार (खेलार) अपनी आकर्षक वेश-भूषा में आकर बैठ जाते है। चौमाशा, लावणी, गजपति वंदना, रामदेवजी के भंजन गाये जाते है। साहित्यिकता रम्मत की सबसे बड़ी विशेषता है। तेज कवि ने स्वतंत्र बावनी, मूमल, भर्तृहरि आदि रम्मतों की रचना की। रामगोपाल, सांई सेवरा, जीतमल गींडोजी प्रमुख कलाकार रहे है।

प्रश्न : निम्बार्क सम्प्रदाय।

उत्तर : 13वीं शताब्दी में निम्बार्काचार्य द्वारा स्थापित। प्रमुख पीठ सलेमाबाद, किशनगढ़ (अजमेर) में है। इसमें राधा को कृष्ण की परिणीता मानकर युगल रूप में पूजा की जाती है। अन्य सम्प्रदायों की भांति इसका प्रमुख प्रसार वृन्दावन में हुआ। निम्बार्काचार्य ने ब्रह्मसूत्रों पर वेदान्त परिजात भाष्य लिखा और द्वैताद्वैत मत चलाया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-151)

राज्य प्रशासन

100 शब्द

प्रश्न : राज्य प्रशासन के प्रशासनिक मुखिया के रूप में मुख्य सचिव की भूमिका एवं कार्यों की संक्षेप में चर्चा कीजिये।

उत्तर : मुख्य सचिव राज्य सचिवालय का कार्यकारी प्रमुख होता है। मुख्य सचिव की स्थिति उसी तरह है जिस तरह भारत सरकार के कैबिनेट सचिव की। मुख्य सचिव की भूमिका एवं कार्य निम्न है:-

1. **मंत्रीमंडलीय सचिव के रूप में:-** मुख्य सचिव मंत्रिमंडल की बैठकों के बुलाने की सूचना देना, बैठकों का ब्यौरा तैयार करना एवं बैठक में भाग लेना, मंत्रिमंडल द्वारा लिए गये निर्णयों एवं कार्यवाहियों का रिकार्ड रखना एवं उनकी प्रति राज्यपाल, मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों को भेजना।
2. **कार्मिक प्रशासन से संबंधित दायित्व :-** पदोन्नति, वरिष्ठता, निर्धारण, स्थानांतरण, पदस्थापन, सेवानिवृत्ति एवं सेवा शर्तों में संशोधन से संबंधित कार्य करना/राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति में मुख्यमंत्री को सलाह देना आदि।
3. **सामान्य प्रशासन के सचिव के रूप में :-** राज्य में विशिष्ट अतिथियों के आगमन की व्यवस्था, अतंरराज्यीय विवादों की समीक्षा, सरकारी आवास, भवन तथा विश्राम गृहों से संबंधित मामलों में निर्णय देना।
4. **योजना निर्माण :-** एक वर्षीय/पंचवर्षीय योजनाओं के सन्दर्भ में राष्ट्रीय स्तर पर मुख्य सचिव ही राज्य का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रश्न : राजस्थान लोक सेवा अधिनियम-2011 के मुख्य प्रावधान।

उत्तर : राज्यपाल, राजस्थान ने 21 सितंबर, 2011 को राज्य विधानमंडल द्वारा पारित लोक सेवा गारंटी अधिनियम को मान्यता प्रदान की। इसका विस्तार संपूर्ण राजस्थान में है। इस अधिनियम के मुख्य प्रावधान निम्न हैं:-

1. लोक प्राधिकारी (जिसमें राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन, नियंत्रणाधीन या प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से उसके द्वारा उपलब्ध विधियों से सारतः वित्त पोषित कोई प्राधिकारी या निकाय सम्मिलित है) को नियत समय-सीमा के भीतर सेवा प्रदान करनी होगी।
2. यदि जिम्मेदार प्राधिकारी (पदासीन अधिकारी) कोई सेवा प्रदान करने में पर्याप्त और युक्तियुक्त कारण के बिना विफल रहा है तो उसे एक मुश्त राशि (500 रूपये से 5000 रूपये तक) की शास्ति (Penalty) का भुगतान करना होगा।
3. इस अधिनियम में अपील का भी प्रावधान है जो सेवा प्राप्त करने वाले व्यक्ति द्वारा प्रथम अपील (3 दिन) तथा द्वितीय अपील (60 दिवस) के भीतर की जा सकेगी।
4. इस अधिनियम के तहत जारी किसी भी आदेश का पुनरीक्षण करने की शक्ति राज्य सरकार को है।
5. सद्भावपूर्ण की गयी कार्यवाही के लिए संरक्षण का प्रावधान भी किया गया है।

प्रश्न : संविधान में उल्लेखित उन उपबंधों की चर्चा कीजिये जो कि राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के बीच के संबंधों को स्पष्ट करते हैं।

उत्तर : प्रमुख उपबंध निम्न प्रकार हैं:-

1. **अनुच्छेद -163 :-** इसके अधीन राज्यपाल से अपेक्षित है कि वह अपने कृत्यों या उनमें से किसी को अपने विवेकानुसार करे उन बातों को छोड़कर राज्यपाल को अपने कृत्यों का प्रयोग करने में सहायता और सलाह के लिए एक मंत्रिपरिषद् होगी, जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।
2. **अनुच्छेद-164:-** (A) मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगा और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर ही करेगा।
   (B) मंत्री राज्यपाल के प्रसाद पर्यंत अपना पद धारण करेंगें,
   (C) मंत्रिपरिषद् की सामूहिक जिम्मेदारी राज्य विधानसभा के प्रति होगी।
3. **अनुच्छेद-167:-** मुख्यमंत्री का कर्तव्य है कि वह राज्य कार्यों के प्रशासन संबंधी और विधान विषयक प्रस्थापनाओं संबंधी मंत्रिपरिषद् के सभी विनिश्चय/निर्णय/प्रस्ताव राज्यपाल को संसूचित करे।

- राज्यपाल द्वारा राज्य प्रशासन से संबंधित मामलों अथवा विधायन प्रस्तावों के बारे में मांगे जाने पर सूचना प्रदान करना।

किसी विषय को जिस पर किसी मंत्री ने निश्चित कर दिया है किंतु मंत्रिपरिषद् ने विचार नहीं किया है, राज्यपाल द्वारा अपेक्षा किए जाने पर परिषद के समक्ष विचार के लिए रखे।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-152)

लोक प्रशासन

100 शब्द

प्रश्न : सामान्यज्ञों एवं विशेषज्ञों के बीच संबंधों को अधिक सौहार्द्रपूर्ण बनाने हेतु सुझाव दीजिये।

उत्तर : 1. समूचे भारतीय प्रशासन का पुनर्गठन कर अधिकांश पदों को दो भागों में विभक्त करना होगा ताकि यह तय हो सके कि कौनसे सामान्यज्ञ प्रधान एवं कौनसे विशेषज्ञ प्रधान रहेंगें।

2. नवीन विशेषीकृत सेवाओं की शीघ्र स्थापना हो ताकि इन सेवाओं के विशेषज्ञों को सामान्य सेवा से सदस्यों के समकक्ष दर्जा/सुविधाएं दी जा सके।

3. विदेशी प्रशासन प्रणाली को त्याग कर राष्ट्रीय प्रतिभा से उद्भूत स्वदेशी प्रशासनिक संस्कृति के द्वारा एक ऐसा प्रशासनिक प्रौद्योगिकी मिश्रित प्रशासक वर्ग का सृजन हो। इस हेतु वर्तमान प्रशिक्षण प्रक्रिया, वृत्तिक आयोजन एवं वृत्तिक विकास में परिवर्तन करना होगा ताकि प्रबंधकीय दायित्व निर्वाह हेतु प्रतिभा संपन्न व्यक्तियों का चयन किया जा सके।

4. सामान्यज्ञों एवं विशेषज्ञों को एक साथ रखने, अध्ययन करने, विचारों एवं दृष्टिकोणों का खुला आदान-प्रदान करने हेतु 'साझा प्रशिक्षण संस्थान' की अविलम्ब स्थापना हो।

5. सचिवालय एवं कार्यपालक अभिकरण की समानान्तर पद सोपान व्यवस्था को एकीकृत कर द्विगुणन से बचा जाय इससे उच्चस्तरीय विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करके कार्यक्षमता में वृद्धि की जा सकती है।

प्रश्न : प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण का क्षेत्र को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : किसी भी प्रशासनिक संस्था या प्राधिकारी को मनमाने ढंग से व्यवहार करने एवं किसी व्यक्ति के विधि सम्मत अधिकारों का उल्लंघन करने पर न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप किया जा सकता है :-

वैधानिक त्रुटि :- किसी प्रशासनिक संगठन/अधिकारी द्वारा ऐसा कृत्य करना, जो विधि (कानून) की दृष्टि में गलत है और नागरिकों पर व्यापक बंधन लगाते हैं, वैधानिक त्रुटि है। अतः पीड़ित व्यक्ति दुस्साहस करने वाले अधिकारी के विरूद्ध न्यायालय से हस्तक्षेप की माँग कर सकता है।

अधिकारी द्वारा स्वविवेकीय शक्तियों का दुरूप्रयोग :- प्रत्येक अधिकारी के पास स्वविवेक से निर्णय लेने की शक्ति होती है। यदि वह इन अधिकारों व शक्तियों का दुरूप्रयोग बदले की भावना, द्वेष, स्वार्थ तथा पद के अंहकारवंश कोई कृत्य करता है तो न्यायालय से न्याय मांगा जा सकता है।

अधिकार क्षेत्र का अभाव :- किसी प्रशासनिक संगठन/अधिकारी द्वारा उसके निर्धारित कार्यक्षेत्र की परिधि से बाहर जा कर यदि कोई कृत्य किया जाता है तो न्यायालय इस संबंध में आदेश जारी कर सकता है।

तथ्य अन्वेषण में त्रुटि :- यदि किसी अधिकारी ने तथ्यों को जाने या समझे बिना ही आदेश पारित किया हो तो उसके विरुद्ध न्यायालय में शरण ली जा सकती है।

प्रक्रिया संबंधी त्रुटि :- यदि कोई अधिकारी बिना प्रक्रिया का पालन किए या पूर्व परम्पराओं को निभाये बिना ही मनमर्जी से आदेश जारी करे तो न्यायालय इस संबंध में हस्तक्षेप जारी कर सकता है।

प्रश्न : नव लोक प्रबंधन की उत्पत्ति के कारक एवं इसकी विशेषताएं बताइये।

उत्तर : सर्वप्रथम पोलित ने वर्ष 1990 में प्रशासन में प्रबंधकीय तकनीकों से समावेशन वाली इस तकनीक को प्रबंधवाद कहा।

नवलोक प्रबंधन की उत्पत्ति हेत निम्न कारण है :-

1. **लोक व्यय में भारी वृद्धि** :- इससे राज्य की प्रकृति लोक कल्याणी हो गई जिससे सभी वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति का दायित्व सरकार का हो गया और राज्य का आकार एवं व्यय बढ़ गये।
2. **नव उदारवादी दर्शन**- इसने उदारीकरण की वकालत की।
3. **लोक चयन सिद्धांत का प्रतिपादन** – प्रतिस्पर्धा बढ़ी, कार्यकुशलता-मित्तव्यता बढ़ी।
4. सरकार की पुनःखोज की अवधारणा का जन्म

ओसबर्न और गैबलर ने अपनी पुस्तक 'सरकार की पुनःखोज' में सरकार की नई भूमिका की वकालत की जिसे 'उद्यमशील सरकार' कहा। नवलोक प्रबंधन की विशेषताएं निम्न प्रकार है :-

क्रिस्टोफर हुड (Hood) ने अपनी पुस्तक "लोक प्रबंध के प्रमुख तत्त्व" में निम्न बिन्दु बताये हैं :-

1. लोक प्रशासन में व्यावसायिक प्रबंधन पर बल दिया जाना।
2. सार्वजनिक क्षेत्र में निजी क्षेत्र को लाना,
3. प्रतिस्पर्धा-उद्देश्य सरकारी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा से सेवाओं और उत्पादों की लागतों में कमी लाना, उनके मानदण्डों को ऊपर उठाना आदि अभिप्रेरणा का कारण होना चाहिए।
4. मानदण्ड निर्धारण-लक्ष्य निर्धारण एवं निष्पादन मूल्यांकन पर बल देना है।
5. संसाधनों के बँटवारे पर विशेष ध्यान।
6. संविदाकरण की शुरूआत आदि है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-153)

भारतीय राज्य व्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : भारत में राष्ट्रीय अखण्डता को बनाये रखने के सम्मुख बांधाएं कौनसी हैं?

उत्तर : नृजातीयता, जातीयता, सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता एवं भाषावाद भारत में राष्ट्रीए एकता प्राप्त करने के मार्ग में सबसे बड़ी बाधांए है। भारत के विभिन्न भागों में जो अलगाववादी आंदोलन चल रहे हैं, उसके मूल में नृजातीयता, भाषायी, आर्थिक या सांप्रदायिक कारण प्रमुखतः हैं।

नृजातीयता संबंधी समस्या पूर्वोत्तर राज्यों में है इन राज्यों में चल रहे अलगाववादी आंदोलन नृजातीयता से जुड़े हुये हैं। पूर्वोत्तर राज्यों के ये लोग स्वयं को भारतीयता से नहीं जोड़ पाते हैं।

संविधान में जातिवाद के विरुद्ध प्रावधानों के बावजूद इसे समाप्त नहीं किया जा सका है। आरक्षण के रूप में जातिवाद ने उग्र रूप ले लिया है। जैसे हरियाणा। जातीय हिंसा एवं दलितों की पिटाई सभ्य भारतीय समाज में आम बात हो गई है।

भारत की 26 प्रतिशत जनसंख्या भूखे पेट सोती है। अतः आर्थिक कारण राष्ट्रीय एकता प्राप्त करने में प्रमुख बाधा है। हिन्दी भाषी क्षेत्रों में नक्सलवादी आन्दोलन इसी का परिणाम है। सांप्रदायिक हिंसा भारत में अल्पसंख्यक लोगों के मन में असुरक्षा की भावना पैदा करती है और सांप्रदायिक राजनीति इसमें आग में घी का का काम करती है। गैर हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिन्दी का विरोध वर्तमान में प्रमुख भाषायी समस्या है।

प्रश्न : भारत में मतदान व्यवहार के प्रमुख निर्धारक कौन-कौन से हैं-

उत्तर : सामान्यतः मतदान व्यवहार के प्रमुख मुद्दे/निर्धारक निम्न प्रकार है

1. जन साधारण के जीवन से जुड़े मुद्दे- मंहगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, सुविधाओं के विकास आदि मुद्दों पर जनता सर्वाधिक प्रभावित होकर मतदान करती है।
2. राष्ट्रीय सुरक्षा, युद्ध एवं शांति संबंधी मुद्दे, आर्थिक विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तरक्की आदि मुद्दे प्रबुद्ध मतदाताओं के आचरण को प्रभावित करते हैं।
3. प्रादेशिकता एवं क्षेत्रीयता के मुद्दे हमेशा से मतदान व्यवहार को निर्धारित करते रहे हैं।
4. जाति पर आधारित मुद्दे, आरक्षण की राजनीति, ध ार्मिक भावानाओं को भड़काने वाले तथ्य गत दो दशकों से मतदान व्यवहार का सबसे बड़ा निर्धारक रहा है।
5. प्रत्याशी विशेष की योग्यता, लोकप्रियता, राजनीतिक दलों के नाम पर मतदान करते हैं।

संक्षेप में स्थान विशेष के मुद्दे, आकस्मिक घटना क्रम एवं किसी व्यक्ति/राजनीतिक दल द्वारा किसी मुद्दे को लेकर साहानुभूति की लहर आदि। मतदान व्यवहार के प्रमुख निर्धारक है।

प्रश्न : किन परिस्थितियों में संसद राज्य विषयों पर विधि ा-निर्माण कर सकती है।

उत्तर : निम्न परिस्थितियों में संसद द्वारा राज्य सूची के विषयों पर विधि निर्माण किया जा सकता है।

संविधान के अनुच्छेद-249 राज्य सभा यदि सदन में उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से राज्य सूची के किसी विषय को राष्ट्रीय महत्त्व का घोषित कर दे, तो उस विषय पर कानून निर्माण की शक्ति संसद को प्राप्त हो जाती है। ऐसा प्रस्ताव एक वर्ष के लिए लागू होता है। राज्य सभा चाहे तो पुनः उस अवधि को एक वर्ष के लिए बढ़ा सकती है।

संविधान के अनुच्छेद- 353। देश में या उसके किसी भाग में अनुच्छेद-352(1) के अधीन आपात उद्घोषणा प्रर्वतन में हो तो संसद को भारत अथवा उसके किसी क्षेत्र विशेष के लिए सभी सूचियों जिसमें कि राज्य सूची भी शामिल है, के विषयों पर कानून निर्माण करने की शक्ति प्राप्त हो जाएगी। इसी तरह कि व्यवस्था अनुच्छेद-356 के लागू होने के बाद भी प्राप्त होती है।

संसद संविधान की सातवीं अनुसूची के समवर्ती सूची के विषयों पर कानून का निर्माण करती है। यदि कोई विषय इस संदर्भ में राज्यों से संबंधित हो तो भी संसद द्वारा पारित विधि ही मान्य होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-154)

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : सिन्धु घाटी सभ्यता में नगर योजना

उत्तर : इसका नगर नियोजन जाल पद्धति पर आधारित जिसे ऑक्सफोर्ड सर्कस भी कहा जाता है। नगर नदियों के किनारे बसे थे।

प्रश्न : गुहा शैलकृत स्थापत्य कला

उत्तर : पूर्व मौर्यकाल में प्रारंभ एवं पूर्व मध्यकाल तक विकसित। प्रारंभ में चैत्य एवं विहार बने तत्पश्चात् पल्लवों के रथ मन्दिर, एलोरा का कैलाश मंदिर बनाये गये।

प्रश्न : महायान बौद्ध धर्म

उत्तर : चौथी बौद्ध संगति के दौरान विकसित इस शाखा में बुद्ध की मूर्तियां बनाकर पूजा की जाने लगी, संस्कृत भाषा का प्रयोग हुआ।

प्रश्न : यक्षगान

उत्तर : कनार्टक का नाटकीय रूप जो शरीर की गति मानव के आधारभूत भावनाओं को प्रदर्शित करती है। इसकी विषयवस्तु धार्मिक है।

प्रश्न : सारनाथ

उत्तर : मौर्य शासक अशोक द्वारा निर्मित इस स्तंभ के शीर्ष पर चार सिंह की आकृति निर्मित है। भारत का राजकीय चिन्ह इसी आकृति को बनाया गया है।

प्रश्न : उपनिषद्

उत्तर : उत्तर वैदिक काल में रचित वेद का अंतिम भाग जिसमें गुरू शिष्य को पास बैठाकर दर्शन का ज्ञान देता है। इनकी संख्या 108 है।

प्रश्न : कुमारसंभव

उत्तर : गुप्त काल में महाकवि कालिदास द्वारा रचित 17 सर्गों में विभाजित महाकाव्य जिसमें शिव और पार्वती के पुत्र कुमार (कार्तिकेय) के जन्म की कथा वर्णित है।

प्रश्न : गांधार कला

उत्तर : मूर्तिकला की एक विशिष्ट शैली जिसका विकास कनिष्क के समय हुआ। इसे इंडो-ग्रीक कला भी कहते है।

प्रश्न : चिश्ती सिलसिला

उत्तर : शेख मोईनुद्दीन चिश्ती के द्वारा 12वीं शताब्दी में अजमेर में स्थापित सिलसिला। निजामुद्दीन औलिया, गेसूदराज प्रमुख संत थे।

प्रश्न : आजीवक

उत्तर : छठी शताब्दी ईसा पूर्व में मक्खलि पुत्र गोशाल द्वारा स्थापित एक सम्प्रदाय जो अनिश्वरवादी एवं नियति के सिद्धान्त में विश्वास रखता था।

50 शब्द

प्रश्न : प्राकृतिक एवं सांस्कृति विरासत के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : किसी प्रदेश में प्रकृति प्रदत्त सभी संसाधन जैसे नदिया, पर्वत, पठार, समुद्र, झील, तालाब, वन क्षेत्र, जीव जन्तु एवं रेगिस्तान आदि प्राकृतिक विरासत माने जाते हैं। जबकि मानव द्वारा सभ्यता के विकास के विभिन्न चरणों से गुजरते हुए कला एवं संस्कृति के जो प्रतिमान स्थापित हैं, वे ही सांस्कृतिक विरासत माने जाते हैं। जैसे- नृत्य, संगीत, स्थापत्य, मूर्तिकला, साहित्य, सामाजिक एवं धार्मिक रीति-रिवाज।

प्रश्न : चोलों की वास्तुकला को समझाईये।

उत्तर : चोल काल में मंदिर स्थापत्य कला की द्रविड़ शैली जिसका प्रारंभ पाण्ड्य तथा पल्लवों ने सातवीं एवं नवीं शताब्दी के बीच किया जो शीर्ष पर पहुँच गई चोल काल में ईंटों के स्थान पर पत्थरों का प्रयोग आरंभ हुआ। जिसे मामल्लपुरम और कोच्चीपुरम के मंदिरों में देखा जा सकता है। चोल मंदिर निर्माण कला की प्रमुख विशेषताएं- वर्गाकार या ऊँचे विमान, मण्डप, गोपुरम, कलापूर्ण स्तंभों से युक्त बृहत्सदन आदि।

प्रश्न : गुप्तकालीन चित्रकला को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : गुप्तकालीन चित्रकला के अवशेषों को बाघ की गुफाओं, अजन्ता की गुफाओं तथा बादामी की गुफाओं में देखा जा सकता है। गुप्तकालीन मूर्तिकला में मोटे उत्तरी वस्त्र का प्रदर्शन किया तथा गंगा यमुना का मूर्ति रूप गुप्तकाल की देन है। गुप्तकालीन चित्रकला विशेषतः मथुरा शैली के प्रतिमानों पर ही आधारित थी। अजन्ता के चित्र मुख्यतः धार्मिक विषयों पर जबकि बाघ के चित्र मनुष्य के लौकिक जीवन पर आधारित है।

प्रश्न : आर्यभट्ट

उत्तर : पाटलीपुत्र निवासी, गुप्तकाल के महत्वपूर्ण खगोलविद् एवं गणितज्ञ जिन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचना 'सूर्य सिद्धान्त' में सूर्यग्रहण एवं चन्द्रग्रहण के कारण बताये थे। ये पहले खगोलविद् थे जिन्होंने घोषणा की थी कि पृथ्वी अपने अक्ष पर घूर्णन करती है। उनकी एक अन्य महत्त्वपूर्ण रचना 'आर्यभट्टीयम' है। इन्होंने सर्वप्रथम शून्यवाद के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-155)

भारत का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : ''मोलेसिस बेसिन''।

उत्तर : मृदुल और असंगठित चट्टानों से बना, मुख्यतः मिजोरम बेसिन का ही दूसरा नाम है।

प्रश्न : ''पुन्नामदा कयाल''।

उत्तर : मालाबार तट (केरल तट) की विशेष स्थलाकृति, जो प्रतिवर्ष प्रसिद्ध नेहरू ट्राफी नौका दौड़ आयोजन स्थल।

प्रश्न : बैरन आइलैण्ड।

उत्तर : निकोबार द्वीप समूह में स्थित भारत का एकमात्र ज्वलंत ज्वालामुखी, जो असंगठित कंकड़, पत्थरों, गोलाश्मों से निर्मित है।

प्रश्न : ''रक्षित जलकुक्कुट आवास''।

उत्तर : ओडिशा में चिल्का और भरतपुर में केवलादेव राष्ट्रीय पार्क, अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के रामसर अधिवेशन के अन्तर्गत रक्षित आवास।

प्रश्न : ''शोलास''।

उत्तर : नीलगिरी, अन्नामलाई और पालनी पहाड़ियों पर पाए जाने वाले शीतोष्ण कटिबंधीय वन, जहाँ मैगनोलिया, लौरेल, सिनकोना मुख्य वृक्ष है।

प्रश्न : ''मृदा अवकर्षण''।

उत्तर : मृदा उर्वरता के ह्रास का रूप, जिसमें मृदा का पोषण स्तर गिर जाता है तथा अपरदन एवं दुरूपयोग के कारण मृदा की गहराई कम हो जाती है।

प्रश्न : ''दंडकारण्य पठार''।

उत्तर : महानदी द्रोणी के दक्षिण में (उड़ीसा, छतीसगढ़, तेलंगाना) स्थित एक ऊबड़-खाबड़ स्थलाकृति वाला प्रदेश।

प्रश्न : ''करेवा''।

उत्तर : कश्मीर हिमालय में हिमनद, चिकनी मिट्टी तथा दूसरे पदार्थों का हिमोढ़ पर मोटी परत का जमाव, जो देशी केसर की कृषि हेतु विख्यात है।

प्रश्न : अन्तः उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र।

उत्तर : विषुवत रेखा के निकट निम्न वायुदाब का क्षेत्र, जहाँ उत्तरी तथा दक्षिणी गोलार्द्धों से व्यापारिक पवनें मिलकर वायु को ऊपर उठाती है।

प्रश्न : ''मानसून प्रस्फोट'' क्या है?

उत्तर : दक्षिण-पश्चिमी मानसून वर्षा की अकस्मात् शुरूआत ही मानसून प्रस्फोट है।

100 शब्द

प्रश्न : सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र मैदान।

उत्तर : भारत का तृतीय भूवैज्ञानिक खंड, नदियों का मैदान मूलतः एक भू-अभिनति गर्त है जिसका निर्माण मुख्यतः हिमालय पर्वतमाला निर्माण प्रक्रिया के तीसरे चरण में लगभग 6.4 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ था तब से इसे हिमालय और प्रायद्वीप से निकलने वाली नदियाँ अपने साथ लाए हुए अवसादों से पाट रही है। इन मैदानों में जलोढ़ की औसत गहराई 1000 से 2000 मीटर है।

प्रश्न : पश्चिमी तथा पूर्वी तटीय मैदान की तुलना।

उत्तर :

पश्चिमी तटीय मैदान	पूर्वी तटीय मैदान
1. यह पश्चिमी घाट तथा अरब सागर के तट के बीच स्थित है।	1. यह पूर्वी घाट तथा बंगाल की खाड़ी के तट के बीच स्थित है।
2. यह एक संकरा मैदान है।	2. यह अपेक्षाकृत चौड़ा मैदान है।
3. यहाँ नदियां डेल्टा बनाने में असमर्थ है।	3. कृष्णा, गोदावरी जैसी नदियों के द्वारा यहाँ बड़े डेल्टा बनाए जाते है।
4. इस मैदान के दक्षिणी भाग में अनेक लैगून मिलते है।	4. इस मैदान में लैगून कम संख्या में पाए जाते हैं।
5. यह अधिक कटा-फटा है जिस कारण यहाँ अधिक बन्दरगाह है।	5. यह कम कटा-फटा है जिस कारण यहाँ बन्दरगाह कम हैं।

प्रश्न : मानसून प्रत्यावर्तन अर्थात् मानसून के लौटने की ऋतु

उत्तर : सितम्बर के दूसरे सप्ताह तक दक्षिण-पश्चिमी मानसून उत्तरी भारत से लौटने लगता है और दक्षिण में मध्य अक्टूबर तथा दिसम्बर के आरम्भ तक लौटती रहती है। मानसून पवनों के लौटने के साथ ही बादल समाप्त हो जाते हैं। दिन का तापमान कुछ बढ़ जाता है परन्तु रातें सुखद हो जाता हैं। बंगाल की खाड़ी में पैदा होने वाले चक्रवात दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम दिशा में चलते हैं और पर्याप्त वर्षा करते हैं।

प्रश्न : आप यह कैसे जानेंगे कि कोई मृदा उर्वर है या नहीं? प्राकृतिक रूप से निर्धारित उर्वरता और मानवकृत उर्वरता में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : जो मृदा फसलें उगाने में सक्षम होती है वह मृदा उर्वर होती है। उपजाऊ मिट्टी में गहन कृषि संभव होती है, जिसमें उच्चतम उपज प्रति हेक्टेयर प्राप्त की जाती है। भारत के उत्तरी मैदान की जलोढ़ मृदाएँ तथा दक्कन हैं। इसके विपरीत यदि किसी मृदा में फसले उगानें की शक्ति नहीं होती, तो उसे अनुपजाऊ मृदा कहा जाता है। ऐसी मृदाएँ कृषि के लिए उपयुक्त नहीं होती। मानवकृत उर्वरता वह उर्वरता है, जो किसानों द्वारा मिट्टी में खाद मिलाने से प्राप्त होती है। नाइट्रोजन, फॉस्फेट एवं पोटाश जैसे रासायनिक खाद तथा गोबर व अन्य पदार्थों से प्राप्त की गई खाद, मानवकृत खाद के अच्छे उदाहरण है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-156)

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : तमंचाशाही।

उत्तर : धौलपुर में प्रचलित सिक्कों को इसी नाम से जाना जाता था क्योंकि उन पर तमंचों का चिह्न अंकित होता था।

प्रश्न : घोड़ा बावसी।

उत्तर : मिट्टी के बने कलात्मक घोड़े, जिनकी आदिवासी भील, गरासियों में पर्याप्त मान्यता है। मनौतीपूर्ण होने पर इन्हें पूजकर इष्ट देवता को चढ़ाया जाता है।

प्रश्न : पाटा संस्कृति।

उत्तर : रम्मतों का मंचन पाटों (बड़े-बड़े तख्त) पर होता है। बीकानेर की राजनीति-सामाजिक चर्चा इन्हीं पाटों पर होती थी।

प्रश्न : बीजोलाई महल।

उत्तर : जोधपुर नगर के निकट कायलाना की पहाड़ियों के बीच महाराजा तख्तसिंह द्वारा निर्मित महल।

प्रश्न : जीवाशाह।

उत्तर : भामाशाह का पुत्र, महाराणा अमरसिंह का दीवान, 1615 की ऐतिहासिक मुगल-मेवाड़ संधि में मुख्य वार्ताकार।

प्रश्न : नक्काली।

उत्तर : एक कलात्मक विद्या, जिसमें गायन, वाद्यन, अभिनय, संगीत के माध्यम से हास्य पैदा कर मनोरंजन किया जाता है। नक्काली के कलाकारों को फिफिकरे कसने में महारथ हासिल है।

प्रश्न : अर्थूना।

उत्तर : बांसवाड़ा में स्थित, प्राचीन नाम उत्थुलक, वागड़ के परमारों की राजधानी जो उत्कृष्ट शिल्पकला युक्त मंदिरों के कारण प्रसिद्ध है।

प्रश्न : माच का ख्याल।

उत्तर : ख्याल नाट्य (नौटंकी) की एक विद्या जो हमीरगढ़, माँडल एवं सांगानेर में मंचित होती है। बगसूलाल खमसेरा (भीलवाड़ा) इस ख्याल के पितामह हैं।

प्रश्न : धाड़ नृत्य।

उत्तर : वागड़ क्षेत्र में वर्षा होने पर इन्द्रदेव को प्रसन्न करने हेतु महिलाओं द्वारा किया जाने वाला नृत्य। पुरुषों द्वारा देखना वर्जित है।

प्रश्न : बूढ़ी तीज।

उत्तर : भाद्रपद तृतीया-कृष्णा को बूढ़ी तीज कहते है। इस दिन व्रत रखकर गायों की पूजा की जाती है।

100 शब्द

प्रश्न : जैसलमेर के ढाई साके।

उत्तर :
1. अलाउद्दीन खिलजी व भाटी शासक रावल मूलराज के मध्य।
2. फिरोजशाह तुगलक व रावल दूदा, त्रिलोकसी व अन्य भाटी सरदारों के मध्य।
3. जैसलमेर के रावल लूणकरण व कंधार के राज्य निर्वासित शासक अमीर अली के मध्य युद्ध, इसमें वीरों ने केसरिया तो किया किन्तु जौहर नहीं हुआ, अतः यह अर्द्ध साका था।

प्रश्न : चिड़ावी ख्याल।

उत्तर : चिड़ावी ख्याल में पूरा ध्यान पौराणिक कथानक, ऐतिहासिक प्रसंग, हास्य प्रसंग के साथ समाज सुधार, नैतिक आदर्शो के यथार्थ प्रदर्शन पर होता है। नानूराम और राणा दुलिया इसके प्रसिद्ध खिलाड़ी है। हीर-रांझा, भर्तृहरि, ढोला-मरवण, जयदेव-कलाली प्रमुख ख्याल है।

प्रश्न : बैराठ सभ्यता।

उत्तर : जयपुर के पास स्थित पुरातात्विक स्थल, जिसका प्राचीन नाम विराट नगर था। (वर्तमान में भी) यहाँ आर्य सभ्यता, महाभारत, मौर्य शासन एवं कुषाणकालीन सभ्यता के अवशेष मिले हैं। विराट नगर (बैराठ) में बीजक की पहाड़ी से सम्राट अशोक के काल के गोल बौद्ध मंदिर, स्तूप एवं मठ के अवशेष मिले है। यहाँ शैल चित्र भी मिले है। जिसे प्राचीन युग की चित्रशाला कहा गया है। यहाँ से अशोक के 250ईसा पूर्व के दो अभिलेख मिले है।

प्रश्न : राजस्थान के राजनीतिक एकीकरण में सिरोही विलय की समस्या।

उत्तर : राज्य के एकीकरण के छठे चरण में संयुक्त वृहद् राजस्थान में आबू और देलवाड़ा को छोड़कर शेष सिरोही को मिलाकर राजस्थान संघ बनाया गया। आबू व देलवाड़ा क्षेत्र बम्बई प्रांत को सौंप दिये गये, सिरोही की जनता ने गोकुल भाई भट्ट के नेतृत्व में इसका पुरजोर विरोध किया तत्कालीन राजस्थान संघ के प्रधानमंत्री हीरालाल शास्त्री ने मांग की कि सिरोही का विलय जरूरी है, क्योंकि हमारे लिए सिरोही का अर्थ है गोकुल भाई भट्ट और इसके बिना हम राजस्थान नहीं चला सकते। फलतः नेहरू ने इस प्रकरण को राज्य पुनर्गठन को सौंप दिया, जिसने 1 नवम्बर, 1956 को सम्पूर्ण सिरोही को राजस्थान में मिलाया।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-157)

लोक प्रशासन

100 शब्द

प्रश्न : प्रशासन पर न्यायिक नियंत्रण की सीमाएं क्या हैं? स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : यद्यपि न्यायिक नियंत्रण के माध्यम से आम नागरिक के अधिकार एवं स्वतंत्रता सुनिश्चित होती हैं किंतु इसकी भी कुछ सीमाएं है जो निम्न प्रकार है:-

1. न्यायालय स्वयं पहल नहीं करता, बल्कि पीड़ित पक्ष को न्यायालय में आकर गुहार करनी पड़ती है।
2. न्यायिक नियंत्रण का लाभ घटना के घटित होने के पश्चात् मिलता हैं अर्थात् इसमें उपचारात्मक पक्ष कमजोर है।
3. भारत में न्यायिक प्रक्रिया अत्यन्त शिथिल, खर्चीली, समय एव श्रमसाध्य है।
4. प्रशासन के समस्त कार्य न्यायिक नियंत्रण के अधीन नहीं है अतः न्यायिक नियंत्रण का दायरा सीमित हो जाता है।
5. कोई एक मुकदमा या वाद जब विभिन्न न्यायालयों में पृथक-पृथक निर्णय प्राप्त करता है तो न्याय प्रणाली पर आस्था कम होती है।

अतः स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका किसी भी व्यवस्था का मुख्य आधार होता है।

प्रश्न : **लोक सेवा के प्रति समर्पण भाव से आप क्या समझते हैं? एक लोक सेवक द्वारा सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण हेतु ध्यान में रखने जाने वाली आवश्यक बातें कौन-कौनसी है?**

उत्तर : लक्ष्य या उद्देश्य के प्रति संवेगात्मक लगाव रखते हुए उत्तरदायित्व बोध और प्रतिबद्धता के साथ काम करना ही समर्पण भाव है। जबकि जाति, धर्म, लिंग, भाषा, प्रांत, जन्म-स्थान, पूर्वाग्रह आदि से ऊपर उठकर लोकहित का संरक्षण एवं संवर्द्धन ही सार्वजनिक सेवा है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् संविधान की प्रस्तावना में लोक-कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को स्वीकार कर सामाजिक-आर्थिक न्याय तथा सर्वांगीण विकास को लक्ष्य माना गया। जो कि लोक सेवक द्वारा सार्वजनिक हित में सत्यनिष्ठापूर्ण आचरण करने से ही संभव है।

लोक सेवक में लोकसेवा के प्रति समर्पण भाव है तो उसका प्रभाव आम जनता पर भी आता है और उनमें जागरूकता व सहभागिता का भाव उत्पन्न होता है। फलतः सरकारी नीतियों का क्रियान्वयन प्रभावपूर्ण ढंग से होने लगता है। लोकसेवकों को संवैधानिक मूल्यों, सार्वजनिक हितों एवं सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण भाव रखना चाहिए। आचार संहिता एवं नीति-संहिता के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए।

प्रश्न : राजनीतिक हस्तक्षेप से नौकरशाहों के संरक्षण हेतु नवीन सिफारिशों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : भारतीय सामाजिक व्यवस्था विविधतापूर्ण है जिनमें हितों का परस्पर विरोध भी है। ऐसी स्थिति में लोकसेवा में तटस्थता आवश्यक हो जाती है। अतः राजनीतिक हस्तक्षेप से नौकरशाहों को संरक्षण हेतु नवीन सिफारिशें निम्न है :-

1. IAS, IPS के खिलाफ कार्यवाही का फैसला केन्द्र, राज्य सरकार संयुक्त स्तर पर करेंगी।
2. कोई नेता किसी अधिकारी को मौखिक आदेश न देकर लिखित में आदेश देगा।
3. अधिकारियों का टर्म फिक्स होगा और राज्य सरकार को अचानक स्थानान्तरण करने की वजह लिखित में बतानी होगी।
4. यह भी सुनिश्चित हो कि राजनीतिक बदले की भावना/निहित स्वार्थ की वजह से प्रशासनिक अधिकारी का निलंबन या तबादला न हो। उदाहरणः- दुर्गा शक्ति नागपाल के निलंबन के संदर्भ में।
5. निलंबन के पहले अधिकारी को "कारण बताओ" नोटिस दिया जाना चाहिए और तय सीमा में उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाना चाहिए।

प्रश्न : **परिवर्तन का प्रबंधन से आप क्या समझते है? परिवर्तन का प्रबंध का समस्या केन्द्रित मॉडल को समझाइये।**

उत्तर : संगठनों में मूल्यों, व्यवहारों एवं प्रक्रियाओं में बदलाव की ऐसी प्रक्रिया जो आदर्श स्थिति एवं व्यवहार के बीच विभेद को समाप्त कर नई प्रविधियों को शामिल करे।

समस्या केन्द्रित मॉडल :- इसके अर्न्तगत समस्या को चिहित करना तत्पश्चात् मूल्यांकन, कसौटी का निर्धारण, वैकल्पिक समाधानों की खोज, विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन और अतंतः एक विकल्प चुनकर उस समाधान का क्रियान्वयन करना होता है।

जॉन कोटर (Kotter) इस मॉडल के संबंध में परिवर्तन का प्रबंधन हेतु निम्न आठ चरण बताये है :-

1. आवश्यकता की भावना।
2. प्रमुख हित धारकों के समूहों के साथ एक मार्गदर्शक गठबंधन बनाना जोकि परिवर्तन प्रबंधन का नेतृत्व करेगा।
3. विजन एवं रणनीति का विकास।
4. विजन को संप्रेषित करना।
5. व्यापक आधार पर कार्यवाही करना।
6. अल्पकालिक उपलब्धि हासिल करना।
7. प्राप्त लाभों का संगठन एवं अगले परिवर्तन करना।

संगठन की संस्कृति में नये दृष्टिकोण का विकास एवं उसे आगे बढ़ाना।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-158)

समाजशास्त्र

100 शब्द

प्रश्न : भारत में बाल अपराध

उत्तर : भारत में बाल अपराध का उदय भी अन्य सामाजिक समस्याओं के साथ आधुनिक युग में तीव्र सामाजिक परिवर्तनों जैसे- नगरीकरण एवं औद्योगीकरण के कारण हुआ। आज का बालक भविष्य के समाज का आधार है। किन्तु सामाजिक परिस्थितियों जैसे पारिवारिक विघटन, माता-पिता के बीच के वैमनस्य, निर्धनता, दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली, राष्ट्रीय चरित्र का अभाव आदि का प्रभाव बालक पर पड़ता है। परिणामस्वरूप बालक समाज विरोधी कार्यों की ओर अग्रसर होने लगता है। ये समाज विरोधी कार्य ही बाल अपराध कहलाते है तथा बालक बाल अपराधी बन जाता है। कानूनी दृष्टि से इन्हें किशोर अपचारी एवं विधि विरुद्ध किशोर कहा जाता है।

बाल अपराध का अर्थ आयु तथा व्यवहार की प्रकृति के आधार पर बताया जा सकता है। आयु की दृष्टि से 7-18 वर्ष के मध्य के अपराध करने वाले बालकों को बाल अपचारी माना गया है। भारतीय दंड संहिता 1860 में 7 वर्ष के कम आयु वाले बच्चों को उनके किसी भी कार्य के लिए उत्तरदायी नहीं माना जा सकता। यदि वे अपराध भी करते है तो उन्हें मंदबुद्धि के कारण और अनुचित कार्य में भेद न समझने के कारण दण्ड नहीं दिया जाता है।

प्रश्न : भारत में समाजशास्त्र का विकास के संबंध में एक लेख लिखिए।

उत्तर : भारत में समाजशास्त्र के विकास की प्रक्रिया 20वीं सदी के प्रारम्भ में विशेषतः 1920 व 1940 के बीच कुछ व्यक्तियों के प्रभाव से निम्न प्रवृत्तियों से प्रारम्भ हुई -

1. सन् 1783 के बाद के वर्षों में बंगाल में आर्थिक संगठन का पुनर्गठन हुआ। जिसके कारण जमींदारों का एक प्रबुद्ध वर्ग पैदा हुआ इसने सामाजिक विकास तथा नये सिद्धांतों में अपनी रूचि दिखाई।
2. अंग्रेजी शिक्षा तथा पाश्चात्य संस्कृति के विस्तार के कारण भारत में एक बौद्धिक वर्ग का प्रादुर्भाव हुआ जो भारतीय समाज को वस्तुनिष्ठता तथा तार्किक आधार पर समझना चाहता था।
3. कुछ भारतीय बुद्धिजीवी समाज सुधारकों ने नये ज्ञान के आधार पर समाज सुधार प्रस्तावित किए जिसे शासक वर्ग से भी पूर्ण सहयोग मिला।
4. समाज के बारे में नये ज्ञान तथा तथ्यों की व्याख्या देने के कारण कुछ बुद्धिजीवी अग्रणीय समाजशास्त्रीयों के रूप में उभरे।
5. इन बुद्धिजीवीयों ने 19वीं सदी के बाद वृहद् अंतर्विरोधों व भारतीय सामाजिक व राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में बढ़ते बदलाव के कारण भविष्य के बारे में सोचना प्रारंभ किया। भारतीय समाज से संबंधित अध्ययन करने वाले कई समाजशास्त्री जैसे- एस.वी.केतकर, बी.एन.दत्त, के.पी चट्टोपाध्याय, विनय कुमार सरकार, जी.एस. घुर्ये, आनन्द कुमार स्वामी, राधा कमल मुखर्जी तथा डी.पी.मुखर्जी प्रसिद्ध हुए।

प्रश्न : राजस्थान में जनजातीय लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

उत्तर :

1. जनजातीय उपयोजना 1974-75 से संचालित इस योजना के अन्तर्गत 6 जिलों की 22 पंचायत समितियां सम्मिलित है। इनमें डूंगरपुर व बांसवाड़ा की सभी पंचायत समितियां शामिल है। सिंचाई, विद्युत, बीज व उर्वरक वितरण एवं फार्म वानिकी कार्यक्रम संचालित किए जाते है।
2. परिवर्तित क्षेत्र विकास दृष्टिकोण :- माडा 1978-79 से प्रारंभ यह योजना 44 समूह के जनजाति के लोगों को लाभान्वित करती है। केन्द्र की वित्तीय सहायता से शैक्षणिक विकास, हथकरघा, बुनाई, बढ़ईगिरी के कार्य किये जाते हैं। यह योजना 7 जिलों में चल रही है।
3. सहरिया विकास कार्यक्रम 1977-78 से प्रारंभ यह कार्यक्रम बारां जिले की शाहबाद व किशनगंज पंचायत समितियों में लागू है। इसके अंतर्गत कृषि लघु सिंचाई वानिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं गृह निर्माण के कार्य किये जाते है।
4. बिखरी जनजातीय के लिए विकास कार्यक्रम 1979 से संचालित इस योजना के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, हॉस्टल, छात्रवृत्तियां एवं पोशाक वितरण कार्यों का संचालन होता है।
5. जनजातीय क्षेत्र में रेशम कीट पालन कार्यक्रम, नारू रोग उन्मूलन कार्यक्रम, जनजातीय क्षेत्र के छात्रों को खेल प्रशिक्षण हेतु 'एकलव्य योजना' चलाई जा रही है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-159)

भारतीय अर्थव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : हाल ही में वायदा बाजार आयोग का भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में किए गए विलय से होने वाले लाभों की चर्चा कीजिए।

उत्तर : सितम्बर 2015 को हुए इस विलय से वायदा बाजार का पूंजीकरण बढ़कर दो गुना हो जाएगा क्योंकि 26 हजार करोड़ रूपये के सालाना बाजार वाला जिंस बाजार भी अब इसके साथ जुड़ गया है।

- इक्विटी तथा जिंस वायदा बाजार नियमन में एकरूपता आयेगी, कमोडिटी बाजार संतुलित एवं व्यवस्थित ढंग से कार्य कर पायेंगे।
- वायदे बाजार में प्रभावी नीति नियमन, संचालन, नियंत्रण तथा पारदर्शिता में मदद मिलेगी तथा किसानों, उत्पादकों व निवेशकों को लाभ होगा। वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी, कारोबार की लागत कम होगी।
- साख बढ़ने से बाजार की व्यावसायिक/वित्तीय क्रियाशीलता बढ़ेगी तथा जिंस आधारित वायदा बाजार अधिक सरल, उदार होने से आम किसानों, उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं की वायदा बाजार में पहुंच आसान होगी।
- वायदा बाजार में पूंजी प्रवाह, प्रतियोगिता व सहभागिता बढ़ेगी जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी तथा जोखिम का प्रबन्धन बेहतर ढंग से हो सकेगा।
- इससे सटोरियों द्वारा पैदा की जाने वाली कृत्रिम व अप्रत्याशित, मनमानी तथा मुनाफाखोरी पर भी लगाम लग सकेगी। अतः वित्तीय संतुलन एवं समावेशन बढ़ेगा।

प्रश्न : विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अंतर्वाह के संदर्भ में 'राउंड ट्रिपिंग क्या होता है'

उत्तर : विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भागीदारी नोट्स के हवाला मार्केट के जरिए शेयर मार्केट में निवेश होता है फलस्वरूप शेयर सूचकांक बूम करता है। बिकवाली करके निवेशक लाभांश प्राप्त करते है और फिर इन्हीं माध्यमों से विकासशील देशों के स्टॉक एक्सचेंज में निवेश किया जाता है। बार-बार निवेश किये जाने वाले इस प्रक्रिया को राउंड ट्रिपिंग एफडीआई कहा जाता है। भारत में सबसे ज्यादा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश मॉरीशस रास्ते के जरिए हो रहा है। भारत में इस तरह के निवेश से शेयर मार्केट बीस हजार के अंक तक छूने में सफल रहा है। भारत को इस सक्रिय निवेश से कोई कर या लाभ नहीं मिलता है क्योंकि यह निवेश हवाला मार्केट के जरिए होने से इस तरह के निवेश कराधिरोपण से बच जाते हैं ऐसे निवेश ज्यादातर ब्लैक मनी के जरिए किया जाता है।

प्रश्न : भारत में पेमेंट बैंकों की स्थापना एवं उद्देश्य

उत्तर : वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने हेतु दो नये तरह के छोटे बैंकों- लघु वित्त बैंक व पैमेंट बैंकों की स्थापना हेतु आवेदन भारतीय रिजर्व बैंक में नवम्बर 2014 - फरवरी 2015 के दौरान आमंत्रित किये थे। इसी के तहत भारत में पहला पेमेंट बैंक भारती एयरटेल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने 23 नवम्बर 2016 में राजस्थान में अपना कार्य शुरू किया है। इसके द्वारा सीमित सेवाएं ही फिलहाल शुरू की है। बचत खातों पर 7.25 प्रतिशत वार्षिक ब्याज इस बैंक द्वारा दी जा रही है। बैंक में खाता खोलने वालों का मोबाइल नम्बर ही उनका खाता नम्बर होगा। देश के इस पहले पेमेंट बैंक में कोटक महिन्द्रा बैंक की हिस्सेदारी 19.9 प्रतिशत है।
पेमेंट बैंकों की स्थापना का उद्देश्य सीमान्त श्रमिकों, अल्प आय वालों, छोटे कारोबारियों तथा असंगठित क्षेत्र के अन्य लोगों के लिए लघु बचत खातों तथा भुगतान/ धन सम्प्रेषण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

प्रश्न : रेपो दर और रिवर्स रेपो दर से क्या समझते हैं? इन दरों को बढ़ाने के क्या निहितार्थ हैं?

उत्तर : रेपो दर वह दर है जिस पर वाणिज्यिक बैंक रिर्जव बैंक से अल्पकालीन राशियां प्राप्त करते हैं। जबकि रिवर्स रेपो दर वह दर है जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी अतिरिक्त तरलता अल्पकाल के लिए रिर्जव बैंक के पास उधार रखते हैं। रेपो दर में वृद्धि के कारण बैंकों को अल्पकालीन राशियों की प्राप्ति के लिए अधिक दर से ब्याज देना होता है। इसके कारण बैंकों की तरलता (अल्पकालीन) अपेक्षाकृ त कम हो जाती है और उनकी साख प्रदान करने की क्षमता कम हो जाती है। रेपो दर एवं रिवर्स रेपो दर में वृद्धि मौद्रिक नीति को कठोर बनाने के लिए कि जाती है और इसका तात्पर्य होता है कि सस्ती मुद्रा नीति को दरकिनार किये जाने की नीति पर चला जा रहा है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-160)

भारतीय राजव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : उद्देशिका का महत्व

उत्तर : भारतीय संविधान की उद्देशिका का आधार जवाहर लाल नेहरू द्वारा तैयार किया गया वह प्रस्ताव है जो 13 दिसम्बर 1946 को संविधान निर्मात्री सभा में प्रस्तुत किया गया। भारतीय संविधान की उद्देशिका में शासन व्यवस्था के मूल आधारों, उसके दर्शन, उसके स्वरूप, लक्ष्यों का उल्लेख है। उद्देशिका संविधान का परिचय कराती है इसे संविधान की आत्मा कहा जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने बेरूवाड़ी मामले में निर्णय देते हुए कहा था कि उद्देशिका संविधान निर्माताओं के आशय स्पष्ट करने वाली कुंजी है। 1976 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के मामलें में सर्वोच्च न्यायालय ने यह दृष्टिकोण प्रतिपादित किया कि उद्देशिका संविधान का अंग है और इसमें संविधान की मूल विशेषताएं उल्लेखित है। भारतीय संविधान की उद्देशिका की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यधिक संक्षिप्त होते हुए भी उन समस्त आदर्शों और सिद्धांतों का उल्लेख करती है जो भारतीय संविधान की आधारशिला है।

प्रश्न : भारतीय संसद का ह्रास

उत्तर : भारतीय संविधान के अनुच्छेद 79 से 123 तक संसद के संगठन, उसके कार्य प्रक्रिया, उसके पदाधिकारी, विशेषाधिकारों आदि का विस्तार से उल्लेख किया गया है। यद्यपि भारतीय संसद की स्थापना ब्रिटिश संसद के आधार पर की गई है। लेकिन दोनों में मौलिक अन्तर है। भारतीय संसद को अधिकार और शक्तियां संविधान से प्राप्त हुए है। संसद संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं में रहकर कानून का निर्माण करती है और यदि उन सीमाओं का अतिक्रमण करती है तो उच्चतम न्यायालय ऐसे कानूनों को असंवैधानिक घोषित कर सकता है।

भारतीय राजनैतिक व्यवस्था में ऐसी प्रकृति देखने को मिल रही है। जो संसद के ह्रास के लिए जिम्मेदार है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने हितों का ध्यान रखने हेतु राष्ट्रीय हित को बढ़ावा देने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। संसदीय क्षेत्र में सबसे अधिक गिरावट अध्यक्षों व उच्च सदनों के सभापितयों के स्तर में आयी है। विपक्षी दलों द्वारा रचनात्मक स्तर पर सत्ता का सहयोग न करके केवल सदन को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है। अतः उपरोक्त सीमाओं के निराकरण द्वारा ही संसदीय ह्रास की प्रवृत्ति रोकी जा सकती है।

प्रश्न : भारतीय संविधान के अनुच्छेद-32 के महत्व का विश्लेषण कीजिये।

उत्तर : सविधान का अनुच्छेद-32 नागरिकों को संवैधानिक उपचारों का अधिकार प्रदान करता है। जिसका प्रयोग करके नगारिक अपने मूल अधिकारों को उच्चतम न्यायालय की सहायता से सुरक्षित रख सकते है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अनुच्छेद-32 को संविधान का हृदय तथा आत्मा कहा है। इसी प्रकार का उत्तरदायित्व अनुच्छेद 226 में उच्च न्यायालय को सौंपा गया है। संविधान के इन प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक नागरिक का यह मौलिक अधिकार है कि यदि सरकार के किसी कार्य या कानून द्वारा उसके मूल अधिकार का अतिक्रमण करता है तो वह उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय से उसे सुरक्षित रखने की मांग कर सकता है। अनुच्छेद 32(2) में उच्चतम न्यायालय को मूल अधिकारों को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से ऐसे निर्देश/आदेश/रिट जिनके अन्तर्गत बन्दी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार पृच्छा और उत्प्रेषण रिट है, को निकालने की शक्ति प्राप्त है।

प्रश्न : 73वें संविधान अधिनियम के विशेष संदर्भ में पंचायती राज संस्थाओं का परीक्षण कीजिए।

उत्तर : ग्रामीण विकास के लिए स्थानीय संस्थाओं की संरचना, अधिकार एवं कार्यों को संविधान में स्थापना हेतु 23 अप्रैल 1993 से सम्पूर्ण भारत में 73वां संविधान संशोधन लागू किया गया। संविधान के भाग 9 में अनुच्छेद 243(A से O तक) पंचायती राज के विषय में उल्लेख किया गया है। पंचायती राज के माध्यम से भारत में शासन के विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देने हेतु अनेक कदम उठाए गए है। जिसमें पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष, ई-गवर्नेंस परियोजना, महिलाओं को पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण आदि जैसे उपाय शामिल हैं। पिछड़ा क्षेत्र अनुदान कोष में विकेन्द्रीकृत, सहभागीय और समग्र नियोजन प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। जबकि ई-गवर्नेंस योजना के अन्तर्गत पदाधिकारियों को सूचना तकनीक से जुड़ी सेवाओं की सम्पूर्ण रेंज प्रदान करना है। पंचायती राज संस्थाओं की योजनाओं को प्रस्तुत करते हुए तीन स्तर क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, खण्ड स्तर पर पंचायत समिति एवं जिला स्तर पर जिला परिषद् का गठन किया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-161)

सामाजिक मुद्दे

100 शब्द

प्रश्न : महिला सशक्तिकरण की संकल्पना।

उत्तर : महिला सशक्तिकरण का अर्थ है- राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक आदि सभी क्षेत्रों में महिलाओं की समान भागीदारी व इनसे संबंधित सभी पहलूओं पर आत्म निर्णय लेने की क्षमता। वर्तमान में महिलाओं का स्व-विकास उनके सशक्तिकरण को इंगित करता है। यह उन्हें नये क्षितिज दिखाने का प्रयास है जिसमें वे नयी क्षमताओं को प्राप्त कर स्वयं को नये तरीके से देखेंगी। सशक्तिकरण का मुख्य पक्ष स्त्रियों के अस्तित्व का अधिकार और समाज द्वारा उसकी स्वीकार्यता है। महिलाओं द्वारा स्वयं के शरीर, प्रजनन क्षेत्र, आय, श्रम शक्ति, सम्पत्ति पर व सामुदायिक संसाधनों पर नियंत्रण कर पाना उनका सबलीकरण है और यहीं सशक्तिकरण का उद्देश्य है।

महिलाओं का सामाजिक, राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में प्रतिनिधित्व, दक्षता में अभिवृद्धि और अन्यत्र उनके साथ किए जा रहे बुरे व्यवहार की समाप्ति, सामाजिक सुरक्षा की प्राप्ति आदि वे कार्य है। जिनकी पूर्णता द्वारा सशक्तिकरण का वास्तविक लक्ष्य को पाना संभव है। 1948 के सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा पत्र से प्रारम्भ ये प्रयास 2001 में अन्तर्राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण वर्ष के रूप में हमारे सामने आये हैं। महिला सम्मेलन विचार गोष्ठीयों, भाषणों, राष्ट्रीय सेमिनार आदि के माध्यम से जागृति लाई जा रही है।

प्रश्न : न्यायिक सक्रियतावाद एवं समाज

उत्तर : जब जनता को विधायिका तथा कार्यपालिका से अधिक निराशा हो जाती है तब वह विवश होकर न्यायपालिका की ओर देखने लगती है। "जब न्यायपालिका संवैधानिक परिधि के अन्दर ही जनता की पीड़ा और निराशा का निवारण करने का प्रयास करती है तो वह न्यायिक सक्रियता है।" भारत में न्यायपालिका द्वारा दिखाई गई सक्रियता अनेक कारणों का संयुक्त परिणाम है। भारत में जनहित मुकदमों में वृद्धि, राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं प्रशासनिक समस्याओं के समाधान में कार्यपालिका एवं विधायिका की उदासीनता न्यायिक सक्रियता का कारण है। इसका एक विशेष कारण विधायिका तथा कार्यपालिका द्वारा कठोर और अप्रिय निर्णय लेने में आना-कानी करना है। इनकी निष्क्रियता के कारण राष्ट्रीय संसाधनों का अपेक्षित प्रयोग नहीं हो पा रहा है। न्यायिक सक्रियता को अब अधिकार के रूप में देखा जा रहा है। प्रशासनिक भ्रष्टाचार तथा प्रशासनिक अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव न्यायायिक सक्रियता के अन्य कारण है। ऐसे में पीड़ित व्यक्ति का उपचार हेतु न्यायपालिका की ओर देखना स्वभाविक है।

प्रश्न : स्वशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के संबंध में पंचायती राज संस्थाओं और जिला प्रशासन के मध्य नए संबंधों का विकास हुआ है। चर्चा कीजिए।

उत्तर : वर्तमान में पंचायती राज संस्थाओं को अधिक अधिकार, साधन और जिम्मेदारियों सौंपी गई है। जिनका महत्त्व/उपयोगिता निम्न प्रकार है।

1. भारत में स्वस्थ प्रजातांत्रिक परम्पराओं को स्थापित करने में पंचायती राज व्यवस्था ठोस आधार प्रदान करती है। इसके माध्यम से शासन सत्ता जनता के हाथ में चली जाती है और ग्रामीण स्तर पर प्रजातांत्रिक संगठनों के प्रति रूचि स्थापित हो रही है।
2. यह संस्थाएं भारत को भावी नेतृत्व तैयार कर विधायकों तथा मंत्रियों को प्राथमिक अनुभव एवं प्रशिक्षण प्रदान करती है जिससे वे ग्रामीण भारत की समस्याओं से अवगत होते हैं।
3. पंचायतों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी स्थानीय समाज और राजनीतिक व्यवस्था के बीच कड़ी है।
4. पंचायते प्रजातंत्र की प्राथमिक प्रयोगशालाएं है जो नागरिकों को अपने राजनीतिक अधिकारों के प्रयोग की शिक्षा देती है। साथ ही उनमें नागरिक गुणों का विकास करने में मदद करती है।
5. इन संस्थाओं के माध्यम से जनता शासन में भागीदारी के करीब पहुंच जाती है। जनता और शासन में परस्पर एक-दूसरे की कठिनाईयां समझने की भावनाएं पैदा होती है। जो ग्रामीण उत्थान के लिए परम आवश्यक है।

संक्षेप में ग्राम पंचायतों का मूल उद्देश्य ग्रामीण विकास के प्रयासों एवं जनता के बीच तारतम्य स्थापित करना है। पंचवर्षीय योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को सुलझाने के लिए भी पंचायतों को बहुत महत्त्व प्रदान किया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-162)

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

100 शब्द

प्रश्न : विकासशील देशों के नीति-निर्माण प्रक्रम में बहुराष्ट्रीय निगमों की बढ़ती भूमिका की समीक्षा कीजिए-

उत्तर : बहुराष्ट्रीय निगम गृह देश में स्थापित वे कंपनियां है जो गृह देश के अलावा एक या अधिक देशों में निवेश करते है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की अपार संपदा के कारण उनके पास किसी देश की नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता होती है। अतः इन कंपनियों के संदर्भ में विकासशील देशों को अपनी संप्रभुता से समझौता करना पड़ता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के अन्तर्फर्म व्यापार पर विकासशील देशों का नियंत्रण नहीं रहता है। वे अपने लाभों को सीमापार ले जाते है। जिस पर नियंत्रण नहीं रहता है। ये कंपनियां गरीब देशों के श्रम कानूनों, पर्यावरण कानूनों को लचीला बनाये रखने के लिये सरकारों पर दबाव डालती है। विकासशील देशों को ग्लोबल मानकों के अनुरूप अपने नये मानकों का निर्धारण करना पड़ता है। संकट के समय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मेजबान देश कपंनियों के पक्ष में उतर आते हैं। विकासशील देशों को अपने वीजा नियमों में बदलाव लाना पड़ता है। ये कंपनियां कई तरीकों से विकासशील देशों की टैक्स चोरी करती हैं। जैसे- वोडाफोन टैक्स विवाद।

प्रश्न : भारत की विदेश नीति के उन आवश्यक तत्त्वों पर टिप्पणी कीजिये जिनकी हिन्द महासागर में ऊर्जा व सुरक्षा को सुरक्षित करने के लिए आवश्यकता है।

उत्तर : हिन्द महासागर भारत के लिए विशेष रणनीतिक महत्व का है। भारत का अधिकांश विदेश व्यापार हिन्द महासागर के रास्ते होता है और ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए भी भारत लगभग हिन्द महासागर के परिवहन मार्ग पर ही निर्भर है। वर्तमान में हिन्द महासागर में अनेक नवीन चुनौतियां जैसे- समुद्री डकैती, आंतकी हमला, चीन की बढ़ती सक्रियता और हिन्द महासागरीय तटवर्ती देशों में बढ़ती उथल-पुथल आदि उभरी है। भारत को हिन्द महासागर में अपने हितों को सुरक्षित रखने के लिए नौ सैना को और ज्यादा सक्षम और आधुनिक बनाना होगा।

भारत को हिन्द महासागर के पश्चिम भाग में द्वीपीय राष्ट्रों के साथ बेहतर सामरिक संबंध स्थापित करना होगा ताकि अफ्रीकी तटीय क्षेत्रों से होने वाली समुद्री डकैती को रोका जा सके। इस संबंध में इब्सा ज्यादा सहायक सिद्ध हो सकता है और आसियान सुरक्षा मंच को हिन्द महासागर में ज्यादा भूमिका सहयोग के लिए राजी करना होगा।

प्रश्न : शीत युद्धोत्तर काल में भारत की नीति व्यावहारिकता और बुद्धिमानी की ओर झुकी हुई हैं।

उत्तर : आजादी के बाद भारत ने वैश्विक मामलों में स्वतंत्रत विदेश नीति का अनुसरण करते हुए गुटनिरपेक्षता की नीति का अनुपालन किया है। जिससे विश्व शांति कि स्थापना में प्रमुख योगदान रहा। शीत युद्ध काल में भारत की अंतर्राष्ट्रीय भूमिका का आधार गुटनिरपेक्ष नीति एवं इसका मंच रहा। साथ ही भारत ने एशिया एवं अफ्रीका के नवोदित राष्ट्रों के विकास पर बल दिया। भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन एवं संयुक्त राष्ट्र संघ के माध्यम से विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर अपना प्रभावी पक्ष प्रस्तुत किया।

उपनिवेशवाद की समाप्ति, आण्विक निःशस्त्रीकरण व विश्व शांति, रंगभेद नीति का विरोध, राष्ट्रों की समानता, सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखण्डता का समर्थन, नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की मांग, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार तथा दक्षिण-दक्षिण सहयोग आदि के संबंध में भारत की भूमिका सदैव अग्रणी रही है।

शीत युद्ध की समाप्ति, सोवियत संघ का विघटन, वैश्वीकरण, उदारीकरण की बढ़ती प्रवृत्तियों ने विश्व परिदृश्य का कायाकल्प कर दिया। इस अवधि में भारत ने सेवा एवं संचार क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धि हासिल की। अन्य पूंजीवादी देशों के लिये अपने दरवाजे खोले, साथ ही मानव पूंजी के बल पर स्वयं को वैश्विक स्तर पर पहुँचा दिया। भारत ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग हेतु प्रतिबद्धता जतायी। भारत द्वारा दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ आपसी संबंधों को मजबूत करते हुए आर्थिक एवं रक्षा समझौता करना वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के हिसाब से सही है। इस प्रकार भारत की नीति व्यावहारिकता एवं बुद्धिमता के धरातल पर सही है एवं वर्तमान समय की मांग को पूरी करती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-163)

प्रबंधन

100 शब्द

प्रश्न : **अभिप्रेरणा के ERG सिद्धांत के महत्व को स्पष्ट कीजिये।**

उत्तर : इस सिद्धांत के प्रतिपादक एडल्फर हैं। उन्होंने आवश्यकताओं को तीन श्रेणियों में बाँटा जो कि ERG के नाम से जाने जाते हैं, (i) E-Existance Needs (अस्तित्व संबंधी आवश्यकताएं) (ii) R-Relatedness Needs (संबंधों से जुड़ी आवश्यकताएं) तथा (iii) G-Growth Needs (संवृद्धि से जुड़ी आवश्यकताएं)।

एडल्फर ने कहा कि ये तीनों प्रकार की आवश्कयताएं अन्योन्याश्रित रूप से किसी भी व्यक्ति से मिलती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने 'निराशा-प्रतिगमन मॉडल' अपनाया। इसके अनुसार जब व्यक्ति किसी आवश्यकता को संतुष्ट नहीं कर पाता तो वह निराश नहीं होता है और न ही रूकता, बल्कि ऐसी आवश्यकता की संतुष्टि का प्रयास करता है जिसे वह आसानी से संतुष्ट कर सकता है तथा जिस आवश्यकता को छोड़कर दूसरी ओर बढ़ा था (प्रतिगमन) वह उसमें बनी रहती है।

प्रश्न : **प्रबन्धन में आयोजना का महत्त्व।**

उत्तर : आयोजना एक व्यापक गतिविधि है। किसी भी संगठन की संरचना, प्रक्रिया एवं व्यवहार आयोजना पर ही निर्भर करता है। इसी तरह संगठन के कार्य संचालन, निर्देश एवं आदेश की श्रृंखला, समन्वय, नियंत्रण आदि के लिए एक निश्चित योजना बनाना अवश्यक होता है।

आयोजना का महत्त्व :-

1. लक्ष्य निर्धारण 2. संसाधनों का आकलन
3. विभिन्न प्रकार के निर्णय लेने में सुगमता
4. कार्यकुशलता, मितव्ययता का सुनिश्चितिकरण के उपाय करना
5. प्रभावकारिता के आकलन हेतु मानदण्डों का निर्धारण
6. क्रियान्वयन संबंधी नियमों, विनियमों का पूर्व में ही निर्धारण कर देने से प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता, साथ ही किसी भी प्रकार की अस्पष्टता, भ्रम की नगण्य संभावना। अधिकारों के विकेन्द्रीकरण एवं प्रत्यायोजन में सुविधा, नये एवं सृजनशील विचारों को प्रोत्साहन।

प्रश्न : **भर्ती से क्या तात्पर्य है। भर्ती की आवश्यकता क्यों हैं?**

उत्तर : भर्ती संस्था के लिए योग्य व्यक्तियों की खोज करना, उन्हें रिक्त पदों की जानकारी देना तथा उन पदों के लिए आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित करने की प्रक्रिया है अर्थात् किसी भी संस्था के लिए उपयुक्त एवं योग्य कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया मानव संसाधन की आवश्कयता का निर्धारण करने के बाद प्रारंभ होती है। यह एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। भर्ती चयन अनुपात को बढ़ाती है जो वर्तमान व भावी दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

भर्ती की आवश्यकता :- संस्था के कर्मचारियों की भर्ती की आवश्यकता के निम्न कारण हैं-

1. प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिए
2. संस्था के विकास और विस्तार के लिए
3. कर्मचारियों का पलायन होता रहता है।
4. औद्योगिकीकरण के कारण भर्ती की आवश्कयता होती रहती है।
5. तकनीकी परिवर्तन होने के कारण नवीन तकनीकी में पारंगत कर्मचारियों की आवश्कयता पड़ती है।

प्रश्न : **समन्वय प्रबंध का एक महत्त्वपूर्ण एवं केन्द्रीय सिद्धांत है। संगठनों में इसके प्रभावी विकास हेतु उपाय बताइये?**

उत्तर : समन्वय प्रशासन का महत्त्वपूर्ण अंग है। यह संगठन की इकाइयों एवं कार्यरत कार्मिकों के प्रयासों के बीच सौहार्द्रीकरण है। सकारात्मक अर्थों में संगठन के लोगों एवं इकाइयों में सहयोग एवं टीम वर्क लाना समन्वय है। जबकि नकारात्मक अर्थों में मतभेदों को दूर करना, असंगतताओं को दूर करना, अति व्यापन से बचना आदि आते हैं।

संगठनों में समन्वय के प्रभावी विकास हेतु उपाय :- जब कार्यों का विभाजन अनिवार्य हो जाता है तो समन्वय भी अनिवार्य हो जाता है। लूथर गुलिक के अनुसार समन्वय का तात्पर्य विभिन्न विभागों को अतर्सम्बधित करना है।

मेरी पार्कर फोलेट ने समन्वय का प्रबंधन को केन्द्रीय सिद्धांत माना है। उन्होंने समन्वय के विकास हेतु निम्नलिखित विचार दिये :

1. संगठन में एक दूसरे से प्रत्यक्ष संपर्क द्वारा समन्वय
2. एक व्युत्क्रमानुपाती संबंधी के रूप में समन्वय किसी परिस्थिति विशेष के सभी कारकों से संबंधित किया जाना चाहिये और उनके अन्तर्सबंधों का भी ध्यान रखा जाना चाहिये।
3. शुरूआती दौर से ही योजना अथवा नीति-निर्माण के साथ ही समन्वय शुरू किया जाना चाहिये।
4. समन्वय एक सतत् प्रक्रिया है, अर्थात् आयोजना से क्रियान्वयन तक समन्वय सतत् होना चाहिये।

संक्षेप में, संगठन के कार्य संचालन में मतभेदों एवं दुहराव से बचने, कर्मचारियों में अपने कार्य को बहुत अधिक महत्त्व देने की प्रवृत्ति को राकने तथा विशेषज्ञों के संकीर्ण दृष्टिकोण पर नियंत्रण करने हेतु समन्वय का होना आवश्यक है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-164)

आधुनिक भारत का इतिहास

100 शब्द

प्रश्न : दिल्ली प्रस्ताव।

उत्तर : दिसम्बर 1927 मुस्लिम लीग के दिल्ली अधिवेशन में मुस्लिम नेताओं ने एक प्रस्ताव पारित किया, इस प्रस्ताव में चार माँगों को संविधान में सम्मिलित करने की माँग की, दिसम्बर 1927 कांग्रेस के मंद्रास अधिवेशन में इन मांगों को स्वीकार कर लिया। इसे दिल्ली प्रस्ताव की संज्ञा दी गई। ये चार मांगे निम्न थी।

1. पृथक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त कर संयुक्त निर्वाचन पद्धति की व्यवस्था की जाए। जिसमें कुछ सीटों को मुसलमानों के लिए आरक्षित किया जाए।
2. केन्द्रीय विधानमण्डल में मुसलमानों को 1/3 स्थान आरक्षित किये जाए।
3. पंजाब एवं बंगाल विधानमण्डलों में जनसंख्या के अनुपात में मुसलमानों के स्थान आरक्षित किए जाये।
4. सिंध, ब्लूचिस्तान, उत्तर-पश्चिम सीमान्त प्रान्त नामक तीन मुस्लिम बहुल प्रांतों का गठन किया जाए।

प्रश्न : सविनय अवज्ञा आन्दोलन को प्रारम्भ करने से पूर्व गांधी जी की प्रमुख मांगे कौन-सी थी?

उत्तर : गांधीजी ने यंग इंडिया में एक लेख प्रकाशित किया जिसमें चार मांग रखी और सरकार को 31 जनवरी 1930 तक स्वीकृति व अस्वीकृति की अवधि रखी गयी। मांगे निम्न थी-

सामान्य हित से संबंधित मुद्दे :-

1. सिविल सेवाओं तथा सेना के व्यय में 50 प्रतिशत तक की कमी की जाए
2. नशीली वस्तुओं के विक्रय पर पूर्ण रोक लगा दी जाए।
3. सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाए।

विशिष्ट बुर्जुआ वर्ग की मांगे :-

1. रूपये की विनिमय दर घटाकर 1 शिलिंग 4 पेंस की जाए
2. रक्षात्मक शुल्क लगाए जाए तथा विदेशी कपड़ा आयात नियंत्रित किया जाए।
3. तटीय यातायात रक्षक विधेयक पास किया जावे

किसानों की विशिष्ट मांगे

1. लगान में 50 प्रतिशत कमी की जाए
2. नमक कर समाप्त किया जायें एवं नमक पर सरकारी एकाधिकार खत्म कर दिया जाए।

प्रश्न : क्रिप्स मिशन के प्रमुख प्रावधान

उत्तर : द्वितीय विश्व युद्ध में जापान को रोकने हेतु ब्रिटिश सरकार पर भारतीय से सहयोग प्राप्त करने हेतु लगातार मित्र राष्ट्रों के बढ़ते दबाव से ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल ने स्टैफर्ड क्रिप्स को मार्च 1942 में भारत भेजा जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीयों से सहयोग प्राप्त करना था।

मुख्य प्रावधान निम्न थे-

1. डोमेनियन राज्य के साथ एक भारतीय संघ की स्थापना की जाएगी यह संघ राष्ट्रमण्डल के साथ अपने संबंधों के निर्धारण में स्वतंत्र होगा।
2. युद्धोपरांत संविधान निर्माण हेतु संविधान निर्मात्री परिषद् का गठन, इसके कुछ सदस्य प्रांतीय विधायिकाओं द्वारा निर्वाचित किए जाएंगे तथा कुछ राजाओं द्वारा मनोनीत किए जायेंगे।
3. ब्रिटिश सरकार संविधान निर्मात्री परिषद् द्वारा बनाये संविधान को निम्न शर्तों के अधीन स्वीकार करेगी -

(i) जिन प्रांतों को संविधान स्वीकार नहीं, वे भारतीय संघ से पृथक होने के अधिकारी, पृथक प्रांत अपना पृथक संविधान बना सकता है।

(ii) नवगठित संविधान निर्मात्री परिषद् तथा ब्रिटिश सरकार सत्ता के हस्तान्तरण तथा प्रजातीय एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के मुद्दे को आपसी समझौते द्वारा हल होंगे।

प्रश्न : सिक्ख धर्म में सुधार आन्दोलन

उत्तर : पश्चिम के विकासशील और तर्कसंगत विचारों से सिक्ख धर्म भी प्रभावित हुआ। जब 19वीं सदी में सुधार आन्दोलनों की तीव्र लहर चली तो सिक्ख समुदाय ने भी अनुभव किया कि उनके समाज और धर्म में व्याप्त कुरीतियों को नहीं हटाया गया तो वे अन्य समाजों से पिछड़ जायेंगे। 1851 में बाबा दयाल ने सिक्ख रीति-रिवाजों का विरोध करते हुए निरंकारी (निगुण ब्रह्म) की उपासना पर बल दिया। सिक्ख धर्म की मौलिकता को अपनाया, गुरू नानक और आदि ग्रंथ को सर्वोच्च माना तथा मिथ्या भाषण, मांसाहार, शराब का सेवन, धोखाबाजी एवं कम तोलना वर्जित बताया।

भाई बालकदास ने नामधारी अथवा कूका आन्दोलन चलाया, शिष्य रामसिंह को उत्तराधिकारी बनाया और 1857 में नामधारी आन्दोलन को प्रारम्भ कर खालसा की स्थापना के बाद आरंभ किये रीति-रिवाजों को आदर्श माना। इन्होंने पर्दा प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरीतियों के विरूद्ध आवाज बुलंद की और नैतिकता पर बल दिया।

लाहौर सिंह सभा की प्रथम बैठक 1879 में गुरूमुख सिंह व भाई दत्त सिंह के नेतृत्व में भी सुधार आन्दोलन किए।

1920 में अकाली आन्दोलन जिसके प्रयत्नों से 1925 में सिक्ख गुरुद्वारा अधिनियम पारित करवाया गया, के माध्यम से गुरुद्वारों की व्यवस्था शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंध समिति के हाथों सौंप दी गई।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-165)

सामान्य विज्ञान

100 शब्द

प्रश्न : **प्रतिबिम्ब किसे कहते है। ये कितने प्रकार के होते है।**

उत्तर : जब प्रकाश की किरणें किसी बिन्दु से चलकर परावर्तन के पश्चात् किसी दूसरे बिन्दु पर जाकर मिलती हैं अथवा दूसरे बिन्दु से आती हुई प्रतीत होती है, तो इस दूसरे बिन्दु को पहले बिन्दु का प्रतिबिम्ब कहते हैं।

प्रतिबिम्ब दो प्रकार का होता है-

वास्तविक प्रतिबिम्ब :- यदि किसी बिन्दु वस्तु से चलने वाली प्रकाश किरणें परावर्तन (अथवा अपरावर्तन) के पश्चात किसी दूसरे बिन्दु पर वास्तव में मिलती हैं, तो इस दूसरे बिन्दु पर बने प्रतिबिम्ब को वस्तु का वास्तविक प्रतिबिम्ब कहते हैं।

आभासी प्रतिबिम्ब :- यदि किसी बिन्दु वस्तु से चलने वाली प्रकाश किरणे परावर्तन (अथवा अपरावर्तन) के पश्चात् किसी दूसरे बिन्दु पर वास्तव में नहीं मिलती हैं, बल्कि दूसरे बिन्दु में आती हुई प्रतीत होती है तो इस बिन्दु पर, जहाँ से किरणें आती हुई प्रतीत होती है, बने प्रतिबिम्ब को वस्तु का आभासी प्रतिबिम्ब कहते हैं।

प्रश्न : **चालकता किसे कहते है। चालकता के आधार पर पदार्थों का वर्गीकरण कीजिए।**

उत्तर : चालक के पदार्थ की प्रतिरोधकता के व्युत्क्रम को चालकता कहते हैं,

चालकता के आधार पर पदार्थों का वर्गीकरण :- पदार्थ का वह गुण है, जो यह निर्धारित करे, कि पदार्थ में विद्युत आवेश का प्रवाह कितनी सुगमता से होता है। इस आधार पर पदार्थ निम्नलिखित प्रकार के होते हैं-

सुचालक :- वे पदार्थ जिनकी विद्युत चालकता बहुत अधिक होती है। जैसे- चाँदी, अम्ल, क्षार।

अर्द्धचालक :- वे पदार्थ जिनकी विद्युत चालकता चालकों व अचालकों के मध्य होती है। जैसे- जर्मेनियम, सिलिकॉन।

अचालक :- वे पदार्थ जिनमें विद्युत आवेश का प्रवाह नगण्य होता है। जैसे- रबड़, कागज।

अतिचालक :- कुछ पदार्थ ऐसे होते हैं, कि इनका ताप धीरे-धीरे घटाने पर इनकी चालकता बढ़ती है, परन्तु एक विशेष ताप के नीचे ठण्डा करने पर चालकता अचानक शून्य हो जाती है।

प्रश्न : **जन्तुओं में पोषण से क्या तात्पर्य है। जन्तुओं में पोषण के प्रकार को समझाइए-**

उत्तर : जन्तु अपनी वृद्धि, विकास तथा जैव-क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए पोषक पदार्थों का सेवन करते हैं। इस प्रक्रिया को पोषण कहते हैं।

जन्तुओं में पोषण के प्रकार :-

1. **पूर्णभोजी पोषण** :- पूर्णभोजी पोषण में पोषक पदार्थों को जीव पहले ग्रहण करते हैं तथा फिर उसे पचाकर अवशोषित करते है। इसके चार प्रकार हैं-

(i) **शाकाहारी** :- वे जन्तु होते है, जो अपने पोषक पदार्थ के रूप में पौधे को खाते हैं। जैसे :- गाय, भैंस।

(ii) **मांसाहारी** :- वे जन्तु होते हैं जो अपने पोषक पदार्थ के रूप में अन्य जन्तुओं को खाते हैं। जैसे - लोमड़ी, शेर।

(iii) **सर्वाहारी** :- वे जन्तु जो शाकाहारी तथा मांसाहारी दोनों प्रकार के होते हैं। जैसे- मानव।

(iv) **अपमार्जक** :- ये मृत जन्तुओं को खाते हैं। जैसे- चींटी, गिद्ध।

2. **परजीवी पोषण** :- एक जन्तु अपने भोजन को दूसरे जन्तु से प्राप्त करते हैं। इसके दो प्रकार हैं -

(i) **बाह्य परजीवी** (ii) **आन्तरिक परजीवी**

3. **मृतोपजीवी** :- इस प्रकार के पोषण में जन्तु अपना भोज सड़े-गले तथा मृत पदार्थों से तरल कार्बनिक पदार्थों के रूप में लेते हैं। जैसे- जीवाणु, अचार पर लगे सूक्ष्मजीवी।

प्रश्न : **विलयन किसे कहते हैं। इसके अवयव और प्रकारों का बताइए।**

उत्तर : दो या दो से अधिक पदार्थों का समांगी मिश्रण, जिसमें नियत ताप पर अवयवों संबंधित मात्राओं में एक निश्चित सीमा तक परिवर्तन किया जा सके।

विलयन के अवयव

1. **विलायक** :- विलयन का वह अवयव जो अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में हो, विलायक है। जिस विलायक का डाइइलेक्ट्रिक नियतांक जितना अधिक होता है।

2. **विलेय** :- विलयन में विलायक के अतिरिक्त उपस्थित एक या अधिक अवयव विलेय कहलाते हैं। जैसे- आयोडीन, ऐल्कोहॉल का विलयन।

विलयनों के प्रकार

1. **असंतृप्त विलयन** :- वह विलयन जिसमें ताप वृद्धि किए बिना और अधिक विलये घोला जा सके।

2. **संतृप्त विलयन** :- वह विलयन जिसमें दिए गए ताप एवं दाब पर और अधिक विलेय नहीं घोला जा सके।

अतिसंतृप्त विलयन :- जब संतृप्त विलयन को गर्म किया जाये तो विलेय पदार्थ को घोलने की इसकी क्षमता बढ़ जाती है

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-166)

व्यवहार

15 शब्द

प्रश्न : शैल्डन ने व्यक्तित्व का वर्गीकरण कितने प्रकार से किया।

उत्तर : शैल्डन ने शारीरिक संरचना के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण तीन भागों में किया गया है - 1. एण्डोमार्फिक 2. मीसोमार्फिक 3. एक्टोमार्फिक

प्रश्न : दुश्चिंता विकार।

उत्तर : ऐसे विकार जिसमें दुश्चिंता ही प्रमुख लक्षण होती है। इस विकार में सुभेद्यता को भावना, आशंका या भय पाया जाता है।

प्रश्न : संज्ञानात्मक चिकित्सा।

उत्तर : विकृत और दुरनुकूलक विचार प्रतिरूपों को परिवर्तन करने पर केंन्द्रित चिकित्सा की विधि।

प्रश्न : अहं।

उत्तर : व्यक्तित्व का वह अंश जो इदम् और बाह्य जगत के बीच अंतर्रोधी का कार्य करता है।

प्रश्न : बुद्धि परीक्षण।

उत्तर : किसी व्यक्ति की बुद्धि स्तर मापने के लिए अभिकल्पित परीक्षण।

प्रश्न : कामशक्ति या लिबिडो।

उत्तर : फ्रायड ने इस पद को प्रस्तावित किया। फ्रायड की विचारधारा में लिबिडो कामुकता की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष अभिव्यक्ति मात्र थी।

प्रश्न : रोगोन्मुखता-दबाव मॉडल।

उत्तर : यह दृष्टिकोण कि जैविक पूर्वप्रवृत्ति और जीवन के दबाव आदि कारकों की अंतःक्रिया के परिणामस्वरूप कोई विशिष्ट विकार उत्पन्न हो सकता है।

प्रश्न : मनोवैज्ञानिक परीक्षण।

उत्तर : किसी व्यक्ति के मानसिक और व्यवहारपरक विशेषकों का मापन करने के लिए वस्तुनिष्ठ और मानकीकृत उपकरण। इसको संबंधित मनोवैज्ञानिकों द्वारा लोगों को अपने जीवन से संबंधित निर्णय लेने तथा अपने बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने में सहायता करने के लिए किया जाता है।

प्रश्न : सामाजिक संज्ञान।

उत्तर : वे प्रक्रियाएँ जिनके माध्यम से हम सामाजिक सूचनाओं से अवगत होते हैं, उसकी व्याख्या करते हैं, उसे याद रखते हैं और बाद में उसका उपयोग करते हैं। यह अन्य लोगों तथा स्वयं को ठीक से समझने में सहायता करती है।

50 शब्द

प्रश्न : अभिप्रेरणा की विशेषताएँ बताइये।

उत्तर :
1. यह एक आन्तरिक अवस्था होती है।
2. यह प्राणी में क्रियाशीलता उत्पन्न करती है।
3. यह साधन है साध्य नहीं
4. लक्ष्य जितना कठिन होता है अभिप्रेरणा उतनी ही प्रबल होती है।
5. इसमें निरन्तरता पाई जाती है।
6. यह अर्जित व जागृत दोनों होती है।

प्रश्न : सामान्यतया प्रेरक कितने प्रकार के होते हैं।

उत्तर : सामान्यत प्रेरक निम्न प्रकार के होते है :-

1. **जन्मजात** - वे प्रेरक जो व्यक्ति में जन्म से ही पाये जाते है जिन पर प्राणी का जीव निर्भर है जैसे - भूख, प्यास, नींद, काम, क्रोध आदि।
2. **अर्जित** - विभिन्न प्रकार के वातावरण से सम्पर्क स्थापित होने से जो प्रेरक मिलता है उसे अर्जित प्रेरक कहते है।
3. **व्यक्तिगत** - जो प्रेरक व्यक्तिगत अनुभवों से प्राप्त होते है। ये प्रेरक आकांक्षा स्तर जीवन लक्ष्य, मद व्यसन तथा मनोवृत्तियों द्वारा निर्धारित होते है।
4. **सामाजिक** - सामाजिक आवश्यकताओं के कारण अर्जित प्रेरक सामाजिक प्रेरक कहलाते है - प्रतिष्ठा, सामूहिकता, सुरक्षा, संग्रहता आदि।

प्रश्न : अभिप्रेरणा की व्याख्या अभिप्रेरणात्मक चक्र के संदर्भ में समझाइए।

उत्तर : अभिप्रेरणा चक्र के प्रमुख तीन तत्त्व आवश्यक प्रणोद-प्रोत्साहन है। सर्वप्रथम अभिप्रेरणा में किसी आवश्यकता की उत्पत्ति होती है जिससे तनाव बढ़ जाता है उसे प्रणोद कहा जाता है इससे व्यक्ति का व्यवहार उद्देश्य पूर्ण हो जाता है व उद्देश्य पूर्ण होने पर प्रोत्साहन मिलता है जिससे आवश्यकता हो जाती है।

प्रश्न : प्रक्षेपीय विधियों से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : फ्रीमैन ने प्रक्षेपी विधियों के विषय में विचार प्रकट करते हुए कहा है "प्रक्षेपी परीक्षण से तात्पर्य उस विधि से है जिसमें प्रयोज्य के समक्ष ऐसी उत्तेजक परिस्थिति प्रस्तुत की जाती है जिससे वह अपनी व्यक्तिगत आवश्यकताओं, विशिष्ट प्रत्यक्षीकरण तथा व्याख्याओं को आरोपित करने का अवसर प्राप्त करें।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-167)

सामान्य हिन्दी

प्रश्न : निम्नांकित कथन का भाव विस्तार कीजिए। (150 शब्दों में)

भाग्यवाद आवरण पाप का और शस्त्र शोषण का।

उत्तर : प्रस्तुत पद्य पंक्ति श्री रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित खण्डकाव्य कुरूक्षेत्र से उद्धृत है। पंक्ति में कवि भीष्म पितामह के माध्यम से पापियों और शोषकों पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि यह वर्ग भाग्यवाद (व्यक्ति की अच्छी/बुरी स्थिति के लिए उसका भाग्य उत्तरदायी है) को अपने किये पापों पर पर्दा डालने के लिए प्रयुक्त करता रहता है और भाग्यवाद को ही शोषक वर्ग शस्त्र के रूप में इस्तेमाल करता रहता है। यह स्थिति प्राचीन काल से ही विश्वभर में चलती आ रही है। मध्ययुगीन भारतीय शासकों ने भी भाग्यवाद को शस्त्र के रूप में अपनाकर प्रजा का शोषण किया था। आम जनता भाग्यवाद की धारणा को ही मानते हुए कभी अत्याचारों के खिलाफ नहीं लड़ती है।

कविवर इस पंक्ति के माध्यम से आम जनता को यह शिक्षा देना चाहते हैं कि भाग्यवाद की जंजीरों से निकलना आवश्यक है अतः भाग्यवाद को अस्वीकार करना होगा, इसके लिए विज्ञान का प्रसार और शिक्षा का विकास करना अस्त्र होगा। भाग्यवाद के स्थान पर कर्मवाद की प्रतिस्थापना करनी होगी। यह होने पर न तो पापी अपने पापों को भाग्यवाद से आवरित कर पायेंगे न ही शोषक शस्त्र के रूप में इसका प्रयोग कर पायेंगे।

प्रश्न : निम्नांकित कथन का भाव विस्तार कीजिए। (150 शब्दों में)

"अतिशय रगड़ करे जो कोई अनल प्रकट चन्दन ते होई।"

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का शाब्दिक अर्थ यह है कि यदि अत्यधिक घर्षण किया जाये तो शीतल प्रकृति वाले चंदन से भी अग्नि प्रकट हो सकती है। इसके माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि यदि शोषक वर्ग या अत्याचारी सामान्य प्रजा/व्यक्तियों पर अत्यधिक अत्याचार करते हैं या शोषण करते हैं तो सामान्य शांत प्रकृति के व्यक्ति अपना मूल स्वभाव त्यागकर क्रांति कर सकते हैं अर्थात् सहन शक्ति की एक सीमा होती है एक सीमा तक ही अत्याचारों और मन के प्रतिकूल क्रियाओं को सहन किया जा सकता है। उस सीमा से आगे सहन शक्ति जवाब दे देती है और क्रांति का आगाज होता है। अर्थात् शोषक वर्ग को अत्यधिक अत्याचार नहीं करने चाहिए।

साथ ही कवि शोषित वर्ग को भी यह संदेश देना चाहते हैं कि अत्यधिक घर्षण से जब चंदन से अग्नि प्रज्वलित हो सकती है तो इस वर्ग को भी अत्यधिक अत्याचार सहन नहीं कर प्रतिरोध कर देना चाहिए। इतिहास गवाह है संसार में क्रांतियों के आगाज का कारण अत्यधिक अत्याचार ही रहे हैं। महात्मा गांधी जैसे अहिंसा के पुजारी को 'करो या मरो' का नारा देना पड़ा।

एक एकार्थ यह भी हो सकता है कि अत्यधिक मेहनत करने से मंदबुद्धि व्यक्ति भी मेधाशक्ति को प्रज्जवलित कर सकता है।

प्रश्न : निम्नांकित कथन का भाव विस्तार कीजिए। (150 शब्दों में)

"हानि-लाभ जीवन-मरण यश अपयश विधि हाथ।"

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति आचार्य तुलसीदास विरचित महाकाव्य 'रामचरित मानस' से उद्धृत है। उक्त पंक्ति के माध्यम से आचार्य सामान्य जन को यह संदेश देना चाहते है कि हानि-लाभ, जीवन-मरण एवं यश-अपयश विधि अर्थात् ईश्वर के क्षेत्र के विषय हैं एवं सामान्य जन को इन पर ज्यादा विमर्श करने के स्थान पर अपने कर्म पर ही ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। नियत कर्मों का क्रियान्वयन है, उनका धर्म है। कर्म करने के पहचान फलों का निर्धारण कर्मानुसार ईश्वर पर छोड़ देना चाहिए।

एक अन्य अर्थ में यह कहा जा सकता है कि प्रत्येक कार्य के पीछे कारण होता है यहाँ विधि कारण के रूप में उपस्थित है, विधि से तात्पर्य 'प्रक्रिया' (प्रोसेस) से यदि माना जाए तो किसी कारोबार को करने की विधि अर्थात् योजना/क्रियान्वयन आदि तय करती है कि व्यापार में हानि होगी अथवा लाभ, इसी प्रकार जीवन जीने की विधि तय करती है कि व्यक्ति सुखी रहेगा अथवा दुःखी कई बार व्यक्ति की गलतियों से असमय भी मृत्यु हो जाती है। इस प्रकार व्यक्ति के आचरण की विधि तय करती है कि उसे यश मिलेगा अथवा अपयश अर्थात् सदाचार के यश व दुराचार से अपयश मिलना तय है।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि व्यक्ति को सिर्फ सम्यक् कर्मों पर ध्यान देना चाहिए।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-168)

नीतिशास्त्र

प्रश्न : बेन्थम और मिल के सिद्धांतों में समानताएँ बताइऐ।

उत्तर : 1. दोनों ने परार्थवाद या उपयोगितावाद का समर्थन किया है
2. सुख जीवन का चरम लक्ष्य है। स्वतः साध्य शुभ है।
3. अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख का सिद्धांत दोनों में है।
4. दोनो ने अपने सुख से ज्यादा महत्त्व दूसरों के सुख को दिया है।
5. चार बाह्य नैतिक आदेश या दबाव दोनों ने माने हैं।

प्रश्न : नियतत्त्ववाद।

उत्तर :
- कारणता सिद्धान्त न केवल प्राकृतिक घटनाओं पर लागू होता है बल्कि मनुष्य के कर्मों पर भी लागू होता है। कर्म सिद्धान्त नियतत्त्ववाद का पोषक है।
- व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं चरित्र का ज्ञान होने पर हम उसके भावी कर्मों के बारे में भविष्यवाणी कर सकते हैं।
- किसी परिस्थिति में कोई मनुष्य क्या करेगा इसका अनुमान लगाया जा सकता है। यदि उसकी आदत, रूचि, इच्छा, विचार, मूल्य एवं आदर्शों का भली-भाँति ज्ञान हो।
- प्रायश्चित (Repent) की सार्थकता :- बुरे कर्मों को करने के बाद हम पश्चाताप करते हैं। इसका अर्थ है कि 'हम सोचते हैं कि जैसा हमने किया वैसा हम नहीं भी कर सकते थे।'

प्रश्न : गीता और काण्ट में अन्तर बताइये।

उत्तर : गीता और काण्ट में निम्न अन्तर देखने को मिलते है:-
1. गीता में नीतिशास्त्र ईश्वर पर आधारित है तथा ईश्वर ने ही स्वयं नैतिक सिद्धांत का प्रतिपादन किया है जबकि काण्ट के अनुसार ईश्वर स्वयं नीतिशास्त्र पर निर्भर है। काण्ट ने निश्चित अर्थों में ईश्वर का अस्तित्व नहीं माना है। उसकी धारणा है कि विश्व में नैतिक व्यवस्था को चलाने के लिए ईश्वर के अस्तित्व में आस्था रखी जानी चाहिए।
2. गीता के अनुसार फल की आकांक्षा के बिना कर्म करना है किंतु यह तय है कि फल मिलेगा। काण्ट के अनुसार फल मिलने की कोई गारंटी नहीं सिर्फ संभावना है कि फल मिलेगा।
3. गीता में कठोरता अपेक्षाकृत कम है और सहज मानवीय भावनाओं के लिए अवकाश बना हुआ है, जबकि काण्ट के यहाँ कठोरवाद है और सह भावनाओं और वासनाओं का पूर्ण दमन जरूरी है।
4. गीता में नैतिकता में कुछ अपवादों को भी स्वीकार किया गया है इसका अर्थ है कि सीमित अर्थों में डीऑन्टोलोजी पर टेलीयोलोजी भारी पड़ गई है जैसे हिंसा नहीं करनी चाहिए लेकिन अगर कर्तव्य के लिए जरूरी हो तो उसे स्वीकार किया जा सकता है काण्ट के यहाँ डीऑन्टोलोजी अपने चरम पर है और नैतिक नियमो में किसी अपवाद की अनुमति नहीं हैं

प्रश्न : नैतिकता के निर्धारक तत्त्व क्या है?

उत्तर :
- बचपन में अपने पड़ौसी के घर खेलने जाने पर क्या उस परिवार से आपको स्नेह मिला या फटकार।
- किसी वैवाहिक समारोह से भाग लिया और उस समारोह में सभी रीति-रिवाज और अपने प्रति सत्कार की भावना महसूस करना।
- समाज में किसी की मृत्यु की समाचार सुनने पर पिता की भूमिका और उस दुःखी परिवार के प्रति अवलोकन भाव।
- कभी क्रिकेट खेलते हुए पड़ोसी की काँच तोड़ी होगी तो आपके पड़ोसी ने आपके पिता के पास आपकी शिकायत की, तब आपकों कैसा बोध हुआ।
- सामुदायिक स्तर पर एक सफाई कार्यक्रम में भाग लेने पर यह अनुभव करना कि सहयोग सबसे बड़ी सामाजिक संपत्ति है।

प्रश्न : समाज (राज्य) के लिए प्लेटो के न्याय सिद्धांत की आलोचना कीजिये।

उत्तर :
(i) आलोचकों के अनुसार प्लेटों का न्याय सिद्धान्त वास्तव में न्याय सिद्धान्त नहीं है। यहाँ केवल कर्तव्य पालन से संबंधित एक नैतिक व्यवस्था है। बार्कर के अनुसार प्लेटो के न्याय में न्याय के कानूनी पक्ष की अवहेलना की गई है।

(ii) प्लेटो का न्याय सिद्धान्त भेदमूलक एवं कूलीनतावादी है। प्लेटो समाज का विभाजन तीन असमान वर्गो में करते हैं। प्रजातांत्रिक दृष्टि से यह अनुकूल नहीं हैं।

(iii) आलोचक यह भी मानते हैं कि प्लेटो का न्याय सिद्धान्त तानाशाही या सर्वाधिकारवाद का मार्ग प्रशस्त करता है। आधुनिक समकालीन विचारक **कार्ल पोपर** के अनुसार प्लेटो ने अपने न्याय सिद्धान्त में शासक वर्ग को ज्ञान का प्रतिनिधि मान लिया है। ऐसी स्थिति में शासक वर्ग के निर्णय को सदैव सही माना जाएगा। उस पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं हो पाता है।

(iv) अरस्तू के अनुसार प्लेटो का न्याय सिद्धान्त 'अत्यधिक एकीकरण' और 'अत्यधिक पृथककीकरण' की भावना पर आधारित हैं। इससे एकता की स्थापना करने में कठिनाई होती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-169)

भारत का भूगोल

15 शब्द

प्रश्न : "मैन सेन्ट्रल थ्रस्ट"

उत्तर : एक विभाजक रेखा के रूप में चिन्हित 2200 कि.मी. लम्बी एक वृहद् भू-गर्भिक दरार जो महान हिमालय एवं लघु हिमालय की भू-गर्भिक संरचना को एक-दूसरे से अलग करती है।

प्रश्न : वृहद सीमांत दरार

उत्तर : अरावली पर्वत के पूर्वी सीमांत प्रदेश एवं विन्ध्यन पर्वत के मध्य निर्मित एक वृहद् भू-गर्भिग दरार 'ग्रेट बाउंड्री फाल्ट' है।

प्रश्न : लैटेराइट मृदा

उत्तर : उच्च तापमान व भारी वर्षा क्षेत्रों में विकसित ये मृदाएं निक्षालन का परिणाम हैं। जो मुख्यतः कनार्टक, केरल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश व असम के पहाड़ी क्षेत्रों में मिलती हैं

प्रश्न : पांगसाड दर्रा

उत्तर : अरुणाचल प्रदेश के दक्षिण-पूर्व में म्यांमार सीमा पर स्थित दर्रा, जिससे होकर डिब्रूगढ़ से म्यांमार जाने का मार्ग गुजरता है।

प्रश्न : मानसून निर्वतन

उत्तर : मानसून के पीछे हटने या लौट जाने को मानसून का निर्वतन कहा जाता है। सितम्बर के प्रारम्भ से उत्तर पश्चिमी भारत से मानसून पीछे हटने लगता है।

प्रश्न : बील

उत्तर : पश्चिम बंगाल में ऐसी निम्न भूमि जो जल से भरी रहती है, 'बील (Beel)' कहलाती है।

प्रश्न : रेह/कल्लर

उत्तर : बांगर मिट्टी के कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक सिंचाई के कारण भूमि पर नमक की सफेद परत जम जाती है। जिसे 'रेह' या 'कल्लर' कहते है।

प्रश्न : मालवा पठार

उत्तर : लावा निर्मित पठार, काली मिट्टी का समप्राय मैदान जिसके उत्तर में ग्वालियर पहाड़ियां और उत्तर-पूर्व में बुंदेलखण्ड और बघेलखंड का पठार है।

प्रश्न : काल बैसाखी

उत्तर : असम और पश्चिम बंगाल में बैसाख में शाम को चलने वाली भंयकर/विनाशकारी पवनें जिन्हें असम में 'बारदोली छीड़ा' कहा जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : प्रोजेक्ट टाईगर

उत्तर : 1973 से प्रारम्भ प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य भारत में बाघों की संख्या का स्तर बनाये रखना ताकि वैज्ञानिक, सौन्दर्यात्मक, सांस्कृतिक और पारिस्थितिक मूल्य बनाए रखें जा सके। इससे प्राकृतिक धरोहर को भी संरक्षण मिलेगा जिसका लोगों को शिक्षा और मनोरंजन के रूप में फायदा होगा। वर्तमान में यह योजना 48 क्रोड बाघ निचयों में चल रही है जो 17 राज्यों में व्याप्त हैं।

प्रश्न : पश्चिमी तटीय मैदान पर कोई डेल्टा नहीं है। कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : पश्चिमी तटीय मैदान एक संकरा मैदान है, जिसके पूर्व में पश्चिमी घाट स्थित है। पश्चिमी घाट से कई तीव्रगामी छोटी-छोटी नदियां बहती हैं ये नदियां बिना डेल्टा बनाए ही समुद्र में जा गिरती है, क्योंकि इनमें तलहट का पर्याप्त निक्षेप नहीं होता है।

प्रश्न : प्रायद्वीपीय पठार की मुख्य विशेषताएं लिखिए-

उत्तर : प्रायद्वीपीय पठार कठोर शैलों का प्राचीन भू-खण्ड है। इसका निर्माण एक उत्खण्ड के रूप में हुआ है। यह कैबियन कल्प से लेकर आज तक स्थल क्षेत्र ही रहा है। केवल इसके तटीय क्षेत्र अल्प अवधि के लिए समुद्र में डूब गए थे। इसमें मुख्यतः अवशिष्ट पर्वत पाए जाते हैं। अरावली पर्वत इसका उदाहरण है। यह पठार त्रिभुजाकार है। इसमें अधिकतर आग्नेय चट्टाने पाई जाती है।

प्रश्न : भारत की लंबी तटरेखा के क्या प्रभाव हैं?

उत्तर : भारत की लंबी तट रेखा के बहुत लाभ हैं। अफ्रीका, औद्योगिक दृष्टि से विकसित यूरोप तथा तेल-सम्पन्न पश्चिमी एशिया को दक्षिणी-पूर्वी एशियाई देशों, चीन विकसित उद्योग वाले जापान, आस्ट्रेलिया तथा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के पश्चिमी तट को जोड़ने वाले महासागर पारीय जल-मार्ग भारत से होकर गुजरते हैं।

प्रश्न : पश्चिमी हिमालय एवं पूर्वी हिमालय के मध्य भिन्नता को स्पष्ट कीजिए-

उत्तर :

पश्चिमी हिमालय	पूर्वी हिमालय
यह 80° पूर्वी देशान्तर के पश्चिम में सिंधु से काली नदी तक विस्तृत है।	यह 88° पूर्वी देशान्तर के पूर्व में तिस्ता से ब्रह्मपुत्र नदी तक विस्तृत है।
यहां औसत वार्षिक वर्षा 100 सेमी से कम होती है।	यहां औसत वार्षिक वर्षा 200 सेमी से अधिक होती है।
वनस्पति मुख्यतः अल्पाइन तथा शंकुल आकार के वनों के रूप में मिलती है।	विस्तृत क्षेत्र पर घने सदापर्णी वन पाए जाते है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-170)

राजस्थान का इतिहास एवं कला संस्कृति

15 शब्द

प्रश्न : चन्द्रावती सभ्यता

उत्तर : परमार राजवंश की प्राचीन राजधानी, जिसके खण्डहर आबू रोड़ (सिरोही जिले) के दक्षिण पश्चिम बनास नदी के किनारे मिले हैं।

प्रश्न : सिणगर चौकी

उत्तर : दौलतखाना के आंगन में महाराजा तख्तसिंह द्वारा निर्मित जहाँ जोधपुर के राजाओं का राजतिलक होता था।

प्रश्न : रांगड़ी

उत्तर : मालवा प्रदेश से जुड़े राज्य के भू-भाग में राजपूतों में बोली जाने वाली बोली, जो मारवाड़ी और मालवी का मिश्रित रूप है।

प्रश्न : पेजण

उत्तर : दिवाली के अवसर पर राजस्थान के बांगड़ क्षेत्र में होने वाला नृत्य। जिसे पुरुष पात्र नारी स्वांग में प्रस्तुत करते हैं।

प्रश्न : चारबैत

उत्तर : लोक गायन व लोकनाट्य शैली-पठानी मूल की काव्य प्रधान संगीत विद्या, जिसका राजस्थान में एकमात्र केन्द्र टोंक है।

प्रश्न : उब छठ।

उत्तर : श्रावण कृष्ण षष्ठी को कुंवारी कन्याओं का त्योहार जिसमें कन्याएं षष्ठी को सूर्यास्त से चन्द्रोदय तक खड़ी रहती है तथा चन्द्र दर्शन कर भोजन करती है।

प्रश्न : कल्ला राठौड़।

उत्तर : मेवाड़ के लोकदेवता, मुख्य स्थान चित्तौड़गढ़ दुर्ग में है। इन्हें चार हाथ वाला देवता कहा जाता है। अकबर के विरुद्ध अद्‌म्य साहस के साथ लड़ते हुए वीर गति पाई।

प्रश्न : चटशाला।

उत्तर : पूर्व मध्यकालीन राजस्थान में महाजनों के बच्चों के लिए स्थापित पाठशाला जहाँ उन्हें हिसाब-किताब की शिक्षा दी जाती है।

प्रश्न : चौखा और बुगता।

उत्तर : मेवाड़ शैली की प्रसिद्ध उप-शैली देवगढ़ शैली जो 18वीं, 19वीं शताब्दी में फली-फूली, में तीन प्रसिद्ध चित्रकार थे- चौखा, बुगता, और केवला

प्रश्न : नांदड़ा

उत्तर : आदिवासी स्त्रियों द्वारा पहना जाने वाला वस्त्र जो नीले रंग की छींट में दाबू पद्धति से बनाया जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : 'भराड़ी'

उत्तर : कुशलगढ़ (बासंवाड़ा) में भील युवती के विवाह पर घर की दीवार पर जवाई द्वारा चावल के विविध रंगी घोल द्वारा बनाया गया आकर्षक मांगलिक चित्र भराड़ी है। यह भीलों की लोक देवी है जो गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर रहे लाड़ा-लाड़ी (वर-वधू) के जीवन को सभी तरह से भरा-पूरा रखती है। विवाहोपरान्त लाड़ा-लाड़ी को भराड़ी के पास सुलाया जाता है, जो दैव्य रूप में पूर्णतः प्रकृति और पर्यावरण से समन्वित है।

प्रश्न : चित्रकला की मुगल शैली और राजपूत शैली में बुनियादी अंतर क्या है?

उत्तर : मुगल शैली के चित्रकारो ने मुस्लिम धार्मिक गाथाओं पर चित्र बनाने की बजाय हिन्दू पौराणिक गाथाओं व ईसाई ध र्म की कहानियों से संबंधित विषयों पर चित्र बनाये, जो लोक जीवन की भावनाओं से दूर भू-दृश्यों, पशु-पक्षियों, पुष्पों एवं व्यक्ति-चित्रों पर अधिक बने जबकि राजपूत चित्रकला तत्कालीन रियासतों के कला प्रेमी राजाओं, सामन्तों एवं जागीरदारों के संयोजन से उभर कर आयी। कृष्ण चरित्र, ढोला मारू, बारहमासा शिकार आदि रस-प्रधान विषय है। जिनमें भावनाओं का मनावैज्ञानिक चित्रांकन हुआ है। राधा-कृष्ण की माधुर्य भावना का चित्रण, इस चित्रकला की विशेषता है।

प्रश्न : दुरसा आढ़ा।

उत्तर : सांचोर परगने (मारवाड़) के आढ़ा गावं में चारण परिवार में जन्में, अकबर बीकानेर के रायसिंह, जयपुर के मानसिंह, सिरोही के राव सुरताण से सम्मानित। इनकी 8 रचनाएं- विरुद्ध छहतरी, किरतार बावनी व सोंलकी वीरमदेव जी रा आदि प्रसिद्ध है। सामन्ती प्रवेश के होते हुए भी जन मानस को देश प्रेम व राष्ट्रीय गौरव की भावना दी। उन्होंने तत्कालीन हिन्दू समाज की विपन्न अवस्था और अकबर की कूटनीति का संजीव वर्णन किया है।

प्रश्न : चारणी साहित्य

उत्तर : चारण, ब्रह्मभट्ट, भाट, ढाढ़ी आदि सभी विरुद गायक जातियों की कृतियों और शैली में लिखी अन्यान्य कृ तियां चारणी साहित्य है। यह साहित्य अधिकांशतः पद्य में है, वीर रसात्मक है, भाषा शैली डिंगल है। यह प्रबंध काव्य, गीतों, दोहो, सोरठों, कुण्डलियों, झूलणों, सवैयों आदि में उपलब्ध ा है। वेलि क्रिसन रुक्मणीरी, पृथ्वीराज रासो, नागदमण्ड, वीर मादण आदि रचनाएं तथा करणीदान, चंदरबरदाई, गाडण शिवदास, दुरसौ आढ़ो, दाढ़ी बहादर आदि ग्रन्थाकार एवं गीतकार है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-171)

भारत का भूगोल

100 शब्द

प्रश्न : प्रायद्वीपीय पठार का निर्माण एक लम्बे भू-वैज्ञानिक इतिहास का परिणाम है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : तीन दिशाओं में समुद्र से घिरा प्रायद्वीपीय पठार भारत का प्राचीन पठार है। भू-वैज्ञानिकों के मत में यह भारतीय उप-महाद्वीप का प्राचीनतम खण्ड है और भू-पर्पटी की मुख्य प्लेटों में से एक है। जिसे भारतीय प्लेट कहते है। यह पुरातन भू-पर्पटी शैलों का बना हुआ है। जो पूर्व-कैम्ब्रियन महाकल्प में निक्षेपित अवसादों के समुद्र की सतह के ऊपर उठने के पश्चात् समुद्र में नहीं डूबा यह सपाट उच्च भूमि दृढ़ एवं अगम्य खण्ड के रूप में बनी रही।

प्रायद्वीप हिन्द आस्ट्रेलियाई प्लेट का भाग है। इस पर ऊर्ध्वाधर संचलनों और खण्ड भ्रंशन का प्रभाव पड़ा है। नर्मदा व ताप्ती की भ्रंश घाटियां तथा सतपुड़ा ब्लॉक पर्वत इसके उदाहरण है। प्रायद्वीप पर अधिकांशतः अवशिष्ट पर्वत ही हैं। यहां नदी घाटियां उथली तथा मंद ढाल वाली है। भू-वैज्ञानिकों के मत में भारतीय प्रायद्वीप, गोंडवाना महाद्वीप का अंग था। इसके उत्तर की ओर खिसकने एवं मध्य एशियाई पठार के टकराने के परिणामस्वरूप टेथिस सागर से हिमालय का जन्म हुआ है।

प्रश्न : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार भारत में कितने स्पष्ट मौसम पाए जाते हैं? किसी एक मौसम की दशाओं की सविस्तार व्याख्या कीजिए।

उत्तर : भारतीय मौसम विभाग के अनुसार भारत में सामान्यतः चार ऋतुएं मानी जाती है। वे है :-

(क) शीत ऋतु (Winter Season)
(ख) ग्रीष्म ऋतु (Summer Season)
(ग) वर्षा ऋतु (Rainy Season)
(घ) मानसून के निवर्तन अथवा प्रत्यावर्तन अर्थात् मानसून लौटने की ऋतु (Season of Retreating Monsoons)

(घ) मानसून के निवर्तन अथवा प्रत्यावर्तन अर्थात् मानसून लौटने की ऋतु (Season of Retreating Monsoons) :- सितम्बर के दूसरे सप्ताह तक दक्षिण-पश्चिमी मानसून उत्तरी भारत से लौटने लगता है और दक्षिण में मध्य अक्टूबर तथा दिसम्बर के आरंभ तक लौटती रहती है। दक्षिणी प्रस्फोट के विपरीत मानसून पवनों का लौटना काफी क्रमिक (Gradual) होता है। मानसून पवनों के लौटने के साथ ही बादल समाप्त हो जाते हैं और आकाश साफ हो जाता हैं। दिन का तापमान कुछ बढ़ जाता है, परन्तु रातें सुखद हो जाती हैं, क्योंकि माध्य निम्नतम तापमान 20^0 सेंल्सियस या इससे भी कम हो जाता है। इस ऋतु में दैनिक तापान्तर अधिक होता है। बंगाल की खाड़ी में पैदा होने वाले चक्रवात दक्षिण-पूर्व से उत्तर पश्चिम दिशा में चलते हैं और पर्याप्त वर्षा करते हैं।

प्रश्न : भारत में वेलांचली वन।

उत्तर : ये वन कच्छ, ज्वारीय, संकरी खाड़ी, पंक मैदानों और ज्वारनदमुख के तटीय क्षेत्रों पर उगते हैं। बंधे जल व ज्वारीय प्रवाह की संकरी खाड़ियों से आड़े-तिरछे ये वन विभिन्न किस्म के पक्षियों को आश्रय प्रदान करने के साथ ही तटवर्ती क्षेत्रों की सुनामी से भी रक्षा करते हैं।

ये वन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह व पश्चिम बंगाल के सुन्दरवन डेल्टा अत्यधिक विकसित हैं। इसके अलावा ये वन महानदी, गोदावरी तथा कृष्णा नदियों में डेल्टाई भाग में पाए जाते हैं।

वेलांचली या अनूप वनों को आर्द्रभूमि वन भी कहते हैं। इन्हें भी कई भागों में बांटा जा सकता है जिनमें तटीय वन, ज्वारीय अथवा मैंग्रोव वन और ताजे जल वाले दलदली वन प्रमुख हैं। मैंग्रोव के वृक्ष अपनी सघन जड़ों के कारण तूफान और ज्वारभाटे से नहीं उखड़ते हैं और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की इन प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा करते हैं।

प्रश्न : भारत में लवणीय मृदा ?

उत्तर : **लवणीय मृदा**

- यह अनउपजाऊ मिट्टी है जो शुष्क एवं अर्द्धशुष्क प्रदेशों में अति सिंचाई वाली क्षेत्रों में पाई जाती है।
- इन प्रदेशों में वाष्पीकरण की क्रिया अधिक होने के कारण केशिकत्व क्रिया द्वारा मिट्टी की ऊपरी परत में सोडियम, मैग्नीशियम एवं पोटेशियम के लवण एवं क्षार का निक्षेप हो जाता है।
- इसमें नाइट्रोजन एवं चूने की कमी होती है।

लवणीय मृदाओं का अधिकतर प्रसार पश्चिमी गुजरात, पूर्वी तट के डेल्टाओं और पश्चिम बंगाल के सुन्दर वन क्षेत्रों में है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-172)

भारतीय राजव्यवस्था

100 शब्द

प्रश्न : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा स्वीकृत की जाने वाली मानवाधिकार उल्लंघन संबंधी याचिकाओं की प्रकृति क्या है? स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : सामान्यतः आयोग द्वारा स्वीकृत की जाने वाली मानवाधिकारों उल्लघंन संबंधी याचिकाओं की प्रकृति निम्न प्रकार है:-

1. घटना शिकायत करने से एक वर्ष से अधिक समय पूर्व घटित होने लगी है।
2. शिकायत अर्द्ध-न्यायिक प्रकार की होनी चाहिए।
3. शिकायत अनिश्चित, अज्ञात अथवा छद्म नाम से होनी चाहिए।
4. शिकायत तुच्छ प्रकृति की नहीं होनी चाहिए।
5. आयोग के विस्तार से बाहर की शिकायतें नहीं होनी चाहिए।
6. उपभोक्ता सेवाओं तथा प्रशासनिक नियुक्तियों से संबंधित मामले।

सशस्त्र बलों द्वारा मानवाधिकारों के उल्लघंन संबंधी शिकायतों के मामलों में आयोग स्वयं अपने संज्ञान पर अथवा किसी प्राप्त याचिका के अधिकार पर सरकार के मामले के संबंध में रिपोर्ट माँग सकता है। रिपोर्ट की प्राप्ति के पश्चात् सरकार की सिफारिशों के अनुरूप आयोग शिकायत पर कार्यवाही रोक सकता है तथा संघीय सरकार द्वारा उक्त मामले के संदर्भ में की गई कार्यवाही से आयोग को 3 माह अथवा आयोग द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर अवगत कराना अनिवार्य है।

प्रश्न : 'समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने' के समक्ष चुनौतियां कौन-कौनसी है?

उत्तर : राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों के अन्तर्गत अनुच्छेद-39(घ) बताता है कि समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करना, राज्य का कर्त्तव्य है। साथ ही संविधान की प्रस्तावना (समस्त नागरिकों को प्रतिष्ठा एवं अवसर की समता), अनुच्छेद-14 (विधि की समता), अनुच्छेद-16 (लोक नियोजन में अवसर की समता), अनुच्छेद-43 (कर्मकारों के लिये निर्वाह मजदूरी आदि) जैसे प्रावधान समान कार्य के लिए समान व्याख्या करते है। किन्तु समान कार्य के मानकों का निर्धारण, कुशल, अकुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों की श्रेणियां उनके स्वरूप एवं कार्य की प्रकृति के आधार पर वेतन का मानकीकरण, प्रत्येक राज्य की विशिष्ट आर्थिक स्थिति, क्षमता एवं आवश्यकता तथा निजी क्षेत्रों के कामगारों से संबंधित प्रावधान तय करने में विधिक एवं व्यावहारिक समस्याएं आदि समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने के समक्ष चुनौतियां है।

प्रश्न : नीति आयोग द्वारा प्रस्तुत स्वास्थ्य सूचकांक।

उत्तर : केन्द्र सरकार के थिंक टैंक नीति आयोग द्वारा जारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदर्शन पर आधारित इस सूचकांक का उद्देश्य राज्यों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं करना और डाटा संग्रहण प्रणालियों का उन्नयन करने के लिए प्रेरित करना है इस सूचकांक से नवजात शिशु मृत्युदर, लिंगानुपात, जन्मदर और मृत्युदर के आंकड़ों के आधार पर राज्यों को रैंकिंग दी जायेगी जिससे यह मूल्यांकन हो सकेगा कि कौनसा राज्य किस क्षेत्र में पीछे है। इसके लिए नीति आयोग एक वेबसाइट शुरू करने जा रहा है जिसमें ऐसा प्रारूप पहले से तैयार होगा और केवल आँकड़े डालने होंगे।

यह सूचकांक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर पेश किया गया है। इस सूचकांक को शिक्षाविदों, अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों और राज्यों से ली गई जानकारी के अनुसार विकसित किया गया है।

प्रश्न : मंत्रिमंडल के कार्य एवं शक्तियों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : मंत्रिमंडल के प्रमुख कार्य निम्न हैं :-

1. **राष्ट्रीय नीतियों का निर्धारण** - मंत्रिमंडल द्वारा नीति निर्धारित करने के बाद संबंद्ध विभागों के द्वारा इस नीति के आधार पर विधेयक संसद में प्रस्तुत किये जाते है।
2. **विधि निर्माण में संसद का नेतृत्व करना** :- दोनों सदनों के अध्यक्ष मंत्रिमंडल के परामर्श ही सदन की कार्य-सूची तय करते है। मंत्रिमंडल के सदस्य विभिन्न विभागों के अध्यक्ष होते है। वे अपने विभागों का संचालन और उनके कार्यों का देखभाल करते है।
3. **लोकसभा के विघटन की शक्ति** :- कानूनी तौर पर लोकसभा को भंग करने का अधिकार राष्ट्रपति को है परन्तु राष्ट्रपति अपनी इस शक्ति का प्रयोग मंत्रिमंडल की सलाह पर ही करता है।
4. **वित्तीय कार्य** :- बजट का निर्माण, नये कर लगाना तथा पुराने करों की दरों में हेर-फेर करना मंत्रिमंडल के प्रमुख कार्य है। मंत्रिमंडल की सहमति के बाद ही वित्त मंत्री बजट लोकसभा में प्रस्तुत करता है।
5. **नियुक्ति संबंधी कार्य**:- राज्यों के राज्यपाल, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, महाधिवक्ता, महालेखा परीक्षक और सेना के प्रमुखों की नियुक्ति मंत्रिमंडल के परामर्श से की जाती है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-173)

भारतीय अर्थव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : विदेशी पूँजी।

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लाभ के अवसर उत्पन्न करने वाली पूँजी, जिससे भारत में अतिरिक्त संसाधनों का सृजन हो, विदेशी पूंजी है।

प्रश्न : विनिवेश के उद्देश्य लिखिये।

उत्तर : संसाधनों को गतिशील बनाना, अलाभकारी/नुकसान वाली गतिविधियों को लाभकारी बनाना तथा सामाजिक न्याय, विनिवेश के उद्देश्य हैं।

प्रश्न : कर आतंकवाद क्या है?

उत्तर : आयकर विभाग द्वारा नियमों/कानूनों का प्रयोग कर उद्यमियों, व्यापारियों एवं पी.एस.यू. से कर के रूप में अधिक धनार्जन करना, कर आतंकवाद कहलाता है।

प्रश्न : मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : मध्यावधि में मुद्रास्फीति दर को नियंत्रित करने हेतु केंद्रीय बैंक द्वारा अपनाई जाने वाली लक्ष्यात्मक नीति।

प्रश्न : एस.डी.आर. (विशेष आहरण अधिकार)

उत्तर : अपने सदस्य देशों के मुद्रा भण्डारों की आपूर्ति हेतु IMF द्वारा निर्मित "अंतर्राष्ट्रीय आरक्षित संपत्ति" जो कि चार देशों की मुद्रा की टोकरी (बास्केट) है और इसमें 2015 में चीन के रेन्मिन्बी/यूआन को सम्मिलित किया गया है।

प्रश्न : उच्च शक्ति मुद्रा

उत्तर : किसी देश के मौद्रिक अधिकार द्वारा कुल देयता उच्चशक्ति मुद्रा कहलाती है। इसमें सार्वजनिक, सरकारी, बैंक, नकद आरक्षित अनुपात आदि संपत्ति सम्मिलित हैं।

प्रश्न : राजकोषीय सुधार से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर : सरकार की आय में वृद्धि और व्यय में इस प्रकार कमी कि उत्पादन और आर्थिक कल्याण पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

प्रश्न : निरपेक्ष निर्धनता

उत्तर : किसी देश की आर्थिक अवस्था को ध्यान में रखते हुये निर्धनता का मापन, निरपेक्ष निर्धनता कहलाती है।

प्रश्न : मानव पूंजी निर्माण के स्रोत से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना, स्थानांतरण आदि पर व्यय, नौकरी के साथ प्रशिक्षण, वयस्कों के लिये अध्ययन का कार्यक्रम आदि।

प्रश्न : आर्थिक आधारिक संरचना को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : आर्थिक परिवर्तन के वे सभी तत्व (शक्ति, परिवर्तन व संचार) जो आर्थिक संवृद्धि की प्रक्रिया के लिये एक सहयोगी व्यवस्था का कार्य करते हैं।

50 शब्द

प्रश्न : हाल ही में पारित किये गये जी.एस.टी. विधेयक से भारतीय अर्थव्यवस्था को क्या संभावित लाभ होंगे?

उत्तर : संभावित लाभ :-

1. समान कर प्रणाली के कारण मितव्ययी व्यापार प्रशासन एवं सरल व्यापारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
2. टैक्स में बचाव से उत्पादन लागत कम होगी जिससे वस्तु एवं सेवाओं की रिटेल कीमत कम होगी।
3. अधिशेष प्रयोज्य आय का निर्माण होगा।
4. इस प्रकार अधिक कर की प्राप्ति संभव होगी।

प्रश्न : विदेश निवेश को परिभाषित कीजिये। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से होने वाले लाभों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : ऐसी विदेशी पूँजी, जिसने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लाभ कमाया अर्जित किया हो साथ ही जिसे पुनः उत्पादन में लगाने हेतु प्रयोग में लाया जाये, विदेशी निवेश है।

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लाभ-

(i) इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की क्षमता बढ़ती है।

(ii) सेवाओं की आपूर्ति बढ़ने से अर्थव्यवस्था का आधार खड़ा होता है।

(iii) इससे न केवल पूंजी आती है बल्कि प्रबंधन, तकनीकी, कार्य-संस्कृति, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं नीतियों के साथ ही दक्षता भी आती है।

(iv) रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ते हैं जिससे नागरिकों का जीवन स्तर बढ़ता है।

इस प्रकार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आर्थिक संकट को भी कम करता है।

प्रश्न : अनर्जक परिसंपत्ति को समझाइये और इसके प्रभाव को कम करने हेतु सुझाव दें।

उत्तर : ऋण/अग्रिम जिसका मूलधन अथवा ब्याज की 90 दिन तक पुनः प्राप्ति नहीं होती है, अनर्जक संपत्ति कहलाती है।

सुझाव :-

1. ऋण देते समय बैंको को उदार नहीं होना चाहिए।
2. ऋण मंजूरी की प्रक्रिया में सुधार होना चाहिए।
3. ऋणों के पुनर्निर्माण पर कम भरोसा रखना चाहिए।
4. नवोन्मेष व्यापार मॉडल द्वारा उपभोक्ता आधार को विस्तारित एवं विविध किया जाना चाहिए।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-174)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : ऊर्जा संरक्षण का नियम

उत्तर : ऊर्जा को न तो निर्मित किया जा सकता है और न ही नष्ट किया जा सकता है इसे केवल एक रूप से दूसरे रूप में परिवर्तित किया जा सकता है।

प्रश्न : श्वेत जैवप्रौद्योगिकी

उत्तर : औद्योगिक उत्पादों के संश्लेषण हेतु जीवित कोशिका/एंजाइम का उपयोग करना श्वेत जैव प्रौद्योगिकी कहलाती है।

प्रश्न : उत्प्रेरक।

उत्तर : ऐसे पदार्थ जो अभिक्रिया की दर को बढ़ा देते हैं लेकिन उनमें कोई परिवर्तन नहीं होता है, उत्प्रेरक कहलाते हैं।

प्रश्न : जैव आक्सीजन माँग।

उत्तर : किसी निर्धारित समयान्तराल में निश्चित ताप पर पानी के एक सैम्पल में घुली हुई ऑक्सीजन की वह मात्रा जो कार्बनिक पदार्थों के विघटन हेतु सूक्ष्मजीवों के लिए आवश्यक होती है।

प्रश्न : विद्युत धारा।

उत्तर : किसी विद्युत परिपथ में आवेश प्रवाह की दर विद्युत धारा कहलाती है। इसका मात्रक कूलॉम प्रति सैकेण्ड (ऐम्पियर) होता है।

प्रश्न : उत्परिवर्तन से आप क्या समझते हो?

उत्तर : प्रक्रिया जो डी.एन.ए. अनुक्रम में बदलाव लाती है, जीव के जीनोटाइप और फीनोटाइप में परिवर्तन आता है, डी.एन.ए. में विविधता लाती है।

प्रश्न : डाउन सिन्ड्रोम से पीड़ित व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।

उत्तर : छोटा कद, छोटा गोल सिर, जीभ में खांच, मुंह आंशिक रूप से खुला एवं मानसिक विकास अवरूद्ध होता है।

प्रश्न : जालक एन्थैल्पी

उत्तर : किसी आयनिक ठोस के एक मोल यौगिक को गैसीय अवस्था में संघटक आयनों में पृथक करने के लिये आवश्यक ऊर्जा।

प्रश्न : नैज अर्द्धचालक क्या होते हैं?

उत्तर : शुद्ध अर्द्धचालक जिनमें कोई अपद्रव्य न मिला हो नैज अर्द्धचालक कहलाते हैं। इनमें इलैक्ट्रानों की संख्या (n_e) तथा होलों की संख्या (n_h) समान होती है।

प्रश्न : ई-गवर्नेंस

उत्तर : सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर सरकार और लोगों के मध्य विभिन्न सरकारी सेवाओं, लेनदेन, सूचनाओं का आदान-प्रदान आदि करना ई-गवर्नेंस कहलाता है।

50 शब्द

प्रश्न : पारितंत्र सेवाओं से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : पारितंत्र प्रक्रिया के फलस्वरुप उत्पादित उत्पादों को पारितंत्र सेवायें कहते हैं। एक स्वस्थ वन पारितंत्र की भूमिका वायु एवं जल को शुद्ध बनाना, सूखा एवं बाढ़ की समस्या को कम करना, पोषकों को चक्रित करना, भूमि को ऊर्वर बनाना, जंगली जीवों को आवास उपलब्ध कराना, जैव विविधता को बनाये रखना, फसलों का परागण करने में सहायता करना, कार्बन के लिये भण्डारण स्थल उपलब्ध कराना और साथ ही सौंदर्यात्मक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य प्रदान करना आदि है।

प्रश्न : जैवविविधता के महत्त्वपूर्ण प्रकारों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : जैव विविधता के महत्त्वपूर्ण प्रकार निम्नानुसार हैं :-

आनुवांशिक विविधता : एक जाति आनुवांशिक स्तर पर अपने वितरण क्षेत्र में बहुत विविधता दर्शाती है। भारत में 50 हजार से अधिक आनुवांशिक रूप से भिन्न धान की जातियां हैं।

जातीय विविधता : जातीय स्तर पर पायी जाने वाली विविधता। जैसे - पश्चिमी घाट की उभयचर जातियों की विविधता।

पारिस्थितिकीय विविधता : पारितंत्र स्तर पर पायी जाने वाली विविधता। जैसे - भारत के रेगिस्तान, आर्द्र भूमि, प्रवाल भित्ति की विविधता।

1. समान कर प्रणाली के कारण मितव्ययी व्यापार प्रशासन एवं सरल व्यापारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।
2. टैक्स में बचाव से उत्पादन लागत कम होगी जिससे वस्तु एवं सेवाओं की रिटेल कीमत कम होगी।
3. अधिशेष प्रयोज्य आय का निर्माण होगा।
4. इस प्रकार अधिक कर की प्राप्ति संभव होगी।

प्रश्न : पलायन वेग से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : वह न्यूनतम वेग, जिससे फेंका गया कोई पिण्ड पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र से बाहर चला जाए और पुनः लौटकर पृथ्वी पर न आए पलायन वेग कहलाता है। पृथ्वी तल पर पलायन वेग का मान 11.2 किमी/से. जबकि चन्द्रमा पर पलायन वेग 2.38 किमी/से. होता है।

पलायन वेग किसी पिण्ड के द्रव्यमान और प्रक्षेपण की दिशा पर निर्भर नहीं करता है बल्कि यह उस बिंदु के गुरुत्वीय विभव पर निर्भर करता है, जहाँ से प्रक्षेपित किया गया है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-175)

लोकप्रशासन

100 शब्द

प्रश्न : नवीन लोकप्रशासन के प्रमुख लक्ष्यों की चर्चा कीजिये।

उत्तर : नवीन लोकप्रशासन के प्रमुख लक्ष्य निम्न प्रकार है:-

1. प्रसांगिकता अर्थात् लोकप्रशासन का ज्ञान एवं शोध समाज की आवश्यकता के संदर्भ में प्रासंगिक तथा संगतिपूर्ण होना चाहिए तथा लोकप्रशासन के अध्ययनकर्ताओं को समाज की मूलभूत चिंताओं में भागीदारी का अवसर मिलना चाहिए।
2. **मूल्य** :- नवीन लोकप्रशासन स्पष्टतः आदर्शात्मक है तथा परम्परागत मूल्यों को अस्वीकार करते हुये समाज के दलित, दमित तथा सुविधाहीन के प्रति झुकाव को महत्त्व देता है।
3. **सामाजिक समानता** :- नवीन लोकप्रशासन के प्रणेता सामाजिक समता के सिद्धांत पर बल देते है। महिलाओं, बच्चों व दलित को सामाजिक न्याय प्रदान कराने के लिए संवेदनशील है।
4. **परिवर्तनः**- सामाजिक विकास, कल्याण तथा समता के लिये लोकप्रशासन को परिवर्तनों को बढ़ावा देना चाहिए।

संक्षेप में नवीन लोकप्रशासन आचारशास्त्र, मूल्यों, अभिनव परिवर्तन तथा सामाजिक समानता पर बल देता है। मूल्यों की आधारशिला पर ही लोकप्रशासन की इमारत खड़ी की जा सकती है।

प्रश्न : लोकप्रशासन को एक विज्ञान मानने के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिये।

उत्तर : 1. लोकप्रशासन में नियंत्रण, पर्यवेक्षण, संचार, समन्वय, केन्द्रीकरण, निर्णयन तथा अभिप्रेरणा के सिद्धांत सर्वमान्य है तथा प्रशासनिक कार्य, प्रक्रियाओं तथा व्यवहार के क्रम में विशिष्ट नियम तथा सिद्धांत है जिनका परीक्षण किया जा सकता है।

2. प्राकृतिक विज्ञानों की भांति लोकप्रशासन में ज्ञान एवं अनुसंधान के मध्य अन्तरनिर्भरता व्याप्त है। व्हाईट, विलोबी तथा साइमन के द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत शोध कार्यों पर आधारित है।
3. लोकप्रशासन के पास अध्ययन की वैज्ञानिक पद्धतियां तथा विधियां है। इन अध्ययनों में प्रबंधन तकनीक जैसे :- कार्य अध्ययन, पर्ट, व्यवस्था विश्लेषण तथा कम्प्यूटर प्रयोग शामिल है।
4. लोकप्रशासन के विशेषज्ञ वर्तमान में चिकित्सक, इंजीनियर तथा मनोविज्ञानी की भांति परामर्शदाता की भूमिका निभाते है क्योंकि इस विषय में भी कुछ विशिष्ट सिद्धांत यथार्थ के धरातल पर खरे उतर चुके है।

प्रश्न : लोकप्रशासन को एक पृथक्करण विषय के रूप में स्थापित करने में वुडरो विल्सन का योगदान।

उत्तर : लोकप्रशासन के पिता वुडरो विल्सन ने लोकप्रशासन को अलग विषय के रूप में पहचान दिलाने व स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यतः विल्सन को तीन महत्त्वपूर्ण योगदानों के लिये जाना जाता है।

1. राजनीति-प्रशासन द्विविभाजन
2. प्रशासन का विज्ञान 3. तुलनात्मक पद्धति

वुडरो विल्सन ने 1887 में अपने लेख The Study of Administration में प्रशासन को विज्ञान माना। राजनीति व प्रशासन के पृथक्करण पर बल दिया। उनके अनुसार लोक नीतियों का निर्माण राजनीति का काम है तथा उनका क्रियान्वयन करना प्रशासन का काम है।

विल्सन के अनुसार राजनीति व विज्ञान को पृथक करना आवश्यक है ताकि प्रशासन नीति के क्रियान्वयन में अधिक दक्षता प्राप्त कर सके, राजनीतिज्ञ स्वयं को संविधान के व्यापक मुद्दों, राज्य नागरिक संबंध व लोकतंत्र के अन्य मुद्दों पर केन्द्रित कर सके।

विल्सन ने प्रशासन को विज्ञान बनाने व इसके सिद्धांतों की रचना करने पर बल दिया तथा दार्शनिक अध्ययन का विरोध किया।

प्रश्न : उत्तरदायित्त्व के प्रमुख प्रकार लिखिये।

उत्तर : प्रशासनिक संगठनों में मुख्यतः तीन प्रकार के उत्तरदायित्त्व होते है जो निम्न प्रकार है:-

1. राजनीतिक उत्तरदायित्त्व :- लोकप्रशासन राजनीतिक कार्यपालिका के नेतृत्व में कार्य करने वाली व्यवस्था है चूँकि नीति, कानून तथा कार्यक्रमों का निर्माण एवं निर्देशन मुख्यतः मंत्री द्वारा किया जाता है। अतः समस्त प्रशासनिक अभिकरण अपने-अपने विभाग के मंत्री के प्रति उत्तरदायी होते है और सभी मंत्री मुख्य कार्यपालिका के साथ मिलकर अपने दायित्व का निर्वाह करते है।

2. संस्थागत उत्तरदायित्त्व:- संस्थागत उत्तरदायित्वों की पूर्ति हेतु जनशिकायत-निवारण व्यवस्था, संगठनात्मक विकास तथा नवाचारों के प्रयास किये जाते है।

पेशेवर उत्तरदायित्त्व :- चिकित्सा, नर्सिंग, विधि, अभियांत्रिकी, लेखा, अर्थतंत्र तथा वाणिज्य आदि से संबंद्ध अनेक पेशेवर संघ निर्मित हो चुके है। विशेषज्ञ सेवाओं से संबंद्ध कार्मिक अपने क्षेत्र के पेशेवर संघों के सदस्य होते है तथा संघ द्वारा निर्मित आचार संहिता का पालन करते है। इस प्रकार संघठनात्मक सत्ता को कार्य में लेते हुये व्यक्ति अनेक उत्तरदायित्वों को निर्वाहित करता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-176)

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

100 शब्द

प्रश्न : यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंधों की प्रवृत्तियों का परीक्षण कीजिए ?

उत्तर : शीतयुद्धोत्तर विश्व में आये आमूलचूल परिवर्तनों एवं विश्व व्यवस्था के प्रति भारतीय अनुकूलता को भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के संदर्भ में समझा जा सकता है। 450 मिलियन उपभोक्ताओं तथा विश्व की चार बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में यूरोपीय संघ के महत्त्व को भारत नकार नहीं सकता जबकि 350 मिलियन की उद्भवकारी मध्यम वर्ग से गठित होने के कारण यूरोपीय संघ भारत की उपेक्षा नहीं कर सकता। प्रारम्भिक दौर के उत्तर 21वीं सदी के आते-आते तथा वैचारिक द्वन्द्व के अन्त होने के कारण अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में सहमति मूलक अधारों के आलोक में 1994 में यूरोपीय संघ ने भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता का समर्थन किया। 2000 में भारत यूरोपीय संघ का शिखर वार्ताकार बना तथा भारत यूरोपीय संघ के 5वें शिखर वार्ता में (2004) भारत को सामरिक भागीदार की संज्ञा दी गई। जिसके आधार निम्न है :- बहुसांस्कृतिक सहयोग, क्षेत्रीय आर्थिक वार्ताओं का संवर्धन, भारत के द्वारा सहस्त्राब्दि विकासात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति के पारस्परिक प्रयत्न, राजनीतिक वार्त्ताओं की संघनता, आर्थिक सहयोग के प्रतिमानों की स्थापना तथा व्यापार व निवेश का विकास प्रमुख आधार है।

प्रश्न : नाभिकीय शक्ति के रूप में स्वीकृति हेतु भारत का दावा।

उत्तर : संयुक्त राज्य अमेरिका तथा नाटो द्वारा परमाणु सुरक्षा की गारंटी देने के बाद भी ब्रिटेन, फ्रांस, उत्तर कोरिया तथा इजरायल परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बने। परमाणु शक्ति सम्पन्न पश्चिमी राष्ट्रों ने जिस प्रकार अवांछित देशों तथा गैर जिम्मेदार देशों की संकल्पना कर नये उभरते राष्ट्रों की अवहेलना करना चाहा है वह एक गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। जहाँ तक भारत का प्रश्न है वह स्वअनुशासन तथा आत्मसंयम को ध्यान में रखते हुए विधिसम्मत अप्रसार की आलोचना करता है और नाभिकीय शक्ति के रूप में स्वीकृति चाहता है। भारत की परमाणु नीति उन अन्तर्राष्ट्रीय अप्रसार प्रवत्तियों के प्रति जवाबी कार्यवाही है। जिनसे भारत की दृष्टि में दीर्घकालिक हितों को खतरा है। भारत की पमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र के रूप में स्थिति को भले ही कानूनी तौर पर टालमटोल की जाए, परन्तु इस पर विश्व को सहमत होना पड़ेगा। भारत की इस प्रौद्योगिकीय क्षमता से शांतिपूर्ण प्रयोजन से पूर्ति होगी तथा आर्थिक विकास से योगदान मिलेगा। हाल ही में भारत को एम.टी.सी.आर. जैसे संगठन की सदस्यता मिलना इसकी पुष्टि करता है।

प्रश्न : भारत और जापान के बीच सहयोग के उभरते क्षेत्र

उत्तर : वर्तमान में भारत जापान के साथ लगातार संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जापान भारत में निवेश करने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा जापान की यात्रा से दोनों देशों में प्रगाढता बढ़ी है। दोनों देशों में कई क्षेत्रों में परस्पर सहयोग को दिशा देने के लिए उच्च स्तरीय रणनीतिक वार्ताएं किए जाने, आर्थिक भागीदारी, सांस्कृतिक एवं उच्च शिक्षा तथा तकनीकी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने जैसी बातों पर जोर दिया गया। दोनों देशों ने विश्व शांति, स्थिरता एवं संवृद्धि की प्रतिबद्धता की बात दोहराई इस हेतु संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में जल्दी सुधार करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प किया। हाल ही में भारत व जापान के मध्य हुआ परमाणु करार समझौता दोनों देशों के मध्य संबंधों का नवीन आगाज है।

प्रश्न : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता का भारत का दावा

उत्तर : सयुक्त राष्ट्र की शांति स्थापना की गतिविधियों में पिछले पांच दशकों में भारत की महत्वपूर्ण एवं सरहानीय भूमिका को देखते हुए इसकी सदस्यता का दावेदारी से इंकार नहीं किया जा सकता। वर्तमान संदर्भ में ईरान, ईराक, अंगोला, नामीबिया, ईराक-कुवैत यूगोस्लाविया, कंबोड़िया, सोमालिया, रवांडा आदि देशों में भारत ने सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं। सबसे प्रमुख कार्य फरवरी 1992 में सतीश नांबियार को यूगोस्लाविया में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा सेना का कमांडर नियुक्ति किया जाना सराहनीय कदम था। इसके अतिरिक्त 50 वर्षों में भारत ने संयुक्त राष्ट्र की अनेक शांति स्थापना की गतिविधियों में भाग लिया है। अतः अपनी शांति स्थापना की गतिविधियों को भारत ने विभिन्न समस्याओं के बावजूद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता प्राप्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में आंका जाना चाहिए।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-177)

सामान्य विज्ञान

15 शब्द

प्रश्न : विद्युत फ्लस्क को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : विद्युत क्षेत्र में स्थित, किसी पृष्ठ से अभिलम्बवत् गुजरने वाली कुल वैद्युत बल रेखाओं की संख्या। इसका SI मात्रक न्यूटन-मीटर^2 प्रति कूलॉम होता है।

प्रश्न : संवेग से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : किसी पिण्ड के द्रव्यमान एवं रेखीय वेग का गुणनफल संवेग कहलाता है। यह सदिश राशि, मात्रक-कि.ग्रा.-मी./सै.

प्रश्न : एक गेंद मैदानों की तुलना में पहाड़ों पर अधिक ऊँचाई तक उछलती है, क्यों?

उत्तर : पहाड़ों पर गुरुत्वीय त्वरण के मान में अपेक्षाकृत कमी होने के कारण।

प्रश्न : कार्य-ऊर्जा प्रमेय को समझाइये।

उत्तर : किसी पिण्ड पर आरोपित बल द्वारा किया गया कार्य इसकी गतिज ऊर्जा में परिवर्तन के बराबर होता है।

प्रश्न : असहसंयोजी आबन्धन को समझाइये।

उत्तर : समान परमाणु के इलेक्ट्रॉनों की साझेदारी से निर्मित बंध असहयोजी आबंधन कहलाता है।

प्रश्न : समांग साम्यावस्था किसे कहते हैं?

उत्तर : ऐसा निकाय जिसमें सभी अभिकारक एवं उत्पाद, समान प्रावस्था (ठोस/द्रव/गैस) में होते हैं।

प्रश्न : नाइट्रोजन स्थिरीकरण को समझाइये।

उत्तर : गैसीय नाइट्रोजन को नाइट्राइट एवं नाइट्रेट्स में परिवर्तित होने की प्रक्रिया। इस प्रक्रिया में भाग लेने वाला प्रमुख एंजाइम नाइट्रोजीनेज होता है।

प्रश्न : गर्भवती महिलाओं को फॉलिक अम्ल की प्रचुरता वाले खाद्य पदार्थों को खाने की सलाह क्यों दी जाती है?

उत्तर : फॉलिक अम्ल की प्रचुरता वाले खाद्य पदार्थों में उपस्थित फॉलिएट DNA संश्लेषण हेतु महत्वपूर्ण है।

प्रश्न : डी.एन.ए. फिंगरप्रिंटिग के उपयोग बताइये।

उत्तर : पैतृत्व परीक्षण, रेप/हत्या/अन्य अपराध में अपराधी का निर्धारण, विलुप्त प्रायः जन्तुओं के संकरण आदि में सहायक।

प्रश्न : यकृत के कार्य बताइये।

उत्तर : पित्त का स्त्रवण, ग्लाइकोजिनेसिस, विऐमेनीकरण, उत्सर्जन, ग्लाइकोजिनोलिसिस रुधिराणुओं का निर्माण, एन्जाइमों का स्त्रावण, हिपैरिन का स्त्रावण, विटामिन का संश्लेषण आदि।

50 शब्द

प्रश्न : बोर के परमाणु मॉडल की अवधारणायें प्रस्तुत कीजिये।

उत्तर : नील्स बोर ने प्लांक-क्वांटम सिद्धांत के आधार पर परमाणु मॉडल की निम्न अवधारणाएँ दी:-

(i) प्रत्येक कक्षा की ऊर्जा की मात्रा निश्चित है।

(ii) इलेक्ट्रॉन केवल उन्हीं कक्षाओं में घूम सकता है जिनमें कोणीय संवेग का मान का पूर्णांक गुणक होगा।

(iii) इलेक्ट्रॉन के एक कक्षा से दूसरी में जाने पर ऊर्जा का उत्सर्जन /अवशोषण होता है।

(iv) इलेक्ट्रॉन नाभिक के मध्य स्थिर विद्युत आकर्षण बल घूमते इलेक्ट्रॉन के लिये आवश्यक अपकेन्द्र बल को प्रतिसंतुलित कर देते हैं।

प्रश्न : रासायनिक अभिक्रियाओं के विभिन्न प्रकार बताइये।

उत्तर : वह प्रक्रिया, जिसमें पदार्थ (अभिकारक) अभिक्रिया करके नये यौगिक (उत्पाद) बनाते हैं, रासायनिक अभिक्रिया कहलाती है।

- संयोजन - वियोजन (अपघटन)
- विस्थापन - द्विविस्थापन
- उदासीनीकरण
- समावयीकरण या पुनर्विन्यास
- उत्क्रमणीय तथा अनुत्क्रमणीय
- जल-अपघटन
- प्रकाश रासायनिक
- ऊष्माक्षेपी तथा ऊष्माशोषी
- ऑक्सीकरण तथा अपचयन।

प्रश्न : फैराडे के विद्युत अपघटन के नियमों को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : माइकल फैराडे ने विद्युत अपघटन से सम्बन्धित निम्नलिखित दो नियम दिये :-

(i) विद्युत धारा द्वारा विद्युत अपघटन में रासायनिक विघटन की मात्रा विद्युत अपघट्य (विलयन या गलित) में प्रवाहित धारा की मात्रा के समानुपाती होती है। एवं

(ii) विभिन्न विद्युत अपघटनी विलयनों में विद्युत की समान मात्रा प्रवाहित करने पर मुक्त विभिन्न पदार्थों की मात्रायें उनके रासायनिक तुल्यांकी द्रव्यमानों के समानुपाती होती है।

प्रश्न : भू-स्थिर उपग्रह एवं ध्रुवीय उपग्रह में अंतर स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : पृथ्वी तल से 36000 कि.मी. की ऊँचाई पर स्थित उपग्रह जिसका परिक्रमण काल पृथ्वी की अक्षीय गति के परिक्रमण काल (24 घण्टे) के समान होता है, भू-स्थिर/भू-तुल्यकलिक उपग्रह कहलाते हैं। उपयोग-दूरसंचार जबकि पृथ्वी तल से 500-8800 कि.मी. की ऊँचाई पर स्थित उपग्रह जो ध्रुवीय कक्ष (उत्तर-दक्षिण दिशा) में परिक्रमण करते हैं, ध्रुवीय उपग्रह कहलाता है। आवर्तकाल लगभग 84 मिनट, उपयोग मौसम, वायुमण्डल आदि की जानकारी।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-178)

विधि

15 शब्द

प्रश्न : विधिक व्यक्तित्व

उत्तर : विधि द्वारा निर्मित सत्ता/इकाई जिस पर वह अधिकार एवं कर्त्तव्य आरोपित करती है।

प्रश्न : राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 में वर्णित "कृषक" को परिभाषित करें।

उत्तर : अधिनियम की धारा 5(3) के अनुसार ऐसा व्यक्ति जो कृषि से स्वयं/सेवकों/अभिधारियों आदि द्वारा पूर्णतः/आंशिक अपनी आजीविका चलाता हो।

प्रश्न : औद्योगिक अभिकल्पना से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : ऐसी रचनात्मक गतिविधियाँ जिनके द्वारा औद्योगिक उत्पादों को औपचारिक/अलंकारिक रूप प्रदान किया जाता है।

प्रश्न : विधिक अधिकार के तत्त्वों को स्पष्ट करें।

उत्तर : विधिक अधिकार के 4 तत्त्व भोक्ता, कार्य या प्रविरति, अधिकार का विषय या संबंधित वस्तु एवं आबद्ध व्यक्ति/प्रभावित व्यक्ति होते हैं।

प्रश्न : कब्जा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : किसी वस्तु/स्थान आदि का अनन्य उपयोग करने के क्रय में दावे का सतत् प्रयोग करना।

प्रश्न : नालबट

उत्तर : राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा-5(44) के तहत कुएं से सिंचाई उपयोग के बदले में व्यक्ति द्वारा स्वामी को नकद/जिंस में दिया जाने वाला भुगतान।

प्रश्न : कॉपीराइट एक्ट

उत्तर : साहित्य, ड्रामा, संगीत, कला एवं कुछ अन्य कलात्मक कार्यों के रचनाकारिता के मूल कार्य के संरक्षण हेतु रचनाकार को नियमों द्वारा संरक्षण उपलब्ध कराने संबंधी प्रावधान कॉपीराइट एक्ट कहलाता है।

प्रश्न : विशाखा दिशा निर्देश

उत्तर : 1997 में राजस्थान बनाम विशाखा केस में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के संगठन को महिला कर्मचारियों को सुरक्षा देने और यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए दिये गये दिशा निर्देश।

प्रश्न : राजस्व क्या है?

उत्तर : वार्षिक मांग जो भूमि के या भूमि में किसी हित के या भूमि के उपयोग के संबंध में किसी लेखे राज्य सरकार को सीधे देय हो और उसमें अभिहस्तांकित भू-राजस्व सम्मिलित है।

प्रश्न : राजस्थान अपील प्राधिकारी कौन होता है?

उत्तर : राजस्व अपील प्राधिकारी की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है उसके द्वारा (i) राजस्व संबंधी अपीलों (ii) पुनरीक्षणों एवं निर्देशों को ग्रहण करते हुए उनका नियंत्रण किया जाता है।

50 शब्द

प्रश्न : सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 (A) पर प्रकाश डालिये।

उत्तर : वर्ष 2008 में तत्कालीन केन्द्र सरकार ने इस सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 में संशोधन लाकर धारा 66 (A) नामक एक नया प्रावधान जोड़ दिया। इस धारा 66 (A) में यह प्रावधान किया गया कि यदि कोई व्यक्ति संचार माध्यमों द्वारा कोई ऐसा संदेश भेजता है या टिप्पणी करता है जिससे दूसरे की भावनाएँ आहत हों तो उसे गिरफ्तार किया जा सकता है तथा जुर्माने के साथ अधिकतम 3 वर्ष तक की कैद की सजा दी जा सकती है।

प्रश्न : भूमिधारी से क्या अर्थ है?

उत्तर : राज्य के किसी भाग में उस व्यक्ति से है जो चाहे किसी भी नाम से जाना जाता है, जिसे लगान देय है या जिसे अभिव्यक्त या विवांक्षित संविदा के अभाव में लगान देय होगा और उसमें (क) भू-सम्पत्तिधारी (ख) अनुकूल लगान दर पर अनुदानग्रहीता (ग) उप पट्टे की दिशा में, मुख्य अभिधारी जिसमें भूमि शिकमी किराये पर उठाई हो अथवा उसका बंधकग्रहीता, (घ) इजारेदार व ठेकेदार, और (ड़) साधारणतया प्रत्येक व्यक्ति जो उच्चत्तरधारी है। उन व्यक्तियों के संबंध में भूमि सीधे उससे लेकर या उसके अधीन धारण करता हो।

प्रश्न : सदर कानूनगों पर टिप्पणी लिखिये।

उत्तर : राजस्थान भू-राजस्व संहिता 1956 की धारा 34 के अन्तर्गत सदर कानूनगों के बारे में प्रावधान किया गया है। सदर कानूनगों की नियुक्ति-प्रत्येक जिले में भू-अभिलेख निदेशक द्वारा की जाती है। वह जिले में गिरदावर-कानूनगों, भू-अभिलेख निरक्षकों एवं पटवारियों के कार्य का पर्यवेक्षण करता है और ऐसे कर्तव्यों का पालन करता है तो उसे राज्य सरकार द्वारा निहित कार्य सौंपे जाते है।

प्रश्न : विधि द्वारा आधिपत्य (कब्जों) को क्यों सुरक्षित किया जाता है?

उत्तर : आधिपत्य को विधि द्वारा सुरक्षित किये जाने के तीन मुख्य कारण है -

(1) कब्जा स्थामित्व का प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य है। (जिस व्यक्ति के पास किसी वस्तु का कब्जा उसे उस व्यक्ति का प्रथम दृष्ट्या स्वामी माना जाता है।)

(2) कब्जा समाज में शान्ति एवं व्यवस्था बनाए रखने में सहायक होता है।

(3) कब्जा अपकृत्य को रोकता है। कब्जे में हस्तक्षेप करना अतिचार है और ऐसे अतिचारी के विरुद्ध क्षतिपूर्ति की कार्यवाही की जा सकती है।

(4) उसे उस वस्तु का प्रथम दृष्ट्या स्थायी माना जाता है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-179)

नीतिशास्त्र

15 शब्द

प्रश्न : प्लेटो के मुख्य सद्गुण क्या हैं?

उत्तर : प्लेटो के अनुसार न्याय में विवेक, साहस एवं संयम तीनों का समावेश होना आवश्यक है। यही प्लेटो का मुख्य सद्गुण है।

प्रश्न : कर्त्तव्यवादी नीतिशास्त्र

उत्तर : लोगों को अच्छे कार्यों के प्रदर्शन करने और इस हेतु नियम उपलब्ध कराने से संबंधित नीतिशास्त्र। जैसे कांट का नीतिशास्त्र।

प्रश्न : नैतिक सदगुण

उत्तर : ऐसे सत्कर्म जिन्हें व्यक्ति द्वारा अपने दैनिक व्यवहार में अपनाया जाता है, नैतिक सद्गुण कहलाते हैं।

प्रश्न : नोलन समिति

उत्तर : सार्वजनिक जीवन के नैतिक मानदंडों को स्थापित करने के उद्देश्य से ब्रिटिश सरकार द्वारा 1994 में गठित समिति।

प्रश्न : काण्ट द्वारा बुद्धि विकल्पों को अतीन्द्रिय कहने का क्या कारण है?

उत्तर : बुद्धि ज्ञान की प्रागवेक्षा है, अतः यह ज्ञान एवं अनुभव का विषय नहीं हो सकती है। इस लिए कान्ट ने इसे अतीन्द्रिय कहा है।

प्रश्न : 'स्थितप्रज्ञ'

उत्तर : गीता के अनुसार, निष्काम कर्मयोग का पालन करने वाला व्यक्ति जो सुख व दुःख दोनों के प्रति समान भाव रखता है। स्थितप्रज्ञ कहलाता है।

प्रश्न : गैर तरफदारी को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : स्वतंत्र एवं पेशेवर लोकसेवा का प्रतीक जिसमें लोकसेवक से किसी विशेष नीति के पक्ष/विपक्ष में तर्क न करने की आशा की जाती है।

प्रश्न : उपयोगितावाद

उत्तर : किसी भी कर्म/नियम को अपनाने के परिणामस्वरूप होने वाला अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख, हित की उपयोगितावाद है। बेन्थम, मिल इसके प्रतिपादक है।

50 शब्द

प्रश्न : कांटीय नीतिशास्त्र पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर : पश्चिमी दर्शन में निरपेक्षवादी या कर्त्तव्यवादी नीतिशास्त्र का चरम विकास काण्ट के दर्शन में हुआ है। उसके नैतिक सिद्धांत को 'निरपेक्ष आदेश' का सिद्धांत कहा जाता है जिसके अनुसार नैतिकता न तो मनुष्य की इच्छाओं या भावनाओं से संबंधित होती है और न ही कार्यों के परिणामों से, नैतिकता का एकमात्र संबंध विशुद्ध कर्त्तव्य चेतना से है। काण्ट के नैतिक दर्शन को सिनोइक और स्टोइक दर्शन में विद्यमान कठोरवाद या वैराग्यवाद का चरम स्तर माना जाता है।

प्रश्न : जे.एस.मिल. के उपयोगितावाद से आप क्या समझते है?

उत्तर : मिल का उपयोगितावाद मनोवैज्ञानिक तथा नैतिक सुखवाद से युक्त है। मिल ने अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख के सिद्धांत का समर्थन 'प्रत्येक व्यक्ति का सुख उसके लिये शुभ है' तर्क के माध्यम से किया है। उसका कथन है कि 'एक संतुष्ट सुअर होने की अपेक्षा असंतुष्ट मनुष्य होना श्रेष्ठ है।' मिल ने चार बाह्य नैतिक दबावों के साथ-साथ एक आंतरिक दबाव भी जोड़ा और सुखों की उत्कृष्टता या निकृष्टता का फैसला योग्य निर्णायकों पर छोड़ा।

प्रश्न : "मनुष्य को अपने कर्मों पर ही ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उसे परिणाम की चिंता नहीं करना चाहिए"- व्याख्या कीजिये।

उत्तर : इसका सामान्य अर्थ है कि व्यक्ति को निष्काम भाव से अर्थात् फल की इच्छा न रखते हुए केवल कर्त्तव्य पर बल देना चाहिए। गीता में कहा गया है कि यद्यपि प्रत्येक व्यक्ति को कर्म के अनुसार फल अवश्य मिलता है निष्काम कर्म की स्थिति में आने के लिए मानसिक नियंत्रण तथा संयम जरूरी है तथा निरंतर अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रश्न : गीता के नीतिमीमांसा का मूल्यांकन कीजिये।

उत्तर : आमतौर पर यह संभव नहीं है कि किसी कर्म के मूल में कोई कामना न हो; फिर भी अगर व्यक्ति सीमित मात्रा में भी इस आदर्श की उपलब्धि कर ले तो भावनात्मक स्तर पर अत्यधिक परिपक्व हो सकता है।

पूर्णतः स्थितप्रज्ञ होना भले ही संभव न हो किन्तु वह ऐसा आदर्श है कि उसी ओर जितना हो सके बढ़ते रहना चाहिए। जीवन में सुखों और दुखों से बचना संभव नहीं है किंतु उनके नकारात्मक प्रभावों से बचा जा सकता है और अपने मन को ऐसी संतुलित स्थिति में लाने का अर्थ यही है कि स्थितिप्रज्ञ के आदर्श की ओर बढ़ा जाए।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-180)

व्यवहार

15 शब्द

प्रश्न : तनाव के विभिन्न लक्षणों को बताइये।

उत्तर : एकाग्रता में कमी, स्मृति ह्रास, क्षीण निर्णय निर्धारण, आत्मसम्मान में कमी, अवसाद, भय, भावनात्मक आतुरता, ऊर्जा का उत्तेजित विस्फोट आदि।

प्रश्न : संज्ञानात्मक अधिगम से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : अधिगम का वह स्वरूप जिसमें प्रत्यक्षण, ज्ञान एवं विचार की पुनर्व्यवस्था अन्तर्निहित होती है।

प्रश्न : संवेगात्मक बुद्धि को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को बताइये।

उत्तर : अभिप्रेरणा, आत्मचेतना, सहयोग, संवेगों की उचित अभिव्यक्ति, मनोदशा को नियंत्रित करने की योग्यता, वातावरणीय स्थिति के लिए उपयुक्त क्रिया, सहानुभूति, नेतृत्व आदि।

प्रश्न : वाचिक अधिगम से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : वाचिक उद्दीपक के प्रति वाचिक रूप से अनुक्रिया करने की प्रक्रिया, इसमें प्रतीक, निरर्थक पद, शब्दों को सूचियाँ आदि होते हैं।

प्रश्न : बुद्धि के प्रकार बताइये।

उत्तर : बुद्धि के निम्नलिखित चार प्रकार हैं :- सांस्कृतिक, संवेगात्मक, सामाजिक एवं संज्ञानात्मक

प्रश्न : मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरक से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : वे व्यैक्तिक एवं अन्तव्यैक्तिक अभिप्रेरक जो शक्ति, आत्म सम्मान संबंधन और दूसरे लोगों से घनिष्टता बढ़ाने के लिये व्यक्तियों को प्रेरित करते हैं, मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरक कहलाते हैं।

प्रश्न : स्मृति

उत्तर : किसी सूचना को एक निश्चित समय तक धारित करना तथा उसका संग्रह करना जिसमें कूट संकेतन, भण्डारण एवं पुनर्प्राप्ति अवस्थायें होती हैं, स्मृति कहलाती है।

प्रश्न : अधिगम को परिभाषित कीजिये।

उत्तर : व्यक्ति में अनुभवों के कारण व्यवहार में अथवा व्यवहार की क्षमता में होने वाले अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन अधिगम कहलाते हैं।

प्रश्न : मॉडलिंग

उत्तर : सामाजिक अधिगम में वह प्रक्रिया जिसके द्वारा बच्चा दूसरों का प्रेक्षण तथा अनुकरण करके सामाजिक एवं संज्ञानात्मक व्यवहार सीखता है।

50 शब्द

प्रश्न : भावनात्मक बुद्धिमत्ता क्या है? इसकी विभिन्न योग्यताओं को भी बताइए।

उत्तर : भावनात्मक बुद्धिमत्ता वह योग्यता है जिससे व्यक्ति अपनी तथा अन्य व्यक्तियों की भावनाओं तथा अनुभूतियों को पहचानता है, उनमें अंतर करता है तथा इस सूचना का प्रयोग अपने चिंतन तथा क्रियाओं को निर्देशित करने के लिए करता है। इसके अंतर्गत चार योग्यताएँ आती हैं - भावनाओं को प्रत्यक्ष करने की क्षमता, भावनाओं का प्रयोग चिंतन को प्रेरित करने के लिए करना, भावनाओं को समझना तथा भावनाओं का प्रबंधन करना।

प्रश्न : बुद्धि परीक्षण के दुरूपयोगों को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : किसी परीक्षण पर खराब प्रदर्शन बच्चे पर कलंक लगा सकता है तथा उससे उनके निष्पादन और आत्म-सम्मान पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

- परीक्षण माता-पिता, अध्यापकों तथा बड़ों के भेदभावपूर्ण आचरण को न्योता दे सकता है।
- मध्यवर्गीय और उच्चवर्गीय जनसंख्याओं के पक्ष में अभिनत परीक्षण समाज के सुविधावंचित समूहों से आने वाले बच्चों की बुद्धिलब्धि को कम आँक सकता है।
- बुद्धि परीक्षण सर्जनात्मक संभाव्यताओं और बुद्धि के व्यावहारिक पक्ष का माप नहीं कर पाता है और उनके जीवन में सफलता से ज्यादा संबंध नहीं होता। बुद्धि जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों का एक संभाव्य कारक हो सकता है।

प्रश्न : संवेगात्मक बुद्धियुक्त व्यक्तियों की विशेषताओं का उल्लेख करें।

उत्तर : अपनी भावनाओं और संवेगों को जानना और उसके प्रति संवेदनशील होना।

- दूसरे व्यक्तियों के विभिन्न संवेगों को उनकी शरीर भाषा, आवाज और स्वर का तथा अन्य अभिव्यक्तियों पर ध्यान देते हुए जानना और उसके प्रति संवेदनशील होना।
- अपने संवेगों को अपने विचारों से संबद्ध करना ताकि समस्या समाधान तथा निर्णय करते समय उन्हें ध्यान में रखा जा सके।
- अपने संवेगों की प्रकृति और तीव्रता के शक्तिशाली प्रभाव को समझना।

प्रश्न : विस्मरण के प्रमुख कारणों का उल्लेख कीजिये।

उत्तर : एक स्मृति को पुनः प्राप्त करने में असमर्थता विस्मरण का प्रमुख कारण है। जानकारी के दीर्घकालिक स्मृति में लंबे समय तक न बने रहने के कारण भी हम भूल सकते हैं। इसके अतिरिक्त पुनर्प्राप्ति विफलता, अप्रभावी एनकोडिंग, हस्तक्षेप, क्षय अथवा लुप्तता, प्रेरित विस्मरण, शारीरिक चोट/मानसिक आघात एवं अन्य जैविक कारणों से भी विस्मरण संभव है।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

सम्यक् An Institute for Civil Services IAS/RAS
SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
संपर्क :- 9875170111, 9414988860

राजस्थान प्रशासनिक सेवा मुख्य परीक्षा (अंक-181)

भारतीय राजव्यवस्था

15 शब्द

प्रश्न : जे.वी.पी समिति।

उत्तर : कांग्रेस द्वारा दिसंबर, 1948 में गठित भाषायी प्रांत समिति, जिसमें जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल और पट्टाभिसीतारमैय्या शामिल थे।

प्रश्न : लेम-डक सत्र।

उत्तर : नई लोक सभा के गठन से पूर्व वर्तमान लोक सभा का अंतिम सत्र, लेम-डक सत्र है।

प्रश्न : गन-बोट डिप्लोमेसी।

उत्तर : एक राजनैतिक कूटनीति, जिसके अन्तर्गत कोई देश अपने निहित स्वार्थ पूर्ति हेतु दूसरे देश को भय दिखाये।

प्रश्न : भारतीय संविधान के 24 वें संशोधन की महत्ता।

उत्तर : 24 वें संविधान संशोधन, 1971 ने संविधान संशोधन विधेयकों पर राष्ट्रपति को अपनी स्वीकृति हेतु बाध्यकारी बना दिया।

प्रश्न : रिकॉल सिस्टम (Recall system) से आप क्या समझते है?

उत्तर : एक राजनीतिक प्रक्रिया, जिसके अंतर्गत निर्वाचित प्रतिनिधियों को निर्धारित समय से पूर्व बुलाने का अधिकार मतदाताओं को प्राप्त हो।

प्रश्न : राष्ट्रपति एवं राज्यपाल की क्षमादान करने की शक्ति में समानता के बिंदु?

उत्तर : मृत्युदण्ड के निलंबन, दण्डावधि कम करने एवं दण्ड का स्वरूप बदलने के संबंध में समानता है।

प्रश्न : "सुपर कैबिनेट" के बारे में बताइये।

उत्तर : सभी कैबिनेट समितियों में शक्तिशाली, राजनीतिक मामलों की समिति, जिसके प्रमुख प्रधानमंत्री होते हैं, सुपर कैबिनेट है।

50 शब्द

प्रश्न : राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों के अन्तर्गत गांधीवादी प्रकृति को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : गांधीजी के सपनों को साकार करने हेतु उनके विचारों को निदेशक तत्त्वों में शामिल किया गया है जो राज्य से अपेक्षा करते हैं :- ग्राम पंचायतों का गठन कर उन्हें आवश्यक शक्तियाँ प्रदान करें (अनु.40); ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत एवं सहकारिता के आधार पर कुटीर उद्योगों की स्थापना (अनु.43); सहकारी समितियों का गठन, स्वायत्त संचालन, लोकतांत्रिक नियंत्रण को बढ़ावा (अनु.-43B), SC, ST और समाज के कमजोर वर्गों के शैक्षणिक आर्थिक हितों को प्रोत्साहन, शोषण से सुरक्षा (अनु. -46), उन्नत स्वास्थ्य दशाएं (अनु.-47) तथा पशु वध (गाय) पर प्रतिबंध और उनकी उन्नत नस्लों को प्रोत्साहन (अनु. 48)।

प्रश्न : संविधान संशोधन की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिये।

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद-368 में संशोधन की प्रक्रिया का आरंभ संसद के किसी भी सदन में संबंधित विधेयक प्रस्तुत कर हो सकता हे किंतु राज्य विधान मंडल में नहीं। यह विधेयक किसी मंत्री या गैर-सरकारी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है। इस हेतु राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति आवश्यक नहीं। इसे दोनों सदनों से विशेष बहुमत द्वारा पारित कराना अनिवार्य है। यदि विधेयक संघीय व्यवस्था के संशोधन से संबंद्ध है तो उसे आधे राज्यों के विधानमंडलों से सामान्य बहुमत से पारित हो। दोनों सदनों से पारित होने व राज्य विधानमंडलों की संस्तुति के बाद राष्ट्रपति की सहमति के लिए जाता है तदुपरान्त विधेयक कानून बन जाता है।

प्रश्न : राष्ट्रपति के संबंध में प्रधानमंत्री की शक्तियों का वर्णन कीजिये।

उत्तर : प्रधानमंत्री के इस कार्य को विशेषतः अनुच्छेद- 78 में निर्दिष्ट किया गया है। उसका दायित्व है कि वह संघ के कार्यकलापों/प्रशासन संबंधी तथा कानूनी निर्णयों से संबंधित मंत्रिपरिषद् के सभी निर्णयों से राष्ट्रपति को अवगत कराये। साथ ही राष्ट्रपति को विभिन्न अधिकारियों - महान्यायवादी, भारत का नियंत्रण-महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों, चुनाव आयुक्तों, वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों तथा अन्य प्रमुख नियुक्तियों के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है।

प्रश्न : चाबहार समझौता और भारतीय निहितार्थ को उल्लेखित कीजिये।

उत्तर : अमेरिका आपत्तियों के बावजूद भारत ने 6 मई, 2015 को ईरान के चाबहार पोर्ट के विकास हेतु ईरान से समझौता हस्ताक्षर किये हैं। रणनीतिक महत्त्व के इस पोर्ट द्वारा भारत को अफगानिस्तान तक समुद्र और भूमि के रास्ते पहुँचना आसान होगा। चाबहार बंदरगाह ईरान के दक्षिण तट सिस्तान व बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है तथा पाकिस्तान को दरकिनार कर पोर्ट तक पहुंचना भारत के लिए खास महत्त्व रखता है वाणिज्यिक महत्त्व के साथ-साथ भारत इस पोर्ट से हिन्द महासागर, फारस की खाड़ी एवं इस क्षेत्र के अन्य भू-भाग में पाकिस्तान व चीन की बढ़ती गतिविधियों पर नजर रख सकेगा।

कौशल भारद्वाज (सहायक वाणिज्य कर अधिकारी)
Samyakjaipur@gmail.com

दर्शन ज्ञान चरित्र

www.examisthan.com

सम्यक्

Towards Excellence...

An Institute for Civil Services

Congratulations

2013 में I Rank सहित 50+ चयन

अनिल कुमार सिंघल की कलम से...

वर्तमान परिदृश्य में सम्यक संस्थान द्वारा RAS परीक्षा हेतु किये जा रहे प्रयास सराहनीय एवं श्रेष्ठ हैं। वर्तमान प्रतियोगी परीक्षार्थियों हेतु संस्थान द्वारा बेहतर मार्गदर्शन, कक्षा कार्यक्रम एवं साक्षात्कार तैयारी पूर्ण मनोयोग से की जा रही है। आशा है संस्थान, भविष्य में और भी बेहतर वातावरण उपलब्ध कराता रहेगा। श्री संस्थान के मानद मार्गदर्शक श्री कैलाश आरड्डाज जी से काफी लम्बे समय से सहयोग प्राप्त होता रहा है। भविष्य में अन्य विद्यार्थी संस्थान से जुड़कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

ANIL KUMAR SINGHAL.
1st Rank - RAS 2013.

Mukesh Meena
ST Rank-1

Komal Jain
Rank BL-02

Sanju Meena
Rank-ST WE-02

Kumsum Meena
Rank ST WE-04

Sunita Yadav
Rank WE-06

Manish Kumar Jatav
Rank SC-06

Pratibha Nimesh
Rank -SC WE 09

Khushboo Sharma
Rank WE-10

Santra Devi
Rank OBC WE-19

Krishna Pratap Singh
Rank SC-30

Ashish Yadav
Rank OBC WE-38

Anshul Singh
Rank- 38

Vidya Choudhary
Rank OBC WE-58

Krishma Kavia
Rank WE-67

Pooja Diggi
Rank WE-72

Harsh Sharma
Rank-95

Gaurav Soni
Rank OBC-104

Mahendra Singh Simar
Rank-198

Vimlesh Kumar
Rank-363

Shiv Charan Sharma
Rank-385

Shailendra Singh
Rank-451

Vikas Sharma
Rank-517

Anup Sharma
Rank-565

Nikita Poonia
Rank-661

Mamta Gaur
Ranke GE-WE 90

Bharat Singh Gurjar
Rank

दर्शन ज्ञान चरित्र

www.examisthan.com

सम्यक्

Towards Excellence...

An Institute for Civil Services

सफल अधिकारियों एवं दक्ष व अनुभवी विशेषज्ञों सहित Complete & Competent Team के साथ...

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अर्थव्यवस्था उपेन्द्र अनमोल (Space IAS, दिल्ली)	इतिहास रजनीश राज (सिहांता IAS, दिल्ली)	भूगोल संजीव श्रीवास्तव (संधान IAS दिल्ली)
रीजनिंग मधुकर कोटवे (दिल्ली), अरविन्द मित्तल	गणित इंजिनियर देशवाल सर	प्रशासनिक नीतिशास्त्र डॉ. पुष्पा सारस्वत
राजव्यवस्था डॉ. योगेश शर्मा/कौशल भारद्वाज	समाजशास्त्र डॉ. जी. एल. शर्मा (RAS)	व्यवहार डॉ. आर. आर. जैमन
Eco. IR, Pub. Ad. & Current. Aff. आनन्द अग्रवाल	राज. इतिहास एवं कला संस्कृति भूदेव व्यास	राज. भूगोल एवं अर्थव्यवस्था अशोक शर्मा
विधि श्रीमति सीमा जी (प्रज्ञा RJS)	सामान्य विज्ञान मधुकर कोटवे (दिल्ली)	अंग्रेजी डॉ. ललित शर्मा	सामान्य हिन्दी डॉ. इन्दिरा अशोक & कौशल भारद्वाज

आर.ए.एस. 2016 में संस्थान से चयनित

उपेन्द्र कुमार शर्मा (Rank 05)

संजय गोरा (Rank 06)

मृत्युंजय मिश्रा (Rank 12)

शिवचरण शर्मा (Rank 22)

मनीष शर्मा (Rank 23)

अरूण कुमार (Rank 27)

रूद्र प्रताप (Rank 39)

अर्शदीप बरार (Rank 46)

रविकुमार गोयल (Rank 95)

शालिनी बजाज (Rank 108)

रश्मि शकरवाल (RAS)

मनीष कुमार जाटव (RAS)

मिथलेश कुमार (RAS)

दीपक जेवरियां (RAS)

इंदु लोदी (RPS)

खुशबू अमेटा (RPS)

150+ Selection...

पता:- SP-21 केनरा बैंक के ऊपर, ऋद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर।

9875170111, 9414988860, 9414890901 / 2